tokgjyky usg: fo'ofo|ky;

35oka

okf"kZd izfrosnu

¼1 vizSy 2004 ls 31 ekpZ 2005 rd½

ubZ fnYyh&110067

vk[;ku

> "विश्वविद्यालय का उद्देश्य मानवता, सहनशीलता, तर्कशीलता, चिन्तन प्रक्रिया और सत्य की खोज की भावना को स्थापित करना होता है। इसका उद्देश्य मानव जाति को निरन्तर महत्तर लक्ष्य की ओर प्रेरित करना होता है। अगर विश्वविद्यालय अपना कर्तव्य ठीक से निभाएं तो यह देश और जनता के लिए अच्छा होगा।"

स्वतंत्रत भारत के प्रथम प्रधानमंत्री द्वारा 13 दिसम्बर 1947 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय की हीरक जयंती के अवसर पर दिए गए उपर्युक्त वक्तव्य से यह परिलक्षित होता है कि पं. नेहरू ने भारत में विश्वविद्यालीय शिक्षा को विशेष महत्व दिया है। नेहरू का दृढ़ विश्वास था कि विश्वविद्यालय अपने छात्रों में मानवता, सहनशीलता, तर्कशीलता के आधारभूत सद्गुण और दूरदर्शिता विकसित करने में तथा छात्रों को कल्पनाशक्ति–सम्पन्न विचारों और सत्य की खोज के लिए प्रेरित करते हुए राष्ट्र के स्वरूप को बदलने और उसे शक्तिशाली बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

ऐसे महान राजनेता के विचारों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना ज.ने.वि. अधिनियम 1966 (1966 का 53) के अन्तर्गत वर्ष 1966 में की गई थी। निःसन्देह यह विश्वविद्यालय पं. जवाहरलाल नेहरू के नाम पर एक राष्ट्रीय स्मारक के रूप में था। पं. जवाहरलाल नेहरू को और अधिक सम्मान देने की दृष्टि से विश्वविद्यालय का औपचारिक उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति स्व. श्री वी.वी. गिरी द्वारा पं. नेहरू के जन्म दिवस के अवसर पर 14 नवम्बर 1969 को किया गया था। संयोगवश यह वर्ष महात्मा गाँधी का जन्मशती वर्ष भी था।

विश्वविद्यालय के उद्देश्य हैं –

> 'अध्ययन, अनुसंधान और अपने संगठित जीवन के उदाहरण और प्रभाव द्वारा ज्ञान, प्रज्ञान एवं समझदारी का प्रसार व अभिवृद्धि करना तथा विशिष्टतः उन सिद्धान्तों की अभिवृद्धि का प्रयास करना, जिनके लिए जवाहरलाल नेहरू ने जीवन–पर्यंत काम किया, जैसे – राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, धर्म निरपेक्षता, जीवन की लोकतांत्रिक पद्धति, अन्तर्राष्ट्रीय समझ और सामाजिक समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण।

इस लक्ष्य की दिशा में, विश्वविद्यालय –

- भारत की सामासिक संस्कृति के संवर्धन के लिए ऐसे विभाग और संस्थान स्थापित करेगा जो भारत की भाषाओं, कलाओं और संस्कृति के अध्ययन तथा विकास के लिए अपेक्षित हों;
- सम्पूर्ण भारत से छात्रों और अध्यापकों को उसके शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लेने की सुविधा देने के लिए विशेष उपाय करेगा;
- छात्रों और अध्यापकों में देश की सामाजिक आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता और बोध की अभिवृद्धि करते हुए उन्हें इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए तैयार करेगा;
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी के साथ–साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भी समन्वित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष व्यवस्था करेगा;
- अन्तर–विषयक अध्ययन के प्रोत्साहन के लिए समुचित उपाय करेगा;
- छात्रों में विश्वव्यापी दृष्टिकोण और अन्तर्राष्ट्रीय समझ विकसित करने की दृष्टि से ऐसे विभाग या संस्थान स्थापित करेगा जो विदेशी भाषाओं, साहित्य और जीवन के अध्ययन के लिए आवश्यक हों; और

- विभिन्न देशों से आए छात्रों और अध्यापकों के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों और गतिविधियों में भाग लेने हेतु सुविधाएं प्रदान करेगा।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की अद्वितीयता का प्रमाण इसके मूल दर्शन, नीतियों और मुख्य कार्यक्रमों से मिलता है, जिनका उल्लेख विश्वविद्यालय के अधिनियम में स्पष्ट रूप से किया गया है। तदनुसार, विश्वविद्यालय का हमेशा यही प्रयास रहा है कि ऐसी नीतियां और अध्ययन कार्यक्रम विकसित किए जाएं जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पहले से उपलब्ध सुविधाओं में मात्र विस्तार न होकर राष्ट्रीय संसाधनों में महत्वपूर्ण वृद्धि करें। इस तरह विश्वविद्यालय ऐसे कार्यक्रमों पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है जो राष्ट्र की उन्नति और विकास के लिए संगत हों। इस संबंध में, विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित प्रयास किए हैं –

- विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय एकता, धर्मनिरपेक्षता, जैसे विचारों, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जीवन के प्रति विश्वव्यापी और मानववादी दृष्टिकोण विकसित करने के लिए निरन्तर प्रयास किए हैं।
- विश्वविद्यालय ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से छात्रों और शिक्षकों का चयन करके अपने राष्ट्रीय चरित्र को बनाए रखा है।
- ज्ञान की अविभाज्यता को स्वीकारते हुए अन्तर–विषयक शिक्षण तथा शोध को बढ़ावा दिया गया है और तद्नुसार अध्ययन संस्थानों और केन्द्रो की स्थापना की गई है।
- विश्वविद्यालय में अपरम्परागत क्षेत्रों में शिक्षण एवं शोध पर बल देते हुए यह सुनिश्चित किया गया है कि जहां तक संभव हो सके अन्य विश्वविद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं की पुनरावृत्ति न हो।
- विश्वविद्यालय में भारतीय और विदेशी भाषाओं के शिक्षण और शोध का एक मॉडल भाषा संस्थान स्थापित करने पर ध्यान दिया गया है। इसमें विभिन्न उपकरणों से सुसज्जित भाषा प्रयोगशालाएं और केंद्र हैं जहाँ सम्बन्धित देशों के साहित्य, संस्कृति और सभ्यता का अध्ययन काफी उपयुक्त और प्रभावी ढ़ंग से होता है।
- विश्वविद्यालय में एक ऐसी पद्धति विकसित की गई है, जिसके अन्तर्गत पढ़ाए जाने वाले कोर्स, उन कोर्सों की संक्षिप्त विषय–वस्तु और मूल्यांकन पद्धति जैसे मूल शैक्षिक निर्णय स्वयं शिक्षकों द्वारा ही लिए जाते हैं।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश देश भर में फैले 55 केंद्रों और विदेशों में स्थित 2 केंद्रों पर आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश–परीक्षा में प्राप्त अंकों की मेरिट सूची के आधार पर दिया जाता है।
- भारत सरकार की नीति के अनुसार, विश्वविद्यालय में छात्रों को प्रवेश में और शिक्षकों को भर्ती में आरक्षण दिया जाता है।
- विश्वविद्यालय में मेरिट–कम–मींस छात्रवृत्तियों/अध्येतावृत्तियों द्वारा छात्रों के साथ–साथ शिक्षकों को उनके शोध कार्य के लिए देश–विदेश का दौरा करने हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है।
- विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय समझ को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से विदेशों के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों में भाग लेता है। विश्वविद्यालय ने कई विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ 'एमओयू' पर हस्ताक्षर किए हैं।
- छात्रों और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने के लिए एक शिकायत निवारण समिति का गठन किया गया है।
- एक स्वच्छ सामाजिक वातावरण और जेएनयू समुदाय में सुरक्षा की भावना विकसित करने की दृष्टि से विश्वविद्यालय ने यौन उत्पीड़न के विरूद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति का गठन किया है।
- बाबा साहेब अम्बेडकर चेयर, नेल्सन मंडेला चेयर, अप्पादुरई चेयर, राजीव गांधी चेयर, आर.बी.आई. चेयर, एस.बी.आई. चेयर, ग्रीक अध्ययन में चेयर जैसी कई चेयर स्थापित की गई हैं।
- विश्वविद्यालय के दलित छात्रों के शैक्षिक/वित्तीय सम्बन्धी मामलों की देख–रेख के लिए एक सलाहकार समिति का गठन किया गया है।
- विश्वविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों को प्रवेश परीक्षा में वेटेज देने से संबंधित महत्वपूर्ण कदम वर्ष 1995 में उठाए थे।
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय पिछले कई वर्षों से 37 से अधिक प्रतिभागी विश्वविद्यालयों के एम.एस–सी.

– जैव–प्रौद्योगिकी, एम.एस–सी. – कृषि जैव–प्रौद्योगिकी, एम.वी.एस–सी. (एनिमल) जैव–प्रौद्योगिकी और एम. टेक. जैव–प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संयुक्त जैव–प्रौद्योगिकी प्रवेश–परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित कर रहा है। यह प्रवेश–परीक्षा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित की जाती है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना विशेष रूप से एक स्नातकोत्तर शिक्षण एवं शोध संस्थान के रूप में की गई थी। विश्वविद्यालय की विद्या सलाहकार समिति ने यह निर्णय लिया था कि विश्वविद्यालय में मूलतः 9 संस्थान होंगे :

1. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान
2. सामाजिक विज्ञान संस्थान
3. अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
4. जीवन विज्ञान संस्थान
5. पर्यावरण विज्ञान संस्थान
6. कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान
7. भौतिक विज्ञान संस्थान
8. कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान
9. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

इनमें से पहले चार अध्ययन संस्थानों ने वर्ष 1971 में नई दिल्ली में अपनी गतिविधियां आरम्भ कीं। वर्ष 1974 और 1975 में क्रमशः पर्यावरण विज्ञान संस्थान तथा कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान की स्थापना हुई। भौतिक विज्ञान संस्थान वर्ष 1986 में शुरू हुआ। वर्ष 2001 में कला और सौन्दर्य–शास्त्र संस्थान और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान शुरू हुए।

वर्ष 1972 में इंफाल (मणिपुर) में स्नातकोत्तर अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई। अंततः वर्ष 1981 में यह केन्द्र मणिपुर विश्वविद्यालय का एक हिस्सा बन गया।

पिछले लगभग 37 वर्ष के दौरान निम्नलिखित अध्ययन केंद्र शुरू किए गए और इन्हें सम्बन्धित संस्थानों को सौंपा गया : –

1- lkekftd foKku lLFkku	– सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र – ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र – राजनीतिक अध्ययन केंद्र – क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र – सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र – जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र – विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र – आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र – दर्शनशास्त्र केंद्र – महिला अध्ययन कार्यक्रम – प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप – भारत के समसामयिक इतिहास पर अभिलेखागार – शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट
2- Hkk'kk] lkfgR; vkj lLÑfr v/;;u lLFkku	– फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र – जर्मन अध्ययन केंद्र – इस्पेनी अध्ययन केंद्र – अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र – भारतीय भाषा केंद्र – भाषा–विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र – फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

3- vUrjk"Vh; v/;;u lLFkku	– जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र – चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र – रूसी अध्ययन केन्द्र – दर्शनशास्त्र ग्रुप – भाषा प्रयोगशाला समूह – अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र – राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र – पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र – रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र – अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र – दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र – पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र – राजनीतिक सिद्धान्त और तुलनात्मक अध्ययन ग्रुप
4- dyk vkj lkn;l'kkL= lLFkku	&
5- thou foKku lLFkku	&
6- i;koj.k foKku lLFkku	&
7- dl;Vj vkj i)fr foKku lLFkku	&
8- Hkkfrd foKku lLFkku	&
9- lpuk ik|kfxdh lLFkku	– जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र – संचार और सूचना सेवाएं – कंप्यूटर केंद्र
10 tio&ik|kfxdh dn	&
11- lLÑr v/;;u dæ	&
12- vk.kfod fpfdRlk&'kkL= dn	&
13- fof/k vkj vfHk'kklu v/;;u dn	&

इनके अतिरिक्त, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने अपने राष्ट्रीय चरित्र के अनुसार देश भर के निम्नलिखित सुप्रसिद्ध संस्थानों को मान्यता प्रदान की है।

1- j{kk lLFkku	– सेना कैडेड महाविद्यालय, देहरादून – सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, पुणे – सेना इलेक्ट्रोनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरी महाविद्यालय, सिकंदराबाद – सेना दूर–संचार इंजीनियरी महाविद्यालय, महू – राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे – नौ सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, लोनावाला

2- vul/kku vkj fodkl lLFkku	– कोशिकीय और अणु जीव–विज्ञान केंद्र, हैदराबाद – विकास अध्ययन केंद्र, तिरूवनन्तपुरम – केंद्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ – सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ मेडिसिनल ऐंड ऐरोमेटिक प्लांट, लखनऊ – सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ़ – अन्तर्राष्ट्रीय आनुवंशिकी इंजीनियरी तथा जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली – राष्ट्रीय प्रतिरक्षा–विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली – नाभिकीय विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली – रमण अनुसंधान संस्थान, बंगलौर – राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली.

'kf{kd dk;Øe vkj io'k

v/;;u ikB;Øe

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय ने 61 विषयों में पी–एच.डी., एम.फिल./पी–एच.डी./एम.टेक./पी–एच.डी. और एम.सी.एच/पी–एच.डी., जैव–सूचना विज्ञान में उच्च (स्नात्कोत्तर) डिप्लोमा, 5 विषयों में एम.एस–सी./एम.सी.ए., 23 विषयों में स्नातकोत्तर तथा 9 विदेशी भाषाओं में स्नातक पाठ्यक्रम चलाए। इनके अतिरिक्त, विभिन्न भाषाओं में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और उच्च डिप्लोमा कोर्स भी चलाए।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न संस्थानों/केन्द्रों द्वारा निम्नलिखित अध्ययन पाठ्यक्रम चलाए गए :

dyk vkj lkUn;&'kkL= lLFkku

- एम.ए. : यह 4 सत्रीय पाठ्यक्रम है। यह दृश्य और अभिनय कला के सैद्धांतिक और आलोचनात्मक अध्ययन पर केन्द्रित है।

dI;Vj vkj i)fr&foKku lLFkku

- एम.फिल./पी–एच.डी. : यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान के विभिन्न पक्षों पर केन्द्रित है।
- एम.टेक./पी–एच.डी. (कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी) : यह 3–सत्रीय पाठ्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीनतम जानकारी प्रदान करने की दृष्टि से तैयार किया गया है। एम.टेक. पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवार पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में पंजीकरण के पात्र हो जाते हैं।
- मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.) : 3–वर्षीय पाठ्यक्रम को इस प्रकार से तैयार किया गया है कि छात्रों को विज्ञान और इंजीनियरी के क्षेत्र में कंप्यूटर अनुप्रयोग सम्बन्धी सैद्धान्तिक पृष्ठभूमि एवं व्यावहारिक अनुभव की आवश्यक जानकारी प्राप्त हो सके तथा डाटा प्रोसेसिंग के क्षेत्र में मानव–शक्ति की बढ़ती हुई मांग को पूरा किया जा सके।

i;koj.k foKku lLFkku

- एम.फिल./पी–एच.डी. : चार विस्तृत क्षेत्रों में शोध सुविधाएं उपलब्ध हैं। (विस्तृत विवरण इस संस्थान के अध्याय में दिया गया है।)

  एम.एस–सी. – पर्यावरण विज्ञान : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम वायुमंडलीय, भूमि, प्रदूषण और जीव–विज्ञानों के क्षेत्र में विशेषीकरण सहित पर्यावरण के मुख्य आयामों से सम्बद्ध है।

vUrjk"Vh; v/;;u lLFkku

- एम.फिल./पी–एच.डी. : कोर्स कार्य और शोध सुविधाएं निम्नलिखित क्षेत्रों में उपलब्ध हैं : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, राजनीतिक भूगोल, राजनयिक अध्ययन, अन्तर्राष्ट्रीय विधि अध्ययन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और विकास, निरस्त्रीकरण अध्ययन, दक्षिण एशियाई अध्ययन, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन, मध्य एशियाई अध्ययन, चीनी अध्ययन, जापानी और कोरियाई अध्ययन, पश्चिमी एशियाई और उत्तरी अफ्रीकी अध्ययन, उप–सहारीय अफ्रीकी अध्ययन, अमरीकी अध्ययन, लेटिन अमरीकी अध्ययन, पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन, कनाडियन अध्ययन तथा रूसी और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन।
- एम.ए. राजनीति (अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में विशेषीकरण के साथ) : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम है, जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय मामलों, क्षेत्रीय राजनीति, राजनीतिक सिद्धांत, तुलनात्मक राजनीति और आर्थिक विकास के क्षेत्र शामिल हैं। इनसे छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन की गहन जानकारी प्राप्त होती है।

- एम.ए. अर्थशास्त्र (विश्व अर्थव्यवस्था में विशेषीकरण के साथ) : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम है, जिसमें छात्रों को अर्थशास्त्र के सिद्धांतों की ठोस सैद्धांतिक पृष्ठभूमि उपलब्ध होती है और वे विश्व अर्थव्यवस्था के विकास को विश्लेषणात्मक ढंग से समझने के लिए तैयार होते हैं।

lpuk ik|kfxdh lLFkku

- उच्च (स्नातकोत्तर) डिप्लोमा : यह एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम जीनोम सिक्वेंस एनालिसिस और मोलक्यूलर मॉडलिंग के कंप्यूटेशनल एप्रोचिज पर केन्द्रित है।

Hkk"kk] lkfgR; vkj lLdfr v/;;u lLFkku

- पी–एच.डी. : जापानी और दर्शनशास्त्र (केवल आधुनिक पाश्चात्य दर्शनशास्त्र)।
- एम.फिल. / पी–एच.डी. : अरबी, अंग्रेजी, संकेत विज्ञान, फ्रेंच, जर्मन, हिन्दी, हिन्दी अनुवाद, भाषा विज्ञान, रूसी, चीनी, फारसी, इस्पानी और उर्दू।
- एम.फिल. : पुर्तगाली।
- एम.ए. : अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, हिन्दी, जापानी, भाषा विज्ञान, फारसी, रूसी, इस्पानी और उर्दू।
- बी.ए. (ऑनर्स) : अरबी, चीनी, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, कोरियाई, फारसी, रूसी और इस्पानी (प्रथम और द्वितीय वर्ष में प्रवेश सहित)। यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीद्वार सम्बन्धित भाषा के एम.ए. पाठ्यक्रम में पंजीकरण के पात्र हो जाते हैं।

vi'kdkfyd ikB;Øe

- जन–संचार माध्यम में उच्च डिप्लोमा (उर्दू)
- पुर्तगाली और पश्तो में उच्च प्रवीणता डिप्लोमा
- भाषा इंदोनेशिया, इतालवी, पुर्तगाली और पश्तो में प्रवीणता डिप्लोमा।
- भाषा इंदोनेशिया, इतालवी, मंगोली, पश्तो और उर्दू में प्रवीणता प्रमाण–पत्र।

thou foKku lLFkku

- एम.फिल. / पी–एच.डी. : जीवन विज्ञान के आधुनिक क्षेत्रों में।
- एम.एस–सी. – जीवन विज्ञान : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम है। इसमें दोनों – बायोलॉजिकल और नॉन–बायोलॉजीकल विज्ञान क्षेत्रों के छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

Hkkfrd foKku lLFkku

- पी–एच.डी. : संस्थान की शोध एवं शिक्षण गतिविधियां मुख्यतः नान–लिनियर डायनेमिक, क्लासिकल ऐंड क्वांटम केओस, केमिकल फिजिक्स, केंडेंस्ड मैटर फिजिक्स, डिसार्डर्ड सिस्टम्स, नान इक्वीलिब्रियम स्टेटिस्टीकल मैकेनिक्स, क्वांटम फील्ड थीअरि ऐंड पार्टिकल फिजिक्स, मैथमेटीकल फिजिक्स, क्वांटम आप्टिक्स, स्टेटिस्टीकल न्यूक्लियर फिजिक्स के सैद्धांतिक क्षेत्रों तथा कंप्लेक्स फ्लूइड्स, मैग्नेटिज्म और नॉन–लिनियर आप्टिक्स के प्रयोगात्मक क्षेत्रों पर केन्द्रित है।
- एम.एस–सी. – भौतिक–विज्ञान : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम है। इसमें भौतिक विज्ञान, रसायन–विज्ञान और गणित स्ट्रीम के छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

lkekftd foKku lLFkku

- एम.फिल. / पी–एच.डी. : निम्नलिखित विषयों में विस्तृत रूप से शोध सुविधाएं उपलब्ध हैं :

  आर्थिक अध्ययन और नियोजन; शैक्षिक अध्ययन; ऐतिहासिक अध्ययन; राजनीतिक अध्ययन; क्षेत्रीय विकास (भूगोल, अर्थशास्त्र और जनसंख्या अध्ययन); सामाजिक पद्धति; सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य; विज्ञान नीति; और दर्शन शास्त्र।

- सामुदायिक स्वास्थ्य स्नातकोत्तर (एम.सी.एच.)/पी–एच.डी. : इस पाठ्यक्रम में तीन मुख्य क्षेत्र शामिल है – सामाजिक चिकित्सा, सामुदायिक स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग।
- एम.ए. – (4–सत्रीय) : अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास, राजनीतिक विज्ञान और समाजशास्त्र।

tSo&iks|kfxdh dsUnz

- पी–एच.डी. : केन्द्र के पाठ्यक्रम अन्तरविषयक प्रकृति के हैं। कोर्स कार्य और सुविधाएं निम्नलिखित क्षेत्रों में उपलब्ध हैं :

  प्रोटीन इंजीनियरी; प्रोकोरियोटिक/यूकोरियोटिक जीन अभिव्यक्ति; संक्रामक रोग – अणु जीव–विज्ञान; अणु प्रतिरक्षा विज्ञान; प्रोटीन स्टेबिलिटी, कन्फरमेशन्स ऐंड फोल्डिग; बायोप्रोसेस स्केल अप ऐंड आप्टिमाइजेशन; यूकोरियोटिक जीन का अनुलेखन।
- एम.एस–सी. – जैव प्रौद्योगिकी : 4–सत्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा छात्रों को आनुवंशिकी इंजीनियरी और जैव–प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुई नवीनतम प्रगति से अवगत कराने और इनका उपयोग उद्योग, कृषि और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में करने की दृष्टि से तैयार की गई है।

fof/k vkSj vfHk'kklu v/;;u dsUæ

- केन्द्र में सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम की शोध गतिविधियां प्रणाली–विज्ञान, अभिशासन I – सिद्धान्त और संकल्पनाएं, अभिशासन II – विधिक आयाम, पर केन्द्रित हैं।

laLÑr v/;;u dsUæ

- एम.ए. : यह 4 सत्रीय पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम भारतीय बौद्धिक परम्परा, संस्कृत भाषा विज्ञान परम्परा, कंप्यूटेशनल भाषा–विज्ञान और संस्कृत साहित्य का परिचय पर केन्द्रित है।

vk.kfod fpfdRlk&'kkL= dsUæ

- पी–एच.डी. शोध गतिविधियां मोलक्यूलर मेडिसिन पर तथा शिक्षण और शोध गतिविधियां मेटाबोलिक डिसआर्डर, इनफेक्शस डिजीज और डायग्नोस्टिक्स पर केन्द्रित हैं।

'kSf{kd l= 2004&2005 ¼izos'k vkSj Nk=ksa dh la[;k½

fo'ofo|ky; ds fofHkUu v/;;u ikB~;Øeksa esa izos'k gsrq fo'ofo|ky; }kjk fofHkUu jkT;ksa@dsUnz 'kkflr izns'kksa esa fLFkr 55 dsUnzksa ij 15&18] ebZ 2004 dks ts-,u-;w- izos'k&ijh{kk vk;ksftr dh xbZA ;s jkT;@dsUnz 'kkflr izns'k gSa & vkU/kz izns'k] v#.kkpy izns'k] vle] fcgkj] paMhx<+] NÙkhlx<+] fnYyh] xqtjkr] xksok] fgekpy izns'k] tEew vkSj d'ehj] >kj[k.M] dukZVd] dsjy] e/; izns'k] egkjk"Vª] ef.kiqj] es?kky;] ukxkyS.M] mM+hlk] ikafMpsjh] iatkc] jktLFkku] rfeyukMq] mÙkjkapy] mÙkj izns'k vkSj if'pe caxkyA buds vfrfjDr] lkdZ ns'kksa esa fLFkr nks dsanzksa & dkBekaMw vkSj dksyEcks & esa Hkh izos'k&ijh{kk vk;ksftr dh xbZA

1- fo'ofo|ky; us 53]703 vkosnu&i= cspsA buesa ls izos'k ds

bPNqd mEehn~okjksa ls iw.kZ :i ls Hkjs gq, 45]334 vkosnu&i= izkIr gq,A mEehn~okjksa }kjk vius vkosnu&i=ksa esa fofHkUu fo"k;ksa@v/;;u ikB~;Øeksa ds fy, Hkjs x, fodYiksa ds vk/kkj ij ;g la[;k c<+dj 64]168 gks xbZA

2- mEehnokjksa }kjk izos'k ijh{kk esa izkIr vadksa vkSj izos'k uhfr ds izko/kkuksa ds vuqlkj fo'ofo|ky; }kjk rS;kj dh xbZ ;ksX;rkØe lwph ds vk/kkj ij 1831 mEehn~okjksa dks izos'k izLrko Hksts x,A buesa ls 1373 mEehn~okjksa us fofHkUu v/;;u ikB~;Øeksa esa izos'k fy;kA

3- 22-5% ¼v-tk- 15% vkSj v-t-tk- 7-5%½ vkjf{kr lhVksa esa ls 23-73% ¼v-tk- 15-50% vkSj v-t-tk- 8-23%½ mEehn~okjksa us fo'ofo|ky; esa izos'k fy;kA

4- fo'ofo|ky; ds fofHkUu v/;;u ikB~;Øeksa esa izos'k ysus okys 1373 mEehn~okjksa esa %

- 555 mEehn~okjksa us ,e-fQy-@ih&,p-Mh-] ,e-Vsd-@ih&,p-Mh-] ,e-lh-,p-@ih&,p-Mh- vkSj 567 mEehn~okjksa us ,e-,-@,e-,l&lh-@,e-lh-,- vkSj 'ks"k 251 mEehn~okjksa us fons'kh Hkk"kkvksa esa ch-,- ¼vkulZ½ ds v/;;u ikB~;Øeksa esa izos'k fy;k(
- izos'k ysus okys mEehn~okjksa esa 884 iq#"k vkSj 489 efgyk mEehn~okj Fkha(
- vU; fiNM+k oxZ ls lacaf/kr mEehn~okjksa vkSj fiNM+s gq, ftyksa ls vgZd ijh{kk ikl djus okys os mEehn~okj ftUgs ßMsfizos'ku vadksaÞ dk ykHk feyk] dh la[;k 369 ¼29-10%½ FkhA o"kZ 2003&2004 esa bu mEehn~okjksa dh la[;k 415 FkhA
- dqy 249 v-fi- oxZ ls lacaf/kr mEehn~okjksa ¼yxHkx 18-3% mEehn~okj½ dk fofHkUu v/;;u ikB~;Øeksa esa izos'k ds fy, p;u gqvkA

5- fofHkUu v/;;u ikB~;Øeksa esa izos'k ysus okys mEehn~okjksa us viuh vgZd ijh{kk 117 Hkkjrh; fo'ofo|ky;ksa@laLFkkuksa@cksMks± ls ikl dh FkhA

6- izos'k ikus okys 1373 mEehn~okjksa esa ls 556 mEehn~okj fuEu vkSj e/;e vk; oxZ ds Fks] ftuds ekrk&firk dh ekfld vk; 6]000 :i;s ls de Fkh vkSj 817 mEehn~okj mPp vk; oxZ ds Fks] ftuds ekrk&firk dh ekfld vk; 6]000 :i;s ls vf/kd FkhA xzkeh.k vkSj 'kgjh {ks=ksa ls Nk=ksa dk vuqikr Øe'k% 488 % 885 FkkA dsoy 364 mEehn~okjksa us viuh Ldwyh f'k{kk ifCyd Ldwyksa ls izkIr

dh Fkh vkSj 'ks"k 1009 us uxj&fuxe vkSj vU; Ldwyksa lsA

7- fofHkUu v/;;u ikB~;Øeksa esa izos'k ysus okys 1373 mEehn~okjksa ds vykok 195 mEehn~okj fuEufyf[kr oxks± ls Fks %

- ↳ fons'kh Nk= ¼25 ns'kksa ls½ % 75
- ↳ lh/ks ih&,p-Mh- esa izos'k % 69
- ↳ xr o"kZ Tokbu u dj ikus okys Nk= % 27
- ↳ ^usV* ijh{kk mrh.kZ ¼dfu"B 'kks/ko`fÙk /kkjd½ % 24

la;qDr izos'k ijh{kk

fiNys o"kks± dh rjg bl o"kZ Hkh fo'ofo|ky; us 18 ebZ 2004 dks ns'k&Hkj esa 55 dsUnzksa ij tokgjyky usg: fo'ofo|ky; lfgr 37 izfrHkkxh fo'ofo|ky;ksa ds ,e-,l&lh- ¼ck;ksVsDuksykWth½] ,e-,l&lh- ¼,xzhdYpj½@ ,e-oh-,l&lh- ¼,uhey ck;ksVsDuksykWth½ vkSj ,e-Vsd- ¼ck;ksVsDuksykWth½ ikB~;Øeksa esa izos'k ds fy, la;qDr tSo&izkS|ksfxdh izos'k&ijh{kk vk;ksftr dhA

Hkk"kk] lkfgR; vkSj laLÑfr v/;;u laLFkku esa va'kdkfyd ikB~;Øe

laLFkku ds fMIyksek@lfVZfQdsV va'kdkfyd ikB~;Øeksa esa izos'k ds fy, iw.kZ :i ls Hkjs gq, dqy 620 vkosnu&i= izkIr gq,A buesa ls 264 mEehn~okjksa us bu ikB~;Øeksa esa izos'k fy;k & lh-vks-ih- esa 188] Mh-vks-ih- esa 44 vkSj ,-Mh-vks-ih- esa 32-

Nk=ksa dh la[;k

1-9-2004 dks fo'ofo|ky; esa 5151 iw.kZdkfyd Nk= iathÑr FksA fofHkUu ikB~;Øeksa esa iathÑr Nk=ksa dk fooj.k bl izdkj gS & 2830 Nk= 'kks/k dj jgs Fks vkSj 1450 Nk= ,e-,-@,e-,l&lh-@ ,e-lh-,- vkSj 857 Nk= ¼va'kdkfyd ikB~;Øe lfgr½ Lukrd ikB~;Øeksa esa vkSj 14 tSo&lwpuk foKku ¼LukrdksÙkj½ fMIyksek esa v/;;ujr FksA

iznku dh xbZ mikf/k;ka@fMIyksek@lfVZfQdsV

leh{kk/khu o"kZ ds nkSjku] fo'ofo|ky; rFkk fo'ofo|ky; ls ekU;rk izkIr laLFkkuksa ds 2305 Nk=ksa dks vius&vius ikB~;Øe lQyrkiwoZd iwjk djus ij mikf/k;ka@fMIyksek@lfVZfQdsV iznku fd, x, %

¼1½ ih&,p-Mh- % 212

¼2½	,e-fQy-	%		349
¼3½	,e-Vsd-	%		17
¼4½	,e-,-	%	475	
¼5½	,e-,l&lh-@,e-lh-,-@,e-lh-,p-	%	102	
¼6½	ch-,- ekU;rk izkIr laLFkku	%	209	
¼7½	ch-,- ¼vkWulZ½	%	174	
¼8½	ch-,l&lh-	%	379	
¼9½	ch-Vsd-	%		311
¼10½	fMIyksek@lfVZfQdsV	%		77
	dqy	**%**	**2305**	

izos'k izfØ;k

fo'ofo|ky; ds fofHkUu v/;;u ikB~Øeksa esa izos'k fo'ofo|ky; dh fo|k ifj"kn~ }kjk le;≤ vuqeksfnr izos'k uhfr vkSj izfØ;k ds vuqlkj fn, tkrs gSaA

izR;sd v/;;u ikB~;Øe esa lhVksa ¼,e-fQy-@ih&,p-Mh- ikB~;Øeksa lfgr½ dh la[;k dk fu/kkZj.k lacaf/kr dsUnzksa@laLFkkuksa dh flQkfj'kksa ds vk/kkj ij fo|k ifj"kn~ }kjk fd;k tkrk gSaA lh/ks ih&,p-Mh- ikB~;Øeksa dh lhVsa dsUnzksa@laLFkkuksa }kjk ,e-fQy-@ih&,p-Mh- ikB~;Øeksa ds fy, fu/kkZfjr dh xbZ lhVksa ds vfrfjDr gksrh gSaA

izos'k esa vkj{k.k % fo'ofo|ky; v-tk-@v-t-tk- ds Nk=ksa dks vkj{k.k miyC/k djkrk gSA 22-5% LFkku v-tk-@ v-t-tk- ¼Øe'k % 15% vkSj 7-5%, vko';d gksus ij lhVksa ds vuqikr esa ifjorZu fd;k tk ldrk gS½ vkSj 3% LFkku 'kkjhfjd :i ls fodykax mEehn~okjksa ds fy, vkjf{kr gSaA izR;sd ikB~;Øe esa fuf'pr lhVksa ds vykok 10% lhVsa fons'kh Nk=ksa ds fy, vkjf{kr gSaA fons'kh Nk=ksa ds fy, fu/kkZfjr 10% lhVksa esa ls 5% lhV izos'k&ijh{kk ds ek/;e ls rFkk 5% lhV ^,Clsafl;k* esa Hkjh tkrh gSaA vko';d gksus ij lhVksa ds vuqikr esa ifjorZu fd;k tk ldrk gSA

izos'k lwpuk % izos'k laca/kh lwpuk vf[ky Hkkjrh; Lrj ij jk"Vªh; lekpkj&i=ksa vkSj ns'k ds fofHkUu {ks=ksa ds vxz.kh lekpkj&i=ksa eas izR;sd o"kZ Qjojh ekg ds yxHkx nwljs lIrkg esa izdkf'kr dh tkrh gSA

fyf[kr&ijh{kk % fofHkUu v/;;u ikB~;Øeksa esa izos'k gsrq ns'k Hkj esa QSys fofHkUu ijh{kk dsUnzksa ij fyf[kr&ijh{kk vk;ksftr dh tkrh gSA ;g fyf[kr ijh{kk izR;sd o"kZ ebZ ekg ds rhljs lIrkg esa vk;ksftr dh tkrh gSA izR;sd ikB~;Øe vFkok v/;;u ikB~;Øe ds

fy, rhu ?kaVs dh vof/k okyk ,d iz'u&i= rS;kj fd;k tkrk gSA izos'k&ijh{kk rhu fnu pyrh gSA izR;sd fnu nks l=ksa esa ijh{kk gksrh gS] ftuesa rhu&rhu ?kaVs ds iz'u&i= gksrs gSaA mEehn~okj dks fofHkUu ikB~;Øeksa esa izos'k fyf[kr&ijh{kk esa izkIr vadksa rFkk ekSf[kd&ijh{kk ¼tgk¡ fu/kkZfjr gks½ ds vk/kkj ij fn;k tkrk gSA tgk¡ ekSf[kd&ijh{kk ykxw gS ogk¡ fyf[kr ijh{kk 70 vadksa dh gksrh gSA

izos'k&ijh{kk esa lfEefyr gksus gsrq visf{kr ik=rk % izos'k&ijh{kk esa lfEefyr gksus ds fy, visf{kr ik=rk ¼lkekU; oxZ ,oa vkjf{kr oxZ nksuksa ds fy,½ fo'ofo|ky; }kjk bl laca/k esa cuk, x, ekxZn'khZ fl)kUrksa ds vuqlkj fu/kkZfjr gksrh gSA ikB~;Øe fo'ks"k esa izos'k gsrq fu/kkZfjr vgZd ijh{kk esa cSBus okys mEehnokjksa dks Hkh izos'k ijh{kk esa cSBus dh vuqefr nh tkrh gSA ijUrq izos'k gsrq pqu fy, tkus dh fLFkfr esa mudk izos'k vgZd ijh{kk esa fu/kkZfjr vad izkIr djus rFkk vgZd ijh{kk dh vafre vad rkfydk lfgr lHkh izek.k&i= izLrqr djus ij gh ekU; gksrk gSA fdlh Hkh v/;;u ikB~;Øe esa izos'k dh vafre frfFk o"kZ dh 14 vxLr gksrh gSA blds ckn fdlh dks izos'k ugha fn;k tkrkA

ekSf[kd ijh{kk % ,e-fQy-@ih&,p-Mh-@izh&ih&,p-Mh- ikB~;Øeksa vkSj fons'kh Hkk"kkvksa ¼vaxszth dks NksM+dj½ esa ik¡p o"khZ; ,dhÑr ,e-,- ikB~;Øeksa ds pkSFks o"kZ esa izos'k ysus okys mEehn~okjksa dks ,d ekSf[kd&ijh{kk nsuh gksrh gSA bl ijh{kk ds fy, 30% vad vkcafVr gSA dsoy mUghsa mEehn~okjksa dks ,e-fQy-@ih&,p-Mh-@ izh&ih&,p-Mh- vkSj ,e-,- ¼fons'kh Hkk"kkvksa esa prqFkZ o"kZ½ ikB~;Øeksa esa izos'k gsrq ekSf[kd ijh{kk es cqykus ds fy, ik= ekuk tkrk gS ftUgksaus fyf[kr ijh{kk esa U;wure Øe'k% 35% vkSj 25% vad izkIr fd, gksaA v-tk-]@ v-t-tk- vkSj 'kkjhfjd :i ls fodykax mEehnokjksa ds fy, 10% vadksa dh NwV gksrh gSA izR;sd v/;;u ikB~;Øe esa lkekU;r% fo|k ifj"kn~ }kjk vuqeksfnr lhVksa ls rhu xquk mEehn~okjksa dks gh ekSf[kd&ijh{kk ds fy, cqyk;k tkrk gSA

mEehn~okjksa dk p;u % izR;sd dkslZ@v/;;u ikB~;Øe ds fy, lkekU;] v-tk-@v-t-tk-] 'kkjhfjd :i ls fodykax vkSj fons'kh mEehn~okjksa dh vyx&vyx ;ksX;rk&Øe lwph rS;kj dh tkrh gSA fofHkUu v/;;u ikB~;Øeksa esa mEehn~okjksa dks vafre :i ls izos'k mEehn~okjksa ls lacaf/kr oxksZa esa baVj ls&esfjV ds vk/kkj ij fn;k tkrk gSA ;g esfjV mEehnokj dh fyf[kr ijh{kk vkSj ekSf[kd ijh{kk ¼tgk¡ fu/kkZfjr gks½ esa izkIr vadksa vkSj vfrfjDr vadksa ¼tgk¡ ykxw gks½

ds vk/kkj ij rS;kj dh tkrh gSA

iathdj.k % tks mEehn~okj izos'k ds fy, pqu fy, tkrs gSa] muls vis{kk dh tkrh gS fd os izR;sd o"kZ fo'ofo|ky; }kjk cukbZ tkus okyh le;&lkj.kh ds vUnj gh vius iathdj.k laca/kh lHkh vkSipkfjdrk,a iwjh dj ysaA

fo'ofo|ky; ds fudk;

विश्वविद्यालय के कार्य का सुव्यवस्थित रूप से संचालन करने के लिए विश्वविद्यालय कोर्ट, कार्य परिषद, विद्या परिषद जैसे निकाय और वित्त समिति जैसी कुछ अन्य सांविधिक समितियां हैं।

fo'ofo|ky; dksVZ

विश्वविद्यालय कोर्ट विश्वविद्यालय का सर्वोच्यच निकाय है। इसकी बैठक वर्ष में एक बार होती है, जिसमें विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट, वार्षिक लेखे, लेखा–परीक्षा रिपोर्ट और बजट पर विचार किया जाता है। विश्वविद्यालय कोर्ट को कार्यपरिषद् और विद्या परिषद् के कार्यों की समीक्षा करने का अधिकार उन परिस्थितियों में है, जब इन परिषदों ने विश्वविद्यालय के अधिनियम, संविधियों और अध्यादेशों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुरूप कार्य न किया हो।

विश्वविद्यालय कोर्ट की पिछली वार्षिक बैठक 7 जनवरी, 2005 को हुई। इसमें विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर 1 अप्रैल 2003 से 31 मार्च 2004 तक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय वर्ष 2002–2003 और 2003–2004 का लेखा–परीक्षित प्राप्ति और व्यय का विवरण तथा परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों का विवरण और वित्तीय वर्ष 2004–2005 का बजट प्राप्त किया। मा.सं.वि.मं. और वि.अ.आ. के निदेशों और विश्वविद्यालय की वित्त समिति के निर्णय के अनुसार विश्वविद्यालय के वर्ष 2004–2005 के वार्षिक लेखे वर्तमान लेखा पद्धति के स्थान पर प्रोद्भूत लेखा पद्धति के आधार पर तैयार किए जाएंगे।

कुलाधिपति ने बैठक शुरू करते हुए ज.ने.वि. की स्थापना के 35 वर्ष बाद मनाए गए स्थापना दिवस की सफलता

पर संतोष जताया। उन्होंने सदस्यों को यह भी बताया कि पूर्वी द्वार जल्दी ही दूसरी जगह स्थापित किया जाएगा और नए प्रवेश द्वार पर पं. जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। कुलाधिपति ने सदस्यों को यह भी बताया कि तमिल शिक्षण अगले वर्ष से शुरू हो जाएगा तथा आशा की जाती है कि पंजाबी, बंगला और मराठी भाषाओं का शिक्षण भी शीघ्र ही शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में चार चेक डेमो का निर्माण एक सही दिशा में उठाया गया अन्य कदम है। कुलाधिपति ने सुझाव दिया कि ज.ने.वि. को पाठ्यचर्या में सार्क अध्ययन कार्यक्रम को शुरू करने पर विशेष बल देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय में हुए निम्नलिखित कार्यों के बारे में भी कोर्ट को जानकारी दी :

(क) Hkkjr esa u, ijh{kk dsUæ [kksyuk & dfVgkj] xksj[kiqj] Jhuxj] mn;iqj] Xokfy;j] bVkuxj esa ,d&,d vkSj fnYyh esa nks vfrfjDr dsUæ vkSj dksyEcks ¼Jhyadk½ esa ,dA

(ख) अक्टूबर 2004 से दो नए छात्रावास – लोहित और चन्द्रभागा चालू करना।

(ग) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त विशेष सहायता में से विश्वविद्यालय के सभी प्रशासनिक कार्यालयों में कंप्यूटरों का प्रावधान।

(घ) मेसर्स विप्रो कंसलटिंग सर्विसेज, बंगलौर को विश्वविद्यालय के ई–गवर्नेंस कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने में सहयोग के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त करना।

dk;l ifj"kn

कार्य परिषद् विश्वविद्यालय की कार्यनिकाय है। और यह सामान्य प्रबंधन और प्रशासन की प्रभारी है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान इसकी तीन बैठकें हुईं। ये बैठकें 11 मई 2004, 11 नवम्बर 2004 और 16 फरवरी 2005 को हुईं। इन बैठकों में परिषद् ने अनेक प्रशासनिक और शैक्षिक मामलों पर विमर्श किया और उन पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इसके अतिरिक्त, परिषद् ने कुलपति द्वारा संविधियों/अध्यादेशों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कुछ अत्यावश्यक प्रकृति के मामलों पर लिए गए निर्णयों पर विचार करके उनका अनुमोदन किया। इसने विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अधिकारियों की नियुक्ति के लिए विभिन्न चयन समितियों की सिफारिशों का अनुमोदन किया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान लिए गए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय निम्नलिखित हैं :

(क) ज.ने.वि. उच्च अध्ययन संस्थान का नाम बदलकर जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्यन संस्थान करना।

(ख) प्रवेश शाखा से संबंधित कुछ श्रेणियों के रिकार्डों की परिरक्षण की अवधि में संशोधन।

(ग) विश्वविद्यालय के गैर–शिक्षण स्टाफ सदस्यों के लिए शिकायत निवारण तंत्र अपनाना।

(घ) भारत सरकार, सम्पदा निदेशालय के का.ज्ञा.सं. 18011/1/99–पी.ओ.एल. III, दिनांक 27.10.1999 के अनुसार विश्वविद्यालय के आवासों के अनाधिकृत कब्जे के लिए क्षति प्रभारों की दरों में संशोधन।

(च) विश्वविद्यालय द्वारा परिसर में बीओटी (बनाओ, चलाओ और स्थानांतरण करो) आधार पर विदेशी छात्रों के लिए छात्रावास का निर्माण करने की संभावना का पता लगाने के लिए सिद्धान्त रूप में अनुमोदन।

(छ) भौतिक विज्ञान संस्थान के सेवानिवृत्त शिक्षक प्रो. आर. राजारमण को 'प्रो, इमेरीट्स' का टाइटल प्रदान करना।

(ज) वित्तीय वर्ष 2004–2005 से लेखाओं के लिए नया फार्मेट अपनाना।

(झ) निर्णय किया गया कि 'जीएसकैश' विश्वविद्यालय में यौन–उत्पीड़न के मामलों की जाँच करने के लिए सक्षम प्राधिकारी होगी। यह भी निर्णय किया गया कि 'जीएसकैश' द्वारा गठित शिकायत समिति यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जाँच करने के लिए जाँच प्राधिकारी होगी।

(ट) अतिथि/अंशकालिक शिक्षकों के लिए संशोधित दिशा–निर्देशों के खंड 'क' (बी) में संशोधन।

(ठ) भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान की भाषा प्रयोगशाला के समन्वयक को केन्द्र के अध्यक्ष के बराबर वित्तीय शक्तियां प्रदत्त करने के अधिकार का अनुमोदन।

(ड) पर्वतारोहण और पदयात्रा सहित खेलों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले छात्रों के लिए प्रोत्साहन/पुरस्कार की संशोधित योजना का अनुमोदन।

(ढ) सी.जी.एच.एस. और विश्वविद्यालय के द्वारा अनुमोदित किए गए निदान केन्द्रों और अस्पतालों को इलाज और रोग निदान के उद्देश्य के लिए समान समझा जाए; और सेवा–निवृत्त सहित सभी स्टाफ–सदस्यों की जाँच पर खर्च होने वाली राशि की प्रतिपूर्ति के लिए ज.ने.वि. स्वास्थ्य केन्द्र को प्रयोगशाला जाँच के लिए एक निदान केन्द्र के रूप में समझा जाए, बशर्ते उनके चिकित्सा संबंधी केस सी.जी.एच.एस./ज.ने.वि. स्वास्थ्य केन्द्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा रेफर किए गए हों, का निर्णय।

(त) भारत सरकार के नियमों के अनुसार विश्वविद्यालय के गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए समयपूर्व सेवा–निवृत्ति के लिए संशोधित नियमों का अनुमोदन।

(थ) सलाहकार/वरिष्ठ सलाहकार की नियुक्ति में विस्तार 65 वर्ष की आयु तक करने का अनुमोदन।

(द) कार्पस निधि के विवेक सम्मत उपयोग हेतु दिशा–निर्देशों का अनुमादन।

(ध) भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामला विभाग की दिनांक 27.12.2003 की अधिसूचना और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुसार 1.1.2004 या इसके बाद जवाइन करने वाले विश्वविद्यालय कर्मचारियो के लिए नई अंशदारी पेंशन योजना शुरू करने का अनुमोदन।

(न) ज.ने.वि. के शोध और शैक्षिक उद्देश्यों में सहयोग हेतु डॉ. शशि पोहा, अध्यक्ष, एज्यूकेशनल चेयरिटी फंड (यू.एस.ए.) से 5,000/– यू.एस. डालर का दान स्वीकार किया।

(प) ग्रुप 'ए', 'बी', 'सी' और 'डी' कर्मचारियों को उनके विशिष्ट कार्यों के लिए संशोधित प्रोत्साहन योजना का अनुमोदन।

fo|k ifj"kn

विद्या परिषद् विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्राधिकारी है। विद्या परिषद् सामान्य विनियमों पर नियन्त्रण रखती है और यह विश्वविद्यालय में अनुदेश, शिक्षा और परीक्षा का मानक बनाए रखने के लिए उत्तरदायी है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विद्या परिषद् की 1 अप्रैल, 2004, 2 नवम्बर 2004 और 31 मार्च 2005 को तीन बैठकें हुईं। परिषद् ने विभिन्न शैक्षिक मामलों पर विचार–विमर्श करने के अतिरिक्त, शिक्षकों/विशेषज्ञों को विभिन्न संस्थानों के अध्ययन मण्डलों और विज्ञान संस्थानों/विशेष केन्द्रों की विशेष समितियों में नामित किया। इसने विश्वविद्यालय में वर्ष 2004–2005 के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश से संबंधित तथ्यात्मक डाटा भी नोट किए। परिषद् द्वारा अपनी बैठक में अनुमोदित किए गए कुछ महत्वपूर्ण मामले इस प्रकार हैं :

(क) 'इस्पानी अध्ययन केन्द्र' का नाम बदलकर 'इस्पानी, पुर्तगाली, इतालवी और लैटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र करने के लिए भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के अध्ययन मण्डल की सिफारिशों को स्वीकार किया और इसके लिए अध्ययन संस्थान/केन्द्र, विशेष केन्द्र और विशेषीकृत प्रयोगशालाओं का सृजन करने से संबंधित खंड 5 (2) (ए) (iii) में भी संशोधन करने के लिए कार्यपरिषद को सिफारिश की।

(ख) विकास अध्ययन केन्द्र, तिरूवनंतपुरम् के 'एप्लाइड इकोनामिक्स' में एम.फिल. पाठ्यक्रम की संशोधित कोर्स पाठ्यचर्या का अनुमोदन किया।

(ग) शैक्षिक सत्र 2005–2006 से सामाजिक विज्ञान संस्थान के दर्शन–शास्त्र केन्द्र में दर्शन–शास्त्र में एम.फिल. पाठ्यक्रम शुरू करने का अनुमोदन किया।

(घ) ग्रेडों में सुधार के लिए एम.ए., एम.एस–सी., बी.ए. (आनर्स) और बी.ए. (पास) की डिग्रियां प्रदान करने से संबंधित अध्यादेश के खण्ड 8.6 और 9.5 में संशोधन करने के लिए कार्यपरिषद् को सिफारिश की।

(च) ख्याति प्राप्त शिक्षकों को 'प्रोफेसर इमेरीटस' का टाइटल प्रदान करने से संबंधित दिशा–निर्देशों के कुछ खण्डों में संशोधन करने की सिफारिश की।

(छ) एम.सी.एम. छात्रवृत्ति प्रदान करने से संबंधित अध्यादेश के खण्ड–1 और 4.2 में संशोधन करने के लिए सिफारिश की।

(ज) एम.फिल. पाठ्यक्रम से पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अ.जा./अ.ज.जा. छात्रों की तरह ही विकलांग छात्रों को भी 0.5% अंकों की छूट देने के लिए पी–एच.डी. डिग्री प्रदान करने से संबंधित अध्यादेश के खण्ड 6(सी) (ii) में संशोधन करने की सिफारिश की।

(झ) सामाजिक विज्ञान संस्थान में अ.जा./अ.ज.जा. और अल्पसंख्यकों के विशेष संदर्भ में 'प्रोग्राम फॉर स्टडीज इन डिस्क्रीमिनेशन ऑफ एक्सक्लुजन (पी.एस.डी.ई.) विषयक पाठ्यक्रम शुरू करने का अनुमोदन किया।

(ट) विभिन्न चयन समितियों में नामित किए जाने वाले विशेषज्ञों के नामों के पेनल को संस्तुत किया।

(ठ) अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के वर्तमान केन्द्रों का पुनर्गठन करने और इसमें दो नए केन्द्र और जोड़ने की सिफारिश की।

(ड) वर्तमान 'मास्टर ऑफ कम्युनिटी हेल्थ (एम.सी.एच.) प्रोग्राम' का नाम बदलकर 'मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ (एम.पी.एच.) प्रोग्राम करने की सिफारिश की।

(ढ) भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के दर्शन–शास्त्र ग्रुप को सामाजिक विज्ञान संस्थान के दर्शन–शास्त्र केन्द्र के साथ मिलाने की सिफारिश की।

(ण) विश्वविद्यालय के सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र में 'प्रोफेसर टी.के. ऊमन नकद पुरस्कार' की स्थापना हेतु रु. 1,00,000/– (एक लाख रुपये) के वृत्तिदान का सृजन करने की सिफारिश की।

(त) विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संस्थान के जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र में 'प्रोफेसर तपस मजूमदार वार्षिक पुरस्कार' की स्थापना हेतु रु. 1,00,000/– (एक लाख रुपये) के वृत्तिदान का सृजन करने की सिफारिश की।

foÙk lfefr

वित्त समिति विश्वविद्यालय की सांविधिक निकाय है। यह समिति विश्वविद्यालय के बजट तथा व्यय प्रस्तावों, नए/अतिरिक्त पदों से संबंधित सभी प्रस्तावों, लेखाओं, लेखा–परीक्षा रिपोर्ट और अन्य वित्तीय एवं लेखाओं से संबंधित मामलों पर विचार करती है। इसकी सिफारिशें कार्यपरिषद् को अनुमोदन के लिए भेजी जाती हैं।

समिति ने 8 नवम्बर, 2004 को हुई अपनी बैठक में विश्वविद्यालय के वर्ष 2004–2005 के लिए 'अनुरक्षण' खाते में 7316.60 लाख रुपये के संशोधित आकलनों को मंजूरी दी।

dyk vkj lkn;'kkL= lLFkku

कला और सौंदर्यशास्त्र भारत के उन गिने चुने संस्थानों में से एक है जो दृश्य एवं निष्पादन कलाओं में सैद्धान्तिक तथा विश्लेषणात्मक अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाते हैं। पूरे भारत में केवल यह एक ऐसा संस्थान है जहां दृश्य और निष्पादन के अध्ययन के एक समन्वित पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को विस्तृत सांस्कृतिक संदर्भ में विशेष कला से अवगत कराया जाता है।

हाल के कुछ वर्षों में कला का अध्ययन अन्य कई क्षेत्रों यथा – समाजशास्त्र, भाषाविज्ञान, सांस्कृतिक अध्ययन, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, इतिहास, संकेत विज्ञान और नारी अध्ययन आदि – की रीति एवं सूक्ष्म दृष्टि से समृद्ध हुआ है। संस्थान का दृष्टिकोण भिन्न–भिन्न विश्लेषणात्मक एवं सैद्धांतिक मतों को ध्यान में रखते हुए संस्कृति के बारे में एक नए ढंग से अध्ययन करने के लिए सूत्रबद्ध किया गया है।

कला और सौन्दर्य–शास्त्र संस्थान अपेक्षाकृत एक नया संस्थान है। इस संस्थान में कला और दृश्य संस्कृति के उन अध्ययन क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा, जिन्हें भारत के शैक्षिक जगत में पर्याप्त पहचान नहीं मिल पाई है। वर्ष 2001 में इस संस्थान को पुनः शुरू करने की योजना पर विचार किया गया और संस्थान की अधिकारिक शुरूआत नवम्बर 2002 में डीन/प्रोफेसर और सह–प्रोफेसरों की नियुक्ति के साथ हुई।

यह संस्थान भारत में विविभिन्न पारमपरिक एवं समसामयिक समृद्ध कला सिद्धांतों एवं व्यवहारों के अन्तर विषयक अध्ययन और शोध को उन्नत करने का एक प्रमुख केन्द्र बन गया है। देश में चल रहे वर्तमान कला संस्थान कलात्मक दक्षता के शिक्षण और कला के विशेष क्षेत्रों में कुछ शोध पर बल देते हैं। कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान ही मात्र ऐसा संस्थान है जो सामाजिक–राजनीतिक और ऐतिहासिक संदर्भों में कला सिद्धांतों और व्यवहारों के बीच अन्तः संबंधों का पता लगाने के लिए विषय क्षेत्र उपलब्ध कराता है।

संस्थान डिग्री पाठ्यक्रमों को चलाने के अतिरिक्त, छात्रों और अन्य इच्छुक व्यक्तियों को प्रदर्शनी, रंगमंच तथा संगीत समारोह देखकर और परिचर्चा द्वारा तथा क्षेत्र भ्रमणों का आयोजन करके दिल्ली की संस्कृति से अवगत कराने के लिए प्रोत्साहित करता है। संस्थान विजिटिंग स्कालरों और कलाकारों को परिचर्चा करने के लिए आमंत्रित करता है तथा वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन करता है जिसमें पूरे भारत से चुने हुए क्षेत्रों के प्रसिद्ध विद्वानों को कार्यशाला आयोजित करने और व्याख्यान देने के लिए बुलाया जाता है, इसमें इच्छुक व्यक्ति भाग ले सकते हैं।

dkl! i<k, ¼ekulu l= 2004&2005½

dkl! l-	dkl! 'kh"kd	ØfMV	dkl! iHkkjh
एस.ए. 401	प्रि–हिस्टोरिक इंडिया टु द गुप्त पीरियड	4	सुश्री शुक्ला सावंत, अन्य सभी शिक्षकों के सहयोग से
एस.ए. 404	भक्ति मूवमेंट्स : टेक्स्ट कांटेक्स्ट्स ऐंड परफार्मेंस	4	डॉ. एच.एस. शिव प्रकाश
एस.ए. 405	मेथड्स, मैटेरियल्स ऐंड मीनिंग्स	4	सुश्री शुक्ला सावंत
एस.ए. 408	आर्ट ऑफ इंडिक एशिया	4	विजिटिंग शिक्षक
एस.ए. 409	वर्ल्ड थिएटर सीन : थीअरि ऐंड प्रैक्टिस इंटरफेस	4	विजिटिंग शिक्षक
एस.ए. 457	द नरेटिव इन इंडियन आर्ट	4	प्रो. ज्योतिन्द्र जैन
एस.ए. 501	कॉलोनियल ऐंड पोस्ट कॉलोनियल इंडिया	4	विजिटिंग शिक्षक
एस.ए. 503	द आर्ट ऑफ द राजपूत वर्ल्ड	4	डॉ. कविता सिंह
एस.ए. 505	द कॉमिक ट्रेडिशन इन परफार्मेंस	4	बिष्णुप्रिय दत्त
एस.ए. 512	इस्लामिक आर्ट इन इंडिया	4	विजिटिंग शिक्षक
एस.ए. 533	न्यू डायरेक्शंस इन कंटेम्पोरेरि इंडियन डांस	4	विजिटिंग शिक्षक

'khrdkyhu l= 2004&2005

dkl! l-	dkl! 'kh"kd	ØfMV	dkl! iHkkjh
एस.ए. 403	विजुएल कल्चर	4	प्रो. ज्योतिन्द्र जैन
एस.ए. 411	इंडियन स्कल्पचर : द कलासीकल ट्रेडिशन	4	विजिटिंग शिक्षक
एस.ए. 451	सर्वे ऑफ इंडियन आर्टस	4	विजिटिंग शिक्षक
एस.ए. 454	आर्ट ऑफ द मुगल वर्ल्ड	4	डॉ. कविता सिंह
एस.ए. 456	म्यूजिक ऐंड मॉडर्निटी	4	विजिटिंग शिक्षक
एस.ए. 458	सर्वे ऑफ इंडियन आर्टस	4	डॉ. बिष्णुप्रिय दत्त, अन्य सभी शिक्षकों के सहयोग से
एस.ए. 502	इंट्रोडक्शन टु इंडियन एस्थेटिक्स	4	डॉ. शिव प्रकाश और विजिटिंग शिक्षक

एस.ए. 513	लोकेटिंग मॉडर्निज्म इन विजुअल आर्ट्स	4	विजिटिंग शिक्षक
एस.ए. 551	मॉडर्निज्म ऐंड क्रिटिकल रिविजंस	4	सुश्री शुक्ला सावंत और विजिटिंग शिक्षक
एस.ए. 552	कंटेम्पोरेरि इंडियन थिएटर मूवमेंट्स	4	डॉ. शिव प्रकाश ऐंड इंस्टीट्यूशंस
एस.ए. 557	एडेप्टेशन ऐंड स्टेजिंग ऑफ टेक्स्ट्स	4	विजिटिंग शिक्षक
एस.ए. 558	कल्चरल स्टडीज ऐंड परफॉर्मेंस	4	विजिटिंग शिक्षक

lehf{kk/khu vof/k d nkSjku lLFkku }kjk vk;ksftr lEesyu %

- प्रो. डिंग निंग, बीजिंग विश्वविद्यालय और प्रो. डेविड कैरियर, आर्ट इंस्टीट्यूट, शिकागो को 19 से 21 नवम्बर 2005 तक एम.पी.सी.वी.ए. और संस्कृति के सहयोग से डॉ. कविता सिंह और सुश्री शुक्ला सावंत द्वारा आई.आई.सी. में आयोजित सम्मेलन में 'राइटिंग आर्ट हिस्ट्री' विषयक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

- सुश्री शुक्ला सावंत ने 15 से 30 मार्च 2005 तक संस्थान में 'पब्लिक आर्ट्स प्रोजेक्ट' विषयक सम्मेलन आयोजित किया। सुश्री शुक्ला सावंत द्वारा गीता कपूर के 'सब टेरेन : आर्ट वर्क्स इन द सिटीफोल्ड' विषयक व्याख्यान और 'आर्ट डाक्यूमेंटरी : कल्चरल कंजंक्चर' का भी आयोजन किया।

- पुष्पमाला, सुप्रसिद्ध चित्रकार मार्च 2005 में संस्थान में आईं और व्याख्यान दिया।

संस्थान को विशेषीकृत विषयों में शोध और शिक्षण के लिए विजिटिंग फेलो तथा शिक्षक नियुक्त करने, तकनीकी उपकरण प्राप्त करने और अभिलेखागार बनाने के लिए फोर्ड फाउंडेशन से अनुदान राशि प्राप्त हुई। संस्थान ने अमेरिकन कमिटी फॉर सथर्न एशियन आर्ट से लगभग 10,000 कलर स्लाइड भी प्राप्त की हैं।

अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन स्टडीज ने भारतीय दृश्य और निष्पादन कलाओं के अभिलेखागार के लिए दृश्य सामग्री मुहैया करानी शुरू कर दी है। इसने संस्थान के छात्रों और शिक्षकों को पुस्तकालय और अभिलेखागार की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अपनी सहमति प्रकट की है।

संस्थान के वर्तमान शैक्षिक कार्यक्रमों में निम्नलिखित क्षेत्र शामिल हैं :

jaxeap v/;;u

रंगमंच का इतिहास और समाजशास्त्र विशेष कर विचारों और संरक्षण के इतिहास से संबंधित शैली का विकास/विषय, संदर्भ और संपादन प्रकार – विशेष रुचि के क्षेत्र।

ykdfiz; laÑfr

लोकप्रिय संस्कृति विषयक कोर्स में 19वीं और 20वीं शताब्दी की दृश्य संस्कृति (पोस्टर, फोटोग्राफी, तैलचित्र आदि) और समसामयिक आलोचनात्मक तथा सैद्धान्तिक परिचर्चा के संदर्भ में मीडिया की नई संकल्पना – का शिक्षण शामिल है।

lelkef;d dyk

स्थानीय संदर्भों में आधुनिकतावादी दृष्टिकोण की अधिरचना की शुरुआत के बाद 20वीं शताब्दी में भारत में दृश्य कला की उभयभावी प्रकृति विषयक कोर्स में आलोचनात्मक शिक्षण कराया जाता है।

Hkkjrh; fp=dyk

मुगल और राजपूत दरबारों में भारतीय चित्रकला का अध्ययन – दरबारी संस्कृति में कला की सामाजिक भूमिका के विशेष संदर्भ में; संरक्षकों और कलाकारों का स्थान; इतिहास के रूप में चित्रकला; कला और विलासिता – पर कोर्स।

इस समय संस्थान की रुचि के क्षेत्र – भारत में नृत्य और संगीत का इतिहास, प्राचीन भारतीय कला और दक्षिण–पूर्वी एशिया की कला का शिक्षण विजिटिंग शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है।

i:dk'ku

vky:[k

- ज्योतिन्द्र जैन, इंडियन पाप्यूलर कल्चर : द कनक्वेस्ट ऑफ द वर्ल्ड एज़ पिक्चर इन माइग्रेटिंग इमेज्स, (सं.) पेट्रा स्टेगमान ऐंड पीटर सील, हाउस ऑफ वल्ड्र कल्चर्स, बर्लिन, 2004
- एच..एस. शिव प्रकाश, द स्टिल, सैड म्यूजिक ऑफ ह्यूमैनिटी, इन्ट्रोडक्शन टु द वर्क्स ऑफ इमेरिकन प्लेराहट सुसान लोरी–पार्क्स ऐंड इंटरव्यू विद द प्लेराइट, थिएटर इंडिया, राष्ट्रीय नाट्य संस्थान की पत्रिका, नई दिल्ली, मई 2004.
- एच..एस. शिव प्रकाश, विजुएल एक्सट्रावेजेन्जा ऑर थिएटर ? कन्नड प्लेज इन भारंगम, थिएटर इंडिया, राष्ट्रीय नाट्य संस्थान की पत्रिका, अंक–9, नई दिल्ली, मई 2004.
- एच..एस. शिव प्रकाश, कन्हैया लाल के साथ साक्षात्कार, थिएटर इंडिया, राष्ट्रीय नाट्य संस्थान की पत्रिका, नई दिल्ली, दिसम्बर, 2004.
- एच..एस. शिव प्रकाश, द लाइफ ऐंड डेथ ऑफ व्हाइट डेस्डेमोना ऐंड ब्लैक ओथेलो : थ्रू अभिनय कालिदास ए रिइंटरप्रिटेशन, एम.वी. प्रदीप कुमार द्वारा कन्नड से अनूदित, थिएटर इंडिया, राष्ट्रीय नाट्य संस्थान की पत्रिका, अंक–9, नई दिल्ली, मई 2004.
- एच..एस. शिव प्रकाश, शैक्सपियर ड्रिमशिप, ए प्ले, लक्ष्मी चन्द्रशेखर द्वारा कन्नड से अनूदित, थिएटर इंडिया, राष्ट्रीय नाट्य संस्थान की पत्रिका, अंक–9, नई दिल्ली, मई 2004.
- एच..एस. शिव प्रकाश, इलेवन रुद्रास, ए पोइम, द लिटिल मैगजीन, भाग–5, अंक–3, नई दिल्ली, 2004.
- एच..एस. शिव प्रकाश, द वेलिंग ऑफ भूतनाथ, ए पोइम, द लिटिल मैगजीन, भाग–5, अंक–4 और 5, नई दिल्ली, 2004.
- विष्णुप्रिय दत्त, हिस्टोरीकल रिकंसट्रक्शन इन मॉडर्न इंडियन थिएटर, एपिक थिएटर, अगस्त 2004.
- विष्णुप्रिय दत्त, एक्ट्रेस स्टोरी ऐंड ऑटोबायोग्राफीकल नरेटिब्स (बंगला में), पश्चिम बंग नाट्य अकादमी पत्रिका, दिसम्बर 2004.
- कविता सिंह, रेडफोर्ट रिनोवेशन, न्यूज लेटर फॉर मार्ग : ए मैगजीन ऑफ द आर्ट्स, सितम्बर 2004.
- कविता सिंह, द एक्जीबिशन : रितु ऐंड इंडियन पाप्यूलर कल्चर, न्यूजलेटर फॉर मार्ग : ए मैगजीन ऑफ द आर्ट.
- कविता सिंह, रिव्यू ऑफ ऋतु : ए गेदरिंग ऑफ सीजंस, बी.एन. गोस्वामी द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई, फार आर्ट ऐंड डील, मार्च 2005.
- कविता सिंह, द नेशन इन द म्यूजियम, तहलका, 18 फरवरी, 2005.
- कविता सिंह, बिटविन द होल ऐंड द पार्ट्स, रसीद राना की प्रदर्शनी की समीक्षा, आर्ट इंडिया, अक्टूबर 2004.

- कविता सिंह, इक्जीबिशन कैटलॉग : मनीषा पारिख, नेचर मोर्ट द्वारा प्रकाशित, नई दिल्ली, नवम्बर 2004.
- सावंत शुक्ल, टेन आर्टिस्ट्स फॉर मेनीफेस्टेशंस 2004, दिल्ली आर्ट गैलरी का कैटलॉग.

iLrd

- ज्योतिन्द्र जैन, इंडियन पाप्यूलर कल्चर्स : द कनक्वेस्ट ऑफ द वर्ल्ड एज पिक्चर, नेशनल गैलेरी ऑफ मॉडर्न आर्ट/आक्सफोर्ड बुक्स, नई दिल्ली, 2004.
- एच..एस. शिव प्रकाश, मथे मथे, कन्नड कविता का संग्रह, क्राइस्ट कॉलेज, बंगलौर, 2005.
- एच..एस. शिव प्रकाश, द स्टेट ऑफ कंटेम्पोरेरि इंडियन थिएटर (निबंधों के संग्रह का संपादन), साहित्य अकादमी, नई दिल्ली.
- एच..एस. शिव प्रकाश, इंडियन शैक्सपियर्स (निबंधों के संग्रह का संपादन), वर्ल्ड वाइड पब्लिशर्स, नई दिल्ली.

एच..एस. शिव प्रकाश, द टाइगर ऐंड द डियर, एन एंथोलॉजी ऑफ कन्नड वचनस इन इंग्लिश ट्रांसलेशन विषयक पुस्तक पर कार्य कर रहे हैं।

iLrdk e idkf'kr v/;k;

- कविता सिंह, द म्यूजियम एज नेशनल इन आर्ट ऑफ एशियंट इंडिया : कंटेक्सचुअलाइजिंग सोशल रिलेशंस (सं.) शिवाजी के. पणिक्कर और आभा सेठ, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा, 2004.

'kk/k ifj;ktuk,

- कविता सिंह, म्यूजियोलॉजी ऐंड द कॉलोनी : द केस ऑफ इंडिया (मार्च 2005 – जून 2007), गेटी फाउंडेशन ऐंड इंस्टीट्यूट, लास एंजल्स से शोध अनुदान।

jk"Vh;@vUrjk"Vh; lEeyuk@cBdk@dk;'kkykvk e ifrHkkfxrk

- ज्योतिन्द्र जैन ने मई 2004 में बर्लिन में आयोजित "ग्लोबल आइकोन्स" विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा "परेडिंग द नेशन : रिपब्लिक डे परेड कंसट्रक्टिंग द नेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ज्योतिन्द्र जैन ने 16 से 18 जनवरी, 2005 तक नई दिल्ली में आयोजित 'द मेकिंग ऑफ इंटरनेशनल इक्जीबिशंस : सिटिंग बायनेल्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा "द अदर विदिन द अदर : प्रिडिकेमेंट ऑफ द कंटेम्पोरेरि इंडियन फॉक ऐंड ट्राइबल आर्टिस्ट्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ज्योतिन्द्र जैन ने नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, मुम्बई में "इंडियन पाप्यलूर कल्चर : द कनक्वेस्ट ऑफ द वर्ल्ड एज पिक्चर" विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- ज्योतिन्द्र जैन ने नवम्बर 2004 में "सिम्बायोसिस संस्थान, पुणे में 'ट्रेडिशंस ऑफ इंडियन फॉक पेंटिंग" विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- ज्योतिन्द्र जैन ने अप्रैल 2004 में इंडियन फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स बंगलौर द्वारा आयोजित एवं फोर्ड फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित "आर्ट एज्यूकेशन" विषयक कार्यशाला में आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.एस. शिव प्रकाश 5 से 8 दिसम्बर, 2004 तक गालिब संस्थान, बंगलौर द्वारा आयोजित 'कन्नड–उर्दू ट्रांसलेशन' विषयक कार्यशाला में मुख्य विशेषज्ञ थे।

- एच.एस. शिव प्रकाश ने 4 दिसम्बर, 2004 को उपरोक्त कार्यशाला में मुख्य व्याख्यान दिया।
- एच.एस. शिव प्रकाश 7 से 13 अप्रैल, 2004 तक कला और संस्कृति विभाग, मणिपुर सरकार द्वारा आयोजित "सोशियो–पॉलिटीकल अवेयरनेस ऐंड क्रियेटिव राइटिंग फॉर प्लेज/परफॉर्मेंस" विषयक कार्यशाला में मुख्य विशेषज्ञ थे।
- एच.एस. शिव प्रकाश ने 31 दिसम्बर, 2004 को सी.आई.आई.एल., मैसूर द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय एम.बी. एमेन्यू शताब्दी संगोष्ठी में "ट्रांसम्यूटेशंस ऑफ डिजायर ऐंड पावर इन भक्ति एक्सप्रेशंस" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.एस. शिव प्रकाश ने 28 नवम्बर 2004 को दिल्ली में कुवेम्पु विश्वविद्यालय, शिमोगा और कन्नड विश्वविद्यालय, हम्पी द्वारा आयोजित "कुवेम्पु हेरीटेज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सेक्रीफाइसिंग रामा : रिफ्लेक्शंस आन कुवेम्पुस पोयटिक ऐंड ड्रेमेटिक वर्क्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.एस. शिव प्रकाश ने अक्टूबर 2004 में शरण साहित्य परिषद्, दिल्ली द्वारा आयोजित 'स्पिरीचुअल डेमोक्रेसी' विषयक संगोष्ठी में 'बासवन्ना : द इरिप्रेसिबल जील ऑफ एन एज' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.एस. शिव प्रकाश ने दिसम्बर, 2004 में कुवेम्पु विश्वविद्यालय, शिमोगा में अंग्रेजी विभाग, कुवेम्पु विश्वविद्यालय, शिमोगा और पोयट्री सोसाइटी ऑन इंडिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "पोयट्री ऐंड सोसाइटी" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा "द पोइट ऐंड द सोसाइटी इन द लाइट ऑफ कुवेम्पु'स बेरेल्ज कोराल" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एच.एस. शिव प्रकाश ने 3 फरवरी, 2005 को अंग्रेजी विभाग, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद द्वारा आयोजित "लिट्रेचर ऐंड कंटेम्पोरेरि डिस्कॉर्सेज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।

  एच.एस. शिव प्रकाश ने 4 से 5 फरवरी 2005 तक अंग्रेजी विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई द्वारा आयोजित "पोस्ट मॉडर्न थीअरि ऐंड प्रैक्टिस" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "थीअरि ऐंड प्रैक्टिस ऑफ ट्रांसलेशन इन मॉडर्न इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.एस. शिव प्रकाश ने 6 फरवरी, 2005 को हिन्दी विभाग, कोच्ची विश्वविद्यालय, कोच्ची द्वारा आयोजित "रीजनलिज्म ऐंड इंटरनेशनलिज्म इन कनटेम्पोरेरि इंडियन थिएटर" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "रीजनलिज्म वर्सेज नेशनलिज्म/इंटरनेशनलिज्म इन इंडियन थिएटर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

  बिष्णुप्रिय दत्त ने मई 2004 में डिपार्टमेंट ऑफ थिएटर, फिल्म ऐंड टेलीविजन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ वेल्स द्वारा आयोजित 'कांससनेस थ्रू लिट्रेचर ऐंड द आर्ट्स' विषयक सम्मेलन में 'इंडियन थिएटर : लिट्रेचर ऐंड कांससनेस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बिष्णुप्रिय दत्त ने मई 2004 में नॉर्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी, नॉरविक में 'कंटेम्पोरेरि इंडियन थिएटर' विषयक व्याख्यान दिया।
- बिष्णुप्रिय दत्त ने एस.आर.एफ.टी.आई., कोलकाता में "एक्टिंग स्टाइल इन कंटेम्पोरेरि इंडियन थिएटर ऐंड सिनेमा" विषयक तीन व्याख्यान दिए।

- कविता सिंह ने 23 से 27 अगस्त, 2004 तक मांट्रियल, कनाड़ा में आयोजित कमिट इंटरनेशनल डी'हिस्टायर डे एल'आर्ट की 31वीं कांग्रेस के 'साइट्स ऐंड टेरीट्रीज ऑफ आर्ट हिस्ट्री' विषयक नेशनल नरेटिव्स पैनल में "म्यूजियम्स ऐंड द केनोनाइजेशन ऑफ इंडियन आर्ट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- कविता सिंह ने 16 से 18 जनवरी, 2005 तक नई दिल्ली में आयोजित 'द मेकिंग ऑफ इंटरनेशनल इक्जीबिशंस : सिटिंग बाइनेल्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ऑलवेज आउटसाइड : एशियन आर्ट इन इक्साइल" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- कविता सिंह ने 21 से 26 जनवरी, 2005 तक भुवनेश्वर में आयोजित सामाजिक विज्ञान अध्ययन केन्द्र कोलकाता की 10वीं सांस्कृतिक अध्ययन कार्यशाला में "द गवर्नेंस ऑफ कल्चर्स" विषयक आलेख प्रस्तुत किया और परिचर्चा की।
- सावंत शुक्ल ने अगस्त 2004 में ब्रेजियर कॉलेज, आक्सफोर्ड में आयोजित 15 दिवसीय 'आर्टिस्ट्स' कार्यशाला में भाग लिया तथा 'आर्टिस्ट्स' इनिशिएटिव इन इंडिया' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- सावंत शुक्ल, टी.ए.सी. सम्मेलन की आयोजन समिति में शामिल थे और सत्र की अध्यक्षता की।

e.Myk@lfefr;k dh lnL;rk ¼fo'ofo|ky; l ckgj½

- ज्योतिन्द्र जैन, सदस्य; केन्द्रीय संग्रहालय सलाहकार बोर्ड, संस्कृति विभाग, भारत सरकार; सदस्य, न्यासी मंडल, राष्ट्रीय लोक साहित्य प्रोत्साहन केन्द्र, चेन्नई; सदस्य, न्यासी मंडल, भाऊ दाजी लाड म्यूजियम, मुम्बई; सदस्य, विद्या परिषद्, नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट फॉर आर्ट हिस्ट्री, म्यूजियोलॉजी ऐंड कंजरवेशन (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली।
- एच.एस. शिव प्रकाश, विशेषज्ञ, साहित्य के क्षेत्र में संस्कृति विभाग अध्येतावृत्ति समिति, 2004; ज्यूरी सदस्य, हस्तशिल्प और टेक्सटाइल के क्षेत्र में राष्ट्रीय पुरस्कार, 2004.
- बिष्णुप्रिय दत्त, सदस्य, एस.आर.एफ.टी.आई., कोलकाता की शासी परिषद्।
- कविता सिंह, सदस्य, विशेषज्ञ पैनल, पाठ्यचर्या समीक्षा, एन.आई.एफ.टी., नई दिल्ली; सदस्य, प्रारंभिक साक्षात्कार पैनल (ललित कला), इनलाक्स छात्रवृत्ति।
- सावंत शुक्ल, परीक्षक, एम.एफ.ए. चित्रकला और कला इतिहास, कला भवन, शांतिनिकेतन; परीक्षक, बी.एफ.ए. पेंटिंग कॉलेज ऑफ आर्ट, नई दिल्ली; परीक्षक, पी–एच.डी. कला भवन, शांतिनिकेतन; संस्कृति अध्येतावृत्ति चयन पैनल।

dI;Vj vkj i)fr foKku lLFkku

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान की स्थापना वर्ष 1975 में हुई थी। यह कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण और शोध पाठ्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण संस्थान है। पिछले कुछ वर्षों में यह देश में एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में उभरा है। यह संस्थान एम.सी.ए., एम.टेक (एम.फिल.) और पी–एच.डी. शोध पाठ्यक्रम चलाता है।

प्रत्येक वर्ष लगभग 10,000 उम्मीद्वार एम.सी.ए. (35 सीट) और एम.टेक. (25 सीट) पाठ्यक्रमों की 60 सीटों के लिए प्रवेश–परीक्षा में बैठते हैं। भारतीय और विदेशी उम्मीद्वारों की संख्या में नियमित वृद्धि संस्थान की प्रसिद्धि और लोकप्रियता को दर्शाती है।

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान अपने शैक्षिक पाठ्यक्रम को समाज और उद्योगों की आवश्यकताओं के

अनुरूप बनाता है। यह अपने छात्रों को उच्च स्तर की तकनीकी शिक्षा प्रदान करता है। संस्थान से उपाधि प्राप्त छात्रों को सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नौकरियां प्राप्त होती हैं। कोर्स और पाठ्यक्रम इस प्रकार तैयार किए जाते हैं जिनमें अन्तर्विषयक कोर्स के साथ–साथ सैद्धांतिक और प्रायोगिक पक्षों को भी कवर किया जाता है। संस्थान भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के छात्रों के लिए परम्परागत और विशेष कोर्स भी चलाता है।

कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हो रहे नवीनतम विकास से छात्रों को अवगत कराने के लिए समय–समय पर संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं।

dk l k dk iuxBu

- वर्ष 2004–2005 के दौरान एम–सी.ए. कोर्स के पाठ्यक्रम को पुनर्गठित किया गया, यह कोर्स शैक्षिक वर्ष 2005–2006 में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए चलाया जाएगा।
- वर्ष 2004–2005 के दौरान एम.टेक. कोर्स के पाठ्यक्रम को भी पुनर्गठित किया गया, यह शैक्षिक वर्ष 2005–2006 में प्रवेश लेने वाले छात्रों हेतु चलाया जाएगा।

fof tfVx f'k{kd

- प्रो. के. श्रीनिवास राव, गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई, को 28 मार्च से 8 अप्रैल 2005 की अवधि के लिए संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया।

Nk=k d fy, lyleV

- एम.सी.ए. और एम.टेक. छात्रों को आई.बी.एम., असेंचर, एच.पी., टी.सी.एस., एच.सी.एल., मेकिंसे, पेरट सिस्टम्स, फ्लेक्सट्रॉनिक्स, क्युआर्क मीडिया हाउस, कैनबे, नगारो, एन.आई.आई.टी. जैसी अग्रणी साफ्टवेयर कंपनियों में नौकरियां प्राप्त हुईं।

Hkfo"; dh ;ktuk,

- संस्थान स्टेटिस्टिकल कंप्यूटिंग में एम.टेक. पाठ्यक्रम शुरू करने की संभावना का पता लगा रहा है।

idk'ku

vkys[k

- कर्मेषु और ए. कृष्णामचारी, सिक्वेंस वेरिएबिलिटी ऐंड लोंग रेंज डिपेंडेंस इन डी.एन.ए. : एन इंफार्मेशन थीअरिटिक पर्सपेक्टिव, लेक्चर नॉट्स इन कंप्यूटर साइंस, स्प्रिंगर वेरलॉग, 3316: 1354–1361, 2004.
- कर्मेषु और आर. अग्रवाल, इफिकेसी ऑफ रेले–इनवर्स गौसियां डिस्ट्रीब्यूशन ओवर के–डिस्ट्रीब्यूशन फोर वायरलेस फेडिंग चैनल्स, वायरलैस कम्युनीकेशंस ऐंड मोबाइल कंप्यूटिंग, 2005.
- के.के. भारद्वाज और एफ.एम. बा–अल्वी, ऑटोमेटिड डिस्कवरी ऑफ हाइआर्कीकल रिपल–डाउन रूल्स, 23वीं आई.ए.एस.टी.ई.डी. अन्तर्राष्ट्रीय बहु सम्मेलन की कार्यवाही में, आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस ऐंड एप्लिकेशंस, इन्सबर्क, आस्ट्रिया, 14 से 16 फरवरी, 2005.
- के.के. भारद्वाज और एफ.एम. बा–अल्वी, डिस्कवरी ऑफ प्रोडक्शन रूल्स विद फज्जी हाइआर्की 25 से 27 फरवरी,

2005 तक इस्ताम्बुल, टर्की में आयोजित द्वितीय वर्ल्ड इनफॉर्मेटिका कांग्रेस, डब्ल्यू.ई.सी. 05 की कार्यवाही में।

- के.के. भारद्वाज, हाइआर्कीकल सेंसर्ड प्रोडक्शन रूल्स सिस्टम्स ए फ्रेमवर्क फॉर इंटेलीजेंट सिस्टम्स, 2–3 मार्च, 2005 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में आयोजित "रिसेंट एडवांसिज ऐंड फ्यूचर ट्रेंड्स इन आई टी, आर.ए.एफ.आई.टी.–2005 की कार्यवाही में आमंत्रित व्याख्यान।

- पी.सी. सक्सेना और गबरानी, डी.एस.टी.एन. डिस्ट्रीब्यूटिड सिस्टम फॉर ट्रांजेक्शन प्रोसेसिंग बेस्ड डाटा रिसार्स माइग्रेशंस इन ए.आई.एम. नेटवर्क्स, जर्नल ऑफ कंप्यूटर्स ऐंड इंफॉर्मेटिक्स, भाग–अंक–3, अप्रैल, 2004.

- पी.सी. सक्सेना ऐंड पी.के. सूरी, मॉडलिंग क्वेरी लैंग्वेज़िज, जर्नल ऑफ आई.ई., भाग–85; 34–37, नवम्बर 2004.

- पी.सी. सक्सेना और आई. अरोड़ा, इम्पैक्ट ऑफ रिडनडेंट वर्सन नम्बर ऑन कोस्ट ऑफ एक्सेसिंग ब्राडकास्ट डाटा, वायरलेस मोबाइल कंप्यूटिंग, एप्लाइड साइंस ऐंड कंप्यूटेशन, भाग–II, अंक–3, पृ. 154–181, दिसम्बर 2004.

- पी.सी. सक्सेना और एस. जसोला, मोबाइल टेक्नालॉजीज, एज्यू. कॉम. एशिया : ए क्वार्टरली ऑफ द कॉमनवेल्थ एज्यूकेशनल मीडिया, सेंटर फॉर एशिया, अंक–4, जून 2004.

- पी.सी. सक्सेना, अनालिसिस ऑफ क्यू ओ एस मॉडल फॉर वी.ओ.आई.पी. इंप्लिमेंटेशन, 17–18 दिसम्बर, 2004 को थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नोलॉजी, पटियाला में आयोजित 'इश्यूज ऐंड ट्रेंड्स इन वायरलेस नेटवर्क्स आई.टी. विन–2004 की कार्यवाही में, पृ. 13–21.

- पी.सी. सक्सेना और आर. जिंदल, एन अलगोरथिम्स फॉर फ्रिक्वेंट पैटर्न माइनिंग यूजिंग डिजिटल सर्च ट्री, फरवरी 2005 में आयोजित 'इंफार्मेशन मैनेजमेंट इन नॉलेज सर्च, आई.सी.आई.एम.–2005, भाग–II की कार्यवाही में।

- पी.सी. सक्सेना, वी.के. पंचाल और पी. गुप्ता, रफ सेअ फ्रेमवर्क फॉर जियो–स्पाशियल इंफार्मेशन, मैप इंडिया–2005, 8वाँ वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जी.पी.एस., एरियल फोटोग्राफी ऐंड रिमोट सेंसिग, 7 से 9 फरवरी 2005.

- पी.सी. सक्सेना और एस. जसोला, मॉबिलिटी ऐंड क्यू.ओ.एस. ऑफ सर्विस इन आई.पी. बेस्ड वायरलेस नेटवर्क, 12–13 मार्च 2005 को त्रिवेन्द्रम में इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, एफ.आई.सी.ओ.एम.–05, द्वारा आयोजित कंप्यूटर इंजीनियर्स की 19वीं राष्ट्रीय कांग्रेस की कार्यवाही में।

- एन. परिमाला और टी.वी. विजय कुमार, इंटीग्रेटिंग क्वेरी रिजल्ट्स, दिसम्बर 2004 में अहमदाबाद में आयोजित 'एडवांस्ड कंप्यूटिंग ऐंड कम्यूनीकेशन, 'एडकाम' के 12वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

- एन. परिमाला और एस.आर. रेड्डी, कोड आप्टीमाइजेशन फॉर इम्बेडिड सिस्टम्स यूजिंग डी.ए.जी., टी.एच.आर. ऐंड ग्राफ ट्रांसफॉर्मेशंस ऐंड कोड जनरेशन यूजिंग द लेबलिंग अलगोरीथम; दिसम्बर 2004 में हैदराबाद में आयोजित इफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विषयक 7वाँ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

- एन. परिमाला, प्रोसेसर सलेक्शन फॉर इम्बेडिड सिस्टम डिजाइन, अगस्त 2004 में 'वी डेट' मैसूर में आयोजित 8वीं वी.एल.एस.आई. डिजाइन ऐंड टेस्ट कार्यशाला।

- डी.के. लोबियाल, ए.पी. रुहिल और आई. स्टोजमिनोविक, डोमीनेटिंग सेट्स बेस्ड पॉजीशन रूटिंग इन मोबाइल एडहॉक नेटवर्क्स, 23 से 25 जनवरी 2005 तक नई दिल्ली में आयोजित 'पर्सनल वायरलेस कम्यूनीकेशन' (आई.सी.पी.डब्ल्यू.सी.) विषयक 7वें आई.ई.ई.ई. अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में; पृ. 57–61.

- डी.के. लोबियाल, आई. परफॉर्मेंस इवेल्युएशन ऑफ जियोकास्टिंग प्रोटोकाल्स इन मोबाइल एडहॉक नेटवर्क्स,

28 से 30 जनवरी 2005 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खडगपुर में आयोजित 'कम्यूनीकेशन एन.सी.सी.–2005 विषयक 11वें राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में।

- डी.के. लोबियाल और के.ए. अबूद उमर, एफिशिएंट ग्रिड लोकेशन अपडेट स्कीम इन मोबाइल एडहॉक नेटवर्क्स, (सं.) जी. दास और वी.पी. गुलाटी, सी.आई.टी. 2004, एल.एन.सी.एस., भाग–3356, स्प्रिंगर वेरलॉग, पृ. 137–146, बर्लिन, हीडलबर्ग 2004.
- डी.के. लोबियाल और के.ए. अबूद उमर, डिस्टेंस बेस्ड कोरम अपडेट स्कीम इन मोबाइल एडहाक नेटवर्क्स, दिसम्बर 2004 में बंगलौर में आयोजित 'लेटरल कंप्यूटिंग' विषयक विश्व कांग्रेस की कार्यवाही में।
- डी.के. लोबियाल और के.ए. अबूद उमर, इफिशिएंट होम एजेंट लोकेशन अपडेट स्कीम इन मोबाइल ऐडहाक नेटवर्क, आई.ई.ई.ई.–जी.सी.सी., नवम्बर 2004.
- डी.के. लोबियाल, एस. चंद और एच. ओम, इनहांस्ड पॉलीहामोनिक ब्राडकास्टिंग स्कीम फॉर पाप्यूलर बीडियोज, 'कंजयूमर इलेक्ट्रानिक्स' विषयक आई.ई.ई.ई. अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में, पृ. 370–374, 2004.
- टी.वी. विजय कुमार और एन. परिमाला, इंटीग्रेटिंग क्वेरी रिजल्ट्स, 15 से 18 दिसम्बर, 2004 तक अहमदाबाद में आयोजित 'एडवांस्ड कंप्यूटिंग ऐंड कम्युनीकेशन (एडकॉम 2004)' विषयक 12वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में।

iqLrdks esa iqdkf'kr v/;k;

- डी.पी. विद्यार्थी, ए.के. त्रिपाठी औीर बी.के. सरकार, शिड्युलिंग ऐंड रिसॉर्स मैनेजमेंट, हाइ परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग : पैराडिग्म ऐंड इंफ्रास्ट्रक्चर, (सं.) एल.टी. यंग, जॉन विले ऐंड संस, 2004.

'kks/k ifj;kstuk,a

- आर.के. अग्रवाल (सह–अन्वेषक), 'इन्ट्रुजन डिटेक्शन यूजिंग सॉफ्ट कंप्यूटिंग' सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित।

jk"Vªh;@vUrjk"Vªh; lEesyuks@cSBdks@dk;Z'kkykvks esa izfrHkkfxrk

- एस. मिंज ने 17 सितम्बर 2004 को आई.आई.सी., नई दिल्ली में नेशनल सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ इंप्लायमेंट फॉर डिसएबल्ड पीपल द्वारा आयोजित 'एज्यूकेशन फॉर आल ए ड्रीम' विषयक संगोष्ठी में समान अवसर प्रकोष्ठ की सलाहकार की हैसियत से विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।
- आर.के. अग्रवाल ने 1 से 4 जून 2004 को आई.आई.टी., दिल्ली में आयोजित 'वी.एल.डी.बी. समर स्कूल आन फ्रंटियर ऑफ डाटाबेस टेक्नोलॉजी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- आर.के. अग्रवाल ने 28 से 30 दिसम्बर 2004 तक कंप्यूटर विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एलिमेंट्स ऑफ स्टेटिस्टिक्स इन डाटा माइनिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

f'k{kdks ds 0;k[;ku ¼ts,u;w ls ckgj½

- कर्मेषु ने नवम्बर, 2004 में कोलकाता में आयोजित 'न्यूरल इंफॉर्मेशन प्रोसेसिंग' आई.सी.ओ.एन.आई.पी.–2004 विषयक 11वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'लोंग रेंज डिपेंडेंस, पावर लाज ऐंड टी सेलिस एंट्रॉपी इन डी.एन.ए. सिक्वेंसिज' शीर्षक व्याख्यान दिया।

- कर्मेषु ने नवम्बर 2004 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित 'साफ्ट कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग ऐंड बायोइनफॉर्मेटिक्स एप्लिकेशंस' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में 'इफॉर्मेशन थीअरिटिक एनालिसिस ऑफ डी.एन.ए. सिक्वेंसिज' शीर्षक व्याख्यान दिया।

- कर्मेषु ने मार्च 2005 में थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नोलॉजी, पटियाला में आयोजित 'बायोइंफॉर्मेटिक्स' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ट्रेंड्स इन कंप्यूटेशनल बायोलॉजी' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।

- कर्मेषु ने जुलाई 2044 में रामानुजन मैथमेटिकल सोसाइटी, आगरा में प्रो. जे.एन. कपूर की स्कूति में 'मॉडलिंग सोशल सिस्टम्स डिटरमीनिस्टिक ऐंड स्टाकेस्टिक फ्रेमवर्क्स' निषयक व्याख्यान दिया।

- कर्मेषु ने 6 से 14 दिसम्बर 2004 तक स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन साइंस ऐंड इंजीनियरिंग, लैझाउ यूनिवर्सिटी, चीन में निम्नलिखित व्याख्यान दिए :

  क. मॉडलिंग सोशल सिस्टम्स नॉनलिनियर फ्रेमवर्क्स

  ख. लोंग रेंज डिपेंडेंस इन ब्राडबैंड आई.एस.डी.एन.

  ग. एंट्रापी, मैक्जीमम एंट्रापी प्रिंसीपल – एन इंफॉर्मेशन थीअरिटिक पर्सपेक्टिव.

  घ. कंप्यूटेशनल प्रोबेबेलिटी ऐंड मोंटे कार्लो मेथड्स

  च. साफ्टवेयर इंडस्ट्री इन इंडिया।

  छ. डी.एन.ए. सिक्वेंस वेरिएबिलिटी ऐंड पावर लॉज

- कर्मेषु ने दिसम्बर 2004 में सोसाइटी ऑफ इंडस्ट्रियल ऐंड एप्लाइड मैथमेटिक्स द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मैथमेटिक्स डिवलपमेंट – ए पर्सपेक्टिव' विषयक व्याख्यान दिया।

- पी.सी. सक्सेना ने 17 से 18 दिसम्बर, 2004 तक थापर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ऐंड इंजीनियरिंग, पटियाला द्वारा आयोजित 'इश्यूज ऐंड टेंड्स इन वायरलेस नेटवर्क्स' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इमर्जिंग वायरलेस टेक्नोलॉजीज' शीर्षक व्याख्यान दिया।

- पी.सी. सक्सेना ने 24–25 जनवरी 2005 तक कन्या महाविद्यालय, जालन्धर में आयोजित 'इम्बेडिड सिस्टम्स' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग – प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'फ्यूचर ऑफ मोबाइल फोन्स 7 सिक्योरिटी एज ए न्यू डायमेंशन इन इम्बेडिड सिस्टम डिजाइन' शीर्षक व्याख्यान दिया।

- पी.सी. सक्सेना ने मार्च 2005 में आकाशवाणी पर 'न्यू ट्रेंड्स इन ह्यूमन कनेक्टीविटी' विषयक वार्ता की।

- डी.के. लोबियाल ने 21 जून से 23 जुलाई 2004 तक कांतिपुर सिटी कॉलेज, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, नेपाल में 'कंप्यूटर नेटवर्क्स ऐंड नेटवर्क प्रोग्रामिंग' विषयक व्याख्यान दिए।

- डी.के. लोबियाल ने दिसम्बर 2004 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'ओ.एस.आई. ऐंड टी.सी.पी./आई.पी. मॉडल' विषयक व्याख्यान दिया।

- आर.के. अग्रवाल ने डी.आर.डी.ओ., नई दिल्ली में 'इंट्रूजन डिटेक्शन यूजिंग सॉफ्ट कंप्यूटिंग' विषयक व्याख्यान दिया।

i|jLdkj@lEeku@v/;rkofÙk;k

- आर.जी. गुप्ता विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश में कुलपति रहे।

e.Myk@lfefr;ksa dh lnL;rk ¼fo'ofo|ky; ls ckgj½

- आर.जी. गुप्ता, सदस्य, विद्या परिषद्, महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र), जुलाई 2004 से; सदस्य, सलाहकार मण्डल, ए.बी.ई.एस. इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद (उ.प्र.), मार्च 2005 से।

- कर्मेषु, सदस्य, सीनेट, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की; सदस्य, कंप्यूटर सलाहकार समिति, इंस्टीट्यूट कंप्यूटर सेंटर, भा.प्रौ.सं., रुड़की; सदस्य, संस्थान मंडल, एस.ओ.सी.आई.एस., इग्नू, नई दिल्ली; सदस्य, विश्वविद्यालयों में नामांकन संख्या और उससे संबंधित मामलों में उपाय बताने हेतु गठित वि.अ.आ. समिति; सचिव, सोसाइटी ऑफ मैथमेटिकल साइंसेज, दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मंडल, इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी, जी.जी.एस.आई.पी. विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; सदस्य, डोयेक सोसाइटी की समीक्षा करने हेतु गठित कार्यदल, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली; अध्यक्ष, पाठ्यचर्या समिति, जैव–सूचना विज्ञान, 'डोयेक', नई दिल्ली; अध्यक्ष, तकनीकी सलाहकार समिति, इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च इन मेडिकल स्टेटिस्टिक्स, (आई.सी.एम.आर.); सदस्य, संपादकीय मण्डल, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् की पत्रिका; सदस्य, अध्ययन मण्डल, जैव–सूचना विज्ञान, पंजाब विश्वविद्यालय।

- एस. मिंज, सदस्य, मूल्यांकन समिति, एन.सी.ए.ई.पी.आर., पूसा, नई दिल्ली; सदस्य, शासी निकाय और आम सभा, भारतीय सामाजिक संस्थान।

- डी.के. लोबियाल, सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, दूरस्थ शिक्षा माध्यम द्वारा कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्क टेक्नोलॉजी में उच्च डिप्लोमा, विश्वविद्यालय पोलीटेक्नीक, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली; सदस्य, जैव–सूचना विज्ञान विशेषज्ञ समिति, इग्नू, नई दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मंडल, प्रबंधन अध्ययन और सूचना प्रौद्योगिकी संकाय, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली।

i;kZoj.k foKku laLFkku

पर्यावरण विज्ञान संस्थान की स्थापना वर्ष 1974 में हुई थी। यह देश में अपनी तरह का सबसे पुराना संस्थान है। इस संस्थान ने पर्यावरण विज्ञान में सबसे पहले एम.एस–सी. और एम.फिल. पाठ्यक्रम शुरू किए थे। संस्थान का चरित्र बहुविषयात्मक है। इसमें पर्यावरण के भौतिक, रासायनिक और जैविक पक्षों पर अध्ययन किया जाता है। तदनुसार, संस्थान के शिक्षण और शोध क्षेत्रों में भौतिक, रसायन, भू–गर्भ शास्त्र, जल–विज्ञान, मौसम विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, जैव–भौतिकी, जैव–रसायन, मोलक्यूलर और कोशिकीय जीव–विज्ञान, पारिस्थितिकी विज्ञान और पर्यावरणीय मॉनिटरिंग तथा प्रबंधन जैसे विषयक क्षेत्र शामिल हैं।

संस्थान एम.एस–सी. और एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। एम.एस–सी. पाठ्यक्रम विभिन्न विषयों में स्नातक उपाधिधारक छात्रों की जरूरतों के अनुसार दो स्ट्रीम – एक भौतिक विज्ञान और दूसरा जीवविज्ञान – में विभाजित है। एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम वर्ष 1975 में शुरू किया गया। इसमें समय–समय पर परिवर्तन किए गए। इस अध्ययन पाठ्यक्रम में विस्तृत कोर्स वर्क शामिल है और छात्र को एम.फिल. डिग्री प्राप्त करने के लिए एक लघु शोध प्रबन्ध भी लिखना पड़ता है। यद्यपि, कोर्स–कार्य में उच्च सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने पर छात्र सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम

के लिए पंजीकरण करा सकते हैं। अब तक 200 से अधिक छात्रों ने पर्यावरण विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अपने पी–एच. डी. पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

हमारे छात्रों को शिक्षण और शोध संस्थानों, सरकारी संगठनों ओर कई गैर–सरकारी एजेंसियों में पर्यावरण से संबंधित महत्वपूर्ण पदों पर नौकरियां प्राप्त हुई हैं। कई छात्र प्रसिद्ध शोध प्रयोगशालाओं और विश्वविद्यालयों में डाक्टरल और पोस्ट डॉक्टरल शोध हेतु विदेश चले गए हैं।

संस्थान की शोध गतिविधियां विज्ञान के मुख्य विषयों से सम्बन्धित निम्नलिखित चार क्षेत्रों में विभाजित हैं : –

{k= &I : सैद्धान्तिक भौतिक विज्ञान और अनुप्रयुक्त गणित के आयाम, पर्यावरणीय समस्याओं के अध्ययन हेतु इनका अनुप्रयोग, मौसम विज्ञान, वायु –प्रदूषण, ध्वनि, लेजर्स, जैव–विद्युत चुंबकीय विज्ञान, माइक्रोवेव और रिमोट सेंसिंग में इनका अनुप्रयोग, अल्ट्रासाउंड का प्रयोग करते हुए वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट।

{k= &II : सतही भू–प्रक्रिया, जलाशय सहित भू–जल, ग्लेशियर, तटीय जल प्रणाली, एस्ट्युअरिज एवं मेनग्रोव्स, खनिज भण्डार और खनन प्रदूषण की समस्याओं के अध्ययन हेतु विज्ञान एवं भू–रसायनशास्त्र का अनुप्रयोग। भू–विज्ञानों में दूर–संवेदन अनुप्रयोग।

{k= &III : वायु, जल व मृदा प्रदूषण के मॉनिटरिंग और प्रबन्धन में रयासनशास्त्र का अनुप्रयोग, भूप्रबन्धन तथा अपशिष्ट पुनःचक्रण, प्रदूषण जीवविज्ञान, सरोवर विज्ञान और आर्द्रभूमि।

{k= &IV : प्रदूषण पारिस्थितिक, वायु प्रदूषण एवं पादप, पर्यावरणीय प्रभाव विश्लेषण एवं नियोजन, इकोसिस्टम डायनेमिक्स और पर्यावरणीय शरीर क्रिया विज्ञान, व्यवसायिक स्वास्थ्य, पर्यावरणीय विष विज्ञान, कोशिकीय और अणु जीव विज्ञान, पर्यावरणीय जैव–प्रौद्योगिकी, वायु/जल प्रदूषण के भौतिक–रसायनिक पक्ष, माइक्रोबायल बायोरिमिडिएशन।

संस्थान में इस समय 13 प्रोफेसर, 05 एसोसिएट प्रोफेसर और 03 सहायक प्रोफेसर हैं। इसकी शैक्षिक गतिविधियों को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मान्यता मिली हे और कई शिक्षकों को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों और संगठनों से प्रतिष्ठित पुरस्कार तथा अध्येतावृत्तियाँ प्राप्त हुई हैं। कई शिक्षक केन्द्रीय और राज्य सरकारों, केन्द्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, पर्यावरण और वन मंत्रालय, योजना आयोग तथा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् द्वारा गठित समितियों के सदस्य हैं। संस्थान के शिक्षकों ने कई कार्यक्रमों के लिए जर्मनी, पोलैण्ड, इंग्लैण्ड, स्वीडन, फ्रांस ओर अमेरिका जैसे देशों के साथ सहयोग किया है। संस्थान की कई शोध परियोजनाओं को – विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, डाड, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भा.चि.अ.प., वै.औ.अ.प., पर्यावरण और वन मंत्रालय, जी.ई.एफ., यूनेस्को जैसी सरकारी और अन्तर–सरकारी एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित किया गया। संस्थान ने पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित जैव–भू–रसायन और पर्यावरणीय विधि में 'एनविस' केन्द्र की मेजबानी की।

संस्थान के शिक्षण और शोध कार्यक्रमों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से मान्यता मिली है। इन्होने क्रमशः अपने 'कॉसिस्ट' (2000–2005) और 'फिस्ट' कार्यक्रमों के तहत निधि उपलब्ध कराई है। संस्थान को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से भी डी.आर.एस. चरण–I (1994–1999), डी.आर.एस. चरण–II (1999–2004) की योजना के तहत वित्तीय सहायता के रूप में भी मान्यता मिली है।

संस्थान में विश्लेषणात्मक अध्ययन के लिए एक्स.आर.डी., ए.ए.एस. और आई.सी.पी.–ए.ई.एस., गैस क्रोमेटोग्राफ, आयोन क्रोमेटोग्राफ, एच.पी.एल.सी. साइंटिलेशन काउंटर, कार्बन एनालाइजर और फ्लोरसेंस माइक्रोस्कोप जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, हाल में संस्थान ने एक एयर पॉल्युशन मॉनिटरिंग मोबाइल लैबोरेट्री/वेन प्राप्त की है, जिसका वित्त पोषण 'कॉसिस्ट' कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किया गया है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं :

- जे. बिहारी ने 21 फरवरी 2005 को 'इलेक्ट्रोमेग्नेटिक बेव्ज ऐंड एप्लिकेशंस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- वी. राजमणि ने 18–19 दिसम्बर 2004 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित 'साइंस ऑफ द शैलो सबसर्फेस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- के.जी. सक्सेना ने 29–30 नवम्बर, 2004 को संस्थान में 'कंजरवेशन ऐंड सस्टेनेबल मैनेजमेंट ऑफ बिलो ग्राउंड डाइवरसिटी' विषयक कार्यशाला आयोजित की।

i:dk'ku

vky:[k

- ए.के अत्री और एलन पी. मिंटन, न्यू मेथड्स फॉर मेजरिंग मैक्रोमोलक्यूलर इंटरएक्शंस इन साल्यूशन वाया स्टेटिक लाइट स्केटरिंग : मेथडोलॉजी ऐंड एप्लिकेशन टु नान–एसोसिएटिंग ऐंड सेल्फ एसोसिएटिंग प्रोटींस, अनाल. बायोकेमे. (प्रकाशनाधीनं), 2005.
- ए.के. अत्री और एलन पी. मिंटन, रेपिड एम.ए.एल.एल.एस. बेस्ड मेथड्स फॉर डिटेक्टिंग ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ मैक्रोमोलक्यूलर इंटरएक्शन : पार्ट–I ऐंड पार्ट–II, 8 से 11 नवम्बर, 2004 तक सांता बारबरा में आयोजित 'लाईट स्केट्रिंग' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- डी.के. बनर्जी और सुदेश चौधरी, मेटल फेज एसोसिएशन ऑफ क्रोमियम इन इंडस्ट्रियली कंटेमिनेटिड सॉयल्स ऑफ दिल्ली, केमिकल स्पेसिएशन ऐंड बायोएवेलेबिलिटी 16 (4) : 145–151, 2004.
- जे. बिहारी और आर पॉलराज, डिक्रीज्ड पी.के.सी. एक्टिविटी इन डिवलपिंग रेट्स ब्रेन सेल्स एक्सपोज्ड टु 45 जीएचजेड़ रेडिएशन, इलेक्ट्रोमैग्नेटो बायोलॉजी ऐंड मेडिसिन (प्रकाशनाधीनं)
- एस. भट्टाचार्य, एन. साहू, ई. लब्रुयेरे, पी. सेन, एन. गुइलन और ए. भट्टाचार्य, कैल्शियम बाइंडिंग प्रोटीन–I ऑफ द प्रोटोजोआन पैरासाइट एंटामॉयबा हिस्टोलिटिका इंटरएक्टस विद एक्टिन ऐंड एज इनवॉल्वड इन साइटोस्केलटन डायनेमिक्स, ज. सेल. साइंस 117 : 3625–3634, 2004.
- एस. भट्टाचार्य, ए.ए. बाकरे, के. रावल, आर. रामास्वामी और ए. भट्टाचार्य, द एल.आई.एन.ई.एस. ऐंड एस.आई.एन.ई.एस. ऑफ एंटामॉयबा हिस्टोलिटिका : कम्पेरेटिव एनालिसिस ऐंड जीनोमिक डिस्ट्रीब्यूशन, एक्सपे. पैरासिटो. 110, 207–213, 2005.
- एस. भट्टाचार्य, एस. श्रीवास्तव और जे. पॉल, स्पेसीज ऐंड स्ट्रे–स्पेसिफिक प्रॉब्स डिराइव्ड फ्रॉम रिपेटिटिव डी.एल.ए. फॉर डिस्टिंग्विशिंग एंटामायबा हिस्टोलिटिका ऐंड ऐंटामॉयबा डिस्पार, एक्सपे. पैरासिटो. (प्रकाशनाधीन), 2005.
- के. दत्ता, ए. सेनगुप्ता, बी. बनर्जी और आर.के. त्यागी, गोल्गी लोकेलाइजेशन ऐंड डायनेमिक्स ऑफ हाइएलुरोनान बाइंडिंग प्रोटीन–I (एच.ए.बी.पी.–I) ड्यूरिंग इंटरफेस ऐंड माइटोटिक स्टेज्स, सेल रिसर्च (स्वीकृत) 2004.
- पी.एस. खिलारे, रजनी पाण्डेय और एस. बालाचन्द्रन, करेकट्राइजेशन ऑफ इनडोर पीएम$_{10}$ इन रेजिडेंशियल एरियाज ऑफ दिल्ली, इनडोर ऐंड बिल्ट एनवायरनमेंट, 13:139–147, 2004.
- सौमित्र मुखर्जी, रीजनल स्टडी फॉर मैपिंग द नेचुरल रिसॉर्सिज प्रास्पेक्ट ऐंड प्रॉब्लम जोन्स यूजिंग रिमोट सेंसिंग ऐंड जी.आई.एस., जियोकार्टो इंटरनेशनल जर्नल, भाग–20, अंक–3, 2005.

- सौमित्र मुखर्जी, रोल ऑफ लैण्डफोर्म ऐंड टोपोग्राफी इन द डिवलपमेंट ऑफ ड्रेनेज नेटवर्क्स, हाइड्रोलॉजी जर्नल, अंक–28, 1, 2005.
- वी. राजमणि और सुदेश यादव, जियोकेमेस्ट्री ऑफ एयरोसॉल्स ऑफ नार्थवेस्टर्न पार्ट ऑफ इंडिया एडजवॉइनिंग द थार डेजर्ट, जियोकेमिका एट कास्मोकिमिका एक्टा, 68 : 1975–1988, 2004.
- वी. राजमणि, जयन्त के. त्रिपाठी, बी. बॉक और ए. आइजन हावर, इज रिवर घग्गर सरस्वती ? जियोकेमिकल कांस्ट्रेंट्स, करंट साइंस 87 : 1141–114, 2004.
- वी. राजमणि, सी.ए. ऐंड एस.आर. डायनेमिक्स इन द इण्डोगेंगिटिक प्लेंस : डिफरेंट सॉर्सिज ऐंड मॉबिलाइजेशन प्रॉसेसिज इन नार्थवेस्टर्न इंडिया, करंट साइंस, 87:1153–1158, 2004.
- ए.एल. रामनाथन, साल्यूअ सॉर्सिज ऐंड प्रॉसेसिज इन द अचनकोविल 'रिवर बेसिन, वेस्टार्न घाट्स, साउथ इंडिया, हाइड्रोलॉजीकल साइंस जर्नल, 502:324–329, 2005.
- ए.एल. रामनाथन, डेन अलोंगी, टी. ट्राट, एल. कन्नन और बालकृष्ण प्रसाद, कार्बन फ्लक्स इन द पिछवारम मैनग्रोव्स, मेरीन बायोलॉजी, 2004 (प्रकाशनाधीन)
- ए.एल. रामनाथन, न्यूट्रिएंट साइक्लिंग इन द पिछवारम मैंग्राव्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी ऐंड एनवायरनमेंटल साइंसेज 31 (1), 2005 (प्रकाशनाधीन)
- ए.एल. रामनाथन, न्यूट्रिएंट साइक्लिंग इन मैंग्राव इकोसिस्टम : ए ब्रीफ ओवरव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी ऐंड एनवायरनमेंटल साइंसेज, 31 (1), 2005 (प्रकाश्नाधीन).
- जे. सुब्बा राव, ब्रजेन्द्र कुमार सिंह, आर. रामास्वामी और सोमदत्त सिन्हा, द रोल ऑफ हिटरोजेनेइटी ऑन द स्पेसियोटेम्पोरल डायनेमिक्स ऑफ होस्ट पैरासाइट मेटापाप्यूलेशन, इकोल, मॉडलिंग 180:435, 2004.
- जे. सुब्बा राव, आर.के. आजाद और आर. रामास्वामी, सिम्बल सिक्वेंस अनालिसिस ऑफ क्लाइमेटिक टाइम सिग्नल्स, नॉनलिनियर अनालिसिस, रियल वर्ल्ड एप्लिकेशंस 5:487–500, 2004.
- आई.एस. ठाकुर और एस. श्रीवास्तव, आइसोलेशन ऐंड प्रोसेस पैरामीटर आप्टिमाइजेशन ऑफ एसपरजाइल्स स्प. फॉर रिमोवल ऑफ क्रोमियम फ्राम टेनरी एफ्लुएंट, बायोरिसॉर्स टेक्नोलॉजी (प्रकाशनाधीन) 2005.
- आई.एस. ठाकुर, बी. कुमार, एस. राठौड़, एम.जी.एच. जैदी और ए.के. राय, आप्टिकल मार्फोलॉजीकल, थर्मल, मैकेनिकल ऐंड फंगल करेकट्राइजेशन ऑफ वुड पॉलिमिथाइल मेथाक्राइलेट कंपोजिट्स, इंटरनेशनल साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी (प्रकाशनाधीनं), 2005.
- आई.एस. ठाकुर, वाई. चैपल ओर वी. कुमार, बायोडिग्रेडेशन ऐंड डिकालाराइजेशन ऑफ ऐंड पेपर मिल एफ्लुएंट बाइ अनएयरोबिक ऐंड एयरोबिक माइक्रोआर्गेनिज्मस इन सिक्वेंसिएल बायोरिएक्टर, वर्ल्ड ज. माइक्रोबायोल. बायोटेक्नो. (प्रकाशनाधीनं) 2005.
- आई.एस. ठाकुर और पी. सिंह, कलर रिमुवल ऑफ अनएयरोबाइकली ट्रीटेड पल्स ऐंड पेपर मिल एफ्लुएंट बाइ माइक्रोआर्गेनिज्मस इन टु स्टेप्स बायोरिएक्टर बायोरिसार्स टेक्नोल. (प्रकाशनाधीन), 2005.
- आई.एस. ठाकुर और पी. सक्सेना, प्यूरीफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ केटेकाल 1, 2 – डायोक्सीजीनेस ऑफ सूडोमोनास फ्लोरसंस फॉर डिग्रेडेशन ऑफ 4–क्लोरोबेंजोइक एसिड, इंड. ज. बायोटेक्नाल, 4:134–138, 2005.
- आई.एस. ठाकुर, स्क्रिनिंग ऑफ माइक्रोआग्रेनिज्म्स फॉर रिमुअल ऑफ कलर ऐंड एडसोरबेबल आर्गेनिक हेलोजंस

फ्रॉम पल्प ऐंड पेपर मिल एफ्लुएंट, प्रोसेस बायोकेमेस्ट्री, 39:1693’1699, 2004.

- आई.एस. ठाकुर और प्रतिभा सिंह, रिमुवल ऑफ कलर ऐंड डिटॉक्सीफिकेशन ऑफ पल्प ऐंड पेपर मिल एफ्लुएंट बाइ माइक्रोआर्गेनिज्म इन टु स्टेप बायोरिएक्टर ज. साइंस, इंड रिसर्च, 63 : 944–948, 2004.

iLrd

- जे. बिहारी, टॉपिक्स इन इलेक्ट्रोमेग्नेटिक वेव्स : डिवाइसिस, इफेक्ट्स ऐंड एप्लिकेशंस, अनामाया प्रकाशक, नई दिल्ली, 2005.
- जे. बिहारी, माइक्रोवेव डायलेक्ट्रिक बिहेवियर ऑफ वेट सॉइल, स्प्रिंगर प्रकाशन, 2005.
- बृज गोपाल और आर.जी. विटजेल (सं.), लिम्नोलॉजी इन डिवलपिंग कंट्रीज, भाग–4, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ थीअरिटिकल ऐंड एप्लाइड लिम्नोलॉजी, और इंटरनेशनल साइंटिफिक पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2004.
- के.जी. सक्सेना, पी.एस. रामकृष्णन, आर. बूझ, यू.एम. चन्द्रशेखर, डी. डिपोमियर, एस. पटनायक, ओ.पी. टोकी, ए.के. गंगवार और आर. गंगवार, वन सन टु वर्ल्डसः एन इकालॉजीकल जर्नी, आक्सफोर्ड और आई.बी.एच. पब्लिशिंग कम्पनी प्रा.लि., नई दिल्ली, 2005.
- के.जी. सक्सेना, पी.एस. रामकृष्णन, एम.जे. स्विफ्ट, के.एस. राव ओर आर.के. मैखुरी (सं.) सॉइल बायोडाइवर्सिटी, इकोलॉजीकल प्रोसेसिज ऐंड लैण्डस्केप मैनेजमेंट, आक्सफोर्ड और आई.बी.एच. पब्लिशिंग कम्पनी प्रा.लि., नई दिल्ली, 2005.
- आई.एस. ठाकुर, एनवायरनमेंटल बायोटेक्नोलॉजी : बेसिक कंसेप्ट्स ऐंड एप्लिकेशंन, आई.के. इंटरनेशनलन प्रा.लि., नई दिल्ली, बंगलौर और मुम्बई।

iLrdk e idkf'kr v/;k;

- ए.के. अत्री, एनवायरनमेंटल बायोटेक्नोलॉजी (अध्याय–19), एम.एस–सी. बायोटेक्नोलॉजी के छात्रों हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित पाठ्य पुस्तक, (सं.) प्रो. एच.के. दास, विलेड्रीम टेक इंडिया, 2003–04.
- बृजगोपाल, सुजाता सेनगुप्ता और एस.एन. दास, इफेक्ट ऑफ न्यूट्रिएंट सप्लाई ऐंड वाटर डेप्थ ऑन न्यूट्रिएंट अपटेक बाई टु वेटलैण्ड प्लांट्स, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इकोलॉजी का बुलेटिन, 14 : 55–60, 2004.
- बृजगोपाल, इकोलॉजी ऐंड सस्टेनेबल मैनेजमेंट ऑफ एक्वाटिक इकोसिस्टम्स : ए हाइड्रोलॉजीकल पर्सपेक्टिव, हाइड्रोलॉजीकल पर्सपेक्टिव्स फॉर सस्टेनेबल डिवलपमेंट, भाग–1, (सं.) एम. पेरुमाल, डी.सी. सिंघल, डी.एस. आर्य, डी.के. श्रीवास्तव, एन.के. गोयल, बी.एस. माथुर, एच. जोशी, आर. सिंह और एम.डी. नौटियाल, एलाइड प्रकाशक, नई दिल्ली, 2005.
- पी.एस. खिलारे, क्लीनर प्रोडक्शन, कैमेस्ट्री फॉर ग्रीन एनवायरनमेंट (सं.) एम.एम. श्रीवास्तव और रश्मि सांघी, नरोसा पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 2005.
- ए.एल. रामनाथन, कंपेरेटिव स्टडी ऑफ द लैण्डयूज इम्पैक्ट आन द वाटर क्वालिटी इन द कावेरी ऐंड अचनकोविल रिबर बेसिन्स ऑफ इंडिया, 17 से 19 दिसम्बर 2004 तक कैंडी, श्रीलंका में आई.ए.एच.एस., यूनेस्को और आई.जी.सी.पी. द्वारा आयोजित "मॉनसूनल इम्पैक्ट ऑन वाटर रिसॉर्सिज" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की

कार्यवाही में।

- ए.एल. रामनाथन, ग्राउंड वाटर आर्सेनिक कंटेमीनेशन इन इंडिया—एक्सटेंट ऐंड सिवियरिटी, सी.एस.आई.आर.ओ., आस्ट्रेलिया (सं.) डॉ. रवि नायडु, अध्याय—33 (प्रकाशनाधीन) 2005.
- ए.एल. रामनाथन, इम्पैक्ट ऑफ नजफगढ़ ड्रेन ऑन द ग्राउंडवाटर क्वालिटी इन दिल्ली, फ्रेस वाटर इश्यूज, (सं.) आर. रमेश और आर. रामचन्द्रन, कैपिटल प्रकाशक, नई दिल्ली, 2004.
- ए.एल. रामनाथन, ट्रेनिंग मैन्युअल ऑन मैथमेटिकल मॉडलिंग ऑफ ग्राउंडवाटर फ्लो ऐंड मास ट्रांसपोर्ट, प्रशांत पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, 2004.
- के.जी. सक्सेना और पी.एस. रामकृष्णन, फैलो मैनेजमेंट अंडर शिफ्टिंग एग्रीकलचर इन नार्थ ईस्टर्न इंडिया, सॉइल बायोडाइवर्सिटी, इकोलॉजीकल प्रोसेसिज ऐंड लैण्डस्केप मैनेजमेंट (सं.) पी.एस. रामकृष्णन, के.जी. सक्सेना, एम.जे. स्विफ्ट, के.एस. राव और आर.के. मैखुरी, आक्सफोर्ड एंड आई.बी.एच. पब्लिशिंग कम्पनी प्रा.लि. नई दिल्ली 2005.
- के.जी. सक्सेना, के.एस. राव, आर.के. मैखुरी, के.के. सेन, ए.के. दास, आर.एल. सेमवाल और के. सिंह, सॉइल फर्टिलिटी मैनेजमेंट इन सेटल्ड फार्मिंग सिस्टम्स ऑफ हिमालया, सॉइल बायोडाइवर्सिटी, इकोलॉजीकल प्रोसेसिज ऐंड लैण्डस्केप मैनेजमेंट (सं.) पी.एस. रामकृष्णन, के.जी. सकसेना, एम.जे. स्विफ्ट, के.एस. राव और आर.के. मैखुरी, आक्सफोर्ड ऐंड आइ.बी.एच. पब्लिशिंग कम्पनी प्रा.लि., नई दिल्ली, 2005.
- के.जी. सक्सेना, आर.के. मैखुरी, के.एस. राव और पी.एस. रामकृष्णन, सॉइल बायोडाइवर्सिटी, इकोलॉजीकल प्रोसेसिज ऐंड मैनेजमेंट ऑफ नेचुरल रिसॉर्सिज : वेयर टु वी स्टेंड ?, सॉइल बायोडाइवर्सिटी, इकोलॉजीकल प्रोसेसिज ऐंड लैण्डस्केप मैनेजमेंट, (सं.) पी.एस. रामकृष्णन, के.जी. सक्सेना, एम.जे. स्विफ्ट, के.एस. राव और आर.के. मैखुरी, आक्सफोर्ड ऐंड आई.बी.एच. पब्लिशिंग कम्पनी प्रा.लि., नई दिल्ली, 2005.
- के.जी. सक्सेना, के.एस. राव और आर.के. मैखुरी, इकोलॉजीकल पर्सपेक्टिव ऑफ प्लांट फोरम ऐंड फंक्शन, विस्टास इन पैलिओबॉटिनी ऐंड प्लांट मॉर्फोलाजी : इवाल्युशनरी ऐंड एनवायरनमेंटल पर्सपेक्टिव्स (सं.) पी.सी. श्रीवास्तव, यू.पी. ऑफसेट, लखनऊ, 2004.
- जे. सुब्बाराव, बायोस्टेटिस्टिक्स, टेक्स्टबुक ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, (सं.) एच.के. दास, विले ड्रीम टेक. इंडिया प्रा.लि.

'kks/k ifj;kstuk,a

- जे. बिहारी, लो फ्रीक्वेंसीज अल्ट्रासॉनिक ट्रीटमेंट ऑफ स्लज, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, (अप्रैल 2004 से जारी)
- जे. बिहारी, मिलीमीटर वेवफील्ड इफेक्ट्स ऑन डिवलपमेंट ऑफ रैट ब्रेन, वैज्ञानिक और औद्योगिकी अनुसंधान परिषद्, (दिसम्बर 2003 से जारी)
- एस. भट्टाचार्य, जीनोम वाइड जीन एक्सप्रेशन अनालिसिस ऑफ पैथोजेनिक ऐंड नॉनपैथोजेनिक स्पेसीज ऑफ एंटामॉयबा यूजिंग माइक्रोएरेज, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2002—2007.
- एस. भट्टाचार्य, कंपेरेटिव जेनिमिक्स अप्रोच टु आइडेंटीफाई पैथोजेनेसिस—रिलेटिड जीन्स इन ई. हिस्टोलिटिका, भा.चि.अ.प., 2003—2006.
- के. दत्ता, मोलक्यूलर क्लोनिंग ऐंड अपस्ट्रीम सिक्वेंस अनालिसिस ऑफ जीनोमिक डी.एन.ए. इनकोडिंग हाइएलुरोनिक एसिड बाइंडिंग प्रोटीन, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्।
- के. दत्ता, रेग्यूलेशन ऑफ आक्सीडेंट इनड्यूस्ड प्रोग्राम्ड सेल डैथ बाई ओवरएक्सप्रेशन ऑफ एच.ए.बी.पी—1, इन ममैलियन सेलस, विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग.

- के. दत्ता, प्रोटियोमिक अनालिसिस टु आइडेंटीफाई हाइएलुरोनान बाइंडिंग प्रोटीन 1 (एच.ए.बी.पी–1) इंटरएक्टिंग प्रोटींस ऐंड इलुसीडेशन ऑफ देयर पॉसिबल रोल इन सेल साईकल रेग्यूलेशन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग.

- के. दत्ता, मोलक्यूलर अनालिसिस ऑफ सेल साईकल रेग्यूलेशन इन सिजोसैक्रोमाइसिज पाफम्ब बाइ द एक्सप्रेशन ऑफ हाइएलुरोनॉन बाइंडिंग प्रोटीन–1 (एच.ए.बी.पी. 1), वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्.

- के. दत्ता, द जीन इनकोडिंग ह्यूमन हाइएलुरोनॉन बाइंडिंग प्रोटीन 1 (एच.ए.वी.पी. 1) एज ए मोलक्यूलर प्रॉब फॉर आइडेंटीफाइंग स्परमेटोजेनिक अरेस्ट ऐंड इट्स पोटेंशल यूज इन आई.वी.एफ., भा.चि.अ.प.

- के. दत्ता, फंक्शनल एसे ऑफ ह्यूमन एच.ए.बी.पी. 1 जीन एक्जामीनिंग द एक्सप्रेशन प्रोफाइल्स ऑफ द सेल लाइन्स विद इट्स ओवरएक्सप्रेशन ऐंड म्यूटेशन, जैनेटिक्स, जीनोमिक्स और बायोटेक्नोलॉजी में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशिष्टता के लिए सक्षम कार्यक्रम के अन्तर्गत.

- के. दत्ता, आलिगोमेरिक ट्रांजीशन ऑफ हाइएलुरोनिक एसिड बाइंडिंग प्रोटीन (एच.ए.बी.पी. 1) इन रिलेशन टु इट्स लीजैण्ड इंटरएक्शन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अन्तर्गत।

- बृज गोपाल, मेनेजिंग वाटर रिसॉर्सिज : सोशियो इकोनॉमिक ऐंड पॉलिसी इंप्लिकेशंस ऑफ रेस्टोरेशन इन द यमुना रिवर बेसिन, गुएल्फ विश्वविद्यालय, गुएल्फ, कनाडा के अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. क्लीव साउथे के साथ संसुक्त रूप से, शास्त्री इण्डो–कनाडियन इंस्टीट्यूट, कनाडा द्वारा वित्तपोषित, 2003–2005.

- पी.एस. खिलारे, स्पेशियल ऐंड टेम्पोरेल डिस्ट्रब्यूशन ऑफ पॉलीसाइक्लिक एयरोमेटिक हाइड्रोकॉर्बन्स (पी.ए.एच.एस.) इन रिसपायरेबल सस्पेंडिड पार्टीक्यूलेट मैटर (आर.एस.पी.एम.) ऑफ दिल्ली, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2003–2005.

- वी. राजमणि, जियोकेमेस्ट्री ऑफ सर्फेस, सेडीमेंट्री प्रोसेसिज ऐंड फॉर्मेशन ऑफ एल्युवियल फार्मलैण्ड इन द कावेरी रिवर बेसिन ऐंड क्रिएशन ऑफ ए नेशनल फेसिलिटी फॉर जियोकेमिकल रिसर्च, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2002 से जारी।

- वी. राजमणि, मेगा जियोमॉर्फिक एलिमेंट्स इन गंगा–यमुना एल्युवियल प्लेंस ऐंड देयर स्ट्रेटी ग्राफिक सिग्निफिकेंस इंटरप्रिटिड थ्रू सेडीमेंटोलॉजी ऐंड जियोकेमेस्ट्री (2002 से जारी)

- ए.एल. रामनाथन, बायोकेमेस्ट्री ऑफ पिछवारम मैंग्रोब्स, आई.एफ.एस. स्वीडन, 2003–2004.

- ए.एल. रामनाथन, सुनामी इम्पैक्ट ऑन ग्राउंडवाटर रिसॉर्सिज ऑफ तमिलनाडू, यूनेस्को, नई दिल्ली, आई.आई.टी., दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से, 2005–2006.

- ए.एल. रामनाथन, सुनामी इम्पैक्ट ऑन कोस्टल सेडीमेंट ऑफ कुड्डालोर टु पिछवारम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2005.

- ए.एल. रामनाथन, इम्पैक्ट ऑफ सर्फेस वाटर क्वालिटी ऑन ग्राउंडवाटर्स हाइड्रो जियोकेमिकल ऐंड मॉडलिंग एप्रोच अराउंड द नजफगढ़ ड्रेन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली, 2004–2006.

- ए.एल. रामनाथन, लैण्डफिल इम्पैक्ट ऑन ग्राउंडवाटर क्वालिटी इन पार्टस ऑफ दिल्ली, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2004–2006.

- के.जी. सक्सेना, बायोडाइवर्सिटी कंजरवेशन विदिन द कांटेक्स्ट ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज ऐंड इकोसिस्टम

रिहेबिलिटेशन, यूनिस्को, नई दिल्ली के सहयोग से मैकआर्थर फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित।

- के.जी. सक्सेना, और पी.एस. रामकृष्णन, ट्रापिकल सॉइल बायोलॉजी ऐंड फर्टिलिटी प्रोग्राम साउथ एशियन रीजनल नेटवर्क कॉ–आर्डिनेशन, ट्रापिकल सॉइल बायोलॉजी ऐंड फर्टिलिटी इंस्टीट्यूट ऑफ 'सिएट' द्वारा प्रायोजित।
- के.जी. सक्सेना, मैपिंग ऐंड मॉडलिंग लैण्ड यूज–लैण्ड कवर ऐंड वेस्कुलर प्लांट डाइवर्सिटी इन देहांग–देबांग बायोस्फेयर रिजर्व, पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
- के.जी. सक्सेना, कंजरवेशन ऐंड सस्टेनेबल मैनेजमेंट ऑफ बिलोग्राउंड बायोडाइवर्सिटी, जी.ई.एफ./यू.एन.ई.पी./टी.एस.बी.एफ. द्वारा प्रायोजित।
- आई.एस. ठाकुर, आप्टिमाइजेशन ऑफ प्रोसस पैरामीटर्स फॉर अपस्केलिंग ऑफ टैनरी एफ्लुएंट ट्रीटमेंट बाइ माइक्रोआर्गेनिज्म्स, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2004–2007.
- आई.एस. ठाकुर, मोलक्यूलर करेक्ट्राइजेशन ऑफ पेंटाक्लोरोफिनॉल डिग्रेडिंग बेक्टेरियल कंसोर्टियम फॉर ट्रीटमेंट ऑफ फिनॉल्स इन इंडस्ट्रियल एफ्लुएंट, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2005–08.

jk"Vh;@vUrjk"Vh; lEesyuk@cBdk@dk;'kkykvk e ifrHkkfxrk

- डी.के. बनर्जी ने 17 से 20 जनवरी 2005 तक अहमदाबाद में आयोजित 'एज्यूकेशन फॉर ए सस्टेनेबल फ्यूचर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- एस. भट्टाचार्य ने 18 से 19 सितम्बर 2005 तक जानसन सेंटर, मेरीन बायोलॉजीकल लैब्स, वुड्स होल, यू.एस.ए. में आयोजित 'जीनोमिक्स ऐंड बायोलॉजी ऑफ द अमिटोकांड्रियाट्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- एस. भट्टाचार्य ने 19 से 24 सितम्बर, 2004 तक मेरीन बायोलॉजीकल लैब, बुड्सहोल, यू.एस.ए. में आयोजित 'मोलक्यूलर पैरासिटोलॉजी' बैठक में भाग लिया।
- एस. भट्टाचार्य ने 16 से 20 नवम्बर, 2004तक आइन गेडी, इजराइल में आयोजित 'पैथेजेनेसिस ऑफ अमोबियासिस : फ्राम जीनोमिक्स टु डिजीज' विषयक ई.एम.बी.ओ. कार्यशाला में भाग लिया।
- के दत्ता ने 10 से 14 जनवरी 2005 तक पुरी, उड़ीसा में आयोजित 'बायोकेमिकल रोल्स ऑफ यूकारयोटिक सेल सर्फेस मैक्रोमोलक्यूल्स' विषयक 7वीं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- बृजगोपाल ने 25 से 31 जुलाई 2004 तक उतरेख्त, नीदरलैण्ड में 'इनटेकोल' द्वारा आयोजित 7वें अन्तर्राष्ट्रीय 'वेटलैण्ड' सम्मेलन में भाग लिया।
- बृजगोपाल ने 8 से 14 अगस्त, 2004 तक एस.आई.एल., लाहती, फिनलैण्ड द्वारा आयोजित 29वीं लिम्नोलॉजी कांग्रेस में भाग लिया।
- बृजगोपाल ने 13 से 24 सितम्बर, 2004 तक सी.ई.एस., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'स्ट्रेटिजीज फॉर प्रोटेक्टिड एरिया मैनेजमेंट, साना ऐंड अल गायदाह, यमन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- बृजगोपाल 2 फरवरी, 2005 को शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर द्वारा आयोजित 'वेटलैण्ड्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि थे तथा इन्होंने मुख्य व्याख्यान दिया।
- बृजगोपाल ने 6 से 9 फरवरी, 2005 तक भुवनेश्वर में पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा आयोजित 'एशियन वेटलैंण्ड' संगोष्ठी में भाग लिया।

- बृजगोपाल ने 23 से 25 फरवरी, 2005 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की द्वारा आयोजित 'हाइड्रोलॉजीकल पर्सपेक्टिव्स फॉर सस्टेनेबल डिवलपमेंट' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा मुख्य व्याख्यान दिया।

- पी.एस. खिलारे और टी. सिंह ने अगस्त, 2004 में लंदन में आयोजित 'वर्ल्ड क्लीन एयर कांग्रेस' में 'कंट्रीब्यूशन ऑफ आर्गेनिक कार्बन ऐंड एलिमेंटल कार्बन टु हेज फोरमिंग पार्टिकल्स इन दिल्ली' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- ए.एल. रामनाथन ने नवम्बर, 2004 में अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडू के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर 'रिसेंट ट्रेंड्स इन द एनवायरनमेंट' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- के.जी. सक्सेना ने 7 से 9 दिसम्बर, 2004 तक भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, दिल्ली में इंडियन एसोसिएशन ऑफ सॉइल ऐंड वाटर कंजरवेशनिस्ट्स द्वारा आयोजित 'रिसॉर्स कंजरविंग टेक्नोलॉजीज फार सोशल अपलिफ्टमेंट' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इंडिया'ज एनवायरनमेंटल पॉलिसीज इन रिलेशन टु कंजरवेशन ऑफ नेचुरल रिसॉर्सिज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- के.जी. सक्सेना ने 23 मार्च 2005 को विनरॉक इंटरनेशनल, नई दिल्ली और पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा आयोजित 'इंडिया'ज कम्युनीकेशन टु क्लाइमेट चेंज' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

- जे.डी. शर्मा ने 22 से 27 जनवरी, 2005 तक आक्यूपेशनल हेल्थ सर्विसेज, हेलसिंकी (फिनलैण्ड) में 'ब्लड कॉलिनेस्ट्रेज चेंजिज विद आक्यूपेशनल पेस्टिसाइड एक्सपोजर ऐंड इन–विट्रो ब्लड सेल रिस्पांसिज–रिअप्रैजल' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- जे.डी. शर्मा ने मार्च, 2005 में एयरोनाटीकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा दिल्ली में आयोजित 'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन एविएशन फ्यूल ऐंड लुब्रीकेंटस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- आई.एस. ठाकुर ने 2005 में नई दिल्ली में आयोजित 'बायोरेमेडिएशन ऐंड बायोकंवर्जन ऑफ पल्प ऐंड पेपर मिल एफ्लुएंट फॉर एनवायरनमेंटल वेस्ट मैनेजमेंट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

f'k{kdk d 0;k[;ku ¼fo'ofo|ky; l ckgj½

- बृज गोपाल ने 27 जून से 5 जुलाई 2004 तक अल गायदाह, यमन में सी.ई.एस. (भारत), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्रोटेक्टिड एरिया मैनेजमेंट' विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

- वी. राजमणि ने नवम्बर 2004 में एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा में 'बायोलॉजीकल मैनेजमेंट ऑफ वाटर' और 'जिओकेमेस्ट्री ऑफ क्लास्टिक सेडिमेंट्स' विषयक व्याख्यान दिए।

- के.जी. सक्सेना ने 13 दिसम्बर 2004 को वनस्पति विज्ञान विभाग, डी.डी.यू. विश्वविद्यालय, गोरखपुर में वनस्पति विज्ञान के पुनश्चर्या कोर्स में 'बायोडाइवर्सिटी, एनवायरनमेंट ऐंड प्लांट रिसॉर्स यूटिलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।

- के.जी. सक्सेना ने 24 जनवरी 2005 को फरीदाबाद में नेशनल हाइड्रोपावर कार्पोरेशन द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कोर्स में 'इवाल्युएशन ऐंड मॉनिटरिंग ऑफ बायोडाइवर्सिटी विदिन द कांटेक्स्ट ऑफ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।

iqjLdkj@lEeku@v/;rkofÙk;k

- के. दत्ता को कृषि और जैव प्रौद्योगिकी सहित जीवन विज्ञान में शोध और विकास की श्रेणी में फिक्की पुरस्कार

(2004); 25वाँ जी.पी. चटर्जी स्मारक पुरस्कार (2005).

- बृज गोपाल को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लिम्नोलॉजी द्वारा 'नौमान–थियानमान पुरस्कार 2004' (यूरोप और उत्तरी अमेरिका से बाहर के प्रथम पुरस्कार विजेता)।

eMy@lfefr;ksa dh lnL;rk ¼fo'ofo|ky; ls ckgj½

- डी.के. बनर्जी, सदस्य, अध्ययन मंडल, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा; सदस्य, विद्या परिषद्, टाटा ऊर्जा अनुसंधान संस्थान, उच्च अध्ययन संस्थान, दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मंडल, योजना और वास्तुकला संस्थान, दिल्ली; सदस्य, संपादकीय मण्डल (1) केमिकल स्पेशिएशन ऐंड बायोएवेलेबिलिटी (यू.के.); (2) आर्काइव्स ऑफ एनवायरनमेंटल प्रोटेक्शन, पोलिश एकेडमी ऑफ साइंसेज; और (3) एनवायरनमेंटल प्रेक्टिस (यू.एस.ए.) (अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं).

- के. दत्ता, सदस्य, प्राणी विज्ञान और जैव–प्रौद्योगिकी अनुसंधान समिति, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, भारत सरकार।

- बृज गोपाल, सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लिम्नोलॉजी (एस.आई–एल.); अध्यक्ष, विकासशील देशों में सरोवर–विज्ञान पर गठित एस.आई.एल. समिति (1987–); अध्यक्ष, एस.आई.एल. आर्द्र भूमि कार्य दल (1983–); सदस्य, एस.आई.एल. संरक्षण समिति (1987–); सदस्य, एस.आई.एल. तोनोली निधि समिति (1987–); सदस्य, एस.आई.एल. फ्यूचर्स कमिटी (2004–); सदस्य, इंटेकाल का आर्द्र भूमि कार्यदल (1980–); अध्यक्ष, विज्ञान और पर्यावरणीय शिक्षा सोसाइटी, भारत, (1982–); महासचिव, राष्ट्रीय पारिस्थितिकी विज्ञान संस्थान (भारत), (1978 –); सदस्य, चयन समिति, आर्द्रभूमि वैज्ञानिकों की सोसाइटी का अन्तर्राष्ट्रीय फेलो पुरस्कार, 2003–05; सदस्य, जल गुणवत्ता अनुवीक्षण समिति के स्थायी ग्रुप–1 (जल गुणवत्ता निर्धारण प्राधिकरण के अन्तर्गत), (मई, 2004 –); सदस्य, हरिके, कांजली और रोपड़ आर्द्रभूमियों के संरक्षण और प्रबंधन पर गठित विषय–निर्वाचन समिति, 2000–2003, 2003–2006 (पंजाब के राजयपाल द्वारा गठित समिति); अध्यक्ष, शोध सलाहकाल समिति, राष्ट्रीय शीत जल मछली पालन शोध केन्द्र, भीमताल (भा.कृ.अ.प.), 2004–2007; सदस्य, शोध सलाहकार समिति, केन्द्रीय मछली पालन शिक्षा संस्थान, मुम्बई (भा.कृ.अ.प.), 2004–2007; सदस्य, विद्या परिषद्, टेरी उच्च अध्ययन संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली, (2003–); सदस्य, शोध सलाहकार समिति, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, 2003–05; सदस्य, समिति, राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना, पर्यावरण और वन मंत्रालय, 2003–05; सदस्य, अध्ययन मंडल, पर्यावरणीय अध्ययन संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 2001–04; सदस्य, भा.कृ.अ.प. के जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार (2004) के लिए शोध प्रबन्ध मूल्यांकन के लिए गठित विशेषज्ञ समिति; संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी ऐंड एनवायरनमेंटल साईसेज (1974–); सदस्य, संपादकीय मंडल–(1) हाइड्रोबायोलॉजिया, स्प्रिंगकर–क्लुबर, नीदरलैण्ड (1988–); (2) वेटलेण्ड इकोलॉजी ऐंड मैनेजमेंट, स्प्रिंगर, क्लुवर, नीदरलैण्ड, (1990–); (3) रिवर रिसर्च ऐंड एप्लिकेशन (जॉन विले, इंग्लैंड) (1991–); (4) द साइंटीफिक जर्नल फ्रेशवाटर सिस्टम्स डोमेन (2000–); इलेक्ट्रोनिक जर्नल; संपादक, राष्ट्रीय पारिस्थितिकी विज्ञान संस्थान की पत्रिका।

- वी. राजमणि, सदस्य, एस. एस. भटनागर पुरस्कार समिति, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद; सदस्य, युवा विज्ञान, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्; अध्यक्ष, शोध सलाहकार समिति, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्; अध्यक्ष, सीनियर रिसर्च एसोसिएट कमिटी; सदस्य, भू–विज्ञान पर गठित परियोजना सलाहकार समिति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग; अध्यक्ष, परियोजना सलाहकार समिति, साइंस ऑफ द शैलो सबसर्फेस; सदस्य, अध्ययन मंडल, भू, वायुमण्डलीय समुद्री विज्ञान पर गठित अनुभागीय समिति – भारतीय विज्ञान अकादमी; मण्डल सदस्य, भू–विज्ञान विभाग, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा।

- ए.एल. रामनाथन, मुख्य संपादक, 'बायोजियोकेमेस्ट्री ऑफ मैंग्रोव्स, एस्चुअरीज ऐंड कोस्टल एनवायरनमेंट्स' पर 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी ऐंड एनवायरनमेंटल साइंसेज' का विशेषांक, 31(1), 2005.
- के.जी. सक्सेना, सदस्य, सलाहकार समिति, एनविस कार्यक्रम, पर्यावरण और वन मंत्रालय, नई दिल्ली; सदस्य, तकनीकी समिति, पारिस्थितिकी विज्ञान और पारिस्थितिक प्रणाली, पर्यावरण और वन मंत्रालय, नई दिल्ली; सलाहकार समिति, पारिस्थितिक शोध कार्यक्रम, पर्यावरण और वन मंत्रालय, नई दिल्ली; सदस्य, विशेषज्ञ समिति, बायोफार्म प्रोग्राम, विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली.

vUrjk"Vªh; v/;;u laLFkku

वर्ष 1955 में स्थापित अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान विश्वविद्यालय का सबसे पुराना संस्थान है। पिछले 50 वर्षों से अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों और क्षेत्रीय अध्ययन के शिक्षण एवं शोध में संलग्न इस संस्थान ने अपने को पूरे देश में एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है।

संस्थान ने भारत में अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन को एक शैक्षिक विषय के रूप में विकसित करने और अन्तर्राष्ट्रीय मामलों के ज्ञान और समझ को एक अन्तर–विषयक परिप्रेक्ष्य में उन्नत करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह संस्थान पूरे देश में 'क्षेत्रीय अध्ययन' को प्रोत्साहित करने और विश्व के विभिन्न देशों एवं क्षेत्रों के बारे में विशेष जानकारी विकसित करने वाला भी पहला संस्थान है। संस्थान ने उच्च अध्ययन केंद्र के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की है।

लम्बे समय तक संस्थान के शैक्षिक कार्यक्रम के शोध पर आधारित रहे और संस्थान केवल पी–एच.डी. उपाधि प्रदान करता रहा। संस्थानके जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से जुड़ने के शीघ्र बाद ही वर्ष 1971–72 में एम.फिल. पाठ्यक्रम शुरू किया गया। वर्ष 1973–74 में संस्थान ने दो वर्षीय एम.ए. (राजनीति : अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन) पाठ्यक्रम शुरू किया। बहुत बाद में वर्ष 1995–96 में संस्थान के राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र के अर्थशास्त्र प्रभाग द्वारा अर्थशास्त्र में एक नया और अद्वितीय एम.ए. (विश्व अर्थशास्त्र में विशेषीकृत के साथ) पाठ्यक्रम शुरू किया गया।

वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा पुनर्गठन अध्ययन किया गया। अध्ययन मण्डल की सिफारिशें विश्वविद्यालय को भेजी गई। इन सिफारिशों में मुख्य रूप से शामिल था – रा.अ.वि.अ.अ.के. को दो केंद्रों – अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और विकास केंद्र और अन्तर्राष्ट्रीय विधि अध्ययन केन्द्र में बांटना तथा राजनय अध्ययन भाग को अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन एवं निरस्त्रीकरण केंद्र में शामिल करना। यूरोपीय केंद्र के नाम से एक नए केंद्र के गठन की सिफारिश भी की गई,जिसमें पश्चिमी यूरोपीय और पूर्वी यूरोपिय के वर्तमान प्रभागों को शामिल किया गया। अध्ययन मण्डल ने अफ्रीकी अध्ययन केंद्र और दक्षिण–पूर्व एशियाई एवं दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र – दो नये केंद्र सृजित करने की सिफारिश भी की।

हमारे एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों के अनेक छात्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अध्येतावृत्ति प्राप्त करने के लिए लिखितपरीक्षा उत्तीर्ण करते हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग सभी राज्य सरकारों ने एक–एक अध्येतावृत्ति (कुछ मामलों में से एक अधिक) संबंधित राज्यों के 'निवासी' होने की शर्तों को पूरा करने वाले छात्रों के लिए शुरू की है। जनवरी 2005 की स्थिति के अनुसार संस्थान ने 625 शोधार्थियों को पी–एच.डी. और 1920 को एम.फिल. डिग्री प्रदान की है।

हाल ही के वर्षों में संस्थान में कई चेयरों की स्थापना हुई है। ये चेयर हैं – अप्पादुरई चेयर, नेलसन मंडेला चेयर, भारतीय स्टेट बैंक चेयर, राजीव गांधी चेयर और पर्यावरण विधि एवं अन्तरिक्ष विधि में चेयर। संस्थान के शिक्षकों ने अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन में ज्ञान के विकास एवं प्रसार के लिए न केवल अपने शिक्षण एवं शोध मार्गदर्शन के माध्यम से सहयोग किया, अपितु उच्च स्तरीय पुस्तकें तथा शोध आलेख भी प्रकाशित कराए।

संस्थान प्रत्येक वर्ष समसामयिक अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों से जुड़े विषयों पर एक व्याख्यानमाला का भी आयोजन करता है। फरवरी 1989 में विद्या परिषद द्वारा लिए गए एक निर्णय के अनुसार यह व्याख्यानमाला अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों पर हृदयनाथ कुंजरू स्मारक (विस्तार) व्याख्यानमाला के रूप में जानी जाती है। एशिया पब्लिशिंग हाउस, मुम्बई द्वारा वित्तपोषित वृत्तिदान के तहत महान कवयित्री और देशभक्त सरोजनी नायडु की स्मृति में एक व्याख्यानमाला आयोजित की जाती है। इसमें प्रतिष्ठित विद्वान या राजनेताओं को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

संस्थान ने 'तुलनात्मक क्षेत्रीय अध्ययन' शीर्षक एक नया पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। इस पाठ्यक्रम में एक समयबद्ध परियोजना के माध्यम से विशेष मामले / क्षेत्र और समस्याओं के गहन तुलनात्मक शोध पर बल दिया जाएगा। इस शोध कार्य को विकसित करने का उद्देश्य भिन्न–भिन्न विशेषीकृत क्षेत्रों के बीच सेतु बनाना है।

संस्थान 'इंटरनेशनल स्टडीज' नामक एक त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। जुलाई 1959 से प्रकाशित हो रही इस पत्रिका ने एक प्रमुख भारतीय शैक्षणिक पत्रिका के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की है। इसमें अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों तथा क्षेत्रीय अध्ययनों से संबंधित समसामयिक समस्याओं पर तथा मामलों पर लिखे मौलिक शोध आलेख प्रकाशित किए जाते हैं।

एक संदर्भ पत्रिका होने के कारण इसमें न केवल संस्थान के शिक्षकों तथा अन्य भारतीय विश्वविद्यालयों / शोध संस्थानों के शिक्षकों अपितु विश्व भर के विद्वानों के आलेख प्रकाशित होते हैं।

संस्थान निम्नलिखित अध्ययन क्षेत्रों में एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है : अमरीकी अध्ययन; लैटिन अमरीकी अध्ययन; पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन; कनाडियन अध्ययन; राजनायिक अध्ययन; अन्तर्राष्ट्रीय विधि अध्ययन; अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं विकास; चीनी अध्ययन; जापानी और कोरियाई अध्ययन; अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति,अन्तर्राष्ट्रीय संगठन; निरस्त्रीकरण अध्ययन; राजनीतिक भूगोल; रूसी और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन; दक्षिण एशियाई अध्ययन; दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन; मध्य एशियाई अध्ययन; पश्चिमी एशियाई और उत्तरी अफ्रीकी अध्ययन और सब–सहारीय अफ्रीकी अध्ययन।

,e-,- ¼jktuhfr'kkL= vUrjk"Vªh; v/;;u½

संस्थान में एम.ए. राजनीतिशास्त्र (अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन) पाठ्यक्रम शैक्षिक वर्ष 1973–74 में शुरू किया गया था।

इस पाठ्यक्रम को शुरू करने की मांग काफी समय से की जा रही थी। इस पाठ्यक्रम में राजनीतिशास्त्र के मुख्य विषयों के अतिरिक्त अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन से संबंधित मुख्य कोर्सों के साथ विषयपरक तथा क्षेत्रीय अध्ययन पर आधारित विभिन्न कोर्स भी शामिल हैं। यह विश्वविद्यालय का सर्वाधिक लोकप्रिय तथा विस्तृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है। फिलहाल इसमें 69 सीटें हैं।

vejhdh vkj if'peh ;jkih; v/;;u dsn

केंद्र में वर्तमान में चार पाठ्यक्रम हैं – अमरीकी अध्ययन, कनाडियन अध्ययन, लैटिन अमरीकी अध्ययन और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सभी पाठ्यक्रमों की रूपरेखा एवं गतिविधियों में विस्तार और परिवर्तन किया गया। अमरीकी अध्ययन में पांच एम.फिल./पी–एच.डी. तथा दो एम.ए. कोर्स; कनाडियन अध्ययन में चार एम.फिल./पी–एच.डी. कोर्स और एक एम.ए. कोर्स; लैटिन अमरीकी अध्ययन में चार एम.फिल/पी–एच.डी. कोर्स और दो एम.ए. कोर्स; और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन में चार एम.फिल./पी–एच.डी. कोर्स और एक एम.ए.कोर्स चलाए गए। इनके अतिरिक्त, अमरीकी अध्ययन के सात छात्रों ने एम.फिल. पाठ्यक्रम और चार ने पी–एच.डी. स्तर का शोध कोर्स पूरा किया। कनाडियन अध्ययन में चार छात्रों ने एम.फिल. पाठ्यक्रम पूरा किया। लैटिन अमरीकी अध्ययन में तीन शोध छात्रों ने एम.फिल. पाठ्यक्रम पूरा किया और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन के दो छात्रों ने एम.फिल. पाठ्यक्रम पूरा किया।

अमरीकी अध्ययन कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि शीतकालीन सत्र के दौरान प्रत्येक 15 दिनों में विद्वानों, विदेश नीति अधिकारियों और शिक्षाविदों की एक व्याख्यानमाला आयोजित की गई। लैटिन अमरीकी अध्ययन कार्यक्रम ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान भारतीय विश्व मामलों की परिषद नई दिल्ली की पत्रिका – इण्डिया क्वार्टर्ली के दो विशेषांक निकाले – पहला लैटिन अमरीका पर और दूसरा कैरेबियन पर। लैटिन अमरीकी अध्ययन प्रभाग ने भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के इस्पानी अध्ययन केंद्र तथा कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान के साथ मिल कर ब्राजीली फिल्म महोत्सव का आयोजन किया। कनाडियन अध्ययन प्रभाग ने मोंट्रियल विश्वविद्यालय के प्रो. मेरी मेक एंड्रयू की "मल्टीकल्चरलिज्म इमिग्रेशन ऐंड प्लुरलिज्म इन कनाडा" विषयक व्याख्यानमाला आयोजित की। कनाडियन अध्ययन प्रभाग ने प्रो. सी.एस. राज, अमरीकी अध्ययन और प्रो. अब्दुल नफे लैटिन अमरीकी अध्ययन के सहयोग से अपने शिक्षण एवं शोध निर्दशन को जारी रखा। ये सहयोग वर्ष 2001–2002 से प्राप्त हो रहा है।

चूंकि अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र का पुनर्गठन हो रहा है,अतः केंद्र की यह रिपोर्ट सम्भवतः अंतिम रिपोर्ट होगी। आगामी शैक्षिक वर्ष से केंद्र दो केंद्रों में विभाजित हो जाएगा – (क) कनाडियन, यू.एस. और लैटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र और (ख) यूरोपीय अध्ययन केंद्र। जेनेवि की विद्या परिषद ने 31 मार्च 2005 को हुई अपनी बैठक में केंद्र के पुनर्गठन का अनुमोदन कर दिया है।

vUrjk"Vh; jktuhfr] lxBu vkj fujL=hdj.k dsn

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति प्रभाग में अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त एवं व्यवहार के विभिन्न क्षेत्रों पर शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इसमें अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में अन्तर्द्वन्द्व और सहयोग की समस्याओं से सम्बद्ध अनुभाविक, आदर्शक, सैद्धान्तिक तथा भविष्यवादी जैसे सभी तरह के अध्ययन किए जाते हैं। हाल के वर्षों में पर्यावरण मानव अधिकार, संजातीयता और संस्कृति, लोकतंत्र तथा सिविल समाज जैसे क्षेत्रों पर अधिक बल दिया जा रहा है। बौद्धिक अध्ययन का एक अन्य क्षेत्र है – भूमंडलीकरण का अध्ययन और इसका राज्य पर प्रभाव, विशेषकर विकासशील विश्व में। राज्य–केंद्र शक्ति राजनीति के क्षेत्र में अध्ययन कार्य बंद नहीं हुआ है, अपितु प्रभाग ने विस्तृत रणनीति,विदेश–नीति विश्लेषण तथा महाशक्ति – मध्यशक्ति संबंधों जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य जारी रखा है। भविष्य के लिए अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति प्रभाग ने अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक अर्थशास्त्र का मात्रात्मक विश्लेषण तथा आदर्शक/उत्तर आधुनिक सिद्धान्त जैसे दो क्षेत्रों की पहचान की है जिन पर हो रहे शोध कार्य को भविष्य में और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा। पिछले वर्षों से अन्तर्राष्ट्रीय संबंध सिद्धान्त पर दो नए कोर्स तैयार किए गए हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय संगठन प्रभाग, अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा, अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग, क्षेत्रीय एवं विश्वव्यापी संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय एवं गैर–अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों तथा बहु पक्षीय निकायों में भारत की भूमिका की समस्याओं पर अध्ययन करना चाहता है। पिछले कुछ वर्षों में अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति और भूमंडलीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में शांति बनाए रखने तथा शांति स्थापित करने संबंधी अभियान, लोकोपकारी हस्तक्षेप, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तथा विकास के अधिकार और शासन निर्माण जैसे मामलों पर सारभूत शोध कार्य हो चुका है। प्रभाग आगामी वर्षों में भूमण्डलीय शासन से सम्बन्धित विभिन्न संगठनात्मक मामलों पर विशेष बल के साथ अध्ययन करने का प्रस्ताव करता है।

निरस्त्रीकरण अध्ययन प्रभाग ने निरस्त्रीकरण की समस्याओं पर विकासशील देशों के परिदृश्य को विकसित करने के लिए परम्परागत ढंग से प्रयास किया है। पश्चिमी देशों में प्रकाशित हो रहे साहित्य में प्रस्तुत निरस्त्रीकरण और शस्त्र नियंत्रण सम्बन्धी धारणाओं की समीक्षा करना अनिवार्य हो गया है। शस्त्र नियंत्रण और निरस्त्रीकरण के अतिरिक्त प्रभाग राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित भिन्न–भिन्न मुद्‌दों के अध्ययन पर भी विशेष बल देता है। मतभेद समाधान, विश्वास बढ़ाने संबंधी उपाय और सहयोगात्मक सुरक्षा जैसे शांति स्थापित करने तथा युद्ध रोकने के उभरते हुए नए दृष्टिकोणों के अध्ययन पर विशेष रूप से बल दिया जाता है। प्रभाग सेना के इतिहास और समाजशास्त्र और सिविल सेना सम्बन्धों से सम्बन्धित प्रश्नों पर शोध करने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहा है।

राजनीतिक भूगोलशास्त्र प्रभाग, समसामयिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के कालिक तथा देशिक पक्षों के अध्ययन द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति पर भू–राजनीतिक और भू–समरनीति संबंधी परिदृश्य उपलब्ध कराने का प्रयास करता है। भविष्य में राजनीतिक भूगोलशास्त्र के सिद्धान्तों पर शोध कार्य आरम्भ किया जा सकता है।

lehk{kk/khu vof/k dk nkSjku laLFkku }kjk vk;ksftr laxksf"B;k@lEesyu

vejhdh vkSj if'peh ;wjksih; v/;;u dsUnz

- प्रो. हाथवे, एशियाई कार्यक्रम के निदेशक, वुडरो विल्सन इंटरनेशनल सेंटर फार स्कालर्स, वाशिंगटन डी.सी. ने 13 मई 2004 को 'इण्डो–यू.एस. रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- क्रिस्टोफर एस. राज, डा. के.पी. विजयलक्ष्मी और डा. चिंतामणि महापात्रा ने 1 फरवरी 2005 को 'एनालिसिस आफ अमरिकन प्रेजिडेंट्स स्टेट आफ द यूनियन मैसेज 2005", विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. रश्मि बंगा, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 1 फरवरी 2005 को 'अमरिकन एफ.डी.आई. इन इण्डिया ऐंड चाइना : ए कम्पेरिटिव पर्सपेक्टिव" विषयक व्याख्यान दिया।
- राजदूत हमीद अंसारी ने 24 फरवरी 2005 को 'रिसेंट डिवलपमेंट्स इन यू.एस. – ईरान रिलेशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्री वीनू राजामणि, संयुक्त सचिव, निरस्त्रीकरण प्रभाग, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने 1 मार्च 2005 को "यू.एस.–इण्डिया–चाइना रिलेशंस" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. मेरी मैक एंड्रयू.यूनिवर्सिटी आफ मोंट्रीयल कनाडा, ने 9 मार्च 2005 को "मल्टीकल्चरलिज्म इन कनाडा" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- एयर कमाण्डर प्रशान्त दीक्षित , उप निदेशक, इंस्टीट्यूट आफ पीस ऐंड कनफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली ने 15 मार्च 2005 को "इण्डो–यू.एस. डिफेंस कोआप्रेशन" विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- प्रो. मेरी मैक एंड्रयू. यूनिवर्सिटी आफ मोंट्रीयल, कनाडा ने 24 मार्च 2005 को "कनाडियन इमिग्रेशन पालिसी ऐंड इंटिग्रेशन" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- संस्थान ने 19 अप्रैल 2004 को "माइग्रेशन रिफ्यूजी ऐंड सिक्यूरिटी इन साउथ एशिया : लिंकेजिस ऐंड रेमिफिकेशन" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- संस्थान ने 11 अगस्त 2004 को "यूथ एक्टिविज्म इन अमरीका ऐंड हाऊ इट विल शेप यू.एस. प्रेजिडेंसियल इलेक्शंस 2004" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

- संस्थान ने 12 अक्टूबर 2004 को "द 2004 यू.एस. प्रेजिडेंशियल : चैलेंजिस ऐंड रोल आफ न्यूज मीडिया" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- जनवरी 2005 में "बीयोंड नम्बर्स स्ट्रेटिजिस ऐंड चैलेंजिस फार एमपावरिंग वुमैन", विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई।
- गुजरात भवन में 21 मार्च 2005 को इण्डियन सोसायटी फार लैटिन अमरीका, नई दिल्ली के सहयोग से प्रागवे के विदेश मंत्री महामहिम लीना राचिड की "प्रागवे, मरकोसर, जी–20 ऐंड इण्डिया" विषयक परिचर्चा आयोजित की गई।
- प्रीति सिंह, रिसर्च एसोसिएट, लेटिन अमरीकी अध्ययन प्रभाग, ने सामाजिक पद्धति विज्ञान केंद्र,सा.वि.सं., जेएनयू, के सहयोग से ला ट्रोब यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया में परफार्मिंग द सोशल साइंसिस : न्यू रिसर्च कंसर्स आफ स्कालर्स फ्राम मेलबोर्न ऐंड दिल्ली" विषयक संगोष्ठी आयोजित की और 'इलेवन सेंटर फार क्रिटिकल थीअरि' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

if'peh ,f'k;kbZ vkSj vÝhdh v/;;u dsUnz

- विंग कमांडर आर. सुकुमारन, रिसर्च फैलो, आई.डी.एस.ए., नई दिल्ली ने 15 अप्रैल 2004 को 'यूज आफ एसेसिनेशन बाई स्टेट्स ऐज एन इंस्ट्रूमेंट आफ पालिसी : द केस आफ शेख यासीन आफ हमास' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री के.पी. फेबियन, पूर्व संयुक्त सचिव, (खाड़ी) विदेश मंत्रालय, 22 अप्रैल 2004 को 'इराक : वाट नेक्स्ट?' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- सूडान के राजदूत महामहिम अब्दल महम्मूद अब्दल हलीम मोहम्मद ने 19 अगस्त 2004 को "करंट सिच्युऐशन इन सूडान" विषयक परिचर्चा की।
- महामहिम श्री खलिफा बिन अल हार्थी, भारत में ओमान के राजदूत ने 24 मार्च 2005 को "50 इयर्स आफ इण्डो–ओमान रिलेशंस" विषयक परिचर्चा की।
- प्रो. एम.एस. अगवानी ने 17 मार्च 2005 को "इण्डिया ऐंड कनटेम्पोरेरि वेस्ट एशिया" विषयक परिचर्चा की।
- 7 फरवरी 2005 को आयोजित "यू.एन. ऐंड करंट डिवलपमेंट्स इन वेस्ट एशिया" विषयक संगोष्ठी में पूर्व महासचिव, यू.एन., डा. बाउट्रोस गाली ने भाग लिया।
- 23 सितम्बर 2004 को आयोजित "करंट डिवलपमेंट्स इन फिलिस्तीन" विषयक संगोष्ठी में भारत में फिलिस्तीन के राजदूत महामहिम ओसामा अल अली ने भाग लिया।

27 जनवरी 2005 को आयोजित "इस्लामिक मूवमेंट्स इन वेस्ट एशिया : इंप्लिकेशंस फार पालिटिकल स्टेबिलिटी" विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता डा. पी.सी. जैन ने की।

vUrjkZ"Vªh; jktuhfr] laxBu vkSj fujL=hdj.k dsUnz

- 1 सितम्बर 2004 को आयोजित 'द वर्ल्ड कोर्ट इन वर्ल्ड पालिटिक्स" विषयक संगोष्ठी में इंटरनेशनल कोर्ट आफ जस्टिस के पूर्व उपाध्यक्ष जज क्रिस्टोफर ग्रीगोरी वीरामंत्री ने भाग लिया।
- 3 नवम्बर 2004 को आयोजित "केमिकल ऐंड बायोलाजिकल वेपंस कन्वेंशंस : इंप्लिमेंटेशन इश्यूज" विषयक संगोष्ठी में डा. मेरी इजाबेला, एसोसिएट प्रोफेसर आफ पालिटिकल इकानोमी यूनिवर्सिटी आफ टेक्सास, दालास ने भाग लिया।
- केंद्र के अध्यक्ष प्रो. सी.एस.आर. मूर्ति द्वारा 7 फरवरी 2005 को आयोजित "अनइंटेंडिड कंसिक्वेंसिस आफ यू.एन. पीस कीपिंग ऐंड इण्डिया" विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई।
- डा. ई. श्रीधरण, इंस्टिट्यूट आफ पेंसिलवानिया, इंस्टिट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडीज आफ इण्डिया 23 फरवरी 2005 को "रिलेटिव गेंस, इकानोमिक कोआप्रेशन ऐंड सिक्यूरिटी स्पिलओवर्स" संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. नवनीता चड्डा बेहरा, राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 2 मार्च 2005 को "ट्रेक टु डिप्लोमेसी इन साउथ एशिया" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. मनोज जोशी, सम्पादक (व्यूज), द हिन्दुस्तान टाइम्स, सदस्य – एन.एस.ए.बी. ने 9मार्च 2005 को "हायर डिफेंस

मैनेजमेंट इन इंडिया" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

- श्री शिभासिष चटर्जी, जादवपुर विश्वविद्यालय ने 11 मार्च 2005 को "इमेजिस आफ इंटरनेशनल सिस्टम, पावर, प्रोसपेरिटी ऑर कल्चर" विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- प्रो. अश्विनी रे ने 23 मार्च 2005 को "वेस्टर्न रिअलीज्म इन इंटरनेशनल रिलेशंस : ए नान–वेस्टर्न पर्सपेक्टिव" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. विजय सखुजा, द आब्जर्वर रिसर्च फांउडेशन ने 30 मार्च 2005 को "मेरीटाइम सिक्युरिटी इन द इण्डियन ओशन विद स्पेशल रिफ्रेंस टु इण्डिया" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

leh{kk/khu vof/k d nkjku lLFkku e vk, vfrfFk

vejhdh vkj if'peh ;jkih; v/;;u dn

- प्रो. हाथवे, डायरेक्टर – एशियन प्रोग्राम, वुडरोव विलसन इंटरनेशनल सेंटर फार स्कालर्स, वाशिंगटन डी.सी., 13 मई 2004 को संस्थान में आए।
- एड्रेन नारफोक और जेम्स केरिक, जनसम्पर्क अधिकारी, कनाडियन हाई कमीशन, 17 अगस्त 2004 को संस्थान में आए।

  रेमण्ड इजराइली, रिसर्च फेलो, विलफ्रेड लारियर यूनिवर्सिटी, कनाडा, संस्थान में आए।
- सुश्री मनीष सिन्हा, उप सचिव, संस्कृति विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली, 28 जनवरी 2005 को संस्थान में आईं।
- प्रो. मेरी मैकएन्ड्रयू, डिपार्टमेंट आफ एज्यूकेशन ऐंड एथनिक स्टडीज, मोंट्रियल यूनिवर्सिटी, मोंट्रियल, कनाडा, 9 मार्च 2005 को संस्थान में आए।
- जनरल आफ डिविजन (रिजर्वस), जिसस बर्मुडेज कुटिनो, प्रेजिडेंट, सेंट्रो दे इस्वुडिओस द इनफोर्मेसिओन बी दे ला दिफेंसा, क्यूबा, 28 मई 2004 को संस्थान में आए।
- कोलोनल (रिजर्वस) लुईसएम. ग्रासिआ कुनारो, बाइज प्रेजिडेंट, सेट्रे दि इस्तुडिओस द – इन फार्मेसिओन, दे ला डिफेसा, क्यूबा।
- कैप्टन आफ फ्राइगेट (रिजवर्स), एनरिक मार्टिनेज/देआज, सूचना विश्लेषण में विशेषज्ञ, सेट्रो दे इस्तुदिओस इन फार्मोसिओन दि ला डिफेंसा, क्यूबा।
- राजदूत आर. विश्वनाथन, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली ने संस्थान में "अक्टूबर 2004 को "इण्डिया–लैटिन अमरीका" विषयक व्याख्यान दिया।
- राजदूत एस. राजागोपालन, क्यूबा में पूर्व भारतीय राजदूत ने 12 अक्टूबर 2004 को लैटिन अमरीकी प्रभाग का दौरा किया और शिक्षकों एवं छात्रों से विचारों का आदान–प्रदान किया।
- प्रो. (डा.) लुईस अल्फ्रेदो रिवरोस, प्रेजिडेंट चिली विश्वविद्यालय तथा अर्थशास्त्र के प्रोफेसर ने 24 नवम्बर 2004 को "चिली टुडे" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. हर्नन लुसिना, डायरेक्टर, सेंटर फार स्टडी आफ अफ्रीकन, एशियन, लैटिन अमरीकन ऐंड कैरेबियन डायस्पोरा, यूनिवर्सिटी आफ लाओस एंडेस,मेरिडा, वेस्टर्न वेनेजुला, ने 8 मार्च 2005 को "इण्डियन डायस्पोरा इन कैरेबियन" शीर्षक परिचर्चा की।
- सुश्री मारिया ग्रेब्रिला माता दे कार्नेवाली, यूनिवर्सिटी आफ लाओस एंडेस वेनेजुला, ने 8 मार्च 2005 को "प्रोग्रेसन ऐंड रिग्रेशन इन लैटिन अमरीकन इंटिग्रेशन" विषयक व्याख्यान दिया।

leh{kk/khu vof/k d nkjku Nk=k dh miyfC/k;k

yfVu vejhdh v/;;u iHkkx

- तुषार कान्त, (पी–एच.डी. छात्र) "लैटिन अमरीकी इन द डब्ल्यू.टी.ओ." इण्डिया क्वार्टर्ली, भाग 60, अंक 1 व 2 पृ. 275–96, जनवरी–जून 2004
- तुषार कान्त "ह्यूमन राइट्स इन द कामन वेल्थ कैरेबियन : इनिशिऐटिव्स ऐंड इंस्टिट्यूशंस" इण्डिया क्वार्टर्ली, भाग

61, अंक 1, जनवरी–मार्च 2005

- अपराजीत कश्यप (पी–एच.डी. छात्र) "इंटरनेशनल पालिटिक्स आफ एनवायरनेंट रोल ऐंड रिस्पांसिस आफ अमाजोनियन कंट्रीज" इण्डिया क्वार्टर्ली, भाग–60, अंक 1 व 2,पृ. 250–74, जनवरी–जून 2005
- अपराजीत कश्यप "द अमाजान रेनफोरेस्ट इश्यूज : सूरीनाम ऐंड गुयाना" इण्डिया क्वार्टर्ली, पृ. 243–60, नवम्बर 2004
- प्रकाश चंद्र झा (पी–एच.डी. छात्र) "इमर्जिंग इश्यूज ऐंड चैलेंजिस इन ब्राजिलियन फेडरलीज्म : सम लेसंस फार इण्डिया" इण्डिया क्वार्टर्ली, भाग–60, अंक 1 व 2, पृ. 144–70–70, जनवरी–जून 2004
- प्रकाश झा, पी–एच.डी. छात्र को नवम्बर 2004 – मई 2005 तक के लिए क्वीन यूनिवर्सिटी, किंगस्टन, ओनटारियो, कनाडा में अपने शोध विषय "फिश्कल फेडरलीज्म इन ब्राजील, कनाडा ऐंड इण्डिया" – पर कार्य करने के लिए शास्त्री–इण्डो–कनाडियन इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली द्वारा 6 महीने के लिए डाक्टरल फेलोशिप प्रदान की गई।

if'peh ,f'k;kbl vkj vÝhdh v/;;u dsanz

- गिरीराज अजय यादव, (एम.फिल. छात्र), "द इराक वार ऐंड द इण्डिया", वर्ल्ड फोकस, भाग 26, अंक 2, पृ. 18–22, फरवरी 2005
- गिरीराज अजय यादव के "द सैकिंड कमिंग : यू.एस. वार आन इराक (2003) : ऐन इण्डियन पर्सपेक्टिव (सं.) श्रीधर और एन. मालाकार, नई दिल्ली में एकाडमिक एक्सिलेंस, दो अध्याय प्रकाशित हुए, 2004

izdk'ku

vkys[k

vejhdh vkj if'peh ;wjksih; v/;;u dsanz

- क्रिस्टोफर एस. राज, यू.एस. स्ट्रेटिजिक रिस्पांस टु इमर्जिंग प्राब्लम्स इन एशिया, भाग 41, अंक–3, जुलाई–सितम्बर 2004
- क्रिस्टोफर एस. राज, यू.एस. प्रेसिडेंशल इलैक्शन, वर्ल्ड फोकस, नई दिल्ली, जुलाई 2004
- सी. महापात्रा, बुश'स IIटर्म : वाट इट मीन्स फार एशिया ? एशियन अफेयर्स (लन्दन), नवम्बर 2004
- सी. महापात्रा, यू.एस. स्ट्रेटिजिक रिस्पांस टु इमर्जिंग प्राब्लम्स इन एशिया, इंटरनेशनल स्टडीज, भाग–41, अंक–3, जुलाई–सितम्बर 2004
- सी. महापात्रा, ईरान'स न्यूक्लियर प्रोग्राम : निगोसिएटिड सेटलमेंट लाइकली, एशियन अफेयर्स, लन्दन, दिसम्बर 2004
- के.पी. विजयलक्ष्मी, यू.एस. इलैक्शंस 2004, वर्ल्ड फोकस, नई दिल्ली, जून 2004
- के.पी. विजयलक्ष्मी, इनगेजिंग न्यू कांस्टीट्वेन्सीज : इण्डिया ऐंड द यू.एस. रिइन्फोर्सिंग द एज्यूकेशनल लिंक ओ.आर.एफ. – पेस्फिक कांउसिल टास्क फोर्स के लिए आलेख
- अब्दुल नफे, पालिटिक्स ऐंड डिप्लोमेसी आफ रीजनलिज्म इन लैटिन अमेरिका, इण्डिया क्वाटर्ली, नई दिल्ली, भाग–60, अंक–1–2, पृ. 32–56,जनवरी–जून 2004
- अब्दुल नफे, सिक्यूरिटी ऐंड जिओ–पालिटिक्स इन द कैरिबियन बेसिन : पोस्ट 9/11, इण्डिया क्वाटर्ली (कैरिबियन पर विशेष आलेख) पृ. 23–74, नवम्बर 2004
- अब्दुल नफे, आई.बी.एस.ए. फोरम : द राइज आफ 'न्यू' नान एलाइनमेंट, इण्डिया क्वार्टर्ली, भाग–61, अंक–1, पृ. 1–78, जनवरी–मार्च 2005
- अब्दुल नफे, लैटिन अमेरिका, रिलेशंस विद इण्डिया, वर्ल्ड फोकस, नई दिल्ली, भाग–25, अंक–10–12, पृ. 53–57, अक्टूबर–दिसम्बर 2004
- यू.एस. बावा, इ.यू. एनलार्जमेंट, इंप्लिकेशंस फार इण्डिया, चैप्टर इन ट्रेनिंग माडयूल, विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, दिसम्बर 2004

nf{k.k] e/;] nf{k.k&iwoZ ,f'k;kbl vkj nf{k.k&if'pe egklkxjh; v/;;u dsanz

- संजय भारद्वाज, बंग्लादेश : इंटरनल डायनेक्मिस ऐंड एक्सटर्नल लिंकेज्स, ला की पत्रिका में प्रकाशन हेतु स्वीकृत, बिल्ला, ढाका, बंग्लादेश।
- सी. राज मोहन, वाट इफ पाकिस्तान फेल्स ? इण्डिया इज नाट वरीड... यट, वाशिंग्टन क्वार्टर्ली, (वाशिंग्टन डी.सी.), 2004–05
- सी. राज मोहन, इमर्जिंग एशिया : इण्डिया'स आप्शंस, इंटरनेशनल स्टडीज (नई दिल्ली), पृ. 313–34, (सह लेखक – एस.डी. मुनि), जुलाई–सितम्बर 2004
- सी. राज मोहन, डिबेटिंग चाइना'स पीसफुल राइज : द राइम आफ एन्शन्ट मैरिनर, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, (मुम्बई), 14 अगस्त 2004
- सी. राज मोहन, टेन क्वेश्चंस आन द पीस प्रोसिस, इकोनामिक ऐंड पालिकिल वीकली, (मुम्बई), 10 जुलाई 2004
- पी. सहदेवन, इण्डिया ऐंड श्रीलंका : कोजिनल कोइक्जिस्टेन्स, ईयर बुक 2005 (नई दिल्ली : कंटेम्पोररि न्यूज ऐंड फीचर्स, पृ. 151–71, –(सह लेखक)
- पी. सहदेवन, रीजनल मिलिट्री इनवाल्वमेंट, एथनिक पीस एकाडर्स, सार्क श्रीलंका रिलेशंस विद मालद्वीव्स ऐंड भूटान, इनसाइक्लोपिडिया आफ इण्डिया, न्यूयार्क : चार्ल्स स्क्रिब्नेर'स सन्स, 2005
- पी. सहदेवन, वेलुपिल्लई प्रभाकरन, इनसाइक्लोपीडिया आफ वर्ल्ड माइनार्टीज, न्यूयार्क, रूटलेज, 2005
- शंकरी सुन्दररमन, पालिटिक्स ऐंड सिक्यूरिटी इन साउथ ईस्ट एशिया : प्रास्पेक्टस फार इण्डिया : एशियान कोआपरेशन इंटरनेशनल स्टडीज, भाग–41, अंक–4, (अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू/सेज प्रकाशन, नई दिल्ली), अक्टूबर–दिसम्बर 2004

  के. वारिकू, 'पार्लियामेंट्री इलैक्शंस (2004) : जम्मू ऐंड कश्मीर, हिमालयन ऐंड सेंट्रल एशियन स्टडीज, भाग–8, (2–3), पृ. 87–100, अप्रैल–सितम्बर 04

jktu;] vUrjk"Vªh; fof/k vkSj vFkZ'kkL= v/;;u dsUnz

- मनमोहन अग्रवाल, ग्लोबलाइजेशन ऐंड रीजनलिज्म : एन इण्डियन पर्सपेक्टिव, इंटरनेशनल स्टडीज, भाग–41, अंक–4, अक्टूबर–दिसम्बर 2004
- मनमोहन अग्रवाल, एन्ट्री लिबरलाइजेशन ऐंड एक्सपोर्ट परफार्मेन्स : ए थिअरेटिकल एनालिसिस इन ए मल्टि मार्किट ओलिगोवाली माडल (अशोक बरूआ के साथ), इंटरनेशनल ट्रेड ऐंड डिवलपमेंट, भाग–13, अंक–3, 2004
- मनमोहन अग्रवाल, लिबरलाइजेशन ऐंड द एफिसिएन्सी आफ द इण्डियन बैंकिग सैक्टर, (कुसुम डब्ल्यू केतकर और ए.जी. नौलस के साथ), इण्डियन जर्नल आफ इकोनामिक्स ऐंड बिजनेस, भाग–3, अंक–2, 2004
- योगेश के. त्यागी, कल्चरल रिलेटिविज्म थ्रू रिसैनटेशंस ह्यूमन राइट्स ट्रीटीज, जर्नल आफ इंटरनेशनल लॉ ऐंड डिप्लोमेसी, भाग–3, अंक–1, पृ. 32–49, मई 2004
- मनोज पंत, फाइनेंशल इंटरमिडिएशन ऐंड डिवलपमेंट (पी. राय चौधरी और जी. सिंह के साथ), वर्किंग पेपर, भारतीय सांख्यकीय संस्थान, दिल्ली, जून 2004
- अमित एस. रे, द चेंजिंग स्ट्रक्चर आफ आर. ऐंड डी. इनिसिएटिव्स इन इण्डिया : द फार्मास्यूटिकल सैक्टर, साइंस टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी, भाग–9, अंक–2, 2004
- अमित एस. रे, 'टेक्नोलाजी, इंटरनेशनल स्टडीज, भाग–41, अंक–3, (अशोक गुहा के साथ), 2004
- अमित एस. रे, एक्पोर्टिंग थ्रू टेक्नोलाजिकल कैपेबिलिटी : इकोनामेट्रिक इविडेंस फ्राम इण्डियन फार्मास्यूटिकल ऐंड इलैक्ट्रानिक्स/इलैक्ट्रिकल फर्म्स, आक्सफोर्ड डिवलपमेंट स्टडीज, भाग–32, अंक–1, (एस. भादुरी), 2004
- संगीता बंसल, (सुभाशिष गंगोपाध्याय के साथ), इंसेंटिव्स फार टेक्नोलाजिकल डिवलपमेंट इन द प्रिजेंस आफ ग्रीन

कंज्यूमर्स : वैट इज बैड', एनवायरनमेंटल ऐंड रिसोर्स इकोनामिक्स, 30(3), पृ. 345–67, 2004

vUrjk"Vªh; jktuhfr] laxBu vkSj fujL=hdj.k dsUnz

- वरूण साहनी, वाई पालिसी (समटाइम्स) फाल्टर्स : स्ट्रक्चरल कंस्ट्रेन्स आन इण्डिया'स एक्सटर्नल सिक्यूरिटी पालिसी, सिक्यूरिटी ऐंड सोसायटी, भाग–1, अंक–1, पृ. 72–91, 2004
- वरूण साहनी, इण्डिया ऐंड मिसाइल एक्विजिशन : पुश ऐंड पुल फैक्टर्स, साउथ एशियन सर्वे, भाग–11, नं.–2, पृ. 287–99, जुलाई–दिसम्बर 2004
- वरूण साहनी, फ्राम सिक्यूरिटी इन एशियन सिक्यूरिटी, इंटरनेशनल स्टडीज, भाग–41, अंक–3, पृ. 245–61, जुलाई–सितम्बर 2004
- वरूण साहनी (जेनली बोनोर के साथ), आस्ट्रेलिया–इण्डिया रिइन्गेजमेंट : कामन सिक्यूरिटी कंसर्न्स, कनवर्जिंग स्ट्रेटिजिक हारिजन्स, कम्पलिमेंट्री फोर्स स्ट्रक्चर्स, स्ट्रेटिजिक इनसाइट्स, अंक–11, आस्ट्रेलियन स्ट्रेटिजिक पालिसी इंस्टीट्यूट, केनब्रा, अक्टूबर 2004
- स्वर्ण सिंह, चाइना–इण्डिया बिल्डिंग ट्रस्ट, एशियन स्टडीज जर्नल (कुनमिंग, युन्नन, चाइना), भाग–20, पृ. 59–65, सितम्बर 2004
- स्वर्ण सिंह, चाइना–इण्डिया : बियाण्ड द बाइलैटरल, वर्ल्ड फोकस (दिल्ली), भाग–25, अंक 10–11–12, पृ. 37–40, अक्टूबर–दिसम्बर 2004
- स्वर्ण सिंह (गेस्ट एडिटर), इण्डिया–चाइना रिलेशंस : एन ओवरव्यू, वर्ल्ड फोकस, (चाइना–साउथ एशिया पर विशेष अंक), भाग–26, अंक–3, पृ. 3–6, मार्च 2005
- एशी चौयदान, रोल आफ द यूनाइटिड नेशंस इन प्रमोटिंग वुमन'स इंपावरमेंट : ए केस स्टडी आफ इण्डिया, जर्नल आफ कंटेम्पोरॅरि यूरोप (जयपुर), प्रकाशन हेतु स्वीकृत, भाग–2, जनवरी–जून 2005
- एशी चौयदान, रिव्यू आफ केशव मिश्रा'स बुक रैप्रोचमेंट एक्रास द हिमालयाज : इमर्जिंग इण्डिया–चाइना रिलेशंस दिल्ली, कल्पज प्रकाशन, 2004 (इंटरनेशनल स्टडीज में प्रकाशनाधीन), नई दिल्ली, भाग 42 अंक 2–4, जुलाई–दिसम्बर 2004
- सिद्धार्थ मल्लावारूपु, 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द ग्रेट इण्डियन सिटी : एन इवाल्विंग ग्रामर आफ ड्रीम्स ऐंड डिलुसिअन्स' विषयक समीक्षात्मक आलेख, साउथ एशियन सर्वे द्वारा प्रकाशन हेतु स्वीकृत, (आगामी)
- राजेश राजगोपालन, मिसाइल डिफेंसिस इन साउथ एशिया : मच ए डु अबाउट नथिंग, साउथ एशियन सर्वे, 11:2, पृ. 205–18, जुलाई–दिसम्बर 2004
- राजेश राजगोपालन, द इवोल्युशन आफ इण्डिया'स न्यूक्लियर डाक्ट्रिन, सिक्यूरिटी ऐंड सोसायटी, 1:1, पृ. 99–110, 2004
- राजेश राजगोपालन, एक्सप्लेनिंग इण्डिया'स परस्यूट आफ बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंसिस, Raketenabwehrforschung इंटरनेशनल, बुलेटिन नं. 47 (2004), फ्रेंकफर्ट, 2004
- राजेश राजगोपालन (रोली लाल के साथ), इण्डिया–यू.एस. स्ट्रेटिजिक डायलाग, आब्जर्वर रिसर्च फाउन्डेशन ऐंड रैन्ड, नई दिल्ली, अक्टूबर 2004
- अर्चना नेगी, बुक रिव्यू आफ द इल्यूजन आफ प्रोग्रेस बाई अलेक्जेंडर गिल्पिसी, इंटरनेशनल स्टडीज, भाग–41, अंक–2, पृ. 242–244, अप्रैल–जून 2004

if'pe ,f'k;kbZ vkSj vÝhdh v/;;u dsUnz

- ए.के. पाशा, इण्डिया ऐंड वेस्ट एशिया, वर्ल्ड फोकस, नं. 10–12, नं. 293–300, भाग–25, पृ. 40–46, अक्टूबर–दिसम्बर 2004
- ए.के. पाशा, अराफात, फिलिस्तीनियन्स ऐंड द फ्युचर मेनस्ट्रीम, भाग 62, अंक 50, पृ. 7–12, 4 दिसम्बर 2004
- ए.के. पाशा, शेख यासीन'स किलिंग : शेरान गोज फार बस्ट, हार्डन्यूज, भाग–4, अंक 5, अप्रैल 2004

- ए.के. पाशा, शेरान'स यूनिलेट्रल विड्राल : मेलिन इंटेंट, हार्डन्यूज, भाग–1, मई 2004
- ए.के. पाशा, वाई इज द इस्लामिक वर्ल्ड इम्पोर्टेंट फार इण्डिया ?, हार्डन्यूज, अंक 7, जून 2004
- ए.के. पाशा, स्टेइंग आन अन इनवाइटिड : इराक, हार्डन्यूज, भाग–1, अंक–10, सितम्बर 2004
- ए.के. पाशा, फिलीस्तीन आफ्टर अराफात : स्ट्रगलिंग टु सर्वाइव, हार्डन्यूज, भाग–2, अंक–1, दिसम्बर 2004
- ए.के. पाशा, इराक ऐंड इट्स फ्यूचर : एन ओवरव्यू, वर्ल्ड फोकस इश्यू आन 'इराक ऐंड इट्स फ्यूचर : डाउट्स ऐंड फियर्स', अंक 302, भाग–26, पृ. 3–6, फरवरी, 2005
- ए.के. पाशा, डार्क डेमोक्रेसी : फिलीस्तीनियन अथारिटी ऐंड इराकी इलैक्शन, हार्डन्यूज, भाग–2, अंक–4, पृ. 60–61, मार्च 2005
- गुलशन डायटल, न्यू थ्रीट्स टु आइल ऐंड गैस इन वेस्ट एशिया : इश्यूज इन इण्डिया'स एनर्जी सिक्यूरिटी, स्ट्रेटिजिक एनालिसिस, नई दिल्ली, जुलाई–सितम्बर 2004
- गुलशन डायटल, अराफात द फिलिस्तीन, मेनस्ट्रीम, नई दिल्ली, 20 नवम्बर 2004
- पी.सी. जैन, इण्डियन्स इन कुवैत, जर्नल आफ इण्डियन ओसन स्टडीज, भाग–12, अंक–3, पृ. 440–50, 2004
- पी.सी. जैन, नोट्स आन रिलिजन ऐंड सोशल आर्गेनाइजेशन अमंग द जैन्स, गांधियन पर्सपेक्टिव्स, भाग–12, अंक–1, पृ. 86–104, 2004
- पी.आर. कुमारस्वामी, द काइरो डायलाग ऐंड द फिलिस्तीन पावर स्ट्रगल, इंटरनेशनल स्टडीज, भाग 42, अंक–1, पृ. 43–59, जनवरी–मार्च 2005
- पी.आर. कुमारस्वामी, आर्म्स सेल्स : आर इण्डो–इजराइल डील्स डूम्ड ? द बुलेटिन आफ आटोमिक साइंटिस्ट्स, भाग–60, अंक–6, पृ. 12–13, नवम्बर–दिसम्बर 2004
- पी.आर. कुमारस्वामी, इजराइल इण्डिया रिलेशंस : सीकिंग बैलेंस ऐंड रिअलिज्म, इजराइल अफेयर्स, भाग–10, अंक 1–2, पृ. 254–72, 2004
- पी.आर. कुमारस्वामी, इण्डो–इजराइल टाइज : द पोस्ट अराफात शिफ्ट, पावर ऐंड इंट्रेस्ट न्यूज रिपोर्ट, 9 मार्च 2005
- पी.आर. कुमारस्वामी, ओबिचुअरि : प्रोफेसर एम.एल. सोंधी, जर्नल आफ इण्डो–जुडैइक स्टडीज, अंक–7, पृ. 120–122, 2005
- गिरिजेश पंत, इराक : फ्राम रिंकस्ट्रक्शन टु डिवलपमेंट, वर्ल्ड फोकस, फरवरी 2005
- गिरिजेश पंत, इण्डिया'स सर्च फार एनर्जी : चैलेंजिस टु फारेन पालिसी, वर्ल्ड फोकस, अक्टूबर–दिसम्बर 2004
- गिरिजेश पंत, यूनिवर्सिटीज इन डिप्राइव्ड रीजन्स, (सं.) अरूण कुमार, चैलेंजिस फेसिंग इण्डियन यूनिवर्सिटीज, जेएनयू, नई दिल्ली शिक्षक संघ 2004

iLrd

nf{k.k] e/;] nf{k.k&iwoZ ,f'k;kbZ vkSj nf{k.k&if'pe egklkxjh; v/;;u dsUnz

- महेन्द्र पी. लामा, मुख्य सम्पादक, सिक्किम स्टडी सीरीज, सम्पादित 3 भाग, लैंग्यूवेज ऐंड लिट्रेचर, सुभाष दीपक
- महेन्द्र पी. लामा, जिओग्राफी ऐंड एनवारनमेंट इन सिक्किम, (के.सी. प्रधान, एकलव्य शर्मा, गोपाल प्रधान और ए.बी. क्षेत्री के साथ)
- महेन्द्र पी. लामा, कल्चर (एम.एम. गुरंग और आर.पी. लामा के साथ)

jktu;] vUrjkZ"Vªh; fof/k vkSj vFkZ'kkL= v/;;u dsnz

- अमित रे, मेडिसिन्स, मेडिकल प्रेक्टिस ऐंड हैल्थ केयर इन इण्डिया इन द इरा आफ ग्लोबलाइजेशन : पालिटिकल इकोनामी पर्सपेक्टिव्स, डिवलपमेंट ऐंड हैल्थ इन इण्डिया' विषयक स्वतंत्र आयोग का मोनोग्राफ

vUrjkZ"Vªh; jktuhfr] laxBu vkSj fujL=hdj.k dsUnz

- राजेश राजगोपालन, द सैक्रेड थ्रेशोल्ड : आर्ग्युमेंट्स अबाउट न्यूक्लियर वार इन साउथ एशिया, पेंगुइन, नई दिल्ली,

(प्रकाशन हेतु स्वीकृत)

- सिद्धार्थ मल्लावरपु (सह सम्पादक कांति बाजपेई के साथ) इंटरनेशनल रिलेशंस इन इण्डिया : ब्रिगिंग थीअरि बैक होम, ओरिएन्ट लांगमैन, नई दिल्ली, 2005
- सिद्धार्थ मल्लावारपु (सह सम्पादक कांति बाजपेई के साथ) इंटरनेशनल रिलेशंस इन इण्डिया : थिओराइजिंग द रीजन ऐंड द नेशनल, ओरिएन्ट लांगमैन, इण्डिया, 2005

if'peh ,f'k;kbZ vkSj vÝhdh v/;;u dsUnz

- एस.एन. मालाकार और एस.एन. श्रीधर (सं.), द सेकण्ड कमिंग : यू.एस. वार आन इराक 2003 : एन इण्डियन पर्सपेक्टिव, अकादमिक एक्सिलेन्स, दिल्ली 2004
- गिरिजेश पंत, इंडिया'स एनर्जी सिक्यूरिटी : प्रास्पेक्ट्स फार कोआपरेशन विद एक्सटेंडिड नेबरहुड (प्रो. एस.डी. मुनि के साथ संयुक्त रूप से), रूपा ऐंड कम्पनी, नई दिल्ली, 2005

iqLrdk esa izdkf'kr v/;k;

vejhdh vkSj if'peh ;wjksih; v/;;u dsUnz

- अब्दुल नफे, सिविल सोसायटी इन इस्लाम इन यू.एस.ए. ऐंड द मुस्लिम वर्ल्ड : कोआपरेशन ऐंड कंफ्रंटेशन, (सं.) रियाज पंजाबी, ब्रुनल अकादमिक पब्लिशर्स लिमिटेड, यू.के. पृ. 233–66, 2004

nf{k.k] e/;] nf{k.k&iwoZ ,f'k;kbZ vkSj nf{k.k&if'pe egklkxjh; v/;;u dsUnz

- संजय भारद्वाज, इण्डिया–सेंट्रल एशिया रिलेशंस : क्वेस्ट फार एनर्जी सिक्यूरिटी इन साउथ सेंट्रल एशिया : इमर्जिंग इश्यूज, (सं.) डा. कुलदीप सिंह, गुरू नानक देव यूनिवर्सिटी प्रेस, अमृतसर, पृ. 149–63, 2005
- अम्बरीश ढ़ाका, जिओपालिटिकल मेट्रिक्स आफ सेंट्रल एशिया : द प्रि 9/11 सेनारिये, इन साउथ सेंट्रल एशिया : इमर्जिंग इश्यूज, (सं.) डा. कुलदीप सिंह, गुरू नानक देव यूनिवर्सिटी प्रेस, अमृतसर, पृ. 216–38, 2005
- मनमोहिनी कौल, इमेजिंग द साउथ पेस्फिक : इण्डियन कंस्ट्रक्शन आफ द रीजन इन इण्डिया ऐंड आस्ट्रेलिया : हिस्ट्री, कल्चर ऐंड सोसायटी, (सं.) एन.एन. वोहरा, शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004
- महेन्द्र पी. लामा, रिफार्म्स ऐंड पावर सैक्टर इन साउथ एशिया : स्कोप ऐंड चैलेंजिस फार क्रासबार्डर (मोहनमान संजु और क्यू के अहमद के साथ), इकोनामिक डिवलपमेंट इन साउथ एशिया (सं.) मोहसिन एस. खान, टाटा मैक्ग्राहिल, नई दिल्ली, 2005
- महेन्द्र पी. लामा, एक्सटर्नल सैक्टर रिफार्म्स इन नेपाल : इंप्लिकेशंस ऐंड पालिसी आप्शंस फार रीजनल इंटग्रेशन, इकोनामिक रिफार्म ऐंड ट्रेड परफारमैंस इन साउथ एशिया, (सं.) उमर हैदर चौधरी और विलियम डेर जीस्ट, द यूनिवर्सिटी, ढाका, 2005
- आई.एन. मुखर्जी, ग्लोबलाइजेशन, इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स ऐंड इंडिजिनस रिस्पांस़, इंडिजेनिटी ऐंड यूनिवर्सिलिटी इन सोशल साइंस, (सं.) पार्था मुखर्जी और चन्दन सेन गुप्ता, सेज प्रकाशन, पृ. 295–314, 2004
- सी. राजमोहन, साइनो–इण्डियन रिलेशंस : टुवर्डस ए पैराडिग्म शिफ्ट, पंचशील ऐंड द फ्युचर : पर्सपेक्टिव्स आन इण्डिया–चाइना रिलेशंस (सं.) सी.बी. रंगनाथन, संस्कृति, नई दिल्ली, 2004
- सी. राजमोहन, कवेंशनल आर्म्स रेस इन साउथ एशिया : पालिटिको स्ट्रेटिजिक डाइमेंशंस, आर्म्स रेस ऐंड न्यूक्लियर डिवलपमेंट्स इन साउथ एशिया, (सं.) परवेज इकबाल चीमा और इम्तियाज बुखारी, इस्लामाबाद पालिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट, 2004
- सी. राजमोहन, द इण्डिया–पाकिस्तान पीस प्रोसिस, प्रास्पेक्ट्स फार पीस, स्टेबिलिटी ऐंड प्रास्पेरिटी इन साउथ एशिया, इंस्टीट्यूट आफ रीजनल स्टडीज, इस्लामाबाद, 2004

jktu;] varjkZ"Vªh; fof/k vkSj vFkZ'kkL= v/;;u dsUnz

- मनमोहन अग्रवाल, वैल्युएशन आफ वालन्ट्री लेबर इन प्रिजर्वेशन एक्टिविटीज, (गोपाल कादेकोदी के साथ), यू शंकर के सम्मान में भाग में प्रकाशित, 2004

- मनमोहन अग्रवाल, द यूनाइटिड स्टेट्स ऐंड माडरेट मुस्लिम स्टेट (बी.के. श्रीवास्तव के साथ), यू.एस.ए. ऐंड द मुस्लिम वर्ल्ड : कोआपरेशन ऐंड कंफ्रंटेशन, (सं.) रियाज पंजाबी, ब्रुनल अकादमिक प्रकाशक, 2004
- अमित एस. रे, द इण्डियन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री ऐंड क्रासरोड्स : इंप्लिकेशंस फार इण्डिया'स हैल्थ केयर, मालाडाइज, प्रिवेंटिव्स ऐंड क्यूरेटिव्स : डिबेट्स इन पब्लिक हैल्थ इन इण्डिया, (सं.) अमित बागची और कृष्णा सोमन, तुलिका बुक्स, नई दिल्ली, 2005
- अमित एस. रे (एस. भादुरी के साथ), द पालिटिकल आफ रूरल हैल्थ केयर इन इण्डिया, इकोनामिक ग्लोबलाइजेशन इन एशिया, (सं.) पार्था गंगोपाध्याय और मानस चटर्जी, आस्गेट, लन्दन, 2005

vUrjk"Vh; jktuhfr] lxBu vkj fujL=hdj.k dUn

- वरूण साहनी, प्राइमेसी, डोमिनेन्स ऐंड सुपरमेसी : ए कम्पैरीजन आफ द रीजनल सिक्यूरिटी कंटेक्स्ट्स आफ ब्राजील, इण्डिया ऐंड साउथ अफ्रीका, प्रास्पेक्ट्स आफ पीस, स्टेबिलिटी ऐंड प्रास्पैरिटी इन साउथ एशिया, इंस्टीट्यूट आफ रीजनल स्टडीज, इस्लामाबाद, पृ. 274–90, 2005
- वरूण साहनी, एक्सप्लेनिंग इण्डिया–पाकिस्तान क्राइसिस : बियाण्ड द स्टेबिलिटी – इनस्टेबिलिटी पैराडाक्स, आर्म्स रेस ऐंड न्यूक्लियर डिवलपमेंट्स इन साउथ एशिया, (सं.) परवेज इकबाल चीमा और इम्तियाज एच. बुखारी, इस्लामाबाद रिसर्च इंस्टीट्यूट हैन्स साइडल फाउन्डेशन, इस्लामाबाद, पृ. 133–149, 2004
- स्वर्ण सिंह, ताइवान फैक्टर इन इण्डिया'स लुक ईस्ट पालिसी, इन इण्डिया ऐंड साउथइस्ट एशिया, (सं.) के. राजा रेड्डी, सेंचुरी पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2004
- येसी चौयदान ने नेशनल इंस्टीट्यूट आफ ओपन स्कूलिंग, नई दिल्ली के वर्ल्ड आर्डर ऐंड द यूनाइटिड नेशंस विषयक मापदण्ड पर राजनीतिक विज्ञान में सीनियर सेकण्ड्री पाठ्यक्रम के लिए (यूनाइटिड नेशंस पीस एक्टिविटीज) विषयक अध्याय लिखा।
- सिद्धार्थ मल्लावारपु, इंट्रोडक्शन, इंटरनेशनल रिलेशंस इन इण्डिया : ब्रिगिंग थीअरि बैक होम, (सं.) कांति बाजपेई और सिद्धार्थ मल्लावारपु, ओरिएन्ट लांगमैन, नई दिल्ली, पृ. 1–16, 2004
- सिद्धार्थ मल्लावारपु, स्टेट्स, नेशनलिज्म ऐंड माडर्नटीज इन कनवर्सेशन, इंटरनेशनल रिलेशंस इन इण्डिया : ब्रिंगिंग थीअरि बैक होम, (सं.) कांति बाजपेई और सिद्धार्थ मल्लावारपु, ओरिएन्ट लांगमैन, नई दिल्ली, पृ. 39–70, 2005
- राजेश राजगोपालन, निओरिअलिस्ट थीअरि ऐंड द इण्डिया–पाकिस्तान कंफ्लिक्ट, इंटरनेशनल रिलेशंस इन इंडिया : थीओराइजिंग द रीजन ऐंड नेशन, (सं.) कांति बाजपेई और सिद्धार्थ मल्लावारपु, ओरिएन्ट लांगमैन, नई दिल्ली, 2005
- राजेश राजगोपालन, रि एक्जामिनिंग द 'फारवर्ड पालिसी' इन सिक्यूरिटी बियांड सरवाइवल : एसेज फार के. सुब्रामणियन, (सं.) पी. कुमारस्वामी, सेज, नई दिल्ली, 2004
- राजेश राजगोपालन, न्यूक्लियर फ्लक्स ? द फ्युचर आफ न्यूक्लियर वेपंस ऐंड प्रालिफरेशन, न्यूक्लियर पावर ऐंड नान प्रालिफरेशन, (सं.) जसजीत सिंह, सी.एस.आई.एस., नालेज वर्ल्ड, नई दिल्ली, 2004
- अर्चना नेगी, यूनिट 9 : स्टेट इनिसिएटिव्स (पृ. 111–20) : यूनिट 10 : रीजनल इनिसिएटिव्स (पृ. 121–28) : यूनिट 11 : ग्लोबल इनिसिएटिव्स (पृ. 129–42) : यूनिट–12, सिविल सोसायटी ऐंड कम्यूनिटी इनिसिएटिव्स' (पृ. 143–50) : सस्टेनेबल डिवलपमेंट : इश्यूज ऐंड चैलेंजिस' विषयक इग्नू का पाठ्यक्रम (एमइडी–002) मई 2004

if'peh ,f'k;kb vkj vÝdh v/;;u dUn

- ए.के. पाशा सिग्निफिकेन्स आफ इण्डो–रशियन स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप : इट्स इम्पैक्ट आन अरब वर्ल्ड, ग्लोबल सिग्निफिकेन्स आफ इण्डो–रशियन स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप, (सं.) वी.डी. चौपड़ा, कल्पज प्रकाशन, दिल्ली, पृ. 135–72, 2005
- गिरिजेश पंत, ग्लोबलाइजेशन ऐंड कोआपरेशन–कंफ्लिक्ट इन इण्डियन ओसन रीजन : द हाइड्रोकार्बन फैक्टर, इन इण्डियन ओसन रीजन : कंफ्लिक्ट ऐंड कोआपरेशन, (सं.) वी.एस. सेठ, एलाइड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई, 2004
- पी.आर. कुमारस्वामी, नेशनल सिक्युरिटी : ए क्रिटिक इन सिक्यूरिटी बियांड सरवाइवल : एसेज फार के. सुब्रामणियन,

(सं.) पी.आर. कुमारस्वामी, सेज, नई दिल्ली, पृ 11–32, 2004

- एस.एन. मालाकार, ग्लोबलाइजेशन ऐंड ग्लोबल फंडिंग इंस्टीट्यूशंस : ए परस्युट फार ग्लोबल गवर्नेन्स इन इंटरनेशनल पालिटिक्स कंटम्पोरॅरि ट्रेन्ड्स ऐंड इश्यूज, (सं.) रामदेव भारद्वाज, यू.जी.सी. अकादमिक स्टाफ कालेज, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, 2004
- एस.एन. मालाकार, एथनिसिटी ऐंड नेशनलिज्म सिक्युरिटी एन इमर्जिंग इश्यूज, इन इंटरनेशनल पालिटिक्स, (सं.) रामदेव भारद्वाज, यूजीसी अकादमिक स्टाफ कालेज, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, 2004

'kk/k ifj;kstuk,a

vejhdh vkj if'peh ;jkih; v/;;u dUn

- क्रिस्टोफर एस. राज, यू.एस. वार आन टेरॅर : फोकस आन एशिया, गैरप्रायोजित शोध परियोजना, अगस्त 2004
- क्रिस्टोफर एस. राज, कनेडियन मल्टिकल्चरलिज्म, गैर प्रोयोजित शोध परियोजना, मार्च 2005
- के.पी. विजयलक्ष्मी, इण्डो–यू.एस. रिलेशंस इन 21स्ट सेंचुरी : चेंजिस ऐंड रैमिफिकेशंस
- यू.एस. बावा, द रोल आफ इमर्जिंग पावर्स इन इंटरनेशनल सिक्यूरिटी : आई.बी.एस.ए., अन्तर्राष्ट्रीय संबंध संस्थान, ब्राजील विश्वविद्यालय, ब्राजील, 2004–06

nf{k.k] e/;] nf{k.k&iwoZ ,f'k;kbZ vkj nf{k.k&if'pe egklkxjh; v/;;u dUn

- महेन्द्र पी. लामा, ए स्टडी आन क्रास बार्डर पावर ट्रेड बिटवीन इण्डिया ऐंड पाकिस्तान, इकोनामिक रिसर्च इंस्टीट्यूट्स हेतु साउथ एशिया नेटवर्क के तहत विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित, (निदेशक, डा. ए.आर. केमल, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट इकोनामिक्स, इस्लामाबाद के साथ) 2002–04
- महेन्द्र पी. लामा, ए स्टडी आन इकोनामिक रिफार्म्स इन इण्डिया ऐंड नेपाल : इम्पैक्ट आन बाइलैट्रल ट्रेड, इनवेस्टमेंट ऐंड टेक्नोलाजी ट्रास्फर, द बी.पी. कोइराला इण्डिाया–नेपाल फाउन्डेशन द्वारा वित्तपोषित, (त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डु के प्रोफेसरों के साथ), 2002–2204

jktu;] vUrjk"Vh; fof/k vkj vFkZ'kkL= v/;;u dn

- योगेश त्यागी, लीगल कंट्रोल्स आफ ह्युमन क्लोनिंग, मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल ला, हीडलबर्ग, जर्मनी, मई–जुलाई 2004

vUrjk"Vh; jktuhfr] laxBu vkj fuj L=hdj.k dUn

- सिद्धार्थ मल्लावारपु, वुमन इन सिक्युरिटी, कंफ्लिक्ट मैनेजमेंट ऐंड पीस, ट्रांसेंडिंग कंफ्लिक्ट : जेंडर ऐंड नान–ट्रेडिशनल सिक्युरिटी' विषयक परियोजना, जेडर ऐंड आर्म्ड कंफ्लिक्ट इन कश्मीर' शीर्षक अध्ययन, सह प्रतिभागी के साथ, नान–ट्रेडिशनल सिक्युरिटी' विषयक पुस्तक सेज द्वारा प्रकाशित
- सिद्धार्थ मल्लावारपु, 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड वायलन्ट कंफ्लिक्ट ऐंड पीस बिल्डिंग इन एशिया' विषयक आई.डी.आर.सी. – सी.आर.डी.आई. हेतु स्कूल स्तर की परियोजना के निर्माण में प्रतिभागी थे।
- सिद्धार्थ मल्लावारपु, ग्लोबलाइजेशन ऐंड वायलन्ट कंफ्लिक्ट ऐंड पीस बिल्डिंग इन एशिया विषयक स्कूल स्तर की परियोजनाओं के प्रस्ताव को सूत्रबद्ध करने में प्रतिभागी

if'peh ,f'k;kbZ vkj vÝhdh v/;;u dUn

- प्रकाश सी. जैन, नान–रेजिडेंट इण्डियन इंटरप्रिन्यूर्स इन द गल्फ कंट्रीज : द केस आफ द यूनाइटिड अरब इमेरिटस, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित शोध परियोजना मार्च 2004
- प्रकाश सी. जैन, द इण्डियन डाइसपोरा : क्लोनियल ऐंड पोस्ट क्लोनियल्स पीरियड, पर एक ग्रन्थ सूची, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, जनवरी 2005

jk"Vh;@vUrjk"Vh; lEeyuk@cBdk@dk;Z'kkykvk e iafrHkkfxrk

vejhdh vkj if'peh ;jkih; v/;;u dUn

- क्रिस्टोफर एस. राज ने 24 नवम्बर 2004 को इण्डियन इंस्टीट्यूट फार पीस डिस्आर्मामेंट ऐंड एनवायरनमेंट

प्रोटेक्शन, नई दिल्ली में आयोजित, 'यू.एन. रिव्यू, लैण्डमाइन्स बैन : बियान्ड नैरोबी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कनाडा ऐंड लैण्डमाइन्स बैन ट्रीटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- क्रिस्टोफर एस. राज ने 7 दिसम्बर 2004 को ला ट्रोब यूनिवर्सिटी मेल्बोर्न, आस्ट्रेलिया में आयोजित 'परफार्मिंग द सोशल साइंसिस : न्यू रिसर्च कंसर्न्स आफ स्कालर्स फ्राम मेलबोर्न ऐंड दिल्ली ऐंड जेएनयू थीसिस इलेवन सेंटर फार क्रिटिकल थीअरि' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'वार आन टेरॅरिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 9 दिसम्बर 2004को शास्त्री–इण्डो कनेडियन इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली में आयोजित 'इकोनामिक रिफार्म : कनेडियन ऐंड इण्डियन पर्सपेक्टिव' विषयक लाल बहादुर शास्त्री जन्मशती संगोष्ठी में भाग लिया।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 24 से 26 फरवरी 2005 तक हैदराबाद में आयोजित 'कनेडियन स्टडीज : सोसायटी एनवायरनमेंट ऐंड टेक्नोलाजी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'सिक्युरिटी आफ्टर 9/11 ऐंड कनेडियन फारेन पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 24 से 26 फरवरी 2005 तक हैदराबाद में आयोजित कनेडियन स्टडीज : सोसायटी एनवायरनमेंट ऐंड टेक्नोलाजी कनाडा ऐंड इंडिया विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ट्रेड ऐंड सोसायटी' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 24 सितम्बर 2004 को इण्डो शास्त्री कनेडियन इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली में आयोजित 'कनेडियन स्टडीज प्रोग्राम' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 20 अक्टूबर 2004 को कनाडा उच्च आयोग में आयोजित 'इण्डो–कनेडियन रिलेशंस' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- सी. महापात्रा ने 11 से 13 दिसम्बर 2004 तक राजनीति विज्ञान विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा में आयोजित 'इण्डो–पाकिस्तान रिलेशंस : इमर्जिंग कोआपरेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'एक्सटर्नल डायमेंशंस आफ इण्डो–पाकिस्तान पीस इनिसिएटिव्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी. महापात्रा ने 17 जून 2004 को बुड्रो विल्सन सेंटर, वाशिंगटन डी.सी. में रोबर्ट हैथवे, डायरेक्टर आफ एशिया प्रोग्राम द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'यू.एस. साउथ एशिया : इमर्जिंग सेनारियोज' विषयक आई.पी.सी.एस. के गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- सी. महापात्रा ने 19 दिसम्बर 2004 को 'इंटरनेशनल टेररिज्म' विषयक इग्नू इंटरएक्टिव रेडियो काउंसिलिंग की परिचर्चा में भाग लिया।
- सी. महापात्रा ने 18 दिसम्बर 2004 को द यू.एस. स्टडीज प्रोग्राम आफ द आब्जर्वर रिसर्च फाउन्डेशन द्वारा आयोजित 'बुश–II प्रेसिडेंसी : इण्डो–यू.एस. रिलेशंस' विषयक बौद्धिक सत्र में भाग लिया।
- सी. महापात्रा ने 14 जनवरी, 2005 को आई.आई.सी. में आई.पी.सी.एस. और कोणार्क अडेन्यूर फाउन्ेशन द्वारा आयोजित 'नाटो–इण्डिया स्ट्रेटिजिक डायलाग' विषयक प्रथम चरण–II स्तर की परिचर्चा में भाग लिया।
- के.पी. विजयलक्ष्मी ने सितम्बर 2004 में आयोजित 'यू.एस. प्रेसिडेंशियल इलैक्शंस विषयक अन्तर–कौलेजिएट परिचर्चा की अध्यक्षता की ।
- के.पी. विजयलक्ष्मी ने नवम्बर 2004 में नई दिल्ली में आयोजित 'एज्यूकेशन फार पीस बिल्डिंग ऐंड कंफ्लिक्ट रिजोल्युशन' विषयक बैठक में भाग लिया तथा 'कंफ्लिक्ट प्रिवेंशन ऐंड पीस बिल्डिंग इंटरनेशनल इनिसिएटिव्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के.पी. विजयलक्ष्मी ने जून 2004 में 'इण्डिया'स नेशनल सिक्यूरिटी' विषयक आईपीसीएस सम्मेलन के पैनल में थे।
- के.पी. विजयलक्ष्मी ने 28 अक्टूबर 2004 को अमेरिकन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'रोल आफ इण्डियन अमेरिकन कम्यूनिटी इन यू.एस. नेशनल इलैक्शंस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- के.पी. विजयलक्ष्मी ने अप्रैल 2004 में अमेरिकन सेंटर में आयोजित 'इलैक्शन कम्पेन फाइनेन्स : मेथड्स ऐंड रेग्यूलेशंस' विषयक डी.वी.सी. के सम्मेलन में भाग लिया।
- के.पी. विजयलक्ष्मी ने 5 फरवरी 2005 को विस्काम्प में आयोजित, 'मेनस्ट्रीमिंग जेंडर : द केस आफ श्रीलंका' विषयक

गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।

- के.पी. विजयलक्ष्मी ने सितम्बर 2004 में सी.एस.एल.जी., जेएनयू में आयोजित 'कैम्पेन फाइनेन्स : अमेरिकन इलैक्टोरल कम्पल्शंस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- अब्दुल नफे ने 5 मई 2004 को इण्डियन काउंसिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली में आयोजित 'लैटिन अमेरिकन इंटिग्रेशन ऐंड इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'द डिप्लोमेसी ऐंड पालिटिक्स आफ रिओ ग्रुप आफ कंट्रीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अब्दुल नफे ने 7 दिसम्बर 2004 को लैटिन अमेरिकन स्टडीज डिबिजन आफ सी.ए.डब्ल्यू.इ.एस./एस.आई.एस., सेंटर फार द स्टडी आफ सोशल सिस्टम/एस.एस.एस. और ला ट्राब यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया में संयुक्त रूप से आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इश्यूज आफ कंसर्न फार रिसर्च ऐंड स्टडीज इन कंटेम्पोरॅरि इंटरनेशनल रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- यू.एस. बावा ने 28 फरवरी 2005 को कोनराड एडेन्यूर स्टिफ्टंग, बर्लिन, जर्मनी में आयोजित 'इण्डिया'स न्यू रोल इन एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- यू.एस. बावा ने 26 फरवरी 2005 को 100ईयर्स आफ रोटरी, मेमन्जीन, जर्मनी में आयोजित 'AuBenansicht-Globalisierung und Entwicklungspolitik aus der Sicht eines Schwellenlandes' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- यू.एस. बावा ने 18 से 19 फरवरी 2005 तक जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित इण्डिया–यूरोप स्ट्रेटिजिक परिचर्चा में भाग लिया तथा 'कंसिक्वेंसिस आफ द यूरोपीयन एनलार्जमेंट आन द कामन फारेन ऐंड सिक्यूरिटी पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- यू.एस. बावा ने 15 से 16 दिसम्बर 2004 तक इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, यूनिवर्सिटी आफ ब्राजिलिया, ब्राजील में आयोजित 'द रोल आफ इमर्जिंग पावर्स इन इंटरनेशनल सिक्यूरिटी : आई.बी.एस.ए.' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- यू.एस. बावा ने 6 से 7 सितम्बर 2004 तक यूरोपीय यूनियन, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'द इ.यू. फार इण्डियन मीडिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- यू.एस. बावा ने 5–9 जुलाई 2004 तक विल्टन पार्क, यूनाइटिड किंग्डम द्वारा आयोजित 'विल्टन पार्क साउथ एशिया फोरम IV: द न्यू सिक्यूरिटी एजेन्डा इन साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- यू.एस. बावा ने 14 से 21 जून 2004 तक सेल्जबर्ग, आस्ट्रेलिया में आयोजित 'रिइंवेंटिंग द वेस्ट : रिडिफाइनिंग द ट्रांस्टलेंटिक रिलेशनशिप' विषयक 418वें सत्र में भाग लिया।
- यू.एस. बावा ने 21 अप्रैल 2004 को नई दिल्ली में स्वीडन दूतावास द्वारा स्वीडन विदेशी अधिकारियों के लिए 'इण्डिया शाइनिंग' विषयक गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।

nf{k.k] e/;] nf{k.k&iwo ,f'k;kbl vkj nf{k.k&if'peh egklkxjh; v/;;u dsUn

- संजय भारद्वाज ने 25 अक्टूबर 2004 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में आयोजित 'एशिया फार फारेन डिप्लोमेट्स' विषयक तीसरे उच्च पाठ्यक्रम में भाग लिया तथा 'बंग्लादेश' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संजय भारद्वाज ने 17 से 18 जनवरी 2005 तक इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली और सेंटर फार पालिसी डायलाग, ढाका द्वारा आयोजित 'इण्डो–बंगलादेश डायलाग' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- अम्बरीश ढाका ने 3 से 4 दिसम्बर 2004 तक यूनिवर्सिटी आफ वर्ल्ड इकोनामी ऐंड डिप्लोमेसी,ताशकन्द, उज्बेगिस्तान में आयोजित 'मैकिन्डर'स हर्टलैण्ड ऐंड द सेटिंग आफ जिओपालिटिकल टिट्राहेड्रान' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- अम्बरीश ढाका ने 28 से 29 मार्च 2005 तक गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित 'रशिया–कजाकिस्तान–चाइना : लुकिंग बियांड एससीओ' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- अम्बरीश ढाका ने 5 से 7 नवम्बर 2005 तक रोहतक विश्वविद्यालय, रोहतक में आल इण्डिया जिओग्राफर्स के 'सर हलफोर्ड मैकिन्डर ऐंड इट्स हर्टलैण्ड थीअरि' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- अम्बरीश ढाका ने 4 से 5 फरवरी 2005 तक अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'अर्ली एक्सप्लोरेशंस आफ द हिमालयाज बाई द रायल जिओग्राफिकल सोसायटी इन ब्रिटिश इण्डिया (1850–1925)' विषयक सम्मेलन

में भाग लिया।

- गंगनाथ झा ने 22 से 24 अगस्त 2004 तक रिदप इंस्टीट्यूट, जर्कार्ता में आयोजित 'कंटेम्पोरॅरि इस्लामिक मूवमेंट्स इन द साउथ ऐंड साउथईस्ट एशियन रीजन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- गंगनाथ झा ने 28 से 30 अप्रैल 2004 तक आईआईएएस, शिमला में आयोजित 'डेमोक्रेटिक लैण्डस्केप आफ साउथईस्ट एशिया ऐंड द टास्क आफ नेशन बिल्डिंग' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- मनमोहिनी कौल ने 25 नवम्बर 2004 को सेंटर फार सिक्यूरिटी एनालिसिस ऐंड हैन्स सीडल फाउन्डेशन, चैन्नई द्वारा आयोजित 'सिक्यूरिटी डायमेंशंस आफ इण्डिया ऐंड साउथईस्ट एशिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इण्डियन पर्सपेक्टिव्स आफ सिक्यूरिटी डायमेंशंस आफ इण्डिया ऐंड साउथईस्ट एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मनमोहिनी कौल ने 30 अक्टूबर 2004 को इंस्टीट्यूट फार डिफेंस स्टडीज ऐंड एनालिसिस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सम्मेलन में 'द रोल आफ द मिलिट्री इन म्यंमार' शीर्षक सत्र की परिचर्चा की।
- मनमोहिनी कौल ने 13 अक्टूबर 2004 को द इण्डियन काउंसिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स और सीएससीएपी – इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कोआपरेशन इन कम्बेटिंग टेररिज्म इन द बे आफ बंगाल (बिमस्टेक) रीजन : चैलेंजिस ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक संगोष्ठी में शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मनमोहिनी कौल ने मई 2004 में उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'साउथईस्ट एशिया पर्सपेक्टिव्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'डेमोक्रेटिक लैण्डस्केप आफ साउथईस्ट एशिया ऐंड द टास्क आफ नेशन बिल्डिंग प्राब्लम्स ऐंड पर्सपेक्टिव्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.पी. लामा ने 17 से 30 मई 2004 तक सीपीडी–एसएसीइपी, ढाका द्वारा आयोजित क्षेत्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'एनर्जी कोआपरेशन अपरच्युनिटीज इन साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.पी. लामा ने 25 से 26 जुलाई 2004 तक आर.एम.एम.आर.यू., ढाका यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित इरैगुलर पाप्यूलेशन मूवमेंट्स : नान ट्रेडिशनल इश्यू इन साउथ इण्डियन सिक्यूरिटी डिस्कोर्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- एम.पी. लामा ने 24 से 26 सितम्बर 2004 तक बंगलादेश इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल ऐंड स्ट्रेटिजिक स्टडीज, ढाका द्वारा आयोजित 'ह्यूमन सिक्यूरिटी इन साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ह्यूमन सिक्यूरिटी इन इण्डिया : डिस्कोर्स प्रक्टिसिस ऐंड पालिसी इंप्लिकेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.पी. लामा ने 2 अक्टूबर 2004 को साउथ एशियन एसोसिएशन आफ जापान, हिटोटसुबाशी यूनिवर्सिटी, टोकियो द्वारा आयोजित वार्षिक बैठक में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड बाडर्स इन साउथ एशिया : नेवर कंसर्न्स ऐंड अपरच्युनिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.पी. लामा ने 11 से 13 अक्टूबर 2004 तक लन्दन में आयोजित 'साउथ एशिया : वाट आर द बेनिफिट्स आफ रीजनल इकोनामिक कोआपरेशन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- एम.पी. लामा ने 4 दिसम्बर 2004 को सोफिया सीओइ द्वारा सोफिया यूनिवर्सिटी, टोकियो में आयोजित 'एक्सपेंडिंग कंफ्लिक्ट्स ऐंड रिफ्यूजीस : विल ग्लोबलाइजेशन प्रोसिस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कंफ्लिक्ट ऐंड रिफ्यूजीस इन साउथ एशिया : चैलेंजिस इन द ग्लोबलाइजेशन प्रोसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.पी. लामा ने 11 फरवरी 2005 को ओसाका विश्वविद्यालय, हकुने में आयोजित वार्षिक शोध बैठक में भाग लिया तथा 'हाउ ए स्माल हिमालयन स्टेट मोबिलाइसिस ऐंड यूटिलाइजिज इट्स मानेट्री रिसोर्सिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 31 अगस्त 2004 को आरआईएसएसएसीइपीएस में नान–एलाइन्ड ऐंड अदर डिवलपिंग कंट्रीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सार्क–पोस्ट इस्लामाबाद चैलेंजिस' विषयक क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा साफ्टा : प्रास्पेक्ट्स ऐंड चैलेंजिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 18 से 19 जनवरी 2005 तक इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली और सेंटर फार पालिसी डायलाग, ढाका द्वारा संयुक्त रूप से नई दिल्ली में आयोजित इण्डो–बंग्लादेश डायलाग में भाग लिया तथा

'इण्डो–बंग्लादेश ट्रेड : एनालाइजिंग इम्पैक्ट आफ ट्रेड प्रिफरेन्स आन ग्राथ ऐंड स्ट्रक्चर आफ बाइलैट्रल ट्रेड' शीर्षक शीर्ष आलेख प्रस्तुत किया।

- आई.एन. मुखर्जी ने 6 जनवरी 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में इण्डिया'स रोल इन ए पोटेन्शल साउथ एशियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 28 फरवरी 2005 को फाउन्डेशन आफ सार्क राइटर्स ऐंड लिट्रेचर द्वारा अकादमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में आयोजित 'कंटेम्पोरॅरि इश्यूज ऐंड फ्यूचर प्रास्पेक्ट्स आफ सार्क' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 5 मार्च 2005 को रिसर्च ऐंड इनफार्मेशन सिस्टम फार नान एलाइन्ड ऐंड अदर डिवलपिंग कंट्रीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सीमा शुल्क आयोग, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को 'प्रिफ्रेंशल ट्रेडिंग अरेंजमेंट्स इन साउथ एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 25 मार्च 2005 को पंजाब स्कूल आफ इकोनामिक्स, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित 'इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'प्रोटेक्शन आफ ट्रेडिशनल नालेज : द मिशिंग लिंक इन ट्रिप्स एग्रीमेंट्स' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 26 से 29 सितम्बर 2004 तक बंग्लादेश इंस्टीट्यूट फार स्ट्रेटिजिक स्टडीज, ढाका, बंग्लादेश द्वारा आयोजित तथा फोर्ड फाउन्डेशन द्वारा प्रायोजित 'ह्यूमन सिक्युरिटी इन साउथ एशिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 10 से 12 जनवरी 2005 तक पाकिस्तान सोसायटी आफ डिवलपमेंट इकोनामिस्ट्स, इस्लामाबाद की 20वीं वार्षिक बैठक में भाग लिया तथा 'साउथ एशियन प्रिफरेंशियल ट्रेडिंग अरेंजमेंट ऐंड इण्डो–पाकिस्तान ट्रेड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 10 से 12 जनवरी 2005 तक पाकिस्तान सोसायटी आफ डिवपलमेंट इकोनामिस्ट्स, इस्लामाबाद की 20वीं वार्षिक बैठक में सुश्री उल्ला कलब्लेशिच कोस्पिर द्वारा प्रस्तुत, भाग लिया तथा 'इंस्टीट्यूशनल प्रिरिक्विजिस्ट्स फार रीजनल इंटिग्रेशन : द इक्सपिरिअन्स ऐंड लैशंस टु लर्न फार सार्क' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी. राजमोहन ने 20 से 21 अप्रैल 2004 तक इस्लामाबाद पालिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट, इस्लामाबाद द्वारा आयोजित 'आर्म्स रेस ऐंड न्यूक्लियर डिवलपमेंट्स इन साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- सी. राजमोहन ने 26 मई 2004 को नोबल इंस्टीट्यूट, ओसलो, नैरोबी द्वारा आयोजित 'इण्डिया इन द टवेन्टीफर्स्ट सेंचुरी : ए मेजर ग्लोबल पावर' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- सी. राजमोहन ने 7 से 9 जून 2004 तक इंस्टीट्यूट आफ रीजनल स्टडीज, इस्लामाबाद द्वारा आयोजित 'प्रास्पेक्ट्स आफ पीस, स्टेबिलिटी ऐंड प्रास्पैरिटी इन साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- सी. राजमोहन ने 17 से 19 जून 2004 तक शिकागो काउंसिल आन फारेन रिलेशंस, शिकागो द्वारा आयोजित 'अमेरिका ऐंड द वर्ल्ड 2004' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- सी. राजमोहन ने 17 से 19 जुलाई 2004 तक बंग्लादेश इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल स्टडीज, ढाका द्वारा आयोजित 'सार्क : टुवर्डस द थर्टीन्थ समिट' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- सी. राजमोहन ने नवम्बर 2004 में शंघाई इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल स्टडीज, शंघाई द्वारा आयोजित 'चाइना ऐंड साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- सी. राजमोहन ने फरवरी 2005 में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ स्ट्रेटिजिक स्टडीज, लन्दन, मस्कट, ओमान द्वारा आयोजित 'साउथ एशियन सिक्युरिटी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- सी. राजमोहन ने 24 फरवरी से 5 मार्च 2005 तक रीजनल सेंटर फार स्ट्रेटिजिक स्टडीज, कोलम्बो द्वारा लाहौर में आयोजित 'डिफेंस टेक्नोलाजी ऐंड कोआपरेटिव सिक्यूरिटी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- के. वारिकू ने 29 जुलाई से 7 अगस्त 2004 तक जिनेवा में आयोजित 'ह्यूमन राइट्स' विषयक यूएन सब कमीशन

के 60वें सत्र में भाग लिया।

- के. वारिकू ने 11 अक्टूबर 2004 को कोलकाता में आयोजित 'पंचशील रेट्रोस्पेक्ट ऐंड प्रोस्पेक्ट विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'पंचशील ऐंड स्ट्रेंथनिंग साइनो–इण्डियन रिलेशंस इन द कंटेम्पोरॅरि सिचुएशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. वारिकू ने 25 से 27 अक्टूबर 2004 तक आईआईएएस, शिमला में आयोजित 'इण्डिया ऐंड एशिया : एस्थेटिक डिस्कोर्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इण्डिया ऐंड सेंट्रल एशिया : एस्थेटिक डिस्कोर्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इंडिया ऐंड सेंट्रल एशिया : हिस्टोरिको–कल्चरल कांटेक्स्ट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुन्दररमन शंकरी ने 22 से 23 मार्च 2005 तक अकादमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज द्वारा जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में आयोजित 'द रोल आफ द यूनाइटिड नेशंस इन कंफ्लिक्ट रिजोल्युशन इन द थर्ड वर्ल्ड' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'रोल आफ यू.एन. इन द कम्बोडियन कंफ्लिक्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुन्दररमन शंकरी ने 27 से 29 जनवरी 2005 तक इंस्टीट्यूट फार डिफेंस स्टडीज ऐंड एनालिसिस (आईडीएसए) नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सिक्यूरिटी चैलेंज टु ईस्ट एशिया' विषयक एशियन सिक्यूरिटी सम्मेलन में भाग लिया।
- सुन्दररमन शंकरी ने 28 जुलाई 2004 को सीएससीएपी इण्डिया चैप्टर और इण्डियन कांउसिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डोनेशियन इलैक्शंस–2004' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इलैक्शंस इन इण्डोनेशिया : फर्दरिंग द प्रोसिस आफ डेमोक्रेटाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुन्दररमन शंकरी ने 3 से 4 मई 2004तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा प्रायोजित नई दिल्ली में 'पर्सपेक्टिव्स आन साउथईस्ट एशिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- सुन्दररमन शंकरी ने 29 अप्रैल 2004 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू विदेश मंत्रालय, आईसीडब्ल्यूए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इमर्जिंग एशिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इमर्जिंग चैलेंजिस टु पालिटिक्स ऐंड सिक्यूरिटी इन साउथईस्ट एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुन्दररमन शंकरी ने 9 अप्रैल 2004 को डिविजन आफ साउथईस्ट एशिया ऐंड साउथवेस्ट पेस्फिक स्टडीज' नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'टेरॅरिज्म इन साउथईस्ट एशिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'साउथईस्ट एशिया'स रिस्पांसिस टु टेरॅरिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

jktu;] vUrjk"Vh; fof/k vkj vFk'kkL= v/;;u dUn

- मनमोहन अग्रवाल ने 19 मार्च 2005 को जेएनयू में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा (मनमोहन अग्रवाल और दीपांकर सेनगुप्ता द्वारा सम्पादित आगामी पुस्तक शामिल है), ग्रोथ इन लैटिन अमेरिका ऐंड लिबरलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मनमोहन अग्रवाल ने 2004 में अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में आयोजित डब्ल्यू.टी.ओ. : इण्डिया'ज कंसंर्स पोस्ट कानकुन में 'एनवायरनमेंटल रेगुलेशंस ऐंड ट्रेड' शीर्षक आलेख (गोपाल लाडेकोडी और अरबिन्द मिश्रा के साथ) प्रस्तुत किया।
- मनमोहन अग्रवाल ने हैदराबाद में आयोजित आईसीएफएआई की संगोष्ठी में भाग लिया तथा (कुसुम डब्ल्यू केतकर और गिरीश के. सिंह के साथ), 'फाइनेंशल सैक्टर रिफार्म्स ऐंड द चैलेंजिस फेस्ड बाई इण्डियन बैंक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मनमोहन अग्रवाल ने 2004 में गुवाहाटी में आयोजित 'डब्ल्यूटीओ' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इण्डिया ऐंड कोलिशन फार्मेशन इन मल्टिलेट्रल ट्रेड निगोसिएशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- योगेश त्यागी ने 10 दिसम्बर 2004 को आयोजित 'ह्यूमन राइट्स ऐंड सोशल जस्टिस इन इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- योगेश त्यागी ने 23 फरवरी 2005 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में आयोजित 'जापान ऐंड ईस्ट एशिया इंप्लिकेशंस फार रैपिड चेंज फार इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- योगेश त्यागी ने 18 मार्च 2005 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में आयोजित 'क्योटो प्रोटोकोल : द एन्ट्री इनटु फोर्स ऐंड बियान्ड' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- योगेश त्यागी ने 19 से 20 मार्च 2005 तक विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड सस्टेनेबल गुड्स गोरसेन्स, अपरच्युनिटीज ऐंड चैलेंजिज' अन्तर–विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- मनोज पंत ने 30 मई 2004 को एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कालेज आफ इण्डिया द्वारा आयोजित (एएससीआई और यूरोपीयन डेलिगेशन टु साउथ एशिया द्वारा प्रायोजित) सम्मेलन में भाग लिया तथा 'द मल्टिलेट्रल इनवेस्टमेंट एग्रीमेंट : रिलेवेन्स फार डिवलपिंग कंट्रीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मनोज पंत ने 17 जून 2004 को साओ पाउलो ब्राजील में आयोजित अंकटाड के XIवें सम्मेलन में भाग लिया तथा 'द रोल आफ यूनिवर्सिटीज फार पालिसी एडवाइस ऐंड देयर कैपेसिटी टु रिलेट अकादमिक रिसर्च टु पालिटिकल नीड्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मनोज पंत ने अगस्त 2004 में काटन कालेज, गुवाहाटी में आयोजित आउटरीच प्रोग्राम के अन्तर्गत जेएनयू द्वारा प्रायोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'मिलेनियम राउन्ड आफ ट्रेड निगोसिएशन्स : ए डिवलपिंग कंट्री पर्सपेक्टिव्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमित एस. रे ने अक्टूबर 2004 में अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू,नई दिल्ली में आयोजित 'डब्ल्यूटीओ निगोसिएशंस : इण्डिया'स पोस्ट–कैनकम कंसर्न्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- अमित एस. रे ने अक्टूबर 2004 में अर्थशास्त्र विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, आसाम में आयोजित, आईपीआर; विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- अमित एस. रे ने अगस्त 2004 में काटन कालेज, गुवाहाटी में आयोजित, 'डब्ल्यूटीओ' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- अमित एस. रे ने जुलाई 2004 में एसएसएम कालेज, जलगांव, महाराष्ट्र में आयोजित 'आईपीआर' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- गुरूबचन सिंह ने 31 मार्च से 1 अप्रैल 2005 तक विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'ला इकोनामिक्स ऐंड डिवलपमेंट' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'बैंक रन्स, स्पैक्युलेशन लेन्डर आफ लास्ट रिसोर्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरूबचन सिंह ने 19 से 21 दिसम्बर 2004 तक इण्डियन स्कूल आफ बिजनेस, हैदराबाद में आयोजित 'बैंक रन्स कैपिटल एडिकेसी ऐंड ला आफ क्रेडिट' (शुभाशीष गंगोपाध्याय के साथ) विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- गुरूबचन सिंह ने 4 दिसम्बर 2004 को एमिटी सेंटर, एमिटी यूनिवर्सिटी,दिल्ली में आयोजित 'वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन आफ एमिटी इंस्टीट्यूट आफ ग्लोबल लीगल एज्यूकेशन ऐंड रिसर्च' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'बैंकिग : द रोड अहेड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरूबचन सिंह ने 2004 में भारतीय सांख्याकीय संस्थान दिल्ली में आयोजित 'बैंक रन्स सस्पेंशन आफ कनवर्टिबिलिटी, लेन्डर आफ लास्ट रिसोर्ट ऐंड इनएबलिंग लॉज' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- गुरूबचन सिंह ने अगस्त–अक्टूबर 2004 में भारतीय सांख्यकीय संस्थान, दिल्ली में आयोजित 'फाइनेन्स ऐंड डिवलपमेंट' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- गुरूबचन सिंह ने दिसम्बर 2004 में भारतीय सांख्यकीय संस्थान, दिल्ली में आयोजित 'मैक्रोइकोनामिक्स ऐंड डिवलपमेंट' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- गुरूबचन सिंह ने 29 अक्टूबर 2004 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में आयोजित 'इण्डिया'स ड्राफ्ट एनवायरनमेंट पालिसी' विषयक गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- गुरूबचन सिंह ने 27 से 28 जनवरी 2005 तक अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में आयोजित 'इण्डिया ऐंड द डब्ल्यूटीओ : द फर्स्ट डिकेड ऐंड बियांड' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- गुरूबचन सिंह ने 18 फरवरी 2005 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में आयोजित 'बगलिहार प्रोजक्ट ऐंड इंडस वाटर ट्रीटी' विषयक गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- गुरूबचन सिंह ने 18 मार्च 2005 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में आयोजित 'क्योटो प्रोटोकाल : एन्ट्री इनटू फोर्स ऐंड बियांड' विषयक गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।

- संगीता बंसल ने 23 नवम्बर 2004को आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र,जेएनयू में आयोजित 'इनसेटिव्स फार टेक्नालाजिकल डिवलपमेंट इन द प्रिजेन्स आफ ग्रीन कंज्यूमर्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- संगीता बंसल ने 18 से 19 अक्टूबर 2004 तक आईटीडी, जेएनयू द्वारा आयोजित 'डब्ल्यूटीओ निगोसिएशंस : इण्डिया'स पोस्ट कैकम कर्सन्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- संगीता बंसल ने 1 से 7 जुलाई 2004 तक वेनिस, इटली द्वारा आयोजित 'इंसेटिव्स फार टेक्नोलाजी डिवलपमेंट इन द प्रिजेन्स आफ ग्रीन कंज्यूमर्स : वैट इज बैड' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

vUrjk"Vh; jktuhfr] lxBu vkj fujL=hdj.k dUn

- सी.एस.आर. मूर्ति ने 6 से 8 फरवरी 2005 तक इंस्टीट्यूट फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, मानेसर में आयोजित 'इमर्जिंग चैलेंजिस इन यूएन पीसकीपिंगि' विषयक इण्डो–जेपनीज परिचर्चा में भाग लिया।
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 23 से 25 नवम्बर 2004 तक एकार्ड यूएन यूनिवर्सिटी, कैपटाउन, साउथ अफ्रीका में आयोजित, 'अनइंटेंडिड कंसिक्वेंसिस आफ पीसकीपिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'इण्डिया ऐज ए ट्रूप कंट्रीब्युटिंग कंट्री' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 1–3 जुलाई 2004 तक यूनाइटिड नेशंस फाउन्डेशन और इंस्टीट्यूट आफ पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'यूनाटिड नेशंस ऐंड द न्यू थ्रेट्स : रिथिंकिंग सिक्यूरिटी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 29 अप्रैल 2004 को नई दिल्ली में आयोजित 'इण्डिया ऐंड इमर्जिंग एशिया' विषयक एस.आई.एस.–एम.ई.ए. की संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'साउथ एशिया' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- वरूण साहनी ने 21 से 24 मार्च 2005 तक एशिया सोसायटी और द कम्बोडियन इंस्टीट्यूट फार कोआपरेशन ऐंड पीस, सीम रिप, कम्बोडिया द्वारा आयोजित 'ट्वेंटीफर्स्ट सेंचुरी : इमेजनिंग द फ्युचर विषयक 33वीं विलियम्सबर्ग सम्मेलन में भाग लिया।
- वरूण साहनी ने 12 मार्च 2005 को यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया इंस्टीट्यूट फार द एडवांस्ड स्टडी आफ इंडिया द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'इंटरनेशनल रिलेशंस थीअरि ऐंड साउथ एशिया' विषयक यूपीआइएएसआई की परियोजना में भाग लिया तथा 'प्रिसेप्शंस ऐंड द कंस्ट्रक्शन आफ इमेज्स' शीर्षक पैनलII की परिचर्चा अध्यक्षता की।
- वरूण साहनी ने 25 फरवरी 2005 को द रीजनल सेंटर फार स्ट्रेटिजिक स्टडीज,कोलम्बो द्वारा लाहौर, पाकिस्तान में आयोजित 'डिफेंस टेक्नोलाजी ऐंड कोआपरेटिव सिक्यूरिटी इन साउथ एशिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'न्यूक्लियर पालिसीज आफ चाइना, इण्डिया ऐंड पाकिस्तान' और 'न्यूक्लियर डिडरेन्स : हाऊ इफैक्टिव ? एट वाट कास्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वरूण साहनी ने 18 फरवरी 2005 को सेंटर फार स्ट्रेटिजिक ऐंड रीजनल स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ जम्मू, जम्मू द्वारा आयोजित इण्डिया–यूरोप स्ट्रेटिजिक डायलाग 2005 में भाग लिया तथा 'यू.एस. फारेन पालिसी इन द सेकण्ड बुश एडमिनिस्ट्रेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वरूण साहनी ने 16 फरवरी 2005 को काउंसिल आन फारेन रिलेशंस, न्यूयार्क द्वारा इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'इण्डिया, पाकिस्तान ऐंड कश्मीर' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- वरूण साहनी ने 4 फरवरी 2005 को बालूसा ग्रुप और सेंटर फार रिसर्च इन रूरल ऐंड इंडस्ट्रियल डिवलपमेंट, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित 'इण्डिया–पाकिस्तान' परिचर्चा में भाग लिया।
- वरूण साहनी ने 14 जनवरी 2005 को इंस्टीट्यूट फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज और द कोनराड अडेन्यूर फाउन्डेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ए नाटो–इण्डिया स्ट्रेटिजिक' परिचर्चा में भाग लिया तथा 'नाटो–इण्डिया कोआपरेशन इन द वार आन टेरॅर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वरूण साहनी ने 24 नवम्बर 2004 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी फार पीस आफ यूनाइटिड नेशंस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एज्यूकेशन फार पीस बिल्डिंग ऐंड कंफ्लिक्ट रिजोल्युशन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'रोल आफ मिलिट्री इन डिवलपिंग सिविक/मिलिट्री कोआपरेशन टु प्रिवेन्ट कंफ्लिक्ट' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।

- वरूण साहनी ने 20 नवम्बर 2004 को फेड्रिक–ऐबर्ट स्टिफटंग, बेंटोटा, श्रीलंका द्वारा आयोजित 'इण्डिया–पाकिस्तान : रोडमैप फार पीस ऐंड स्टेबिलिटी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा रीजनल कंटेक्स्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वरूण साहनी ने 30 अक्टूबर 2004 को वुमन इन सिक्यूरिटी कंफ्लिक्ट मैनेजमेंट ऐंड पीस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'नान–ट्रेडिशनल सिक्यूरिटी फार्म्युलेशंस : जेंडर ऐंड साउथ एशिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'जेंडर ऐंड टेरॅरिज्म : ए साउथ एशियन पर्सपेक्टिव' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- वरूण साहनी ने 12 अक्टूबर 2004 को यूनाइटिड सर्विस इंस्टीट्यूशंस आफ इण्डिया – सेंटर फार यूनाइटिड नेशंस पीसकीपिंग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'फ्युचर आफ पीस आप्रेशंस : इंप्लिकेशंस फार इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इंटेंशनेलिटी बिफोर इंस्ट्रूमेंटेलिटी : एन इंटग्रेटिड अप्रोच टु पीसकीपिंग आपरेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वरूण साहनी ने 8 अक्टूबर 2004 को द साउथ एशियन स्ट्रेटिजिक स्टेबिलिटी यूनिट, डिपार्टमेंट आफ पीस स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ ब्राडफोर्ड द्वारा आयोजित 'टुवर्डस स्ट्रेटिजिक स्टेबिलिटी इन साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इन्साइट आउट आर आउटसाइट इन ? एन इण्डियन पर्सपेक्टिव आन स्टेट, सोसायटी, स्ट्रेटिजिक स्टेबिलिटी ऐंड सरप्राइज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वरूण साहनी ने 28 सितम्बर 2005 को यूनाइटिड स्टेट्स एज्यूकेशनल फाउंडेशन इन इण्डिया और क्री फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मैरी इजाबेल कैवरियर, 'इवैल्युएटिंग इंप्लिमेंटेशन : ट्रीटीज गवर्निंग बायोलाजिकल ऐंड केमिकल वेपन्स' विषयक फुलब्राइट व्याख्यानमाला में उद्घाटन व्याख्यान दिया तथा सत्र की अध्यक्षता की।
- वरूण साहनी ने 21 से 22 सितम्बर 2004 तक फेड्रिक ऐबर्ट स्टिफटंग Wissenschaft und Politik बर्लिन द्वारा आयोजित 'ग्लोबल गवर्नेन्स चैलेंजिस, सिक्यूरिटी इन ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड : ग्लोबल अनगवर्नेन्स आर न्यू स्ट्रेटिजीस फार पीस ऐंड सिक्यूरिटी ?' विषयक चौथे एफ.ई.एस.–एस.डब्ल्यू.पी. नार्थ–साउथ विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- वरूण साहनी ने 15 जुलाई 2004 को यूनिवर्सिटी आफ पेंसलवानिया, इंस्टीट्यूट फार द एडवांस्ड स्टडी आफ इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल रिलेशंस थीअरि ऐंड साउथ एशिया' विषयक तीसरी कार्यशाला में भाग लिया तथा 'थ्रू कंसेंट नाट कंट्रोल : मूविंग फ्राम रीजनल पावर टु रीजनल लीडरशिप' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वरूण साहनी ने 7 से 9 जून 2004 तक क्षेत्रीय अध्ययन संस्थान, इस्लामाबाद द्वारा आयोजित 'प्रोस्पेक्ट्स आफ पीस, स्टेबिलिटी ऐंड प्रास्पैरिटी इन साउथ एशिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'प्राइमेसी, डोमिनेन्स ऐंड सुपरमेसी : ए कम्पैरिजन आफ द रीजनल सिक्युरिटी कंटेक्स्ट आफ ब्राजील, इण्डिया ऐंड साउथ अफ्रीका' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वरूण साहनी ने 5 मई 2004 को Centre d'Eyudes et de Recherches Internationales, पेरिस द्वारा आयोजित इण्डिया यूरोप विषयक परिचर्चा में भाग लिया तथा 'यूरोप ऐज ए इंटरनेशनल एक्टर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वरूण साहनी ने 3 मई 2004 को Stiftung Wissenschaft und Politik,बर्लिन द्वारा आयोजित 'फारेन ऐंड सिक्यूरिटी पालिसी इन इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया
- वरूण साहनी ने 23 अप्रैल 2004 को इण्डियन काउंसिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'द फ्युचर आफ ट्रान्स–अटलांटिक रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- वरूण साहनी ने 20 से 21 अप्रैल 2004 तक इस्लामाबाद पालिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट और द हैन्स सीडल फाउन्डेशन, इस्लामाबाद द्वारा आयोजित 'आर्म्स रेस ऐंड न्यूक्लियर डिवपलमेंट्स इन साउथ एशिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'स्टेबिलिटी – इनस्टेबिलिटी : एन इण्डियन व्यू : शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 7 मई 2004 को काउंसिल आन सिक्यूरिटी ऐंड कोआपरेशन इन एशिया पेसिफिक और इण्डियन काउंसिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'चाइना ऐज द ग्रोविंग पावर इन साउथईस्ट एशिया' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।

- स्वर्ण सिंह ने 10 मई 2004 को रक्षा सेवा स्टाफ कालेज, विलिंग्टन, तमिलनाडु के अधिकारियों के लिए 'स्टडी आफ चाइना' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 15 से 16 जुलाई 2004 तक यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया, इंस्टीट्यूट फार द एडवांस स्टडी आफ इण्डिया, इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'इंटरनेशनल रिलेशंस थीअरि ऐंड साउथ एशिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'डोमेस्टिक पालिटिक्स, रीजनल/ग्लोबल स्ट्रक्चर्स ऐंड फारेन पालिसी' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- स्वर्ण सिंह ने 21 अगस्त 2004 को ईस्ट एशियन इंस्टीट्यूट, नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर, सिंगापुर द्वारा 'इण्डियन पर्सपेक्टिव आन चाइना' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 23 से 24 अगस्त, 2004 तक बीजिंग द्वारा आयोजित 'द हार्मनी ऐंड प्रास्पैरिटी आफ सिविलाइजेशंस' विषयक बीजिंग फोरम के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इण्डिया–चाइना रिलेशंस : रिवाइविंग द कंफिडेन्स बिल्डिंग मेजर्स अप्रोच' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 9 सितम्बर 2004 को रक्षा सेवा स्टाफ कालेज विलिंग्टन,तमिलनाडु के अधिकारियों के लिए 'चाइना'स स्ट्रेटिजिक विजन ऐंड इण्डिया–चाइना रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 10 सितम्बर 2004 को कालेज आफ एअर वारफेयर, सिकन्दराबाद, आन्ध्रप्रदेश के अधिकारियों के लिए 'चाइना ऐज द ग्रेट पावर ऐंड न्यू एलाइन्सिस इन एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 13 से 15 सितम्बर 2004 तक बरमिंघम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कंफिडेन्स बिल्डिंग मेजर्स इन साउथ एशिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'न्यूक्लियर सीबीएम'स' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 8 अक्टूबर 2004 को कालेज आफ नेवल वारफेयर, मुम्बई के हायर नेवल कमाण्ड कोर्स के अधिकारियों के लिए 'चाइनीज स्ट्रेटजिक थाट' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 8 अक्टूबर 2004 को डिपार्टमेंट आफ सिविक्स ऐंड पालटिक्स, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई में 'इण्डियन पर्सपेक्टिव आन इण्डिया–चाइना रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 20 अक्टूबर 2004 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'उज्बेकिस्तान के प्रतिनिधि मण्डल को 'इण्डिया ऐंड डिस्आर्मामेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 27 अक्टूबर 2004 को नई दिल्ली में आयोजित भारत में यूरोपीय आयोग के प्रतिनिधि मण्डल को 'इण्डिया'स फारेन पालिसी ऐंड सिक्यूरिटी कंसर्न्स' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- स्वर्ण सिंह ने 6 नवम्बर 2004 को हायर एअर कमाण्ड कोर्स, कालेज आफ एअर वारफेयर, सिकन्दराबाद, हैदराबाद के छात्र अधिकारियों को 'चाइना स्ट्रेटिजिक रोल ऐंड चेंजिंग एलाइंसिस इन एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 7 से 8 नवम्बर 2004 तक एशिया स्कालरशिप फाउन्डेशन (बैंकाक, थाइलैण्ड) और यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया, इंस्टीट्यूट फार द एडवांस्ड स्टडी आफ इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित साउथ एशियन एशिया फैलोज अलुमिनी सम्मेलन में भाग लिया तथा 'चाइना–इण्डिया : प्रोस्पेक्ट्स फार बिल्डिंग म्युचुअल कंफिडेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 16 से 19 नवम्बर 2004 को ओमिओ कुमार दास इंस्टीट्यूट आफ सोशल चेंज ऐंड डिवलपमेंट, गुवाहाटी, आसाम द्वारा आयोजित 'टुवर्डस क्रास बार्डर कोआपरेशन इन इण्डिया'स नार्थईस्ट : टेस्टिंग द इफिकेसी आफ ब्रिज ऐंड बफर माडल्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ट्रेड ऐंड इन्वेस्टमेंट इन साउथ ऐंड साउथईस्ट एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 23 से 24 नवम्बर 2004 को जेएनयू और यूपीइएसीई, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'एज्यूकेशन फार पीस बिल्डिंग ऐंड कंफ्लिक्ट रिजोल्युशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कंसेप्ट्स ऐंड ट्रेडिशंस आफ कफ्लिक्ट प्रिवेंशन ऐंड पीस बिल्डिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 10 से 11 दिसम्बर 2004 तक हैन्ससीड्ल फाउन्डेशन (नई दिल्ली) और सेंटर फार सिक्यूरिटी एनालिसिस (चेन्नई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'कंफ्लिक्ट रिजोल्युशन ऐंड पीस बिल्डिंग' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय

सम्मेलन में भाग लिया तथा 'पीस प्रोसिस श्रीलंका : ए थिएरेटिकल पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- स्वर्ण सिंह ने 17 से 19 दिसम्बर 2004 तक इन्दिरा गांधी नेशनल सेंटर फार आर्टस, नई दिल्ली और भास रिसर्च ऐंड पब्लिकेशन सेंटर (बड़ोदरा, गुजरात) द्वारा संयुक्त रूप से नई दिल्ली में आयोजित 'टुवर्डस हार्मनी : कंफ्लिक्ट रिजोल्युशन ऐंड रिकंसाइलेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कंफ्लिक्ट रिजोल्युशन ऐंड रिकंसाइलेशन : इंटरनेशनल रिलेशंस पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 6 से 7 जनवरी 2005 तक स्टेल्ला मेरिस कालेज, चेन्नई द्वारा आयोजित 'कम्प्रिहेंसिव सिक्यूरिटी इश्यूज ऐंड चैलेंजिस : एन इण्डियन पर्सपेक्टि' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ट्रेन्ड्स इनकनवेंशनल मिलिट्री पावर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 21 फरवरी 2005 को तीन मूर्ति, नई दिल्ली में रविन्द्र शर्मा द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रशिया–चाईना–इण्डिया स्ट्रेटिजिक ट्राइएंगल : फ्युचर प्रोस्पेक्टस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 22 से 24 फरवरी, 2005 तक जेएनयू–यूपीइएसीइ–जेएमआई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'कोर्स करिकुलम डिवलपंग आन पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- स्वर्ण सिंह ने 9 मार्च 2005 को दिल्ली पुलिस ग्रुप (नई दिल्ली) और पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 'इवोल्युशन आफ सिक्युरिटी स्टडीज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कम्प्रीहेंसिव सिक्युरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ऐशी चौयदान ने 6 अगस्त 2004 को इंटरनेशनल जूरिस्ट आर्गेनाइजेशन, इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ग्लोबल गवर्नेंस ऐंड ह्यूमन सिक्युरिटी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- ऐशी चौयदान (एन्ड्रेव स्कोबेल, फैकल्टी मैम्बर आफ आर्मी वार कालेज, यू.एस.ए. के साथ) ने 14 सितम्बर 2004 को इंस्टीट्यूट आफ पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'चाइना'स यूज आफ फोर्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- ऐशी चौयदान ने 28 अक्टूबर 2004 को अमेरिकन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'रोल आफ द इण्डियन अमेरिकन कम्यूनिटी इन यू.एस. नेशनल इलैक्शन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- ऐशी चौयदान ने 13 जनवरी 2005 को आब्जर्वर रिसर्च फाउन्डेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'तिब्बत ऐंड इट्स प्रिजेंट स्टेट्स' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- ऐशी चौयदान ने 30 नवम्बर से 3 दिसम्बर 2004 तक इंटरनेशनल फेडरेशन फार वर्ल्ड पीस, यांपियांग रिसोर्ट, साउथ कोरिया द्वारा आयोजित 'सेकण्ड वर्ल्ड असेम्बली आफ मंगोलियन पीपल्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ऐशी चौयदान ने 10 दिसम्बर 2004 को ह्यूमन राइट्स टीचिंग ऐंड रिसर्च, एस.आई.एस., जेएनयू द्वारा आयोजित 'ह्यूमन राइट्स ऐंड सोशल जस्टिस इन इण्डिया 2004' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'रोल आफ यूनाइटिड नेशंस इन प्रमोटिंग वुमन'स इंपावरमेंट : ए केस स्टडी आफ इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सिद्धार्थ मल्लावरपु ने 12 मार्च 2005 को यूनिवर्सिटी आफ पेंसलवानिया, इंस्टीट्यूट फार द एडवांस्ड स्टडी आफ इण्डिया, द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'इंटरनेशनल रिलेशंस थीअरि ऐंड साउथ एशिया' विषयक IVथी कार्यशाला में भाग लिया।
- राजेश राजगोपालन ने 9 से 10 दिसम्बर 2004 तक सेंटर फार सिक्यूरिटी एनालिसिस, चेन्नई द्वारा आयोजित 'कंफ्लिक्ट रिजोल्यूशन ऐंड पीस बिल्डिंग' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'अंडरस्टेंडिंग सब–नेशनल ऐंड इंटरनेशनल कंफ्लिक्ट्स इन साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेश राजगोपालन ने 17 नवम्बर 2004 को इंस्टीट्यूट आफ पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एस्केलेशन कंट्रोल इन ए न्यूक्लियर एनवायरनमेंट' विषयक सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेश राजगोपालन ने 10 सितम्बर 2004 को सेंटर फार स्ट्रेटिजिक ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कंवेंशनल आर्म्स कंट्रोल ऐंड डिस्आर्मामेंट डिबेट इन इण्डिया विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा कंवेंशनल

आर्म्स कंट्रोल इश्यूज इन साउथ एशिया’ शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- राजेश राजगोपालन ने 8 सितम्बर 2004 को राजनीति विज्ञान विभाग, गार्गी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित ‘डिस्आर्मामेंट’ विषयक व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 30 से 31 अगस्त 2004 तक एडमिरल (सेवानिवृत्ति) राजा मेनन द्वारा दिल्ली पुलिस ग्रुप, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ‘न्यूक्लियर वेपन्स ऐंड सिक्यूरिटी’ विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा ‘न्यूक्लियर डाक्ट्रिन : हिस्टोरिकल आस्पेक्ट्स ऐंड फोर्स स्ट्रक्चर्स– शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेश राजगोपालन ने 3 अगस्त 2004 को सेंटर फार सिक्यूरिटी एनालिसिस, चेन्नई और दिल्ली पुलिस ग्रुप, नई दिल्ली द्वारा चेन्नई में आयोजित ‘द प्रालिफरेशन सिक्युरिटी इनिसिएटिव’ विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा ‘द फ्युचर आफ न्यूक्लियर प्रालिफरेशन’ शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेश राजगोपालन ने 13 जुलाई 2004 को सरदार बल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में आयोजित ‘न्यूक्लियर आर्म्स : चैलेंजिस टु नेशनल सिक्युरिटी ऐंड गवर्नेंस’ विषयक व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 15 मई 2004 को सेंटर फार स्ट्रेटिजिक ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ‘न्यूक्लियर नान–प्रालिफरेशन ऐंड एनर्जी : कंफ्लिक्ट आर कनवर्जेंस’ विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा ‘न्यूक्लियर फ्लक्स : न्यूक्लियर वेपन्स ऐंड प्रालिफरेशन ट्रेन्ड्स’ शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अर्चना नेगी ने 22 से 24 फरवरी 2005 तक नई दिल्ली में आयोजित ‘कंफ्लिक्ट रिजोल्यूशन ऐंड पीस स्टडीज’ विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- अर्चना नेगी ने 27 से 28 जनवरी 2005 तक नई दिल्ली में आयोजित ‘इण्डिया ऐंड द डब्ल्यूटीओ रिजीम : द फर्स्ट डिकेड ऐंड बियांड’ विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

if'peh ,f'k;kbZ vkSj vÝhdh v/;;u dsUnz

- गुलशन डायटल ने 1 से 3 अप्रैल 2004 तक जामिया मिल्लिया इस्लामिया और अंकटाड द्वारा आयोजित ‘डिवपलमेंट इन ओपन इकोनामीज’ विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- गुलशन डायटल ने 4 मई 2004 को आबजर्वर रिसर्च फाउन्डेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ‘जीसीसी ऐंड इण्डिया’ विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- गुलशन डायटल ने 21 मई 2004 को इण्डियन एसोसिएशन फार सेंट्रल ऐंड वेस्ट एशियन स्टडीज और आई.आई.सी. द्वारा आयोजित इराक : द नेक्स्ट स्टेज’ विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- गुलशन डायटल ने 23 जून 2004 को 44वें कोर्स, राष्ट्रीय रक्षा कालेज, नई दिल्ली में आयोजित ‘एनर्जी सिक्यूरिटी फार द फ्युचर’ विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन डायटल ने अगस्त 2004 में सेंटर फार सेंट्रल फार सेंट्रल एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ कश्मीर में आयोजित ‘एरिया स्टडीज’ सेंट्रल एशिया : एन ओवरव्यू’ इमर्जेन्स आफ ए ग्रेटर सेंट्रल/वेस्ट एशिया ?’ ‘द ग्रेट गेम इन सेन्ट्रल एशिया : द प्रजेंट कंट्रेस्ट’ और ‘इंडिया ऐंड सेंट्रल एशिया’ विषयक 5 व्याख्यान दिए।
- गुलशन डायटल ने 21 सितम्बर 2004 को कालिन्दी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में ‘इराक : द डिफाइनिंग इश्यू आफ अवर टाइम्स’ विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन डायटल ने 23 से 24 सितम्बर 2004 तक इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर : सीपीएस जेएनयू : मैक्समूलर भवन, सेंटर डे साइंसिस हयूमैनिस ऐंड ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित ‘टुवर्डस ए न्यू ग्लोबल आर्डर ? निओ कंजर्वेटिव थींकिंग, इम्पेरियल डिजाइन ऐंड मल्टिलेट्रल पर्सपेक्टिव्स’ विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- गुलशन डायटल ने 4 नवम्बर 2004 को आईडीएसए द्वारा आयोजित ‘इण्डिया’स इवोल्विंग रिलेशनशिप विद इजराइल : इम्पैक्ट आन इण्डिया वेस्ट एशियन टाइज’ विषयक भारतीय प्रशानिक अधिकारियों को व्याख्यान दिया।
- गुलशन डायटल ने 13 नवम्बर 2004 को सेंटर फार पब्लिक अफेयर्स और कोनराड अडेन्यूर स्टिफटंग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ‘टेररिज्म ऐंड द रूल आफ ला’ विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- गुलशन डायटल ने 4 दिसम्बर 2004 को आईडीएसए द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा ‘द यूज आफ

असेसिनेशन ऐज ए पालिसी टूल : द केस आफ इजराइल' शीर्षक आलेख के परिचर्चाकर्ता थे।

- गुलशन डायटल ने 13 दिसम्बर 2004 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित फिलिस्तीन के वरिष्ठ राजनायकों के विशेष कार्यक्रम में 'वेस्ट एशिया पीस प्रोसिस : द फिलिस्तीन इश्यू' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन डायटल ने 18 दिसम्बर 2004 को आईडीएसए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'एक्जामिनिंग वाटर ऐज ए सिक्यूरिटी इश्यू' शीर्षक आलेख के परिचर्चाकर्ता थे।
- गुलशन डायटल ने 9 से 11 फरवरी 2005 तक भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'तुर्किश ऐंड इण्डियन स्टडीज : एन अप्रेजल' विषयक इण्डो–तुर्की की संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'रीजन रीजनलिज्म ऐंड रीजनल स्टडीज : द तुर्किश चैलेंज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन डायटल ने 15 फरवरी 2005 को पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'वेस्ट एशियन स्टडीज : एन इम्पैरटिव आफ अवर टाइम' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन डायटल ने 5 मार्च 2005 को आईआईसी में आयोजित प्रो. हाकन वाइबर्ज द्वारा व्याख्यान 'वार फार वार'स सेक : पैन्टर्स आफ द यूज आफ यूएस मिलिट्री पावर इन द पोस्ट कोल्ड वार पीरियड' विषयक व्याख्यान की अध्यक्षता की।
- गुलशन डायटल ने 17 मार्च 2005 को इण्डियन एसोसिएशन फार सेंट्रल ऐंड वेस्ट एशियन स्टडीज, जेएनयू द्वारा आयोजित 'सेंट्रल एशिया : वाट इट मीन्स टु इण्डिया टुडे' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया।
- गुलशन डायटल ने 18 मार्च 2005 को इण्डियन एसोसिएशन फार सेंट्रल ऐंड वेस्ट एशियन स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'वेस्ट एशिया : वाट इट मीन्स टु इण्डिया टुडे' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा सत्र की अध्यक्षता की।
- गुलशन डायटल ने 22 से 23 मार्च 2005 तक अकादमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'द इक्सपिरिअन्स आफ द यूएन इन रिसेंट पीस मैनेजमेंट : लेसन्स फार द थर्ड वर्ल्ड' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा द यूएन ऐंड द फिलिस्तीन इश्यू : एन असेसमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 3 से 5 दिसम्बर 2004 तक बीएसएनयू पी.जी. कालेज, लखनऊ द्वारा अयोजित 'डिफ्रेन्ट डायमेंशंस आफ प्री ऐंड पोस्ट–इराक वार' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा यू.एस. आक्यूपेशन आफ इराक : इंप्लिकेशंस फार इण्डिया'स वेस्ट एशिया पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 28 से 29 मार्च 2005 तक सेंटर फार सेंट्रल ऐंड साउथ एशियन स्टडीज, गुरूनानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर द्वारा आयोजित 'सेंट्रल एशियन पालिटिकल लीडरशिप ऐंड इम्पैक्ट आन ईरान ऐंड इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 22 से 23 मार्च 2005 तक अकादमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एक्सपिरियन्स आफ द यूएन इन रिसेंट पीस मैनेजमेंट : लेसन्स फार द थर्ड वर्ल्ड' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 12 से 13 मार्च 2005 तक इण्डियन इंस्टीट्यूट फार एशिया पेस्फिक स्टडीज द्वारा इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'इण्डिया'ज फारेन पालिसी इन द टवेन्टीफर्स्ट सेंचुरी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इण्डिया'स पालिसी इन द अरब वर्ल्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 5 मार्च 2005 को कल्चर हाउस आफ ईरान, नई दिल्ली और सेंटर फार कल्चरल ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज आफ ईरान द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन इन द एशियन पर्सपेक्टिव' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड एशियन आइडेंटिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 3 से 5 मार्च 2005 तक अरबी विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, केरला द्वारा आयोजित 'इण्डो–अरब टाइज ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन साउथ इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'फिलिस्तीन ऐंड इराक इन इण्डो–अरब टाइज ऐंड इम्पैक्ट आन साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 9 से 11 फरवरी 2005 तक भारतीय ऐतिहासिक अध्ययन परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डियन

ऐंड तुर्किश स्टडीज : एन अप्रेजल' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इण्डो–तुर्किश रिलेशंस : रेट्रोस्पेक्ट ऐंड प्रोस्पेक्टस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ए.के. पाशा ने 18 मार्च 2005 को इण्डियन एसोसिएशन आफ सेंट्रल ऐंड वेस्ट एशियन स्टडीज, अकादमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'वेस्ट एशिया : वाट इट मीन्स टु इण्डिया टुडे ?' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'वाई फोरजिंग अकेडमिक लिंक्स विद वेस्ट एशिया इज इपोर्टेन्ट फार इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 20 जनवरी 2005 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'वेस्ट एशिया आफ्टर अराफात' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए.के. पाशा ने 8 अक्टूबर 2004 को कोलम्बिया विश्वविद्यालय / गल्फ 2000, लिमासोल, साइप्रस द्वारा आयोजित 'द पर्शियन गल्फ इन हिस्ट्री' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'पुर्तगीस रूल इन द गल्फ रीजन' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- ए.के. पाशा ने 5 अप्रैल 2004 को सेंटर फार स्ट्रेटिजिक ऐंड फ्युचर स्टडीज और कुवैत फण्ड फार अरब इकोनामिक डिवलपमेंट, कुवैत द्वारा आयोजित 'इकोनामिक डिवलपमेंट : इस्लामिक ऐंड इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'द इण्डियन माडल आफ डिवलपमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 17 से 20 मार्च 2005 तक Triesenberg, Principality of Liechtenstein में आयोजित 'यूरोपीयन ऐंड इंटरनेशनल अफेयर्स आन ईरान'स सिक्यूरिटी चैलेंजिस ऐंड द रीजन' विषयक 9वीं संगोष्ठी में भाग लिया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 15 जून 2004 को जेरूसलम द्वारा आयोजित एटिट्यूड्स आफ फारेन गवर्नमेंट्स ऐंड मीडिया टुवर्डस इजराइल के पैनल में, 'इजराइल द प्रास्पेक्ट्स फार रिइनविगोरेशन' विषयक एसोसिएशन आफ इजराइल स्टडीज के 20वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'द फाल्कन कंट्रोवर्सी ऐंड इजराइली फारेन पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 14 जून 2004 को जेरूसलम में आयोजित 'हिस्ट्री आफ इजराइली फारेन पालिसी विषयक पैनल में इजराइल : द प्रोस्पेक्ट्स फार रिइनविगोरेशन' विषयक एसोसिएशन आफ इजराइल स्टडीज के 20वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इण्डिया–इजराइल रिलेशंस : पोस्ट इलैक्शन असेसमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 2 से 5 मई 2004 तक Centred Etdudes et de Recherches Internationales पेरिस और एसडब्ल्यू बर्लिन द्वारा आयोजित इण्डिया–यूरोप परिचर्चा में भाग लिया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 29 अप्रैल 2004 को विदेश मंत्रालय, जेएनयू आईसीडब्ल्यूए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड इमर्जिंग एशिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द मिडिल ईस्ट : अनबियरेबल स्टेटस क्यो वर्सिस अनप्रिडिक्टेबल चेन्ज्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.एन. मालाकार ने 19–20 नवम्बर 2004 को आईसीडब्ल्यूए और आईएसए द्वारा आयोजित 'इमर्जिंग इण्डिया–अफ्रीका रिलेशंस : एन आइल फैक्टर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने 10 मार्च 2005 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के सहयोग से एसोसिएशन आफ इण्डियन डिप्लोमेट्स द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया ऐंड इट्स नबर्स : एनर्जी कोआपरेशन फार प्रास्पेरिटी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इण्डिया एनर्जी ब्रिज्स : पार्टनर्स इन डिवलपमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने 4 से 5 मार्च 2005 तक ईरान कल्चर सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन : एन एशियन पर्सपेक्टिव' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- गिरिजेश पंत ने 2 से 4 मार्च 2005 तक जेएनयू नई दिल्ली में आयोजित 'चैलेंजिस ऐंड प्रोस्पेक्ट्स आफ हायर एज्यूकेशन इन द कंटेक्स्ट आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक साउथ एशियन यूनिवर्सिटीज के वाइस चांसलर्स की अन्तर्राष्ट्रीय बैठक में भाग लिया।
- गिरिजेश पंत ने 16 से 20 जनवरी 2005 तक सीसी 8वीं सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, गांधीग्राम में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'सिविलाइजेशन वर्सिस बार्बेरिज्म : एन आईआर पर्सपेक्टिव आन क्राइसिस आफ मार्डन

सिविलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- गिरिजेश पंत ने 22 दिसम्बर 2004 को सेवन्थ इण्डियन कांग्रेस आफ एशियन ऐंड पेस्फिक स्टडीज, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'डिवलपमेंट्स इन वेस्ट एशियन स्टडीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने 19 से 20 नवम्बर 2004 तक इण्डियन काउंसिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स द्वारा आयोजित 'इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन इण्डिया ऐंड अफ्रीका रिलेशंस' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'अफ्रीकन एनर्जी इन वेस्टर्न सिक्यूरिटी नेटवर्क : रोल फार इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

f'k{kdk d 0;k[;ku ¼fo'ofo|ky; l ckgj½

vejhdh vkj if'peh ;jkih; v/;;u dn

- क्रिस्टोफर एस. राज ने 29 जून 2004 को सहारा टीवी पर 'अमेरिकन वीजा' विषयक चर्चा की।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 22 जुलाई 2004 को बीबीसी रेडियो पर 'डिवलपमेंट्स इन इराक' विषयक चर्चा की।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 30 जुलाई 2004 को सन टी.वी. (चेन्नई) न्यूज चैनल पर 'अमेरिकन–इराकी हास्टेज क्राइसिस' विषयक चर्चा की।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 2 अगस्त 2004 को एशियन न्यूज इंटरनेशनल पर 'अमेरिकन प्रेसिडेंशन इलैक्शंस' विषयक चर्चा की।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 1 सितम्बर 2004 को सन टीवी न्यूज चैनल पर 'टेररिज्म' विषयक परिचर्चा की।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 1 अक्टूबर 2004 और 11 अक्टूबर 2004 को सीबीएनसी टीवी पर 'यूएस प्रेसिडेंशियल इलैक्शन ऐंड इण्डिया' विषयक परिचर्चा की।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 25 अक्टूबर 2004 को इटीवी पर 'अमेरिकन प्रेसिडेंशियनल इलैक्शन' विषयक चर्चा की
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 26 अक्टूबर 2004 को सहारा टीवी न्यूज चैनल पर 'बुश इलैक्शन प्रास्पेक्ट्स' विषयक परिचर्चा की।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 2 नवम्बर 2004 को सन टीवी न्यूज चैनल पर 'अमेरिकन प्रेसिडेंशियल इलैक्शन' विषयक चर्चा की।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 7 नवम्बर 2004 को एआईआर में 'प्रेसिडेंशियल बुश इलैक्शन' विषयक परिचर्चा की।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 25 नवम्बर 2004 को डीडी न्यूज पर 'यूएन रिव्यू कांफ्रेंस आन लैण्डमाइन्स बैन' विषयक परिचर्चा की।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 16 मार्च 2004 को सहारा टीवी न्यूज पर 'कोंडोलिजा राइस विजिट टु न्यू दिल्ली' विषयक चर्चा की।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 23 मार्च 2005 को बीबीसी न्यूज पर 'डिवलपमेंट इन श्रीलंका ऐंड टेरॅरिज्म' विषयक चर्चा की।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 28 मार्च 2005 को इटीवी पर 'एफ–16 टु पाकिस्तान' विषयक परिचर्चा की।
- सी. महापात्रा ने 12 जून 2004 को सीमा सुरक्षा अकादमी टेकनपुर (हायर कमाण्ड ट्रेनिंग कोर्स में) में 'ओपी–इराक इम्ब्रोगलिओ : इंप्लीकेशंस फार इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी. महापात्रा ने 23 अक्टूबर 2004 को आर्मी वार कालेज, म्हू में 'इण्डो–यू.एस. रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी. महापात्रा ने 14 दिसम्बर 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, सम्बलपुर विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्राध्यापकों के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'न्यूक्लियर वेपन्स ऐंड द वर्ल्ड आर्डर' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी. महापात्रा ने 15 दिसम्बर 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, सम्बलपुर विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्राध्यापकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'पोस्ट–कोल्ड वार इरा सिक्यूरिटी सेनारियोज' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी. महापात्रा ने 22 दिसम्बर 204 को अकादमिक स्टाफ कालेज, उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर में (प्राध्यापकों के

लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम) 'इण्डो–यूएस रिलेशंस इन द पोस्ट–कोल्ड वार इर्रा' विषयक व्याख्यान दिया।

- सी. महापात्रा ने 23 दिसम्बर 2004 को अकादमिक टाफ कालेज, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में (प्राध्यापकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम) 'यूएस ऐंड द वर्ल्ड आर्डर' विषयक व्याख्यान दिया।
- के.पी. विजयलक्ष्मी ने सितम्बर 2004 में अकादमिक स्टाफ कालेज–I, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में 'यूएस इन साउथ एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- के.पी. विजयलक्ष्मी ने जून 2004 में महू आर्मी वार कालेज इन्दौर में 'यूएस : स्ट्रेटिजिक इंप्लिकेशंस फार साउथ एशिया ऐंड वेस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- के.पी. विजयलक्ष्मी ने फरवरी 2005 में गार्गी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'मैनिफेस्ट डिस्टिनी ऐंड अमेरिकन इंटरनेशनल रोल' विषयक व्याख्यान दिया।
- अब्दुल नफे ने 27 अगस्त 2004 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में विदेशी राजनयिकों के लिए 36वें व्यवसायिक पाठ्यक्रम में 'इण्डिया ऐंड द अमेरिकाज' विषयक व्याख्यान दिया।
- अब्दुल नफे ने मई–जून 2004 में 'जामिया हमदर्द में 'लैटिन अमेरिका' और 'लैटिन अमेरिका ऐंड इण्डिया' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- अब्दुल नफे ने 10 जून 2004 को राजनीति विज्ञान विभाग, इग्नू, नई दिल्ली में स्कूल आफ सोशल ऐंड कल्चरल स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ वेस्टर्न आस्ट्रेलिया, पर्थ के प्रोफेसर डेनिस रूमले द्वारा प्रस्तुत 'आस्ट्रेलिया'स आर्क आफ इनस्टेबिलिटी' शीर्षक आलेख पर कमेन्ट्री की।

nf{k.k] e/;] nf{k.k&io ,f'k;kb vkj nf{k.k&if'pe egklkxjh; v/;;u dUn

- गंगनाथ झा ने 16 फरवरी 2005 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विदेशी राजनायिकों के लिए 37वें व्यवसायिक पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को 'मैनेजिंग सिक्यूरिटी इन साउथईस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- गंगनाथ झा ने 3 दिसम्बर 2004 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'फिलिस्तीन के वरिष्ठ राजनयिकों के लिए विशेष पाठ्यक्रम हेतु, 'माडर्न पालिटिक्स आफ साउथईस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- गंगनाथ झा ने 19 अक्टूबर 2004 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विदेशी राजनयिकों के लिए एशिया विषयक तीसरे उच्च पाठ्यक्रम में, 'एशियान ऐंड रीजनल इंटिग्रेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- गंगनाथ झा ने 30 अगस्त 2004 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विदेशी राजनयिकों के लिए 36वें व्यवसायिक पाठ्यक्रम में 'ट्रेडिशनल ऐंड नान ट्रेडिशनल सिक्यूरिटी इन साउथईस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- गंगनाथ झा ने 27 अप्रैल 2004 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विदेशी राजनयिकों के लिए एशिया विषयक द्वितीय उच्च पाठ्यक्रम में 'माडर्न पालिटिक्स आफ साउथईस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- महेन्द्र पी. लामा ने 5 अप्रैल 2004 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विदेशी राजनयिकों के लिए 35वें व्यवसायिक पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को 'रीजनल कोआपरेशन : थीअरेटिकल पर्सपेक्टिव्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- महेन्द्र पी. लामा ने 24 मई 2004 को यूएनएचसीआर, इंटरनेशनल कमेटी आफ द रेड क्रास ऐंड नेशनल ला स्कूल आफ इण्डिया, बंगलौर द्वारा आयोजित 'रिफ्यूजी ला, विषयक 6ठे दक्षिण एशियाई पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को 'रिफ्यूजीस इन साउथ एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- महेन्द्र पी. लामा ने 18 अगस्त 2004 को उसैड, काठमाण्डु द्वारा आयोजित 'सोसिओ–इकोनामिक इम्पैक्ट आफ इलैक्ट्रिसिटी एक्सचेंज अमंग द एसएजीक्यू कंट्रीज' विषयक व्याख्यान दिया।

- महेन्द्र पी. लामा ने 29 सितम्बर 2004 को एसोचेम, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एनर्जी समिट में, 'एनर्जी कोआपरेशन इन साउथ एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- महेन्द्र पी. लामा ने 11 जनवरी 2005 को एजीएलओएस, सोफिया यूनिवर्सिटी, टोकिया में 'इण्डिया–चाइना बार्डर्स : चेंजिंग पर्सपेक्टिव्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- महेन्द्र पी. लामा ने 13 जनवरी 2005 को सेंटर फार न्यू यूरोपीयन रिसर्च, हिटोटसुभाशी यूनिवर्सिटी, टोकियों में 'इयू ऐंड साउथ एशिया : इमर्जिंग इकोनामिक पर्सपेक्टिव्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- महेन्द्र पी. लामा ने 2 फरवरी, 2005 को इंस्टीट्यूट फार वर्ल्ड पालिटिक्स ऐंड इकोनामी, टोकियो में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड बार्डर्स इन साउथ एशिया : नेवर कंसर्न्स ऐंड अपरच्युनिटीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- महेन्द्र पी. लामा ने 4 मार्च 2005 को इंस्टीट्यूट आफ डिवलपिंग इकोनामीज, टोकियो में 'एनर्जी कोआपरेशन इन साउथ एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- महेन्द्र पी. लामा ने 16 मार्च 2005 को इंटरनेशनल हाउस आफ जापान, टोकियो में एएलएफपी – माइग्रेशन परियोजना के भाग के रूप में 'माइग्रेशन इन एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सहदेवन ने 1 मार्च 2005 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में 'इण्डिया'स अप्रोच टु कंफ्लिक्ट मैनेजमेंट इन साउथ एशिया और 'इण्डिया–श्रीलंका रिलेशंस' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- पी. सहदेवन ने 15 से 16 जुलाई 2004 तक यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया द्वारा आयोजित इंस्टीट्यूट फार द एडवांस्ड स्टडी आफ इण्डिया, इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 'इंटरनेशनल रिलेशंस थीअरि ऐंड साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में तीन आलेख प्रस्तुत किए।
- पी. सहदेवन ने 16 अप्रैल 2004 को इंस्टीट्यूट आफ पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज में 'इम्पैक्ट आफ इलैक्शंस आन श्रीलंका पीस प्रोसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सहदेवन ने 18 से 19 अगस्त 2004 तक फाउन्डेशन फार कम्युनिटी ट्रांस्फार्मेशन, कोलम्बो, श्रीलंका द्वारा आयोजित 'पावर–शेयरिंग इन श्रीलंका' विषयक संगोष्ठी में, इंस्टीट्यूशनल स्ट्रक्चर्स ऐंड मकेनिज्म फार नान–टेरिटोरियल पावर–शेरिंग इन श्रीलंका' (इण्डियन ओरिजन तमिल्स के विशेष सन्दर्भ में) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

jktu;] vUrjk"Vªh; fof/k vkSj vFkZ'kkL= v/;;u dsUnz

- योगेश त्यागी ने विदेश सेवा प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली में 'इंटरनेशनल ला ऐंड ह्युमन राइट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- योगेश त्यागी ने विदेश सेवा प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली में 'ह्युमैनिटेरियन इंटरवेंशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- मनोज पंत ने मार्च 2005 में रेमण्ड ग्रुप आफ इण्डस्ट्रीज फोर्ट अगौदा, गोवा द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इम्पैक्ट आन इंडस्ट्री इन इण्डिया' विषयक सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

vUrjk"Vªh; jktuhfr] laxBu vkSj fu"kL=hdj.k dsUnz

- सी.एस.आर. मूर्ति ने 15 फरवरी 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'चैलेंजिस टु यूएन इन द टवेन्टीफर्स्ट सेंचुरी' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 11 फरवरी 2005 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में 'इण्डिया ऐंड यूएन' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.एस.आर. मूर्ति 8 फरवरी 2005 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में 'यूएन रिफार्म्स' विषयक व्याख्यान के परिचर्चाकर्ता थे।
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 15 सितम्बर 2004 को इण्डियन सोसायटी आफ इंटरनेशनल ला, नई दिल्ली में 'इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशंस ऐंड टेररिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।

- सी.एस.आर. मूर्ति ने 11 अगस्त 2004 को विदेश मंत्रालय में 'चैलेंजिस फार मल्टिलेटरिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- वरूण साहनी ने 7 मार्च 2005 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में विदेशी राजनयिको के 37वें व्यवसायिक पाठ्यक्रम में 'न्यू चैलेंजिस फार डिप्लोमेसी : पोलिटिको–स्ट्रेटिजिक इश्यूज' विषयक व्याख्यान दिया।
- वरूण साहनी ने 7 फरवरी, 9 फरवरी, 23 फरवरी और 3 मार्च 2005 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में विदेश सेवा संस्थान, 2004 के बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को 'थीअरीज आफ इंटरनेशनल रिलेशंस', ग्रट पावर्स इन वर्ल्ड पालिटिक्स', 'कंसेप्ट आफ द नेशनल इंट्रेस्ट : द बेसिस आफ फारेन पालिसी', 'इण्डिया, पाकिस्तान ऐंड द वर्किंग आफ डिटरेन्स' 'इण्डिया ऐंड लैटिन अमेरिका' और 'द अमेरिकाज' विषयक 10 व्याख्यान दिए।
- वरूण साहनी ने 31 जनवरी 2005 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में 'इंटरनेशनल रिलेशंस ऐंड इंडियन फारेन पालिसी' विषयक भारतीय पत्रकारों के प्रथम पाठ्यक्रम में 'इंटरनेशनल रिलेशंस : एलिमेन्ट्स आफ थीअरि ऐंड प्रेक्टिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- वरूण साहनी ने 9 दिसम्बर 2004 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में 'फिलिस्तीन के राजनयिकों के लिए विशेष पाठ्यक्रम में 'द रोल आफ द यू.एस. इन द कंटेम्पोरॅरि ग्लोबल रीयल्टी' विषयक व्याख्यान दिया।
- ऐशाी चौयदान ने 30 अक्टूबर 2004 को महिला इन्द्रप्रस्थ कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'रोल आफ द यूनाइटिड नेशंस इन प्रमोटिंग वुमन'स पार्टिसिपेशन : विद स्पेशल रिफ्रेंस टु डिवलपिंग कंट्रीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- सिद्धार्थ मल्लावारपु ने 30 से 31 अक्टूबर 2004 को 'नान–ट्रेडिशनल सिक्यूरिटी फार्म्युलेशंस : जेंडर इन साउथ एशिया' विषयक विस्काम्प संवीक्षा बैठक में संयुक्त रूप से आलेख प्रस्तुत किया।
- सिद्धार्थ मल्लावारपु ने 13 दिसम्बर 2004 को एम.इ.ए. में विदेश सेवा प्रशिक्षण संस्थान के व्याख्यानमाला के भाग के रूप में 'थीअरीज आफ इंटरनेशनल रिलेशंस टु फिलिस्तीन डिप्लोमेट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेश राजगोपालन ने 19 से 20 मार्च 2005 तक माउन्टबेटन सेंटर, यूनिवर्सिटी आफ साउथएम्पटन, गोर्स हिल, सुरी. यू.के. द्वारा आयोजित 'मिसाइल इश्यूज इन साउथ एशिया' विषयक बैठक में 'मिसाइल्स इन इण्डियन स्ट्रेटिजी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेश राजगोपालन ने 11 से 14 दिसम्बर 2004 तक पुगवाश इंटरनेशनल द्वारा काठमाण्डु, नेपाल में 'जम्मू ऐंड कश्मीर ऐंड द इण्डिया पाकिस्तान डायलाग – द प्रास्पेक्ट्स अहेड' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- राजेश राजगोपालन ने 4 से 9 अक्टूबर 2004 तक सियोल, दक्षिण कोरिया में 'साइंस ऐंड वर्ल्ड अफेयर्स आन 'ब्रिजिंग एडिवाइडिड वर्ल्ड थ्रू इंटरनेशनल कोआपरेशन ऐंड डिस्आर्मामेंट' विषयक 54वें वार्षिक पुगवाश सम्मेलन में भाग लिया।
- अर्चना नेगी ने 8 मार्च 2005 को हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान, हरियाणा में व्याख्यान दिया।
- अर्चना नेगी ने 2 से 8 फरवरी 2005 तक इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ फारेन ट्रेड, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।
- अर्चना नेगी ने 4,7 और 9 फरवरी 2005 को नेशनल सोसायटी आफ इंटरनेशनल ला, नई दिल्ली में व्याख्यान दिए।
- अर्चना नेगी ने 21 और 26 अक्टूबर 2004 और 11 जनवरी 05 को भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली में व्याख्यान दिए।
- अर्चना नेगी ने 4 और 14 अक्टूबर, 04, 29 नवम्बर और 22 दिसम्बर 04 को वर्ल्ड वाइड फण्ड फार नेचर इण्डिया, नई दिल्ली में व्याख्यान दिए।
- अर्चना नेगी ने 24 अगस्त 2004 को इपीसीओ सेंटर, भोपाल में व्याख्यान दिया।

if'peh ,f'k;kbZ vkSj vÝhdh v/;;u dsUn

- ए.के. पाशा ने 20 सितम्रब 2004 को पश्चिमी एशियाई अध्ययन केंद्र, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल में 'कंटेम्पोरॅरि वेस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 14 अक्टूबर 2004 को मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में 'रिसेंट डिवलपमेंट्स इन वेस्ट ऐंड सेंट्रल एशिया : इंप्लिकेशंस फार इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 1 जुलाई 2004 को कर्नाटक स्टेट फाइनेंसियल कारपोरेशन, बंगलौर में 'इण्डिया ऐंड द गल्फ स्टेट्स :

ट्रेड ऐंड फाइनेंशियल लिंक्स' विषयक व्याख्यान दिया।

- एं.के. पाशा ने 22 सितम्बर 2004 को इण्डो–अरब फ्रेटनिर्टी, नई दिल्ली में 'कंटेम्पोरॅरि इण्डो–अरब रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 21 अप्रैल 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'स्ट्रेटिजिक इम्पोर्टेन्स आफ गल्फ टु इण्डिया' और 'इण्डिया ऐंड जीसीसी : एरियाज आफ कोआपरेशन' विषयक 2 व्याख्यान दिए।
- ए.के. पाशा ने 9 दिसम्बर 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'इण्डिया ऐंड द वेस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 23 मार्च 2005 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'अरब लीग की 60वीं वर्षगांठ पर 'इण्डो–अरब टाइज इन माडर्न टाइम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 17 मार्च 2005 को राजनीति विज्ञान विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'रिसर्च मेथडोलाजी' विषयक क्रेश कोर्स में 'नेचर, स्कोप ऐंड सिग्नफिकेन्स, द वेस्ट एशियन केस स्टडी' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- ए.के. पाशा ने 17 फरवरी 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'इण्डिया ऐंड वेस्ट एशिया : चैलेंजिस फार इण्डिया' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- ए.के. पाशा ने 4 मई 2004 को आब्र्जवर रिसर्च फाउन्डेशन, नई दिल्ली में 'जीसीसी ऐंड इंडिया' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- ए.के. पाशा ने 23 से 24 दिसम्बर 2004 तक आईआईसी, नई दिल्ली में 'टुवर्डस ए न्यू ग्लोबल आर्डर ? निओ कंजरवेटिव थिंकिंग, इम्पेरियल डिजाइन ऐंड मल्टिलेटरल पर्सपेक्टिव्स' विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए.के. पाशा ने 21 दिसम्बर 2004 को आइसीडब्ल्युए, ए.टीडब्ल्यूएस, जेएमआई द इण्डियन एसोसिएशन फार सेंट्रल ऐंड वेस्ट एशियन स्टडीज, सप्रू हाउस द्वारा आयोजित 'सिक्यूरिटी ऐंड पालिटिकल स्टेबिलिटी इन इराक' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए.के. पाशा ने 8 फरवरी 2005 को जार्डन के राजकुमार हसन द्वारा व्याख्यान की अध्यक्षता और अशोक खोसला, अध्यक्ष डिवलपमेंट अल्टरनेटिव्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित तथा 'कल्चरल आस्पेक्ट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.एन. मालाकार ने 4 दिसम्बर 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन इण्डियन पालिटिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- गिरिजेश पंत ने 21 अगस्त 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'इण्डिया'स एनर्जी सिक्यूरिटी' विषयक व्याख्यान दिया।

ijLdkj@lEeku@v/;rkofÙk;k

nf{k.k] e/;] nf{k.k&iwoZ ,f'k;kbZ vkSj nf{k.k&if'pe egklkxjh; v/;;u dsUnz

- महेन्द्र पी. लामा, विजिटिंग प्रोफेसर, हितोतुसुबशी विश्वविद्यालय, टोकियो
- महेन्द्र पी. लामा, विजिटिंग फैलो, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता
- महेन्द्र पी. लामा, सिक्किम के मुख्यमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार (कैबिनेट स्तर के मंत्री)
- महेन्द्र पी. लामा, द रिओपनिंग आफ नाथुला ट्रेड रूट थ्रू सिक्किम बिटवीन इण्यि ऐंड चाइना' विषयक रिपोर्ट तैयार करने हेतु सिक्किम सरकार द्वारा नियुक्त टीम के नेता चुने गए।
- के. वारिकू, 26 दिसम्बर 2004 को उजबेकिस्तान में संसदीय चुनावों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय आब्जर्बर के रूप में उजबेकिस्तान के केन्द्रीय चुनाव आयोग द्वारा आमंत्रित किए गए।

e.Myk@lfefr;k dh lnL;rk ¼fo'ofo|ky; ls ckgj½

vejhdh vkj if'peh ;jkih; v/;;u dUn

- क्रिस्टोफर एस. राज, नामिनी, पश्चिम बंगाल सरकार, जादवपुर विश्वविद्यालय चयन समिति; सदस्य, फुलब्राइट फैलोशिप कमेटी, दलाई लामा ब्यूरो, नई दिल्ली
- अब्दुल नफे, कोर्स कमेटी के सदस्य, आस्ट्रेलियन फारेन पालिसी ऐंड आस्ट्रेलियन गवर्नमेंट ऐंड पालिटिक्स, डिपार्टमेंट आफ पालिटिकल साइंस, इग्नू, नई दिल्ली

nf{k.k] e/;] nf{k.k&iol ,f'k;kbl vkj nf{k.k&if'pe egklkxjh; v/;;u dUn

- मनमोहिनी कौल, सदस्य, इण्डिया–इण्डोनेशिया एक्सपर्ट वर्किंग ग्रुप, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली; सदस्य, संचालन समिति, इण्डियन डाइस्पोरा, सेंटर डे साइंसिस ह्युमैनीज, नई दिल्ली; सदस्य, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर का कार्यक्रम योजना सलाहकार समूह, इंटरनेशनल रिलेशंस; सदस्य, डिग्री समिति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
- महेन्द्र पी. लामा, सदस्य सिक्किम राज्य योजना आयोग; सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, साउथ एशियन सर्वे, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली (2003); सदस्य, सलाहकार मण्डल, पब्लिक इंट्रेस्ट लीगल सपोर्ट ऐंड रिसर्च (2003); सदस्य, जनरल कांउसिल आफ नमजियाल इंस्टीट्यूट आफ तिब्तोलाजी, सिक्किम, (2003–08); सदस्य, शासी निकाय, सेंटर फार पब्लिक अफेयर्स, नई दिल्ली (2003); सदस्य, सलाहकार समिति, दक्षिण, दक्षिण–पूर्व और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला (2003); सदस्य, विशेषज्ञ समिति, माडल नेशनल ला, रिफ्यूजीस आफ नेशनल ह्युमन राइट्स कमीशन, नई दिल्ली, 2003; सदस्य, सटर्डे डिस्कशन फोरम, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली; सदस्य, केन्द्रीय कैबिनेट के अन्तर्गत डिपार्टमेंट आफ डिवलपमेंट आफ नार्थ ईस्टर्न रीजन द्वारा गठित, रिवाइटेलाइजेशन आफ द नार्थ ईस्टर्न' विषयक राष्ट्रीय समिति (2003–04); सदस्य, सलाहकार मण्डल, शीतकालीन कोर्स, फोर्स्ड माइग्रेशन, कलकत्ता रिसर्च ग्रुप, कलकत्ता; सदस्य, अन्तर्राष्ट्रीय सलाहकार मण्डल, पाप्यूलेशन वाच, काठमाण्डू
- आई.एन. मुखर्जी, सदस्य, शासी निकाय, इण्डियन कांउसिल आफ साउथ एशियन कोआपरेशन, नई दिल्ली; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, साउथ एशिया इकोनामिक जर्नल, इंस्टीट्यूट फार पालिसी स्टडीज, कोलम्बो और रिसर्च ऐंड इंफार्मेशन सिस्टम फार नान–एलान्ड ऐंड अदर डिवलपिंग कंट्रीज, नई दिल्ली; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल जर्नल आफ हिमालयिन स्टडीज, नई दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मण्डल, दक्षिण एशियाई अध्ययन केन्द्र, राजस्थान सरकार, जयपुर
- के. वारिकु, सदस्य, विद्या परिषद, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट आफ एशियन स्टडीज, कोलकाता; सदस्य, विशेषज्ञ समिति, कल्चरल हैरिटेज आफ हिमालयाज, डिपार्टमेंट आफ कल्चर गवर्नमेंट आफ इण्डिया; सम्पादक, हिमालयन ऐंड सेन्ट्रल एशियान स्टडीज (आठ भाग 1997–2004)

jktu;] vUrjk"Vh; fof/k vkj vFk'kkL= v/;;u dUn

- योगेश त्यागी, सदस्य कोर कमेटी अंटार्टिका ऐंड ओशन अफेयर्स, महासागर विकास विभाग, भारत सरकार
- संगीता बंसल, सदस्य, यूरोपीयन एसोसिएशन आफ एनवायरनमेंटल ऐंड रिसोर्स इकोनामिस्ट्स

vUrjk"Vh; jktuhfr] lxBu vkj fujL=hdj.k dUn

- सी.एस.आर. मूर्ति, सदस्य, आर्मी कैडेट कालेज, देहरादून की शैक्षिक समिति; सदस्य, कोर करिकुलम रिव्यु समिति, राष्ट्रीय ऑपन स्कूलिंग संस्थान, नई दिल्ली।
- वरूण साहनी, सदस्य, कार्यकारी समिति, इंस्टीट्यूट फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली; सदस्य, शासी निकाय, भारतीय दक्षिण एशियाई सहयोग परिषद, नई दिल्ली; सदस्य, कार्यकारी समिति, इंडियन पुगवास सोसायटी, नई दिल्ली; सदस्य, परामर्श समिति, वुमन इन सिक्योरिटी, कंफ्लिक्ट मैनेजमेंट ऐंड पीस, फाउंडेशन फार यूनिवर्शल रिस्पोंसिब्लिटी आफ हिज होलिनेस द दलाईलामा, नई दिल्ली।

सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

विश्वविद्यालय में वर्ष 2001 में स्थापित हुए सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में तीन केंद्र हैं – अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र, कंप्यूटर केंद्र और संचार एवं सूचना सेवाएं। संस्थान का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और शोध के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर बल देते हुए यह पता लगाना है कि विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अद्यतन सूचनाओं का शैक्षिक संदर्भ में कैसे कारगर प्रयोग किया जा सकता है। इस संस्थान के गठन से पूर्व ये केंद्र (अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र, कंप्यूटर केंद्र और संचार एवं सूचना सेवाएं) विश्वविद्यालय

में स्वतंत्र निकायों के रूप में विद्यमान थे।

अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र वर्ष 2000 से एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहा है। यह देश में चल रहे इस तरह के पाँच पाठ्यक्रमों में से एक है। इसका पूरा वित्तपोषण जैव–प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया जाता है। इस केंद्र का शोध कार्य कंप्यूटेशनल एप्रोचिस टु जीनोम सिक्वेंस एनालिसिस, सिस्टम्स बायोलाजी और मोलिक्यूलर माडलिंग पर केंद्रित है। संस्थान में पी–एच.डी. पाठ्यक्रम वर्ष 2001 में शुरू हुआ और इसी वर्ष से छात्रों को जैव–सूचना विज्ञान में सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया। वर्ष 2002 से संस्थान में ऐसे कोर्स चलाए जा रहे हैं जो पूरे जेएनयू समुदाय के लिए उपलब्ध हैं।

कंप्यूटर केंद्र विश्वविद्यालय के सभी छात्रों को कंप्यूटर और इंटरनेट सुविधाएं उपलब्ध कराता है। कंप्यूटर केंद्र जेएनयू के प्रशासनिक कर्मियों के लिए समय–समय पर अल्पकालीन अवधि के प्रशिक्षण कोर्स भी चलाता है।

संस्थान अभी अपने विकास के शुरूआती दौर में है और यह विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों में अपनी भूमिका की रूपरेखा तैयार कर रहा है। वर्तमान में मुख्य शिक्षण और शोध कार्यक्रम अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र में ही उपलब्ध हैं। संस्थान की अल्पकालीन योजनाओं के अन्तर्गत सूचना–विज्ञान का प्रयोग अन्य क्षेत्रों, विशेषकर सामाजिक विज्ञानों में किया जाना शामिल है। अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र के मुख्य संकाय सदस्यों के अतिरिक्त अन्य संस्थानों के संकाय सदस्यों का सहयोग भी प्राप्त किया जाता है।

संस्थान की शोध एवं प्रशिक्षण गतिविधियों में धीरे–धीरे वृद्धि हो रही है। संस्थान के शिक्षकों के शोध आलेख प्रकाशित हो रहे हैं तथा उनके द्वारा सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। जैव–प्रौद्योगिकी विभाग ने हाल ही में अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र का जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र का जैव–सूचना विज्ञान के क्षेत्र में देश के पांच विशिष्ट केंद्रों में से एक केंद्र के रूप में वित्तपोषण किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सी–डेक से परामर्श करके 2 हाई प्रोफोर्मेंस कंप्यूटर (16 प्रोसेसर विद 32 जी.बी. ग्लोबल रेम आल्ट्रिक्स (एस.जी.आई.) और 64 प्रोसेसर (सन) क्लस्टर प्रत्येक प्रोसेसर के लिए 2 जीबी रेम की खरीद करने के लिए निधि उपलब्ध करायी है। उच्च क्षमता परक कंप्यूटर सुविधाओं की स्थापना और केंद्र में उपलब्ध हार्डवेयर और साफ्टवेयर आधारभूत संरचना को पूरक बनाने के लिए मानवशक्ति और साफ्टवेयर टूल विकसित करने के लिए जेएनयू ने सी–डेक के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं। जैव–प्रौद्योगिकी विभाग ने देश भर में फैले 10 मुख्य जैव–सूचना विज्ञान केंद्रों को परस्पर जोड़ते हुए जैव–प्रौद्योगिकी सूचना नेटवर्क के अन्तर्गत एक 2एम.बी.पी.एस. लिंक उपलब्ध कराया है।

संस्थान अपने स्नातकोत्तर डिप्लोमा और पी–एच.डी. पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, एक ग्रीष्मकालीन शिविर भी चलाता है। इसमें देश के विभिन्न संस्थानों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र भाग लेते हैं। संस्थान में 5 से 10 शोध छात्रों और 2 पोस्ट डाक्टरल शोधार्थियों के लिए एक दीर्घकालीन (6 महीने से 1 वर्ष तक) प्रशिक्षण कार्यक्रम है। अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना विज्ञान केंद्र के शोध क्षेत्रों में शामिल हैं – जीनोमिक्स, डी.एन.ए. एनालिसिस, स्ट्रक्चरल बायोलाजी और मोलिक्यूलर माडलिंग। केंद्र उत्तरी भारत के रीजनल मोलिक्यूलर माडलिंग केंद्र के अतिरिक्त प्लांट जीनोम मिरर वेबसाइट का संचालन और प्रचालन भी करता है। केंद्र के पास प्रयोक्ताओं के लिए पर्याप्त स्टोरेज क्षमता प्रोसेसिंग सामर्थ्य वाले विभिन्न हाई ऐंड वर्क स्टेशन है। इसी तरह, संचार एवं सूचना सेवाएं के पास नेटवर्क और ई–मेल सुविधाओं के सुचारू रूप से संचालन के लिए अनेक सर्वर और कंप्यूटर हैं। कंप्यूटर केंद्र के पास 30 कंप्यूटर हैं, जिन पर छात्र इंटरनेट सेवाएं प्राप्त करते हैं। इन सुविधाओं को शीघ्र ही अद्यतन बनाया जाएगा।

जेएनयू परिसर में इंटरनेट सुविधाएं उपलब्ध कराने और इसका प्रबंधन करने के अतिरिक्त संचार एवं सूचना केंद्र ने अतिरिक्त संचार एवं सूचना केंद्र ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य किए –

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की इन्फोनेट योजना के अन्तर्गत जेएनयू ने अरनेट से इंटरनेट बैंड विड्थ के

2एम.बी.पी.एस. प्राप्त किए। इस सम्बन्ध में केंद्र ने अतिरिक्त राउटर स्थापित करने, दोनों बैंड विड्थ सुविधाओं के सीमलेस प्रयोग के लिए लिंकेज स्थापित करने और एस.टी.पी.ई. के साथ इंटिग्रेटिंग करने के लिए अरनेट के साथ सहयोग किया। अब जेएनयू के पास 4 एम.बी.पी.एस. की बैंड विड्थ (2 एम.बी.पी.एस., अरनेट के माध्यम से) की सुविधा उपलब्ध है। जेएनयू ने अपने नेटवर्क के प्रसार के लिए अरनेट इण्डिया के साथ एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए हैं। अरनेट इण्डिया द्वारा निविदाएं आमंत्रित करने का कार्य शुरू कर दिया गया है और इसका कार्यान्वयन शीघ्र ही शुरू हो जाएगा।

- केंद्र ने जेएनयू की प्रवेश शाखा को प्रवेश परीक्षा के परिणाम आनलाइन पर मुहैया कराने की सुविधा प्रदान की है।
- विश्वविद्यालय समुदाय को 24 घंटे इंटरनेट की सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। केंद्र ये सुविधाएं पूरे वर्ष सप्ताह के 7 दिन 24 घंटे उपलब्ध कराता है।
- उपभोक्ता समुदाय की सुविधा के लिए एस.पी.एस.एस. साफ्टवेयर खरीदा गया है। मेल सेवाओं के सुचारू रूप से प्रचलन एवं चुस्त बनाने के लिए एक नोवेल प्लेटफार्म पर नया मेल सर्वर स्थापित किया गया है। इसी प्लेटफार्म पर शोध छात्रों के लिए एक अतिरिक्त मेल सर्वर भी कार्य कर रहा है।
- एस.पी.एस.एस. साफ्टवेयर का प्रयोग शोध सम्बन्धी समस्याओं के लिए कैसे करें इसके लिए केंद्र ने छात्रों और स्टाफ सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- केंद्र ने पुनः प्रयोग में लाई जाने वाली ऊर्जा पर सी.बी.टी. (कंप्यूटर बेस्ड टीचिंग) सामग्री विकसित करने के लिए 'यूनेस्को' से एक परियोजना प्राप्त की है। सी.बी.टी. सामग्री का अन्तिम स्वरूप शीघ्र ही यूनेस्को के प्रतिनिधि को सौंप दिया जाएगा।
- केंद्र ने आफिस आटोमेशन साफ्टवेयर का प्रदर्शन किया। इसे विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रशासकों और स्टाफ सदस्यों ने देखा।
- स्नातकोत्तर और एम.फिल. स्तर के नान आई–टी छात्रों को डाटा विश्लेषण करने के लिए स्टेटिस्टिकल पैकेज – एस.ए.एस. और एस.पी.एस.एस. – से अवगत कराने के लिए 'आई–टी 503 कोर्स – एप्लीकेशन आफ आई.टी. फार डाटा एनालिसिस इन रिसर्च' विषयक कोर्स चलाया गया।
- जेएनयू नेटवर्क को हैकरों से बचाने के लिए एक फायरवाल स्थापित किया गया।

संस्थान अन्य विभिन्न संस्थानों के साथ भरपूर सहयोग करता है। जैसाकि पहले भी उल्लेख किया गया कि सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के शिक्षण कार्यक्रमों में अन्य संस्थानों जैसे भौतिक विज्ञान संस्थान, जीवन विज्ञान संस्थान, पर्यावरण विज्ञान संस्थान के शिक्षकों का भी सहयोग प्राप्त किया जाता है। साथ–साथ जैव–प्रौद्योगिकी केंद्र, कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान, आणविक चिकित्साशास्त्र केंद्र तथा भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान और दिल्ली के अन्य संस्थानों के शिक्षकों का भी सहयोग प्राप्त किया जाता है।

i.f'k{k.k@dk;'kkykvk dk vk;kstu

1. संस्थान ने 27–28 सितम्बर 2004 को 'एल्गोरिथ्म्स इन प्राइमरी सिक्वेंस एनालिसिस' शीर्षक कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें विशेषकर डी.एन.ए. और प्रोटीन दोनों के प्राइमरी सिक्वेंस के विश्लेषण पर बल दिया गया। साफ्टवेयर टूल के पीछे मूलभूत कंप्यूटेशनलनल मैथडोलाजी पर चर्चा की गई। इस कार्यशाला में निम्नलिखित कुछ मुख्य विषयों पर चर्चा की गई –
    - सिक्वेंस डाटाबेसिस एक्सेस ऐंड रिट्राइवल।
    - सिक्वेंस कम्पोजिशंस ऐंड स्टेटिक्स।
    - पेयरवाइज ऐंड मल्टीपल सिक्वेंस कम्पोरिजंस
    - डाटाबेस होमोलाजी सर्च
    - सर्चिंग पैटर्नस ऐंड रीपीट्स
    - जीन आइडेंटिफिकेशन ऐंड इट्स एनोटेशंस

- फिलोजेनिटिक्स एनालिसिस

2. 17 जनवरी 2005 को प्रो. आलोक भट्टाचार्य द्वारा 'सिस्टम बायोलाजी प्रोजेक्ट्स' विषयक कार्यशाला आयोजित की गई।

वर्ष के दौरान संस्थान में आए अतिथियों में शामिल थे – डा. रूबेन रबी, एम.आई.टी., कैम्ब्रिज, यू.एस.ए., डा. स्वाती दत्ता, भौतिक विज्ञान विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय और श्री साइमन कार्टर, क्वींस लैण्ड यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया

Nk=k dh miyfC/k;k

- अंचल विश्नोई, विवेक, हिमांशु अग्रवाल और रामकृष्ण राम स्वामी, जीन नेटवर्क्स यूजिंग पेयरवाइज ब्लास्ट' स्कोर फार आइडेंटिफाइंग 'होमोलोगस' जींस इन माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया स्टेटफिस 22
- विवेक, अंचल विश्नोई, हिमांशु अग्रवाल और रामकृष्ण रामास्वामी, जीन नेटवर्क्स यूजिंग पोजिशनल न्यूक्लिओटाइड फ्रिक्वेंसी फार क्लासिफाइंग जींस बाई इवोल्यूशनरी पाथ इन एशरिकिया कोली, स्टेटफिस 22
- राजीव मिश्र, सुधीर कुमार गरा, शमभवी मिश्र और बालाजी प्रकाश, एनालिसिस आफ जी.टी. पासिस केरींग हाइड्रोफोबिक्स एमिनो एसिड सबास्टिट्युशंस इन लियू आफ द केटालिटिक ग्लुटेमाइन : इंप्लिकेशंस फार जी.टी. पी. हाइड्रोलिसिस, प्रोटींस : स्ट्रक्चर, फंक्शन ऐंड बायोइनफार्मेटिक्स, 59:332–338, 2005
- अभिजीत ए. वाकरे, कमल रावल, राम रामास्वामी, आलोक भट्टाचार्य, सुधा भट्टाचार्य, द लाइंस ऐंड साइंस आफ एंटामोइबा हिस्टोलिटिका : कम्पेरिटिव एनालिसिस ऐंड जिनोमिक डिस्ट्रीब्युशन : एक्सपेरिमेंटल पैरासिटालाजी (प्रकाशनाधीन), 2005
- सी.सी.बी.बी. के क्वींसलैण्ड यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया के साथ परस्पर सहयोग कार्यक्रम के अन्तर्गत दो पी–एच.डी. छात्रों ने परस्पर सहमति के क्षेत्र में शोध करने के लिए ब्रिसबेन में पांच महीने बिताए। इसके बदले में क्वींसलैण्ड यूनिवर्सिटी के दो छात्रों को जैव–सूचना विज्ञान केंद्र में कुछ महीने बिताने के लिए चुना गया। एक छात्र संस्थान में तीन महीने के लिए आया और दूसरे छात्र की जनवरी में आने की सम्भावना है। इस सहयोगात्मक व्यवस्था के लिए वर्तमान में आस्ट्रेलियाई सरकार से सहयोग मिल रहा है और इसका मुख्य उद्देश्य नई खोज एवं प्रकाशन निकालना है। इस परस्पर सहयोग कार्यक्रम के अन्तर्गत रेग्यूलेट्री डी.एन.ए. सिक्वेंस का पता लगाने के लिए एक नये 'एल्गोरिद्म एमस्केन' विकसित किया गया है।

vU; xfrfof/k;k

अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र क्लस्ट्रींग कन्सेप्ट पर आधारित एक हाई परफार्मेंस सिस्टम की स्थापना कर रहा है। क्लस्टर का निर्माण कार्य सी.ओ.ई. और विश्वविद्यालय से प्राप्त निधियों से किया जा रहा है। इस नये सिस्टम से लार्ज स्केल सिम्युलेशन, एनालिसिस और डाटा माइनिंग प्राप्त किया जा सकता है। संस्थान ने एक पी.सी. ग्रिड में कुछ समान जैव–सूचना–विज्ञान के साफ्टवेयर का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

केंद्र प्रोसेसर एप्पल जी 5 क्लस्टर स्थापित करेगा। इसके जनवरी 2005 तक प्रोडक्शन मोड में आने की संभावना है। ये विश्वविद्यालय संसाधनों से प्राप्त 16 प्रोसेसर इटानियम बेस्ड एस.जी.आई. आल्टिक्स 350 और 48 प्रोसेसर सनफायर आप्ट्रान क्लस्टर के अतिरिक्त है। नियमित जैव–सूचना–विज्ञान साफ्टवेयर के लिए आप्टिमाइज्ड कोड मशीनों में लगाए गए हैं।

Hkkoh ;kstuk,

- अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना विज्ञान केंद्र आगामी शैक्षिक सत्र से जैव–सूचना विज्ञान में एम.टेक पाठ्यक्रम चलाने की योजना बना रहा है। केंद्र जैव–प्रौद्योगिकी विभाग तथा एशिया पैसिफिक बायोइनफार्मेटिक्स फोरम के सहयोग से 'बायोइनफार्मेटिक्स विषय पर एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित करने की योजना बना रहा है।
- परिसर में स्थापित वर्तमान नेटवर्क को नवनिर्मित भवनों तक पहुंचाने और वर्तमान भवनों में नये नोड लगाने की योजना है। इससे परिसर में नेटवर्क कनेक्शन तीन गुने हो जाऐंगे।
- संचार एवं सूचना सेवाएं केंद्र विश्वविद्यालय प्रशासन की कंप्यूट्रीकृत गतिविधियों में अपना सहयोग कर रहा है। इसने

विश्वविद्यालय की प्रशासनिक गतिविधियों के आटोमेशन के लिए एक सम्भावित नीति हेतु एक ड्राफ्ट प्रस्ताव तैयार किया है। इस प्रस्ताव के तहत सभी प्रशासनिक गतिविधियां चार माड्यूल्स में वर्गीकृत की गई हैं – मानव संसाधन सूचना प्रबंधन; वित्तीय सूचना प्रबंधन; छात्र सूचना प्रबंधन; और भौतिक संसाधन सूचना प्रबंधन। संचान और सूचना सेवाएं साफ्टवेयर विकसित करने और स्थापित करने में सहायक होगा और बाद में इसकी देख–रेख भी करेगा। ड्राफ्ट डाक्यूमेंट के आधार पर, विश्वविद्यालय ने ई–गवर्नेंस की शुरूआत की है और इस परियोजना के लिए एक परामर्शदाता की नियुक्ति की गई है।

- चूँकि दिन–प्रतिदिन विश्वविद्यालय नेटवर्क का प्रसार हो रहा है, अतः संचार एवं सूचना और सेवाएं नेटवर्क के प्रबन्धन एवं मानिटरिंग साफ्टवेयर खरीदने की योजना बना रहा है और इस संदर्भ में कई साफ्टवेयरों का मूल्यांकन कर रहा है।
- विश्वविद्यालय ने जेएनयू के लिए सूचना प्रौद्योगिकी सम्बन्धी नीति बनाने के लिए एक समिति का गठन किया है। संचार एवं सूचना सेवाएं को ड्राफ्ट नीति तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है और पैनल के विशेषज्ञ इस पर विचार–विमर्श करके अन्तिम रूप देंगे।

i:dk'ku

vkys[k

- ए. भट्टाचार्य, एन. साहू, ई. लाबुयेरे, एस. भट्टाचार्य, पी. सेन और गुलियन "कैलसियम बाइंडिंग प्रोटीन I आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका इंटरएक्ट्स विद एक्टिन ऐंड इज इनवाल्वड इन डायनेमिक्स आफ काइटोस्केल्टन", सेल साइंस, 117;3625–3634, 2004
- ए. भट्टाचार्य, बी. लोफ्टस, आई. एंडरसन, आर. डेविस, यू.सी. एल्समार्क, जे. सेम्युलसन, पी. एमेडियो, पी. रोकागलिया, एम. बेरीमैन, आर.पी. हिर्ट, बी.जे. मान, टी. नोजाकी, बी. सुह, एम. पोप, एम. डुचेन, जे.एक्सं,ई. तानिक, एम. लिपे, एम. होफर, आई. ब्रुकहास, यू. विलहोफ्टत, टी. चिलिंगवर्थ, सी. क्रुचर, जैड हैंस, बी. हैरिस, के. जेगल्स, एस. मौले, के. मुंगाल, डी. ओरमांड, आर. स्केअर्स, एस. वाइटहैड, एम.ए. क्वेल, ई रोबिनोविट्स, एच. नोबर्तजाक, सी. प्राइस, जैड वांग, एन. गुलिन, सी. गिलक्रिस्ट, एस.ई. स्ट्रोप, एस. भट्टाचार्य, ए. लोहिया, पीजी. फोस्टर, टी.पी. स्क्रिट्ज, सी. वैबर, यू. सिंह, सी. मुखर्जी, एन.एम. अल–सैयद, डब्ल्यू.ए. जूनियर पेट्री, सी.जी. क्लार्क, टी.एम. एम्बले, बी. बैरेल, सी.एम. फ्रेसर और एल. हाल, "द जिनोम आफ प्रोटिस्ट पैरासाइट एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका" नेचर 433 (7028), 865–8, 2005
- ए. भट्टाचार्य, एस. गौरीनाथ, एन. पाधान और एन आलम, "क्रिस्टालाइजेशन ऐंड प्रिलिमिनरी क्रिस्टालोग्राफिक एनालिसिस आफ कैलशियम–बाइंडिंग प्रोटीन–II फ्राम एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका ऐंड इट्स कंप्लेक्सिस विद स्ट्रोंटियम ऐंड द आई.क्यू.आई. मोटिफ आफ मायोसिन वी.", एक्टा क्रिस्ट एफ 61 ' 417–420, 2005
- ए. कृष्णामाचारी और कर्मेषु, "सिक्वेंस वेरिएबिलिटी ऐंड लोंग रेंज डिपेंडेंस इन डी.एन.ए. : एन इनफार्मेशन थीओरेटिक पर्सपेक्टिव", लैक्चर नोट्स इन कंप्यूटर साइंस, (सं.) निखिल आर. पाल, निकोला कासाबोव, के. रजनी मुदी, श्रीमंता पाल और स्वप्न के पारू ' स्प्रिगर, आईएसबीएन 3–540–23931–6, 2004
- जे. सुब्बाराव, ब्रजेन्द्र के. सिंह, आर. रामास्वामी और सोमदत्त सिन्हा, "द रोल आफ हिट्रोजिनिटी आन द स्पेसिओटेम्पोरल डायनेमिक्स आफ होस्ट–पेरासाइट मेटा–पाप्यूलेशन : इकोल माडलिंग 180 : 435, 2004
- जे. सुब्बाराव, आर.के. आजाद और आर. रामास्वामी, "सिम्बल सिक्वेंस एनालिसिस आफ क्लाइमेटिक टाइम सिंगनल्स : नानलिनियर एनालिसिस : रियल–वर्ल्ड एप्लीकेशंस, 5:487–500, 2004
- आर. रामास्वामी, डी. शर्मा, बी. इस्साक और जी.पी.एस. राघव, "बायोइनफार्मेटिक्स, स्पेक्ट्रल रिपीट फाइंडर (एस.आर.एफ.) : आइडेंटिफिकेशन आफ रिपिटिटिव सिक्वेंसिस यूजिंग फोरियर ट्रांसफार्मेशन 20 : 1405–12, 2004
- आर. रामास्वामी, एच.एस. सामंत, जे.के. भट्टाचायर्जी, "एप्रोच टु इक्विलिब्रियम इन एडायबेटिकली इवोल्विंग पोटेंशियल्स, फिज. रिव्यु ई–69, 2004
- आर. रामास्वामी, एस. दत्ता टी. जागेर और जी. किल्लर, "आन द डायनेमिक्स आफ द क्रिटिकल हार्पर मैप", नान–लिनियरिटी, 17:2315–2323, 2004
- आर. रामास्वामी, एस. दत्ता और ए. प्रसाद, "फ्रेक्टलाइजेशन रूट टु स्ट्रेंज नानकेआटिक डायनेमिक्स, फिज. रिव्यु ई. 70, 046203–1–9, 2004
- आर. रामास्वामी और ए. घोष, क्लस्टर वेटिड माडलिंग : ऐस्टिमेशन आफ द ल्यापुनोव स्पेक्ट्रम इन ड्राइवन सिस्टम्स फिज. रिव्यु ई. 71, 016224–1–6, 2004
- आर. रामास्वामी, ए.मूडी और सी. चक्रवर्ती, "स्पेक्ट्रल सिगनेचर्स आफ द डिफ्यूजनल एनामली इन वाटर", जर्नल आफ कैमिकल फिजिक्स 122, 104507–1–8, 2005
- आर. रामास्वामी, ए.नंदी, डी. दत्ता और जे.के. भट्टाचार्जी, "द फेज – माड्यूलेटिड लोजिस्टिक मैप सी.एच.ए.ओ.एस.

Hkk"kk] lkfgR; vkj lLÑfr v/;;u lLFkku

वर्ष 1971 में हुई स्थापित भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान देश में विदेशी भाषाओं के अध्ययन और भाषा विज्ञान, विभिन्न भाषाओं के साहित्य और संस्कृति अध्ययन तथा दर्शनशास्त्र में उच्च अध्ययन और शोध हेतु देश में एक महत्वपूर्ण संस्थान है।

संस्थान में 12 घटक इकाइयां हैं। इसमें दस केन्द्र हैं : अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, चीनी और दक्षिण–पूर्व एशियाई अध्ययन केन्द्र, फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र, जर्मन अध्ययन केन्द्र, भारतीय भाषा केन्द्र, जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, रूसी अध्ययन केन्द्र और इस्पानी, पुर्तगाली, इतालवी और लैटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र। इनके अतिरिक्त, एक दर्शन–शास्त्र ग्रुप है और एक भाषा प्रयोगशाला समूह।

संस्थान के केन्द्रों द्वारा विभिन्न विषयों में अनेक प्रकार के पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। ये हैं – भाषा इंदोनेशिया, इतालवी, मंगोल, पुर्तगाली, पश्तो और उर्दू जैसी भाषाओं में प्रमाण–पत्र, डिप्लोमा और उच्च प्रवीणता डिप्लोमा तथा उर्दू में मास मीडिया कोर्स। संस्थान अरबी, चीनी, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, कोरियाई, फारसी, रूसी और इस्पानी जैसी विदेशी भाषाओं में बी.ए. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम चलाता है। यह भाषा–विज्ञान, अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू साहित्य तथा संस्कृति अध्ययन सहित उन सभी भाषाओं में एम.ए. और एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम भी चलाता है जिनमें बी.ए. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम (कोरियाई को छोड़कर) चलाता है। इनके अतिरिक्त, संस्थान पुर्तगाली में एम.फिल. और दर्शन–शास्त्र में पी–एच.डी. पाठ्यक्रम भी चलाता है। इन औपचारिक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, अन्तर्विषयक अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए संस्थान द्वारा विविध टूल / वैकल्पिक कोर्स भी चलाए जाते हैं। संस्थान अंग्रेजी भाषायी क्षमता को उन्नत करने के इच्छुक विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए अंग्रेजी भाषा में एक उपचारात्मक कोर्स भी चलाता है। यह कोर्स बहुत ही सफल रहा है।

शिक्षण और शोध गतिविधियों के अतिरिक्त संस्थान 'जर्नल ऑफ द स्कूल ऑफ लैंग्वेजिज' शीर्षक पत्रिका भी प्रकाशित करता है। इसका प्रकाशन सत्तर के दशक में शुरू हुआ। इसमें साहित्य, भाषा, तुलनात्मक अध्ययन, अनुवाद और संकेत विज्ञान तथा विषय–वस्तु पर महत्वपूर्ण शोध प्रकाशित हुए हैं। इससे भाषायी सीमाएं टूटी हैं और अन्तर तथा अन्तः सांस्कृतिक सम्पर्क जुड़े हैं।

संस्थान नई भाषाओं (विदेशी और भारतीय दोनों) में अध्ययन शुरू करने की योजना बना रहा है। इसका हेब्रू, लैटिन और ग्रीक अध्ययन तथा भारतीय भाषाओं – बंगला, तमिल और मराठी – में अध्ययन शुरू करने का इरादा है।

संस्थान भाषा शिक्षण, भाषा–विज्ञान, साहित्य और संस्कृति अध्ययन के क्षेत्रों में उच्च स्तरीय स्कालर और अन्तर्राष्ट्रीय पहचान के अनुवादक और दुभाषिए तैयार करता है।

FkLV ,fj;k vkj Hkfo"; dh ;ktuk,

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थाान के विभिन्न केन्द्रों की वर्ष 2004–2005 की अवधि की गतिविधियों और प्रस्तावित भविष्य की योजनाओं का विवरण निम्नलिखित है :

vjch vkj vÝhdh v/;;u dUæ

केन्द्र अरबी भाषा में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। यह विश्वविद्यालय के अन्य केन्द्रों के छात्रों के लिए अंग्रेजी में 'इंट्रोडक्शन टु द अरब वर्ल्ड' विषयक दो टूल कोर्स भी चलाता है।

केन्द्र की तीन थ्रस्ट एरिया विकसित करने की योजना है। ये एरिया हैं – शास्त्रीय अरबी भाषा और साहित्य, समसामयिक साहित्यिक आदान–प्रदान के क्षेत्रों में भारत–अरब संबंध और भारत–अफ्रीकी अध्ययन : सांस्कृतिक और साहित्यिक आयाम।

केन्द्र की स्वयं वित्त योजना के अन्तर्गत 'स्पीकिंग अरबिक' विषयक 45 दिवसीय कैप्सूल कोर्स और अरबी भाषा में प्रवीणता प्रमाण–पत्र तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू करने की योजना है। केन्द्र में हेब्रू भाषा शिक्षण में एक नया पाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया भी चल रही है।

phuh vkSj nf{k.k&iwohZ ,f'k;kbZ v/;;u dsUæ

चीनी और दक्षिण पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र चीनी भाषा में बी.ए. (ऑनर्स); एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम तथा भाषा इंदोनेशिया में सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स चलाता है।

केंद्र में कनफूशियस इंस्टीच्युट की स्थापना करने के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और विदेशी भाषा के रूप में चीनी शिक्षण के राष्ट्रीय केंद्र, चीन के बीच एक समझौता हुआ है। इसका मूल उद्देश्य भारत में चीनी भाषा के शिक्षण को सुदृढ़ बनाना और चीन एवं चीनी संस्कृति के बारे में अधिक जानकारी देना है। इसके अतिरिक्त, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी.आर. दीपक द्वारा प्रस्तुत एक प्रस्ताव के आधार पर केंद्र चीनी संस्कृति, इतिहास, राजनीति और अर्थशास्त्र से सम्बन्धित एक पाठ्य पुस्तक तैयार करने की योजना बना रहा है। यह पाठ्यपुस्तक विभिन्न टूल कोर्सों में पंजीकरण कराने वाले छात्रों को आरम्भिक जानकारी उपलब्ध कराएगी। इसमें केंद्र के शिक्षकों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत सामग्री शामिल होगी।

Ýsap vkSj ÝsadkQksu v/;;u dsaæ

केंद्र फ्रेंच भाषा में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। केंद्र 46 फ्रेंकाफोन देशों के सांस्कृतिक, सामाजिक–आर्थिक और राजनीतिक सत्ता के सम्बन्ध में बहुविषयक शोध कार्यक्रम चलाता है।

केंद्र भविष्य में विश्वविद्यालय के अन्य केंद्रों, संस्थानों के साथ–साथ देश–विदेश के अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ फ्रेंकाफोन में अन्तरविषयक तथा सहयोगात्मक शोध कार्यक्रम चलाना चाहता है।

teZu v/;;u dsaæ

केंद्र जर्मन में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। इन पाठ्यक्रमों में जर्मन अध्ययन के साथ–साथ जर्मन संस्कृति–अध्ययन पर विशेष बल दिया जाता है। इसमें जर्मन भाषा–भाषी देशों ओर भारत के बीच तुलनात्मक अध्ययन और संस्कृति, अनुवाद, विदेशी भाषा के रूप में जर्मन शिक्षण पद्धति, अनुप्रयुक्त भाषा–विज्ञान के क्षेत्रों में अध्ययन शामिल है। इसमें अतिरिक्त, इस अध्ययन में सामाजिक–राजनीतिक गतिविधियां जैसे नारी अधिकारवाद, प्राच्यवाद, उत्तर आधुनिकतावाद, मीडिया–विश्लेषण आदि क्षेत्रों में हुए परिवर्तनों से उभरे शोध के नये क्षेत्र भी शामिल हैं। केंद्र को जर्मनी, आस्ट्रिया और स्विट्जरलैण्ड की सरकारों और संस्थानों से सहयोग मिला है।

अपने भावी कार्यक्रमों के अन्तर्गत केंद्र अपने बी.ए. और एम.ए. पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या में संशोधन कर रहा है। इन संशोधनों को मानसून सत्र में संस्थान के अध्ययन मण्डल की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा।

Hkkjrh; Hkk"kk dsaæ

भारतीय भाषा केंद्र हिंदी साहित्य में एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम, हिंदी अनुवाद में एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम, उर्दू में सर्टिफिकेट, एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम तथा उर्दू में जनसंचार में उच्च डिप्लोमा कोर्स चलाता है।

इसके अतिरिक्त, केंद्र अन्य केंद्रों के छात्रों के लिए हिंदी और उर्दू में वैकल्पिक और टूल कोर्सों के साथ–साथ इन भाषाओं को सीखने के इच्छुक विदेशी छात्रों के लिए अल्पकालीन कोर्स भी चलाता है।

भारतीय भाषा केंद्र की स्थापना विभिन्न भारतीय भाषाओं में सामाजिक रूप से संगत और बौद्धिकता की दृष्टि से उच्च शोध एवं अध्ययन करने की दृष्टि से की गई थी। केंद्र निकट भविष्य में भारतीय भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन के लिए एक अलग संस्थान की स्थापना करने का प्रस्ताव करता है।

tkikuh vkj mÙkj&iohl ,f'k;kbl v/;;u dæ

केंद्र जापानी में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम, कोरियाई में एम.ए.पाठ्यक्रम और मंगोल में सर्टिफिकेट कोर्स चलाता है।

विश्वविद्यालय द्वारा किए गए करार के अन्तर्गत केंद्र के जापान के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों सहित ओटानी विश्वविद्यालय और रित्सुमेकान विश्वविद्यालय के साथ शैक्षिक और सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम चल रहे हैं। केंद्र के शिक्षकों और छात्रों के लिए नियमित रूप से अध्येतावृत्तियां प्राप्त हो रही हैं। केंद्र जापान फाउंडेशन, भारत का जापानी भाषा शिक्षक संघ, मोमबुशो स्कालर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ जापानी अध्ययन से सम्बन्धित सम्मेलनों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन करने में सहयोग करता है। इसी तरह की गतिविधियां कोरियाई भाषा के सम्बन्ध में भी शुरू की जा रही है। केंद्र अपने कोरियाई पाठ्यक्रम को और अधिक विकसित करने की आशा करता है।

Hkk"kk&foKku vkj vxzth dæ

केंद्र भाषा–विज्ञान और अंग्रेजी में एम.ए. पाठ्यक्रम चलाता है। केंद्र का एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम अत्यधिक अन्तरविषयक और परिविषयक प्रकृति का है, जिसमें भाषा–विज्ञान, साहित्य और संस्कृति अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों में सैद्धांतिक और तुलनात्मक शोध कार्य कराया जाता है। केंद्र अपने संस्थान के स्नातक छात्रों के लिए भाषा–विज्ञान और अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में वैकल्पिक तथा टूल कोर्स के साथ–साथ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए उपचारात्मक अंग्रेजी कोर्स भी चलाता है। केंद्र के थ्रष्ट एरिया में शामिल हैं – भारत, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, कनाडा और अमरीका जैसे देशों के अंग्रेजी साहित्य, समसामयिक साहित्यिक और सांस्कृतिक सिद्धान्त, संस्कृति का संकेत–विज्ञान, साहित्यिक और सांस्कृतिक कृतियों की राजनीति, लोक संस्कृति अध्ययन, शास्त्रीय भारतीय काव्यशास्त्र और व्याकरणिक परम्परा, व्याकरणिक मॉडल और सिद्धान्त, भाषा प्रारूप विज्ञान, भाषा हानिकरण, तंत्रिका भाषा विज्ञान, अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान, समाज भाषा विज्ञान और अनुवाद सिद्धान्त एवं व्यवहार।

केंद्र में अंग्रेजी साहित्य के प्रति भारतीय दृष्टिकोण विषय पर विशेष सहायता कार्यक्रम चल रहा है।

अपनी भावी योजना के अन्तर्गत केंद्र ने दो विषयों के शिक्षण को और अधिक दक्ष बनाने की दृष्टि से दो अलग–अलग केंद्रों की स्थापना करने का प्रस्ताव किया है – एक अंग्रेजी और अन्तर–संस्कृति अध्ययन केंद्र, जिसमें साहित्यिक, सैद्धान्तिक और संस्कृति अध्ययन शामिल होंगे और दूसरा – भाषा विज्ञान अध्ययन केंद्र, जिसमें भाषा–विज्ञान के सिद्धान्त एवं अनुप्रयोग तथा भाषा विज्ञान का अध्ययन शामिल होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है।

Qkjlh vkj e/; ,f'k;kbl v/;;u dæ

केंद्र फारसी में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम और पश्तो में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और उच्च प्रवीणता डिप्लोमा कोर्स चलाता है। केंद्र के थ्रस्ट एरिया हैं – आधुनिक और मध्यकालीन फारसी साहित्य, फारसी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से फारसी में अनुवाद, इण्डो–ईरान सम्बन्ध और क्षेत्रीय अध्ययन – ईरान, अफगानिस्तान, तजकिस्तान और उज्बेकिस्तान।

केंद्र की भावी योजना में पश्तो में डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम शुरू करना तथा टर्की तथा उज्बेक भाषाओं के पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल है।

: lh v/; ;u dæ

रूसी अध्ययन केंद्र की स्थापना रूसी अध्ययन के एक स्वतंत्र संस्थान के रूप में वर्ष 1965 में हुई। बाद में वर्ष 1969 में यह जेएनयू का हिस्सा बन गया। केंद्र रूसी में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। केंद्र के थ्रस्ट एरिया हैं – रूसी भाषा शास्त्री, रूसी साहित्य और तुलनात्मक अध्ययन। केंद्र अपनी 'क्रिटिक' नामक पत्रिका का प्रकाशन करता है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र ने एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सुप्रसिद्ध विद्वानों के व्याख्यान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और फिल्म शो आयोजित किए।

bLikuh] iqrxkyh] brkyoh vkj yfVu vejhdh v/; ;u dæ

इस्पानी, पुर्तगाली, इतालवी और लैटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र (पहले इस्पानी अध्ययन केंद्र), इस्पानी में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम, पुर्तगाली में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, उच्च प्रवीणता डिप्लोमा और एम.फिल. पाठ्यक्रम तथा इतालवी में सर्टिफिकेट और प्रवीणता डिप्लोमा कोर्स चलता है। यह 'हिस्पानिक हॉरीजन' नामक पत्रिका भी प्रकाशित करता है।

केंद्र ने अपने कोर्सों की विषयवस्तु में संशोधन करने और नये कोर्स शुरू करने के लिए विस्तार से चर्चा की। केंद्र द्वारा पारित किए गए प्रस्तावों को शीघ्र ही संस्थान के अध्ययन मण्डल की मंजूरी हेतु भेजा जाएगा। केंद्र विदेशी छात्रों की रुचि को ध्यान में रखते हुए उनके लिए 'इण्डिया इन स्पेनिश' विषयक कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव करता है। केंद्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेष सहायता कार्यक्रम योजना के अन्तर्गत लैटिन अमरीकी अध्ययन में एक विशेष कार्यक्रम चलाने के अपने पूर्व प्रस्ताव पर भी विचारनविमर्श कर रहा है।

केंद्र छात्रों को 'औला सर्वोटेज' नामक सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहा है। इस सुविधा के अन्तर्गत छात्रों को इस्पानी भाषा एवं संस्कृति में शोध कार्य करने के लिए आधुनिक उपकरण तथा संसाधन उपलब्ध कराए जाऐंगे।

n'ku'kkL= xqi

दर्शनशास्त्र ग्रुप दर्शनशास्त्र में पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। यद्यपि, केंद्र भारतीय दर्शनशास्त्र में अध्ययन चलाता है, फिर भी केंद्र के थ्रस्ट एरिया हैं – आधुनिक पाश्चात्य दर्शनशास्त्र, जिसमें शामिल हैं – रेशनलिज्म ऑफ डेकार्टे स्पिनोजा, लिबिनिट्ज, द इम्पिरिसिज्म ऑफ लोक, बर्कले, ह्यूम, द लेट जर्मन आइडिएलिज्म ऑफ शोपेनहावर ऐंड निट्जशे, मार्किसज्म ऐंड निओ–मार्क्सिज्म लाजिकल आटोमिज्म ऑफ रसेल ऐंड विटजेनस्टिन, लाजिकल पोजिटिविज्म ऑफ ए.जे. अयर, क्रिटिकल थीअरि ऑफ एर्डोनो, हारर्वीमर, मार्कस, हेवरमास ऐंड द पोस्ट–माडर्न फिलास्फी ऑफ द लाइव्स ऑफ फाउकाल्ट ऐंड डेरिदा।

Hkk"kk i;kx'kkyk leg

एक ध्वनि प्रूफ एवं वातानुकूलित भवन में स्थित भाषा प्रयोगशाला समूह पूरे एशिया में एक सर्वोत्तम प्रयोगशाला है। इसमें चार आडियो–एक्टिव भाषा प्रयोगशालाएं, पांच आडियो–विजुअल रूम और फिल्म प्रोजेक्शन की सुविधा वाला प्रेक्षागृह है। प्रयोगशाला में रिकार्डिंग और आडियो–विडियो कैसेट डुप्लिकेशन सुविधा वाला एक स्टूडियो है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विदेशी भाषाओं की शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए कई स्लाइ्स, ग्रामोफोन रिकार्ड और फिल्म क्लिप्स उपलब्ध हैं। प्रयोगशाला द्वारा विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों, केंद्रों और विभागों को कांफ्रेंस सुविधाएं भी उपलब्ध करायी जाती हैं।

भाषा प्रयोगशाला या एक आडिया–विडियो रूप की सुविधाओं को प्रत्येक सप्ताह 30 घंटे उपयोग में लाया जाता है। इस वर्ष इन सुविधाओं को लगभग 4,000 घंटे उपयोग में लाया गया।

भाषा प्रयोगशाला समूह की भविष्य में विस्तार की योजना है। 20 छात्रों के केबिन वाले एक मल्टीमीडिया लैब रोबोटल स्मार्ट क्लास सिस्टम की खरीद के आदेश कर दिए गए हैं। इस सिस्टम का शीघ्र ही उपयोग करना शुरू कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय ने एक और डिजिटल भाषा प्रयोगशाला की स्थापना करने का निर्णय लिया है। जापान सरकार ने 20 और 30 छात्रों की केबिन वाली दो भाषा प्रयोगशालाएं उपहार–स्वरूप देने का वायदा किया है। चीन के शिक्षा मंत्रालय ने भी 24 छात्रों के केबिन वाली एक डिजिटल भाषा प्रयोगशाला उपहार–स्वरूप देने का वायदा किया है।

dUæk }kjk 'k: fd, x, u, dkl

Ýp vkj ÝdkQku v/;;u dUæ

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान दो नए एम.ए. कोर्स शुरू किए गए : 'करंट फ्रेंच लिट्रेचर' और 'फ्रेंकाफोन लिट्रेचर ऑफ इंडियन डायसपोरा'।

:lh v/;;u dUæ

समीक्षाधीन अवधि के दौरान एम.फिल./पी–एच.डी. द्वितीय सत्र के लिए एक नया कोर्स शुरू किया गया : फाल्कटेल एज ए फाल्कलोर जेनरे।

lLFkku@dUæk }kjk vk;kftr lEeyu

- भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान द्वारा 30 जुलाई से 1 अगस्त और 6 अगस्त से 8 अगस्त 2004 तक विदेशी भाषा के स्कूल शिक्षकों के लिए अनुशीलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। (किरण चौधरी, फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र द्वारा समन्वय)

phuh vkj nf{k.k&iohl ,f'k;kbl v/;;u dUæ

- हेमंत अदलखा (चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र) और पी.ए. जॉर्ज (जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र) द्वारा 16 फरवरी से 18 फरवरी 2005 तक जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के सहयोग से 'लिट्रेचर इन ईस्ट एशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया, एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

Ýp vkj ÝdkQku v/;;u dUæ

- अभिजीत कारकून द्वारा 18 मार्च, 2005 को विश्व फ्रेंकाफोन दिवस के अवसर पर 'फ्रेंकाफोन स्टडीज विषयक' एक दिवसीय गोलमेज संगोष्ठी आयोजित की गई।

tkikuh vkj mÙkj&iohl ,f'k;kbl v/;;u dUæ

- अनिता खन्ना द्वारा 29–30 अक्टूबर, 2004 को राष्ट्रीय जापानी साहित्य संस्थान और साहित्य अकादमी के सहयोग से 'जापानीज लिट्रेचर इन इंडियन पर्सपेक्टिव' विषयक भारत–जापान संगोष्ठी आयोजित की गई।

Hkk"kk foKku vkj vxzth dUæ

- मकरंद प्रांजपे ने 2 अगस्त 2004 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत 'पोस्ट कॉलोनियएलिटी, डायसपोरा, नेशनलिज्म' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

- मकरंद प्रांजपे ने 16 अगस्त 2004 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत 'द पॉस्ट ऐंड फ्यूचर ऑफ पोस्ट कॉलोनिएलिज्म' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- फ्रेंसन मंजली और सौगाता भादुड़ी ने 2 से 4 नवम्बर, 2004 तक भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से 'नीजे : फिलोलौजिस्ट, फिलास्फर ऐंड कलचरल क्रिटिक' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- एस.के. सरीन ने 6 दिसम्बर, 2004 को ला ट्रॉब विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया के सहयोग से "आस्ट्रेलियन स्टडीज नाव फ्रॉम मेलबोर्न टु दिल्ली' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- कपिल कपूर (भाषा–विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र) और आर.पी. सिंह (दर्शन–शास्त्र ग्रुप) द्वारा 23 मार्च 2005 को दर्शनशास्त्र समूह, भा.सा. और सं.अ.सं., ज.ने.वि. और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् के सहयोग से विशेष सहायता योजना विभाग के अन्तर्गत संयुक्त रूप से 'डिकंस्ट्रक्शन आइकोन प्रोफेसर जैक्स डेरिडा' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई।
- मकरंद प्रांजपे और जी.जे.वी. प्रसाद ने 28 से 30 मार्च, 2005 तक विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान, ज.ने.वि., भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और साहित्य अकादमी के सहयोग से 'इंडियन इंग्लिश ऐंड वर्नाकुलर इंडिया : (कॉन) टेक्सट्स ऐंड (कॉन) टेस्ट्स विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

: lh v/;;u dsUæ

- केन्द्र ने 9–10 दिसम्बर, 2004 को रूसी विज्ञान और संस्कृति केन्द्र, रूसी दूतावास, दिल्ली विश्वविद्यालय और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सहयोग से 'कनटेम्पोरेरि ट्रेंड्स इन रशियन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर टीचिंग, इश्यूज ऐंड पर्सपेक्टिव्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

n'ku&'kkL= x|i

- आर.पी. सिंह ने 23 जुलाई 2004 को अन्तरज्योति के सहयोग से 'इंटरफेथ हॉरमनी इन बालगंगाधर तिलक'स गीता रहस्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- आर.पी. सिंह ने 18 नवम्बर, 2004 को भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् के सहयोग से 'इंटरनेशनल फिलास्फी डे' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- आर.पी. सिंह ने 24–25 जनवरी 2005 को टेम्पल ऑफ अंडरस्टेंडिंग, आई.सी.पी.आर. और संवाद इंडिया फाउंडेशन के सहयोग 'इंटरफेथ हारमनी ऐंड सोशल कोहेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

Hkk"kk i:;kx'kkyk leg

- 1 मार्च, 2005 को ए.जे.ई.आई.ओ. के सहयोग से युवा शोधार्थियों के लिए 'डाटा शेयरिंग इन सोशल साइंस रिसर्च : टेक्नीक्स ऐंड स्टेक्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला की समन्वयक किरण चौधरी थीं।

vfrfFk

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विभिन्न केन्द्रों में निम्नलिखित विद्वान तथा प्रतिनिधि मण्डल आए :

phuh vkj nf{k.k&iohl ,f'k;kbl v/;;u dsUæ

- केन्द्र के सेवा निवृत्त प्रोफेसर और चीनी इतिहास तथा संस्कृति के प्रख्यात विद्वान प्रो. तान चुंग ने 10 जनवरी, 2005 को 'व्हाइट होर्स ऐंड गेदर्ड फ्लोवर्स : रेमिनिसिंसिज ऑफ ए चीनी हिंदुस्तान' विषयक व्याख्यान दिया।
- केन्द्र के सेवा–निवृत्त शिक्षक डॉ. एच.पी. रे ने 21 फरवरी, 2005 को 'एक्सपिरिएंसिज ऑफ लर्निंग चाइनीज' विषयक व्याख्यान दिया।

Ýp vkj ÝdkQku v/;;u dUæ

- सेनेगल के राजनयिक श्री अबदाउलए बा ने 7 अप्रैल 2004 को 'इण्डो–सेनेगलीज टाइज' विषयक व्याख्यान दिया।
- सीआईआई की उप–निदेशक सुश्री शिप्रा शर्मा ने 8 अप्रैल 2004 को 'इण्डो–अफ्रीकन टाइज' विषयक व्याख्यान दिया।
- फ्रांसीसी पर्यटन विशेषज्ञ श्री एलन पासाग्ने ने 16 अप्रैल 2004 को 'चेंजिंग फेसिज ऑफ ट्यूरिज्म इन इंडिया ऐंड फ्रांस' विषयक व्याख्यान दिया।
- केन्द्र के पूर्व छात्र श्री संजीव गुप्ता (वर्तमान में शेल, फ्रांस में कार्य कर रहे हैं।) ने 20 अप्रैल, 2004 को 'लर्निंग फ्रेंच ऐंड इंटरनेशनल ट्रेड' विषयक व्याख्यान दिया।
- क्यूबेक, कनाडा से एक उच्च स्तरीय मंत्रियों का प्रतिनिधि मण्डल 2 नवम्बर, 2004 को केन्द्र में आया।
- लूसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी की डॉ. शोनू नांगिया ने 17 फरवरी 2005 को 'इरोटीसिज्म, मिस्टीसिज्म ऐंड लिबरेशन इन तहार बेन जेलौन'स ला न्यूत दे एल' एरर आर द केस फोर एक्टिव फिमेल सेक्सुअलटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- श्री जीन बौरासा ने 28 फरवरी, 2005 को 'प्रॉब्लमेटिक्स ऐंड चैलेंजिस ऑफ फर्स्ट नेशन पीपल इन क्यूबेक/कनाडा', विषयक व्याख्यान दिया।

teu v/;;u dUæ

- प्रो. पॉल माइकल लुटजेलर, वाशिंग्टन विश्वविद्यालय, सेंट लूइस, यू.एस.ए. 17 सितम्बर से 8 अक्टूबर 2004 तक केन्द्र में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में रहे।
- बर्न विश्वविद्यालय, स्विटजरलैण्ड के प्रो. अर्नेस्ट डब्ल्यू.बी. हेस लुटिच 8 फरवरी से 7 मार्च, 2005 तक केन्द्र में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में रहे।
- डॉड, जर्मनी के प्रोफेसर मैनफ्रेड स्टेसेन 25 जनवरी से 3 मार्च 2005 तक केन्द्र में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में रहे।
- सारब्रुकन विश्वविद्यालय वेस्टजर्मनी, की डॉ. रीटा उते बुछावर 21 फरवरी से 20 मार्च 2005 तक केन्द्र में विजिटिंग स्कॉलर के रूप में रही।
- प्रसिद्ध जर्मन लेखक उवे तिम ने फरवरी 2005 में अपने उपन्यास के कुछ अंश पढ़े।
- आस्ट्रेलियाई लेखक जोसेफ विंकलर ने फरवरी, 2005 में अपने शोध कार्य के कुछ अंश पढ़े।
- गोटिंगन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हॉर्स्ट टुर्क ने मार्च 2005 में केन्द्र के छात्रों के लिए 'फ्रेडरिक शीलर' विषयक कार्यशाला आयोजित की।

tkikuh vkj mÙkj&iohZ ,f'k;kbZ v/;;u dUæ

- गियोंगिन नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एज्यूकेशन, दक्षिण कोरिया के छात्रों और स्टाफ सदस्यों का एक दल 19 जुलाई, 2004 को केन्द्र में आया।
- दोहो विश्वविद्यालय, नागोया, जापान से एक प्रतिनिधि मंडल 9 सितम्बर, 2004 को केन्द्र में आया।
- जापानी स्कूल, नई दिल्ली से छात्रों और शिक्षकों का एक दल सितम्बर, 2004 में केन्द्र में आया।
- दक्षिण कोरिया से एक प्रतिनिधि मण्डल 20 जनवरी 2005 को केन्द्र में आया।
- इवाते विश्वविद्यालय, मोरियोका, जापान के प्रो. मोकीजुकी योशितसुगु 6 जनवरी से 20 मार्च, 2005 तक केन्द्र में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में रहे।

Hkk"kk&foKku vkSj vaxzsth dsUæ

- डॉ. अलका कुमार, रीडर (अंग्रेजी), श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 21 और 26 अप्रैल 2004 को 'वेरियस आस्पेक्ट्स ऑफ कनाडियन लिट्रेचर' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- सी.सी. ऐंड एस.एस., गलगोटिया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोयडा, उत्तर प्रदेश के प्रोफेसर और अध्यक्ष डॉ. कैलाश एस. अग्रवाल ने 9, 11, 16 और 18 अगस्त, 2004 को 'सोसियोलिंग्विटिक्स' विषयक चार व्याख्यान दिए।
- रोड आइसलेण्ड कॉलेज, यू.एस.ए. के डॉ. अमरजीत सिंह ने 16 अगस्त, 2004 को 'हाउ रिलिवेंट इज पोस्ट कॉलोनियल थीअरि टु अफ्रीकन–अमेरिकन स्टडीज ?' विषयक व्याख्यान दिया।
- फ्रेंकलिन ऐंड मार्शल कॉलेज, यू.एस.ए. की डॉ. पद्मिनी मोंगिया ने 16 अगस्त 2004 को 'द इमर्जेंस ऑफ इंडियन लिट्रेचर इन द यू.एस. एकेडमी' विषयक व्याख्यान दिया।
- यूनिवर्सिटी ऑफ आरहस डेनमार्क के प्रख्यात कवि तबिश खैर ने 16 अगस्त 2004 को 'वरिंग पोस्ट कालोनिएलिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- अस्मारा विश्वविद्यालय, इरिट्रिया अफ्रीका में कला संकाय में अंग्रेजी के प्रोफेसर और डीन प्रो. टी.एन. धर ने 1 सितम्बर, 2004 को 'क्लोज कॉजिंस आर डुप्लिशियस कंपीटिटर्स : द नॉवल इन रिलेशन टु हिस्ट्री' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. कृष्णा गर्ग, सेवानिवृत्त प्रोफेसर (एनाटॉमी), लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, ने 14 और 21 अक्टूबर, 2004 को 'पार्टस ऑफ ब्रेन ऐंड मोटर एक्टिविटी ऑफ द आर्गन्स ऑफ स्पीच' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- अम्बाई, प्रसिद्ध तमिल लेखक ने 28 अक्टूबर 2004 को छात्रों के लिए एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. चन्द्रानी बिश्वास, व्याख्याता (अंग्रेजी), सेंट जेवियर कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय, ने 3 और 8 नवम्बर 2004 को 'इंट्रोडक्शन टु वुमन राइटर्स इन द अफ्रीकन ट्रेडिशन' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- प्रो. दीपक कुमार, जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. ने, 9 नवम्बर, 2004 को 'करंट ट्रेंड्स इन हिस्टोरियोग्राफी' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. जॉन ओलियर मेरी, इमेरीट्स प्रोफेसर (अंग्रेजी), टुफत्स यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए., ने 10 नवम्बर, 2004 को 'इंडियन क्रिटिसिज्म टुडे : द स्टेट ऑफ द आर्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. एच.एस. हॉक, भाषा–विज्ञान विभाग, इलिनॉयस विश्वविद्यालय, अरबाना चम्पाग्ने, यू.एस.ए., ने 7, 11 और 16 फरवरी, 2005 को 'इश्यूज इन कंपेरेटिव ऐंड हिस्टोरीकल लिंग्विस्टिक्स' विषयक तीन व्याख्यान दिए।
- प्रो. कृष्णा गर्ग, सेवानिवृत्त प्रोफेसर (एनाटॉमी), लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, ने 22 और 25 फरवरी, 2005 को 'स्पीच ऐंड लैंग्वेज सेंटर्स इन ह्यूमन ब्रेन' और 'हाउ डु वी हियर ? : स्ट्रक्चर ऑफ ह्यूमन इयर' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- प्रो. राजेन्द्र सिंह, भाषा–विज्ञान विभाग, मांट्रियल विश्वविद्यालय, कनाडा, ने 7 मार्च 2005 को 'इश्यूज इन लिंग्विस्टिक थीअरि' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. के.वी. सुब्बाराव, भाषा–विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने 9 मार्च, 2005 को 'सिनटेक्टिक चेंज' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.जी. वसांजी, प्रख्यात कनाडियन लेखक ने 17 मार्च 2005 को 'कनाडियन फिक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।

: lh v/; ;u dsUæ

- डॉ. इंदिरा मुसैवा, किरगिज विद्वान, ने 6 अगस्त, 2004 को 'डिवलपमेंट ऑफ रशियन लिट्रेचन बाई एमिग्रेन्ट रशियन राइटर्स : कंटेम्पोरेरि व्यूपाइंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुश्री इरिना कोझीरेवा, पत्रकार, रूसी संस्कृति केन्द्र ने 30 सितम्बर, 2004 को 'एज्यूकेशन इन रशिया ऐंड द रोल ऑफ रशियन लैंग्वेज इन प्रमोटिंग इण्डो–रशियन फ्रेंडशिप' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. ओलेग उलत्सीफिरोव, अध्यक्ष, भारत–इरानी और अफ्रीकी भाषा विभाग, मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, ने 25 जनवरी, 2005 को 'रशियन लैंग्वेज ऐंड हिंदी इन अवर टाइम' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. इंदिरा गजीवा, सह–प्रोफेसर, भारतीय भाषाएं, रशियन स्टेट यूनिवर्सिटी फॉर ह्यूमिनिटी, मास्को ने 4 फरवरी, 2005 को 'प्रॉब्लम्स ऑफ लर्निंग ए फॉरेन लैंग्वेज इन नॉन–नेटिव सराउंडिंग्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. डी. कतसेव अलेक्जेंडर, अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय पत्रकारिता विभाग, किरगिज रशियन स्लावोनिक यूनिवर्सिटी, ने 10 मार्च, 2005 को 'मॉडर्न रशियन लिट्रेचर ऐंड सोसायटी' विषयक व्याख्यान दिया।

bLikuh] iqrZxkyh] brkyoh vkSj ySfVu vejhdh v/; ;u dsUæ

- प्रो. कार्ला रिकार्डी, पाविया विश्वविद्यालय, इटली, ने 20 अक्टूबर 2004 को 'ए क्रिटिकल ओवरव्यू ऑफ द हिस्टोरीकल नॉवल' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. जोस पाज रोड्रिग्स, वाइयो विश्वविद्यालय, स्पेन ने 3 फरवरी 2005 को 'डिवलपमेंट ऑफ द गैलेको–पुर्तगीज लैंग्वेज' विषयक व्याख्यान और 4 फरवरी 2005 को 'La Recepcion de Tagore en Espaina] Portugal y America Latina' विषयक XVIIIवाँ वार्षिक एंटोनियो बिनिमेलिस स्मारक व्याख्यान दिया।
- वेनेजुएला की राजदूत महामहीम सुश्री मिलेना सांताना रेमिरेज 4 फरवरी 2005 को आयोजित XVIIIवें वार्षिक एंटोनियो बिनिमेलिस स्मारक व्याख्यान में मुख्य अतिथि थी।
- सुश्री क्रिस्टिना फ्रेल, मिशन की उप प्रमुख, स्पेन दूतावास, 4 फरवरी, 2005 को आयोजित XVIIIवें वार्षिक एंटोनियों बिनिमेलिस स्मारक व्याख्यान में सम्माननीय अतिथि थीं।
- वेनेजुएला के प्रो. विलियम अर्नेस्टो इजारा 9 फरवरी 2005 को केन्द्र में आए और 'El Procesco Revolucionario Venezolano' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. हरनान ल्यूसेना, लॉस एंडेज यूनिवर्सिटी, मेरिडा, वेनेजुएला, 2 से 8 मार्च 2005 तक केन्द्र में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में रहे। इस दौरान उन्होंने 'वेनेजुएला एक्चुअल', 'Diaspora en el Caribe' और 'I denlidad Cultural Latinoamericano' विषयक तीन व्याख्यान भी दिए।
- सुश्री मारिया गेब्रिला माता, लॉस एंडेज यूनिवर्सिआी, मेरिडा, वेनेजुएला, 2 से 8 मार्च 2005 तक केन्द्र में विजिटिंग फेलो के रूप में रहीं।
- इस्पानी, पुर्तगाली और इतालवी भाषा बोलने वाले देशों के राजदूतों, उनके प्रतिनिधियों आदि ने 20 अक्टूबर, 2004 को आयोजित केन्द्र के पुनः नामकरण समारोह में भाग लिया।

n'kZu&'kkL= xzqi

- प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, राष्ट्रीय फेलो, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, ने 20 अगस्त 2004 को 'प्रेक्टिकल डायमेंशंस ऑफ एथिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर जे.जे. युएंतर, नार्थ–वेस्ट यूनिवर्सिटी, पॉहशेफस्ट्रम कैम्पस, ने 8 फरवरी, 2005 को 'हिस्ट्री ऑफ आइडिया'ज' विषयक व्याख्यान दिया।

- डॉ. हमीदुल्लाह मराजी, इस्लामी अध्ययन विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, ने 'सूफीज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. जॉन हावेस, लर्निंग गिल्ड, आस्ट्रेलिया, ने 21 फरवरी 2005 को 'टु काइन्ड्स ऑफ लिबरेलिज्म : जे.एस. मिल ऐंड टी.एच. ग्रीन' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. मनुशी राय, दर्शन–शास्त्र विभाग, श्रीशिक्षायतन महाविद्यालय, कोलकाता, ने 7 मार्च 2005 को 'रिचर्ड रोरटी'ज फिलास्फी ऐंड द मिरर ऑफ नेचर' विषयक व्याख्यान दिया।

Hkk"kk&iz;ksx'kkyk lewg

भाषा प्रयोगशाला समूह में विभिन्न दूतावासों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और शैक्षिक संस्थानों से प्रतिनिधिमंडल आए, इन्होंने संभव सहयोग के बारे बाच–चीत की। इनमें शामिल थे : जापान दूतावास; स्पेन दूतावास; दिल्ली विश्वविद्यालय; विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतर; उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद; असम विश्वविद्यालय; कर्नाटक विश्वविद्यालय, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक; कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय; हिंदू महाविद्यालय, सोनीपत; शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण महाविद्यालय, पीतमपुरा, नई दिल्ली; प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, जनकपुरी, नई दिल्ली; एडवांस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गाजियाबाद; स्प्रिंगडल्स स्कूल, धौलाकुआँ, नई दिल्ली; नवयुग स्कूल, लक्ष्मी नगर, नई दिल्ली; अमृता विद्यालय, पुष्प विहार, नई दिल्ली (प्रो. एस. सी. साहा, कुलपति, असम विश्वविद्यालय मार्च 2005 में प्रयोगशाला में आए और अपने विश्वविद्यालय में डिजिटल भाषा प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए सहायता मांगी।)

Nk=ksa dh miyfC/k;ka

Hkkjrh; Hkk"kk dsUæ

- सुश्री खालिदा आदिब को एम.फिल. (उर्दू) में सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए 'सज्जाद जहीर मेरिट' पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- श्री मोहम्मद जुबेर खान को एम.ए. (उर्दू) में सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए 'रजिया सज्जाद जहीर मेरिट' पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- श्री मोहम्मद जुबैर खान, श्री मोहम्मद इरशाद आलम और श्री मोहम्मद शमीम अख्तर (एम.ए., उर्दू) के छात्रों को दिल्ली उर्दू अकादमी मेरिट पुरस्कार प्राप्त हुए।

tkikuh vkj mÙkj iwohZ ,f'k;kbZ v/;;u dsUæ

- एम.ए. प्रथम वर्ष जापनी के निम्नलिखित छात्रों को 5 अक्टूबर 2004 से 4 सितम्बर 2005 तक के लिए जूनियर मोम्बुशो छात्रवृत्ति प्राप्त हुई। ये छात्र हैं – सुश्री दीपिका कौशिक, सुश्री ईशा चौधरी, श्री इमरोज आलम, श्री अमित अशोक कावले, श्री विजय प्रताप और विनीत जैन।
- अखिल भारतीय जापानी भाषा वाक प्रतियोगिता में जापानी भाषा के छात्रों – श्री तारिक शेख और श्री ओम प्रकाश ने वरिष्ठ श्रेणी में क्रमशः प्रथम और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किए और सुश्री अंशु शर्मा ने कनिष्ठ श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- सुश्री अंतरा गाडगिल, बी.ए. द्वितीय वर्ष (जापानी), ने 25 फरवरी 2005 को आयोजित कांजी लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।
- सुश्री सलना सन्नी (एम.ए. कोरियाई) को एन.आई.आई.ई.डी. कोरियाई सरकार द्वारा 1 सितम्बर 2004 से 28 फरवरी 2005 तक के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- सुश्री संगीता यादव (एम.ए. कोरियाई) को सितम्बर 2004 से अगस्त 2005 तक के लिए ताईवान छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

- श्री सत्यांशु श्रीवास्तव और श्री प्रवीण तामरकर (बी.ए. कोरियाई) को सितम्बर 2004 से जून 2005 तक के लिए चुंग–आंग विश्वविद्यालय की कोरियाई छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- श्री अवनीन्द्र कुमार (बी.ए. कोरियाई) को कोरिया फाउंडेशन द्वारा 28 जून से 6 अगस्त 2005 तक छः सप्ताह के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- सुश्री सलना सन्नी (एम.ए. कोरियाई) और श्री सत्यांशु श्रीवास्तव तथा श्री पुरुषोत्तम गूजर (बी.ए. कोरियाई) को कोरियाई फाउंडेशन की छात्रवृत्ति मिलती रही। यह छात्रवृत्ति 22 जुलाई 2003 से दो वर्ष की अवधि के लिए प्रदान की गई थी।

bLikuh] irxkyh] brkyoh vkj yfVu vejhdh v/;;u dUæ

- श्री कुंदन कानन और सुश्री अरूसी जैन स्पेन दूतावास द्वारा प्रायोजित और कनफ्लुएंस इंटरनेशनल, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 'कंटेम्पोरेरि स्पेनिश पोइट्री' विषयक पुस्तक के संयुक्त लेखक–अनुवादक थे। स्पेन दूतावास द्वारा आयोजित समारोह में इस पुस्तक का औपचारिक विमोचन किया गया।

dkb vU; lpuk

tkikuh vkj mÙkj&ioh ,f'k;kb v/;;u dUæ

- 9 अक्टूबर 2004 को हंगुल दिवस (कोरियाई लिपि दिवस) मनाया गया। इस अवसर पर कोरियाई डिग्री पाठ्यक्रम के 10 वर्ष पूरे होने पर भी समारोह आयोजित किया गया।

Hkk"kk&foKku vkj vxth dUæ

- डॉ. जी.जे.वी. प्रसाद को भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्यन संस्थान की पत्रिका (जे.एस.एल.) का संपादक नियुक्त किया गया है।

:lh v/;;u dUæ

- केन्द्र ने 4 अक्टूबर से 8 अक्टूबर, 2004 तक रूसी फिल्म सप्ताह का आयोजन किया।

idk'ku

vkys[k

vjch vkj vÝhdh v/;;u dUæ

- एस.ए. रहमान, इस्लामिक कल्चर इन इंडिया (अरबी में), थकाफतुल हिंद (आई.सी.सी.आर. की अरबी पत्रिका)।
- एस.ए. रहमान, अकबर के जमाने की इल्मी सरगर्मियां, अफकार–ए–अलिया।

phuh vkj nf{k.k&ioh ,f'k;kb v/;;u dUæ

- एम.एल. भट्टाचार्य, द वन–साइडिड ट्रेन्ड्स ऑफ कल्चर (लु जुन के निबंध Wenhva Pianzhi jon का चीनी से अंग्रेजी में अनुवाद), भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान की पत्रिका (जे.एस.एल.), नई श्रृंखला–2, आटम 2004.
- सबरी मित्रा, रि–इमर्जेंस ऑफ द 'इनडिविजुअल' इन पोस्ट माओ चाइनीज लिट्रेचर, चाइना रिपोर्ट, 40:259–270, अक्टूबर–दिसम्बर 2004.
- सबरी मित्रा, शेयड्ढ रेडियांस ऑफ 'रबी' : फ्राम जी बिंगजिन टु गेब्रिला मिस्ट्राल, हिस्पानिक हॉरिजन (इ.पु.इ.ले. अ.अ.के. की पत्रिका, भा.सा.सं.अ.सं., ज.ने.वि.), पृ. 89–94, 2003.

- बी.आर. दीपक, हाउ 'वेल ऑफ' इज चाइना ? मेनस्ट्रीम, 42 (41) : 26–30, अक्टूबर 2004.
- बी.आर. दीपक, चाइना'ज इंडिया पॉलिसी : ए शिफ्टिंग पैराडिग्म, थिंक इंडिया, 7(3) : 19–61, जुलाई–सितम्बर 2004.

Ýp vkj ÝdkQku v/;;u dUæ

- जी.डी. सिवम, मोन चेर अमी (तमिल लघु कहानियों का फ्रेंच में अनुवाद), रिकांतरे एवेक एल' इंदे (आई.सी.सी.आर. की फ्रेंच पत्रिका)।
- शांता रामाकृष्णा, प्रिजर्विंग क्रिएटिव डाइवर्सिटी इन एन इरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन : इंडियन ऐंड कनाडियन पर्सपेक्टिव्स, जे.एस.एल., नई श्रृंखला–1, स्प्रिंग 2004.
- शांता रामाकृष्णा, ट्रांसलेशन ऐंड द क्वेस्ट फॉर आइडेंटिटी : डेमोक्रेटाइजेशन ऑफ नॉलेज इन 19थ सेंचुरी इंडिया, जे.एस.एल., नई श्रृंखला–2, ऑटम 2004.
- शांता रामाकृष्णा, असाइल (सुंदर रामास्वामी की तमिल लघु कहानियें का फ्रेंच में अनुवाद), रिकांतरे एवेक एल इंदे (आई.सी.सी.आर. की फ्रेंच पत्रिका), टॉम 33, अंक 1, 2004.
- शांता रामाकृष्णा, Un Jour Inoubliable Dans la Vie de chandrika (पुनाथिल कुनहाबदुल्ला की मलयालम लघु कहानियों का फ्रेंच में अनुवाद) रिकांतरे एवेक एल' इंदे (आई.सी.सी.आर. की फ्रेंच पत्रिका), टॉम 33, अंक 2, 2004.
- किरण चौधरी, पिक–निक (भीष्म साहनी की 'पिकनिक' का फ्रेंच में अनुवाद), रिकांतरे एवेक एल' इंदे (आइ.सी.सी.आर. की फ्रेंच पत्रिका), 2005.
- किरण चोधरी और एक. इरानी, L' Interculturel : Une Experience Indienne, Travaux De Didactique du Francais Langue Etrangere, 50, I er Trimestre, 2004.
- एन. कमला, हैरी पोटर / हरी पुट्टर आर वाट्स इन ए नेम ?, जे.एस.एल., नई श्रृंखला–2, ऑटम 2004.
- एन. कमला और जी.जे.वी. प्रसाद, एन इंग्लिश फॉर ट्रांसलेशन, क्रिएटिव फोरम : जर्नल ऑफ लिटरेरी ऐंड क्रिटिकल राइटिंग्स, भाग–17, अंक–1, पृ. 9–17, जनवरी–जून, 2004.
- एन. कमला, Tradition et Transition : Les Arts Du Spectacle en Inde du Nord Medieval (मधु त्रिवेदी के आलेख का अंग्रेजी से फ्रेंच में अनुवाद), रिकांतर एवेक एल' इंदे (आई.सी.सी.आर. की फ्रेंच पत्रिका), टॉम 33, अंक–2, 2004.
- एन. कमला, रिव्यू ऑफ ट्रांसलेशन एज रिकवरी बाइ सुजीत मुखर्जी, द बुक रिव्यू, भाग–XXVIII, अंक–9, सितम्बर 2004.
- एन. कमला, रिव्यू ऑफ आस्टिनाटो बाइ लुइस रेने डेज फोरेट्स (मेरी आन काज का अनुवाद), द फाइनेंशल एक्सप्रेस.
- अभिजीत कारकून, Retracer La Route der Indes d' Afanisi Nikitin : Un Voyageur en Inde au xve Siecle (अमर बसु के आलेख 'रिट्रेसिंग अफिनिसी निकितिन'स वॉयेज टु इंडिया इन द 15थ सेंचुरी' का अंग्रेजी से फ्रेंच में अनुवाद), रिकांतरे एवेक एल' इंदे (आई.सी.सी.आर. की फ्रेंच पत्रिका), टॉम 33, अंक 2, 2004.

teZu v/;;u dUæ

- अनिल भट्टी, एल्फ्रेड जेलिनेक नॉबल प्राइज 2004, सोशल साइंटिस्ट, भाग–32, अंक 11–12, 2004.
- साधना नैथानी, द टीचर ऐंड द टॉट : स्ट्रक्चर्स ऐंड मीनिंग इन द अरबियन नाइट्स ऐंड द पंचतन्त्र मार्वल्स ऐंड टेल्स, जर्नल ऑफ फेयरी टेल स्टडीज, भाग–18, अंक 2, 2004.

- साधना नैथानी, Literatur im Zeitatler des Virtuellen Daseins] WWW.dichtung-digital.de, Internet Zeitschrift Fuer Digitale Literatur, Ausgabe 4/2004.
- साधना नैथानी, रिव्यू ऑफ प्रिंट, फॉकलोर ऐंड नेशनलिज्म इन कॉलोनियल साउथ इंडिया बाइ स्टुअर्ट ब्लेकबर्न, बुक रिव्यू, 2004.

Hkkjrh; Hkk"kk dUæ

- मोहम्मद शाहिद हुसैन, तहरीक–ए–आजादी और उर्दू सहाफत, आजकल, पृ. 20–24, अगस्त 2004.
- मोहम्मद शाहिद हुसैन, उर्दू सिनेमा 1947 तक, उर्दू दुनिया, पृ. 22–24, अगस्त 2004.
- पुरुषोत्तम अग्रवाल, लोकवृत्त : हिंदी भाषा का या हिंदी प्रदेश का ? आलोचना, अंक 15.
- पुरुषोत्तम अग्रवाल, एकांत की भूल–भूल्लैया, अन्यथा, अंक 1, जून 2004.
- पुरुषोत्तम अग्रवाल, कबीर, कसौटी, अंक 15, जुलाई 2004.
- पुरुषोत्तम अग्रवाल, धर्म, वैज्ञानिक चेतना और नैतिक विवेक, कल के लिए, भाग–12, अंक 46–47, सितम्बर 2004.
- वीरभारत तलवार, दलित पत्रकारिता : नई कसौटी, नए सवाल, हंस, अगस्त 2004.
- गोबिन्द प्रसाद, हिंदी कविता : निराला से 2004 तक, इन्द्रप्रस्थ भारती, अप्रैल–जून 2004.
- गोबिन्द प्रसाद, कथन में चार कविताएं प्रकाशित, जून 2004.
- गोबिन्द प्रसाद, समाधिष्ट सन्नाटे का शिल्प, माया, जनवरी 2005.
- गोबिन्द प्रसाद, कादम्बिनी में कुछ कविताएं प्रकाशित हुईं, फरवरी 2005.
- रंजीत कुमार साहा, सहपाठी (सत्यजीत रे की बंगाली में लिखित कहानी का हिंदी में अनुवाद), समकालीन भारतीय साहित्य, स्वर्ण जयंती अंक 1, भाग 114, जुलाई–अगस्त 2004.
- रंजीत कुमार साहा, 'बिनोद दा के जीवन का आशय', 'अपराजय बिनोद बिहारी' और 'कला सर्जना और स्वाधीनता' (सत्यजीत रे, अजीत कुमार दत्त और बी.बी. मुखर्जी की बंगाली रचनाओं का क्रमशः हिंदी में अनुवाद), समकालीन कला (ललित कला अकादमी की पत्रिका) रजत जयंती अंक, भाग 25, नवम्बर 2004–फरवरी 2005.
- रंजीत कुमार साहा, नर्मदा : सचल और तरल प्रतीक, संस्कृति (राजभाषा विभाग, भारत सरकार की पत्रिका) अक्टूबर–दिसम्बर 2004.
- रंजीत कुमार साहा, रामानंद चटर्जी को संबोधित रबीन्द्रनाथ टैगोर के तीन पत्र (बंगाली से हिंदी में अनूदित) का, भाग–8, 2004.
- रंजीत कुमार साहा, आचार्य नंद लाल बासु : गुरु, साधक, शिल्पि, का, अक्टूबर–नवम्बर 2004.
- रंजीत कुमार साहा, अमृत राय : रचनात्मक अनुवाद, अनुवाद (भारतीय अनुवाद परिषद की पत्रिका) भाग–117, जुलाई–अगस्त 2004.
- रंजीत कुमार साहा, हिंदी परम्परा की निरन्तरता, राजभाषा मंजूषा (राष्ट्रीय नाट्य संस्थान की पत्रिका), भाग 8.
- मजहर हुसैन, उन्नीसवीं सदी के निस्फ आखीर में उर्दू–हिंदी तनाजा, गालिबनामा, भाग–25, अंक–2, जुलाई 2004.
- देवेन्द्र कुमार चौबे, दलित कविता का समाजशास्त्र, आजकल, 8 दिसम्बर 2004.
- देवेन्द्र कुमार चौबे, एक लेखक का दलित होना, वागर्थ, जून 2004.

tkikuh vkj mÙkj&iohl ,f'k;kbl v/;;u dsUæ

- मजुश्री चौहान, इंदोगाकु शोशीसॉउ तो सोनो शुतेन (गोड फॉर एन एवरेज इंडियन इन जापानीज), बुकयो बुनका गक्काई, जून 2004.
- अनिता खन्ना, पंजाबुशु नो मिनवा (जापानी में पंजाब की लोककथाएं), चनपानो हाना, भाग–6, 2005.
- अनिता खन्ना, ह्यूमर्स टेल्स ऑफ कोनजाकु मोनोगटारिशु, जे.एस.एल., नई श्रृंखला 2, पृ. 130–136, ऑटम 2004.
- वैजयन्ती राघवन, सिक्स नेशन टॉक्स इन नार्थ–ईस्ट एशिया : द सिनेमा फैक्टर, चाइना रिपोर्ट : ए जर्नल ऑफ ईस्ट एशियन स्टडीज, भाग–41, अंक 1, जनवरी–मार्च 2005.

Hkk"kk&foKku vkj vxzsth dsUæ

- कपिल कपूर, लॉस, रिकवरी ऐंड रिन्युवल ऑफ टेक्स्ट्स इन इंडियन ट्रेडिशंस, इवाम : फोरम ऑन इंडियन रिप्रिजेंटेशंस, भाग–3, अंक 1 और 2, पृ. 12–37, 2004.
- अन्विता अब्बी, हूज लैंग्वेज इज उर्दू ? हीडल वर्ग पेपर्स इन साउथ एशियन ऐंड कंपेरेटिव पॉलिटिक्स, आधार पत्र सं. 24, 2004.
- अन्विता अब्बी, टाइपोलॉजी ऑफ 'मैनर' इन वर्ब सिक्वेंसिज इन साउथ एशियन लैंग्वेजिज, इंडियन लिंग्विस्टिक्स, भाग–65, अंक 1–4, पृ. 1–29, 2004.
- अन्विता अब्बी, भारत की जनजातीय भाषाएं : हमारी उपेक्षित विरासत, आम आदमी, भाग–75, पृ. 135–39, 2005.
- एस.के. सरीन, वन फ्लेग आर मैनी : द केस आफ इंग्लिश इन इंडिया, पैराबोला, साओ पावलो, एस.पी., सितम्बर 2004.
- एस.के. सरीन और सईदुर रहमान, बंगलादेश : ए मोनोलिंगुअल 'नेरान स्टेट' आर ए कांस्ट्रक्ट ऑफ कल्चरल हिगेमनी ? जे.एस.एल., नई श्रृंखला 3, स्प्रिंग 2005.
- मकरंद प्रांजपे, सिचुएटिंग द इंडियन नॉवल इन इंग्लिश (ऐंड अदर इंडियन लैंग्वेजिज), आई.जे.ओ.डब्ल्यू.एल. ए.सी., 1.1, पृ. 10–15, जनवरी–जून 2004.
- मकरंद प्रांजपे, गांधी'ज वुमन, रिव्यू ऑफ मीरा ऐंड महात्मा बाई सुधीर कैकर, इंडिया टुडे, पृ. 61, 18 अक्टूबर 2004.
- मकरंद प्रांजपे, रिव्यू ऑफ वायलेंस/नान वायलेंस : सम हिंदू पर्सपेक्टिव्स (सं.) डेनिस विडाल, गाँधी मार्ग, पृ. 365–68, अक्टूबर–दिसम्बर 2004.
- पी.के.एस. पाण्डेय, काग्निटिव ऐंड कम्युनीकेटिव नॉलेज ऑफ लैंग्वेज, डेकन कॉलेज पोस्ट ग्रेजुएट ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की पत्रिका, भाग 62–63 (प्रोफेसर अशोक आर. केलकर अभिनंदन भाग), पृ. 1–8.
- जी.जे.वी. प्रसाद, रोमांस इन द वेस्ट : तोरु दत्त द नॉवलिस्ट, इंडियन जर्नल आफ वर्ल्ड लिट्रेचर ऐंड कल्चर, भाग–1, अंक 1, पृ. 34–68, 2004.
- जी.जे.वि. प्रसाद और एन. कमला, एन इंग्लिश फॉर ट्रांसलेशन, क्रिएटिव फोरम : जर्नल ऑफ लिटरेरी ऐंड क्रिएटिव राइटिंग्स, भाग–17, अंक 1, पृ. 9–17, जनवरी–जून 2004.
- फ्रेंसन मंजली, फिलोस्फी, लिट्रेचर ऐंड द डिस्कोर्स ऑफ प्यूरिटी, जर्नल ऑफ द इंटरडिसिप्लीनरी क्रॉसरोड्स, भाग–1, अंक–1, पृ. 143–53, अप्रैल 2004.
- एस. भादुड़ी, लिटरेरी करिकुला ऐंड कल्चर स्टडीज, द बुक रिव्यू, भाग XXVIII,अंक 4, पृ. 32–33, अप्रैल 2004.

- एस. भादुड़ी और सिमी मल्होत्रा, द बिगनिंग्स ऑफ 'थीअरि' : ए स्टडी ऑफ फ्रेडरिक नीतचे'ज वर्क्स इन कनेक्शन टु 'थीअरि, लैंग्वेज फोरम, भाग–30, अंक–1, पृ. 43–62, जनवरी–जून 2004.
- एस. भादुड़ी, ऑफ रोमांस,मिस्ट्री ऐंड हिस्ट्री, द बुक रिव्यू, भाग–XXVIII, अंक 9, पृ. 10–11, सितम्बर 2004
- एस. भादुड़ी और सिमी मल्होत्रा, द पार्टिशंड होल : रीडिंग रीजन इन पोप'स 'एन एसे आन क्रिटिसिज्म, लैंग्वेज फोरम, भाग–30, अंक–2, पृ. 97–126, जुलाई–दिसम्बर 2004.

Qkjlh vkj e/; ,f'k;kbi v/;;u dUæ

- एस.ए. हसन, द प्रोसस ऑफ मेकिंग द टेक्स्ट लेजिबल, जेएसएल, नई शृंखला III, स्प्रिंग 2005.
- अखलाक अहमद अंसारी, यासिर अराफात वा साइहुनियात, राष्ट्रीय सालाना डेली, नवम्बर 2004.
- अखलाक अहमद अंसारी, इस्लाम वा गर्ब वा इंगलाव–ए–इस्लामी डेर ईरान (ईरानी–इस्लामी क्रांति के अवसर पर रजत जयंती समारोह फाउंडेशन द्वारा प्रकाशन हेतु स्वीकृत), तेहरान, जून 2004.

: lh v/;;u dUæ

- अमर बासु, एफेनेसी निकितिन'स इंडिया : एन एसेस्मेंट, रिकांतरे एवेक एल' इंदे (आई.सी.सी.आर. की फ्रेंच पत्रिका)
- अमर बासु और शंकर बासु, लेटर्स ऑफ एंटोन चेखोव, क्रिटिक (रू.अ.के., भा.सा. और सं.अ.सं., ज.ने.वि. की पत्रिका), अंक 4–5, पृ. 157–172, नवम्बर 2004–मार्च 2005.
- अमर बासु और शंकर बासु, इवाल्युशन आफ एन इमेज : इंडिया थ्रू द आइज ऑफ रशियन ट्रेवलर्स ऐंड राइटर्स, रिजोनेंस (डिपार्टमेंट ऑफ स्लावोनिक ऐंड फिन्नो–उग्रियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली की पत्रिका) अंक–1, पृ. 75–84, दिसम्बर 2004.
- एच.सी. पाण्डे, रूसी और हिंदी के व्यक्तिवाचक सर्वनाम, रिजोनेंस (डिपार्टमेंट ऑफ स्लावोनिक ऐंड फिन्नो–उग्रियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली की पत्रिका), अंक–1, पृ. 171–185, दिसम्बर 2004.
- मीता नारायण, लेक्सिकल डिवलपमेंट इन द सोवियत सोसाइटी : प्री ऐंड पोस्ट–पेरेस्त्रोइका पीरियड, क्रिटिक (रू.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं., ज.ने.वि. की पत्रिका), अंक 4–5, नवम्बर 2004–मार्च 2005.
- मीता नारायण, 'स्टिखोत्वेरेनिए पुश्किन 'प्रोरॉक' : प्राब्लेमी पेरेवोदा आई स्टिलया, एसोनेंस : ए जर्नल ऑफ रशियन ऐंड कंपेरेटिव स्टडीज (रूसी विभाग और तुलनात्मक साहित्य केन्द्र, कालिकट विश्वविद्यालय, केरल की पत्रिका), जनवरी 2005.
- मीता नारायण, प्रॉब्लम्स ऑफ लिटरेरी ट्रांसलेशन, जेएसएल, नई शृंखला II, ऑटम 2004.

bLikuh] i|rxkyh] brkyoh vkj ylfVu vejhdh v/;u dUæ

- एस.पी गांगुली, लाइफ रिमेम्बर्ड आर रिमेम्ब्रांसिज लाइब्ड ? नोट्स ऑन द ऑटोबायोग्राफी ऑफ गेब्रियल गार्सिया मार्केज (बंगाली में), देश, 15–20 जून, 2004.
- एस.पी. गांगुली, लाइफ रिमेम्ब्रांसिज लाइब्ड ? नोट्स ऑन द ऑटोबायोग्राफी ऑफ गेब्रियल गार्सिया मार्केज (अंग्रेजी में), इकोनामिक ऐंड पॉलिटीकल वीकली, पृ. 10–15, जुलाई 2004.
- एस.पी. गांगुली, लाइफ रिमेम्बर्ड आर रिमेम्ब्रांसिज लाइब्ड ? नोट्स ऑन द ऑटोबायोग्राफी ऑफ ग्रेब्रियल गार्सिया मार्केज, हिस्पानिक हॉरिजन (सी.एस.पी.आई.एल.ए.एस., जेएनयू की पत्रिका), अंक–24, 2004.
- एस.पी. गांगुली, Antotogia Mchor de la Poesia Contemporanea de la India (विशेषांक) Instituto caroy cuervo, कोलम्बिया, अक्टूबर 2004.
- एस.पी. गांगुली, La Poeria en La India Actual, Revesta de la casa Silva de poesia, बोगोता, दिसम्बर 2004.

n'ku&'kkL= x|i

- आर.पी. सिंह, ट्रांसेनडेंटल फिलोस्फी एज ए लिमिटेड थीअरि, इंडियन फिलोस्फीकल कवार्टरली, भाग–XXXI, अंक 1–4, पृ. 275–302, 2004.
- आर.पी. सिंह, इंटरफेथ हारमोनी इन बाल गंगाधर तिलक'स गीता रहस्य, जेएसएल, नई शृंखला III, स्प्रिंग, पृ. 20–26, 2005.
- आर.पी. सिंह, इंटरफेथ हारमोनी इन बाल गंगाधर तिलक'स गीता रहस्य, रिकांतरे एवके एल' इंदे (आई.सी.सी.आर. की फ्रेंच पत्रिका), टॉम 33, अंक 1, पृ. 10–22, 2004.

iLrd

vjch vkj vÝhdh v/;;u dUæ

- आर. रहमान, अरेबिक अफसाना : एक अफसाना, अलबालाग प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004.
- आर. रहमान, जिज्ञासा : अरबी कथा संग्रह, एकेडमिक एक्सेलेंस, दिल्ली, 2005.

phuh vkj nf{k.k&iwohZ ,f'k;kbZ v/;;u dUæ

- बी.आर. दीपक, इंडिया ऐंड चाइना 1904–2004 : ए सेंचुरी ऑफ पीस ऐंड कंफ्लिक्ट, मानक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005.

Ýp vkj ÝadksQksu v/;;u dUæ

- एन. कमला (अनुवाद), तोरूदत्त, द डायरी ऑफ मेडमॉयसेल ड' आर्वर्स (फ्रेंच से अंग्रेजी में), नई दिल्ली, 2005

Hkkjrh; Hkk"kk dUæ

- पुरुषोत्तम अग्रवाल, निज ब्रह्म विचार : धर्म समाज और धर्मेतर अध्यात्म, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004.
- वीर भारत तलवार (सं.), राजा शिव प्रसाद सितारे हिंद : प्रतिनिधि संकलन, नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया नई दिल्ली, 2004.
- वीर भारत तलवार, राजा शिव प्रसाद सितारे हिंद (मेकर्स ऑफ इंडियन लिट्रेचर सीरिज के अन्तर्गत मोनोग्राफ) साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2005.
- रंजीत कुमार साह (अनु.), कालपत्र (रबीन्द्रनाथ टैगोर और रामानंद चटर्जी का पत्र–व्यवहार) ग्रंथ लोक : दिल्ली, 2004.
- रंजीत कुमार साह, अमृत राय (मेकर्स ऑफ इंडियन लिट्रेचर सीरिज के अन्तर्गत मोनोग्राफ), साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2005.
- देवेन्द्र कुमार चौबे, कुछ समय बाद, अमरसत्य प्रकाशन, नई दिल्ली (किताबघर की इकाई), 2004.

tkikuh vkj mÙkj&iwohZ ,f'k;kbZ v/;;u dUæ

- पी.ए. जार्ज (अनु.), मियाजावा केन्जी, बच्चों के लिए दस जापानी कहानियां, नार्दन ब्लाक सेंटर, नई दिल्ली, 2005.

Hkk"kk foKku vkj vxzth dUæ

- कपिल कपूर, डायमेंशंस ऑफ पाणिनी ग्रामर, डी.के. प्रिंटवर्ल्ड, नई दिल्ली, 2005.
- एच.सी. नारंग, द ट्रायल ऑफ रेदान किमाथी : ए क्रिटिकल इंट्रोडकशन, दोयबा प्रकाशन, दिल्ली, 2005.
- एस.के. सरीन और मकरंद प्रांजपे (सं.), शब्द : टेक्स्ट ऐंड इंटरप्रिटेशन इन इंडियन थॉट, मंत्र बुक्स, नई दिल्ली, 2004.
- मकरंद प्रांजपे, पार्शियल डिसक्लोजर (पोइट्री), मंत्र बुक्स, नई दिल्ली, 2004.

- मकरंद प्रांजपे और एस. सेनगुप्ता (सं.), द साइक्लोनिक स्वामी : विवेकानंद इन द वेस्ट, सेंटर फॉर इंडिक स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ मेसाचुसेट्स, डार्टमाउथ के सहयोग से संवाद इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली, 2005.
- जी.जे.वी. प्रसाद (सं.) विक्रम सेठ : एन एंथोलॉजी ऑफ रिसेंट क्रिटिसिज्म, पेनक्राफ्ट इंटरनेशनल, नई दिल्ली, 2004.
- जी.जे.वी. प्रसाद (सं.), द लोस्ट टेंपर : क्रिटिकल एसेज ऑन जॉन आसबर्न'स लुक बैक इन एंगर, मैकमिलन इंडिया, दिल्ली, 2004.
- जी.जे.वी. प्रसाद (सं.) सेमुअल बेकेट'स वेटिंग फॉर गोडोड, पेंगुइन स्टडी एडिशन, 2004.
- एस. भादुड़ी और सिमी मल्होत्रा (सं.), इंडियन लिट्रेचर इन ट्रांसलेशन (क्रिएटिव फोरम का विशेषांक : लिटरेरी ऐंड क्रिटिकल राइटिंग्स जर्नल, भाग–17, अंक–1, जनवरी–जून 2004), बाहरी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004.
- एस. भादुड़ी, लैंग्वेज, पावर डिजायर (लैंग्वेज फोरम का विशेषांक, भाग–30, अंक–2, जुलाई–दिसम्बर 2004), बाहरी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005.

: lh v/; ;u dUæ

- एच.सी. पाण्डे, रूसी–हिंदी लघु शब्द कोश, ग्रंथलोक, दिल्ली, 2004.
- मीता नारायण, (अनु.) एप्रोच ऐंड मेथड्स इन रशियन, चक्र कम्युनीकेशंस, नई दिल्ली, 2005.
- चरणजीत सिंह, लिंग्विस्टिक्स : ए ब्रीफ इंट्रोडक्टरी कोर्स, पार्ट–1, 2005.

bLikuh] iqrZxkyh] brkyoh vkj ykfVu vejhdh v/; ;u dUæ

- एस.पी. गांगुली और मीनाक्षी सुन्द्रियाल (अनु.), धरती का फरिश्ता : राफेल अलबर्टी की चुनी हुई कविताएं राफेल अलबर्टी की चुनी हुई कविताओं की द्विभाषिक (स्पेनिस/हिंदी) प्रस्तुति। साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2004.
- ए. चट्टोपाध्याय (अनु.) लास जार्डिन'स डेल गुरु ग्रंथ (श्री गुरु ग्रंथ साहित्य की 108 कविताओं का पंजाबी से इस्पानी में अनुवाद), विकास प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004.
- अनिल धींगरा और पी. नौटियाल (अनु.), Ramon Bassa i Martin (सं.) Ramon L lull - Filusof, Literat Una Selccio de Textos (इस्पानी से हिंदी में अनुवाद), अल पासो, नई दिल्ली, 2004.
- राजीव सक्सेना, कविताओं के अनुवाद का सह–निर्देशन, Antologia Poetica Espanola, स्पेन दूतावास, नई दिल्ली, फरवरी, 2005.

iLrdk e i dkf'kr v/;k;

Ýp vkj ÝdkQku v/; ;u dUæ

- किरण चौधरी, अंतिम पथ (अलफांसे डौडेट की ला डर्नियर क्लासे का फ्रेंच से हिंदी में अनुवाद), अमृत मेहता (सं.), सार–संसार, 2005.
- अभिजीत कारकुन, लर्निंग फ्रेंच : ए वायबल कैरियर आप्शन, इण्डो–फ्रेंच रिलेशंस : फोकस ऑन इमर्जिंग सेक्टर्स (फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस पर प्रकाशित विशेषांक, 14 जुलाई 2004) एल.बी. एसोसिएट्स, नोयडा।

teu v/; ;u dUæ

- अनिल भट्टी, Im Kielwasser des K0l0nialismus. Ambivalenzen im deutschen Orientalismus des Neunzehnten Jahrhunderts, in Hans-Jorg Knobloch and Helmut Koopmann (सं.), Das Verschlafene 19. Jahrhundert ? Deutsche Literatur zwischen Klassik und Moderne, Stuttgart : Koenigshausen und Neumann, पृ. 175–190, 2005

- साधना नैथानी Indisches Herz. Ost-West Problematik in Popularen Indischen Liedern, in Marianne Brocker (सं.), Das 20. Jahrhundert in Popularen Liedern, Bamberg : Universitaetsbibliothek, 2004.
- वी. सुराणा, लैटर फ्राम ए लैण्ड ऑफ पैराडॉक्सिज, आर वांडेल (सं.) इंडिया : यूनिटी इन डाइवर्सिटी, कार्नेलसन पब्लिकेशन : बर्लिन, 2004.

Hkkjrh; Hkk"kk dsUæ

- पुरुषोत्तम अग्रवाल, सीकिंग एन अल्टरनेटिव टु रिलिजन इटसेल्फ : द साधना ऑफ कबीर, सिबाजी बंदोपाध्याय (सं.), थीमेटोलॉजी : लिटरेरी स्टडीज इन इंडिया, तुलनात्मक साहित्य विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पृ. 208–230, 2004.
- रंजीत कुमार साह, अपराजेय कवि नागार्जुन, जनकवि नागार्जुन, प्रकाशन प्रभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, 2004.
- रंजीत कुमार साह, काशीराम दास और काली प्रसन्ना सिंहा (बंगला महाभारत), नगेन्द्र (सं.), भारत के प्रसिद्ध अनुवादक, कला मंदिर, दिल्ली, 2004.
- देवेन्द्र कुमार चौबे, नई सामाजिक अस्मिताएं और साहित्य, कमला प्रसाद (सं.), स्त्री मुक्ति का सपना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004.

tkikuh vkSj mÙkj&iwohZ ,f'k;kbZ v/;;u dsUæA

- प्रेम मोटवानी, करंट स्टेटस ऑफ जापानीज लैंग्वेज स्टडी इन इंडिया, निहोन केनक्यू गायक्यो चोसा : इंडिया (ए सर्वे ऑन जापानीज स्टडीज : इंडिया), द जापान फाउंडेशन, टोकियो, पृ. 37–41, 2005.
- पी.ए. जॉर्ज, स्टेटस ऑफ जापानीज लैंग्वेज टीचिंग इन इंडिया : करंट ऐंड फ्यूचर ट्रेंड्स, राजाराम पांडा और यू फुकाजावा (सं.), इंडिया ऐंड जापान : ब्लोसामिंग ऑफ ए न्यू अंडरस्टेंडिंग, जापान फाउंडेशन और लांसर्स बुक्स, नई दिल्ली, 2004.
- पी.ए. जॉर्ज, जापानीज लिट्रेचर इन इंडिया : प्रिजेंट स्टेट ऐंड फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स, निहोन केनक्यू गाइक्यो चोसा : इंडिया (ए सर्वे ऑन जापानीज स्टडीज : इंडिया), द जापान फाउंडेशन, टोकियो, पृ. 29–36, 2005.

Hkk"kk&foKku vkSj vaxzsth dsUæ

- कपिल कपूर, सिन, सफरिंग ऐंड साल्वेशन, हेमन्त गहलोत (सं.), सिन, सफरिंग ऐंड साल्वेशन, राधा प्रकाशन : नई दिल्ली, पृ. 1–9, 2004.
- कपिल कपूर, अर्थ निर्धारण : टेक्स्ट ऐंड इंटरप्रिटेशन इन द इंडियन ट्रेडिशन, एस.के. सरीन और मकरंद प्रांजपे (सं.) शब्द : टेक्स्ट ऐंड इंटरप्रिटेशन इन इंडियन थॉट, मंत्र बुक्स : नई दिल्ली, पृ. 27–40, 2004.
- कपिल कपूर, रिएल्टी ऐंड इट्स रिप्रिजेंटेशन : द वर्बल इमेज, ए.के. त्रिपाठी, पी.के. पाण्डेय और संजय कुमार (सं.), लिटरेरी डिस्कोर्स : ईस्ट ऐंड वेस्ट, क्रिएटिव बुक्स : नई दिल्ली, पृ. 35–54, 2004.
- कपिल कपूर, लिट्रेचर एज डिस्कोर्स ऑफ नॉजेल, ए.के. त्रिपाठी, पी.के. पाण्डेय और संजय कुमार (सं.), लिटरेरी डिस्कोर्स : ईस्ट ऐंड वेस्ट, क्रिएटिव बुक्स : नई दिल्ली, पृ. 55–71, 2004.
- कपिल कपूर, टीचिंग इंग्लिश लिट्रेचर : कल्चरल डिटर्मीनेंट्स, के.सी. बराल (सं.) ह्यूमैनटीज ऐंड पेडागॉगी : टीचिंग ह्यूमैनटीज टुडे, पेनक्राफ्ट इंटरनेशनल : नई दिल्ली, पृ. 81–89, 2005.
- अन्विता अब्बी, रिडुप्लिकेशन, एन साइक्लोपीडिया ऑफ लिंग्विस्टिक्स, रूटलेज : न्यूयार्क और लंदन, 2005.

- एस.के. सरीन, कल्चरल इंटरप्रिटेशन ऑफ ओरल फॉकटेल्स, एस.के. सरीन और मकरंद प्रांजपे (सं.), शब्द : टेक्स्ट ऐंड इंटरप्रिटेशन इन इंडियन थॉट, मंत्र बुक्स : नई दिल्ली, पृ. 215—23, 2004.
- मकरंद प्रांजपे, बल्ले बोलिवुड : बोम्बे ड्रीम्स ऐंड पोस्टकॉलोनियल रिएलिटीज, उदय नारायण सिंह आदि (सं.), लैंग्वेज, सोसाइटी ऐंड कल्चर, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान : मैसूर और महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, पृ. 96—105, 2004.
- मकरंद प्रांजपे, सेक्युलरिज्म वर्सेज हिंदू नेशनलिज्म : इंटेरोगेटिंग द टर्मस ऑफ द डिबेट, अशोक वोहरा आदि (सं.), धर्म : द कैटेगरीकल इम्पेरेटिव, डी.के. प्रिंटवर्ल्ड : दिल्ली, पृ. 262—75, 2005.
- मकरंद प्रांजपे, हाउ (नोट) टु रीड ए क्लासीकल इंडियन टेक्स्ट : द फर्स्ट अध्याय ऑफ द नाट्यशास्त्र, नक्वी हुसैन जाफरी (सं.), क्रिटिकल थीअरि : पर्सपेक्टिव फ्रॉम एशिया, क्रिएटिव बुक्स : नई दिल्ली, 2004.
- मकरंद प्रांजपे, रिप्रिजेंटिंग स्वामी विवेकानंद : सम इश्यूज ऐंड डिबेट्स, सुकल्याण सेनगुप्ता और मकरंद प्रांजपे (सं.), द साइक्लोनिक स्वामी : विवेकानंद इन द वेस्ट, सेंटर फार इंडिक स्टडीज, मैसाचुयेट्स, डार्टमाउथ के सहयोग से संवाद इंडिया फाउंडेशन : नई दिल्ली, पृ. 39—63, 2005.
- मकरंद प्रांजपे, हाउ (नोट) टु रीड ए क्लासीकल इंडियन टेक्स्ट : द फर्स्ट अध्याय ऑफ द नाट्यशास्त्र, एस. के. सरीन और मकरंद प्रांजपे (सं.), शब्द : टेक्स्ट ऐंड इंटरप्रिटेशन इन इंडियन थॉट, मंत्र बुक्स : नई दिल्ली, पृ. 131—44, 2004.
- जी.जे.वी. प्रसाद, द सेठ ऑफ द गार्डन, जी.जे.वी. प्रसाद (सं.), विक्रम सेठ : एन एंथोलॉजी ऑफ रिसेंट क्रिटिसिज्म, पेनक्राफ्ट इंटरनेशनल : नई दिल्ली, 2004.
- जी.जे.वी. प्रसाद, ब्रिटिश ड्रामा ऐंड पोस्ट कॉलोनी एंगस्ट : लुकिंग एट एंगर फ्राम ए फार, जी.जे.वी. प्रसाद (सं.), द लोस्ट टेम्पर : क्रिटिकल एसेज आन जॉन ऑसबर्न'स लुक बैक इन एंगर, मैकमिलन इंडिया : दिल्ली, 2004.
- जी.जे.वी. प्रसाद, इंडियन मेल पोइट्स, जनसंघ (सं.), एनसाइक्लोपीडिया ऑफ साउथ एशियन लिट्रेचर, ग्रीनवुड प्रेस, 2004.
- जी.जे.वी. प्रसाद, इंट्रोडक्शन, टु तोरू दत्त, द डायरी ऑफ मेडमॉयसेल डे' आर्वर्स, (अनु.) एन, कमला, पेंगुइन : नई दिल्ली, 2005.
- जी.जे.वी. प्रसाद, रीडिंग बिटवीन द लाइन्स ऐंड अराउंड द टेक्सट, जी.जे.वी. प्रसाद (सं.), सेमुअल बेकेट'स बेटिंग फॉर गोडोट, पेंगुइन स्टडी एडिशन : नई दिल्ली, 2004.
- फ्रेंसन मंजली, डेरिडा ऐंड नागार्जुन : एथिकल डायमेंशंस, एस.के. सरीन और मकरंद प्रांजपे (सं.), शब्द : टेक्स्ट ऐंड इंटरप्रिटेशन इन इंडियन थॉट, मंत्र बुक्स : नई दिल्ली, पृ. 145—53, 2004.
- एस, भादुड़ी, ऑफ थीअरि ऐंड प्रैक्टिस : ए 'जीनियोलॉजी' ऑफ द 'रप्चर' इन कनटेम्पोरेरि लिटरेरी असम्पशंस, उदय नारायण सिंह, एन.एच. इतागी और शैलेन्द्र कुमार सिंह (सं.) लैंग्वेज, सोसाइटी ऐंड कल्चर, सी.आई.आई. एल. : मैसूर, पृ. 32—60, 2004.
- एस, भादुड़ी, लैंग्विस फॉर लैंग्वेज : ए सिमियोटिक पर्सपेक्टिव टु 'लुक बैक इन एंग', जी.जे.वी. प्रसाद, द लोस्ट टेम्पर : क्रिटिकल एसेज ऑन लुक बैक न एंगर, मैकमिलन : दिल्ली, पृ. 72—92, 2004.
- एस, भादुड़ी, ऑफ पब्लिक स्फेयर ऐंड द सेकर्ड स्पेस : ए स्टडी इन द ऑरिजिंस ऑफ कम्युनिटी दुर्गा पूजा इन बंगाल, एम.डी. मुथुकुमारास्वामी और मोली कौशल (सं.), फॉकलोर, पब्लिक स्फेयर ऐंड सिविल सोसाइटी, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र : नई दिल्ली और नेशनल फॉकलोर सपोर्ट सेंटर, चैन्नई, पृ. 79—91, 2004.

Qkjlh vkj e/; ,f'k;kbl v/;;u dUæ

- एस.ए. हसन, फिरदौसी ऐंड द वेस्ट, फिरदौसी ऐंड हिज शाहनामा, के.आर. कामा ओरिएंटल इंस्टीट्यूट, मुम्बई, 2005.
- एस.जे. हवेवाला, द फर्स्ट सोशल रिवोल्यूशन ऑफ ईरान (द स्टोरी ऑफ कावेह, द ब्लेकस्मिथ), फिरदौसी ऐंड हिज शाहनामा, के.आर. कामा ओरिएंटल इंस्टीटॅयूट : मुम्बई, 2005.

: lh v/;;u dUæ

- एच.सी. पाण्डे, रूसी कहानी : बीसवीं सदी का उत्तरार्द्ध, इंट्रोडक्शन टु आधुनिक रूसी कहानी (एंथोलाजी ऑफ ट्रांसलेशंस ऑफ रशियन शॉर्ट स्टोरीज इन टु हिंदी), साहित्य अकादमी : नई दिल्ली, पृ. 7–20, 2004.

bLikuh] iqrxkyh] brkyoh vkj ykfVu vejhdh v/;;u dUæ

- राजीव सकसेना, Contextos y Libros de Texto en la Ensenanza de ELE en la India, वर्ष 2004 में मनीला, फिलिपिंस में आयोजित एशिया–पेसिफिक में प्रोफेसरों के प्रथम सम्मेलन की कार्यवाही में।

n'ku&'kkL= xqi

- आर.पी. सिंह, द नोशन ऑफ एब्सल्यूट (वाटएवर इज ऑफ ए एज वेल एज इन द एब्सल्यूट) : शंकर, कांट ऐंड हीगल; ल्योटार्ड, डेरिडा ऐंड हेबरमास, कांससनेस, साइंस, सोसाइटी, वैल्यू ऐंड योगा में अध्याय–22, सेंटर फॉर स्टडीज इन सिविलाइजेशन : नई दिल्ली, पृ. 297–330.
- आर.पी. सिंह, मेथडोलॉजीकल इश्यूज कंसर्निंग हर्मिनॉटिक्स इन द उपनिषदाज, एस.के. सरीन और मकरंद प्रांजपे (सं.), शब्द : टेक्स्ट ऐंड इंटरप्रिटेशन इन इंडियन थॉट, मंत्र बुक्स : नई दिल्ली, पृ. 79–97, 2004.

'kk/k ifj;kstuk,

vjch vkj vÝhdh v/;;u dUæ

- एस.ए. रहमान और आर. रहमान, हिंदी–अरेबिक नागरीलिपि बुक, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित.

Ýip vkj ÝdkQku v/;;u dUæ

- किरण चौधरी, फ्रेंच–हिंदी डिक्शनरी, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, 2000–2005.

Hkkjrh; Hkk"kk dUæ

- मजहर हुसैन, उर्दू लिट्रेचर इन कॉलोनियल इंडिया, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित, 2002–2005.
- ज्योतिसर शर्मा, रीतिकालीन काव्य में लोकमानस, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित, 2002–2007.
- ज्योतिसर शर्मा, एडिटिंग द कल्चर ऐंड लिटरेरी ट्रेंड्स ऑफ 'युकियो दोको शिकितेई सनबा' (1813–1823 अदो काल)

Hkk"kk foKku vkj vxth dUæ

- अन्विता अब्बी, 'वेनिशिंग वॉयसिज ऑफ द ग्रेट अंडमानीज' विषयक मुख्य प्रलेखन परियोजना के लिए अनुदान प्राप्त किया, हंस रौजिंग इनडेंजर्ड लैंग्वेज डाक्यूमेंटेशन प्रोग्राम, स्कूल ऑफ ओरिएंटल ऐंड अफ्रीकन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन द्वारा वित्तपोषित।

- वैश्ना नारंग, भारतीय भाषाओं का फोनेमिक डाटाबेस तीन वर्ष की अवधि में तैयार करने के लिए 'ह्यूमन वॉयसेज लिमिटेड, इजरायल के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए (दिल्ली और हिंदी क्षेत्र में बोली जाने वाली भारतीय अंग्रेजी और हिंदी का डाटाबेस पहले ही तैयार कर लिया गया है)।
- मकरंद प्रांजपे, समन्वयक, 'इंडियन एप्रोचिज टु इंग्लिश लिट्रेचर' पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विशेष सहायता कार्यक्रम, भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि., मार्च 2004 से जारी।
- एस. भादुड़ी, द बॉडी इन द माइन्ड–मैटर डायलेक्टिक : ए कंपेरेटिव स्टडी ऑफ मॉड्स ऑफ ऑटोलॉजिकल ट्रिपार्टीशन, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के एसोसिएट के रूप में, अन्तर–विश्वविद्यालय संघ, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित, 2002–2005.

Qkjlh vkj e/; ,f'k;kbl v/;;u dsUæ

- एस.ए. हसन, स्टडीज ऑन एनवायरनमेंटल ऐंड इकोलॉजीकल अवेयरनेस एज डिपिकटेड इन हॉली स्क्रिप्चर्स/लिट्रेचर्स ऐंड देयर इम्पैक्ट ऑन वेरियस कम्युनिटीज/सोसाइटीज, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित, 2004–05.

:lh v/;;u dsUæ

- अमर बासु और शंकर बासु, ट्रांसलेशन ऑफ लेटर्स ऑफ ए.पी. चिखोव, साहित्य अकादमी द्वारा प्रायोजित, 2002–2004.

bLikuh] iqrZxkyh] brkyoh vkj yfVu vejhdh v/;;u dsUæ

- एस.पी. गांगुली 'Gran Enciclopedia Cervantion' to study the reception of EI Quijote in Indian languages, Centro de Estudios Cervantinos, Spain, द्वारा सौंपी गई (पूरी हो चुकी है और वर्ष 2004 में प्रस्तुत की गई)

jk"Vªh;@vUrjk"Vªh; lEesyuksa@laxksf"B;ksa@dk;Z'kkykvksa esa izfrHkkfxrk

vjch vkj vÝhdh v/;;u dsUæ

- आर. रहमान ने 8–9 सितम्बर, 2004 को कश्मीर विश्वविद्यालय श्रीनगर में आयोजित 'इम्पैक्ट ऑफ इस्लाम ऑन कल्चर ऑफ कश्मीर' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

phuh vkj nf{k.k&iwohZ ,f'k;kbl v/;;u dsUæ

- सबरी मित्रा ने 6 से 8 अगस्त 2004 तक भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा विदेशी भाषा के संस्थान शिक्षकों हेतु आयोजित अनुशीलन कार्यक्रम में भाग लिया तथा 'प्रॉब्लम्स ऑफ इंटरफ्रेंस इन फॉरेन लैंग्वेज टीचिंग : ए केस स्टडी ऑफ चाइनीज' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- सबरी मित्रा ने 16 से 18 फरवरी 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया – एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कांटेक्स्ट ऐंड सबटेक्स्ट ऑफ द टेक्स्ट : लोकेटिंग चाइनीज लिट्रेचर टुडे' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- हेमंत अदलखा ने 16 से 18 फरवरी 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'मॉडर्निस्ट कांससनेस आर मॉडर्निटी इन चाइनीज लिट्रेचर इन द 20थ सेंचुरी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- बी.आर. दीपक ने 24–25 जनवरी 2005 को दर्शन–शास्त्र ग्रुप, ज.ने.वि., भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् द टेम्पल ऑफ अंडरस्टेंडिंग और संवाद इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'इंटरफेथ हारमनी ऐंड सोशल कोहेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा ताओइज्म, कनफ्युसिएनिज्म ऐंड चाइनीज बुद्धीज्म ऑन सोशल कोहेजन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बी.आर. दीपक ने 16 से 18 फरवरी 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेंडस ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया – एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इंडियन लिट्रेचर इन चाइना' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी.एस. रावत ने 16 – 18 फरवरी 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया – एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'गुओ मोरुओ ऐंड इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

Ýp vkj ÝdkQku v/;;u dUæ

- जी.डी. सिवम ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन एट डेफिनी : टीचिंग ऑफ फ्रेंच एज ए फॉरेन लौंग्वेज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- जी.डी. सिवम ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित 'टीचिंग फ्रेंच सिविलाइजेशन' विषयक क्षेत्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- शांता रामाकृष्णन ने 24 से 26 फरवरी, 2005 तक कनाडियन अध्ययन केन्द्र, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'कनाडियन स्टडीज : सोसाइटी, एनवायरनमेंट ऐंड टेक्नोलॉजी : कनाडा ऐंड इंडिया' विषयक 21वें आई.ए.सी.एस. अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- शांता रामाकृष्णन ने 7 से 10 मार्च 2005 तक असम विश्वविद्यालय, सिल्चर में आयोजित 'कनाडियन स्टडीज : कलचर, सोसाइटी ऐंड एनवायरनमेंट विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'चैलेंजिज ऑफ डाइवर्सिटी इन द क्यूबेक कांटेक्स्ट ऐंड ट्रांसलेशन इन द क्यूबेक कांटेक्स्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- किरण चौधरी और विनय गुप्ता ने 17–18 जनवरी, 2005 तक पुणे में आयोजित 'मल्टिकल्चरलिज्म इन लिट्रेचर इन मल्टिपल लैंग्वेजिज : कनाडा ऐंड इंडिया ए कंपेरेटिव स्टडी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'हाइब्रिड टेक्स्ट्स : ट्रांसलेटर्स डिलेमा', शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- किरण चौधरी ने 19 से 21 जनवरी 2005 तक केन्द्रीय अंग्रेजी और विदेशी भाषा संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'Recherche en Didactique dans le Contexte Indien' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'Une Vision Prospective des Moyens de Recherche en Didactique du Francais' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन. कमला ने नवम्बर 2004 में वाराणसी में आयोजित 'Redefinition des Etudes Francaises et Francophones विषयक राष्ट्रीय कांग्रेस में 'Lecture d'un Roman d' Amour' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अभिजीत कारकून ने 28 अप्रैल 2004 को फिक्की द्वारा आयोजित 'एक्सपांसन ऑफ इण्डो–ई.यू. टाईज' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- अभिजीत कारकून ने 'फर्स्ट नेशंस, इंडीजिनस पीपल : इंडिया ऐंड कनाडा' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'फर्स्ट नेशन आइडेंटिटी : ए फ्रेंकाफोन पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अभिजीत कारकून ने 24 से 26 फरवरी, 2005 तक कनाडियन अध्ययन केन्द्र, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'कनाडियन स्टडीज : सोसाइटी, एनवायरनमेंट ऐंड टेक्नोलॉजी : कनाड़ा ऐंड इंडिया' विषयक 21वें

आई.ए.सी.एस. अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'हाइड्रो क्यूबेक : ए सागा ऑफ क्यूबेक'स इको–फ्रेंडली डिवलपमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

teZu v/;;u dsUæ

- अनिल भट्टी ने 15 से 17 अप्रैल 2004 तक यूनिवर्सिटी ऑफ वियना में आयोजित चौथे अन्तर्राष्ट्रीय स्नातक अध्ययन सम्मेलन में 'Komplexe Gesellschaften und Homogenisierungsdruck Postkoloniale Ambivalenzen', विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- अनिल भट्टी ने 18 से 20 नवम्बर, 2004 तक समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली अर्थशास्त्र संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'विंडो इन यूरोप' विषयक सम्मेलन में 'हेबरमास, डेरिडा ऐंड द कंसेप्ट ऑफ यूरोप ऑफ्टर इनाक' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- चित्रा हर्षवर्धन ने 13 से 16 नवम्बर 2004 तक केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, त्रिवेन्द्रम द्वारा प्रकाशित की जाने वाली 'ट्रांसलेटोलॉजी टर्म्स' विषयक शब्दकोश की पाण्डुलिपि के मसौदे को अंतिम रूप देने के लिए आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- चित्रा हर्षवर्धन ने 18 से 20 नवम्बर, 2004 तक समाज–शास्त्र विभाग, दिल्ली अर्थशास्त्र संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'विंडो इन यूरोप' विषयक सम्मेलन में 'बिल्डिंग यूरोप : द कल्चरल डायमेंशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- चित्रा हर्षवर्धन ने 16 से 18 फरवरी 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर्स ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया – एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'ट्रांसलेशन' विषयक सत्र में भाग लिया।
- चित्रा हर्षवर्धन ने फरवरी 2005 में 'इंटरप्रिटेशन ऐंड ट्रांसलेशन स्टडीज विद प्रैक्टिसिंग इंटरप्रेटर्स ऐंड ट्रांसलेटर्स' विषयक एक दिवसीय इन्टरएक्टिव सत्र आयोजित किया।
- साधना नैथानी ने 2 से 5 जून 2004 तक नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ आयरलैण्ड, गेलवे द्वारा आयोजित 'कॉनोनिएलिज्म' विषयक चौथे गेलवे सम्मेलन में 'क्रूक, ग्रियरसन ऐंड द इंडियन पीजेंट' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- साधना नैथानी ने 4 से 8 सितम्बर, 2004 तक गोर्टिंगन विश्वविद्यालय और Deutsche Forschungsgemeinschaft, Wolffenbuttel, जर्मनी द्वारा आयोजित 'अरबियन नाइट्स के 300 वर्ष' विषयक सम्मेलन में 'द टीचर ऐंड द टॉट : स्ट्रक्चर्स ऐंड मीनिंग इन द अरबियन नाइट्स ऐंड द पंचतन्त्र' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- साधना नैथानी ने 14 से 17 अक्टूबर 2004 तक कालोन विश्वविद्यालय में आयोजित 'Tagung der Kommission zur Erforschung der Musikalischen Volkskultur', विषयक सम्मेलन में Musikalische Volkskultur und Indische Filme', शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- साधना नैथानी ने 31 जनवरी से 3 फरवरी, 2005 तक गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में आयोजित 'इंडियन फॉकलोर कांग्रेस' के वार्षिक सम्मेलन में 'फॉकलोर ऐंड सिविल सोसाइटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

Hkkjrh; Hkk"kk dsUæ

- मोहम्मद शाहिद हुसैन ने 1 से 3 अक्टूबर 2004 तक उर्दू अकादमी दिल्ली द्वारा आयोजित 'आगा हश्र कश्मीरी : अहद और अदब' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आगा हश्र के ड्रामों में पेशकश के इमकानात' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- मोहम्मद शाहिद हुसैन ने 5 से 7 अक्टूबर, 2004 तक इकबाल इन्स्टीट्यूट, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित 'जगन्नाथ आजाद और अल्लामा इकबाल' विषयक संगोष्ठी में 'जगन्नाथ आजाद की शायरी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मोहम्मद शाहिद हुसैन ने 4 से 6 फरवरी 2005 तक राष्ट्रीय उर्दू भाषा उन्नयन परिषद् द्वारा आयोजित 'हिंदुस्तानी मुश्तारका कल्चर की तामीर, सज्जाद जहीर और दूसरे तरक्कीपसन्द अदीबों की खिदमात' विषयक संगोष्ठी में 'तरक्कीपसन्द तहरीक के मास मीडिया पर असरात' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मोहम्मद शाहिद हुसैन ने 14–15 फरवरी, 2005 तक उर्दू विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा आयोजित 'हम–अस्र उर्दू अदब और जमीनी हकीकतें' विषयक संगोष्ठी में 'उर्दू ड्रामा और जमीनी हकीकतें' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मोहम्मद शाहिद हुसैन ने 18 से 20 मार्च, 2005 तक साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'उर्दू की नई बस्तियाँ' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बरतानियां की खवातीन अफसानानिगार' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 26 से 29 अप्रैल, 2004 तक फोर्ड फाउंडेशन बैंकाक द्वारा आयोजित 'पीसफुल को–एक्जिसटेंस इन एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 11 से 13 सितम्बर, 2004 तक रीजनल सेंटर ऑफ स्ट्रेटिजिक स्टडीज, कोलम्बो द्वारा काठमांडु में आयोजित 'द रोल ऑफ सिविल सोसाइटी इन द प्रिवेंशन ऑफ आर्म्ड कंफ्लिक्ट इन साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 16 से 19 दिसमबर, 2004 तक इसालेन इंस्टीट्यूट, बिग सुर, केलिफोर्निया, यू.एस.ए. द्वारा आयोजित 'एक्सप्लोरिंग द नेचर ऑफ अवर ओफेंस : ए सिंपोजियम ऑन द स्टडी ऑफ हिंदुइज्म इन ए वर्ल्ड ऑफ आइडेंटिटी पॉलिटिक्स ऐंड रिलिजस इनटोलरेंस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 10 जनवरी, 2005 को भुवनेश्वर में उत्कल विश्वविद्यालय और कोलकाता महानिर्वाण शोध समूह द्वारा आयोजित 'वुमन इन इंडिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वाई शुड वी लिसन टु हर ?' शीर्षक समापन व्याख्यान दिया।
- वीर भारत तलवार ने 7 अगस्त 2004 को जमशेदपुर में 'झारखंड की दशा और दिशा' विषयक संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया।
- गोबिन्द प्रसाद ने 8 से 16 जून और 5 से 14 अगस्त 2004 तक तथा 14 से 19 मार्च 2005 तक राष्ट्रीय उर्दू भाषा उन्नयन परिषद् द्वारा 'उर्दू–हिंदी शब्दकोश' के लिए आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- एस.एम. अनवार आलम ने 6 से 11 अक्टूबर, 2004 तक एन.आई.ई., नई दिल्ली द्वारा रा.शै.अ.प्र.प. की उर्दू पाठ्यपुस्तक की समीक्षा करने के लिए आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- एस.एम. अनवार आलम ने 9 जून 2004 को उर्दू विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में उर्दू शिक्षण और अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ द्वारा 'उर्दू–हिंदी शबदकोश' तैयार करने हेतु आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- एस.एम. अनवार आलम ने 1–2 मार्च, 2005 को जमालियात शिबली नेशनल कॉलेज, आजमगढ़ द्वारा आयोजित 'कैफी और तरक्की पसन्द शायरी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- रंजीत कुमार साह ने 15 जनवरी, 2005 को रोमानिया दूतावास और एलायंस फ्रांसेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में रोमानियन कविता का अनुवाद प्रस्तुत किया।
- रंजीत कुमार साह ने 25 जनवरी, 2005 को आकाशवाणी द्वारा गणतन्त्र दिवस की पूर्व संध्या पर प्रसारित सर्वभाषा कवि सम्मेलन में अनूदित कविता प्रस्तुत की।

- रंजीत कुमार साह ने 7 फरवरी 2005 को भुवनेश्वर में राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित सम्मेलन में 'हिंदी अनुवाद में अपने–पराए' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- रंजीत कुमार साह ने 29–30 मार्च 2005 को इग्नू में हिंदी में स्नातकोत्तर अनुवाद कोर्स की पाठ्यचर्या तैयार करने के लिए आयोजित दो दिवसीय अनुवाद कार्यशाला में भाग लिया।
- मजहर हुसैन ने 1 से 3 अक्टूबर 2004 तक उर्दू अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'आगा हश्र कश्मीरी : अहद और अदब' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नौ अबादियाती हिंदुस्तान और आगा हश्र कश्मीरी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 16 से 18 फरवरी 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरियाएन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सबालटर्न सोसाइटीज इन ईस्ट एशियन ऐंड इंडियन लिट्रेचर्स : विद स्पेशल रिफरेंस टु शिमाजाकी टॉपसन'स हकई (जापानीज) ऐंड अमृतलाल नागर'स नचायो बहुत गोपाल (हिंदी)' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 28 से 30 मार्च, 2005 तक भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान, ज.ने.वि., भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित 'इंडियन इंग्लिश ऐंड वर्नाकुलर इंडिया : (कॉन) टेक्स्ट्स ऐंड (कॉन) टेस्ट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- रमण प्रसाद सिन्हा ने 27 से 29 अक्टूबर, 2004 तक महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'डिवलपिंग एडवांस वेनचर्स इन ट्रांसलेशन : ट्वेंटीफर्स्ट सेंचुरी रिएलिटी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'उत्तर आधुनिकता और हिंदी में अनूदित साहित्य' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

tkikuh vkSj mÙkj&iwohZ ,f'k;kbZ v/;;u dsUæ

- राजेन्द्र तोमर ने 24–25 जनवरी 2005 को दर्शन–शास्त्र ग्रुप, ज.ने.वि., आई.सी.पी.आर., द टेम्पल ऑफ अंडरस्टेंडिंग और संवाद इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'इंटरफेथ हारमनी ऐंड सोशल कोहेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदुइज्म ऐंड शिंतोइज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेन्द्र तोमर ने 10 से 12 फरवरी 2005 तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित जापानी भाषा शिक्षक संघ, भारत के 'चेंजिंग सिनेरियो ऑफ जापानीज लैंग्वेज एज्यूकेशन इन इंडिया : नीड्स ऐंड पर्सपेक्टिव' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डिवलपमेंट ऑफ जापानी'ज लैंग्वेज प्रोग्राम एट जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रेम मोटवानी ने 6 अप्रैल 2004 को पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. द्वारा आयोजित 'चेंजिंग जापान : इंटरप्रेटिंग इंप्लिकेशंस' विषयक संगोष्ठी में 'एज्यूकेशनल रिफॉर्म इन जापान' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रेम मोटवानी ने 19 अप्रैल, 2004 को आई.आई.सी. में जापान फाउंडेशन द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'इंडिया ऐंड जापान ब्लोसॉमिंग ऑफ न्यू अंडरटेंडिंग' विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- प्रेम मोटवानी ने 16 से 18 फरवरी 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्यन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया – एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में नाटस्यूम सोसेकी : जापान'स इंटरफेस विद वेस्टर्न लिट्रेचर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रेम मोटवानी ने 20–21 मार्च 2005 को जापान फाउंडेशन द्वारा आई.आई.सी. में आयोजित 'इंडिया ऐंड जापान इन सर्च ऑफ ग्लोबल रोल्स' विषयक संगोष्ठी में 'ट्यूरिस्ट ट्रेफिक बिटवीन इंडिया ऐंड जापान : ए केस फार द फ्यूचर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सुषमा जैन ने 6 अप्रैल, 2004 को पू.ए.अ.के., अ.अ.सं., ज.ने.वि. द्वारा आयोजित 'चेंजिंग जापान : इंटरप्रेटिंग इंप्लिकेशंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- सुषमा जैन ने 23 जुलाई 2004 को दर्शनशास्त्र ग्रुप, ज.ने.वि. और अन्तरज्योति, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंटरफेथ हारमनी इन बालगंगाधर तिलक'स गीता रहस्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- सुषमा जैन ने 30 सितम्बर, 2004 को इस्ता, निस्केयर द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस पर आयोजित तकनीकी सत्र में पेनेलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- सुषमा जैन ने 9 से 13 अक्टूबर 2004 तक जे.ए.एल.टी.ए.आई. और जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित जापानी भाषा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- सुषमा जैन ने 29–30 अक्टूबर 2004 को जापनी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ जापानीज लिट्रेचर, टोकियो और साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'जापानीज लिट्रेचर इन इंडियन पर्सपेक्टिव' विषयक इण्डो–जापान संगोष्ठी में 'द एट्रेक्शन ऑफ जापानीज लिट्रेचर' शीर्षक सत्र में भाग लिया।
- सुषमा जैन ने 10 से 12 फरवरी, 2005 तक जे.ए.एल.टी.ए.आई. द्वारा आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित 'चेंजिंग सिनेरियो ऑफ जापनीज लैंग्वेज एजयूकेशन इन इंडिया : नीड्स ऐंड पर्सपेक्टिव' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'टीचिंग मेथेडोलॉजी ऐंड कोर्सिज' विषयक आलेख प्रस्तुत किया तथा सत्र की अध्यक्षता की।
- सुषमा जैन ने 16 से 18 फरवरी, 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया–एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जापानीज लिट्रेचर इन इंडियन लैंग्वेज : एन इवाल्युएशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुषमा जैन ने 2 से 4 मार्च, 2005 तक ज.ने.वि. में आयोजित 'चैलेंजिज ऐंड प्रास्पेक्ट्स ऑफ हायर एज्यूकेशन इन द कांटेक्स्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालयों के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा इसकी आयोजन समिति की सदस्य थी।
- सुषमा जैन और जनश्रुति चन्द्रा ने 24–25 जनवरी 2005 को दर्शनशास्त्र ग्रुप, ज.ने.वि., आई.सी.पी.आर., द टेम्पल ऑफ अंडरस्टेंडिंग और संवाद इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'इंटरफेथ हारमनी ऐंड सोसल कोहेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रोल ऑफ रिलिजन इन जापानीज लाइफ ट्राजेक्टरी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मंजुश्री चौहान ने दर्शन–शास्त्र ग्रुप, ज.ने.वि. और अन्तरज्योति, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंटरफेथ हॉरमनी इन बालगंगाधर तिलक'स गीता रहस्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- मंजुश्री चौहान ने 29–30 अक्टूबर 2004 को जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ जापानीज लिट्रेचर, टोकियो और साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'जापानीज लिट्रेचर इन इंडियन पर्सपेक्टिव' विषयक इण्डो–जापान संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- मंजुश्री चौहान ने 10 से 12 फरवरी, 2005 तक जे.ए.एल.टी.ए.आई. द्वारा आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित 'चेंजिंग सिनेरियो ऑफ जापानीज लैंग्वेज एज्यूकेशन इन इंडिया : नीड्स ऐंड पर्सपेक्टिव' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- मंजुश्री चौहान ने 16 से 18 फरवरी, 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्सय इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया – एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडियन एनिमल टेल्स एडेप्टिड इन जापान : ए क्रिटिकल स्टडी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- मंजुश्री चौहान ने 23 फरवरी, 2005 को अ.अ.सं. ज.ने.वि. और आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा आयोजित 'जापान ऐंड ईस्ट एशिया : इंप्लिकेशंस ऑफ रेपिड चेंज इन इंडिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- मंजुश्री चौहान ने 28 से 30 मार्च 2005 तक भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि., कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान, ज.ने.वि., आई.सी.एस.एस.आर. और साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित 'इंडियन इंग्लिश ऐंड वर्नाकुलर इंडिया : (कॉन) टेस्ट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- पी.ए. जॉर्ज ने 10 से 12 फरवरी 2005 तक आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित 'चेंजिंग सिनेरियो ऑफ जापानीज लैंग्वेज एज्यूकेशन इन इंडिया : नीड्स ऐंड पर्सपेक्टिव' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- पी.ए. जॉर्ज ने 16 से 18 फरवरी 2995 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केद्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया – एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- पी.ए. जॉर्ज ने 20–21 मार्च 2005 को जापान फाउंडेशन द्वारा आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया ऐंड जापान–इन सर्च ऑफ ग्लोबल रोल्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अनिता खन्ना ने 23 जुलाई 2004 को दर्शनशास्त्र ग्रुप, ज.ने.वि. और अन्तरज्योति, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंटरफेथ हारमनी इन बालगंगाधर तिलक'स गीता रहस्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- अनिता खन्ना ने 10 से 12 फरवरी 2005 तक आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित जे.ए.एल.टी.ए.आई. के 'चेंजिंग सिनेरियो ऑफ जापानीज लैंग्वेज एज्यूकेशन इन इंडिया : नीड्स ऐंड पर्सपेक्टिव' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- अनिता खन्ना ने 16 से 18 फरवरी, 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : टेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया – एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडिया एज डिपिकटेड इन कोंजाकुमोनोगातारिशु' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा 'इंडियन इंफ्लुएंस ऑन ईस्ट एशियन लिट्रेचर' विषयक सत्र में भी भाग लिया।
- अनिता खन्ना ने 20–21 मार्च 2005 को आई.आई.सी., नई दिल्ली में जापान फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'इंडिया ऐंड जापान इन सर्च ऑफ ग्लोबल रोल्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अनिता खन्ना ने 28 से 30 मार्च 2005 तक भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि., कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान, ज.ने.वि., भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित 'इंडियन इंग्लिश ऐंड वर्नाकुलर इंडिया : (कॉन) टेक्स्ट्स ऐंड (कॉन) टेस्ट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- नीरा कोंगरी ने 10 से 12 फरवरी, 2005 तक जे.ए.एल.टी.ए.आई. द्वारा आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित 'चेंजिंग सिनेरियो ऑफ जापानीज लैंग्वेज एज्यूकेशन इन इंडिया : नीड्स ऐंड पर्सपेक्टिव' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- नीरा कोंगरी ने 16 से 18 फरवरी 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया – एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के 'इंडियन इनफ्लुएंस ऑन ईस्ट एशियन लिट्रेचर' शीर्षक सत्र में भाग लिया।
- नीरा कोंगरी ने 20–21 मार्च, 2005 को जापान फाउंडेशन द्वारा आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया ऐंड जापान – इन सर्च ऑफ ग्लोबल रोल्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- वैजयन्ती राघवन ने 23 नवम्बर, 2004 को पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'नेटिवाइजेशन ऑफ कोरियन लैंग्वेज एज्यूकेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'नेटिवाइजेशन एज ए टीचिंग स्ट्रेटिजी फॉर ग्रामर : द केस ऑफ कोरियन थ्रू हिंदी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वैजयन्ती राघवन ने 16 से 18 फरवरी, 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया – एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- वैजयन्ती राघवन ने 23 फरवरी 2005 को अ.अ.सं., ज.ने.वि. और भा.सा.वि.अ.प. द्वारा आयोजित 'जापान ऐंड ईस्ट एशिया : इंप्लिकेशंस ऑफ रेपिड चेंज इन इंडिया' विषयक संगोष्ठी में 'क्वेगमायर इन कोरियन पेरिनसुला : इमर्जिंग सिक्योरिटी इश्यूज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रविकेश ने 18 से 20 अक्टूबर 2004 तक चीनी संस्कृति विश्वविद्यालय में आयोजित 'कोरियन स्टडीज' विषयक 7वें प्रशांत और एशिया सम्मेलन में 'कोरियन लैंग्वेज एजयूकेशन इन ग्लोबल एज : रिलिवेंस, करंट स्टेटस ऐंड प्रास्पेक्टस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.वी. लक्ष्मी ने 29–30 अक्टूबर 2004 को जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ जापानीज लिट्रेचर, टोकियो और साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'जापानीज लिट्रेचर इन इंडियन पर्सपेक्टिव' विषयक इण्डो–जापान संगोष्ठी में 'प्रॉब्लम्स इन रिसर्चिंग जापानीज लिट्रेचर इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.वी. लक्ष्मी ने 10 से 12 फरवरी 2005 तक आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित जे.ए.एल.टी.ए.आई. के चेंजिंग सिनेरियो ऑफ जापानीज लैंग्वेज एज्यूकेशन इन इंडिया : नीड्स ऐंड पर्सपेक्टिव' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- एम.वी. लक्ष्मी ने 16 से 18 फरवरी, 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेड्स ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया – एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जापानीज लिट्रेचर इन इंडियन स्कूल करिकुलम' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जनश्रुति चन्द्र सेठ ने 29–30 अक्टूबर 2004 को जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ जापानीज लिट्रेचर, टोकियो और साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'जापानीज, लिट्रेचर इन इंडियन पर्सपेक्टिव' विषयक इण्डो–जापान संगोष्ठी में 'जापानीज लिट्रेचर इन इंडिया : माइ आब्जरवेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जनश्रुति चन्द्र सेठ ने 10 से 12 फरवरी 2005 तक आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित जे.ए.एल.टी.ए.आई. के 'चेंजिंग सिनेरियो ऑफ जापानीज लैंग्वेज एज्यूकेशन इन इंडिया : नीड्स ऐंड पर्सपेक्टिव' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- जनश्रुति चन्द्र सेठ ने 16 से 18 फरवरी, 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्यन केन्द्र, ज.ने.वि. द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया – एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में जापानीज लिट्रेचर इन इंडियन स्कूल करिकुलम' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

Hkk"kk&foKku vkj vxth dUæ

- कपिल कपूर ने 29 दिसम्बर, 2004 को सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, आनंद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लिटरेरी रिप्रिजेंदेशन, कल्चर, आइडेंटिटी ऐंड आइडियोलॉजी' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।

- कपिल कपूर ने 8 जनवरी 2005 को भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षकों के लिए आयोजित कार्यशाला में 'टीचिंग पोइट्री' विषयक व्याख्यान दिया।
- कपिल कपूर ने 10 जनवरी 2005 को शिक्षक शिक्षण संस्थान, वडा, थाणे द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नेशनल आइडेंटिटी, एथनोग्राफी ऐंड लिटरेरी रिप्रिजेंटेशन' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- कपिल कपूर ने 19 जनवरी, 2005 को भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'श्री अरविन्दो' विषयक संगोष्ठी में 'अरविन्दो ऑन एज्यूकेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- कपिल कपूर ने 25 जनवरी 2005 को नई दिल्ली में दर्शन–शास्त्र ग्रुप, ज.ने.वि., भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, द टेम्पल ऑफ अंडरस्टेंडिंग और संवाद इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंटरफेथ हारमॅनी ऐंड सोशल कोहेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्राब्लमेटिक्स ऑफ इंटरफेथ डायलाक' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- कपिल कपूर ने 30 जनवरी, 2005 को फिरोज गाँधी महाविद्यालय, राय बरेली में आयोजित 'अखिल भारतीय अंग्रेजी शिक्षक सम्मेलन में 'इंग्लिश स्टडीज इन इंडिया' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- अन्विता अब्बी ने 29 नवम्बर 2004 को लिंग्वस्टिक सोसायटी ऑफ इंडिया के 26वें अखिल भारतीय भाषा–विज्ञानियों के सम्मेलन में 'एरियल टाइपोलॉजी, कनवर्जेंस मॉडल्स ऐंड जीन लिंग्विस्टिक्स' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- अन्विता अब्बी ने 31 मार्च 2005 को ज.ने.वि. में आयोजित 'हिंदी सपोर्ट ऐंड कंपेटिविलिटी फॉर कंप्यूटर्स' विषयक संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- वैश्ना नारंग ने 16–17 मार्च 2005 को मौलाना आजाद मेडिकल कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में ए.वाई.जे.एन. आई.एच.एच. और हियरिंग इंटरनेशनल द्वारा आयोजित 'डीफ एज्यूकेशन : ट्रेंड्स, कस्टोमाइज्ड एप्रोचिज टु द एज्यूकेशन ऑफ द डीफ ऐंड चैलेंजिज ऑफ एज्यूकेटिंग द डीफ' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'साइन लैंग्वेज ऐंड द नीड फॉर द कस्टोमाइज्ड एप्रोच टु एज्यूकेशन ऑफ द डीफ' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- वैश्ना नारंग और माधुरी बिहारी ने 28–29 मार्च 2005 को भाषा–विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कंटेम्पोरेरि पर्सपेक्टिव्स ऑन द अनालिसिस ऑफ लैंग्वेज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ब्रेकडाउन ऑफ प्रोसॉडी इन पंजाबी एफेसिक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 5 अप्रैल 2004 को भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में आयोजित 'सुपरामेंटल कांससनेस', श्री अरविन्दो ऐंड अदर इवोल्युशनिस्ट्स' विषयक संगोष्ठी के 'कंटेम्पोरेरि थीअरिज ऑफ इवोल्युशन ऐंड कांससनेस' शीर्षक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- मकरंद प्रांजपे 15 से 21 अप्रैल 2004 तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, एस.ए.आर.ए.आई. और ज.ने.वि. के सहयोग से भारत में आयोजित चीनी फिल्म समारोह में 'चीन–भारत में अन्तःसांस्कृतिक वार्ता' के सह–समन्वयक थे।
- मकरंद प्रांजपे ने 26 अप्रैल 2004 को सभ्यता अध्ययन केन्द्र, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से आई.आई.सी.–एशिया परियोजना द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'इंडिया ऐंड एशिया : एस्थेटिक डिस्कोर्स' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- मकरंद प्रांजपे ने 8–9 मई 2004 को अमृता विश्वविद्यापीठम्, कोयम्बटूर में आयोजित 'कल्चरल एज्यूकेशन इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी इंडिया' विषयक संगोष्ठी में 'द कल्चर ऑफ स्वराज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 5 से 9 जून 2004 तक पेंसिलवानिया विश्वविद्यालय, फिलाडेल्फिया में आयोजित 'रिलिजन ऐंड स्पिरीचुएलिटी' विषयक मेटानेक्सस वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

- मकरंद प्रांजपे ने 6 अगस्त 2004 को एसोसिएशन ऑफ कॉमनवेलथ लिट्रेचर ऐंड लैंग्वेज स्टडीज, हैदराबार द्वारा आयोजित 'नेशन ऐंड इमेजीनेशन : द चेंजिंग कॉमनवेल्थ' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द एंड ऑफ पोस्टकॉलोनिएलिज्म' शीर्षक पैनल का आयोजन किया और 'द एंड ऑफ पोस्टकॉलोनिएलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 1 से 3 सितम्बर 2004 तक ह्यूमैनिटीज रिसर्च सेंटर, आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, केनबरा में आयोजित 'गाँधी, नॉन वायलेंस, मॉडर्निटी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्टिल सर्चिंग फॉर स्वराज : इंडिया आफ्टर गाँधी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 17 सितम्बर 2004 को बार्सिलोना सिटी द्वारा आयोजित 'कास्मोपॉलिस' विषयक साहित्यिक और सांस्कृतिक समारोह के अवसर पर 'द अमोरस टर्न : रोमांटिक मोमेंट्स इन इंडियन आर्टिस्टिक ट्रेडिशंस' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- मकरंद प्रांजपे ने अरविंद भवन, कोलकाता में आयोजित 'नेशनल एज्यूकेशन' विषयक संगोष्ठी में 'नेशनल एज्यूकेशन इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 17 जनवरी 2005 को आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित 'श्री अरविंद ऐंड द फ्यूचर ऑफ ह्यूमनिटी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- मकरंद प्रांजपे ने 11 से 13 फरवरी, 2005 को संस्कृत अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित 'वेदा एज वर्ड' विषयक संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की और परिचयात्मक व्याख्यान दिया।
- जी.जे.वी. प्रसाद ने 4 से 9 अगस्त 2004 को ए.सी.एल.ए.एल.एस., हैदराबाद द्वारा आयोजित 'नेशन ऐंड इमेजीनेशन : द चेंजिंग कॉमनवेलथ' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की और 'इंग्लिश ट्रांसलेटिंग इंडियंस ट्रांसलेटिंग इंग्लिश' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी.जे.वी. प्रसाद ने दिसम्बर 2004 में जवाहरलाल नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय में आयोजित अनसतेसिया निकोलोपावलो द्वारा दिए गए व्याख्यान की अध्यक्षता की।
- जी.जे.वी. प्रसाद ने जनवरी, 2005 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित 'निसिम इजेकिल' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया और 'निसिम इजेकिल'स इंडिया' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- फ्रेंसन मंजली ने सितम्बर 2004 में चोलिंग मठ, बीर, हिमाचल प्रदेश में आयोजित भारत, उत्तरी अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के विचारकों के छठे सम्मेलन में भाग लिया।
- फ्रेंसन मंजली ने 2 से 4 नवम्बर 2004 तक भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि. और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् द्वारा आयोजित 'नीत्जे : फिलालॉजीस्ट, फिलोस्फर ऐंड कलचरल क्रिटिक' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वाट इज 'लिविंग' ऐंड वाट इज 'डैड' इन लैंग्वेज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- फ्रेंसन मंजली ने नवम्बर 2004 में समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली अर्थशास्त्र संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'विंडो ऑन यूरोप' विषयक संगोष्ठी में 'यूरोपियन लिंग्विस्टिक मॉडर्निटी ऐंड इट्स रिसेंट क्रिटिक' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- फ्रेंसन मंजली ने जनवरी 2005 में दर्शन–शास्त्र विभाग, उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जीलिंग द्वारा आयोजित 'लैंग्वेज, थॉट ऐंड रिएलिटी' विषयक कार्यशाला में 'लैंग्वेज ऐंड फिलोस्फी आफ्टर डेरिडा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- फ्रेंसन मंजली ने फरवरी 2005 में अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'माई ऑन रिस्पांसीबिलिटी– मॉरनिंग डेरिडा' विषयक संगोष्ठी में 'लैंग्वेज ऐंड फिलास्फी सिंस डेरिडा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- फ्रेंसन मंजली ने मार्च 2005 में जर्मन अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. और गोयथे सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'शिलर, एस्थेटिक एज्यूकेशन, ग्लोबलाइजेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पॉलिटिक्स ऐंड एस्थेटिक्स ऑफ बीइंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- फ्रेंसन मंजली ने 23 मार्च 2005 को भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि., दर्शन–शास्त्र ग्रुप, ज.ने.वि. और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'डिकंस्ट्रक्शन आइकोन प्रोफेसर जेकस डेरिडा' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एक्ट्स ऑफ डेरिडा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. भादुड़ी ने 25–26 अप्रैल 2004 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, द्वारा आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित 'क्रिएटिविटी ऐंड द स्टेट इन कनटेम्पोरेरि इंडिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में क्रिएटिविटी ऐंड द कम्युनीकेटिव रेशनेलिटी ऑफ डिफरेंस ऐंड सॉलिडेरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. भादुड़ी ने 24 मई 2004 को अन्तर विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान केन्द्र, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा आयोजित 'एसोसिएट्स' संगोष्ठी में 'प्राब्लमेटाइजिंग सब्जेक्टिविटी : ए स्टडी इन माड्स ऑफ मल्टिप्लिसाइटेटिंग द सेल्फ ड्यूरिंग द एनलाइटनमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. भादुड़ी ने 27–28 सितम्बर, 2004 को दर्शन–शास्त्र केन्द्र, ज.ने.वि. और भा.दा.अ.प., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'माइंड, कांससनेस ऐंड द वर्ल्ड' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- एस. भादुड़ी ने 2 से 4 नवम्बर, 2004 तक भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि. और भा.दा.अ.प., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'नीत्जे : फिलालॉजिस्ट, फिलॉस्फर ऐंड कल्चरल क्रिटिक' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द (इम) पॉसीबिलिटी ऑफ सब्जेक्टीविटी : रीडिंग नीत्जे इस्से होमो' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. भादुड़ी ने 18–19 नवम्बर 2004 को जानकी देवी स्मारक महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'इंटेरोगेटिंग कल्चर : शिफ्टिंग बाउंड्रीज ऐंड डेफिनीशंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'थियोराइजिंग काउंटर कल्चर' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस. भादुड़ी ने 23 मार्च 2005 को भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि., दर्शन–शास्त्र ग्रुप, ज.ने.वि. और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'डिकंस्ट्रक्शन आइकोन प्रोफेसर जैक्स डेरिडा' विषयक संगोष्ठी में 'राइटिंग एज डिफरेंस : डुइंग डेरिडा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा 'द रिलिवेंस ऑफ डेरिडा इन टुडे'ज इंडिया' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।

Qkjlh vkj e/; ,f'k;kbZ v/;;u dsUæ

- एस.जे. हवेवाला ने 15–16 जनवरी, 2005 को के.आर. कामा इंस्टीट्यूट ऐंड कलचर हाउस ऑफ ईरान, मुम्बई द्वारा आयोजित 'मौलाना जलालुद्दीन रूमी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की और 'रूमी द ग्रेटेस्ट सूफी पॉइट ऑफ ईरान' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.ए. हसन ने 4 से 6 नवम्बर 2004 तक सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन में 'मौलाना ऐंड द वेस्टर्न ओरिएंटलिस्ट्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.ए. हसन ने 22 से 24 नवम्बर 2004 तक फारसी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'रिलिवेंस ऑफ पर्सियन सूफी लिट्रेचर टु यूनिवर्सल ब्रदरहुड' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रूमी ऐंड हिज टेकर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.ए. हसन ने 15–16 जनवरी, 2005 तक के.आर. कामा इंस्टीट्यूट ऐंड कल्चर हाउस ऑफ ईरान द्वारा मुम्बई में आयोजित 'मौलाना जलालुद्दीन रूमी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'टुवर्डस अंडरस्टेंडिंग मौलाना' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एस.ए. हसन ने 11–12 फरवरी 2005 को ग्लोबल एनवायरनमेंट ऐंड वेलफेयर सोसाइटी, दिल्ली द्वारा आयोजित 'सूफीज्म ऐंड भक्ति मूवमेंट : कनटेम्पोरेरि रिलिवेंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मौलाना : माइन्ड ऐंड मैटेरियल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.ए. हसन ने 16 से 18 फरवरी, 2005 तक चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र तथा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर ऑफ ईस्ट एशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवपलमेंट्स इन जापान, चाइना ऐंड साउथ कोरिया – एन इंटरफेस विद इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिसेंट आर ब्लासफेमी : एन ओवरव्यू ऑफ मॉडर्न एशियन लिट्रेचर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.ए. हसन ने 24 फरवरी 2005 को फारसी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'आर्ट ऑफ ट्रांसलेशन इन पर्शियन' विषयक संगोष्ठी में 'प्राब्लम्स ऑफ ट्रांसलेटिंग पर्सियन इन टु इंग्लिश' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.ए. हसन ने 9 से 11 मार्च 2005 तक फारसी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित 'शेख अली हाजिम ऐंड हिज टाइम' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शेख अली हाजिम ऐंड हिज पोइटिक जीनियस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया और एक सत्र की अध्यक्षता की।
- एस.ए. हसन ने 17 मार्च 2005 को इंडियन एसोसिएशन फॉर सेंट्रल ऐंड वेस्ट एशियन स्टडीज और जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सेंट्रल एशिया : वाट इट मीन्स टु इंडिया टुडे ? विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में इण्डो–पर्शियन लिटरेरी कल्चर ऐंड सेंट्रल एशिया थ्रू इरानियन पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जैड.एस. काजमी ने 3 से 5 अक्टूबर 2004 तक काश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लिया।
- जैड.एस. काजमी ने 22 से 24 नवम्बर, 2004 तक फारसी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'रिलिवेंस ऑफ पर्सियन सूफी लिट्रेचर टु यूनिवर्सल ब्रदरहुड' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- जैड.एस. काजमी ने 20 से 23 दिसम्बर 2004 तक तेहरान में आयोजित 'ईरानियन स्टडीज' विषयक द्वितीय राष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लिया।
- जैड.एस. काजमी ने गालिब संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'अनीस ऐंड दाहिर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- जैड.एस. काजमी ने काश्मीर में आयोजित अखिल भारतीय फारसी स्कालर सम्मेलन में 'टु प्रॉमीनेंट पोइट्स ऑफ काश्मीर ड्यूरिंग द पीरियड ऑफ शाहजहाँ : गनी कश्मीरी ऐंड फियानी कश्मीरी विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अख्तर महदी ने 6 से 8 अप्रैल 2004 तक अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- अख्तर महदी ने 20 से 23 दिसम्बर 2004 तक तेहरान में आयोजित 'ईरानियन स्टडीज' विषयक द्वितीय राष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लिया
- अख्तर महदी ने 28 से 30 मार्च 2005 तक वसंत राव नायक गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट, नागपुर में आयोजित '25वें अखिल भारतीय फारसी शिक्षक सम्मेलन में भाग लिया।
- सैयद अख्तर हुसैन ने 9 से 11 मार्च 2005 तक बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- अख्लाक अहमद अंसारी ने 25 से 28 फरवरी 2005 तक गालिब अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित आरसी सेंटेनरी सेलेब्रेशन संगोष्ठी में 'आरसी की फारसी तफकीक निगारी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- अख्लाक अहमद अंसारी ने 20 से 23 दिसम्बर 2004 तक ईरानी फाउंडेशन, तेहरान की द्वितीय राष्ट्रीय कांग्रेस में 'रोल ऑफ इकबाल इन रिकाग्निशन ऑफ बेदिल इन ईरान' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अख्लाक अहमद अंसारी ने 5 से 21 अगस्त, 2004 तक तेहरान में आयोजित 'पर्सियन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

: lh v/;;u dÙæ

- अमर बासु और आर. नागपाल ने 9 से 10 दिसम्बर 2004 तक नई दिल्ली में रूसी अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, रूसी विज्ञान और संस्कृति केन्द्र और रूसी दूतावास द्वारा आयोजित 'कनटेम्पोरेरि ट्रेंड्स इन रशियन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर टीचिंग : इश्यूज ऐंड पर्सपेक्टिव्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द पावर स्ट्रगल बिटवीन द अपोजिट सेक्सिज इन चेखोव'स अन्ना ऑन द नेक' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमर बासु और आर. नागपाल ने 30 दिसम्बर से 2 अक्टूबर 2004 तक अस्तराखान, रूस में आयोजित 'कनटेम्पोरेरि फिलोलॉजी इन द रिएल्म ऑफ लैंग्वेज ऐंड कल्चर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मेथड्स ऑफ टीचिंग ऐंड लर्निंग ऑफ फॉरेन लैंग्वेज : ट्रेडिशनल ऐंड नॉन ट्रेडिशनल' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमर बासु ने 25 से 28 फरवरी 2005 तक रूसी विभाग, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा द्वारा आयोजित 'ए लिटरेरी ट्राइब्यूट टु एंटन पावलोविच चेखोव : 1860–1904' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में 'एंटन चेखोव ऐंड हिज स्टोरीज' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया तथा 'द थीम ऑफ होपलेसनेस ऐंड इल्युजरी हैपीनेस इन चेखोव'स स्टोरीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया और एक सत्र की अध्यक्षता भी की।
- एच.सी. पाण्डे ने 30 जुलाई से 1 अगस्त और 6 से 8 अगस्त 2004 तक भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान द्वारा विदेशी भाषा के स्कूली शिक्षकों के लिए आयोजित अनुशीलन कार्यक्रम में 'रिलेशनशिप बिटवीन मदर टंग ऐंड फॉरेन लैंग्वेज : डिफरेंट टाइप्स ऑफ इरर्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.सी. पाण्डे ने 9–10 दिसम्बर 2004 को रू.अ.के., ज.ने.वि., दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, रूसी विज्ञान और संस्कृति केन्द्र, रूसी दूतावास, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कनटेम्पोरेरि ट्रेंड्स इन रशियन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर टीचिंग : इश्यूज ऐंड पर्सपेक्टिव्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ओपित सोस्तावलेनिया करातकोवो रूस को – हिन्दी स्लोवारया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.सी. पाण्डे ने 24–25 जनवरी 2005 को दर्शन–शास्त्र ग्रुप, ज.ने.वि., भा.दा.अ.प., द टेम्पल ऑफ अंडरस्टेंडिंग और संवाद इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'इन्टरफेथ हारमोनी ऐंड सोसल कोहेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्मृति और चेतना' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शंकर बासु ने 9–10 दिसम्ब, 2004 को रू.अ.के., ज.ने.वि., दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, रूसी विज्ञान और संस्कृति केन्द्र, रूसी दूतावास, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कनटेम्पोरेरि ट्रेंड्स इन रशियन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रिसेंट ट्रेंड्स इन रशियन लिट्रेचर' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- शंकर बासु ने 25 से 28 फरवरी 2005 तक रूसी विभाग, महाराज सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा द्वारा आयोजित 'ए लिटरेरी ट्राइब्यूट टु एंटन पावलोविच चेखोव : 1860–1904' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडियन एडेप्टेशन ऑफ चेखोव'स प्लेज' विषयक सत्र की अध्यक्षता की और 'एंटन चेखोव द आर्टिस्ट ऑफ लाइफ' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मीता नारायण ने 7–8 अगस्त 2004 को भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित विदेशी भाषा के शिक्षकों के लिए अनुशीलन कार्यक्रम में 'डिवलपमेंट ऑफ ओरल स्किल्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- मीता नारायण ने 9–10 दिसम्बर, 2004 को रूसी अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, रूसी विज्ञान और संस्कृति केन्द्र, रूसी दूतावास, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कंटेम्पोरेरि ट्रेंड्स इन रशियन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर टीचिंग : इश्यूज ऐंड पर्सपेक्टिव्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'चेंजिज इन प्रोपर नेम्स : प्रि ऐंड पोस्ट पेरेस्त्रोइका पिरियड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मीता नारायण ने 25 से 28 फरवरी 2005 तक रूसी विभाग, महाराज सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा द्वारा आयोजित 'ए लिटरेरी ट्राइब्यूट टु एंटन पावलोविच चेखोव : 1860–1904' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ए.पी. चेखोव : द मैन ऑफ द मासेज' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- मीता नारायण ने 8–9 मार्च 2005 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा आयोजित 'रशियन लैंग्वेज, लिट्रेचर ऐंड कलचर टुडे' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द ह्यूमनिस्टिक एप्रोच टु लैंग्वेज टीचिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तत किया।

bLikuh] iqrZxkyh] brkyoh vkSj ykfVu vejhdh v/;;u dsUæ

- एस.पी. गांगुली ने 18 से 24 जुलाई 2004 तक मोंटैररी, मेक्सिको में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हिस्पानिस्ट्स की 15वीं कांग्रेस में 'एन अनालिसिस ऑफ द प्रॉब्लम्स ऐंड प्रॉस्पेक्टस ऑफ हिस्पानिक स्टडीज इन इंडिया' और 'इंडिया रिसेप्शन ऑफ दल किखोते' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.पी. गांगुली ने 31 दिसम्बर 2004 से 2 जनवरी 2005 तक जर्मन और रोमन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'सर्वातेज ऐंड दन किखोते' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ट्रांसलेशन ऑफ अल किखोते इन इंडियन लैंग्वेजिज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.पी. गांगुली ने 23–24 फरवरी 2005 को अंग्रेजी विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'ट्रांसलेशन ऐंड इंटरकल्चुरलिटी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लिटरेरी ऐंड कल्चरल रिसेप्शन ऑफ अल किखोते इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजीव सक्सेना ने 7 से 10 सितम्बर, 2004 तक मनीला, फिलिपिंस में आयोजित एशिया–प्रशांत में प्रोफेसरों के प्रथम सम्मेलन में भाग लिया और आलेख प्रस्तुत किया।

n'kZu&'kkL= xzqi

- आर.पी. सिंह ने 25–26 अप्रैल 2004 को नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में 'वेस्टर्न रीडिंग ऑफ इंडियननेस' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.पी. सिंह ने 27–28 सितम्बर 2004 को दर्शन–शास्त्र केन्द्र, ज.ने.वि. और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'माइंड, कासंसनेस ऐंड द वर्ल्ड' विषयक कार्यशाला में 'कांससनेस : डुआलिज्म, मोनिज्म ऐंड प्लुरलिज्म, देकार्ते, कांट, हीगल ऐंड हेबरमास' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.पी. सिंह ने 2 से 4 नवम्बर, 2004 तक भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि. और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'नीत्जे : फिलोलॉजिस्ट, फिलोस्फर ऐंड कल्चरल क्रिटिक' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कांट ऐंड नीत्जे : रीजन/पेशन कंफलिक्ट इन ह्यूमन बिल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.पी. सिंह ने 12 से 14 दिसम्बर 2004 तक नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में 'एथिक्स इन द उपनिषद्स' और 'एथिक्स इन अद्वैत वेदान्त लिट्रेचर' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.पी. सिंह ने 23 मार्च, 2005 को भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि., दर्शन–शास्त्र ग्रुप, ज.ने.वि., और भा.दा.अ.प., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'डिकंस्ट्रक्शन आइकोन प्रोफेसर जैक्स डेरिडा' विषयक संगोष्ठी में 'डिकंस्ट्रक्शन : लॉजिक ऑफ डिफरेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

f'k{kdksa ds 0;k[;ku ¼fo'ofo|ky; ls ckgj½

teZu v/;;u dsUæ

- अनिल भट्टी ने 30 अगस्त, 2004 को यूरोपियन फोरम, अल्पबच, आस्ट्रिया में 'Integration und Ausschliebung in Kultur' विषयक व्याख्यान दिया।

Hkkjrh; Hkk"kk dsUæ

- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 6 अप्रैल 2004 को एम.एन. टंडन न्यास, आगरा में 'द क्राइसिस ऑफ क्रेडिबिलिटी इन इंडियन पालिटिक्स' विषयक प्रथम महादेव नारायण स्मारक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 7 अप्रैल 2004 को अंग्रेजी विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'रिएलिज्म इन हिन्दी नॉवल' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 9 अप्रैल 2004 को राहुल फाउंडेशन, नई दिल्ली में 'मध्यकालीन संस्कृति और रहीम' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 13 मई 2004 को नेशनल फाउंडेशन फॉर इंडिया, नई दिल्ली में 'द पॉलिटिक्स आफ आइडेंटिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 18 जून, 2004 को सीगुल फाउंडेशन, कोलकाता में 'लिट्रेचर सिटीजनशिप ऐंड आइडेंटिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 10 जुलाई 2004 को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली में 'कसौटी का प्रश्न' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 7 अगस्त, 2004 को राष्ट्रीय नाट्य संस्थान में 'साहित्य, स्मृति और नैतिक सरोकार' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 27 सितम्बर, 2004 को छत्तीसगढ़ साहित्य परिषद्, रायपुर में 'कविता का सच और मुक्तिबोध' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 5 दिसम्बर 2004 को लुनचियोन में 'क्लॉज हेल इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल लर्निंग, इमोरी यूनिवर्सिटी, अटलांटा, यू.एस.ए. द्वारा आयोजित व्याख्यान माला में 'आफ्टर अयोध्या : रिलिजन ऐंड पॉलिटिक्स इन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 5 दिसम्बर 2004 को राइस यूनिवर्सिटी, ह्युस्टन, यू.एस.ए. में 'रिफ्लेक्शंस ऑन इंडिया टुडे' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 6 दिसम्बर, 2004 को डिपार्टमेंट ऑफ रिलिजन, इमोरी यूनिवर्सिटी, अटलांटा यू.एस.ए., में 'इंडिया आफ्टर इलेक्शंस : ए टाइम फॉर इंट्रोस्पेक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 8 दिसम्ब, 2004 को साउदर्न एशिया इंस्टीट्यूट, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, यू.एस.ए. में बीइंग हिंदू इन द ट्वेंटीफर्स्ट सेंचुरी' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 9 दिसम्बर, 2004 को बर्नार्ड कॉलेज, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, यू.एस.ए. में 'आफ्टर अयोध्या' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 19 मार्च 2005 को अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'एलिमीनेटिंग द लोकल ऐंड द ह्यूमर्स : एडोप्टिंग रामायण फॉर टी.वी.' विषयक व्याख्यान दिया।
- वीर भारत तलवार ने 30 जुलाई 2004 को आई.एस.आई., नई दिल्ली में 'टु दलित शोर्ट स्टोरीज' विषयक व्याख्यान दिया।

- वीर भारत तलवार ने 6 नवम्बर 2004 को आई.एस.आई., नई दिल्ली में 'विजन ऑफ संथाल्स इन द न्यू मिलेनियम' विषयक व्याख्यान दिया।
- वीर भारत तलवार ने 27 नवम्बर 2004 को कुमायूं विश्वविद्यालय, नैनीताल में '19वीं सदी का नवजागरण और हिंदी प्रदेश' विषयक व्याख्यान दिया।
- गोबिन्द प्रसाद ने 18 मार्च 2005 को सी.आई.ई.टी. में एन.सी.ई.आर.टी. के लिए 'भारतेंदु हरिश्चन्द्र' पर रेडियो पर शैक्षिक वार्ता की।
- एस.एम. अनवार आलम ने 3 नवम्बर, 2004 को उर्दू विभाग, बी.आर. अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर में 'जदीद–तर उर्दू अफसाना' विषयक व्याख्यान दिया।
- रंजीत कुमार साह ने 15 और 17 मार्च 2005 को केन्द्रीय हिंदी संस्थान में विजिटिंग शिक्षक के रूप में व्याख्यान दिया।
- रंजीत कुमार साह ने 20 मार्च 2005 को राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली में 'विट ऐंड आइरनी इन बंगाली चिल्ड्रन'स लिट्रेचर' विषयक व्याख्यान दिया।
- के.एम. इकरामुद्दीन ने नवम्बर 2004 में चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में 'यूथ ऐंड कनटेम्पोरेरि सोसाइटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- के.एम. इकरामुद्दीन ने मार्च 2005 में उर्दू अकादमी, दिल्ली में 'नए–पुराने चिराग' विषयक व्याख्यान दिया।
- रमण प्रसाद सिन्हा ने 9 अप्रैल, 2004 को दिल्ली में 'मध्यकालीन भारतीय कला, समाज और संस्कृति' विषयक राहुल सांकृत्यायन स्मारक व्याख्यान दिया।

tkikuh vkj mÙkj&iwohZ ,f'k;kbZ v/;u dsUæ

- अनिता खन्ना ने जापानी'ज स्कूल, नई दिल्ली में 'गारबेज डिस्पोजल सिस्टम ऑफ एम.सी.डी.' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.ए. जॉर्ज ने 9 अक्टूबर, 2004 को जापानीज लैंग्वेज टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, द जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली में जापानी भाषा के वर्तमान और भावी शिक्षकों के लिए आयोजित द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।
- वी. राधवन ने 9 मार्च 2005 को इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनीज स्टडीज, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डिवलपिंग सोसाइटीज, दिल्ली में 'कोरियन पेनिनसुला : न्यू डेडलॉक' विषयक व्याख्यान दिया।

Hkk"kk foKku vkj vuqiz;qDr Hkk"kk dsUæ

- कपिल कपूर ने 15 से 17 जुलाई 2004 तक सी.आई.आई.एल., मैसूर में 'इंडियन लिंग्विस्टिक ट्रेडिशन' विषयक तीन स्थापना दिवस व्याख्यान दिए।
- कपिल कपूर ने दिसम्बर 2004 से जनवरी, 2005 तक सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, आनंद में 'लैंग्वेज; लिट्रेचर ऐंड फिलॉस्फी' विषय पर व्याख्यान दिए।
- कपिल कपूर ने 19 फरवरी 2005 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय में 'इंडिया'ज इंटलेक्चुअल ट्रेडिशन ऐंड द वेस्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- अन्विता अब्बी ने 20 से 23 मई 2004 तक बार्सिलोना में 'लैंग्वेज डाइवर्सिटी, सस्टेनेबिलिटी ऐंड पीस' विषयक वार्ता की।
- अन्विता अब्बी ने 20 सितम्बर 2004 को मिचिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, अन आर्बर में 'वैनिशिंग लैंग्वेजिज ऑफ द अंडमान आइलैण्डस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अन्विता अब्बी ने 23 मार्च 2005 को दिल्ली विश्वविद्यालय में 'एरियल लिंग्विस्टिक्स ऐंड जीन लिंग्विस्टिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।

- मकरंद प्रांजपे ने 8 अप्रैल 2004 को गुआंगझाउ यूनिवर्सिटी, गुआंगझाउ में 'बालीवुड : ड्रीम्स ऐंड रिएलिटीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- मकरंद प्रांजपे ने 22 मई 2004 को चार्ल्स लियोपाल्ड मेयर फाउंडेशन फॉर द प्रोग्रेस ऑफ ह्यूमन काइंड, पेरिस में 'स्पिल्ट वाइड ओपन' विषयक व्याख्यान दिया और फिल्म परिचर्चा की।
- मकरंद प्रांजपे ने 8 जुलाई 2004 को भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में प्रस्तुत द्वारा आयोजित वार्ता में 'इंडियन रिप्रेजेंटेशंस इन लिटरेरी टेक्स्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- मकरंद प्रांजपे ने 4 से 9 अगस्त 2004 तक हैदराबाद में आयोजित ए.सी.एल.ए.एल.एस. के त्रैवार्षिक सम्मेलन में काव्यपाठ किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 31 अगस्त 2004 को स्कूल ऑफ इंग्लिश, यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स, सिडनी में 'पोस्ट कॉलोनियल इंडिया : डाइमेंशंस ऑफ चेंज' विषयक व्याख्यान दिया।
- मकरंद प्रांजपे ने 5 सितम्बर 2004 को अंग्रेजी विभाग, मर्डोक विश्वविद्यालय, पर्थ, आस्ट्रेलिया में 'द 'पोस्ट' इन पोस्ट कालोनियल', विषयक व्याख्यान दिया।
- मकरंद प्रांजपे ने 13 सितम्बर, 2004 को रशियन स्टेट यूनिवर्सिटी फॉर द ह्युमैनीटीज, मास्को में 'ग्लोबलाइजिंग इंडिया : फेसिंग द वेस्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- मकरंद प्रांजपे ने 26 सितम्बर 2004 को हनुमान मंदिर, मुनीरका में 'स्वामी विवेकानंद'ज कनटेम्पोरेरि रिलिवांस' विषयक व्याख्यान दिया।
- मकरंद प्रांजपे ने 29 नवम्बर 2004 को रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर, कोलकाता में 'स्वामी विवेकानंद : टुडे ऐंड टुमारो' विषयक व्याख्यान दिया।
- मकरंद प्रांजपे ने 11 दिसम्बर 2004 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'आप्टिमल ग्लोबलाइजेशन' विषयक पैनल में व्याख्यान दिया।
- पी.के.एस. पाण्डेय ने 24 से 31 मार्च, 2005 तक भाषा विज्ञान में उच्च अध्ययन केन्द्र, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई नगर में 'साउंड्स ऑफ इंडियन लैंग्वेजिज' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग फेलो व्याख्यान दिया।
- जी.जे.वी. प्रसाद ने 3 सितम्बर 2004 को भारत भवन, भोपाल में 'द चैलेंजिज बिफोर द न्यू इंडियन इंग्लिश पोइट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी.जे.वी. प्रसाद ने 21 दिसम्बर को दयाल सिंह महाविद्यालय (सांध्यकालीन), दिल्ली विश्वविद्यालय में 'मॉडर्न यूरोपियन ड्रामा : एन ओवर व्यू' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी.जे.वी. प्रसाद ने जनवरी 2005 में कमला नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'एन इंट्रोडक्शन टु अमिताव घोष' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी.जे.वी. प्रसाद ने जनवरी 2005 में जानकी देवी स्मारक महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'ट्वेंटियंथ–सेंचुरी यूरोपियन ड्रामा' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. भादुड़ी ने 26 जुलाई 2004 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में अंग्रेजी में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पुनश्चर्या कार्यक्रम में 'थियोराइजिंग मार्जिनलिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. भादुड़ी ने 5 नवम्बर, 2004 को फ्रेंच सूचना स्रोत केन्द्र, फ्रांस दूतावास, नई दिल्ली में 'लैंग्वेज : एन ऑबजेक्ट फॉर साइंस टुडे ? विषयक व्याख्यान दिया।

Qkjlh vkj e/; ,f'k;kbl v/;;u dUæ

- एस.ए. हसन ने जून 2004 में अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में अंग्रेजी में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पुनश्चर्या कार्यक्रम में 'ग्लोबलाइजेशन ऑफ लिट्रेचर' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- एस.ए. हसन ने 21 मार्च 2005 को खुदा बक्श प्राच्य संस्थान, पटना में 'मिर्जा अब्दुल कादिर बेदुल ऐंड हिज पोइट्री' विषयक व्याख्यान दिया।
- अख्लाक अहमद अंसारी ने अगस्त 2004 में महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा में 'पर्शियन लिटरेरी ट्रेडिशन इन इंडिया ऐंड इट्स इम्पैक्ट ऑन हिन्दी लिट्रेचर ऐंड सूफी भक्ति मूवमेंट' विषयक 10 व्याख्यानों की श्रृंखला आयोजित की।

: lh v/;;u dUæ

- शंकर बासु ने 18 अक्टूबर 2004 को इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन ऐंड अफ्रीकन स्टडीज, मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी में 'एक्सपिरियंस ऑफ टीचिंग रशियन इन नॉन–नेटिव सराउंडिंग्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- शंकर बासु ने 27 अक्टूबर 2004 को डिपार्टमेंट ऑफ इंडियन फिलोलॉजी, मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी में 'मेथड्स ऐंड एप्रोचिज ऑफ टीचिंग रशियन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर इन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।

bLikuh] iqrZxkyh] brkyoh vkj ykfVu vejhdh v/;;u dUæ

- एस.पी. गांगुली ने जुलाई 2004 में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ मेक्सिको ऐंड द मेक्सिकन राइटर्स एसोसिएशन में 'इंडिया ऐंड आक्टेवियो पॉज' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने जुलाई 2004 में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ मेक्सिको ऐंड द मेक्सिकन राइटर्स एसोसिएशन में 'द रिसेप्शन ऑफ हिस्पानिक थीम्स इन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने जुलाई 2004 में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ मेक्सिको ऐंड द मेक्सिकन राइटर्स एसोसिएशन में 'द कनटेम्पोरेरि सोसियो–पॉलिटीकल सिनेरियो इन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने अक्टूबर 2004 में लॉस एंडेज यूनिवर्सिटी, सान क्रिस्टोबल ऐंड मेरिडा में 'द इंडिया डिवलपमेंटल इक्सपिरियंस : डाइलेमास ऐंड पैराडॉक्सिज इन द कांटेक्स्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन', 'इंडिया एज ए डायलोजिक स्पेस बिटवीन नेशनललिज्म ऐंड सेक्युलरिज्म', 'स्पानिक रिसेप्शन ऑफ टैगोर ऐंड इंडिया इन द वर्क्स ऑफ आक्टेवियो पॉज' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने अक्टूबर 2004 में सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ वेनेजुएला, काराकस में 'द इंडिया डिवलपमेंटल एक्सपिरियंस : डाइलेमास ऐंड पैराडॉक्सिज इन द कांटेक्स्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन', 'इंडिया एज ए डायलोजिक स्पेस बिटवीन नेशनलिज्म ऐंड सेक्युलरिज्म', 'हिस्पानिक रिसेप्शन ऑफ टैगोर ऐंड इंडिया इन द वर्क्स ऑफ आक्टेवियो पॉज' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने अक्टूबर 2004 में एक्सटरनाडो यूनिवर्सिटी, बोगोटा, कोलम्बिया में 'कनटेम्पोरेरि इंडियन सोसाइटी ऐंड इंडिया'ज रिलेशंस विद नेबर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने अक्टूबर 2004 में सांटो टॉम्स यूनिवर्सिटी, बोगोटा, कोलम्बिया में, 'गांधी, हिज कनटेम्पोरेरि रिलिवेंस ऐंड रिसेप्शन इन लैटिन अमरीका' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने अक्टूबर 2004 में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलम्बिया, बोगोटा, कोलम्बिया में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड पॉलिटीकल कल्चर इन कनटेम्पोरेरि इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने अक्टूबर 2004 में यूनिवर्सिटी ऑफ रोसारियो, बोगोटा, कोलम्बिया में 'इंडिया एज एन इमर्जिंग पॉवर : पर्सपेक्टिव्स ऐंड पैराडॉक्सिज' विषयक व्याख्यान दिया।

- एस.पी. गांगुली ने अक्टूबर 2004 में लॉस एंडेज यूनिवर्सिटी, बोगोटा, कोलम्बिया में 'हिस्पानिक रिसेप्शन ऑफ टैगोर' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने अक्टूबर 2004 में जवेरियाना यूनिवर्सिटी, बोगोटा, कोलम्बिया में 'इंडिया इन द वर्क्स ऑफ आक्टोवियो पॉज' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने अक्टूबर 2004 में कोलम्बिया एकेडमी ऑफ लैंग्वेजिज, बोगोटा, कोलम्बिया में 'रिसेप्शन ऑफ सर्वांटीज इन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने अक्टूबर 2004 में काज़ा दे पोयजिया सिल्वा, बोगोटा, कोलम्बिया में 'टेंडेंसिज इन मॉडर्न इंडियन पोइट्री' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने अक्टूबर 2004 में Instituto Caro y Cuervo, बोगोटा, कोलम्बिया में 'ट्रेडिशन ऐंड मॉटर्निटी इन इंडियन थिएटर' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने नवम्बर 2004 में सान कार्लोस यूनिवर्सिटी, गोटेमाला में 'द सोसियो–पॉलिटीकल डायनेमिक्स ऑफ इंडिया इन द प्रिजेंट टाइम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने नवम्बर 2004 में फ्रांसिस्को मारोक्विन यूनिवर्सिटी, गोटेमाला में 'द सोसियो–पॉलिटीकल डायनेमिक्स ऑफ इंडिया इन द प्रिजेंट टाइम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने नवम्बर 2004 में वेल यूनिवर्सिटी, गोटेमाला में 'गाँधी ऐंड हिज कनटेम्पोरेरि रिलिवेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने नवम्बर 2004 में यूनिवर्सिटी ऑफ कोस्टारिका में 'गाँधी ऐंड हिज कनटेम्पोरेरि रिलिवेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने नवम्बर 2004 में यूनिवर्सिटी ऑफ कोस्टारिका में 'द लिंग्विस्टिक ऐंड कल्चरल मोजाइक ऑफ इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने नवम्बर 2004 में यूनिवर्सिटी ऑफ पनामा में 'द सोसियो–पॉलिटीकल डायनेमिक्स ऑफ इंडिया इन द प्रिजेंट टाइम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने नवम्बर 2004 में यूनिवर्सिटी ऑफ पनामा में 'द लिंग्विस्टिक ऐंड कल्चरल मोजाइक ऑफ इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने नवम्बर 2004 में यूनिवर्सिटी ऑफ पनामा में 'द रिसेप्शन ऑफ सर्वांटेज, लोर्का, पॉज ऐंड नेरूदा इन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. गांगुली ने 19 मार्च 2005 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'कल्चरल आइडेंटिटी ऑफ लैटिन अमरीका' विषयक व्याख्यान दिया।

n'ku&'kkL= xqi

- आर.पी. सिंह ने 18 जून 2004 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में 'ट्रांसेनडेंटल फिलोस्फी एज ए लिमिटेड थीअरि' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.पी. सिंह ने 24–25 नवम्बर 2004 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अकादमिक स्टाफ कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय में 'मॉडर्निटी ऐंड पोस्ट मॉडर्निटी' विषयक 4 व्याख्यान दिए।
- आर.पी. सिंह ने 10–12 जनवरी 2005 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अकादमिक स्टाफ कॉलेज, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 'ट्रेंड्स इन यूरोपियन फिलोस्फी' विषयक चार व्याख्यान दिए।

f'k{kdk dk ikIr ijLdkj@lEeku@v/;rkofÙk;k

phuh vkj nf{k.k&iohZ ,f'k;kbZ v/;;u dUæ

- एम.एल. भट्टाचार्य का मार्किज हु'ज हु, न्यू जर्सी, यू.एस.ए. द्वारा प्रकाशित 'हु'ज हु इन द वर्ल्ड, 2005' के 22वें संस्करण में जीवनी संबंधी प्रोफाइल शामिल किया।
- एम.एल. भट्टाचार्य को इंटरनेशनल बायोग्राफीकल सेंटर, कैम्ब्रिज, इंग्लैण्ड द्वारा इंटरनेशनल एज्यूकेटर ऑफ द ईयर 2005 पुरस्कार के लिए नामित किया।
- हेमंत अदलखा को 21 मार्च से 4 अप्रैल 2005 की अवधि के दौरान चीन का दौरा करने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनीज स्टडीज, सी.एस.डी.एस., दिल्ली द्वारा एक दो सप्ताह की अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।

Ýkp vkj ÝkdkQku v/;;u dUæ

- अभिजीत कारकून ने 26 जुलाई से 13 अगस्त 2004 तक यूनिवर्सिटी ऑफ मांट्रियल, मांट्रियल, कनाडा में आयोजित 'लैंग्वेज, लिट्रेचर ऐंड कल्चर ऑफ क्यूबेक' विषयक ग्रीष्मकालीन पुनश्चर्या कोर्स में भाग लिया।
- अभिजीत कारकून 16 से 18 सितम्बर 2004 तक इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरडिसिप्लीनरी स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर में विजिटिंग स्कॉलर के रूप में रहे।

teu v/;;u dUæ

- साधना नैथानी को सितम्बर 2004 में 'लेसिंग'स फेबल्स विषय पर शोध कार्य करने के लिए हरजोग अगस्त लाइब्रेरी, वोलफेनबुटेल, जर्मनी द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

tkikuh vkj mÙkj&iohZ ,f'k;kbZ v/;;u dUæ

- सुषमा जैन को मार्च से मई 2005 तक दाइतो बुनका यूनिवर्सिटी, टोकियो में रिसर्च फेलो के रूप में रहने के लिए जापान फाउंडेशन की अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।
- रविकेश को 14 मई से 11 अगस्त 2004 तक सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी, सियोल में शोध कार्य करने के लिए कोरिया फाउंडेशन अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।

Hkk"kk foKku vkj vxth dUæ

- अन्विता अब्बी लिंग्विस्टिक सोसाइटी ऑफ अमेरिका की वर्ष 2005 के लिए मानद सदस्य चुनी गईं।
- कपिल कपूर 30 दिसम्बर 2004 से 5 जनवरी 2005 तक अंग्रेजी विभाग, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, आनंद में विजिटिंग फेलो के रूप में रहे।
- मकरंद प्रांजपे, चीन–भारत अन्तर–सांस्कृतिक वार्ता के संयुक्त समन्वयक; 5 से 11 अप्रैल 2004 तक गाउंगझाउ, चीन में आयोजित भारतीय फिल्म समारोह में भाग लेने के लिए भारतीय शिष्ट मण्डल का नेतृत्व किया। इस शिष्ट मण्डल में देव बेनेगल, नंदिता दास, एल.एस. तोछवांग और शोहिनी घोष शामिल थे।
- एस. भादुड़ी, मई 2004 में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में एसोसिएटशिप की दूसरी अवधि के लिए रहे।

bLikuh] iqrxkyh] bVkyoh vkj yfVu vejhdh v/;;u dUæ

- एस.पी. गांगुली को 4 से 12 जुलाई, 2004 तक नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ मेक्सिको और द मेक्सिकन राइटर्स एसोसिएशन में उच्च स्तरीय व्याख्यानों के लिए मेक्सिको सरकार की अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
- ए. चट्टोपाध्याय को चिली गणराज्य के राष्ट्रपति द्वारा पाब्लो नेरूदा पुरस्कार प्रदान किया गया।

n'ku&'kkL= x|i

- आर.पी. सिंह 16 से 22 जून 2004 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में 'इमान्युयल कांट ऐंड पोस्ट मॉडर्न फिलोस्फी' विषय पर शोध और व्याख्यान के लिए विजिटिंग स्कॉलर के रूप में रहे।

e.Myk@lfefr;k dh lnL;rk ¼fo'ofo|ky; ls ckgj½

vjch vkj vÝhdh v/;;u dUæ

- एस.ए. रहमान, सदस्य शोध अध्ययन मण्डल, कश्मीर विश्वविद्यालय।
- रिजवानुर रहमान, संपादक, थकाफतुल हिंद (अरबी पत्रिका), आई.सी.सी.आर. द्वारा प्रकाशित, नई दिल्ली।

Ýp vkj ÝdkQku v/;;u dUæ

- जी.डी. सिवम्, सदस्य, अध्ययन मंडल, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला; सदस्य, अध्ययनमंडल, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी; सदस्य, परियोजना/विभागीय विकास समिति, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग।
- शांता रामाकृष्णन ने असम विश्वविद्यालय में विदेशी भाषा (फ्रेंच) विभाग के उद्घाटन और विदेशी भाषा के रूप में फ्रेंच के लिए आयोजित परिचय कार्यक्रम में सहायता की।
- अभिजीत कारकून, सदस्य, अध्ययन मंडल, आधुनिक और प्राचीन यूरोपीय अध्ययन, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा, 2002–2005

teu v/;;u dUæ

- अनिल भट्टी, अध्यक्ष, भारतीय गोयथे सोसाइटी; सदस्य, विद्या परिषद्, केन्द्रीय अंग्रेजी और विदेशी भाषा संस्थान, हैदराबाद; करेस्पांडिंग मेम्बर, कुरातोरियम, यूरोपायश्चिज फोरम, अल्पबैक, आस्ट्रिया।
- रेखा वी. राजन, सदस्य, शोध परिषद, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ कंपेरेटिव लिट्रेचर।
- साधना नैथानी, उपाध्यक्ष, भारतीय लोकगीत कांग्रेस; सदस्य, संपादक मंडल, जर्नल मारवल्स ऐंड टेल्स, जर्मन विभाग द्वारा द्विवार्षिक प्रकाशित, वेने स्टेट यूनिवर्सिटी प्रेस, डेट्राइट, यू.एस.ए.; सलाहकार संपादक, एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फॉकटेल्स, प्रोसेसर डोनाल्ड हेस अध्यक्ष, जर्मन विभाग, वेने स्टेट यूनिवर्सिटी, डेट्राइट; अतिथि संपादक, इंडियन फॉकलाइफ जर्नल, नेशनल फॉकलोर सपोर्ट सेंटर, चेन्नई द्वारा प्रकाशित, जनवरी 2005, अंक

Hkkjrh; Hkk"kk dUæ

- पुरुषोत्तम अग्रवाल, सदस्य, कार्य परिषद, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा; सदस्य, विद्या सलाहकार समिति, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली; अध्यक्ष हिंदी पाठ्य–पुस्तकों के लिए गठित समीक्षा समिति, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मण्डल, मानविकी, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला।
- रंजीत कुमार साह, सदस्य, कार्य समिति, भारतीय भाषा परिषद, नई दिल्ली; आजीवन सदस्य, आथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, नई दिल्ली; सदस्य, प्रकाशन समिति, श्री प्राणनाथ मिशन, नई दिल्ली; सदस्य, पुरस्कार के लिए सर्वोत्तम पुस्तकों के चयन हेतु हिमाचल प्रदेश साहित्य कला भाषा अकादमी, शिमला द्वारा गठित ज्यूरी।

tkikuh vkj mÙkj&iwoh ,f'k;kbZ v/;;u dUæ

- राजेन्द्र तोमर, कोषाध्यक्ष, मोम्बुशो स्कोलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया; सदस्य, कार्य समिति, जापानीज लैंग्वेज टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया; सदस्य, कार्य समिति, भारत–जापान मैत्री परिषद; सदस्य, आयोजन समिति, जापानी भाषा प्रवीणता परीक्षा; सदस्य, इंडियन कांग्रेस ऑफ एशियन ऐंड पेसिफिक स्टडीज।
- सुषमा जैन, सदस्य, अध्ययन मंडल, विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन; उपाध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष, जे.ए.एल.टी.ए.आई., सदस्य, प्रबंधन समिति, एम.ओ.एस.ए.आई.; परीक्षा प्रशासक, जे.एल.पी.टी., उत्तरी क्षेत्र (दिल्ली केन्द्र)

- मंजुश्री चौहान, सदस्य, कार्यसमिति, जे.ए.एल.टी.ए.आई.; सदस्य, कार्य समिति, एम.ओ.एस.ए.आई.; सदस्य, कार्य समिति, भारत–जापान मैत्री परिषद; सचिव, इण्डो–जापान एक्सचेंज डिवलपमेंट।
- वी. राघवन, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली में भारत–कोरिया कक्ष स्थापित करने हेतु गठित अध्ययन दल की सदस्य, 16 दिसम्बर 2004.

Hkk"kk&foKku vkj vxth dUæ

- कपिल कपूर, सदस्य, राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन (दुर्लभ पाण्डुलिपियों के चयन हेतु गठित समिति), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, 2005.
- वैश्ना नारंग, सदस्य, सलाहकार समिति, वैज्ञानिक विश्लेषण ग्रुप, डी.आर.डी.ओ., भारतीय भाषाओं पर कोरपोरा विकास परियोजना; सदस्य, बधिर लोगों के लिए संकेत भाषा विकास हेतु गठित समिति, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, भारत सरकार।
- मकरंद प्रांजपे, संपादक, दुर्लभ पुस्तकों के पुनः मुद्रण हेतु; साहित्य अकादमी, नई दिल्ली; न्यासी, संवाद इंडिया फाउंडेशन, पब्लिक चेरीटेबल ट्रस्ट; स्थापना संपादक, एवम : फोरम ऑन इंडियन रिप्रिजेंटेशंस, भारतीय साहित्य और संस्कृति पर अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका।
- पी.के.एस. पाण्डेय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग सदस्य; सलाहकार समिति, डी.आर.एस. कार्यक्रम, भाषा विज्ञान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, 2004–2008.
- जी.जे.वी. प्रसाद, इंडियन एसोसिएशन ऑफ कामनवेल्थ लिट्रेचर ऐंड लैंग्वेज स्टडीज के निर्वाचित सचिव, 2005–2008; सदस्य, संपादक मंडल, विश्व साहित्य और संस्कृति की भारतीय पत्रिका।
- एस. भादुड़ी, सदस्य, अधिमत संकाय समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद।

Qkjlh vkj e/; ,f'k;kbZ v/;;u dUæ

- अखलाक अहमद अंसारी, 'इंडियन पर्शियन लिट्रेचर' विषयक एम.ए. (तुलनात्मक साहित्य) कोर्स हेतु पाठ्यचर्या तैयार की, महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, अगस्त, 2004.

:lh v/;;u dUæ

- शंकर बासु, सदस्य, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

bLikuh] iqrZxkyh] brkyoh vkj yfVu vejhdh v/;;u dUæ

- ए. चट्टोपाध्याय, सदस्य, अध्ययन मंडल, कला संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

thou foKku laLFkku

जीवन विज्ञान संस्थान आधुनिक जीव–विज्ञान में अन्तर विषयक अध्ययन पाठ्यक्रम शुरू करने वाला पूरे देश में इस तरह का सबसे पहला संस्थान है। संस्थान की स्थापना वर्ष 1970 में हुई थी। संस्थान जीवन–विज्ञान में एम.एस–सी और एम.फिल. ⁄ पी–एच.डी. उपाधि प्रदान करता है। यह एक अग्रणी संस्थान है जिसका वित्तपोषण विशेष सहायता कार्यक्रम, कोसिस्ट, सी.ए.एस और विशिष्टता अनुदान कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अणु जीव–विज्ञान, कोशिका जीव–विज्ञान के क्षेत्र में आधारभूत और अनुप्रयुक्त शोध करने के लिए किया जाता है। इसके अतिरिक्त संस्थान को फिस्ट कार्यक्रम के अन्तर्गत विज्ञान और तकनीकी विभाग से भी निधि प्राप्त होती है।

संस्थान में एक फंक्शनल लैब, एक केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधाएं जिसमें जिनोमिक और प्रोटोमिक अध्ययन के लिए आवश्यक यंत्र रखे जाते हैं, एफ.ए.सी.एस. अल्ट्रासेंट्रीफ्यूजिस, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर्स, सी.डी.ओ.आर.डी., स्पेक्ट्रोफ्लोरमैंटर, एच.पी.एल.सी., फास्फोरिमेजर, गेस क्रोमोटोग्राफ, वाटर प्यूरिफिकेशन सिस्टम्स, स्माल एनिमल स्टिरियोटाक्सिक सर्जिकल फैसिलिटी, आक्सिलोस्कोप और पोलिग्राफ फार इलेक्ट्रोफिजिओलाजिकल रिकार्डिंग, एक गामा चैम्बर, प्लांट टिशु कल्चर सुविधाओं के साथ–साथ एक ग्रीनहाउस और बोटानिकल गार्डन भी है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने दो नये कोर्स शुरू किए –

- प्लांट–पैथोजन इंटरएक्शन (कोर्स समन्वयक : आशिष कुमार नंदी और सुप्रिया चक्रवर्ती, 2 क्रेडिट)
- मोलक्यूलर बायोफिजिक्स (कोर्स समन्वयक : अजय कुमार सक्सेना और एस. गौरीनाथ, 2 क्रेटिड)

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान में निम्नलिखित संगोष्ठियां आयोजित हुई –

1. डा. मोनिका टी. आनन्द, न्यू जर्सी, यू.एस.ए., ने 13 अप्रैल 2004 को 'लॉस्ट इन ट्रांस्लेशन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
2. डा. लिहुआ जियाओ, सी.डी.सी., एटलांटा ने 7 मई 2004 को 'मोलिक्यूलर एपिडेमियोलाजी आफ क्रिप्टोस्पोरिडिओसिस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
3. डा. सुशील कुमार झा, डिपार्टमेंट आफ न्यूरोसाइंस, स्कूल आफ मैडिसन, यूनिवर्सिटी आफ पैनसिलवानिया, फिलाडेलफिया, यू.एस.ए., ने 5 जुलाई 2004 को 'स्लीप सप्रेशन : फैक्टर्स ऐंड कंसिक्वेंसिस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
4. डा. नगेंद्र यादव, यूनिवर्सिटी आफ केलिफोर्निया, सेन दियागो ने 13 जुलाई 2004 को 'स्टडी आफ मैमेलियन रेस्पिरेटरि कांप्लेक्स बायोजेनेसिस ऐंड डिवलपमेंट आफ सेल्यूलर माडल्स फार पार्शियल डेफिशिऐंसीज' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
5. उल्हास पी. नायक, डिपार्टमेंट आफ बायोलाजिकल साइंसिस, यूनिवर्सिटी आफ देलावारे, यू.एस.ए. ने 23 जुलाई 2004 को 'सेल एडीसन मोलिक्यूल्स इन कार्डिओवास्कुलर डिसीज ऐंड केंसर' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
6. डा. प्रसन्नजीत सेन, भौतिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू ने 9 सितम्बर 2004 को 'मेक्रोस्कोप्स ऐंड इट्स एप्लिकेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
7. डा. अजय कुमार सक्सेना, स्ट्रक्चरल बायोलाजी सेक्शन, लेबोरेट्री आफ इम्यूनोजेनेटिक्स, एन.आई.ए.आई.डी. ⁄ नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हैल्थ, यू.एस.ए. ने 16 सितम्बर 2004 को "स्ट्रक्चर आफ प्लासमोडियम विवेक्स सैक्सुअल स्टेज वैक्सिन केंडीडेट प्रोटीन पी.वी.एस. 25 ऐंड इट्स काम्प्लेक्स विद मलेरिया ट्रांसमिशन ब्लाकिंग ऐंटीबाडी' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

8. डा. पी. शेखर रेड्डी, जोन हापकिंस यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. ने 17 सितम्बर 2004 को 'रोल आफ एफ.आर.ए.–1 ऑन द एन.आर.एफ–2 ट्रांस्क्रिप्शन फैक्टर" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

9. डा. क्लास विशाप्त, डब्ल्यू.आई. टेक, जर्मनी ने 1 अक्टूबर 2004 को "स्कैनिंग नियर–फील्ड आप्टिकल माइक्रोस्कोपी" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

10. डा. बर्नाड जे. केराल, यूनिवर्सिटी आफ क्विंसलैण्ड, आस्ट्रेलिया, ने 3 नवम्बर 2004 को "शार्ट ऐंड लोंग डिस्टेंस सिग्नलिंग इन प्लांट डिवलपमेंट ऐंड ओवरलैप्स विद एनिमल डिवलपमेंट" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

11. डा. लता शुक्ला, आई.सी.जी.ई.बी. ने 16 नवम्बर 2004 को "इलेक्ट्रान स्पिन रिसोनेंस इनवेस्टिगेशंस आन द फ्री रेडिकल्स फार्मड बाई गामा एयररेडिएशन आफ डी.एन.ए." विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

12. प्रो. एम.जे. स्वामी, स्कूल आफ केमिस्ट्री, यूनिवर्सिटी आफ हैदराबाद ने 25 नवम्बर 2004 को "इंटरएक्शन आफ द मेजर बोविन सेमिनल प्लाज्मा प्रोटीन पी.डी.सी.–109 विद फास्फोलिपिड मैम्ब्रेन्स ऐंड सोल्यूबल लाइजेंडस" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

13. प्रो. डी.डी. दुबे, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, ने 29 नवम्बर 2004 को "यूकारियोटिक ओरिजंस आफ डी.एन.ए. रेप्लिकेशन ऐंड देयर रेग्ल्यूलेशन : अपडेट" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

14. कृष्णा मूर्ति शंकरलिंग, डिपार्टमेंट आफ बायोकैमिस्ट्री, आर.डब्ल्यू.जे. मेडिकल स्कूल, यूनिवर्सिटी आफ मेडिसन ऐंड डेनटिस्ट्री, न्यू जर्सी ने 4 जनवरी 2005 को "रेग्यूलेशन आफ ट्रांसक्रिप्शन इन यीस्ट : इंटरप्ले आफ इनिशिएशन ऐंड एम.आर.एन.ए. प्रोसेसिंग फेक्टर्स" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

15. डा. स्टीव रीड, इनफैक्शसस डिसीज रिसर्च इंस्टिट्यूट, सीटल, वाशिंगटन, यू.एस.ए. ने 11 जनवरी 2005 को "वेक्सिन डिवलपमेंट इन लिशमेन" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

16. डा. विलियम ए. पेत्री, यूनिवर्सिटी आफ वर्जिनिया, चार्लोटेसविला, यू.एस.ए. ने 14 जनवरी 2005 को "होस्ट ऐंड पेरासाइट जीन्स कंट्रोलिंग इनटेस्टिनल इनवेजन बाई एंटामोइबा हिस्टोलिटिका" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

17. डा. नट केव, यूनिवर्सिटी आफ अल्बेर्टा, कनाडा, ने 25 जनवरी 2005 को एप्लिकेशन आफ प्रोटोमिक्स इन प्लांट बायोलाजी" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

18. डा. सौभिक सेन गुप्ता, डिपार्टमेंट आफ केंसर बायोलाजी, लर्नर रिसर्च इंस्टीट्यूट, द क्लीवलैण्ड क्लिनिक फांउडेशन, क्लीवलैण्ड, यू.एस.ए. ने 11 फरवरी 2005 को "ओवरियन केंसर मेटास्टेटिस : लाइजोफास्फेटिडिक ऐसिड सिग्नलिंग ऐंड ए पोटेंशियल थेराप्यूटिक पैराडिग्म" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

19. डा. उत्पल नाथ, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर ने 17 फरवरी 2005 को "जैनेटिक कंट्रोल आफ लीफ डिवलपमेंट" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

20. प्रो. विजय के. कालरा, डिपार्टमेंट आफ बायोकैमिस्ट्री, यूनिवर्सिटी आफ साउदर्न केलिफोर्निया लास एंजेल्स ने 18 फरवरी 2005 को "न्यूरोइनफ्लेमेशन इन अल्जेमर्स डिसीज/केन हल्दी हेल्प" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

21. डा. आर. राघवन वैद्यरत्नम, इंटरनेशनल फांउडेशन आफ आयुर्वेदिक रिसर्च ऐंड ट्रेनिंग, एर्नाकुलम, केरल, ने 'द रेलिवेंस आफ आयुर्वेदिक ऐंड योग इन द टवंथिफर्स्ट संेचुरी" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

i:dk'ku

vky:[k

- नजमा जेड़ बाकर, एस. मोहम्मद, ए. शाह, आर.एन.के. बामजेई और एस. फरहत बसीर, लोअर डॉजिज आफ बैनाडियम इन कम्बिनेशन विद ट्रिगोनेला रेस्टोर आलर्टिड कार्बोहाइड्रेट मेटाबोलिज्म ऐंड एन्टिआक्सिडेन्ट स्टेट्स इन एलोक्जन डायबेटिक रैट्स, क्लिनिका सिमिका, 342/1–2:105–114, 2004

- नजमा जेड़ बाकर, उमेश, सी.एस. यादव और के.मूर्ति, इफैक्ट्स आफ सोडियम आर्थोवैनाडेट ऐंड ट्रिगोनेला फोइनम ग्रेसियम सीड्स आन हैप्टिक ऐंड रीनललिपोजेनिक एन्जाइम्स ऐंड लिपिड प्रोफाइल ड्यूरिंग एलोकोसन डायबिटीज, जे. बायोसाइंसिस 29(1), 81—92, 2004
- नजमा जेड़ बाकर, बिहारी एल. गुप्ता और अंजू प्रीत, प्रोटेक्टिव इफैक्ट्स आफ सोडियम आर्थोवेनडेट इन डायबेटिक रिटिक्युलोसाइट्स ऐंड एजिंग रेड ब्लड सेल्स, जे. बायोसाइंसिस, 29(1), 73—79, 2004
- नजमा जेड़ बाकर, अली अब्दुल लतीफ, उमा बनर्जी, राजेन्द्र प्रसाद, आशुतोष विश्वास, नवीत विग, नीरज शर्मा, अब्सारूल हक, निवेदिता गुप्ता और गौरंग मुखोपाध्याय, स्पेस्फिक कैनडिडा इन ओरफेरिंजियल लेसन्स आफ इण्डियन एच.आई.वी. : इट्स सस्पैक्टेबिलिटी पैटर्न ऐंड मोलिक्यूलर टाइप, जे. क्लिनिकल माइक्रोबायोलाजी 42(3), 1260—1262, 2004
- नजमा जेड़ बाकर, के. मूर्ति, सी. उमेश, एस. यादव, एम.आर. सिद्दिकी, एस.एफ. बशीर और डी. शर्मा, इफैक्ट आफ इस्ट्रेडिओल ऐंड प्रोजस्टेरोन ट्रीटमेंट आन कार्बोहाइड्रेट मेटाबोलाइजिंग एन्जाइम्स इन टिश्यूज आफ ऐजिंग फीमेल्स रैट्स, बायोजिरोन्टोलाजी, 5(4), 249—59, 2004
- नजमा जेड़ बाकर, शालिनी ठाकरन और एम.आर. सिद्दिकी, ट्रिगोनेला फोइनम ग्रेसियम सीड पावडर प्रोटेक्ट्स अगेंस्ट हिस्टोपैथोलाजिकल एब्नार्मेलिटी इन टिश्यूज आफ डायबेटिक रैट्स, मोल. सेल. बायोकेम, 266, 151—156, 2004
- नजमा जेड़ बाकर, एम. अनिता, के. गुरूविन्दर और आर. बामजेई, डोमिनेन्ट इफैक्ट आफ नावल म्युटेशन इन पाइरूवेट काइनेस, एम.2, डी.एन.ए. ऐंड सेल बायोलाजी, 23(7), 442—49, 2004
- नजमा जेड़ बाकर, अनिल के. मन्था, इन्दु आर. चन्द्रशेखर और एस.एम. कौशिक, थ्री डाइमेंशनल स्ट्रक्चर आफ मेमेलियन टेचिकिनिन पेप्टाइड न्यूरोकिनिन बी बाउंड टु लिपिड मिससेल्स, जे. बायोमोल. स्ट्रक्चर ऐंड डायनेमिक्स, 22(2), 137—48, 2004
- नजमा जेड़ बाकर, के. मूर्ति, यू.सी.एस. यादव, अनिल के. मन्था, एस.एम. कौशिक और डी. शर्मा, इफेक्ट आफ इस्ट्रेडिओल ऐंड प्रोजिस्टेशन ट्रीटमेंट आन लिपिड प्रोफाइल इन नेचुरली मिनोपाजल रैट्स फ्राम डिफ्रेन्ट ऐज ग्रुप्स, बायोजिरोन्टोलाजी, 5(6), 411—19, 2004
- नजमा जेड़ बाकर, उमेश सी.एस. यादव, के. मूर्ति, कम्बाइन्ड ट्रीटमेंट आफ सोडियम आर्थोवैनडेट ऐंड मोमोरडिका चरंसिया फ्रूट एक्सट्रेक्ट प्रिवेन्ट्स आल्ट्रेशंस इन लिपिड प्रोफाइल ऐंड लिपोजिनिक एन्जाइम्स इन एलोक्सन डायबेटिक रैट्स, मोल सेल बायोकेम. 268(1—2), 111—20, 2005
- नजमा जेड़ बाकर, अंजू प्रीत, बिहारी एल गुप्ता और प्रमोद के. यादव, इफिकेसी आफ लोअर डोजिज आफ बैनाडियम इन रेस्टोरिंग आल्टर्ड ग्लूकोज मेटोबोलिज्म ऐंड ऐन्टिआक्सिडेंट स्टेट्स इन डायबेटिक रैट्स लेंसिस, जे. बायोसाइंसिस, 30(2), 221—230, 2005
- नजमा जेड़ बाकर, के. मूर्ति, डी. शर्मा और एस.एफ. बशीर, एडमिनिस्ट्रेशन आफ एस्ट्रेडिओल ऐंड प्रोजिस्टेशन माड्यूलेट द एक्टिविटीज आफ एन्टिआक्सिडेंट एन्जाइम ऐंड अमिनोट्रान्सफेरासिस इन नेचुरली मेनोपालुअल रैट्स, इक्स जिरेन्टोल 40(4), 295—302, 2005
- नजमा जेड़ बाकर, अंजू प्रीति, बी.एल. गुप्ता, एम.आर. सिद्दीकी और पी.के. यादव, रेस्टोरेशन आफ अल्ट्रास्ट्रक्चरल ऐंड बायोकेमिकल चेंजिंस इन अलोकशन इंडयूस्ड डायबेटिक रैट साइटिक नर्व आन ट्रीटमेंट विद एन ए. 3 वी. ओ4 ऐंड ट्रिगोनेला ए प्रोमिसिंग एन्टिडायबेटिक एजेन्ट मोल. सेल बायोकम, 2005 (प्रकाशनाधीन)
- राजेन्द्र प्रसाद, सुनीत शुक्ल और सुरेश वी. अम्बेडकर, सब्सट्टीयूशन आफ थ्रिआनीन 1351 इन मल्टिड्रग ट्रांस्पोर्टर सीडीआर1पी आफ कैनडिडा अल्बिकेन्स रिजल्ट्स इन हाइपरसस्पेक्टिबिलिटी आफ एन्टिफंगल एजेन्ट्स ऐंड

थ्री–1351 इज असेनशियल फार सिनरजिक इफैक्ट्स आफ कैलिसयूरिन इनिहिबिटर एफ के 520, जर्नल आफ एन्टिमाइक्रोबायल कीमोथेरपि, 54(1), 38–45, 2004

- राजेन्द्र प्रसाद, एस. कृष्णामूर्ति, अर्मेल प्लैन, जुलियन अल्बर्ट, तुलिका प्रसाद और जोकिम एफ. अर्नस्ट डोसेज – डिपेंडेंट फंक्शन आफ फैटी एसिड डिजेस्टर ओले 1 पी इन ग्रोथ मार्फोजेनसिस आफ कैनडिडा अल्बिकेन्स, माइक्रोबायोलाजी, 150, 1991–2003, 2004
- राजेन्द्र प्रसाद, सुनीत शुक्ल, जुबेन इसान और सुरेश अम्बेडकर, डिसल्फर्म इज ए पोटेन्ट माड्यूलेटर आफ मल्टिड्रग ट्रांसपोर्टर सीडीआर 1पी आफ कैनडिडा अल्बिकेन्स, बायोकेम ऐंड बायोफिज. रेज. काम, 322, 520–25, 2004
- राजेन्द्र प्रसाद, सुधाकर झा, नीलम देबास, नीरज करनानी और प्रीति सैनी, एबीसी मल्टिड्रग ट्रांस्पोर्टर सीडीआर1पी आफ कैनडिडा अल्बिकेन्स हैड डाइवर्जेन्ट न्यूक्लिटाइड बाइंडिंग डोमेन्स विच डिसप्ले फंक्शनल असेमेट्री, एफइएमएस – यीस्ट, 5,63–72, 2004
- राजेन्द्र प्रसाद, निवेदिता गुप्ता, अबसारूल हक, अली अब्दुल लतीफ, गौरंग मुखोपाध्याय और आर.पी. नारायणन, इपिडेमिओलाजी ऐंड मोलिकुलर टाइपिंग आफ कैनडिडा आइसोलेट्स फ्राम बर्न पेशन्ट्स, माइकोपैथोलाजिया, 158 397–405, 2004
- आर.के. सक्सेना, पी.डी. सीगल, क्यू.बी. सक्सेना, जे.के.एच. मा, जे.वी.सी. मा, एक्सयिन, वी. कैस्टेरनोवा, एन अलहुमादी और डी.एम. लेविस, इफैक्ट आफ डीजल एक्जास्ट पार्टिकुलेट आन इम्यून रिस्पांस : कंट्रीब्यूशन टु पार्टिकुलेट वर्सिस आर्गेनिक साल्युबल कम्पोनेन्ट्स, जे. टाक्सिकोल, एनवायन हैल्थ, (ए) 67, 221–31, 2004
- आर.के. सक्सेना, वी. चौधरी, आईनाथ, एस.एन. दास, आर.एस. प्राजंपे, जी. बाबू, एस. रामालिंगम, डी मोहन्ती, एच. बोहरा, एम. थोमस, क्यू बी. सक्सेना और एन.के. गांगुली, नार्मल रेंज्स आफ सम सलेक्ट लिम्फोसाइट सबपनाप्यूलेशंस इन पेरिफेरल ब्लड आफ नार्मल हैल्दी इण्डियन्स, रिजल्ट आफ ए टास्क फोर्स स्टडी, करंट साइंस, 86, 969–75, 2004
- आर.के. सक्सेना, ए. दास और एम.के. गुप्ता, इनहेन्स्ड एक्टिवेशन आफ म्यूरिन एन.के. सेल्स बाई आई एल–2 इन प्रिजेन्स आफ सरकुलेटिंग इम्यून कम्पलेक्सिस : करंट साइंस, 87, 780'83, 2004
- आर.के. सक्सेना और ए. दास, रोल आफ इंटरएक्शन बिटवीन एल वाई 49 इनहिबिट्री रिसेप्टर्स ऐंड कोग्नेट एम.एच.सी I मोलिक्यूल्स इन आइ एल–2 इंडयूस्ड डिवलपमेंट आफ एन के सेल्स इन म्यूरिन बोन मैरो सेल कल्चर्स, इम्यूनोलाजी लेटर्स, 94, 209–14, 2004
- आर.के. सक्सेना और एस. घोष, अर्ली इफैक्ट आफ माइकोबेक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस इन्फैक्शन आन मैक–I ऐंड आई.सी.ए.एम.–I एक्सप्रेशन आन माउस पेरिटोनियल मैक्रोफेजिस एक्सपेरिमेंटल मोलिकुलर मेडिसिन, 36, 387–95, 2004
- आलोक भट्‌चार्य, एन. साहू, इ. लाबरूयेर एस. भट्टाचार्य, पी. सेन और ए. जैलेन, कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन I आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका इंटराएक्ट्स विद एक्टिन ऐंड इज इनवाल्वड इन डायनेमिक्स आफ काइटोस्केल्टन, जनरल सेल साइंस, 117, 3625–34, 2004
- आलोक भट्‌चार्य, बी. लोफ्ट्स, आई. ऐन्डरसन, आर. डेविस, यू.सी. अल्समार्क, जे. सेमुअल्सन, पी. अमेडिओ, पी. रोंकैजलिआ, एम. बैरिमन, आर.पी. हिर्ट, बी.जे. मान, टी. नोजकी, बी.सुहु, एम. पाप, एम. डुसेन, जे. एकर्स, ई. टेनिच, एम. लिपी, एम. होफर, आई. बूच्चौस, यू. विलहोफ्ट, टी. क्लिंगवर्थ, सी. चर्चर, जे. हेन्स, बी. हैरिस, डी. हैरिस, के. जेगल्स, एस. मुंगाल, डी. आरेमोन्ड, आर. स्केवेयर्स, एस. वाइटहैड, एम.ए. क्वैल, एस.इ. स्ट्रूप, एस. भट्टाचार्य, ए. लोहिया, पी.जी. फोस्टर, सी.एस. पोन्टेन, सी. वेबर, यू. सिंह, सी. मुखर्जी, एन.एम.एल. सैयद, डब्ल्यू. ए. जुनियर पेट्री,सी.जी. क्लार्क, टी.एम. इम्बली, बी. बारेल, सीएम. फ्रासर और एन. हाल, द जिनोम आफ द प्रोटिस्ट पैरासाइट एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका, नेचर 433, 7028, 765–8, 2005

- आलोक भट्‌टाचार्य, एस. गौरीनाथ, एन. प्रधान और एन. आलम, क्रिस्टेलाइजेशन ऐंड प्रिलिमिनरी क्रिस्टेलोग्राफिक एनालिसिस आफ कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन II फ्राम एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका ऐंड इट्‌स कम्पलेक्सिस विद स्ट्रोनटियम ऐंड द आइ क्यू आइ मोटिफ आफ मायोसिन वी, एक्टा क्रिस्ट एफ 61, 417–20, 2005
- आर. बामजेई, वी. गुप्ता, आर. अरोड़ा, ए. साह, ए. धीर और पी. कार, नावल वैरिएशंस इन द सिग्नल पेप्टाइड रीजन आफ ट्रांस्फार्मिंग ग्रोथ फैक्टर बेटल जीन इन पेशन्ट्‌स विद हैपेटाइटिस : ए ब्रीफ रिपोर्ट फ्राम इण्डिया, इंट जे. इम्यूनोजिनेट, अप्रैल, 32(2), 79–82, 2005
- आर. बामजेई, एम.एम.मीर, एन.ए. धर, एस. गौचैट, एस.ए. जरगर और ए.जे. अहंगर, पी 53 म्युटेशन प्रोफाइल आफ स्क्वेम्स सेल फार्सिमोनस आफ द इसोफेगस इन कश्मीर (इण्डिया) : ए हाइ इंसिडेंस एरिया, इंट जे. कैंसर, एपीआर 32, 20, 79–82, 2005
- आर. बामजेई, ए. साह, आर.पी. धीर, ए. रंजन, वी. गुप्ता और एन. बैरवा, फंक्शनल आइएफएनजी पालिमार्फिज्म इन इनट्रान 1 इन एसोसिएशन विद एन इनक्रीज्ड रिस्क टु प्रमोट स्पोर्डिक ब्रेस्ट कैंसर' इम्यूनोजेनटिक्स, मार्च 57, (3–4), मार्च 2005
- आर. बामजेई, ए. साह, एस. शर्मा, ए. भट्‌ट और ए. पंडित, जिनेटिक अफिनिटी अमंग फाइव डिफ्रेंट पाप्यूलेशन ग्रुप इन इण्डिया रिफ्लेक्टिंग ए वाई–क्रोमोसोम जीन फ्लो, जे. हम. जिनेट, 50(1), 49–51, 21 दिसम्बर 2004, 2005
- आर. बामजेई, ए. साह और एन.के. बैरवा, माइक्रोसेटेलाइट इन स्टेबिलिटी : एन इनडायरेक्ट असे टु डिटेक्ट्‌स इन द सेलुलर मिसमैच रिपेयर मशीनरी, मेथड्‌स मोल बायोल, 5, 291 : 293–302
- आर. बामजेई, वी. गुप्ता, आर. अरोड़ा, ए. रंजन, एन.के. बैरवा, डी.के. मल्होत्रा, पी.टी. उदयसूर्यन और ए. साह, गेल–बेस्ड नानरेडिएक्टिव सिंगल ट्रेंड कंफरमेशनल पालिमार्फिज्म ऐंड म्युटेशन डिटेक्शन : लिमिटेशंस ऐंड साल्यूशंस, मेथड्‌स मोल. बायोल, 291 : 247–61, 2005
- आर. बामजेई, एम. अनीता, जी. कौर और एन.जेड. बाकर, डोमिनेन्ट निगेटिव इफैक्ट आफ नावल म्युटेशंस इन पाइरूवेट काइनेस – एम–2, डी.एन.ए. सेल बायोल, जुलाई (7), 442–9, 2004
- आर. बामजेई, एन.के. बैरवा, डी. मल्होत्रा और ए. साह, ए नावल प्रमोटर पालिमार्फिज्म (–71C>T) इन KRTHB6 जीन इन इण्डियन पाप्यूलेशन, एन. जिनेट, अप्रैल–जून 47(2), 125–7, 2004
- आर. बामजेई, एस. खण्डपुर, एन.के. बैरवा और बी.एस. रेड्डी, ए स्टडी आफ फिनोटिपिक कोरिलेशन विद द जिनोटिपिक स्टेट्‌स आफ एचटीएम रीजन्स आफ केआरटीएचबी 6 ऐंड केआरटीएचबी 1 जीन्स इन मोनिलेथ्रिक्स फैमिलीज आफ इण्डियन ओरिजिन, एन जिनेट, जनवरी–मार्च 47(1) : 77–84, 2004
- आर. बामजेई, एस. मोहम्मद, ए. ताह, एस.एफ. बशीर और एन.जेड बाकर, लोअर डाजिज आफ बैनडेट इन कम्बिनेशन विद ट्रिगोनेला रेस्टोर आल्टर्ड कार्बोहाइड्रेट मेटाबोलिज्म ऐंड ऐन्टिआक्सिडेन्ट स्टेट्‌स इन अलोक्शन डायबेटिक रैट्‌स, क्लिन किम, एक्टा अप्र 342(1–2) : 105–14, 2004
- पी.के. यादव, एन. चौहान, आर. कुमार, जे. भादुरी और प्रीत, इम्यूनोजेनिसिटी आफ कालरा टाक्सिन बी इपिटाप इनसर्टिड इन सलमोनेला फ्लेजलिन इक्सप्रेस्ड आन बैक्टेरिया ऐंड एडमिनिस्टर्ड एज डीएनए वैक्सीन, मोलिकुलर ऐंड सेलुलर बायोकेमिस्ट्री (प्रकाशनाधीन) 2005
- पी.के. यादव, आर.एस. यादव और रविन्द कुमार, इक्सप्रेशन आफ लेक्स ए टार्गेटिड राबोजाइम इन एशरिकिआ कोली बीएल 21 (डीइ3) सेल्स मोलिकुलर ऐंड सेलुलर बायोकेमिस्ट्री 271 : 197–2003, 2005
- पी.के. यादव, अंजु प्रीत, बी.एल. गुप्ता और एन.जेड. बाकर, इफिकेसी आफ लोअर डाजिज आफ बैनडेड इन रेस्टोरिंग अल्टर्ड ग्लूकोज मेटाबोलिज्म ऐंड एन्टिआक्सिडेंट स्टेटस इन डायबेटिक रैट लेंसिस' जर्नल आफ बायोसाइंसिस (प्रकाशनाधीन)

- पी.के. यादव, अंजु प्रीत, बी.एल. गुप्ता, एम.आर. सिद्दीकी और एन.जेड. बाकर, रेस्टोरेशन ऐंड अल्ट्रास्ट्रक्चरल ऐंड बायोकेमिकल चेंजिस इन अलोक्सन–इंड्यूस्ड डायबेटिक रैट साइटिक नर्व आन ट्रीटमेंट विद एनए3 वीओ4 ऐंड ट्रिगोनेला – ए प्रमोशिंग एन्टिडायबेटिक एजेन्ट,मोल. सेल बायोकेम (प्रकाशनाधीन)
- पी.के. यादव, टी. दासगुप्ता, एस. बनर्जी और ए.आर. राव,केमोप्रिवेंटिव पोटेंशल आफ अजाडिचिटा इंडिका (नीम) लीफ एक्सट्रेक्ट इन म्यूरिन कार्सिनोजेनसिस माडल सिस्टम्स, जे एथनोफार्मोकोल, 92 : 23–36, 2004
- आर.के. काले, गगन दीप, टी. दासगुप्ता और ए.आर. राव, मोमोर्डिका एल अगेंस्ट बेन्जो (ए) – पाइरेन फोरस्टोनक ट्यूमोरजेनसिस इन म्यूरिन माडल सिस्टम, इण्डियन जर्नल आफ इक्सपेरिमेंटल बायोलाजी,42(3), 373–77, 2004
- आर.के. काले, बी. सिंह और ए.आर. राव, माड्यूलेशन आफ एन्टिआक्सिडेंट पोटेंशल इन लीवर आफ माइस बाई केरनल आइल आफ केश्यू नट (एनाकार्डियम आक्सिडेंटल) ऐंड इट्स लेक आफ ट्यूमर प्रमोटिंग एक्टिविटी इन डी.एम.बी.ए. – इंड्यूस्ड स्क्लि पेपिलोमैनेसिस, इण्डियन जर्नल आफ इक्सपेरिमेंटल बायोलाजी, 42 : 373–77 2004
- आर.के. काले, ए.बी. टिकू, अडेप्टिव रिस्पांस ऐंड स्पिल्ट डोज इफैक्ट आफ रैडिएशन आन द सरवाइवल आफ माइस, जर्नल आफ बायोसाइंसिस, 29(1), 101–107, 2004
- आर.के. काले, गगनदीप, एम. ईस्टर, एस. धनलक्ष्मी और ए.आर. राव, इफैक्ट आफ क्यूमिनम साइनम इन केमिकली इंडयूस्ड फोस्टोमक ऐंड यूट्रिन सर्विक्स ट्यूमर्स इन म्यूरिन माडल सिस्टम, न्यूट्रिशन ऐंड कैंसर, 42(2), 171–180, 2004
- आर.के. काले, एस. चौधरी, ए. कुमार, एल.जी. रेज और सी.सी. पिलबीम, एक्सट्रा सेलुलर इंड्यूसिस सीओएक्स–2 इन ओस्टेब्लास्ट्स वाया ए पीकेए पथवे, बायोकेमिकल ऐंड बायोफिजिकल रिसर्च कम्यूनिकेशंस, 322 : 395–402,
- आर.के. काले, ए.बी. टिकु और एस.के. अब्राहम, युजिनाल ऐज इन एन वाइवो रेडियोप्रोटेक्टिव एजेन्ट, जर्नल आफ रेडिएशन रिसर्च, 145(3) 435–40, 2004
- आर.के. काले और ए.बी. टिकु, अडेप्टिव रिस्पांस, स्पिल्ट डोज ऐंड सरवाइवल आफ माइस, अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस श्रृखंला, 1276 : 187–88, 2005
- आर.के. काले, गगनदीप, एम. धीमन, इ मेंडिज और ए.आर. राव, कीमोप्रिवेंटिव इफैक्ट आफ मस्टर्ड (ब्रासीका कम्पेसट्रिस) आन केमिकली इंडयूस्ड ट्यूमोरिजेंसिस इन म्यूरिन फोरस्टोमक ऐंड यूट्रिन केरविक्स, ह्यूमन ऐंड इक्सपेरिमेंटल टाक्सिकोलाजी, 24 : 1–10, 2004
- आर.के. काले, गगनदीप और ए.आर. राव, आक्सिडेटिव स्ट्रेस इन ट्यूमर बियरिंग फोरस्टोमक ऐंड डिस्टेंट नार्मल आर्गेन्स आफ स्विस एल्बिनो माइस, इण्डियन जर्नल आफ स्विस एल्बिनो माइस, इण्डियन जर्नल आफ बायोकेमिस्ट्री (स्वीकृत), 2005
- आर.के. काले और डी. चौधरी, द ग्लाइआक्सोलेस सिस्टम इन रेडियोलिटिकली डैमेज नार्मल ऐंड कैंसरस, टिश्यू, जर्नल आफ बायोसाइंसिस, (स्वीकृत) 2005
- आर.के. काले, गगनदीप, एम. धीमन और ए.आर. राव, कीमोप्रिवेंटिव पोटेंशल आफ त्रिफला (ए कम्पोजिट इण्डियन ड्रग) आन बेन्जो (ए) पाइरेन इन्ड्यूस्ड फोरस्टोमक ट्यूमोरिजेनसिस इन म्यूरिन ट्यूमर माडल सिस्टम, जर्नल आफ इक्सपेरिमेंटल ऐंड कैंसर रिसर्च, (स्वीकृत) 2005
- आर. मधुबाला, पूनम तिवारी, मंजू जैन, मयूरभाई साहनी, शैलेन्द्र सक्सेना, ए. हेट्रोलोगस प्राइम ब्रूस्ट वैक्सीन रिजीम्न यूजिंग ओआरएफएफ डीएनए ऐंड रिकम्बिनेन्ट ओआरएफएफ प्रोटीन कंफर्स प्रोटेक्टिव इम्यूनिटी अगेंस्ट इक्सपेरिमेंटल विससिरल लीशमैनियासिस इन माडल, जर्नल आफ इन्फेक्सस डिसीज, (प्रकाशनाधीन) 2005
- आर. मधुबाला, श्रीदेवी बलरामन, बन्दना कुमारी सिंह और पूनम तिवारी, लीशमैनिया लिपोफास्फोग्लाइकेन एक्टिवेट्स व ट्रास्क्रिप्शन फैक्टर एक्टिवेटिंग प्रोटीन I इन जे 744.1 मैक्रोफेजिज थ्रू द एक्सट्रासरकुलर सिग्नल

रिलेटिड काइनेस (इआरके) ऐंड पी 38 मिटोजीन एक्टिवेटिड प्रोटीन काइनेस, मोलिकुलर ऐंड बायोकेमिकल पैरासाइटोलाजी, 139, 117–127, 2005

- आर. मधुबाला, श्रीदेवी बलरामन, पूनम तिवारी और वन्दना कुमारी, लीशमैनिया डोनोवानी इंड्यूसिस इंटरफेरान रेग्यूलेटरी फैक्टर (आईआरएफ) इन म्यूरिन मैक्रोफेजिस : ए होस्ट डिफेन्स रिस्पोन्स, बायोकेमिकल ऐंड बायोफिजिक्स रिसर्च कम्यूनिकेशन, 317(2), 639–47, 2004
- आर. मधुबाला, बन्दना सिंह, एस. बालारमन और पी. तिवारी, लीशमैनिया डोनोवानी एक्टिवेट्स न्यूक्लियर ट्रांस्क्रिप्शन फैक्टर–कप्पाबी इनमैक्रोफेज्स थ्रू रिएक्टिव आक्सीजन इंटरमीडिएट्स, बायोकेमिकल ऐंड बायोफिजिक्स रिसर्च कम्यूनिकेशन, 322(3), 1086–95, 2004
- आर. मधुबाला, जे. थोमस पुकादिल, पूनम तिवारी और अमिताभ चट्टोपाध्याय, कोलेस्ट्रल इज रिक्वायर्ड फार लीशमैनिया डोनोवानी इन्फेक्शन : इम्प्लिकेशंस इन लीशमैनियासिस, मोलिकुलर ऐंड बायोकेमिकल पैरासिटोलाजी, 133 : 145–52, 2004
- आर. मधुबाला, पूनम तिवारी, जयेश मेहता और बिन्दु सुकुमारन, वैक्सिनेशन विद लीशमैनिया साल्यूबल एन्टीजन ऐंड इम्यूनोस्टीम्यूलेट्री आलिगोडिआक्सीन्यूक्लिओटाइड इंड्यूसिस स्पेस्फिक इम्यूनिटी ऐंड प्रोटेक्शन अगेंस्ट लीशमैनिया डोनोवानी इनफेक्शन एफ इएमएस, इम्यूनोलाजी ऐंड मेडिकल माइक्रोबायोलाजी, (प्रकाशनाधीन) 2004
- आर. मधुबाला, पूनम तिवारी, बिन्दु सुकुमारन शैलेन्द्र सक्सेना, इम्यूनोस्टीम्यूलेट्री आलिगोडिआक्सीन्यूक्लिओटाइड्स आर पोटेन्ट इनहेन्सर आफ स्पेस्फिक इम्यूनिटी इन माइस इम्यूनाइज्ड विद रिकम्बिनेन्ट ओआरएफएफ लीशमैनियल एन्टीजन,वैक्सीन 22(23–24) : 3053–60, 2004
- आर. मधुबाला और बी. सुकुमारन, लीशमैनियासिस : करंट स्टेट्स आफ वैक्सीन डिवलपमेंट, करन्ट मोल. मेड 6 : 667–79, 2004
- एन. भल्ला सरीन, एन.डी. सिंह, एल. साहू आर. सैनी और पी.के. जयवाल, इन विट्रो रिजेनरेशन ऐंड रिकवरी आफ प्राइमरी ट्रांस्फरमेंट्स फ्राम सूट एपिसीज आफ पिजियनपी यूजिंग एग्रोबैक्टेरियन ट्यूमेफेसीन्स, फिजिकल मोल बायोल प्लांट्स 10(1) 65–74, 2004
- एन. भल्ला सरीन, एस. देब राय और एम. सक्सेना, ब्रासिका जुनसिया बीजेएलएफवाई एमआरएनए फार लीफी एक्सेशन 70–एवाई 729657
- एन. भल्ला सरीन, प्रसन्ना भोमकर, सुचेन्द्र देव राय, निधि शर्मा, मुकेश सक्सेना, पी. चन्द्रमा, पी. उपाध्याय, अन्नमलाई मुत्थुस्वामी, मिखैल पूगिन और थामस हान, ट्रांस्फार्मेशन आफ विग्ना मुंगो (ब्लैकग्राम) फार एबियोटिक स्ट्रेस टालरेन्स यूजिंग मार्कर फ्री अप्रोच,हैण्डबुक ऐंड एब्सट्रक्ट्स, चौथी इंटरनेशनल क्राप साइंस कांग्रेस ब्रिस्बेन, आस्ट्रेलियन, पृ. 289–290, 2004
- बी.एन. मलिक, एस.के. झा और एफ. इस्लाम, वेकफुलनेस इंडयूसिंग एरिया इन द ब्रेनस्ट्रीम एक्साइट्स वार्म सेंस्टिव ऐंड इनहिबिट्स कोल्ड सेंस्टिव न्यूरान्स इन द मेडिअल प्रिआप्टिक एरिया इन एनेस्थेटाइज्ड रैट्स, साइनेप्स, 51 : 59–70, 2004
- बी.एन. मलिक, एस. थंकचन और एफ. इस्लाम, इंफ्लुऐन्स आफ हाइप्नोजेनिक ब्रेन एरियाज आन वेकफुलनेस ऐंड रैम स्लीपरिलेटिड न्यूरान्स इन द ब्रेन स्टेम आफ फ्रीली मूविंग कैट्स, जे. न्यूरोसाइंस रेस, 75, 133–42, 2004
- बी.एन. मलिक, एस. कौर, एम. पांचाल, एम. फैसाल, वी. मदान और पी. नागिया, लांग टर्म ब्लाकिंग आफ गाबा–ए रिसेप्टर इन लोकस सेरूलियोआस बाई बाइलेट्रल माइक्रोइनफ्यूजन आफ पिकरोटाक्सिन रिड्यूस्ड रेपिड आई मूवमेंट स्लीप ऐंड इनक्रीज्ड ब्रेन ना–के एटपास एक्टिविटी इन फ्रीली मूविंग नार्मली बिहेविंग रैट्स,बिहेव ब्रेन रेस, 151 : 185–90, 2004

- बी.एन. मलिक और डी. पाल, गाबा इन पिडनकुलोपोंटिन टेगमेंटम रेग्यूलेट्स स्पोंटेनियस रेपिड आई मूवमेंट स्लीप बाई एक्टिंग आन गाबा ए रिसेप्टर्स इन फ्रीली मूविंग रैट्स न्यूरोसाइंस ले, 365 : 200–204, 2004
- पी.सी. रथ और आई डे, ए नावल रैट जिनोमिक सिम्पल रिपीट डीएनए विद आरएनए – होमोलाजी शोज ट्रिप्लेक्स (एचडीएनए) लाइक स्ट्रक्चर ऐंड टिश्यू स्पेस्फिक आरएनए इक्सप्रेशन, बायोकेम बायोफिज रेज. कम्यून, 327 276–86, 2005
- पी.सी. रथ, बी पदमावती, एम. उप्रेती, वी. सिंह, आर.पी. सिंह और ए.आर. राव,केमोप्रिवेंशन बाई हिप्पोईरैम्नोइड्स : इफैक्ट्स आन ट्यूमोरजेनेसिस, फेज–II, एन्टिआक्सिडेंट ऐन्जाइम्स ऐंड आईआरएफ–I ट्रांस्क्रिप्शन फैक्टर, न्यूट्रिशन ऐंड कैंसर, 51 : 59–67, 2005
- पी.सी. रथ, पी. बन्धुवुला, ए.आर. राव और आर.पी. सिंह, रूट्स आफ विथानिया सोमनिफेबरा इनहिबिट फोरस्टोमक ऐंड स्किन कार्सिनोजेनिसिस इन माइस, इविडेंस बेस्ड कंप्लिमेंट्री ऐंड अल्टरनेटिव मेडिसिन, 2(1) : 99–105, 2005
- एस.के. गोस्वामी, के.वी. सिंधु, विभा रनिया, मनवीन के गुप्ता, सुरेन्द्र घसकादबी और देवप्रिया चौधरी, आइसोलेशन आफ ए लाइब्रेरी आफ टार्गेट साइट्स फार सिक्वेंस स्पेस्फिक डीएनए बाइंडिंग प्रोटीन्स फ्राम चिक इम्ब्राइओनिक हार्ट : ए पोटेंशियल टूल फार आइडेंटिफाइंग नावल ट्रांस्क्रिप्शनल रेग्युलेटर इनवाल्वड इन इम्ब्राओनिक डिवलपमेंट, बायोकेमिकल ऐंड बायोफिजिकल रिसर्च कम्यूनिकेशंस, 323 : 912–919, 2004
- एस.के. गोस्वामी, मनवीन के. गुप्ता, नीलकान्तन टीवी, राजेश के. त्यागी और सी.के. मुखोपाध्याय, अपोपटोटिक ऐंड हाइपरट्रोफिक इवेन्ट्स इनड्यूस्ड बाई नारपिनेफारिन इन एच 9सी2 मायोब्लास्ट इज नाट एट्रीब्यूटेबल टु द नेट रिएक्टिव आक्सीजन स्पाइसीज जेनरेशन बट टु डिस्टिंक्ट डाउनस्ट्रीम सिग्नेलिंग
- एस.एस. कामथ, वी. राय, एस. शुक्ला, एस. झा और आर. प्रसाद, फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ एन–टर्मिनल न्यूक्लिओटाइड बाइंडिंग डोमेन (एन बीडी–1) आफ ए मेजर एबीसी ड्रग ट्रांस्पोर्टर सीडीआर1 पी आफ कैनडिडा अल्बिकेन्स : अनकामन बट कंजर्ब्ड ट्रिप 326 आफ वाकर वी इज इम्पोर्टेन्ट फार एटीपी बाइंडिंग, 2005
- ए. पारीख, वी. खण्डेलवाल, एम ददलानी, पी.सी. शर्मा, वी. वशिष्ट और पी. शर्मा, ऐप्लिकेशन आफ प्रोटीन्स ऐंड आइसोजाइम मार्कर्स फार डी.यू.एस. टेस्टिंग आफ इण्डियन राइस ओरिजा सैटिवा, एल वैराइटीज, इण्डियन जे. जिनेटिक्स, (प्रकाशनाधीन), 2004
- एस. गौरीनाथ, एन. प्रधान, एन. आलम, ए. भट्टाचार्य, क्रिस्टेलाइजेशन ऐंड प्रिलिमिनरी क्रिस्टेलोग्राफिक एनालिसिस आफ कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन–II फ्राम एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका ऐंड इट्स कम्पलेक्सिस विद स्ट्रोंटियम ऐंड आई क्यू I मोटिफ आफ मायोसिन, वी. एक्टा क्रिस्ट, एफ–61 : 417–420, 2005
- एस. गौरीनाथ, एस. गरिमा, एस. शर्मा, एम. परमाशिवम, ए. श्रीनिवासन और टी.पी. सिंह, स्पेस्फिक म्यूटेशंस इन क्रैत पीएलए–2 लीड टु डिमिराइजेशन : क्रिस्टल स्ट्रक्चर आफ क्रेट पीएलए टु एट 2.1 ए रिजोल्युशन, जे. स्ट्रक्ट बायोल, 149 : 264–272, 2005
- एस. गौरीनाथ, एस. गरिमा, के. सरवनन, एस. शर्मा, एस. भानुमति, सी.एच. बेटजल, ए. श्रीनिवासन और टी.पी. सिंह, सिक्वेंस इंड्यूस्ड ट्रिमेरिजेशन आफ क्रैत पीएलए2 : स्ट्रक्चर आफ द ट्रिमेरिक आइसोफार्म आफ पीएलए2 फ्राम कामन क्रैत (बंगारूस कैरूल्योस) ऐट 2.5 रिजोल्युशन एक्टा क्रिस्ट, एफ 61 : 8–13, 2005
- एस. गौरीनाथ, एन. आलम, के.ए. स्टीजलिट्ज, एम.डी. काबन, एच. श्रुता और इ.आर. केन्ट्रोविट्ज, 240'स लूप इंटरएक्शंस स्टेबिलाइज द टी स्टेट आफ एशरिकिया कोली एस्पारटेट ट्रांस्कार्बामोइलेस, जे. बायोल केम, 279 : 23302–10, 2004
- एन. मण्डल, वाई. जांग, के. डेनियल्स और जे.डी. परवीन, फास्फोरिलेशन आफ हिस्टोन एच2ए इनहिबिट्स ट्रांस्क्रिप्शन आन क्रोमेटिन टेम्पलेट्स, जे. बायोल केम, 279(21) : 21866–72, 2004

- एन. मण्डल, जे.डी. परवीन, द ट्यूमर सप्रेसर प्रोटीन पी 53 फंक्शंस सिमिलर्ली टु पी 63 ऐंड पी 73 इन एक्टिवेटिंग ट्रांस्क्रिप्शन इन विट्रो, कैंसर बायोलाजी ऐंड थेरपि, 2005
- ए.के. जौहरी, वी. पटवर्धन और एल.सी. पाओलेटी लारेन्स, ग्रोथ रेट ऐंड आक्सिजन रेग्यूलेट द इंटरएक्शंस आफ ग्रुप बी स्ट्रप्टोकोकस विद पोलेराइज्ड रेस्पाइरेट्री इपिवेलियल सेल्स, जर्नल आफ माइक्रोबायोलाजी, (प्रकाशनाधीन), 2005
- ए.के. जौहरी, एच मिकामो, एल.सी.पाओलेटी, एल.सी. मडोफ और ए.बी. ओंडरडोंक, एडहियरेन्स टु इनवेजन बाई, ऐंड साइटोकाइन प्रोडक्शन इन रिस्पांस टु सिरोटाइप VIII ग्रुप बी स्ट्रेपटोकोकी, इंफेक्शन ऐंड इम्यूनिटी, 72(8) : 4716—22, 2004
- एस.के. अब्राहम, आर. कुमारगुरूपरन, के.वी.पी. चन्द्रमोहन और एस. नाजिनी, अटेन्यूशन आफ मेथी—एन'—नाइट्रो—एन—नाइट्रोसोगुनिडियन इनड्यूस्ड जेनोटाक्सिसिटी ऐंड आक्सिडेटिव स्ट्रेस बाई टोमेटो ऐंड गार्लिक कम्बिनेशन, लाइफ साइंसिस, 76 : 2247—55, 2005
- एस.के. अब्राहम और एच. स्टूपर, ऐन्टिजेनोटाक्सिसिटी आफ काफी अगेंस्ट एन मेथिल—एन—नाइट्रो—एन—नाइट्रोसोगुनिडियन इन माउस लिम्फोमा सेल्स, म्युटेशन रिसर्च, 561 : 23—33, 2004
- एस.के. अब्राहम, वी. वुकिसेविक और एच. स्टूपर, काफी मिडिएटिड प्रोटेक्टिव इफैक्ट्स अगेंस्ट डाइरैक्टली एक्टिंग जिनोटाक्सिन्स ऐंड गामा—रेडिएशन इन माउस लिम्फोमा सेल्स, सेल बायोलाजी ऐंड टाक्सिकोलाजी, 20 : 121—32, 2004
- एस.के. अब्राहम, ए.बी. टिक्कु और आर.के. काले, यूजिनोल ऐज एन वाइवो रेडियोप्रोटेक्टिव एजेन्ट, जर्नल आफ रेडिएशन रिसर्च, 45 : 435—440, 2004
- एस.के. अब्राहम, के. प्रेमकुमार एसटी संथिया और ए. रमेश, प्रोटेक्टिव इफैक्ट आफ स्पिरूलिना फुसिफर्मिस आन केमिकली इंडयूस्ड जेनोटाक्सिसिटी इन माइस, फिटोटेरपिया, 75 : 24—31, 2004
- एस.के. अब्राहम, के.वी.पी. चन्द्रमोहन और एस. नाजिनी, प्रोटेक्टिव इफैक्ट्स आफ मिक्चर्स आफ डाइट्री एजेन्टस, अगेंस्ट 7,12 डाइमेथाइलबेन्ज (ए) एन्ट्रेस इनड्यूस्ड जीनोटाक्सीटी ऐंड आक्सीडेटिव स्ट्रेस इन माइस, जर्नल आफ मेडिसिनल फूड 7:55—60, 2004
- एस.के. अब्राहम, आर. सुबाप्रिया, आर. कुमारगुरूपरन और एस. नाजिनी, प्रोटेक्टिव इफैक्ट्स आफ एथनोलिक नीम लीफ एक्सट्रेक्ट आन एन—मेथाइल एन नाइट्रो—एन—नाइट्रोसोगुनिडाइन इंडयूस्ड जेनोटाक्सिसिटी ऐंड आक्सिडेटिव स्ट्रेस इन माइस, ड्रग ऐंड केमिकल टाक्सिकोलाजी, 27 : 15—27, 2004
- एस.के. अब्राहम, वी. भुवनेश्वरी, बी वेलमुरगन और एस. नाजिनी, टोमेटो ऐंड गार्लिक बाई गैवेज माड्यूलेट 7, 12 डाइमेथाइलबेन्ज (ए) एन्ट्रेस—इंडयूस्ड जेनोटाक्सिसिटी ऐंड आक्सिडेटिव स्ट्रेस इन माइस, ब्राजिलियन जर्नल आफ मेडिकल ऐंड बायोलाजिकल रिसर्च, 37 : 1029—34, 2004
- एस.के. अब्राहम, बी. वेलमुरूगन, वी. भुवनेश्वरी और एस. नाजिनी, प्रोटेक्टिव इफैक्ट आफ टोमेटो अगेंस्ट एन—मेथाइल—एन—नाइट्रो—नाइट्रोसोगुनिडाइन इंडयूस्ड इन वाइवो क्लासटोजेनिसिटी ऐंड आक्सिडेटिव स्ट्रेस, न्यूट्रिशन, 20 : 812—16, 2004
- जयश्री पाल, एन. श्रीवास्तव और एस. भट्टाचार्य, इंटर ऐंड इंट्रा – स्पाइसीज वैरिएशन इन नेचुरल आइसोलेट्स आफ एन्टामोइबा, इक्सपेरिमेंटल पैरासिटोलाजी, 2005

iLrdk e idkf'kr v/;k;

- एन.जेड बाकर, मेटाबोलिक पाथवेज ऐंड देअर रेग्यूलेशन जैव प्रौद्योगिकी की पाठ्य पुस्तक, (सं.) एच.के. दास, विले, पृ. 149—222, 2004
- राजेन्द्र प्रसाद, निवेदिता गुप्ता और मनीषा गौर, मोलिकुलर बेसिस आफ ऐन्टिफंगल रेसिस्टेन्स, पैथोजेनिक फंगी :

सेलुलर ऐंड मोलिकुलर बायोलाजी, (सं) जिओकोडा सन–ब्लास और रिचर्ड काल्डेरान, हारिजन साइंटिफिक प्रेस, यू.एस.ए. अध्याय–10, पृ. 357–414, 2004

- राजेन्द्र प्रसाद और ख्याती कपूर, मल्टिड्रग रेसिस्टेन्स इन यीस्ट कैनडिडा, साइटोलाजी में अन्तर्राष्ट्रीय संवीक्षा में आमंत्रित (प्रकाशनाधीन), भाग–242, 215–248, 2004
- आर. मधुबाला, इक्सपिरिअन्स विद लीशमैनिया वैक्सीन, सर दोराबजी टाटा सेंटर फार रिसर्च इन ट्रापिकल डिसीज, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस, बंगलौर द्वारा प्रकाशित
- बी.एन. मलिक, वी. मदान और मो. फैजल, स्लीप डेप्रिविएशन एसोसिएटिड चेंजिस इन बायोमोलिक्यूल्स, स्लीप डेप्रिविएशन, सं. मार्सल डेक्कर खुसिदा, इंक, यू.एस.ए. (प्रकाशनाधीन)
- बी.एन. मलिक, एस. कौर और एस. थंकचन, रोल आफ वेफुलनेस एरिया इन द ब्रेनस्टेम रेटिकुलर फार्मेशन इन रेग्यूलेटिंग रैपिड आई मूवमेंट स्लीप, स्लीप ऐंड स्लीप डिस्आर्डर्स : ए न्यूरोसाइकोफार्माकोलाजिकल अप्रोच (भाग–1 और 2) (सं.) एम. लीडर, डी.पी. कार्डिनली और एस.आर. पंदी पेरूमल, लैण्ड्स बायोसाइंस पब्लिशर्स, जार्जटाउन, टेक्सास, यू.एस.ए.
- पी.सी. रथ, एस.के. गोस्वामी और एच.के. दास, मोलिकुलर बायोलाजी जैव–प्रौद्योगिकी की पाठ्यपुस्तक (सं.) एच.के. दास, 9 : 538–63, विले ड्रेमैच, नई दिल्ली, (आई.एस.बी.एन. 81–265–055–7), 2004
- ए. पारीख, जी.एच. फाम, ए. श्रीवास्तव, ए.के. श्रीवास्तव और ए. वर्मा, प्रोटोकोल टु अंडरस्टेंड द इंटरएक्शन बिटवीन राइजोबिया ऐंड प्लांट्स बेसिक रिसर्च ऐंड एप्लिकेशंस आफ माइकोरहिजा, (सं.) जी.के. पोडिला और ए.के. वर्मा, आई.के. इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, 2004
- ए. पारीख, आर. कुमारी, जी.एच. फाम, आर. प्रसाद, एम. सचदेव, श्री श्रीवास्तव, वी. यादव, पी.के. वर्मा, एस. शर्मा, आर. मल्ला, ए. सिंह, ए.के. मौर्य, एस. प्रकाश, के.एच. रेक्सर, जी. कोस्ट, ए.पी. गर्ग, आर. ओलेमुल्लर, एम.सी. शर्मा और ए. वर्मा, पाइरिफारमास्पोरा इंडिका : फंगस आफ द मिलेनियम, बेसिक रिसर्च ऐंड एप्लिकेशंस आफ माइकोरहिजा (सं.) जी.के. पोडिला और ए.के. वर्मा, आई.के. इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, 2004
- ए. पारीख और एम. कुमार, मोलिकुलर बेसिस आफ प्लांट माइक्रोब इंटरएक्शन, बेसिक रिसर्च ऐंड बायोटेक्नोलाजिकल एप्लिकेशंस : माइक्रोब्स (सं.) ए. वर्मा, आई.के. इंटरनेशलन पब्लिशर्स, 2004
- ए. पारीख, प्लांट बायोटेक्नोलाजी, जैव–प्रौद्योगिकी की पाठ्यपुस्तक, (सं.) एच.के. दास, विले ड्रीमटेक, 2004
- ए. के. जोहरी और ए. सिंह, बायोडिग्रेडेशन आफ पेस्टिसाइड्स (बायोरिमिडिएशन विषयक पुस्तक के योगदान हेतु आमंत्रित) (सं.) ए. सिंह और ओ.पी. वार्ड, ऐल्सवियर साइंस पब्लिशर्स, 2004

'kks/k ifj;kstuk,a

- नजमा जेड बाकर, रोल आफ टाकिचिनिन न्यूरोपेप्टाइड्स ऐंड देअर एनालाग्स इन मोलिकुलर ऐंड बायोकेमिकल कोरिलेट्स इन एजिंग ब्रेन फंक्शंस (सुधा एम. कौशिक के साथ संयुक्त रूप से यू.जी.सी. की परियोजना), 2002–07
- नजमा जेड बाकर, मेटाबोलिक ऐंड मोलिकुलर चेंजस इन डायबेटिक रैट टिश्यूज : देअर कंट्रोल ऐंड रिवर्सल बाई ऐन्टिडायबेटिक कम्पाउन्ड्स (डा. दीपक शर्मा के साथ संयुक्त रूप से आईसीएमआर की परियोजना), 2005–08
- आर प्रसाद, रेग्यूलेशन आफ मल्टिड्रग रेसिस्टेन्स जीन्स आफ ए पैथोजेनिक यीस्ट कैनडिडा अल्बिकेंस, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2002–05
- आर प्रसाद, नावल अप्रोचिस टु कम्बेट मल्टिड्रग रेसिस्टेन्स (एम.डी.आर.) इनपैथोजेनिक यीस्ट, यूरोपीयन आयोग, ब्रूसेल्स, 2001–04
- आर प्रसाद, एस्टेबिलशमेंट आफ एन एडवांस सेंटर आफ मोलिकुलर बायोटायपिंग, एपिडेमिओलाजी ऐंड फंगल सस्पेक्टिबिलिटीज आफ अपरच्युनिस्टिक ह्युमन पैथोजेनिक फंगी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 2001–05

- आर प्रसाद, ट्रांस्क्रिप्शन प्रोफाइलिंग आफ यीस्ट इन रिस्पांस टु स्टेराइड/ड्रग्स, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, 2003–06
- आर प्रसाद, मोलिकुलर आस्पेक्ट्स आफ कैनडियासिस, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2004–07
- आर प्रसाद, कम्बेटिंग एन्टिफंगल रसिस्टेन्स इन ह्यूमन पैथोजेनिक फंगी, इण्डो–जर्मन (यूनि बान द्वारा समन्वित डी.एस.टी–डाड), 2003–06
- आर प्रसाद, डिवलपमेंट आफ स्ट्रेटिजीस फार ओवरकमिंग द मल्टिड्रग रसिस्टेन्स इन पैथोजेनिक फंगी, इण्डो–पोलिश, (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग) 2000–2005
- आर प्रसाद, स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल एनालिसिस आफ ए मेजर एबीसी मल्टिड्रग ट्रांस्पोर्टर आफ कैनडिडा, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2004–07
- आर के सक्सेना, मकेनिज्म ऐंड पैथो–साइकोलाजिकल रिलेवेन्स आफ सेल मिडिएटिड लाइसिस आफ इरिथ्रोसाइट्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना, मार्च 2002 से दिसम्बर 2005
- आर के सक्सेना, माड्यूलेशन आफ टाल लाइक रिसेप्टर (टीएलआर) इक्सप्रेशन आन ल्यूकोसाइट्स विद लोकेलाइज्ड इननेट ऐंड अडेप्टिव इम्यून रिस्पांस इन लंग्स ऐंड इट्स फंक्शनल इंप्लिकेशंस, यू.जी.सी. की विश्वविद्यालय विशिष्टता परियोजना, मार्च 2002–मार्च 2007
- आर के सक्सेना, इंफ्लुएन्स आफ डीजल एक्जास्ट पार्टिकुलेट मैटेरियल आन डिसीज सस्पेक्टिबिलिटी ऐंड लोकल इम्यून रिस्पांसिस इन लंग्स, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद परियोजना, फरवरी 2003–फरवरी 2006
- आर एन के बामजेई, नेशनल सेंटर आफ एप्लाइड ह्यूमन जिनेटिक्स, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2002–07
- आर एन के बामजेई, यूपीओइ योजना के तहत, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2002–05
- आर. मधुबाला, वैक्सिनेशन अगेंस्ट म्यूरिन वाइसरसल लीशमैनियासिस, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन का जीवन विज्ञान अनुसंधान बोर्ड की परियोजना, 2002–05
- आर. मधुबाला, मोलिकुलर ऐंड बायोकेमिकल मकेनिज्म आफ पैन्टामिडाइन रेसिस्टेन्स वेलकम ट्रस्ट पुरस्कार : कैरियर रिसर्च इनिसिएटिव पुरस्कार, 2002–05
- आर. मधुबाला, फंक्शनल जिनोमिक्स आफ लीशमैनिया, विश्वविद्यालय विशिष्टता अनुदान, 2002–07
- आर. मधुबाला, स्ट्रक्चर बेस्ड ड्रग डिवलपमेंट अगेंस्ट मलेरिया ऐंड लीशमैनियासिस, स्वीडिश रिसर्च लिंक कार्यक्रम के तहत स्वीडिश अनुसंधान परिषद अनुदान, 2003–05
- आर. मधुबाला, ए कम्पैरिटव प्रोटेओमिक एनालिसिस आफ ड्रग रेसिस्टेन्स इन लीशमैनिया, विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुदान, 2005–06
- आर. मधुबाला, मेकेनिज्म आफ एन्टिमनी रेसिस्टेन्स इन लीशमैनिया डोनोवानी रिस्पांसिबल फार इण्डियन काला अजर, कनेडियन इंस्टीट्यूट आफ हैल्थ रिसर्च, 2005–06
- पी.के. यादव, कंस्ट्रक्शन ऐंड इक्सप्रेशन आफ हैमरहेड राइबोजाइम टार्गेटिड अगेंस्ट आर एन ए कम्पोनेन्ट आफ ह्यूमन टेलोमेरास, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, 2001–04
- पी.के. यादव, आरएनए प्रोटीन इंटरएक्शन इन फार्मेशन आफ मीजल्स वायरस न्यूक्लिओकेप्सिड, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2001–04
- पी.के. यादव, रेस्क्यू आफ रिकम्बिनेन्ट मीजल्स वायरस विद हेट्रोलोगस पेप्टाइड इंसर्ट्स इन दैम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2002–05

- नीरा भल्ला सरीन, इनवेस्टिगेशन आन द मेकेनिज्म आफ मल्टिपल शूट फार्मेशन इन कैजानस काजन (पिजियन पी) इन रिस्पांस टु साइटोकाइनिन ऐंड लाइट, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2005–07
- नीरा भल्ला सरीन, रिजेनरेशन ऐंड ट्रांस्फार्मेशन आफ विजना मुंगो एल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2002–05
- नीरा भल्ला सरीन और थामस हान, डिवलपमेंट आफ साल्ट स्ट्रेस टालरेन्ट मार्कर फ्री ट्रांस्जेनिक आफ विजना मुंगो (ब्लैकग्राम), इण्डो–स्विस परियोजना (जैव–प्रौद्योगिकी विभाग और स्विस विकास निगम द्वारा वित्त पोषित) 2002–05
- बी.एन. मलिक, टु स्टडी द इफैक्ट्स आफ रैम स्लीप डेप्रिवेशन ऐंड इट्स मोलिकुलर मेकेनिज्म (स) आफ एक्शन आन न्यूरान्स, जेएनयू–एक्सल, 2002–07
- बी.एन. मलिक, टु इनवेस्टिगेट न्यूरोकेमिकल रेग्युलेशन आफ रैम स्लीप ऐंड सेलुलर चेन्जस आफ्टर रैम स्लीप डेप्रिवेशन, आईसीएमआर, 2003–06
- बी.एन. मलिक, वेदर रैम स्लीप डेप्रिवेशन डिफ्रेंसियली अफेक्ट्स न–के–एटपास एक्टिविटी इन न्यूरान्स ऐंड ग्लाइआ इन द रैट ब्रेन ऐंड इफ द इफैक्ट्स वर मिडिएटिड बाई नोरेफाइनफेरिन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2002–07
- बी.एन. मलिक, टु इनवेस्टिगेट द न्यूरोकेमिकल बेसिस आफ पेडनकुलो–पोंटिन न्यूक्लियस मिडिएटिड जेनरेशन आफ रेपिड आई मूवमेंट स्लीप इन रैट, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, 2005–07
- पी.सी. रथ, कंप्यूटेशनल ऐंड फंक्शनल एनालिसिस आफ जींस, यूपीओई परियोजना, जेएनयू/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2002–07
- एस.एस. कामथ, लेक्टिन्स फ्राम रोजेसिया : प्यूरिफिकेशन ऐंड फिजिओकेमिकल इनवेस्टिगेशन आफ देअर प्रापर्टीज, स्ट्रक्चर ऐंड फंक्शन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना, 2004–07
- एस.एस. कामथ, स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल एनालिसिस आफ ए मेजर एबीसी मल्टिड्रग ट्रांस्पोर्टर आफ कैनडिडा अल्बिकेंसिस : ए स्पेक्ट्रोस्कोपिक अप्रोच, जैव प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना, 2002–07
- एस. गौरीनाथ, स्ट्रक्चरल स्टडीज आफ कैल्मोडुलिन ऐंड इट्स कम्पलेक्स विद सेलुलर टार्गेट्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2004–07
- एन. मण्डल, पी 53 रेग्यूलेशन इन प्रोस्टेट कैंसर सैल्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2005–08
- आर. मुत्थुस्वामी, टुवर्डस अंडरस्टेंडिंग द इंटरएक्शन बिटवीन एसडब्ल्यू आई/एसएनएफ प्रोटीन ऐंड इट्स डीएनए इफैक्टर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना, 2004–07
- ए.के. जोहरी, सेरोटाइपिंग, इनवेसिवनेस ऐंड प्रोटेओमिक एनालिसस आफ ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, 2005–08

jk"Vh;@vUrjk"Vh; lEesyuk@cBdk@dk;'kkykvk e ifrHkkfxrk

- नजमा जेड बाकर ने 16 से 28 सितम्बर 2004 तक एडवांस स्कूल आफ लाइफ साइंसिस, याल्टा, यूक्रेन में आयोजित अनिल के मांता, इन्दु आर चन्द्रशेखर, के. मूर्ति और सुधा एम. कौशिक, टैकिकाइनिन एन के–3 रिसेप्टर ऐंड इट्स एगोनिस्ट न्यूरोकाइनिन बी (एनकेबी) इंटरएक्शंस : शेडिंग लाइट आन एजिंग ब्रेन फंक्शंस, रिसेप्टर्स चेनल्स, मैसन्जर्स आईबीआरओ, विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- नजमा जेड बाकर, अनिल के मांता, इन्दु आर. चन्द्रशेखर, अंजलि दिके, के. मूर्ति और सुधा एम. कौशिक ने 6 से 21 जनवरी 05 तक हैदराबाद में 'रोल आफ न्यूरोकाइनिन बी ऐंड ए प्रोटीन फ्रेग्मेंट 25–30 आन एजिंग रैट ब्रेन साइनेप्टोसोम्स, मैग्नेटिक रिसोनेन्स इन बायोलाजिकल सिस्टम्स के 21वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- आर. प्रसाद ने 2 से 4 सितम्बर 2004 तक अजोरेस, पुर्तगाल में आयोजित 'यीस्ट ट्रांस्पोर्ट ऐंड एनर्जेटिक्स' विषयक 22वीं बैठक में भाग लिया।

- आर.के. सक्सेना और एस. खण्डेलवाल ने 2004 में इण्डियन इम्यूनोलाजी सोसायटी की XXXIवीं वार्षिक बैठक में भाग लिया।
- आर.के. सक्सेना और टी. गुप्ता ने दिसम्बर 2004 में चैन्नई में 'डाउन रेग्यूलेशन आफ टोल लाइक रिसेप्टर–2 आन म्यूरिन एलिवेलर बैक्रोफेज्स ऐंड इनेहनस्ड सस्पेक्टिबिलिटी टु बीसीजी लंग इंफेक्शन आफ्टर इक्सपोजर टु फाइन सिलिका डस्ट, डीजल, एक्जास्ट पार्टिकल्स ऐंड रेजिड्यूअल आइल फ्लाई एश विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- आर.के. सक्सेना और एस. खण्डेलवाल ने 24 से 25 फरवरी, 2005 तक जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में 'इन वाइवो टर्नओवर आफ इरिथ्रोसाइट्स : रोल आफ फास्फोटिडाइल सेरीन असिमेट्री' विषयक बायोस्पार्क की बैठक में भाग लिया।
- आर.के. सक्सेना और टी. गुप्ता ने 8 से 11 मार्च 2005 तक इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 'इनहेंस्ड सस्पेक्टिबिलिटी टु बीसीजी लंग इंफेक्शन ऐंड माड्यूलेशन आफ टीएलआर–2 आन म्यूरिन ब्रोनकोलवेलर लैवेज सैल्स आफ्टर इक्सपोजर टु फाइन सिलिका यूस्ट, डीजल एक्जास्ट पार्टिकुलेट्स ऐंड रेजिड्यूअल आइल फ्लाइ ऐश' विषयक इटरेड की बैठक में भाग लिया।
- आर एन के बामजेई ने 30 अगस्त 2004 को इंस्टीट्यूट आफ जिनेटिक्स और हास्पिटल फार जिनेटिक डिस्आर्डर्स, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'ह्यूमन जिनोम अपडेट' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'मैपिंग द जीन (स) – जिनेटिक बैकग्राउन्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर एन के बामजेई ने 13 से 17 सितम्बर 2004 तक नेशनल रिसर्च सेंटर फार जिनेटिक इंजीनियरिंग ऐंड बायोटेक्नोलाजी, ईरान द्वारा आयोजित 'एप्लिकेशन आफ एडवांस मोलिकुलर मेथड्स फार डायग्नोसिस आफ ह्यूमन जिनेटिक्स डिसीज' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में व्याख्यान दिया।
- आर एन के बामजेई ने 13 अक्टूबर 2004 को डिपार्टमेंट आफ जिनेटिक्स साउथ कैम्पस, दिल्ली यूनिवर्सिटी में आयोजित 'जिनेटिक्स – द एक्सपेंडिंग हारिजन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'फेनोटाइप कोरिलेशंस इन सिस्टम बायोलाजी पैराडिग्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर एन के बामजेई ने 4 जनवरी 2005 को अहमदाबाद में 'एनिमल वेटिनरी ऐंड फिशरी साइंसिस की 92वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया तथा 'जिनोटाइप फेनोटाइप कोरिलेशंस इन सिम्पल ऐंड कम्पलेक्स डिस्आर्डर्स–मैपिंग आफ अननोन' विषयक प्लेटिनम जयंती व्याख्यान दिया।
- आर एन के बामजेई ने 2 फरवरी 2005 को जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में 'मोलिकुलर मैडिसिन, मेड बायोटैक 2005' विषयक सत्र में भाग लिया तथा 'पर्सपेक्टिव आफ मोलिकुलर मेडिसिन इन द बैकग्राउन्ड आफ द ह्यूमन जिनोम इनफार्मेशन – ए केस स्टडी आफ कैंसर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर एन के बामजेई ने 1 मार्च 2005 को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल एज्यूकेशन ऐंड रिसर्च में आयोजित 'ड्रग डिस्कवरी ऐंड डिवलपमेंट इन न्यू मिलेनियम (डी 3 एन एम 2) इंटरफेसिंग विद इन सिलिको, सेल बेस्ड ऐंड फार्माकोलाजिकल टाक्सिकोलाजिकल इक्सपेरिमेंटेशन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा एन एन पीस ऐंड मैक्रोसैटेलाइट वैरिएशंस इन हैपटाइटिस ऐंड कैंसर – फ्यूचर फार्माकोजिनोमिक टार्गेट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर एन के बामजेई ने 11 मार्च 2005 को इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 'इमर्जिंग इनफेक्सस डिसिजिस' विषयक क्षेत्रीय एशियाई कार्यशाला में भाग लिया तथा 'जिनेटिक हेट्रोजेनिटी इन सस्पेटिबिलिटी टु लेप्रोसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर एन के बामजेई ने 17 मार्च 2005 को ए पो ओ जी ई इ 2 के 5, बीट्स, पिलानी, राजस्थान में आयोजित 'अंडरस्टेंडिंग डिसीज सस्पेटिबिलिटी इन द बैकग्राउन्ड आफ प्रजेन्ट डे पर्सपेक्टिव्स आफ ह्यूमन जिनोम इनफार्मेशन : अवर इक्सपिरिअन्स' विषयक व्याख्यान दिया।

- आर.के. काले ने 6 से 10 सितम्बर 2004 तक किनकी विश्वविद्यालय, ओसाका, जापान में आयोजित 'हाई लेवल्स आफ नैचूरल रैडिएशन ऐंड रेडान एरियाज' विषयक 6ठे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- आर.के. काले ने 1 से 3 दिसम्बर 2004 तक बी.ए.आर.सी. मुम्बई में आयोजित 'रिसेन्ट ट्रेंड्स इन रेडिएशन बायोलाजी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- आर. मधुबाला को अप्रैल 2004 में 'डीएनए वैक्सीन डिवलपमेंट' विषयक आलेख प्रस्तुत करने के लिए वुड्स हाल इम्यूनोपैरासिटोलाजी के संयोजक से निमंत्रण और यात्रा भत्ता प्राप्त हुआ।
- आर. मधुबाला को 11 से 14 जून 2004 तक पेस विश्वविद्यालय, न्यूयार्क में 'पैरासाइट पालिमाइन' विषयक सम्मेलन में व्याख्यान देने तथा सीटल बायोमेडिकल रिसर्च, यू.एस.ए. में 'परियोजना से संबंधित कार्य पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- आर. मधुबाला ने 27 से 30 अगस्त 2004 तक इंस्टीट्यूट आफ पैरासिटोलाजी, अकादमी आफ साइंस आफ द चेक रिपब्लिक में ब्रिटिश सोसायटी फार पैरासिटोलाजी के ट्राइपैनोसोमिआसिस ऐंड लीशमैनियासिस की संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इम्यूनोस्टीम्यूलेट्री ओलिगोडिओक्सि न्यूक्लिओटाइड्स आर पोटेन्ट इन्हेन्सर्स आफ प्रोटेक्टिव इम्यूनिटी इन माइस इम्यूनाइज्ड विद रिकम्बिनेन्ट ओआरएफएफ लीशमैनियल एन्टिजन्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. मधुबाला को 25 से 27 अगस्त 2004 तक ग्लेसगो विश्वविद्यालय यू.के. में चल रही परियोजना के डाटा पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- आर. मधुबाला ने 28 नवम्बर से 2 दिसम्बर 2004 तक काजुसा आर्क, चिबा, जापान में 'पालिएमाइन्स फंक्शंस ऐंड क्लिनिकल एप्लिकेशंस' विषयक व्याख्यान दिए।
- नीरा भल्ला सरीन ने 4 से 6 फरवरी 2005 तक एम.के.यू. मदुरई में आयोजित वार्षिक पल्स नेटवर्क मीटिंग में भाग लिया।
- नीरा भल्ला सरीन ने 9 से 10 मार्च 2005 तक इंडियन नेशनल साइंस अकादमी में बायोसेफ्टी इश्यूज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- नीरा भल्ला सरीन ने 26 सितम्बर से 1 अक्टूबर 2004 तक ब्रिस्बेन, आस्ट्रेलिया में चौथी अन्तर्राष्ट्रीय क्राप साइंस कांग्रेस में आलेख प्रस्तुत किया।
- बी.एन. मलिक ने 4 से 6 फरवरी 2005 तक एम.के.यू. मदुरई में आयोजित वार्षिक पल्स नेटवर्क मीटिंग में भाग लिया।
- बी.एन. मलिक ने 9 से 10 मार्च 2004 तक भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी में आयोजित बायोसेफ्टी इश्यूज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- बी.एन. मलिक ने 26 सितम्बर से 1 अक्टूबर 2004 तक ब्रिस्बेन, आस्ट्रेलिया में चौथी अन्तर्राष्ट्रीय क्राप साइंस कांग्रेस में आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.सी. रथ ने 28 फरवरी से 5 मार्च 2005 तक (जैव–प्रौद्योगिकी विभाग और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित) जैव रसायन अनुभाग, प्राणी विज्ञान विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित 'टेक्नीक्स इन न्यूरोबायोलाजी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा आरएनए आइसोलेशन नार्दन हाइब्रिडिजेशन ऐंड आरटी–पीसीआर' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. गोस्वामी ने 29 से 30 अक्टूबर 2004 तक नेशनल सेंटर फार सेल साइंसिस, पुणे में आयोजित (ट्रांक्रिप्शन रिसर्चर्स इन इण्डिया की वार्षिक बैठक) बैठक में भाग लिया तथा ट्रांस्क्रिप्शन असेम्बली विषयक व्याख्यान दिया।

- जयश्री पाल ने नवम्बर 2004 में इन गेडि, इजराइल में आयोजित 'पैथोजेनिसिस आफ अमीबियासिस' विषयक इएमबीओ की कार्यशाला में भाग लिया तथा, 'स्ट्रेन टाइपिंग आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका यूजिंग ट्रांस्पोसन डिसप्ले' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

f'k{kdk d: 0;k[;ku ¼fo'ofo|ky; l: ckgj½

- आर. प्रसाद ने 22 जुलाई, 2004 को यूनिवर्सिटी आफ वर्गबुर्ग में 'इफ्लक्स पम्पस इन एन्टिफंगल रेसिस्टेन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 26 जुलाई 2004 को इंस्टीट्यूट आफ माइक्रोबायोलाजी, यूनिवर्सिटी आफ डुसलडोर्फ में 'मल्टिड्रग रेसिस्टेन्स : फ्राम माइक्रोबेब्स टु मैन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 27 जुलाई 2004 को बान विश्वविद्यालय में 'इफ्लक्स पम्प्स इन ड्रग रसिस्टेन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 24 अगस्त 2004 को लांजिविटी सेंटर, पुणे में 'फ्रंटियर्स आफ रिसर्च इन एजिंग ऐंड लांजिविटी' विषयक कार्यशाला में 'यीस्ट ऐज ए माडल आफ ऐजिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 28 अक्टूबर 2004 को इण्डो–जर्मन साइंस टेक फोरम, आई.आई.टी. दिल्ली में 'कम्बेटिंग एन्टिफंगल रेसिस्टेन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 7 दिसम्बर 2004 को आई.आई.टी., चेन्नई में 'मल्टिड्रग रेसिस्टेन्स : फ्राम माइक्रोबेब्स टु मैन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 22 दिसम्बर 2004 को सीसीएमबी, हैदराबाद में 'मल्टिड्रग रेसिस्टेन्स : एन इमर्जिंग थ्रेट' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. सक्सेना ने 8 से 11 मार्च 2005 को इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में इंटरनेशनल ट्रेनिंग ऐंड रिसर्च इन इमर्जिंग इंफेक्सस डिसीज की बैठक में 'माड्यूलेशन आफ एन्टी–माइकोबैक्टेरियल इम्यूनिटी इन माउस लंग बाई डील एक्जास्ट वार्टिकुलेट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 3 अप्रैल 2004 को डिपार्टमेंट आफ बायोफिजिक्स मोलिकुलर बायोलाजी ऐंड जिनेटिक्स, यूनिवर्सिटी कालेज आफ साइंस, यूनिवर्सिटी आफ कलकत्ता में व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 4 नवम्बर 2004 को बायोस्पार्क्स 2004, देश बन्धु कालेज में (विषय – साइंस ओवरटेक्स फिक्शन), 'एनाटमी आफ ह्यूमन क्रोमोसोम्स इन रिलेशन टु स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल जिनोमिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 3 नवम्बर 2004 को क्रिसलिस–2004, मैत्रीय कालेज, नई दिल्ली में प्राणी विज्ञान और अन्य विज्ञान के क्षेत्र के स्नातक छात्रों को 'ह्यूमन जिनोमिक' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 10 फरवरी को भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में 'स्टडी आफ सिम्पल ऐंड कम्पलेक्स जिनेटिक डिस्आर्डर इन ह्यूमन्स–एक्सप्लोरिंग अननोन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 11 फरवरी 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, प्राणी विज्ञान विभाग, पुणे विश्वविद्यालय में व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 15 फरवरी 2005 को प्राणी विज्ञान विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में व्याख्यान दिया।
- आर. मधुबाला को 10 जनवरी 2005 को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली में 'एक्शन प्लान फार एलिमिनेटिंग काला अजार/विस्केरल लीशमैनियासिस इन साउथ एशिया थ्रू द इंट्रोडक्शन ऐंड एडोप्शन आफ न्यू ड्रग्स' विषयक एक दिवसीय बैठक में भाग लेने के लिए बिले ऐंड मिलिन्द गेट्स फाउन्डेशन द्वारा आमंत्रित किया गया।

- नीरा भल्ला सरीन ने स्कूल आफ बायोटेक्नोलाजी, एम.के.यू. मदुरई में, 'टुवर्डस डिवलपमेंट आफ साल्ट स्ट्रेस टालरेन्ट मार्कर फ्री ट्रांस्जेनिक आफ बिज्ना मुंगो (ब्लैक ग्राम) विषयक व्याख्यान दिया।
- बी.एन. मलिक ने 3 नवम्बर 2004 को ए सी टी आर इ सी, मुम्बई में व्याख्यान दिया।
- बी.एन. मलिक ने 5 नवम्बर 2004 को सोफिया कालेज, मुम्बई में व्याख्यान दिया।
- बी.एन. मलिक ने 5 नवम्बर 2004 को सेंट्रल इंस्टीट्यूट फार फिशरीज एज्यूकेशन, मुम्बई में व्याख्यान दिया।
- बी.एन. मलिक ने नेशनल चुंग चेंग यूनिवर्सिटी, ताइवान में व्याख्यान दिया।
- बी.एन. मलिक ने शो चान मेमोरियल हास्पिटल, ताइवान में व्याख्यान दिया।
- एस.एस. कामथ को 14 से 18 मार्च 2005 तक अकादमिक स्टाफ कालेज और स्कूल आफ केमिस्ट्री, यूनिवर्सिटी आफ हैदराबाद, हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'केमिस्ट्री आफ बायोमोलिक्यूल्स' विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 3 व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- जे. पाल ने फरवरी 2005 में जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, इन्दौर विश्वविद्यालय में 'डिटेक्शन आफ प्रिडोमिनेन्ट एनारोबिक बैक्टेरिया हारबोरिंग गेस्ट्रोइंटेस्टिनल ट्रेक्ट यूजिंग जिनस स्पिेस्फिक प्राइमर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- जे. पाल ने दिसम्बर 2004 में बीट्स के बायोलाजी डिविजन, पिलानी में 'मोलिकुलर आस्पेक्ट्स आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका ऐंड इट्स एपिडेमिओलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।

i|jLdkj@lEeku@v/;rkofÙk;k

- आर. मधुबाला को वर्ष 2004 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से जीवन विज्ञान के क्षेत्र में हरिओम ट्रट का जे.सी. बोस पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- नीरा भल्ला सरीन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वनस्पति विज्ञान के लिए वर्किंग ग्रुप की सह–अध्यक्ष नामित की गईं।
- बी.एन. मलिक 2004 में इण्डियन नेशनल साइंस अकादमी (एफएनए) के फैलो चुने गए।
- बी.एन. मलिक 2004 में गुहा रिसर्च कंफ्रेन्स के सदस्य चुने गए।

e.Myk@lfefr;k dh lnL;rk ¼fo'ofo|ky; ls ckgj½

- आर. प्रसाद, क्षेत्रीय सम्पादक, जर्नल आफ बायोलाजिकल साइंसिस; क्षेत्रीय संपादक, माइकोपैथोलाजिया; सदस्य विद्या समिति, आईएमटेक, चण्डीगढ; सदस्य, विद्या समिति, सीडीआरआई, लखनऊ
- आर.के. सक्सेना सदस्य, सलाहकार समिति, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, जीजे विश्वविद्यालय, हिसार, 2004; सदस्य, इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स इन इण्डियन यूनिवर्सिटीज विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सदस्य; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, रिसर्च इनपुट इन इण्डियन यूनिवर्सिटीज' विषयक यूजीसी हैण्डबुक, 2004; सदस्य, औद्योगिक अनुसंधान और विकास बोर्ड, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, 2004–05; सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और नौसोकाम के आपसी सहयोग के लिए गठित हायर एज्यूकेशन संबंधी पैनल; सदस्य, इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट, सेल्स इन इण्डियन यूनिवर्सिटीज के विकास हेतु गठित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की समिति, फरवरी 2005;
- आर.एन.के. बामजेई, सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेषज्ञ समिति, विश्वविद्यालय उत्कृष्टता कार्यक्रम के लिए सक्षम – मद्रास विश्वविद्यालय (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय और पुणे विश्वविद्यालय और आईआईएससी बंगलौर तथा अन्य विश्वविद्यालयों की तरह); सदस्य, विश्वविविद्यालयों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की 10वीं योजना के लिए गठित समिति; सदस्य, प्रमोशन आन साइंस एज्यूकेशन इन यूनिवर्सिटीज और स्ट्रेंथनिंग आफ आई यू सी'स पर गठित उप समिति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय की तर्ज पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

द्वारा गठित; सदस्य, टी आई एफ आर, मुम्बई/एन सी बी एस, बंगलौर को दिए गए मानद विश्वविद्यालय के स्तर हेतु मूल्यांकन के लिए गठित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की समिति; सदस्य, बायोटेक्नोलाजी प्रोग्राम इन यूनिवर्सिटीज सिन्स 2000 विषय पर गठित डी बी टी – यू.जी.सी. की संयुक्त समिति तथा पोस्ट रिटायरमेंट सर्विस; सदस्य, चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में ह्यूमन जिनोमिक्स सेंटर स्थापित करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए गठित विशेषज्ञ समिति; सदस्य, कश्मीर विश्वविद्यालय के प्रवासी शिक्षकों के एब्जार्शन के लिए गठित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की समिति; सदस्य, विभिन्न विश्वविद्यालयों हेतु (कलकत्ता विश्वविद्यालय, ग्वालियर विश्वविद्यालय, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, सती साई विश्वविद्यालय, पुतापार्थी) विशेष सहायता कार्यक्रम के लिए यू.जी.सी. द्वारा गठित सलाहकार समिति; सदस्य, विभिन्न विश्वविद्यालयों में डीएसए कार्यक्रमों की संवीक्षा हेतु विशेषज्ञ समिति; विशेषज्ञ सदस्य, संकाय बोर्ड, डिपार्टमेंटल बोर्ड्स आफ डिफ्रेन्ट यूनिवर्सिटीज (गढ़वाल, चण्डीगढ़, अमृतसर, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर), बी.एच.यू. वाराणसी); सदस्य, ह्यूमन रिसोर्स डिवलपमेंट इन बायोटेक्नोलाजी, 2003–05 पर गठित डीबीटी–यूजीसी टास्क फोर्स; सलाहकार सदस्य, द स्पिक बायोप्रोसिस लैबोरेट्री आफ सेंटर फार बायोटेक्नोलाजी, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई में यूजीसी–डीआरएस कार्यक्रम के लिए गठित समिति; विशेषा सदस्य, गुरू गोविन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की चयन समिति; सदस्य, शैक्षिक सत्र 2005–06 में ह्युमन जिनेटिक्स की संवीक्षा, सेंटर फार एप्लाइड हयुमन जिनेटिक्स, डिपार्टमेंट आफ ह्युमन जिनेटिक्स, गुरूनानक देव विश्वविद्यालय की अध्ययन मण्डल की बैठक।

- आर. मधुबाला, सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, जर्नल आफ पैरासाइट डिसीज्स, इण्डियन जर्नल; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, एशियन जर्नल अफ ड्रग मेटाबोलिज्म ऐंड फार्माकोकाइनेटिक्स, इंटरनेशनल जर्नल; आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ पैरासिटोलाजी और इण्डियन सोसायटी आफ इम्यूनोलाजी; सदस्य, गुहा रिसर्च कांफ्रेन्स।
- नीरा भल्ला सरीन, नामित सदस्य, सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ मेडिसिनल ऐंड एरोमेटिक प्लांट्स की शैक्षिक समिति; सदस्य, शैक्षिक समिति, नेशनल सेंटर फार प्लांट जिनोम रिसर्च, दिल्ली।

Hkkfrd foKku lLFkku

वर्ष 1986 में स्थापित यह संस्थान भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध एवं शिक्षण का एक विशिष्ट केंद्र बन कर उभरा है। पिछले वर्षों में संस्थान ने एम.एस–सी और प्री–पी–एच.डी. स्तरों पर नए एवं गैर परम्परागत कोर्सों के साथ अपने महत्वपूर्ण शिक्षण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक चलाया है।

संस्थान ने वर्ष 1987 से पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू किया था। अब तक 50 छात्रों को पी–एच.डी. उपाधियां प्रदान की गई है। संस्थान ने वर्ष 1992 से एम.एस–सी (भौतिकी) पाठ्यक्रम शुरू किया था। देश के विभिन्न भागों के छात्र इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेते है। इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक भौतिकी का मौलिक अध्ययन किया जाता है। यह पाठ्यक्रम शोध करने के इच्छुक छात्रों को अधारभूत जानकारी उपलब्ध कराता है।

संस्थान ने भौतिक विज्ञान के कई थ्रस्ट एरियाओं के साथ–साथ रसायन भौतिकी और जैव–भौतिकी के अन्तर–विषयक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान किया है। संस्थान के शिक्षकों एवं छात्रों के शोध आलेख ख्याति प्राप्त अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी संस्थान को वर्ष 1994 में विशेष सहायता विभाग योजना के अन्तर्गत अनुदान मंजूर करते हुए इसकी शोध गतिविधियों को मान्यता प्रदान की है। अब इस अनुदान योजना का स्तर बढ़ा दिया गया है और यह कासिस्ट योजना के अन्तर्गत वर्ष 2000–2004 तक चालू रहेगी। हाल ही में संस्थान के 'फिस्ट' कार्यक्रम के अन्तर्गत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से वित्तीय अनुदान प्राप्त हुआ है। यह भी उल्लेखनीय है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों के फलस्वरूप संस्थान के शिक्षकों को नेशनल नेनो–साइंस ऐंड टेक्नोलाजी से पर्याप्त सहायता मिली है।

संस्थान ने 16–19 मार्च को 'मेसोस्कोपिक फिजिक्स' विषयक एक संगोष्ठी आयोजित की इसमें संस्थान के शिक्षकों और छात्रों सहित बाह्य प्रसिद्ध विद्वानों ने भी भाग लिया। इसके अतिरिक्त, संयुक्त राष्ट्र संगठन के तत्वावधान में विश्वस्तर पर मनाए जा रहे अन्तर्राष्ट्रीय भौतिकी वर्ष को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने 25 नवम्बर 2004 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

संस्थान की शोध गतिविधियां मुख्यतः क्लासिकल ऐंड क्वांटम और स्टेटिस्टिकल मैकेनिक्स के सैद्धान्तिक क्षेत्रों और केमिकल फिजिक्स, बायो–फिजिक्स, पालिमर फिजिक्स, सेमिकंडक्टर फिजिक्स, मेटिरियल साइंस, कम्प्लेक्स फ्लुइड और नेनो–साइंस ऐंड टेक्नोलाजी के प्रयोगात्मक क्षेत्रों पर केंद्रित है।

प्राकृतिक घटनाक्रम को समझने के लिए प्रयोगशालाओं में किए गए परीक्षण काफी कठिन होते हैं और ये परीक्षण भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध एवं प्रशिक्षण का अभिन्न अंग है। गहन सैद्धान्तिक समझ के साथ प्रयोगात्मक गतिविधियों का संतुलीत विकास हमारे पाठ्यक्रम को सुदृढ बनाता है।

संस्थान की प्रयोगात्मक सुविधाओं का सामान्यतः बाह्य विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के विज्ञानी भी प्रयोग करते हैं। उदाहरण के तौर पर संस्थान की लेजर लाईट स्केटरिंग सुविधा का उपयोग एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली और आई.यू.सी.डी.ए.ई, मुम्बई द्वारा किया जा रहा है। ए.पी.एम. सुविधा का उपयोग एस.एस.पी.एल., दिल्ली, आई.आई.टी. दिल्ली, आर.आर.आई. बंगलौर, एन.एस.सी., नई दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है।

dI;Vj lfo/kk,

पिछले कुछ वर्षों में भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में कंप्यूटर सिम्युलेशन ने भौतिकी और रसायनिकी के विकास विशेषकर नानलिनियरटीज और फ्रीडम की कई डिग्रीस के सिस्टम के संदर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान ने अब अपनी

कंप्यूटर सुविधाओं में पर्याप्त वृद्धि कर ली है। संस्थान के पास हैवी कंप्यूटिंग सुविधाओं को सरल बनाने के लिए अनेक हाई–स्पीड वर्कस्टेशन (सिलिकान ग्राफिक्स मशीन, कामपेक एक्स.पी. 1000 और सन अल्ट्रा 60स) उपलब्ध है।

vfrfFk f'k{kd

प्रो. जे.बी. बरात, यूनिवर्सिटी आफ लियोन, ने सी.ई.एफ.आई.जी.आर.ए. परियोजना 2604–2 के अन्तर्गत प्रो. एस. पी. दास के साथ संस्थान का दौरा किया।

i:dk'ku

'kk/k vky:[k

- आर. राजारमण, 'मैथ मैटिक्स ऐंड द रिअल वर्ल्ड (आमंत्रित आलेख), करंट साइंस 88 : 360–366
- आर. राजारमण, 'न्यूक्लियर सिविल डिफेंस इन साउथ एशिया : इज इट फिजीबल ? (जिआ मियान और ए.एच. नय्यर के साथ), द इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग 39, 46/47 : पृ. 5017–5026, नवम्बर 20, 2004
- आर. राजारमण, 'केप द न्यूक्लियर आर्सेनल नाउ' द हिन्दू (सम्पादकीय पृष्ठ), 25 जनवरी 2005
- आर. राजारमण, 'पोटेंशियल ग्राउंड जीरो द हिन्दुस्तान टाइम्स (सम्पादकीय पृ.), 11 जनवरी 2005
- आर. राजारमण, रिड्यूसिंग न्यूक्लियर रिस्क (एम.वी. रमण के साथ) द हिन्दु, (सम्पादकीय पृष्ठ) 4 जून 2004
- आर. राजारमण, 'वेन अर्ली वार्निंग इज नो वार्निंग (जिआ मिआन और एम.वी. रमण के साथ), द न्यूज, इस्लामाबाद, 2 जुलाई, 2004
- डी. कुमार और ब्रोजेन सिंह, 'इलेक्ट्रान डी–लोकलाइजेशन इन डिसार्डर्ड फिल्म्स इंड्यूस्ड बाई मैगनेटिक फील्ड ऐंड फिल्म थिकनेस' फिजिक्स रिव्यू, बी 69, 115420, 2004
- डी. कुमार और वी. मलिक, 'फार्मेशन आफ द कूलम्ब गेप इन कूलम्ब ग्लास' फिजिकल रिव्यु 369, 153103, 2004
- डी. कुमार एस शुक्ल,एन.एन. शुक्ल और आर. प्रसाद, 'मेटल–इंसुलेटर ट्रांजिशन इन टेट्राहेड्रल सेमिकंडक्टर्स अंडर लैटिस चैंज, अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका – मार्डन फिजिक्स बी, 18 975, 2004
- डी. कुमार और आर. मेहरोत्रा, 'पैटर्नस इन मेल्टिंग स्नो ऐंड वेपर डिपाजिटिड लेयर्स', फिजि. रिव्यु लैटर्स, 92, 254502, 2004
- डी. कुमार और एस. सूरी, 'ऐजिंग ऐंड इक्विलिब्रियम फ्लक्चुऐशंस फार डोमेन ग्रोथ इन टेरनेरि मिक्चर्स', फिजि. रिव्यु लैटर्स, 93, 025701, 2004
- डी. कुमार और एस. पुरी, 'आटोकोरिलेशन फंक्शंस फार फेज सेपरेशन इन टेरनेरि मिक्चर्स' फिजि. रिव्यू ई–70, 0515501, 2004
- आर. रामास्वामी, एस. दत्ता, टी. जागेर और जी. केलर, 'आन डायनेमिक्स आफ द क्रिटिकल हार्पर मैप', नानलिनियरिटी 17:2315–2323, 2004
- आर. रामास्वामी, बी.के. सिंह, जे. सुब्बा राव और एस. सिन्हा, 'द रोल आफ हिट्रोजेनिटी आन द स्पेटिओटेम्पोरल डायनेमिक्स आफ होस्ट–पेरासाइट मेटापाप्यूलशंस इकोलाजिकल माडलिंग 1801435, 2004
- आर. रामास्वामी, आर.एस. दत्ता और ए. प्रसाद, 'फ्रेक्टलाइजेशन रूट टु स्ट्रेंज नान–केआटिक डायनेमिक्स' फिजि. रिव्यु ई–70, 046102–1–9, 2004
- आर. रामास्वामी, और ए. घोष, 'क्लस्टर–वेटिड माडलिंग : एस्टिमेशन आफ द लियापुनोव स्पेक्ट्रम इन ड्राइवन सिस्टम्स' फिजि. रिव्यु ई 71, 016224–1–6, 2005

- आर. रामास्वामी, ए. मुदी और सी. चक्रवर्ती, 'स्पेंक्ट्रल सिग्नेचर्स आफ द डिफ्यूजनल एनामलि इन वाटर' जर्नल आफ कैमिकल फिजिक्स 1229, 104507–1–8, 2005
- आर. रामास्वामी, 'द नेचरल इफेक्टिवनेस आफ मैथमेटिक्स इन द बायोलाजिकल साइंसिस', करंट साइंस, बंगलौर 88 : 381–87, 2005
- आर. रामास्वामी, एन गुप्ता और आर. राय, 'ए. पर्सपेक्टिव आन नानलिनियर डायनेमिक्स', प्रमाण–64 : 307–313, 2005
- ए. पाण्डेय, एस.के. सरकार और जी.एस. मठारू, 'यूनिवर्सेलनिटी इन द वाइब्रेशनल स्पेक्ट्रा आफ सिंगल–कम्पोनेंट अमोरफस क्लस्टर्स', फिजी. रिव्यु लैटर्स 92, 215503 (1–4), 2004
- ए. पाण्डेय, 'ब्राउनियन–मोशन माडल आफ क्वांटम–केआटिक स्पेक्ट्रा : एग्जैक्ट टु–लेवल कोरिलेशंस फार ट्रांजिशंस टु सी.यू.ई.' फेज ट्रांजिशंस 77 : 835–861, 2004
- ए. पाण्डेय, एस. पुरी और एस. कुमार 'लोंग–रेंज कोरिलेशंस इन क्वांटम केओटिक स्पेक्ट्रा' फिजी. रिव्यु ई. (प्रकाशनाधीन) 2005
- ए. पाण्डेय, जी.एस.मठारू और एस.के. सरकार 'वाइब्रेशनल स्पेक्ट्रा आफ एमारफस क्लस्टर्स यूनिवर्सल आस्पेक्ट्स' फिजी. रिव्यू बी को प्रेषित
- एच.बी. बोहिदार, एम.ए. आबेद और ए. सक्सेना 'माइसिलाईजेशन आफ एल्फा ओलफिन–सल्फोनेट इन एक्यूइयस सोल्यूशंस स्टडिड बाई टर्बिडिटी, लाइट स्कैटरिंग ऐंड विस्कोमिट्री', कोलाइड्स ऐंड सर्फेस ए, 233 : 181–187, 2004
- एच.बी. बोहिदार, और एम.ए. आबेद, 'जिलेटिन–अल्फा–ओलेफिन सर्फेक्टेंट इंटरएक्शंस स्टेडिड बाई डी.एल.एस., अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका बायोल मेक्रोमोल्स 34 : 49–54, 2004
- एच.बी. बोहिदार और वी.मोहन्ती, 'ए.एम.एफ. स्टडी आफ जिलेटिन क्रोअसर्वेशन अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, पोलिम मैट 54 : 1–8, 2005
- एच.बी. बोहिदार, बी. मोहन्ती और वी.के. असवाल, 'स्माल ऐंगल न्यूट्रान ऐंड डायनेमिक लाइट स्कैटरिंग स्टडी आफ जिलेटिन कोअसर्वेशट्स, पत्रिका फिजिक्स प्रमाण 63 : 271, 2004
- एस. पुरी, 'आर्डरिंग डायनेमिक्स इन डिसार्डर्ड सिस्टम्स', फेज ट्रांजिशन 77 : 469, 2004
- एस. पुरी,और डी. कुमार, 'ऐजिंग ऐंड इक्विलिब्रियम फ्लक्चुशंस फार डोमेन ग्रोथ इन टेरनरि मिक्चर्स' फिजि. रिव्यु लैटर्स 93 : 025701, 2004
- एस. पुरी और डी. कुमार 'आटोकोरिलेशन फंक्शंस फार फेज सेपरेशन इन टेरनेरि मिक्चर्स', फिजि. रिव्यु ई. 70, 051501, 2004
- एस. पुरी, आर. पॉल और एच. रीगर, 'डोमेन ग्रोथ इन रेनडम मैगनेट्स',यूरोफिजिक्स लैटर्स, 68 : 881, 2004
- एस. पुरी, सर्फेस–डायरेक्टिड स्पिनोडल डीकम्पोजिशन; फिजिक्स कंडेस्ड मैटर 17 : आर. 101, 2005
- एस. पुरी, वी. बैनर्जी और एस.के. दास, 'हिस्टीरिसिस ऐंड एवालांचिस इन द टी 0 डायनेमिक्स आफ स्पिन ग्लासिस, फिजि. रिव्यु ई. 71 : 02615, 2005
- एस.पी. दास और यू. हरबोला, 'डायनेमिक्स हीट्रोजेनिटीज इन ए बाइनरि मिक्सचर' अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका मार्डन फिजिक्स, 1299, 2004
- एस.पी. दास, 'मोड–कपलिंग थीअरि ऐंड ग्लास ट्रांजिशन इन सुपर–कूल्ड लिक्विड्स' रिव्यू आफ मार्डन फिजिक्स, 76 : 785, 2004
- आर. घोष और ए.के. हाफिज, 'थीअरि आफ द फंडामेंटल लाइनविड्थ आफ ए टु–मोड लेजर' जर्नल आफ आप्टिक्स बी : क्वांटम ऐंड सेमी क्लासिकल आप्टिक्स 6 : 276, 2004

- आर. घोष, ए.के. हाफिज, पी. मोनिअर, सी.कोजोकारू, एफ. रेनरि, ए. लेवंसन और आर. राज 'ब्लु शिफ्ट इन ए वन – डायमेंशनल फोटोनिक क्रिस्टल डयू टु इंटरफेरेंस आफ सैकिंड – ऐड – थर्ड – आर्डर नानलिनियर इंटरएक्शंस (प्रोसीडिंग्स आफ द सेवेंथ इंटरनेशनल कांफ्रेस आन आप्टो इलेक्ट्रानिक्स), फाइवर आप्टिक्स ऐंड फोटोनिक्स, 2004
- एस.के. सरकार, जी.एस. मठारू और ए. पाण्डेय, फिजिकल रिव्यु लैटर्स 92 : 215503, 2004
- पी. सेन, जे. घोष, जी. प्रभुलिंगियाह और डी.एम.आर. शेखर, 'इंटरनल मार्फोलाजी ऐंड इंजीनियरिंग प्रोपर्टीज आफ एस.एम.एस. ग्रेड लाइमस्टोन सेंपल्स', इण्डियन जर्नल आफ माइंस ऐंड मिनरल्स, अक्टूबर 2004
- पी. सेन, जी. प्रभुलिंगियाह, जे. घोष और डी.एम.आर. शेखर, 'ए टेस्ट फार एस.एम.एस. ग्रेड लाइमस्टोन' इण्डियन जर्नल आफ मैटिरियल होस्टिंग, नवम्बर 2004
- पी. सेन और एन. गोस्वामी, 'वाटर इंडयूस्ड स्टेबिलाइजेशन आफ जैड.एन.एस. नेनोपार्टिकल्स', सालिड स्टेट कम्युनिकेशंस 132 : 791–794, अक्टूबर 2004
- पी. सेन, जे. अख्तर और एस.के. लमिछाने, 'थर्मल–इंडयूस्ड नार्मल ग्रेन ग्रोथ मैकेनिज्म इन एल.पी.सी.वी.डी. पालिसिलिकॉन फिल्म', मेटिरियल साइंस ऐंड सेमिकंडक्टर प्रोसेसिंग, जनवरी 2005
- पी. सेन, एस. कुमार, के. चौधरी और एस.के.गुहा, 'आटोमिक फोर्स माइक्रोस्कोपी : ए पावरफुल टु फार हाई रिजोल्यूशन इमेजिंग आफ स्पर्माटोजोआ', जर्नल आफ नेनोबायोटेक्नालाजी, फरवरी 2005
- पी. सेन, एम. असनानी, जे. थामस और ए. रमणन, 'फार्मेशन आफ वेनाडियम फास्फेट नैनोराड्स इन एक्यूअस सोल्यूशंस', नैनोलेटर्स मार्च 2005
- एस. घोष और आर. अग्रवाल, 'इलेक्ट्रिक–फील्ड–इंड्यूस्ड कंडेक्टेंस ट्रांजिशन इन 8–हाइड्रोक्सी क्यूनोलिन एल्युमिनियम (ए.एल.क्यू. 3)' जर्नल आफ एप्लाइड फिजिक्स, भाग 96 : 3583–3585, 2004
- एस. घोष 'स्लो रिलेक्सेशन आफ नैनो इक्विलिब्रेटिड फोटो–केरियर्स इन सेमिकंडक्टर्स', फेज ट्रांजिशंस, 77 : 791–821, 2004
- एस. घोष, अंजना और पी.के. चट्टोपाध्याय, 'डार्क ऐंड ब्राइट एक्साइटोनिक स्टेट्स इन नाइट्रेट क्वांटम डाट्स', फिजिकल रिव्यु बी 71 : 115327 (0–9) , 2005
- एस. घोष, एस.एम.इकबाल, जी. बालासुंदरम, डी.ई. बर्जस्ट्रोम और आर. बशीर, 'डी.सी. इलेक्ट्रिकल करेक्ट्राइजेशन आफ डी.एस.–डीएन.ए. यूजिंग इन नैनो–गेप जंक्शंस', एप्लाइड फिजिक्स लैटर 86 : 153901–153902, 2005
- एस. पट्टनायक, ए. गुरविक, एस.डी. बु, जे. चोई, सी.बी. इओम और डी.सी. लारबालेस्टियर 'थर्मली एक्टिवेटिड करंट ट्रांसपोर्ट इन एम.जी. बी2, फिजीकल रिव्यु बी, 70 : 064503, 2004
- एस. पट्टनायक, ए. गुरविच, वी. ब्रासिनी, के.एच. किम, सी.मिल्के,एक्स सांग, एल.डी. कुले, एस.डी. बु, डी.एम. किम., जे.एच.चोई,एलजे.बेलेन्की, जे. जेनके,एम.के.ली, डब्लयू तिआन, एक्स. क्यू. पेन, ए.सिरी.ईई.हेलस्ट्रोम, सी.बी. इओम, डी.सी. लार्वेलेस्टियर', 'सिग्निफिकेंट एनहांसमेंट आफ द अपर क्रिटिकल फील्ड इन द टु गेप सुपरकंडक्टर एम.जी.बी.2 बाई सलेक्टिव ट्यूनिंग आफ इमप्यूरिटी स्कैटरिंग', सुपरकंडक्टर साइंस ऐंड टेक्नालाजी, 17 : 278, 2004
- एस. पट्टनायक, एस.डी. कौशिक, श्रीकांत सैनी, आर.जे. चौधरी, रवि कुमार, सी.एल. प्रजापत, जी. यशवंत और पी.के. मिश्र, सब स्टेंसियल एनहांसमेंट इन सुपरकंडक्टिंग प्रोपर्टीज आफ एम.जी.बी2 आफ्टर एस.आई+8 आयोन इराडिएशन" (49वीं डी.ए.ई. सालिड स्टेट सिम्पोजियम 2004 के कार्यवृत्त में शामिल करने हेतु)
- एस. पट्टनायक, सी.एस. यादव, आई नायक और ए.के. रस्तोगी, "इलेक्ट्रोनिक ट्रांजिशन इन फी इंटरकालेटिड आई.टी. – वी.एस.ई.2" (49वीं डी.ए.ई. सालिड स्टेट सिम्पोजियम 2004 के कार्यवृत्त में शामिल करने हेतु)

iLrd

- एस. पुरी और एस. दत्तागुप्ता, "डिसीपेटिव फिनोमिना इन कंडेंस्ड मैटर : सम एप्लीकेशंस, स्प्रिंगर सिरीज इन मैटिरियल साइंस" 71, स्प्रिंगर–वेरलाग, हीडलबर्ग 2004
- एस.पुरी (सम्पादक) और वी.के. वधावन, "कायनेटिक्स आफ फेज ट्रांजिशंस : मेसोस्केल स्ट्रक्चर, पैटर्न फार्मेशन ऐंड डिसार्डड सिस्टम्स, फेज ट्रांजिशंस 77 (2004) ऐंड नान इक्विलिब्रियम स्टेटिस्टिकल फिजिक्स : फार–फ्राम–इक्विलिब्रियम सिस्टम्स, स्लो डायनेमिक्स, ग्रेनुलर मैटिरियलस, फेज ट्रांजिशंस 77 (2004)

'kks/k ifj;kstuk

- एच.बी. बोहिदार, डी.बी.टी. परियोजना, "एनकेप्सुलेशन आफ पेपटाइट्स इन नैनोस्फिअर्स फार टार्गेटिंग आई.डी.डी.एम"
- एस.पी. दास, इण्डो–फ्रेंच परियोजना 2604–2 "स्टेटिस्टिकल फिजिक्स आफ सुपरकूल्ड लिक्विड्स"
- एस. घोष, फेब्रिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ मोलिक्यूल–बेस्ड नैनोस्ट्रक्चर (डी.एस.टी. द्वारा वित्तपोषित)
- एस. पटनायक, "इलेक्टोनिक एनिसोट्रपी आफ एम.जी.बी.–2, विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (राशि नवम्बर 2004 में प्राप्त हुई)

jk"Vªh;@vUrjk"Vªh; lEesyuksa@cSBdksa@dk;Z'kkykvksa esa ifrHkkfxrk

- आर राजारमण ने 12 से 15 अक्टूबर 2004 तक नानजिंग चीन में 'इंटरनेशनल सिक्युरिटी' पर आयोजित 9वीं पी. आई.सी. बिजिंग संगोष्ठी में भाग लिया और एक सत्र की अध्यक्षता की।
- आर राजारमण ने 4 से 9 अक्टूबर 2004 तक सिओल, दक्षिण कोरिया में आयोजित 'साइंस ऐंड द वर्ल्ड अफेयर्स' विषयक 54वें पुगवाश सम्मेलन में भाग लिया और 'प्रोस्पेक्ट्स इन डिसर्मामेंट इन साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर राजारमण ने 27 सितम्बर 2004 को कोमो, इटली में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला और गोलमेज परिचर्चा में 'सिक्युरिटी इश्यूज ऐंड इकोनोमिक को–आप्रेटिव डायमेंशन इन साउथ एशिया : टुवर्ड्स ए रीजनल स्टेबिलिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर राजारमण ने 27 जुलाई 2004 को आयोजित 'रेनसक' कार्यशाला में "एक्सपैंडिंग थ्रेट रिडक्शन" विषयक परिचर्चा की।
- डी. कुमार ने 10 से 15 मार्च 2005 तक भारतीय विज्ञान अकादमी, बंगलौर के तत्वावधान में आयोजित "क्वांटम कंप्यूटर्स" विषयक कार्यशाला आयोजित की।
- एस. पुरी ने जुलाई 2004 में आई.यू.पी.ए.पी. के 'स्टेटिस्टिकल फिजिक्स' पर आयोजित 22वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंटरप्ले आफ वेटिंग ऐंड फेज सेपरेशन ऐट सर्फेसिस' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. पुरी ने कोलकाता में जुलाई 2004 में आयोजित स्टेटफिस–22 की सेटेलाइट बैठक में 'ऐजिंग ऐंड डोमेन ग्रोथ इन टेर्नेरी मिक्सचर्स, पैटर्न फार्मेशन इन नान इक्विलिब्रियम सिस्टम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने वाराणसी में जुलाई 2004 में 'स्टेटफिस–22 की सेटेलाइट बैठक में 'एजिंग ऐंड डोमेन ग्रोथ इन टेर्नेरी मिक्सचर्स डिसार्डड, कम्पलेक्सिटी ऐंड बायोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने नवम्बर 2004 में एस.पी.एस. ओपन हाउस, नई दिल्ली में 'पैटर्न फार्मेशन ऐंड केआस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने मार्च 2005 में नई दिल्ली में आयोजित 'मेसोस्कोपी फिजिक्स' विषयक संगोष्ठी में 'डायनेमिकल प्रोपर्टीज आफ ग्रेनुलर मैटिरियल्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एस. पुरी ने मार्च 2005 में एडवांस्ड स्कूल इन स्टेटिस्टिकल ऐंड कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स, बैंगलौर में 'काइनेटिक्स आफ फेज ट्रांजिशंस' विषयक तीन व्याख्यान दिए।
- एस.पी. दास ने 22 जून और 28 जुलाई 2004 को बैंगलौर में 'स्टेटफिस' विषयक स्टेलाइट बैठक में 'यूनिफाइंग कंसेप्ट्स इन ग्लास फिजिक्स–III' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. दास ने 4–9 जुलाई 2004 को 'भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में आयोजित 'स्टेटफिस–22' '22वीं इंटरनेशनल कांफ्रेस आन स्टेटिस्टिकल फिजिक्स आफ द इंटरनेशनल यूनियन आफ प्यूर ऐंड एप्लाईड फिजिक्स' के 10.3 सत्र की अध्यक्षता की।
- एस.पी. दास ने 12 से 15 जुलाई 2004 तक हयामा, जापान में आयोजित 'पोस्टर प्रजेंटेशन इन स्टेटिस्टिकल फिजिक्स आफ डिसार्डड सिस्टम्स ऐंड इट्स एप्लिकेशंस' विषयक संगोष्ठी में 'स्ट्रक्चरल रिलेक्सेशन इन ए बाइनरी मिक्सचर' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. घोष ने 11 अगस्त 2004 को इण्डियन एसोसिएशन फार कल्टीवेशन आफ साइंस, जादवपुर, कोलकाता में प्रो. सी.के. मजुमदार की स्मृति में आयोजित सैद्धांतिक भौतिकशास्त्र विभाग की वार्षिक बैठक में 'फिजिक्स ऐट इंटरफेरेंस' विषयक परिचर्चा की।
- आर. घोष ने 26 फरवरी 2005 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में आयोजित 'नान–लिनियर सिस्टम्स ऐंड डायनेमिक' विषयक द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन में नान–लिनियर आप्टिक्स विद फोटोनिक क्रिस्टल विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. घोष ने नोट्रडेम, यू.एस.ए. में आयोजित टी.एम.एस. इलेक्ट्रानिक मेटिरियल्स कांफ्रेस में 'करंट इनजेक्शन मैकेनिज्म इन मैटल / मोलिक्यूलर – आरगेनिक – सेमिकंडक्टर / मेटल स्ट्रक्चर्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. पट्टनायक ने 9–14 जनवरी 2005 को टी.आइ.एफ.आर., मुम्बई में आयोजित इंटरनेशनल वोर्टेक्स डायनेमिक्स सिम्पोजियम में 'थर्मली एक्टिवेटिड वोर्टेक्स डायनेमिक्स इन एम.जी.बी.2' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पट्टनायक ने 20–21 जनवरी 2005 को इंस्टीट्यूट आफ फिजिक्स, को भुवनेश्वर में आयोजित 'एडवांस्ड मेटिरियल्स ऐंड इट्स एप्लीकेशंस विषयक ब्रेनस्ट्रोमिंग सत्र में 'डायरेक्शंस इन सुपरकंडक्टिविटी रिसर्च' विषयक आलेख दिया।
- पी. सेन और वी. पंवार, 'कनसंट्रिक रिंग फार्मेशन इन ए सेल्फ–आरगेनाइजिंग मैटेलिक सिस्टम्स,(सम्मेलन ए.ए. : ए.ए. 8.15) डायनेमिक, सेल्फ–आरगेनाइजिंग सिस्टम्स इन मल्टीफंक्शनल नैनोमेटिरियल्स ऐंड नेनोस्ट्रक्चर्स' (एम.आर.एस. स्प्रिंग मीटिंग) मेटिरियल्स रिसर्च सोसायटी, फिलोडेल्फिया, यू.एस.ए. सम्पादक (डेरिल वाई. सासाकी)
- पी. सेन और एन. गोस्वामी, इम्प्रूव्ड क्रिस्टेलिटी आफ जिंक सल्फाइड नेनोपार्टिकल्स इन एक्वेअस एनवायरनमेंट, सिम्पाजियम जैड : (जैड 3.1) केमिस्ट्री आफ नेनोमेटिरियल सिंथेंसिस ऐंड प्रोसेसिंग (एम.आर.एस. स्प्रिंग मीटिंग, मार्च 2005, मेटिरियल साइंस सोसायटी, फिलाडेल्फिया, यू.एस.ए. सम्पादक जेम्स वायग)
- पी. सेन, आर्टिफिशियल स्ट्रक्चर्स इन सिंगल क्रिस्टासलाइन लैटिस इन नानलिनियर डबल डे 2005, यूनिवर्सिटी आफ सेविले, सेविले, स्पेन (मार्च 2005, सम्पादक जे. आर्किले)
- पी. सेन और ओ. प्रकाश, चार्ज डेनसिटी मैपिंग यूजिंग फोर्स–डिस्टेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी, सिम्पोजियम – एफ सर्फेस इंटरफेसिस ऐंड थिन फिल्म्स (एफ.ओ. 4) (डी.ए.ई. सालिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम, अमृतसर दिस. 2004, सम्पादक जे.वी. याखमी)

f'k{kdk d 0;k[;ku ¼fo'ofo|ky; l ckgj½

- आर. राजारमण ने 27 दिसम्बर 2004 को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की चेन्नई में आयोजित वार्षिक बैठक के अवसर पर आयोजित 'टुवर्डस ए को–इवोल्यूशन आफ साइंस ऐंड सोसायटी' विषयक संगोष्ठी में 'साइंस इन आवर यूनिवर्सिटी, प्राब्लम्स ऐंड प्रोस्पेक्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. राजारमण ने 17 जनवरी 2005 को गांधी ग्राम में आयोजित भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस के प्लेनरी सेशन में 'राइडिंग द टेक्नालाजिकल टाइगर' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- डी. कुमार ने 7 जुलाई, 2004 को भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर के 'स्टेटिस्टिकल फिजिक्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पैटर्न फार्मेशन इन थिन फिल्म्स अंडर हीट फ्लो' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- डी. कुमार ने 22 नवम्बर 2004 को ए.एस.आर.डी. कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'क्वांटम कंप्यूटर्स ऐंड इनफार्मेशन प्रोसेसिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी. कुमार ने 22 मार्च 2005 को सरदार पटेल विश्वविद्यालय, विद्यानगर, गुजरात में 'क्वांटम फिजिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी. कुमार ने 29 मार्च 2005 को दयालबाग शैक्षिक संस्थान, आगरा में 'क्वांटम इनफोर्मेशन प्रोसेसिंग ऐंड क्वांटम रिएलिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 6 जुलाई 2004 को बंगलौर में आयोजित स्टेटफिस 22 संगोष्ठी में 'नानलिनियर डायनेमिकल सिस्टम विद पेरामिट्रिक माडयूलेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 12–15 जुलाई 2005 को पी.एन.एल.डी., चैन्नई में 'पर्सपेक्टिव्स इन नानलिनियर डायनेमिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने नवम्बर 2004 में मेरीलैण्ड विश्वविद्यालय, बाल्टीमोर कांउटी, ब्राइन मावर कालेज, फिलाडेलफिया, में 'ड्राइवन नान–लिनियर डायनेमिकल सिस्टम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने दिसम्बर 2004 में यूनिवर्सिटी आफ टोरन्टो में 'स्पेशिओटेम्पोरल कोरिलेशंस इन लिक्विड वाटर : इफ नायस ऐज ए प्रोब' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने मार्च 2005 में यूनिवर्सिटी आफ एरिजोना, टकसन, में (द मोसाइक आफ द जिनोम : मार्कोव माडल्स आफ सेगमेंटेशन' विषयक व्याख्यान दिया।)
- एच.बी. बोहिदार ने 18–20 नवम्बर 2004 को जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित 'साफ्ट मैटर' विषयक सम्मेलन में 'काइनेटिक्स आफ पालीइलैक्ट्रोलाइट जेल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एच.बी. बोहिदार ने 25 सितम्बर 2004 को एस मैटी फाउंडेशन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 'चार्ज न्यूट्रलाइज्ड कम्प्लेक्सिस आफ बायोपालिमर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एच.बी. बोहिदार ने 8 दिसम्बर 2004 को एन.आई.टी. इलाहाबाद के क्षेत्रीय प्रशिक्षण कोर्स में 'स्मार्ट पोलिमर जेल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एच.बी. बोहिदार ने मई 2004 में डिपार्टमेंट आफ केमिकल टेक्नालाजी, डेलफ्ट यूनिवर्सिटी आफ टेक्नालाजी, नीदरलैण्ड में 'काइनेटिक्स आफ इन होमोजिनस कूलिंग इन ग्रेनुलर फ्लुइड्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने मई 2004 में इंस्टीट्युट फार थीअरिटीकल फिजिक्स, यूट्रेक्ट यूनिवर्सिटी, नीदरलैण्ड में 'नान इक्विलिब्रियम जिंजबर्ग–लेंडाउ इक्वेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने नवम्बर 2004 में 'भौतिक विज्ञान विभाग, आई.आई.टी. कानपुर में 'नानइक्विलिब्रियम डायनेमिक्स इन द कम्प्लेक्स जिंजबर्ग – लेंडाउ इक्वेशन' विषयक व्याख्यान दिया।

- एस. पुरी ने मार्च 2005 में भौतिक विज्ञान विभाग बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में "काइनेटिक्स आफ वैटिंग ऐंड फेज सेपरेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने मार्च 2005 में भौतिक विज्ञान विभाग बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में "स्पाइरल डायनेमिक्स इन द कम्प्लेक्स जिंजबर्ग–लेंडाउ इक्वेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. दास ने अप्रैल 2004 में भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में 'आप्टिमम वेकेंसी कनसेंट्रशन इन ए सालिट' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. दास ने अप्रैल 2004 में इंस्टीट्यूट आफ मैथमेटिकल साइंस, चेन्नई में 'आप्टिमम वेकेंसी कनसेंट्रेशन इन ए सालिड' विषयक व्याख्या दिया।
- एस.पी. दास ने जून 2004 में एस.एन. बोस नेशनल सेंटर फार बेसिक साइंस, में 'वायड्स इन अमार्फस स्ट्रक्चर : ए डी.एफ.टी अप्रोच' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. दास ने जुलाई 2004 में टाटा इंस्टीच्युट आफ फंडामेंटल रिसर्च में 'वायड्स इन अमार्फस स्ट्रक्चर : ए डी.एफ.टी. अप्रेच' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. दास ने सितम्बर 2004 में भौतिक विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में 'टेम्प्रेचर्स आफ ग्लास ग्रेज्युऐशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. दास ने सितम्बर 2004 में आई.आई.टी., रूड़की में 'टेम्प्रेचर्स आफ ग्लास ग्रेज्युऐशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. घोष ने 13 अगस्त 2004 को बेथुन कालेज, कोलकाता में 'चैंजिंग पैराडिग्म्स इन फिजिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने 4 मार्च 2005 को यूनिवर्सिटी आफ सेविले, सेविले, स्पेन में 'आर्टिफिशियल स्ट्रक्चर्स इन सिंगल क्रिस्टालिन लैटिसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने 7 मार्च 2005 को नवल रिसर्च लेबोरेट्री, वाशिंगटन डी.सी. में 'लार्ज इलेक्ट्रोनिक एक्साइटेशन ऐंड आर्टिफिशियल स्ट्रक्चर्स इन सिंगल क्रिस्टल' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने 10 नवम्बर 2004 को इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में 'ए रिवोल्युशन इन द वे वी.सी. : निअर फील्ड सेंसिंग ऐंड द माइक्रोस्कोप' विषयक व्यख्यान दिया।
- पी. सेन ने 11 दिसम्बर 2004 को श्री वेंकेटश्वर कालेज में 'नैनोटेक्नालाजी : पालिसी ऐंड गाइडलाइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने 15 मार्च 2004 को जेपी संस्थान में 'नेनोटेक्नोलाजी : स्कोप इन द फिजिकल साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने 23 सितम्बर 2004 को सेंट स्टीफन कालेज, दिल्ली में 'स्कैनिंग प्रोब माइक्रोस्कोपी ऐंड इट्स एप्लिकेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने 20 जनवरी 2005 को वसन्त वेली स्कूल, नई दिल्ली में 'नैनोटेक्नालाजी : स्कोप इन द नेचुरल साइंसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. घोष ने पुरड्यू यूनिवर्सिटी, वेस्ट लाफायेते, यू.एस.ए. में 'फिजिक्स ऐंड टेक्नालाजी विद आरगेनिक मोलक्यूल्स' विषयक व्याख्यान दिया।

i;jLdkj@lEeku@v/;;rkofÙk;k

- आर. राजारमण – जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा इमिरेट्स प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया।
- एस.पी. दास, वर्ष 2005 में भारतीय विज्ञान अकादमी, बंगलौर के सदस्य चुने गए।

eMyk@lfefr;ka dh lnL;rk ¼fo'ofo|ky; ls ckgj½

- आर. राजारमण, परिषद सदस्य, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (2004–2006); सदस्य, सम्पादक मण्डल, साइंस ऐंड ग्लोबल सिक्युरिटी (टेलर ऐंड फ्रांसिस पब्लिशर्स, यू.एस.ए.); सदस्य कांउसिल आफ द इंटर–यूनिवर्सिटी सेंटर फार एस्ट्रोनामी ऐंड एस्ट्रोफिजिक्स, पुणे, इण्डिया (2003–2004)
- एच.बी. बोहिदार, सदस्य, विद्या परिषद, सी.सी.एम.बी., हैदराबाद; सदस्य, अकादमिक समिति, सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, पुणे; सदस्य, विद्या समिति, नाभिकीय विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली

lkekftd foKku laLFkku

सामाजिक विज्ञान संस्थान विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा स्नातकोत्तर संस्थान है। इसमें विभिन्न केंद्रों के एम.ए./एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रत्येक वर्ष 500 से अधिक छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। संस्थान में कोई भी स्नातक पाठ्यक्रम नहीं है, तथापि संस्थान अन्य संस्थानों के छात्रों के लिए कुछ स्नातक कोर्स चलाता है। वर्ष 2004–2005 के अन्त में संस्थान में लगभग 150 शिक्षक थे।

संस्थान में कुल 9 केंद्र हैं। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विशेष रूप से वित्तपोषित 'महिला अध्ययन कार्यक्रम' तथा 'प्रौढ़ अनुवर्ती शिक्षा और विस्तार' की एक विशेष यूनिट है। संस्थान में समसामयिक इतिहास पर एक अभिलेखागार और शैक्षिक शोध रिकार्ड यूनिट भी है। संस्थान में निम्नलिखित 9 केंद्र हैं :

1. राजनीतिक अध्ययन केंद्र
2. सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र
3. ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र
4. आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र
5. क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र
6. जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र
7. सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
8. विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र
9. दर्शनशास्त्र केंद्र

संस्थान के दर्शनशास्त्र केंद्र (जो हाल ही में संस्थान के साथ जुड़ा है) को छोड़कर सभी केंद्रों में एम.फिल./पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में छात्र पंजीकृत हैं, जबकि एम.ए. पाठ्यक्रम केवल निम्नलिखित पांच केंद्रों में ही चलाए जाते हैं, ये केंद्र हैं :

1. राजनीतिक अध्ययन केंद्र
2. सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र
3. ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र
4. आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र
5. क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

संस्थान में एक सजीव शैक्षिक वातावरण है। प्रत्येक केंद्र में सामान्यतः सप्ताह में एक या दो बार नियमित रूप से सेमिनार आयोजित किये जाते हैं। इसके अतिरिक्ति, संस्थान स्तर पर भी संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। इनमें प्रतिष्ठित विद्वान भाग लेते हैं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने दो व्याख्यान आयोजित किए। पहला व्याख्या 1 सितम्बर 2004 को जर्मन फेडरल स्टेट आफ बवेरिया के विधि मंत्री डा. बीट मर्क ने 'द फ्यूचर आफ द यूरोपियन कांस्टिट्यूशन : डिमाण्ड्स ऐंड रिएलिटीज' विषय पर दिया। दूसरा व्याख्यान 9 सितम्बर 2004 को मेजी गाकुइन यूनिवर्सिटी, जापान के इमिरेट्स प्रोफेसर एस. हिराशिमा ने 'इकोनोमिक डिवलपमेंट इन जापान विद स्पेशल रिफ्रेंस टु एग्रीकल्चर' विषय पर दिया। संस्थान ने 16 फरवरी 2005 को 'इंप्लाएमेंट गारण्टी इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी भी आयोजित की। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान के विभिन्न केंद्रों ने भी सम्मेलन/संगोष्ठियां आयोजित कीं। संस्थान के विभिन्न केंद्रों द्वारा कुछ

स्मारक व्याख्यान भी आयोजित किए गए, जिनमें विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं :

- आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र द्वारा 29 मार्च 2005 को आयोजित 13वां कृष्णा भारद्वाज स्मारक व्याख्यान। यह व्याख्यान दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास के पूर्व प्रोफेसर आर.एस. शर्मा ने 'रूरल रेलिक्स आफ इक्वेलिटी ऐंड इनइक्वेलिटी' विषय पर दिया।
- क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र द्वारा 29 सितम्बर 2004 को आयोजित मूनीस रजा स्मारक व्याख्यान प्रो. इरफान हबीब ने 'सेक्युलर वेल्युज इन हिस्ट्री' विषय पर दिया।

संस्थान ने सामाजिक विज्ञान और मानविकी अध्ययन से जुड़े सभी संस्थानों द्वारा निकाले गए प्रकाशनों में से आधे से ज्यादा महत्वपूर्ण प्रकाशन निकाले। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान के शिक्षकों की 291 से अधिक पुस्तकें, पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय और शोध आलेख प्रकाशित हुए। कई शोध छात्रों के आलेख राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की व्यावसायिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। शोध छात्रों के कई उच्च स्तरीय पी–एच.डी. शोध–प्रबंध भी प्रकाशित हुए।

संस्थान के शिक्षण एवं शोध पाठ्यक्रम में कतिपय नव प्रवर्तनकारी तत्व मिलते हैं। किसी एक विषय में गहन प्रशिक्षण के साथ–साथ बहु–विषयक अध्ययन व शोध में रूचि उत्पन्न करने का प्रयास किया जाता है। इसके लिए एक केंद्र के एक विषयक संरचना वाले पाठ्यक्रमों के छात्रों को अन्य केंद्रों के विषय पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसा करते समय छात्र की अभिक्षमता के साथ–साथ मुख्य विषय के साथ उन विषयों की सम्बद्धता को भी ध्यान में रखा जाता है। इस अनुभव से पता चलता है कि इसका छात्रों ने विशेषकर एम.फिल. स्तर पर पर्याप्त लाभ उठाया है। इसके परिणामस्वरूप शोध कार्य का क्षेत्र काफी विस्तृत हो गया है।

,frgkfld v/;;u dsUnz

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास में एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। केंद्र समसामयिक इतिहास में भी शिक्षण और शोध कार्यक्रम चलाता है। कुछ वर्षों से एक नई पद्धति शुरू की गई है, जिसके अनुसार छात्रों को एक विशेषीकृत विषय चुनना होता है और चुने गए विषय में काम से कम चार कोर्स पूरे करने होते हैं। इस समय उपलब्ध विषय हैं : आर्थिक इतिहास, सामाजिक एवं प्रसिद्ध आन्दोलन, राज्य एवं शक्ति और विचारधारा, संस्कृति एवं समाज। विशेषीकृत काल अनिवार्य है, जबकि विषय विशेषीकरण अनिवार्य नहीं है।

केंद्र समय–समय पर संगोष्ठियां आयोजित करता है। इन संगोष्ठियों में देश–विदेश के विश्वविद्यालयों के विद्वानों ने व्याख्यान दिए। केंद्र ने विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत 'पावर ऐंड कम्युनिकेशंस : काइन ऐज पोलिटिकल ऐंड कल्चरल डाक्युमेंट' तथा 'रिसेंट रिसर्च आन आस्पेक्ट्स आफ रिलिजन ऐंड सोसायटी इन अर्ली इण्डिया' विषयक कार्यशालाएं आयोजित कीं।

केंद्र ने 'स्टेट ऐंड सोसायटी इन द सेंट्रल इस्लामिक लैण्ड्स 7थ–13थ सेंचुरी' शीर्षक 4 क्रेडिट का एक नया कोर्स (सं. एम. 314/20) शुरू किया है।

समीक्षधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित संगोष्ठियां आयोजित की गई :

- डा. डेनियल जे रिक्रोफ्ट ने 11 अगस्त 2004 को 'सांतालिज्म ऐंड माडर्निटी : पालिटिको–कल्चरल इंटरवेंशंस इन इण्डियन आर्ट' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. अनिता इंदर सिंह ने 15 सितम्बर 2004 को 'वेन ऐंड वाई डिड द पार्टिशन आफ इण्डिया बिकम इनऐविटेबल ?' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. रतन परिमू ने 22 सितम्बर 2004 को 'इंटरप्रिटेशन आफ जातक स्टोरीज इन बुद्धिष्ट आर्ट' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

- प्रो. अशोक दास ने 29 सितम्बर 2004 को 'प्री मुगल्स पेंटिंग्स : प्राब्लम्स आफ प्रोविनेंस ऐंड पेट्रोनेज' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. इंदिवर कामतेकर ने 20 अक्टूबर 2004 को 'लुकिंग बियोंड फ्लग्स : द 1940स इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. विनायक चतुर्वेदी ने 27 अक्टूबर 2004 को 'विनायक ऐंड मी : हिन्दूत्व ऐंड द पालिटिक्स आफ नेमिंग' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. नाथन कात्ज़ ने 17 नवम्बर 2004 को 'हिस्टोरिकल ट्रेडिशंस आफ द कोचीन जुइस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. पेरी एंडरसन ने 18 नवम्बर 2004 को 'टुवर्डस ए कम्पेरिटिव हिस्ट्री आफ आइडिया आफ द इंटेलेक्चुअल' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. जेरस बानाजी ने 24 नवम्बर 2004 को 'प्रीशियस मेटल कोइनेजिस ऐंड मोनेट्री एक्सपेंशन इन लेट एंटीक्यूटी' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. नाताली जेमन डेविस ने 14 जनवरी 2005 को 'ट्रिकस्टर ट्रेवल्स : ए मास्लेम बिटवीन वर्ल्ड्स इन अर्ली मार्डन टाइम्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. थामस मेटकाफ ने 13 जनवरी 2005 को 'इम्पायर इन द इण्डियन ओशन एरिना 1860–1920' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. जमाल मलिक ने 19 जनवरी 2005 को 'लैटर्स, प्रिजन स्कैचिस ऐंड आटोबायोग्राफिकल लिट्रेचर : द केस आफ फज्ल–ए–हक खैरावादी इन 1857' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. शामियां सेन ने 9 फरवरी 2005 और 16 मार्च 2005 को 'सेकरिफाइस आफ ए डाटर : वूमन'स रिक्रूटमेंट फार असम टी प्लांटेशन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. संजय भट्टाचार्य ने 16 फरवरी 2005 को 'अनसर्टेन एडवांसिस : ए रिव्यु आफ द फाइनल फेज आफ द स्मालपोक्स इराडिकेशन प्रोग्राम इन इण्डिया 1960–80' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. रोसिंका चौधरी ने 22 फरवरी 2005 को 'इमेजिंग ए हिन्दू नेशन : ए नाइनटींथ सेंचुरी पोइटिक पर्सपेक्टिव' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. मृदु राय ने 23 फरवरी 2005 को 'टु टीअर द मास्क आफ द फेस आफ द पास्ट : आर्कियोलाजी इन द मैकिंग आफ कश्मीरी मुस्लिम प्रोटेस्ट' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. अलेग्जेंडर द्रोस्त ने 24 फरवरी 2005 को 'अरनेस्त–मार्तिज अरेंत–इडिविजुमलिज्म प्राइवेसी ऐंड सोशल रीप्रजेंटेशन इन क्लोनिअल स्पलचरल कल्चर : सोशल ऐंड कल्चरल हिस्टोरिकल इग्जामिनेशन आफ यूरोपीयन ग्रेव मोनूमेंट्स इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. सुकासा मिजुशिमा और प्रो. तकाको हिरोस ने 1 मार्च 2005 को 'इंटरमिडिअरीस, स्ट्रक्चर ऐंड नेटवर्क इन एटींथ सेंचुरी साउथ इण्डिया ऐंड इण्डियन डेमोक्रेसी ऐंड इलेक्शंस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. आर. नागास्वामी ने 23 मार्च 2005 को 'द रेलिवेंस आफ आगमस ऐंड शिल्पशास्त्रस टु द स्टडी आफ इण्डियन आर्ट ऐंड आर्किटेक्चर' विषयक संगोठी आयोजित की।

विशेष सहायता विभाग कार्यक्रम के अंतर्गत 1 से 14 मार्च 2005 तक डा. येलेन मत्सुविक, इतिहास के प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी आफ अलास्का, विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में केंद्र में रहे।

vkfFkd v/;;u vkj fu;ktu dn

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र में अर्थशास्त्र के विभिन्न क्षेत्रों में शोध कार्यक्रम के साथ–साथ नवीनतम रूप से शिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जाते हैं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केन्द्र के शिक्षकों की 6 पुस्तकें और 54 शोध आलेख प्रकाशित हुए। 29 मार्च 2005 को प्रसिद्ध इतिहासकार प्रो. आर.एस. शर्मा ने 'रूरल रेलिक्स आफ इक्वेलिटी ऐंड इनइक्वेलिटी' विषयक कृष्णा भारद्वाज स्मारक व्याख्यान दिया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न छात्रों को वार्षिक पुरस्कार वितरित किए गए : वर्ष 2004 के लिए रंजन राय स्मारक पुरस्कार श्री अंकित सिंह को; वर्ष 2004 के लिए अवानी भट्ट स्मारक पुरस्कार श्री अनिरबन मित्रा को और एम.के. थावराज अध्येतावृत्ति श्री अपराजय कुमार सिंह और श्री रोशन किशोर को प्राप्त हुई।

संस्थान के अध्ययन मण्डल ने निम्नलिखित नये कोर्स अनुमोदित किए :

- प्रो. सी.पी. चन्द्रशेखर द्वारा प्रस्तावित कोर्स – 'फाइनेंशिअल स्ट्रक्चरर्स ऐंड इकोनोमिक डिवलपमेंट' (एम.ए. वैकल्पिक कोर्स)
- प्रो. प्रदीप्त चौधरी द्वारा प्रस्तावित कोर्स 'इकोनोमिक्स आफ हैल्थ' (एम.ए. वैकल्पिक कोर्स)। यह कोर्स अब चलाया जा रहा है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत फारदम यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क की प्रोफेसर फाल्गुनी सेन ने दो सप्ताह – 14 से 28 मार्च 2005 के लिए केंद्र का दौरा किया। गोवा विश्वविद्यालय के डा. प्रणब मुखोपाध्याय भी मार्च 2005 में केंद्र में आए।

केंद्र में कई संगोष्ठियां आयोजित की गईं। इनमें केंद्र के शिक्षकों और अतिथियों ने भाग लिया :

- इन्द्रानील दासगुप्ता, यूनिवर्सिटी आफ नांटिगम ने 18 नवम्बर 2004 को 'इवांसिव रिफार्म : इनफार्मेलाइजेशन इन ए लिबरलाइज्ड इकानोमी विद वेज–सैटिंग यूनियन्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- संगीता बंसल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने 23 नवम्बर 2004 को 'इनसेंटिव्स फार टेक्नालाजिकल डिवलपमेंट इन द प्रैजेंस आफ ग्रीन कंजुमर्स : बेट इज बेड' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- गोपाल दोरई, यूनिवर्सिटी आफ मेरीलैंड, बाल्टीमोर कांउटी ने 11 जनवरी 2005 को 'इमिग्रेंट्स इन द यूनाइटिड स्टेट्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- एरिक एस. रीनर्ट, यूनिवर्सिटी आफ ओसलो, स्वीडन, ऐंड द अदर केनन फाउंडेशन, नार्वे ने 8 फरवरी 2005 को 'सिस्टम्स रादर देन काजिस आफ इकोनामिक ग्रोथ : द कर्स आफ स्टेण्डर्ड टेक्स्टबुक इकोनोमिक्स इन द थर्ड वर्ल्ड' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- अंजन मुखर्जी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने 15 फरवरी 2005 को 'द लोतका–वोल्टेरा माडल्स–पार्ट–II' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- कुर्त के. क्लीन, यूनिवर्सिटी आफ लेथब्रिज, कनाडा, ने 22 फरवरी 2005 को 'ट्रांसपोर्टेशन कास्ट्स ऐंड प्रेयरी एग्रीकल्चर' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- सोहेल जंहागीर मलिक, यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चर, फैसलबाद, पाकिस्तान ने 10 मार्च 2005 को 'एग्रीकल्चरल ग्रोथ ऐंड रूरल पावर्टी इन पाकिस्तान' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- अभिजीत बनर्जी, दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स, ने 15 मार्च 2005 को (भास्कर दत्ता के साथ) 'नेटवर्क्स एक्सट्रनलिटीज ऐंड मार्किट सेगमेंटेशन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- फाल्गुनी सेन, फोरदम यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क और विजिटिंग प्रोफेसर आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, जेएनयू ने 22 मार्च 2005 को 'चैंजिंग बिजिनेस माडल्स इन द इंटरनेशनल फार्मेस्युटिकल इण्डस्ट्री' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रणव मुखोपाध्याय, गोवा विश्वविद्यालय ने 26 अप्रैल 2004 को 'डेब्ट, डिस्ट्रीब्युशन ऐंड ग्रोथ' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केंद्र में निम्नलिखित अतिथि आए :

- इंद्रानील दासगुप्ता, यूनिवर्सिटी आफ नौटिंगम
- गोपाल दोरई, यूनिवर्सिटी आफ मेरीलेण्ड, बाल्टीमोर काउंटी
- एरिक एस. रीनर्ट, यूनिवर्सिटी आफ ओसलो, स्वीडन, ऐंड द अदर कैनन फाउंडेशन, नार्वे

- कुर्त के. क्लीन, यूनिवर्सिटी आफ लेथब्रिज, कनाडा
- सोहेल जहांगीर मलिक, यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चर, फैसलाबाद, पाकिस्तान
- अभिजीत बनर्जी, दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय
- फाल्गुनी सेन, फोरडम यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, और विजिटिंग प्रोफेसर, आ.अ.नि.के., जेएनयू
- प्रणव मुखोपाध्याय, यूनिवर्सिटी आफ गोवा

jktuhfrd v/;;u dsUn

केंद्र एम.ए. उपाधि के लिए कुछ वैकल्पिक कोर्सों सहित 12 अनिवार्य कोर्स चलाता है। एम.फिल. स्तर पर केंद्र तीन अनिवार्य कोर्स और विशेषीकृत वैकल्पिक कोर्स चलाता है।

- एम.ए. स्तर के अनिवार्य कोर्सों में केंद्र एक 'मैथड इन सोशल साइंस' विषयक कोर्स चलाता है, जिसके लिए छात्रों को क्षेत्रीय आधार पर अनुभव कार्य करना होता है। केंद्र इस कोर्स के क्षेत्रीय कार्य को बहुत महत्वपूर्ण मानता है।

u;s dkslZ

- प्रो. वालेरियन रोड्रिग्स और प्रो. गोपाल गुरू ने दो नये वैकल्पिक कोर्स प्रस्तावित किए हैं। ये नए कोर्स हैं – 'इश्युज इन पालिटिकल फिलास्फी इन मार्डन इण्डिया', 'पालिटिक्स आफ सोशल जस्टिस इन इण्डिया'

vfrfjDr dkslZ@'kks/k

प्रो. गुरूप्रीत महाजन ने दर्शनशास्त्र केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान के लिए निम्नलिखित 2 राष्ट्रीय कार्यशालाओं के लिए सहयोग किया :

- माइंड, कांसशनेस ऐंड द वर्ल्ड (27–28 सितम्बर 2004)
- लैंग्यूवेज, मीनिंग ऐंड टेक्स्ट' (5–6 नवम्बर 2004)

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केंद्र ने निम्नलिखित संगोष्ठियां आयोजित कीं

- केंद्र ने 23–24 सितम्बर 2004 को आई.आई.सी., गोएथे इंस्टीट्यूट आफ द मैक्सम्युलर भवन, नई दिल्ली और ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली द्वारा सह–प्रायोजित 'टुवर्डस ए न्यू ग्लोबल आर्डर : निओ–कंजर्वेटिव थिंकिंग, इम्पिरियल डिजाइन ऐंड मल्टीलेटरल पर्सपैक्टिव्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- केन्द्र ने 24–25 फरवरी को Centre d'Etudes et de Recherches internationalics और Centre de Sciences Humaines, के सहयोग से 'एन्टी डिस्क्रिमिनेशन ऐंड अफर्मेटिव एक्शन इन ए कम्पेरिटिव पर्सपेक्टिव' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- केन्द्र ने 10–11 मार्च 2005 को 'उत्तर प्रदेश इन द 1990स : क्रिटिकल पर्सपेक्टिव्स आन सोसाइटी, पालिटी ऐंड इकोनोमी' विषयक संगोष्ठी आयोजित की। इस संगोष्ठी में दसवें दशक के दौरान उत्तर प्रदेश में परस्पर–सम्बद्ध तीन मुद्दों पर चर्चा की गई। ये मुद्दे हैं : 'कास्ट ऐंड कम्युनिटी मोबिलाइजेशन, डिकलाइन आफ पार्टीज ऐंड फ्रेगमेंटेशन आफ द पार्टी सिस्टम, तथा 'लैक आफ इकोनोमिक डिवलपमेंट, फिसकल क्राइसिस ऐंड पुअर गवर्नेंस'।
- डा. पीटर आर डिसूजा सी.एस.डी.एस. ने 25 अगस्त 2004 को 'डिसक्रिमिनेशन, दलित्स ऐंड पंचायत राज' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- ए बाविसकर, विजिटिंग प्रोफेसर, स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने 6 अक्टूबर 2004 को 'टाक्सिक सिटीजनशिप – द पालिटिक्स आफ ए क्लीन ऐंड ग्रीन दिल्ली' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. ई ओसागे, इग्बिनेडिआन यूनिवर्सिटी, नाइजिरिया, ने 9 फरवरी 2005 को 'एथनिसिटी ऐंड फेडरलिज्म : द नाइजेरियन एक्सपिरियंस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. जोन वुड, यूनिवर्सिटी आफ ब्रिटिश, कोलम्बिया ने 19 जनवरी 2005 को 'द नर्मदा जजमेंट – द सुप्रीम कोर्ट'स रोल इन एनवायरनमेंटल पालिटिक्स इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. ए. बिमल अकोइजम, सी.एस.डी.एस. ने 20 अक्टूबर 2004 को 'द आर्म्ड फोर्सिस स्पेशल पावर्स एक्ट–हाई रीजंस आफ पालिटिकल पैरानोइआ' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

- डा. अशोक स्वैन, उपासला यूनिवर्सिटी, ने 10 दिसम्बर 2004 को 'डेमोक्रेसी ऐंड इट्स इंटर्नल कनफ्लिक्टस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

n'ku'kkL= dn

दर्शनशास्त्र केंद्र, परम्पराओं और संकुचित अनुशासनिक सीमाओं को पार करते हुए दर्शनशास्त्र की समस्याओं और सरोकारों के अध्ययन पर बल देता है। भौगोलिक या सभ्यतापरक संदर्भो में या तत्व मीमांसा, ज्ञान–मीमांसा, नीतिशास्त्र आदि के निषेध विभेदन के संदर्भों के प्रचलित प्रवृति के विपरीत केंद्र दर्शनशास्त्र के शिक्षण एवं शोध में समस्यापरक अन्तरविषयक दृष्टिकोण पर विशेष रूप से बल देता है। सत्ता मीमांसा, ज्ञान–मीमांसा और नीतिशास्त्र के मुख्य विषयों के अध्ययन के अतिरिक्त केंद्र की पाठ्यचर्या दर्शनशास्त्र के अपेक्षाकृत नए दृष्टिकोणों के आधार पर तैयार की गई है ताकि दर्शनशास्त्र का अध्ययन अन्य विषयों सामाजिक विज्ञान, दर्शनशास्त्र, क्रिया का दर्शनशास्त्र, मन का दर्शनशास्त्र या भाषा का दर्शनशास्त्र के संदर्भ में किया जा सके।

केंद्र दर्शनशास्त्र के क्षेत्र में उच्च स्तरीय कार्य करने का प्रयास कर रहा है ताकि दार्शनिक समस्याओं और वाद–विवादों पर नए तथा समृद्ध ढंग से प्रकाश डाला जा सके। केंद्र के पाठ्यक्रमों में भी वर्तमान समाज एवं राजनीति से जुड़े महत्वपूर्ण दार्शनिक मामलों पर चर्चा की जाती है। इससे विश्वविद्यालय के उद्देश्य की पूर्ति होती है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने भाषा साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान में स्थित दर्शनशास्त्र ग्रुप को दर्शनशास्त्र केंद्र के साथ मिलाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आशा है कि इस विलय से विश्वविद्यालय परिसर में दर्शनशास्त्र के शैक्षिक पाठ्यक्रम सुदृढ होंगे। भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के स्नातक छात्रों को दर्शनशास्त्र में वैकल्पिक कोर्स के शिक्षण की जिम्मेदारी भी केंद्र अपने हाथ में ले लेगा। इन कोर्सों का शिक्षण अब तक दर्शनशास्त्र ग्रुप कर रहा है।

केंद्र ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया है। पहली संगोष्ठी का आयोजिन सितम्बर 2004 में 'माइंड कांशसनेस ऐंड द वर्ल्ड' विषय पर किया। इसके समन्वयक डा. भगत ओइनम थे। दूसरी संगोष्ठी नवम्बर 2004 में 'लैंग्युवेज मीनिंग ऐंड टेक्स्ट' विषय पर आयोजित हुई। इसके समन्वयक डा. मनीदीपा सेन थे। इसके अतिरिक्त, केंद्र ने अन्तरविषयक रूचि के विभिन्न दार्शनिक विषयों पर 13 व्याख्यान आयोजित किए। इन व्याख्यानों को देने के लिए डेनमार्क, फ्रांस, यू.के., यू.एस.ए. और टर्की के प्रतिष्ठित विद्वानों ने केंद्र का दौरा किया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केंद्र के शिक्षकों द्वारा प्रस्तावित किए गए एम.फिल पाठ्यक्रम के वैकल्पिक पेपरों को संस्थान के अध्ययन मंडल और विद्या परिषद ने अनुमोदित किया।

वर्ष के दौरान केंद्र ने सुप्रसिद्ध विद्वानों के निम्नलिखित व्याख्यान आयोजित किए :

- प्रो. विनीत हक्सर, यू.के., ने 16 सितम्बर 2004 को 'रिलिजस टालरेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. जोनाथन डेंसी, यू.एस.ए. ने 12 अक्टूबर 2004 को 'द रोल आफ प्रिंसिपल्स इन एथिक्स ऐंड एपिस्टेमोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. जोनार्डन गनेरी, यू.के. ने 30 अक्टूबर 2004 को 'द सिच्युएटिड इंटरप्रेटर क्वेश्चन्स आफ मैथड इन द स्टडी आफ इण्डियन इंटिलेक्चुअल हिस्ट्री' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. रिचर्ड सोराबजी, यू.के. ने 13 जनवरी 2005 को 'सेल्फ ऐंड इंडिविजुअल इन ग्रीक एथिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. अम्बर कारपेंटर, यू.एस.ए. ने 17 जनवरी 2005 को 'यूनिवर्सल ग्राउंड आफ हिस्टोइक पार्टिकुलरिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. आयोना कुकुरद, टर्की ने 20 जनवरी 2005 को 'वेल्युज ऐंड लिट्रेचर' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. राधा इवेकोविक, फ्रांस, ने 25 जनवरी 2005 को 'जेंडर ऐज ए फार्म आफ डिवाइडिड रीजन' विषयक व्याख्यान दिया।

- प्रो. विनीत हक्सर, यू.के. ने 3 फरवरी 2005 को 'राइट ऍंड सिविल डिसओबिडेंस : गांधी ऍंड द लिबरल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. मैनफ्रेड स्टांसेन, यू.एस.ए. ने 8,10,15 और 17 फरवरी 2005 को 'प्लेटो' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. अनिनदिता एन. बालस्लेव, डेनमार्क, ने 13 मार्च 2005 को 'टाइम मेटाफर : पासिबिलिटीज फार क्रास कल्चरल कनवर्सेशन' विषयक व्याख्यान दिया।

{k=h; fodkl v/;;u dsna

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र की स्थापना वर्ष 1971 में हुई थी। इसका मूल उद्‌देश्य भारत में क्षेत्रीय विकास पर बल देते हुए शिक्षण एवं शोध के लिए एक अन्तरविषयक अध्ययन पाठ्यक्रम तैयार करना था। इस उद्‌देश्य की पूर्ति के लिए केंद्र ने भूगोल, अर्थशास्त्र, जनसंख्या अध्ययन तथा भूविज्ञान और सांख्यिकीय जैसे सम्बद्ध क्षेत्रों के विद्वानों की एक टीम तैयार की। केंद्र के पास अन्तरविषयक क्षेत्राों से सम्बद्ध शिक्षक हैं जो शिक्षण एवं शोध कार्य में संलग्न हैं।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र भारत में पहला और अकेला ऐसा विभाग है, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च अध्ययन केंद्र का दर्जा प्रदान किया है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केंद्र की विभिन्न गतिविधियों के लिए अनुदान उपलब्ध कराया गया। इसमें शामिल हैं : कई शोध परियोजनाएं, प्रकाशन और वर्किंग पेपर। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत कई शिक्षकों को अपने शोध कार्य पूरे करने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त हुई।

केंद्र के एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम इस तरह से तैयार किए गए हैं कि क्षेत्रीय विकास की समस्याओं से सम्बन्धित मानवीय, संस्थागत, प्रौद्योगिकीय, संरचनागत और वातावरणीय घटकों का उनकी परस्पर सम्बद्धता के संदर्भ में अध्ययन किया जा सके। ऐसा करते समय क्षेत्रीय विकास के प्लुरल और मल्टीपल करेक्टर को शोध एवं शिक्षण के लिए हमेशा केन्द्र में रख जाता है और विश्लेषण के उचित प्रतिमान एवं उपस्कर विकसित करने के प्रयास किए जाते हैं।

केंद्र की मुख्य विशेषताओं में यह महत्वपूर्ण है कि केंद्र ने भूगोलशास्त्र में एम.ए. पाठ्यचर्या तैयार की है जिसमें आधुनिक के साथ प्राचीन और व्यवहारिक के साथ सैद्धांतिक को शामिल किया गया है। यह विशेषकर भारत में भूगोल के समक्ष वास्तविकताओं और चुनौतियों के लिए जावाबदेही है। इस पाठ्यक्रम में क्षेत्रीय कार्य पद्धतियों के लिए छात्रों के प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया जाता है। दो अनिवार्य कोर्स पूर्णरूप से क्षेत्रीय सर्वेक्षण पर आधारित हैं। यह भूगोलशास्त्र के शिक्षण एवं शोध में संलग्न अनेक स्नातकोत्तर विभागों के लिए एक माडल उपलब्ध कराने का प्रयास है। केंद्र ने शिक्षण एवं शोध की सीमाओं का विस्तार करने और विशेषकर ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ परस्पर सम्बन्ध बनाने में प्रतिष्ठा हासिल की है।

केंद्र ने अपने एम.फिल. पाठ्यक्रम और कई कोर्सों में संशोधन किया है। कुछ नये कोर्स भी तैयार किए गए हैं। एम.ए. पाठ्यक्रम को पुनगर्ठित करने का कार्य भी शुरू किया गया है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केंद्र द्वारा शुरू किए गए नये कोर्स निम्न प्रकार से हैं :–

- आर.डी. 534 : इंट्रोडक्शन टु रिमोट सेंसिंग ऍंड जिओग्राफिकल इनफार्मेशन सिस्टम्स, (एम.ए.)
- आर.डी. 649 : बैसिक प्रिंसिपल्स आफ रिमोट सेंसिंग ऍंड जिओग्राफिकल इनफोर्मेशन सिस्टम (एम.फिल.)
- आर.डी. 650 : एप्लीकेशन आफ जिओग्राफिकल इनफार्मेशन सिस्टम (एम.फिल.)
- आर.डी. 651 : इमेज प्रोसेसिंग ऍंड एनवायरनमेंटल असेसमेंट (एम.फिल.)

केंद्र पढ़ाई में कमजोर छात्रों के लिए उपचारात्मक कोर्स चलाता है ताकि वे पढ़ाई में दूसरे छात्रों के बराबर आ सकें। इस वर्ष सामाजिक विज्ञान संस्थान और समान अवसर कार्यालय के परामर्श से मानसून सत्र 2004 के आरम्भ में उपचारात्मक कोर्स शुरू किए गए।

समीक्षाधनी अवधि के दौरान केंद्र ने निम्नलिखित संगोष्ठियों का आयोजन किया :

- केंद्र ने 20 जनवरी 2005 को 'रोल आफ स्टेट इन मेट्रोपोलिटन गवर्नेंस अंडर आई.डी.पी.ए.डी.' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- केंद्र ने उच्च अध्ययन केंद्र कार्यक्रम के अन्तर्गत स्नातकोत्तर अध्यापकों तथा शोध छात्रों के लिए 'रिमोट सेंसिंग ऐंड जी.आई.एस.' विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की।
- केंद्र ने अप्रैल 2004 में 'एथिक्स आफ फ्रेश वाटर यूज' विषयक पैनल परिचर्चा आयोजित की।
- केंद्र ने 30–31 मार्च 2005 को उच्च अध्ययन केंद्र कार्यक्रम के अन्तर्गत 'एनवायरनमेंट रिसोर्स मानिटरिंग ऐंड असेसमेंट : एप्लीकेशन आफ जी.आई.एम. ऐंड रिमोट सेंसिंग' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

Nk=k dh miyfC/k;k

- पौलोमी बनर्जी (सुचरिता सेन के साथ) 'फ्रेमवर्क आफ प्राइआरिटाइजिंग वाटरशेड डिवलपमेंट प्रोग्राम : ए मैकरो ऐंड माइक्रो व्यू' इण्डियन जर्नल आफ एग्रीकल्चरल इकोनोमिक्स 59(3) : 344–357
- शास्वत घोष, (पी.एम. कुलकर्णी के साथ), 'डज द पैटर्न आफ काजिज आफ डेथ वेरी एक्रास सोशिओइकोनोमिक क्लासिस विदिन ए पाप्यूलेशन ? एन एक्सप्लोरेट्री एनालिसिस', इण्डिया जीनस 60(2) : 55–82
- शास्वत घोष, 'सोशियो इकोनामिक फैक्टर्स इनफ्लुऐसिंग मेटर्नल हैल्थ केयर यूटिलाइजेशन इन उत्तर प्रदेश – ए स्टडी बेस्ड आन एन.एफ.एच.एस.–2 डाटा' सोशल चैंज, भाग 34, अंक 4
- शास्वत घोष और सी. रमेश, 'स्पेशियल, डेमोग्राफिक ऐंड सोशियो इकोनामिक कोरिलेट्स आफ ट्रीटमेंट सीकिंग बिहेवियर ड्यूरिंग कॉमन चाइल्ड हुड इलनेस : ए केस आफ इण्डिया', जर्नल आफ पाप्यूलेशन, भाग–10, अंक–1, पृ. 53–76
- सी. रमेश, 'गायनाइकोलाजिकल मोर्बिडिटी ऐंड ट्रीटमेंट सीकिंग बिहेवियर इन साउथ इण्डिया : इविडेंस फ्राम रिप्रोडक्टिव ऐंड चाइल्ड हैल्थ सर्वे 1998–99, जर्नल आफ हैल्थ ऐंड पाप्यूलेशन इन डिवलपिंग कंट्रीज
- यू.ए. शिमरे, 'वूमन'स वर्क इन नागा सोसायटी : हाउसहोल्ड वर्क, वर्कफोर्स पार्टिसिपेशन ऐंड डिविजन आफ लेबर' इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, अप्रैल, पृ. 1698–1711

foKku uhfr v/;;u dsUnz

केंद्र एम.फिल/पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। एम.फिल/पी–एच.डी. पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति करने की दृष्टि से तैयार की गई है। यह पाठ्यचर्या छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज के बीच परस्पर–क्रिया से अवगत कराती है और साथ ही छात्रों में सामाजिक और आर्थिक समस्याओं तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीतियों की जटिलताओं से सम्बन्धित समझ विकसित करती है।

केंद्र द्वारा चलाए गए नये कोर्स :

- एनालिसिस इन साइंस ऐंड टेक्नालाजी पालिसी
- साइंस ऐंड टेक्नालाजी इन द सोशल कनटेक्टट
- डिवलपमेंट आफ माडर्न साइंस ऐंड टेक्नालाजी इन इण्डिया
- रिसर्च मैथडालाजी

oSdfYid dkslZ ¼fuEufyf[kr esa ls ,d dkslZ½

- टेक्नालाजी असेसमेंट ऐंड फोरकास्टिंग
- मैनेजमेंट आफ इनोवेशन ऐंड टेक्नीकल चेंज
- डायनेमिक्स आफ टेक्नोलाजिकल इवोल्युशन इन इण्डियन इंडस्ट्री
- विश्वविद्यालय के अन्य केंद्रों द्वारा संस्तुत कोई अन्य संगत कोर्स

leh{kk/khu vof/k d nkjku dn }kjk fuEufyf[kr lxkf"B;k@lEeyu vk;kftr fd, x, %

- देब कौशिक, क्षेत्रीय संयोजक, टी.ई.आर.आई. ने 15 सितम्बर 2004 को 'फ्यूल टी. चाइसिस फार ट्रांसपोर्टेशन ऐंड द एनवायरनमेंट' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. अब्द अल–वहेब इब्राहिम, कला संकाय, जागजिग विश्वविद्यालय, मिस्र ने 16 सितम्बर 2004 को 'डिवलपमेंट इश्युज इन इजिप्ट' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. रवि चैलम ने 22 सितम्बर 2004 को 'द रोल आफ साइंस इन वाइल्डलाइफ कंजरवेशन – ए केस स्टडी आफ द एशियाटिक लायंस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. पवन सिक्का, पूर्व सलाहकार, विज्ञान और तकनीकी विभाग, भारत सरकार ने 8 अक्टूबर 2004 को 'इंटरनेशनल कोआप्रेशन इन साइंस ऐंड टेक्नालाजी : इण्डियन पर्सपेक्टिव्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. शिमांती बनर्जी, अर्थशास्त्री, राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, ने 14 अक्टूबर 2004 को 'ऐन असेसमेंट आफ इण्डिस्ट्रियल पोल्युशन इन इण्डिया : ए यूनिट लेवल एनालिसिस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- स्टेफन ब्रुनहुबर, यूनिवर्सिटी आफ वुर्जबर्ब, जर्मनी, ने 10 दिसम्बर 2004 को 'मनी ऐंड सस्टेनेबिलिटी : द मिसिंग लींक्स' विषयक सांगेष्ठी आयोजित की।
- डा. आभा सुर, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए., ने 12 जनवरी 2005 को 'डुबियस डिस्टिंक्शंस : कास्ट ऐंड माडर्न साइंस इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री पूरन बसन्त और बेला मलिक ने 14 जनवरी 2005 को 'पैट्रिआर्की ऐंड द अंडरग्राउंड : वुमन ऐंड माओइज्म इन नेपाल' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- सुधा महालिंगम, वरिष्ठ शोध फेलो, नीति अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली, ने 23 फरवरी 2005 को 'रोल आफ न्यूक्लियर एनर्जी इन इण्डिया'ज एनर्जी सिक्यूरिटी' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. पदमानाभन मूर्ति (सेवानिवृत्त प्रोफेसर) पर्यावरण विज्ञान संस्थान ने 16 मार्च 2005 को 'एनवायरनमेंट इम्पेक्ट असेसमेंट मैथडालाजिस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- अजय रस्तोगी, आर्गेनिक प्रोग्राम समन्वयक, खाद्य और कृषि संगठन, संयुक्त राष्ट्र संघ ने 23 मार्च 2005 को 'डिबेटिंग वालेंट्री स्टेण्डर्डस ऐंड सर्टिफिकेशन फार एग्रीकल्चर प्रोडक्शन ऐंड ट्रेड' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया।

Nk=k dh miyfC/k;k

- विश्वनाथ दास ने 26–28 जुलाई 2004 को यूनिवर्सिटी आफ विस्कोनसिन, वांशिगटन, द्वारा आयोजित 'हजार्ड रिस्क रिडक्शन' विषयक 3–दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- महेश शर्मा ने 25 मई से 3 जून 2004 तक आई.एस.ई.जी. तकनीकी विश्वविद्यालय, लिसबन, पुर्तगाल में आयोजित ग्लोबलिक्स अकादमी के पहले पी–एच.डी. स्कूल आन नेशनल सिस्टम्स आफ इनोवेशन' में भाग लिया।
- महेश शर्मा ने 17–22 अक्टूबर 2004 को शिंगुआ यूनिवर्सिटी, बीजिंग, चीन में आयोजित 'लर्निंग इनोवेशन ऐंड कंटेम्पोरेरि बिल्डिंग' विषयक दूसरी अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'फ्राम टेक्नोलाजी रिजीम्स टु लर्निंग नेटवर्क्स : द केस आफ ग्लोबलाइजिंग इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- निमेश चन्द्र ने 11–13 जनवरी 2005 को विनोद गुप्ता स्कूल आफ मैनेजमेंट, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड कम्पीटिटिवनेस' विषयक तीसरी ए.आई.बी. अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इनेबलिंग कम्पीटिटिवनेस थ्रू अकादमिक रिसर्च : ए केस आफ आई.आई.टी. दिल्ली'स टेक्नालोजी ट्रांस्फर आफिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

Nk=k dk iklr ijLdkj vkj v/;krkofÙk;k

- निमेश चन्द्र को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज अध्ययन के क्षेत्र में शोध कार्य करने के लिए वैज्ञानिक और औद्योगिकी अनुसंधान परिषद मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वरिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति प्रदान की गई है।

- संजय कुमार को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज अध्ययन के क्षेत्र में शोध कार्य करने के लिए वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वरिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
- महेश शर्मा को 'पालिटिक्स आफ सी.एन.जी. कनवर्जन आफ पब्लिक ट्रांसपोर्ट इन दिल्ली' विषयक मानोग्राफ तैयार करने के लिए 'सराय', सी.एस.डी.एस., नई दिल्ली द्वारा स्वतंत्र शोध अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।

lkekftd fpfdRlk'kkL= vkSj lkeqnkf;d LokLF; dsUnz

केंद्र अपने चल रहे शोध एवं शिक्षण कार्यक्रमों को समेकित करने तथा नए क्षेत्र विकसित करने में संलग्न है। केंद्र पिछले वर्षों के अनुभव के आधार पर अपने कोर्सों की पाठ्यचर्या की समीक्षा कर रहा है और उन्हें विषयगत परिप्रेक्ष्य में पुनगर्ठित कर रहा है। मई 2004 में शिक्षकों की गहन कार्यशाला में कोर्सों के पुनर्गठन को एक सार्थक दिशा प्रदान की है और इस पर अमल किया जा रहा है। केन्द्र अपनी आन्तरिक गतिविधियों को सुदृढ़ करने के अतिरिक्त अन्य अग्रणी शैक्षिक संस्थानों के सहयोग बनाने के प्रयास शुरू किए जा रहे हैं और सार्वजनिक प्रबंधन तथा नीति निर्धारिण के प्रति जवाबदेही के लिए केन्द्र अपने शैक्षिक कार्यों में विस्तार के प्रयास भी कर रहा है। मानसून सत्र 2004 और शीतकालीन सत्र 2005 में निम्नलिखित कोर्सों में संशोधन किया गया :

- एस.एम. 603, हैल्थ सर्विसिस ऐंड द कम्युनिटी
- एस.एम. 607, सोशल साइंस इश्युज इन कम्युनिटी हैल्थ
- एस.एम. 608, 'सोशल साइंसिस : टुवर्डस एन इंटिग्रेटिड अप्रोच
- एस.एम. 602, 'एपिडेमिओलाजी

o"kZ ds nkSjku vk;kftr dk;Z'kkyk,@lEesyu

- रितु प्रिया और सी. सत्यमाला ने 2 अप्रैल 2004 को 'मैकिंग असेंशियल ड्रग्स अवेलेबल फार द पुअर इन इण्डिया : चैलेंजिस इन पालिसी ऐंड इंप्लिमेंटेशन' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।
- मोहन राव ने 29 सितम्बर 2004 में 'लुकिंग बैक ऐट कायरो' विषयक कार्यशाला आयोजित की।
- डा. सी. सत्यमाला वर्ष 2004–2005 के दौरान केंद्र में विजिटिंग प्रोफेसर रहे।

'kSf{kd fjdkMZ 'kks/k ;wfuV

यूनिट ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 'नेशनल एज्यूकेशन मूवमेंट 1880–1920' और वुमन'स एज्यूकेशन इन इण्डिया 1850–1920' विषयक दो मुख्य परियोजनाओं को पूरा करने के बाद 'डिसाइडिंग द डेस्टिनी आफ नेशन : सलेक्शंस फ्राम नेशनलिस्ट आइडियाज आन एज्यूकेशन इन इण्डिया 1920–1947' और 'टेक्नीकल एज्यूकेशन इन इण्डिया : ए स्लेक्शन आफ डाक्यूमेंट्स 1847–1918' विषयक दो नई परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की है।

यूनिट ने शिक्षा के इतिहास के क्षेत्र में एक वार्षिक व्याख्यानमाला आयोजिति करने की योजना बनाई है, ताकि इसके शोध, प्रलेखन और प्रकाशन के मुख्य शैक्षिक कार्यक्रमों को और अधिक सुचारू बनाया जा सके। यूनिट के संस्थापक और भारत में शिक्षा के इतिहास के क्षेत्र में अपने महत्वूपर्ण योगदान के लिए स्वर्गीय श्री जे.पी. नायक की स्मृति में आयोजित यह व्याख्यान किसी वरिष्ठ शिक्षाविद द्वारा दिया जाएगा।

यूनटि के प्रकाशनों ने शिक्षाविदों के ध्यान को आकर्षित करना जारी रखा। उदाहरण के तौर पर यूनिट की नवीनतम पुस्तक – 'एज्यूकेटिंग द नेशन : डाक्युमेंट्स आन द डिसकोर्स आफ नेशनल एज्यूकेशन इन इण्डिया 1880–1920' की समीक्षा प्रसिद्ध पत्रिका 'बुक रिव्यु' में प्रकाशित हुई, (भाग 27, अंक 8, अगस्त 2004)। यह भी चौंका देने वाला तथ्य है कि यूनिट की पुस्तकों का हवाला कई विद्वानों द्वारा दिया जाता है, जोकि उनके द्वारा शिक्षा के इतिहास में किए गए शोध कार्यों में प्रस्तुत उद्धरणों से प्रमाणित होता है।

tkfdj gqlSu 'kSf{kd v/;;u dsUnz

वर्ष 1973 में स्थापित जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र का मुख्य उद्देश्य सामाजिक विज्ञान में बहु–विषयक परिप्रेक्ष्य में शोध एवं शिक्षण कार्यक्रम चलाना है। केंद्र के पाठ्यक्रम अन्य विश्वविद्यालयों के परम्परागत शैक्षिक विभागों के पाठ्यक्रमों की तुलना में भिन्न है। केंद्र को वर्ष 1993 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विशेष सहायता विभाग का दर्जा प्रदान किया गया। इस विशेष सहायता विभाग कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदान किए जाने वाले अनुदान का वर्ष 1999 में नवीकरण कर दिया गया।

केंद्र के थ्रस्ट एरिया हैं – (1) उच्च शिक्षा की नीति, नियोजन और प्रबन्धन; (2) ज्ञानवर्धन, विस्तार और दक्षता विकास में शिक्षा की भूमिका; (3) शिक्षा में समानता एवं विशिष्टता तथा (4) ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा, संस्कृति और समाज। अन्तरविषयक शिक्षण एवं शोध के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता और छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अध्ययन हेतु ये थ्रस्ट एरिया जरूरी हो गए हैं। विज्ञान और गणित के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयामों, बहु–संस्कृतिवाद, व्यक्तिगत ज्ञान और सामाजिक दायित्व से सम्बन्धित मामलों को शामिल करने से शोध क्षेत्रों में विस्तार हुआ है।

यह भी उल्लेखनीय है कि केंद्र के शिक्षकों ने अपनी योग्यता से शोध और अनुप्रयोग का मिश्रण करके यह सिद्ध कर दिया है कि सिद्धान्त तथा अनुप्रयोग का परस्पर सहजीवी संबंध है। शोध कार्य में शामिल विभिन्न विषय हैं – मानव अधिकार शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, विज्ञान शिक्षा के सामाजिक और सांस्कृतिक पक्ष, शिक्षा का इतिहास, इसके प्रशासनिक और सामाजिक आयाम, मानव पूंजी की वापसी, दूसरी पीढ़ी के ब्रेन–ड्रेन के प्रभाव, भारत में माध्यमिक शिक्षा की वित्त व्यवस्था, भारत में विश्वविद्यालय आदि।

पिछले कुछ वर्षों से केंद्र बच्चों की प्रारम्भिक शिक्षा में संलग्न संस्थानों और संगठनों से परस्पर सहयोग और नेटवर्क स्थापित करने की जरूरत महसूस कर रहा है। केंद्र अपनी शोध विशेषीकरण को शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नये विकास, विशेषकर गैर–सरकारी संगठनों द्वारा लागू किए जा रहे नवप्रवर्तनकारी कार्यक्रमों के साथ–साथ शिक्षा के विकास को सुदृढ बनाने में प्रयोग किए जा रहे नेटवर्क आदि के लिए उपयोग कर सकता है।

2 से 4 मार्च 2005 को दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसके माध्यम से दक्षिण एशिया और कुछ अन्य पड़ोसी देशों के चुने हुए शिक्षा संस्थानों के प्रधान निम्नलिखित मुद्दों पर विचार–विमर्श करने के लिए एक मंच पर एकत्रित हुए :

- आर्थिक सुधार, संरचनागत समायोजन और शिक्षा;
- शैक्षिक नेतृत्व एवं शिक्षकों की शिक्षा में विश्वविद्यालयों की भूमिका;
- शैक्षिक सेवाओं में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की चुनौतियां;
- उभरते विश्व श्रम बाजार और दक्ष श्रमिक प्रवसन
- बदलती पाठ्यचर्या और विश्व बनाम स्थानीय जरूरतें;
- विज्ञान, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और शिक्षा के परिप्रेक्ष्य;

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र में निम्नलिखित विजिटिंग फेलो आए :

- डा. अमन मदान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
- डा. अहमद अब्दुलाह जमाल, इतिहास विभाग, ढाका विश्वविद्यालय, बंगलादेश
- प्रो. अरूण बंदोपाध्याय, इतिहास विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकता

केंद्र ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कई सुप्रसिद्ध विद्वानों के व्याख्यान आयोजित किए :

- प्रो. रोजा मारिया पेरेज, पुर्तगाल इतावास सांस्कृतिक केंद्र, ने 7 अप्रैल 2004 को 'द हैपी एम्पायर : डिजायर ऐंड रिएलिटी इन पोर्चुगीज क्लोनिअलिज्म इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

- प्रो. करूणा चानना, जा.हु.शै.अ.के., जेएनयू, ने 22 सितम्बर 2004 को 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड हायर एज्यूकेशन : द रिलिवेंस आफ इक्वेलिटी ऐंड सोशल एक्सेस' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. फिलिप जी. अल्तबैक, बोस्टन कालेज, यू.एस.ए. ने 6 अक्टूबर 2004 को 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड एज्यूकेशन विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. हर्ष सेठी, सम्पादक, संगोष्ठी, ने 20 अक्टूबर 2004 को 'शिफ्टिंग फ्रेम्स आफ हायर एज्यूकेशन : द रिलेशनशिप बिटवीन लर्निड सोसायटीज ऐंड द इंडस्ट्री आफ लर्निंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. कुसुम डब्ल्यू. केतकर, राजीव गांधी चेयर, स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज ऐंड सिनेट हाल, यू.एस.ए. ने 27 अक्टूबर 2004 को 'हायर एज्यूकेशन : ए सोर्स आफ आउटसोर्सिंग ऐंड रिमिटेंसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. नीरजा शर्मा, लेडी इरविन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने 9 नवम्बर 2004 को 'एज्यूकेशन आफ चिल्ड्रन विद डिस्एबिलिटी : साइको–सोशल आस्पेक्टस' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. रिटेले डेनिस, यूनिवर्सिटी आफ राउन, फ्रांस ने 14 जनवरी 2005 को 'फ्राम अर्थ टु वर्ल्ड : न्यू वेज टु टीचिंग जिओग्राफी' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. आर.एस. एंडरसन, साइमन फ्रेजर यूनिवर्सिटी, कनाडा, ने 16 फरवरी 2005 को इंटरनेशनल अप्रैजल आफ इण्डिया'ज न्यूक्लियर पार्टनरशिप : 1940–1980' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. अमन मदान, विजिटिंग फेलो, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, ने 11 मार्च 2005 को 'लव, डोमिनेशन ऐंड रीजन : कनफ्लिटिंग सिविल करिकुला इन सेंट्रल इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. यासुची इगुची, क्वानसेई गाकुइन यूनिवर्सिटी, जापान, ने 22 मार्च 2005 को 'इंटरनेशनल माइग्रेशन ऐंड इकोनामिक पार्टनरशिप इन ईस्ट एशियन कंट्रीज : ऐन इण्डो–जापान पर्सपेक्टिव' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. अहमद अब्दुलाह जमाल, विजिटिंग फेलो, ढाका विश्वविद्यालय, बंगलादेश ने 24 मार्च 2005 को 'एज्यूकेशन इन बंगलादेश' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. अरूण बंदोपाध्याय, विजिटिंग फेलो, कलकत्ता विश्वविद्यालय, ने 28 मार्च 2005 को 'एनवायरनमेंटल एज्यूकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।

lkekftd i)fr v/;;u dsUn

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियां :

- श्री देव सहायम ने 1 अप्रैल 2004 को 'आथर ऐंड रिटायर्ड सिविल सर्वेंट', 'द इमरजेंसी राज ऐंड जयप्रकाश नारायण ऐज प्रिजनर : ए फर्स्ट हैण्ड अकाउंट' विषयक संगोष्ठियां आयोजित कीं।
- श्री ए. प्रभाहरण, पी–एच.डी. स्कालर, सा.वि.सं., ने 7 अप्रैल 04 को 'इनफार्मेशन सोसायटी' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. ध्रुव रैना, जा.हु.शै.अ.के./सा.वि.सं., ने 12 अगस्त 2004 को 'सोशल स्टडीज आफ साइंटिफिक नालेज' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. अश्विनी के रे ने 9 सितम्बर 2004 को 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड डेमोक्रेटिक गवर्नेंस : द इण्डियन एक्सपिरियंस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. अजय मेहरा, निदेशक, सेंटर फार पब्लिक अफेयर्स, ने 6 सितम्बर 2004 को 'पोलिस ऐंड सोसायटी इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. फारूक हसन, प्रोफेसर आफ ला ऐंड फारेन अफेयर्स, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, ने 30 सितम्बर 2004 को 'इण्डो–पाकिस्तान पालिटिक्स : करंट ट्रेंड्स अंडर न्यू गवर्नमेंट ऐंड द इम्पेक्ट आफ यू.एस. इलेक्शंस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- ए. बिमल अकोइजम ने 7 अक्टूबर 2004 को 'लेजिटिमेसी आफ एन इललेजिमेट अलायंस : ए सोशल साइकोलाजी आफ डेमोक्रेसी ऐंड मिलिट्री इन मणिपुर' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. आनंद कुमार ने 14 अक्टूबर 2004 को 'स्टडींग इम्पेक्ट आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

- डा. हरिश नारायणदास ने 21 अक्टूबर 2004 को 'इविडेंस ऐंड एफिकासी इन मेडिसन ऐंड द अदर मेडिसन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. सव्यसांची, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, ने 21 अक्टूबर 2004 को 'प्रीजर्वेशन ऐंड रिसर्च' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. इंद्रनाथ चौधरी, इंद्रागांधी नेशनल सेंटर आफ आर्टस, ने 11 नवम्बर 2004 को 'मैपिंग सेंस आफ ट्रेडिशन : द आइडिया आफ इण्डियन लिट्रेचर' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. क्रेग जैफरी, यूनिवर्सिटी आफ एडिनबर्ग, ने 18 नवम्बर 2004 को 'कल्चरल पालिटिक्स आफ एज्यूकेशन इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- केंद्र के शिक्षकों और स्कालर के एक ग्रुप ने 12—20 नवम्बर 2004 को प्रो. के.एल. शर्मा के अभिनन्दन में आयोजित 'डायनेमिक्स आफ इण्डियन सोसायटी : स्ट्रेटिफिकेशन ऐंड चैंज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- श्री प्रफुल समांत्रा, पर्यावरणविद, ने 2 दिसम्बर 2004 को 'एनवायरनमेंट ऐंड पीपल्स स्ट्रगल फार राइट टु लिवलीहूड इन द इरा आफ ग्लोबलाइजेशंस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- एलेग्जेंडर वोस्तमैन, ऊर्जा विशेषज्ञ, जर्मनी, ने 21 जनवरी 2005 को 'चैलेंजिस आफ ससटेनेबल डिवलपमेंट : प्राब्लम आफ आयल ऐंड गैस बेस्ड टेक्नालाजीस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. सुरेंद्र सिंह जोदका ने 3 फरवरी 2005 को 'कास्ट ऐंड डेमोक्रेसी : असर्शन ऐंड आइडेंटिटी अमंग द दलित्स आफ रूरल पंजाब' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. लुइस बगनेट, फ्रांस ने 10 फरवरी 2005 को 'सोशल कंस्ट्रक्शन आफ वायलेंस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. रावेना राबिंसन, विजिटिंग प्रोफेसर, ए.एस.आई.एच.एस. प्रोग्राम, आई.आई.टी., मुम्बई ने 15 फरवरी 2005 को 'एवरीडे वायलेंस, एक्स्ट्राआर्डिनरी वायलेंस : लिसनिंग टु मुस्लिम वुमन सर्वाइवर्स आफ एथनिक स्ट्राइफ' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. मुहम्मद अशरफ वानी, कश्मीर विश्वविद्यालय ने 17 फरवरी 2005 को 'रिलिजन, इकोनोमी ऐंड द पालिटिकल क्राइसिस इन काश्मीर' विषयक संगोष्ठी आयेजित की।
- प्रो. दीपांकर गुप्ता ने 24 फरवरी 2005 को 'द वेनिशिंग विलेज' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. एस. हेटिग, कोलम्बो विश्वविद्यालय, ने 28 फरवरी 2005 को 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड एज्यूकेशन ट्रांसफार्मेशन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. जे.वी. राघवेंद्र राव, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद ने 10 मार्च 2005 को 'दलित क्वेश्चन ऐंड इट्स प्रोब्लेमेटिक्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. आर. मुखोपाध्याय, नागोया यूनिवर्सिटी, जापान ने 10 मार्च 2005 को 'एंगेज्ड बुद्धिज्म इन जापान' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. आंद्रे बेतिले, डी.एस.ए. विजिटिंग प्रोफेसर, ने 16 मार्च 2005 को 'अप्रोचिस टु स्टडी सोसायटी ऐंड कल्चर इन साउथ एशिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. ए.एम. शाह, डी.एस.ए. विजिटिंग प्रोफेसर ने 17 मार्च 2005 को 'संस्कृताइजेशन रिविजिटिड' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. अशोक के कौल, ए.एस.आई.एच.एस.एस. फेलो, ने 18 मार्च 2005 को 'कश्मीर एस्ट्रेंजमेंट : ए नेरटिव आफ सेंटिमेंट टु सबजेक्ट्री' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. आंद्रे बेतीले, ए.एस.आई.एच.एस.एस. फेलो, ने 24 मार्च 2005 को 'सोशल क्लास' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

d:n e: vk, vfrfFk

- प्रो. ए.एम. शाह, समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 11 से 31 मार्च 2005 तक विजिटिंग फेलो के रूप में केंद्र में रहे।

- प्रो. हरमन श्वेंगेल, डीन स्कूल आफ सोशल साइंस, यूनिवर्सिटी आफ फ्रीबर्ग, फ्रीबर्ग, जर्मनी, 16 मार्च से 7 अप्रैल 2005 तक विजिटिंग फेलो के रूप में केंद्र में रहे।
- प्रो. फारूक हसन, प्रो. आफ लॉ ऐंड फारेन अफेयर्स, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और यू.एन. अम्बेसडर फार फैमिली, न्यूयार्क और जिनेवा, 30 सितम्बर से 7 अक्टूबर 2004 तक की अवधि के लिए केंद्र में रहे।
- डा. रोवेना राबिंसन, मानविकी और समाज विज्ञान विभाग, आईआईटी, मुम्बई, 14 से 28 फरवरी 2005 तक केंद्र में रहे।
- प्रो. आंद्रे बेतिले, प्रतिष्ठित प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 13 से 27 मार्च 2005 तक केंद्र में रहे।
- प्रो. जे.वी. राघव्रेंद राव, समाजशास्त्र विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद 1 से 15 मार्च 2005 तक केंद्र में रहे।
- डा. अशोक कौल, समाजशास्त्र विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी और प्रो. हरमन श्वेंगेल, यूनिवर्सिटी आफ फ्रीबर्ग, जर्मन 12 से 25 मार्च 2005 तक केंद्र में रहे।

efgyk v/;;u dk;Øe

वर्ष 2004–2005 के दौरान महिला अध्ययन कार्यक्रम निम्नलिखित गतिविधियों में संलग्न रहा :

8 मार्च 2005 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर तनिका सरकार और मेरी ई. जोन के व्याख्यान और फिल्म परिचर्चा आयोजित की गई।

मेरी ई. जोन ने एम.ए. स्तर का 4 क्रेडिट का वैकल्पिक 'वूमन'स मूवमेंट्स ऐंड जेंडर स्टडीज' शीर्षक कोर्स चलाया। सामाजिक विज्ञान संस्थान, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान और भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन केंद्र के लगभग 30 छात्रों ने यह कोर्स लिया।

वर्ष के दौरान आयोजित संगोष्ठियां/परिचर्चाएं

- 27 अगस्त 2004 को नार्थ–ईस्ट नेटवर्क शिलांग द्वारा फिल्म दिखाई गई और 'सोल्जियर्स इन सारोंग' परिचर्चा आयोजित की।
- वांग चाओ हुआ, यूनिवर्सिटी आफ केलिफोर्निया, ला ने 18 नवम्बर 2004 को 'द चाइनीज रिफार्म्स ऐंड आफ्टर' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- रोहिणी हेंसमैन, यूनियन रिसर्च ग्रुप, मुम्बई ने 24 नवम्बर 2004 को 'ग्लोबलाइजेशन, वुमन ऐंड वर्क' विषयक व्याख्यान दिया।
- राडा इवेकोविक, कालेज इंटरनेशनल दे फिलास्फी, फ्रांस ने 25 जनवरी 2005 को 'जेंडर ऐज ए फार्म आफ डिवाइडिड रीजन' विषयक व्याख्यान दिया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान महिला अध्ययन कार्यक्रम में निम्नलिखित अतिथि आए :

- डा. तेजस्विनी निरंजन, संस्कृति और समाज अध्ययन केंद्र, बंगलौर, फरवरी/मार्च 2005 में विजिटिंग स्कालर के रूप में आईं।
- डा. समिता सेन, इतिहास विभाग, कोलकता विश्वविद्यालय मार्च 2005 में विजिटिंग स्कालर के रूप में आईं।

vU; lpuk

{k=h; fodkl v/;;u dk;Øe

- अतिया किदवई, समन्वयक, वि.अ.आ. उच्च अध्ययन केंद्र, क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, जे.ने.वि., नई दिल्ली
- सुदेश नांगिया, उप–समन्वयक, वि.अ.आ., उच्च अध्ययन केंद्र, क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली।

- सरस्वती राजू – वर्ष 2004–2005 के लिए 'फेमिनिस्ट पर्सपेक्टिव्स आन ग्लोबलाइजेशन' विषय में सी.आई.डी.ए.–आई.डी.आर.सी. कार्लेटन यूनिवर्सिटी – यूनिवर्सिटी आफ ओटावा की विजिटिंग रिसर्च फेलोशिप प्राप्त करने वाली प्रथम शिक्षिका
- रवि श्रीवास्तव ने दिसम्बर 2004 से जनवरी 2005 तक केंद्र और अकादमी स्टाफ कालेज, जनेवि के 'अर्थशास्त्र' में 32वें पुनश्चर्या कोर्स का समन्वय किया।
- रवि श्रीवास्तव, इंटरनेशनल डिवलपमेंट सलेक्ट कमिटी आफ द हाउस आफ कामन्स, यू.के. के कंसलटेटिव ग्रुप आन उत्तर प्रदेश के साथ जुड़े रहे।
- दीपक कुमार मिश्र ने (प्रो. रवि श्रीवास्तव और सुश्री शालिनी सक्सेना के साथ) केंद्र की ओर से अकादमिक स्टाफ कालेज के 'अर्थशास्त्र' विषय के 32वें पुनश्चर्या कोर्स का समन्वयन किया।

lkekftd fpfdRl 'kkL= vkj lkeqnkf;d LokLF;

d:n dh lg;kxkRed xfrfof/k;k

केंद्र के शिक्षक संयुक्त रूप से पिछले 4 से अधिक वर्षों से 'मानिटरिंग शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर पालिसीज इन साउथ एशिया' विषयक परियोजना चला रहे हैं। इसमें श्रीलंका, बंगलादेश, नेपाल, पाकिस्तान, बेल्जियम, फिनलैण्ड, इंग्लैण्ड, भारत में केरल और आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य शोध संस्थान सहयोग कर रहे हैं। इसका वित्त पोषण यूरोपीय आयोग कर रहा है। यह परियोजना पूरी होने वाली है। इस परियोजना में स्वास्थ्य स्तर पर संरचनागत समायोजन और स्वास्थ्य क्षेत्र सुधार, स्वास्थ्य सेवाएं तथा क्षेत्र में स्वास्थ्य नियोजन प्रक्रिया पर साक्ष्यों को एकत्रित करने के लिए क्षेत्र विशेष के राष्ट्रीय डाटा का विश्लेषण किया गया।

शिक्षकों के विनिमय, सूचनाओं का परस्पर प्रयोग और संयुक्त शोध कार्यों के लिए केंद्र ने दो सहयोगात्मक सम्पर्क बनाए हैं। एक ग्लोबल सोशल पालिसी प्रोग्राम यूनिवर्सिटी आफ शेफील्ड ऐंड स्टेक्स, फिनलैण्ड के साथ और दूसरा यूनिवर्सिटी आफ बिलेफील्ड, जर्मनी और यूनिवर्सिटी आफ अंकारा, टर्की के साथ। केंद्र के देश–विदेश की अन्य शैक्षिक संस्थाओं और गैर–सरकारी सिविल सामाजिक संगठनों के साथ सहयोगात्मक प्रबन्धों के तहत केंद्र ने स्वास्थ्य शोध एवं जन स्वास्थ्य के तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों व कार्यक्रमों में सक्रिय प्रतिभागिता का नेतृत्व किया है।

efgyk v/;;u dk;Øe

'kk/k ,o ckg; ifj;kstuk,a %

- जेंडर ऐंड लोकल गवर्नेंस इन टु सिटीज' 2002–2005 (एन.आई.एफ.ई.एम. द्वारा वित्तपोषित)
- एडवर्स सेक्स रेशियो इन 5 डिस्ट्रीक्ट्स 2003–07, एक्शन ऐड इण्डिया और आई.डी.आर.सी., कनाडा के सहयोग से सहयोगात्मक अध्ययन किया जा रहा है। (सलाहकार समिति के सदस्य हैं : प्रो. सरस्वती राजू (क्षे.वि.अ.के.), डा. अल्पना सागर (एस.एम.ऐंड सी.एच), रविंदर कौर (आई.आई.टी., दिल्ली) प्रो. रजनी पालरीवाला (दिल्ली विश्वविद्यालय) और मेरी जोन (म.अ.का.))

lkekftd i)fr v/;;u d:n

- समाजशास्त्र के क्षेत्र में अध्ययनरत अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ सहयोग बढाने के लिए नेटवर्किंग।
- दक्षिण अफ्रीका, यूरोपीय संघ, जर्मनी, ब्रिटेन, नार्वे और दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों के विश्वविद्यालयों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना;
- छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए इस केंद्र में मल्टी–मीडिया रिर्सोस सेंटर और पुस्तकालय विकसित करने के लिए शैक्षिक संसाधनों का विस्तार करना।
- केंद्र के शिक्षण और शोध में योगदान को शामिल करते हुए केन्द्र का प्रोफाइल तैयार करना और इसका प्रकाशन।

dsUnz dh Hkkoh ;kstuk,a

tkfdj gqlSu 'kSf{kd v/;;u dsUnz

केंद्र भविष्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम शुरू करना चाहता है :

ज्ञान का अधिसिद्धांत, बहु–सांस्कृतिक समाजों में समानता, विभिन्नता और शिक्षा; उच्च शिक्षा की नीति, नियोजन और प्रबन्धन; निजीकरण, वैश्वीकरण और अन्तर्राष्ट्रीय प्रवसन। केंद्र कई नये कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव करता है।

{ks=h; fodkl v/;;u dsUnz

जैसाकि पहले भी उल्लेख किया गया है कि केंद्र को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च अध्ययन केंद्र का दर्जा दिया है। उच्च अध्ययन केंद्र कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित तीन थ्रस्ट एरिया की पहचान की गई है :

- क्षेत्रीय विकास और नियोजन, सामाजिक भूगोल / जनसंख्या भूगोल, जी.आई.एस. और रिमोट सेंसिंग कोर्स और अनुप्रयोग सुविधाएं विकसित करना (इन क्षेत्रों को सुदृढ बनाया जाएगा)। इसके अतिरिक्त, केंद्र 'जी.आई.एस., रिमोट सेंसिंग और सम्बन्धित मुद्दों पर कार्यशाला आयोजित करना चाहता है। केंद्र के शिक्षकों की विभिन्न शोध परियोजनाएं चलाने में गहरी रूचि है।
- यू.एन.डी.पी. ने शहरी गरीबी का निरीक्षण करने के लिए केंद्र को सहयोगी संगठन के रूप में मान्यता प्रदान की है। इस सहयोगी कार्यक्रम के अन्तर्गत केंद्र शहरी मुद्दों पर शोध कार्य करेगा ताकि संगत नीतिगत उपाय तैयार किए जा सकें।

foKku uhfr v/;;u dk;ZØe

केंद्र निकट भविष्य में अपनी पाठ्यचर्या के पुनगर्ठित करने और निम्नलिखित शोध एवं शिक्षण क्षेत्रों में अन्तरविषयक शोध चलाने की योजना बना रहा है :

- नई प्रौद्योगिकियां, वैश्वीकरण और विकास
- राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और ग्रामीण नवप्रवर्तनकारी पद्धतियों का प्रबन्धन;
- विकास और दक्षिण–दक्षिण सहयोग के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति
- विज्ञान और पर्यावरण का इतिहास
- विज्ञान और नीतिशास्त्र
- सांइटोमीट्रिक्स, बिबलिओमीट्रिक्स ऐंड इवेल्युएशन आफ सैंड टी.पोटेंशियल

izdk'ku

vkys[k

,sfrgkfld v/;;u dsUnz

- माजीद सिद्दीकी, XXII एम.ए. अंसारी मेमोरियल लैक्चर प्रकाशित, द ब्रिटिश हिस्टोरिकल कंटेक्स्ट ऐंड पिटिशनिंग इन क्लोनियल इण्डिया, इतिहास और संस्कृति विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली (मार्च 2005 में विमोचन)
- एच.पी. रे, राउन्डटेबल रिव्यू आफ माइकल पियर्सन, द इण्डियन ओशन, इंटरनेशनल जर्नल आफ मैरीटाइम हिस्ट्री, XVI 1, 153–197, जून 2004
- रणबीर चक्रवर्ती, ट्रेड इन अर्ली इण्डिया (पेपर बैक एडिशन), आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2005
- रणबीर चक्रवर्ती, लेटर इण्डियन ट्रेडिंग ऐंड पावर सिस्टम्स इन द इण्डियन ओशन (4–12 सेंचुरी ए डी), ए मैरीन आर्किओलाजिकल पर्सपेक्टिव आफ द इण्डियन ओशन : ए गेटवे टु द कंटिनेन्ट्स, (सं.) आलोक त्रिपाठी, 35–36, 2004, नई दिल्ली

- रणबीर चक्रवर्ती, यूनिट्स 8 ऐंड 9 टु द इमर्जेन्स ऐंड स्ट्रक्चर आफ कम्पलेक्स इकोनामी (एम एच 1–05), इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 81–117, 2004
- रणबीर चक्रवर्ती, इनफार्मेशन एक्सचेन्ज ऐंड एडमिनिस्ट्रेशन : केस स्टडीज फ्राम अर्ली इण्डिया, वेब्स आफ हिस्ट्री, इनफार्मेशन, कम्यूनिकेशन ऐंड टेक्नोलाजी फ्राम अर्ली टु पोस्ट–क्लोनिअल इण्डिया, (सं.) अमिया कुमार बागची, दीपांकर सिन्हा और बर्निता बागची, नई दिल्ली, 43–66, 2005
- रणबीर चक्रवर्ती, एन इनचेंटिंग सीस्केप : थ्रू एपिग्राफिक लेन्स, स्टडीज इन हिस्ट्री, भाग–20, 305–15, 2004
- रणबीर चक्रवर्ती, प्राचीन भारतेर (ए बंगाली आर्टिकल आन अर्ली इण्डियन मर्चेन्ट्स), इन इण्डिया ऐंड आइडोलाजी, एसेज इन आनर आफ प्रोफेसर सुकुमारी भट्टाचार्य, (सं.) बी.एन. मुखर्जी और अन्य, कोलकाता, 179–99, 2004
- रणबीर चक्रवर्ती, ए बंगाली एसे आन प्रो. निहारंजन रे, बंगदर्शन, अंक 5–6, (निहाररंजन रे शताब्दी महोत्सव अंक), 201–12, 2005
- योगेश शर्मा, फ्राम पाण्डिचेरी टू सूरत : द ट्रेवल्स आफ फ्रेंकोइस मार्टिन एपियर्ड इन स्पेशल इश्यूज', जर्नीज (आई आई सी द्वारा प्रकाशित), (सं.) गीती सेन और मोल्ही कौशल, पेंगुइन / विकिंग, दिल्ली 2004
- योगेश शर्मा, क्रानिकल्स आफ द टाइम्स, द मेमोरीज आफ फ्रेंकोइस मार्टिन 1669–1694, बायोग्राफी ऐज हिस्ट्री शीर्षक आगामी पुस्तक में प्रकाशन हेतु, (सं.) विजय रामास्वामी और योगेश शर्मा, ओरिएन्ट लांगमैन, दिल्ली
- विजय रामास्वामी, विश्वकर्मा क्राफ्टमैन इन अर्ली मिडिवल पेनिनसुलर इण्डिया इन द जर्नल आफ द इकोनामिक ऐंड सोशल हिस्ट्री आफ द ओरिएन्ट, 47–4, पृ. 548–82, 2004
- विजय रामास्वामी, जेन्डर इश्यूज इन इण्डियन हिस्ट्री, द कम्प्रीहेंसिव हिस्ट्री आफ इण्डिया (प्रधान सम्पादक प्रो. सतीश चन्द्र) आगामी
- विजय रामास्वामी, वुमन इन रिलीजन–वुमन आन रिलीजन : ए हिस्टोरिग्राफी आफ जेंडर ऐंड रिलीजन इन पेनिनसुलर इण्डियन हिस्ट्री, एड्रेस आफ सैक्शनल प्रेसिडेन्ट, हिस्टोरिओग्राफी सेशन, आन्ध्र प्रदेश हिस्ट्री कांग्रेस द्वारा मुद्रित और प्रकाशित, नार्गाजुन सागर, जनवरी 7–9, 2005
- विजय रामास्वामी, वुमन ऐंड वर्क इन इण्डियन हिस्ट्री, मामुदी वेंकट रंगैयाह स्मारक व्याख्यान, आन्ध्र प्रदेश हिस्ट्री कांग्रेस द्वारा मुद्रित और प्रकाशित, नागार्जुन सागर, 8 जनवरी 2005
- मृदुला मुखर्जी, वाजपेई, संघ कोहटर्स ऐंड इण्डियन नेशनलिज्म, मेनस्ट्रीम, 1 मई 2004 (आदित्य मुखर्जी के साथ)
- ए. मुखर्जी, वाजपेई, संघ कोहटर्स ऐंड इण्डियन नेशनलिज्म, मेनस्ट्रीम, 1 मई 2004 (मृदुला मुखर्जी के साथ)
- ए. मुखर्जी, फ्राम प्लान्ड इकोनामी टु ग्लोबलाइजेशन, हिस्ट्री आफ इण्डियन इकोनामी, भाग–8, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, सितम्बर 2004
- ए. मुखर्जी, प्रोग्राम फार एलिमिनेशन आफ चाइल्ड लेबर थ्रू द यूनिवर्सिलाइजेशन आफ एलिमेंट्री एज्यूकेशन' विषयक मूल्यांकन रिपोर्ट (यूरोपीय यूनियन डोनर कंसोटियम और द एम वी फाउन्डेशन हेतु) (उर्मिला सरकार और रत्ना सुदर्शन के साथ), जनवरी 2005
- ए. मुखर्जी, नेहरू'स इकोनामिक विजन फार इण्डिया : द रोड टु फुलफिलमेंट, इण्डिया–स्टडीज इन द हिस्ट्री आफ एन आइडिया, (सं.) इरफान हबीब, मुंशीराम, मनोहरलाल, 2005
- आर. महालक्ष्मी, सींथिया तालबोट, प्रिकलोनियल इण्डिया इन प्रेक्टिस; स्टडीज इन हिस्ट्री, जनवरी–जून 2005
- एन. भट्टाचार्य, ट्रेक फार द टाइम्स, 14, जावेद आलम, हू वांट्स डेमोक्रेसी, ओरिएन्ट लांगमैन, 2004

vkfFkd v/;;u vkj fu;ktu dsUn

- प्रभात पटनायक, ग्लोबलाइजेशन ऐंड द इमर्जिंग ग्लोबल पालिटिक्स, द पालिटिक्स आफ इम्पेरिलिज्म ऐंड काउन्टरस्ट्रेटजीस, (सं.) प्रत्युश चन्द्र, आकार बुक्स, नई दिल्ली, 2004
- प्रभात पटनायक, द पालिटिकल इकोनामी आफ द इकोनामिक रिफार्म स्ट्रेटजी : द रोल आफ द इण्डियन कैपटेलिस्ट, क्लास कास्ट, जेन्डर, (सी.पी. चन्द्रशेखर और जयती घोष के साथ) (सं.) एम. मोहन्ती, सेज प्रकाशन, दिल्ली, 2004

- प्रभात पटनायक, द इकोनामिक्स आफ ओपन इकोनामी डि–इंडस्ट्रिलाइजेशन, द इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, सम्मेलन अंक, 2004
- प्रभात पटनायक, हिस्टोरिसिज्म ऐंड रिवोल्युएशन, इण्डिया ऐंड इण्डोलाजी : पास्ट, प्रजेन्ट ऐंड फ्युचर, (प्रोफसर सुकुमारी भट्टाचार्यजी बधाई अंक), (सं.) बी. मुखोपाध्याय, एन बी ए कोलकाता, 2004
- प्रभात पटनायक, ए न्यू कोर्स, सोशल साइंटिस्ट (इण्डिया 2004 : टुवर्डस ए न्यू एजेन्डा पर विशेष अंक, जुलाई 2004)
- प्रभात पटनायक, आन द डिटर्मिनेशन आफ इंट्रेस्ट रेट्स इन ए लिबरलाइज्ड इकोनामी, फाइनेन्सियल लिबरलाइजेशन ऐंड रूरल क्रेडिट इन इण्डिया, (सं.) वी.के. रामचन्द्रन और मधुर स्वामीनाथ, तुलिका, दिल्ली, 2005
- प्रभात पटनायक, आन द नीड फार प्रोवाइडिंग इंप्लायमेंट गारंटी, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, जनवरी 15–21, 2005
- प्रभात पटनायक, द कम्यूनिस्ट्स ऐंड द प्रिजेन्ट, सोशल साइंटिस्ट, जनवरी–फरवरी 2005
- प्रभात पटनायक, हायर एज्यूकेशन ऐंड सस्टेनेबल डिवपलमेंट, एन ए ए सी के 10वें वर्षगांठ पर प्रकाशित विशेष अंक, (इसमें विभिन्न विषयों पर 10 विशेष व्याख्यान शामिल हैं)
- प्रवीण झाा, कंटिन्यूटी ऐंड चेंज : सम आब्जरवेशंस आन लैण्डस्केप आफ एग्रीकल्चरल लेबरर्स इन बिहार, इण्डिया, जर्नल आफ एग्रेरियन चेंज, भाग–4, पृ. 509–531, अक्टूबर 2004
- रामप्रसाद सेनगुप्ता, प्रोजेक्शन परस्यूट रिग्रेशन ऐंड डिस्एग्रीगेट प्रोडक्टिविटी इफैक्ट्स : द केस आफ इण्डियन ब्लास्ट फर्नेसिस, (सह लेखक – संघमित्रा दास) जर्नल आफ एप्लाइड इकोनामेट्रिक्स, भाग–19, 2004
- रामप्रसाद सेनगुप्ता, कंजप्शन पैटर्न, ट्रेड ऐंड ग्रीनहाउस गैस लिंकेज्स इन इण्डिया, (सह लेखक – गीतेश भारद्वाज) एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट इकोनामिक्स, भाग–9, जून–2004
- रामप्रसाद सेनगुप्ता, एनवायरनमेंटल इश्यूज इन डिवलपिंग इकोनामिक्स, इनसाइक्लोपीडिया आफ लाइफ सपोर्ट सिस्टम, यूनेस्को द्वारा प्रकाशित, 2004
- रामप्रसाद सेनगुप्ता, द इण्डियन स्टील इंडस्ट्री : हिस्ट्री, स्ट्रक्चर ऐंड प्राब्लम्स, स्ट्रक्चर आफ इण्डियन इंडस्ट्री, (सं.) एस गोकरन, ए सेन और राजेन्द्र वैद्य, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2004
- रामप्रसाद सेनगुप्ता, नेचर, इकोनामी ऐंड पाप्यूलेशन : बायोफिजिकल लिमिट्स ऐंड सस्टेनेबिलिटी, सस्टेनेबल एनवायरनमेंट : इकोलाजिकल, इकोनामिक, सोसिओकल्चरल ऐंड स्टेटिस्टिकल आस्पेक्ट्स, (सं.) ए के घोष, जे.के. घोष और मुखोपाध्याय, भारतीय सांख्यकीय संस्थान, कोलकाता, 2004
- सुगातो दासगुप्ता, के. चौधरी और एस. दासगुप्ता, द पालिटिकल डिटर्मिनेन्ट्स आफ फिस्कल पालिसीज इन द स्टेट्स आफ इण्डिया : एन इम्पेरिकल इंवेस्टिगेशन, जर्नल आफ डिवलपमेंट स्टडीज, (आगामी), 2005
- सुगातो दासगुप्ता, के. चौधरी और एस दासगुप्ता, द पालिटिकल डिटर्मिनेंट्स आफ सेंट्रल गवर्नमेंट्स इाकोनामिक पालिसीज इन इण्डिया : एन इम्पेरिकल इनवेस्टिगेशन, जर्नल आफ इंटरनेशनल डिवपलमेंट, 17, 1–22, 2005
- विकास रावल, रूरल बैंकिंग : एजेन्डा फार चेन्ज, सोशल साइंटिस्ट, 32 (7–8), जुलाई–अगस्त 2004
- विकास रावल, एग्रीकल्चरल लेबर ऐंड अनफ्रीडम : सिरी वर्कर्स इन ए विलेज इन वेस्टर्न हरियाणा, द मार्क्सिस्ट 20(2), अप्रैल–जून 2002
- मौसमी दास, मार्टेलिटी, फर्टेलिटी ऐंड चाइल्ड लेबर, (शंखा चक्रवर्ती के साथ), इकोनामिक्स लेटर्स, भाग–86, पृ. 273–78, 2005
- उत्सा पटनायक, द रिपब्लिक आफ हंगर, सोशल साइंटिस्ट, भाग 32, अंक 9–10, सितम्बर–अक्टूबर, 2004
- प्रदीप्त चौधरी, द क्रीमी लेयर : पालिटिकल इकोनामी आफ रिजर्वेशंस, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग 39, अंक 20, पृ. 1989–1991, मई 2004
- डी.एन. राव, एस्टिमेटिंग मार्जिनल अबेटमेंट कास्ट आफ एस पी एम : एन एप्लिकेशन टु द थर्मल पावर सैक्टर इन इण्डिया, (एस कुमार के साथ), एनर्जी स्टडीज रिव्यू, भाग 11, अंक–1, पृ. 76–92
- डी.एन. राव, द इम्पैक्ट आफ पालिसी वैरिएबल्स आन द बर्डन आफ डिसीज : एन इम्पेरिकल एनालिसिस, (अनिन्दता चक्रबर्ती के साथ), सोशल साइंसिस रिसर्च जर्नल, भाग–10, अंक–1

- डी.एन. राव, एनवायरनमेंटल रेग्यूलेशन ऐंड प्रोडक्शन एफिसिऐन्सी : ए केस स्टडी अफ द थर्मल पावर सैक्टर इन इण्डिया (सुरेन्दर कुमार के साथ), द जर्नल आफ एनर्जी ऐंड डिवलपमेंट, भाग 29, अंक–1, पृ. 81–94
- के.जी. दस्तीदार, आन स्टेकलबर्ग गेम्स इन ए होमोजिनस प्रोडक्ट मार्किट, यूरोपीयन इकोनामिक रिव्यू, भाग–48, 2004
- अंजन मुखर्जी, एन इंप्लिकेशन आफ द एक्जिस्टेन्स आफ कम्पटीटिव इक्विलिब्रियम, कंटेम्पोरॅरि इश्यूज ऐंड आइडियाज इन सोशल साइंसिस, 2005
- सी.पी. चन्द्रशेखर, बियान्ड द फोरेक्स प्रपोजल, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 25 दिसम्बर 2004
- सी.पी. चन्द्रशेखर, फाइनेन्सल लिबरलाइजेशन, फ्रेजिलिटी ऐंड द सोसिलाइजेशन आफ रिस्क : कैन कैपिटल कंट्रोल्स वर्क ? सोशल साइंटिस्ट, मार्च 2005
- जयती घोष, मैक्रोइकोनामिक रिफार्म्स ऐंड ए लेबर पालिसी फ्रेमवर्क फार इण्डिया, इंप्लायमेंट स्ट्रेटजी पेपर न 2004/1, अन्तर्राष्ट्रीय श्रम कार्यालय, जिनेवा
- जयती घोष, कैपिटल फ्लोज, चेंजिंग पैटर्न्स आफ वर्क ऐंड जेनरेटिड माइग्रेशन : इंप्लिकेशंस फार वुमन इन एशिया, इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, 2004
- जयती घोष, चेंजिस इन द वर्ल्ड आफ वर्क, इण्डियन सोसायटी फार लेबर इकोनामिक्स के लिए अध्यक्षीय आलेख, इण्डियन जर्नल अफ लेबर इकोनामिक में प्रकाशित, सम्मेलन अंक, 2004
- अरूण कुमार, फैक्टर्स अंडरलाइंग जाबलैस ग्रोथ इन इण्डिया ऐंड द नीड फार ए न्यू डिवलपमेंट पैराडिग्म, भारतीय सामाजिक चिन्तन, भाग–3, अंक–4, पृ. 215–229, जनवरी–मार्च 2005
- अरूण कुमार, यूनियन बजट 2005–06 : ए प्रो–रिच बजट इन ए प्रो – कामन मैन गार्ब, मेनस्ट्री, भाग XLIII, अंक 3, पृ. 3–6, 3–10 मार्च, 2005

tkfdj gqlu 'kSf{kd v/;;u dsUn

- एस. चट्टोपाध्याय, न्यूज, जिनेवा इश्यू न. 31, स्पेशल थीम : ए स्टेटस रिपोर्ट आन न्यू सौमन, डेफिसिन, मनी ऐंड प्राइसिस : द इण्डियन इक्सपिरिअंसिस, (सुनील आश्र और कौशिक चौधरी के साथ), जर्नल आफ पालिसी माडलिंग, 26, पृ. 289–99, 2004
- बिनोद खादरिया, इंप्लिकेशंस आफ इंटरनेशनलाइजेशन आफ प्रोडक्शन, ट्रेड ऐंड फाइनेन्स आन इंटरनेशनल मोबिलिटी आफ द हाइली स्किल्ड लेबर : कंसेप्चुअल रैम्बलिंग थ्रू ए शिफ्टिंग पैराडिग्म, लेबर ऐंड डिवलपमेंट, लेबर मोबिलिटी पर विशेष अंक, भाग–9, अंक–2, पृ. 93–107, 2004
- बिनोद खादरिया, पैराडाक्सिस ऐंड पिटकाल्स इन ग्लोबलाइजेशन आफ एज्यूकेशन अंडर द डब्ल्यू टी ओ रिजीम आफ ट्रेड इन एज्यूकेशनल सर्विसिस नोराग थिंकिंग ऐंड रिथिंकिंग आन द डिफ्रेन्ट डाइमेंशंस आफ एज्यूकेशन ऐंड ट्रेनिंग, 2004
- बिनोद खादरिया, द स्टेट आफ एज्यूकेशन, आर एज्यूकेशन आफ द स्टेट ? आन रेशनैलिटी आफ टार्गेटिंग इनपुट्स ओवर आउटकम्स इन इण्डिया, नोराग न्यूज अंक 33, (टार्गेटिंग इन एज्यूकेशन पर विशेष विषय)
- दीपक कुमार, इमर्जेन्स आफ साइंटोक्रेसी : स्निप्टस फ्राम कलोनियल इण्डिया, इपीडब्ल्यू, 3893–3898, 28 अगस्त 2004
- पी. प्रकाश और ए के मोहन्ती, इण्डियन आर्थोग्राफी ऐंड टीचिंग हाऊ टु रीड, साइकोलाजिकल स्टडीज, 49(4) 262–271
- गीता बी. नाम्बिसन, इंटग्रेटिंग जेंडर कंसर्न्स, आर वी लर्निंग ?' विषयक संगोष्ठी अंक, भाग 536, अप्रैल 2004
- एम. पण्डा और आर. यादव, इंप्लिसिटी क्रिएटिविटी थीअरीज इन इण्डिया : एन एक्सप्लोरेशन साइकोलाजिकल स्टडीज, भाग–50, अंक–1, 2005
- ध्रुव रैना, वेटविक्स्ट जेस्यूट ऐंड एनलाइटनमेंट हिस्टोरिओग्राफी : द कंटेक्स्ट आफ जीन–साइलवैन बैली'स हिस्ट्री आफ इण्डियन एस्ट्रोनामी, रिव्यू डी हिस्टोरी डे मैथमेटिक्स, 9, पृ. 101–53, 2003 (जुलाई 2004 में प्रकाशित)

- ध्रुव रैना, हाऊ टु गो टु हैवन : कंटेम्पोरॅरि पर्सपेक्टिव्स आन ए गैलिलियन डाइलेमा : पार्ट 1 ऐंड 2, मैटानेक्सस सोफिया, 02–17/02–19, 2004
- ध्रुव रैना, द सोशल एपिस्टोमोलाजी आफ नालेज ऐज ए की वर्ड इन द इण्डियन ट्रेडिशन, 2005
- ध्रुव रैना, लैण्डस्केप्स आफ टेक्नोलाजी ट्रांस्फर : स्वेदिश आयरन मार्कर्स इन इण्डिया 1860–1905, द ब्रुक रिव्यू, पृ. 14–5, मार्च 2005
- श्रीनिवास एस राव, प्राइवेटाइजेशन आफ एज्यूकेशन विल प्रोड्यूस एक्सिलेन्स ऐंड मेरिट इन एन एंटार्यली रोन्ग आर्गूमेंट, मूल निवासी आर्गेनाइजर, भाग 1, अंक–5, पृ. 3–5 और 17, 2004

jktuhfrd v/;;u dsUnz

- गोपाल गुरू, दलित विजन आफ इण्डिया, फ्युचर्स, भाग 36, अंक 6/7, लन्दन, अगस्त–सितम्बर 2004
- प्रलय कानूनगो, इण्डिया–पालिटिक्स आफ रिनसिएशन, ट्रेडिशनल ऐंड माडर्न – एनालिसस, 11 दिसम्बर 2004
- प्रलय कानूनगो, ओडिसार संघरा आदि कला (उडिया में), भुवनेश्वर, पीयूसीएल, अप्रैल 2004
- आशा सारंगी, बेनार्ड एस. कान : ए हिस्टोरियन आफ द फ्युचर, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 5–11 जून, 2004
- विधु वर्मा, इनजेंडरिंग डिवलपमेंट लिमिट्स आफ फेमिनिस्ट थीअरीज ऐंड जस्टिस, इपीडब्ल्यू, भाग 34, अंक 49, 4–10 दिसम्बर 2004
- शेफाली झा, रिप्रिजेनटेशन ऐंड इट्स इपिफेनाइस ए रीडिंग आफ द कांस्टीट्यूऐन्ट असेम्बली डिबेट्स, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 25 सितम्बर 2004

n'kZu'kkL= dsUnz

- सत्य पी गौतम, ग्लोबलाइजेशन, डेमोक्रेसी ऐंड सोशल जस्टिस (आमंत्रित अंशदान) फार ए फोर्थकमिंग वाल्यूम, थ्री वर्डस, सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशंस, नई दिल्ली के प्रोफेसर आर बालासुब्रामणियन द्वारा सम्पादित
- ओइनम भगत, प्राब्लम्स आफ डिस्ट्रीब्यूटिव जस्टिस, ऐथिक्स ऐंड हयुमन राइट्स शशि द्वारा सम्पादित, मोतीलाल एलाइड पब्लिशर्स, नई दिल्ली, (आगामी)
- ओइनम भगत, रावल्स पब्लिक पालिटिकल जस्टिस, स्टडीज, ह्युमैनिटीज ऐंड सोशल साइंसिस, जर्नल आफ इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला, (आगामी)
- ओइनम भगत, रिव्यू आर्टिकल आन विनीत हक्सर'स राइट्स, कम्यूनिटीज ऐंड डिस्ओबिडेन्स, जर्नल आफ इण्डियन काउंसिल आफ फिलास्फिकल रिसर्च, (आगामी)

{ks=h; fodkl v/;;u dsUnz

- जी.के. चड्ढा, रिसेंट चेंज्स इन एग्रीकल्चरल इंप्लायमेंट इन रूरल इण्डिया : ए स्टेट लेवल एनालिसिस, एग्रीकल्चरल सिचुएशन इन इण्डिया, (पी.पी. साहू के साथ)
- जी.के. चड्ढा, ह्युमन कैपिटल बेस आफ इण्डियन लेबर मार्किट : आइडेंटिफाइंग वरी स्पाट्स, द इण्डियन जर्नल लेबर इकोनामिक्स, भाग 47, अंक–1
- एन.सी. जेना, पर्यावरण अभनयन : बिकास से बिनाश की ओर (एनवायरनमेंटल डेटरिओरेशन : फ्राम डिवलपमेंट टु डिस्ट्रक्शन), भूगोल और आप, भाग–3, अंक–1, (मो. संजीर आलम के साथ)
- एन.सी. जेना, ए व्यू फ्राम स्पेस, जिओग्राफी ऐंड यू, भाग 4, अंक–1, (डा. अनुराधा बनर्जी के साथ)
- एन.सी. जेना, डिवलपमेंट आफ टूरिज्म इन बर्धमान : कंस्ट्रेन्ट्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स, योजना, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली, फरवरी 2005
- अमिताभ कुण्डु, प्रोविजन आफ टेनुरियल सिक्युरिटी फार द अर्बन पुअर इन दिल्ली : रिसेंट ट्रेन्ड्स ऐंड फ्युचर पर्सपेक्टिव्स, हैबिटेट इंटरनेशनल, नवम्बर 2004

- पी.एम. कुलकर्णी, डज द पैटर्न आफ काजिस आफ डैथ वैरी एक्रास सोसिओइकोनामिक क्लासिस विदिन ए पाप्यूलेशन ? एन एक्सप्लोरेट्री एनालिसिस फार इण्डिया, जीनस एल एक्स (2), 55–82 (साश्वत घोष के साथ)।
- पी.एम. कुलकर्णी, ए स्टेटिस्टिकल वैलिडेशन आफ बोंगार्ट्स' फ्रेमवर्क टु एकाउन्ट द इफैक्ट्स आफ द प्राक्सिमेट डिटर्मिनेन्ट्स आफ फर्टिलिटी, कंट्रीब्यूशन टू एप्लाइड ऐंड मेथमेटिकल स्टेटिस्टिक्स, 2 : 102–111, (एस. कृष्णामूर्ति और के स्वामीनाथन के साथ)
- पी.एम. कुलकर्णी, पाप्यूलेशन ग्रोथ, फर्टिलिटी ऐंड रिलिजन इन इण्डिया, (मनोज अलघराजन के साथ), इकोनामिक ऐंड पालिटिकली वीकली, एक्स एल, 55 : पृ. 403–410, 2005
- दीपक के मिश्रा, माइक्रो इंटरप्राइजिस इन हिल इकोनामिक्स : द केस आफ अरूणाचल प्रदेश, द इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, भाग–47, अंक–4, (वन्दना उपाध्याय के साथ)
- दीपक के मिश्रा, इंस्टीट्यूशनल सस्टेनेबिलिटी इन नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट : ए स्टडी आन अरूणाचल प्रदेश, (इण्डिया), एशियन प्रोफाइल, भाग–32, अंक–6
- दीपक के मिश्रा, गवर्नेंस ऐंड डिवलपमेंट इन अरूणाचल प्रदेश : द इमर्जिंग चैलेंजिस, डायलाग क्वाटर्ली, भाग–5, अंक–4, (वन्दना उपाध्याय के साथ)
- सुदेश नांगिया, इज ग्लोबलाइजेशन ए थ्रेट टु इण्डियन कल्चरल ? भारत विद्या, भाग–III, भारत विद्या चर्चा केंद्र, बर्दवान (एन सी जेना के साथ)
- सरस्वती राजू, कंटेक्स्चुलाइजिंग क्रिटिकल जिओग्राफी इन इण्डिया : इमर्जिंग रिसर्च ऐंड प्राक्सिस, जिओफोरम, 35, (5) : 539–544
- सरस्वती राजू, कंटेम्पोरॅरि इण्डिया : ए सोसिओलाजिकल व्यू, द बुक रिव्यु, 28(2), (सतीश देशपाण्डे के साथ)
- सुचरिता सेन, फ्रेमवर्क फार प्राइआरटाइजिंग वाटरशेड डिवलपमेंट प्रोग्राम्स : ए मैक्रो व्यू इण्डियन जर्नल आफ एग्रीकल्चरल इकोनामिक्स, 59(3) : 344–57, (पौलोमी बनर्जी के साथ)
- आर.के. शर्मा, ग्रोथ आफ सर्विसिस सैक्टर इंप्लायमेंट इन इण्डिया : ए रीजनल एनालिसिस, इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, 47(4), (विनोज अब्राहम के साथ)
- एम.डी. विमुरी, बाम्बे बीमारी इन यू.पी., इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 39(44), 4773–75, 30 अक्टूबर 04

foKku uhfr v/;;u dsUnz

- पी.एन. देसाई, चैलेंजिस आफ एग्रो–बायोटेक्नोलाजीस, इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स ऐंड ग्लोबलाइजेशन : रोल आफ अकादमिक इंस्टीट्यूशंस इन अचीविंग द मिलेनियम डिवलपमेंट गोल्स, वर्ल्ड रिव्यू आफ साइंस, टेक्नोलाजी ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट, भाग–2, अंक–1, 2005
- नासिर तैयबजी, इक्जैम्पलर आफ अकेडमिया इंडस्ट्री इंटरचेंज : द डिपार्टमेंट आफ केमिकल टेक्नोलाजी, बाम्बे यूनिवर्सिटी, एम्बिक्स एल आई, 2 : 149–66, 2004
- नासिर तैयबजी, गेनिंग टेक्निकल नो–हाउ इन एन अनइक्वल वर्ल्ड : पेनिसिलिन मैन्यूफैक्चर इन नेहरू'स इण्डिया, टेक्नोलाजी ऐंड कल्चर XXXXV 2 : 331–49, 2004
- रोहन डिसूजा, कार्यशाला रिपोर्ट, (वी.वी. कृष्णा के साथ), साइंस, टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी, 9(2), जुलाई–दिसम्बर 04
- रोहन डिसूजा, रिजिडिटी ऐंड द एफ्लिक्शन आफ कैपेलिस्ट प्रापर्टी : कलोनियल लैण्ड रिवेन्यू ऐंड द रिकास्टिंग आफ नेचर, स्टडीज इन हिस्ट्री, 20(2), 2004

lkekftd fpfdRlk 'kkL= vkSj lkeqnkf;d LokLF; dsUnz

- इमराना कादिर, न्यूट्रिशन पालिसी : शिफ्ट्स ऐंड लाजिकल फ्लेसीज, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग XL, अंक 5, पृ. 358–64, 29 जनवरी 2005
- इमराना कादिर, एन एनालिसिस आफ फूड एक्सपेंडिचर्स : पालिसी इंप्लिकेशंस, एन एफ आई बुलेटिन, अक्टूबर 2004

- के.आर. नायर, साउथ एशियन सुनामी, द लांसेट, भाग 365, अंक 9463, पृ. 934–35 (अल्पना डी सागर के साथ), 2005
- के.आर. नायर, पालिटिक्स आफ पैडागोगी इन पब्लिक हैल्थ, सोशल साइंटिस्ट, भाग 33, अंक–1–2, पृ. 47–75, (इमराना कादिर के साथ), 2005
- के.आर. नायर, रूरल हैल्थ : एब्सेन्स आफ मिशन आर विजन, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–39, अंक 45, 4872–74, 6 नवम्बर 2004
- के.आर. नायर, लैंग्यूवेज यूज इन पब्लिक हैल्थ, द लांसेट, भाग–363, अंक 9427, पृ. 2190–91 (ओलिवर राजन, ओंकार मित्तल, रितु प्रिया, सी सत्यमाला), 2004
- के.आर. नायर, केरला : कंफ्यूजिंग न्यू अप्रोच टु पब्लिक सर्विसिस, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग 39, अंक–21, पृ. 2091–92, 2004
- के.आर. नायर, सेल्फ हैल्प : वाट फ्यूचर रोल इन हैल्थ केयर फार लो ऐंड मिडिल–इनकम कंट्रीज, इंटरनेशनल जर्नल फार इक्विटी इन हैल्थ, 15 : 3(1) : 1, (कैथरीन कियोबुटन्जी और ओलिवर रजम के साथ), अप्रैल 2004
- मोहन राव, इक्सप्लेनिंग द इनएक्सप्लिकेबल : द अबाइडिंग अपील आफ निओ–मैलथुसिआनिज्म, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–XXXIX, अंक–32, 7 अगस्त 2004
- मोहन राव, फीमेल सैक्स सलेक्टिव एबोर्शंस : सम इश्यूज, आई डी पी ए डी न्यूज लैटर, भाग–II, अंक–1, (ला फार द पीपल में पुनः मुद्रित, भाग–19, अंक–10, नवम्बर 2004 और इन वुमन'स वाच, भाग–2, दिसम्बर 2004), जनवरी 2004
- मोहन राव, लुकिंग बैक ऐट काइरो, हैल्थ फार द मिलियन्स, भाग 30, अंक 3–4, सितम्बर–नवम्बर 2004
- मोहन राव, द ग्लोबलाइजेशन आफ रिप्रोडक्टिव हैल्थ : ए डैरिवेटिव डिस्कोर्स ? सस्टेनेबल डिवलपमेंट : ब्रिजिंग द रिसर्च/पालिसी गैप्स इन साउथर्न कंट्रीज; भाग 2, सोशल पालिसी (सं.) सबा गुल खट्टक, ओ यू पी, पाकिस्तान, 2005
- मोहन राव, द स्टेट ऐंड वुमन'स राइट्स, रिव्यू आफ कामरान असदर अली, 'लानिंग द फैमिली इन इजिप्ट, न्यू बाडीज, न्यू सेल्व्स, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग XL, अंक 3, 15 जनवरी 2005
- रितु प्रिया मेहरोत्रा, पब्लिक हैल्थ सर्विसिस : सिन्डेरेला इन द सोशल सैक्टर, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग 39, अंक 33, पृ. 3671–72, 14 से 20 अगस्त, 2004
- रितु प्रिया मेहरोत्रा, सी पी एम आन हैल्थ : मेकिंग इण्डिया वर्ल्ड क्लास, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, पृ. 2971–74, (सह लेखक – रितु प्रिया, अल्पना सागर, राजीब दासगुप्ता और संघमित्रा आचार्य के साथ), 3 जुलाई 2004
- रितु प्रिया मेहरोत्रा, लैंग्यूवेज यूज इन पब्लिक हैल्थ : द लांसेट, भाग 363, अंक 9427, पृ. 2190–91, (ओलिवर रजम, के.आर. नायर, ओंकार मित्तल, सी. सत्यमाला के साथ), 2004
- संघमित्रा एस आचार्य, मोर्बिडिटी इन मध्य प्रदेश – एन एक्सप्लोरेशन बेस्ड आन एन एफ एच एस डाटा, पाप्यूलेशन रिसोर्स सेंटर की पत्रिका का आगामी अंक, अकादमी आफ एडमिनिस्ट्रेशन भोपाल
- अल्पना डी. सागर (आर प्रिया, आर दासगुप्ता और एस आचार्य के साथ), सी एम पी आन हैल्थ – मेकिंग इण्डिया वर्ल्ड क्लास, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 3 जुलाई 2004
- राजीब दासगुप्ता (आर प्रिया, ए सागर और एस आचार्य के साथ), सी एम पी आन हैल्थ : मेकिंग इण्डिया वर्ल्ड क्लास, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, पृ. 2971–74, 3 जुलाई 2004
- राजीब दासगुप्ता और पी दासगुप्ता, इकोनामिक वैल्यू आफ सेफ वाटर फार द इंफ्रास्ट्रक्चरली डिस्एडवांटेज्ड अर्बन हाउसहोल्ड : ए केस स्टडी इन दिल्ली इन इण्डिया, वाटर रिसोर्सिस रिसर्च, 40, डब्ल्यू 11401, 5 नवम्बर 2004
- सुनीता रेड्डी, इकोसिस्टम्स अप्रोच टु हयुमन हैल्थ : ए केस आफ कोंडा रेड्डी ट्राइब्स ऐंड वुमन'स हैल्थ, जर्नल आफ ह्युमन इकोलाजी, 16(4), 271–82, 2004
- सुनीता रेड्डी, सोसिओ–इकोनामिक ऐंड कल्चरल डाइमेंशंस आफ ब्रेस्ट फीडिंग : ए स्टडी इन हैदराबाद, इण्डियन सोशल साइंस रिव्यू, (आई सी एस एस आर, भाग–7, जन–जून 2005) (प्रकाशनाधीन)

lkekftd fpfdRlk'kkL= vkj lkeqnkf;d LokLF; dsUn

- सुसन विश्वनाथन, साइन्ड कांट्रेक्ट विद जुबान फार ए नोवेम आन द फिशर पीपल आफ केरला।
- अविजित पाठक, टीचिंग/लर्निंग सोसिओलाजी : ए क्रिटिकल इनगेजमेंट विद माडर्निटी, सोसिओलाजिकल बुलेटिन, भाग 53, अंक–1, अप्रैल 2004
- सुरेन्दर एस जोधका, रिटर्न आफ द रीजन : आइडेंटिटीज ऐंड इलैक्टोरल पालिटिक्स इन पंजाब, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग XL(3), पृ. 224–30, 2005
- सुरेन्दर एस जोधका, अनफ्री लेबर ऐंड पोस्टमार्डन मिथ्स : टुवर्डस ए क्रिटिकल इक्जामिनेशन, हिस्टोरिकल मैटेरियलिज्म, भाग 12(4), पृ. 463–72, 2004 (संवीक्षा आलेख)
- सुरेन्दर एस जोधका, सिखिज्म ऐंड द कास्ट क्वेश्चन : दलित्स ऐंड देअर पालिटिक्स इन कंटेम्पोरॅरि पंजाब कंट्रीब्यूशंस टु इण्डियन सोसिओलाजी, भाग 23, अंक 1–2, पृ. 165–92, 2004
- नीलिका मेहरोत्रा, वुमन डिस्एबिलिटी ऐंड सोशल सपोर्ट इन रूरल हरियाणा, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग 39, अंक 52, पृ. 5640–44, दिसम्बर 2004
- विवेक कुमार, बी एस पी ऐंड दलित एस्पिरेशंस, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग 39, अंक 18, 1–7 मई 2004
- विवेक कुमार, सोशल एक्सक्लुजन, अल्टरनेटिव इकोनामिक सर्वे, इण्डिया, अल्टरनेटिव सर्वे ग्रुप, 2004
- हरीश नारायणदास, इविडेंस ऐंड इफिकेसी इन मेडिसिन ऐंड द अदर मेडिसिन, सोशल साइंस ऐंड मेडिसिन आन इविडेन्स बेस्ड मेडिसिन के विशेष भाग की प्रस्तुति (प्रकाशन हेतु)

efgyk v/;;u dk;Øe

- मेरी इ. जान, फेमिनिस्ट पर्सपेक्टिव्स आन मैरिज ऐंड फैमिली : ए हिस्टोरिकल व्यू, संगोष्ठी, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग 40, अंक 8, पृ. 712–14, 721, 19 फरवरी 2005

ikB~ f'k{kk lewg

- एम.सी. पाल, डायमेंशंस ऐंड इंप्लिकेशंस आफ ड्रग ड्रेफकिंग ऐंड ड्रग एब्यूज इन इण्डिया, सोशल डिफेन्स, भाग 53, अंक 151, पृ. 4–35, जनवरी 2002 (प्रो. डी.एन. राव के साथ, 2004 में प्रकाशित)
- एम.सी. पाल, 'एडल्ट एज्यूकेशन ऐंड इंप्लायमेंट ऐंड रिसर्जेन्ट इण्डिया : ईयर्स फार एक्शन, जन साक्षरता, भाग 5, अंक 3, पृ. 5–15, सितम्बर 2004

iqLrd

,frgkfld v/;;u dsUnz

- कुमकुम राय, इण्डिया ऐंड इण्डोलाजी : पास्ट प्रजेन्ट ऐंड फ्यूचर, प्रोफेसर सुकुमारी भट्टाचार्य जी बधाई अंक, (मुख्य सम्पादक, बृहतिन्द्र नाथ मुखोपाध्याय, सम्पादकीय टीम – दीपक भट्टाचार्य, मोनुल हसन, कुमकुम राय और सोमनाथ भट्टाचार्य)
- एस.पी. रे और कार्ला सिनोपोली, (सह सं.) आर्किओलाजी ऐज हिस्ट्री इन, अर्ली साउथ एशिया, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद और आर्यन बुक इंटरनेशनल, नई दिल्ली, 2005
- मृदुला मुखर्जी, पीजेन्ट्स इन इण्डिया'स नान वायलन्ट रिवोल्युशन, प्रेक्टिस ऐंड थीअरि, सेज प्रकाशन, 2005
- एन. भट्टाचार्य, क्राफ्ट्स प्रोडक्शन, इंडस्ट्रिलाइजेशन ऐंड ग्लोबलाइजेशन एम एच आई–07, द हिस्ट्री आफ इण्डियन इकोनामी, एसेज फार इग्नू, 2004
- एन. भट्टाचार्य, ट्रेड ऐंड मार्किट्स ऐंड द रूरल इकोनामी, एम एच आई–07, द हिस्ट्री आफ इण्डियन इकोनामी, एसेज फार इग्नू, 2004

- हीरामन तिवारी, द सिक्स सिस्टम्स आफ फिलास्फी आफ एफ मैक्स मूलर, न्यू एडिशन, (हीरामन तिवारी द्वारा सम्पादित) क्रानिकल क्लासिस सीरीज, क्रानिकल बुक्स, 2004

vkfFkd v/;;u vkj fu;ktu dUn

- सी.पी. चन्द्रशेखर, आई सी टी फार ह्युमन डिवलपमेंट इन एशिया (सिमरन कुमार और किरण कार्निक के साथ), नैसकाम और यू एन डी पी, नई दिल्ली 2004
- जयती घोष, द मार्किट ऐंड फेल्ड : ए डिकेड आफ निओलिबरल इकोनामिक रिफार्म्स इन इण्डिया, (सी पी चन्द्रशेखर के साथ), द्वितीय और संशोधित संस्करण, लेफ्टवर्ड बुक्स, नई दिल्ली, 2004
- जयती घोष, वेस्ट बंगाल ह्युमन डिवलपमेंट रिपोर्ट 2004, (मुख्य लेखक), विकास और योजना विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, कलकोता, मई 2004
- जयती घोष, द इकोनामिक्स आफ द न्यू इम्पेरिलिज्म (सम्पादित भाग, आगामी), तुलिका, नई दिल्ली
- जयती घोष, फार्मर्स वैलफेयर, आन्ध्र प्रदेश सरकार विषयक आयोग की रिपोर्ट (आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वार प्रकाशन हेतु)
- अरूण कुमार, ए कुमार, चैलेंजिस फेसिंग इण्डियन यूनिवर्सिटी, जेनूटा, नई दिल्ली, नवम्बर 2004

tkfdj gqlu 'kf{kd v/;;u dn

- करूणा चानना (सं.), ट्रांस्फार्मेटिव लिंक्स आफ हायर ऐंड बेसिक एज्यूकेशन : मैपिंग द फील्ड, सेज इण्डिया, 2004
- ध्रुव रैना और इरफान एस हबीब, डोमेस्टिकेटिंग माडर्न साइंस : ए सोशल हिस्ट्री आफ साइंस ऐंड कल्चर इन कलोनियल इण्डिया, तुलिका बुक्स, 2004

jktuhfrd v/;;u dn

- सुधा पई, इंट्रोगेटिंग सोशल कैपिटल : द इण्डियन इक्सपिरिअन्स, (सह सम्पादक, भट्टाचार्य, महापात्रा और जयाल), सेज, नई दिल्ली, 2004
- वी. रोड्रिग्स, बी.आर. अम्बेडकर : इसेसनल राइटिंग्स, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2004
- जोया हसन और रितु मेनन, अनइक्वल सिटिजन्स : ए स्टडी आफ मुस्लिम वुमन इन इण्डिया, ओ यू पी, नई दिल्ली, 2004

{k=h; fodkl v/;;u dUn

- जी.एस. भल्ला, ग्लोबलाइजेशन ऐंड इण्डियन एग्रीकल्चर, स्टेट आफ द इण्डियन फार्मर : ए मिलेनियम स्टडी, भाग–19, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, अकादमिक प्रेस, नई दिल्ली, 2004
- जी.एस. भल्ला, ग्लोबलाइजेशन ऐंड एग्रीकल्चरल लिबरलाइजेशन इन इण्डिया, ए मिलेनियम स्टडी आन द स्टेट आफ द इण्डियन फार्मर, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली
- जी.के. चड्ढा, लैण्ड रिसोर्सिस, स्टेट आफ द इण्डियन फार्मर : ए मिलेनयम स्टडी, भाग–2, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, अकादमिक फाउन्डेशन, (सुचारिता सेन और एच.आर. शर्मा के साथ), 2004
- अमिताभ कुण्डु, प्रोफाइलिंग इनफार्मल सिटी, वाट ऐड इण्डिया, जनवरी 2005
- सुदेश नांगिया, आई सी एस एस आर जर्नल आफ एब्सट्रेक्स ऐंड रिव्यूज, भाग XXVII जिओग्राफी आई सी एस एस आर (डा. एल.एस. भट्ट के साथ), नई दिल्ली, 2004
- एम.एच. कुरेशी, 'इकोलाजिकल सैन्ट्स आफ डेजर्ट्स : देयर एनवायरनमेंटल ऐंड सोसिओइकोनामिक प्रोफाइल, रजत प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004
- सुचरिता सेन, लैण्ड रिसोर्सिस, स्टेट आफ द इण्डियन फार्मर : ए मिलेनियम स्टडी, 2004, भाग–2, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, अकादमिक फाउन्डेशन, (जी.के. चड्ढ़ा और एच.आर. शर्मा के साथ), 2004

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

- मोहन राव, फ्राम पाप्यूलेशन कंट्रोल टु रिप्रोडक्टिव हैल्थ, मालथुसियन आर्थमेटिक, सेज, नई दिल्ली, 2004
- मोहन राव, (सं.) द अनहर्टिड स्क्रीम : रिप्रोडक्टिव हैल्थ ऐंड वुमन'स लाइव्स इन इण्डिया, काली फार वुमन / जुबान, नई दिल्ली, 2004

सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र

- योगेन्द्र सिंह, इण्डियन सोसिओलोजी : आइडियोलाजी ऐंड थीअरि, रावत प्रकाशन, जयपुर, 2004
- दीपांकर गुप्ता, ऐथिक्स इनकार्पोरेटिड : टाप प्राइआर्टी ऐंड बाटम लाइन, हार्पर कोलिन्स, नई दिल्ली, 2004
- दीपांकर गुप्ता, कास्ट इन क्वेश्चन, सेज, नई दिल्ली, 2004
- ऐहसानुल हक, सोसिओलाजी आफ पाप्यूलेशन इन इण्डिया, (प्रकाशन हेतु पूर्ण), नई दिल्ली, 2004
- मैत्रेयी चौधरी (सं.) फेमिनिज्म इन इण्डिया (पुनः मुद्रण), जेड, लन्दन, 2005
- रेणुका सिंह, (सं.) मैनी वेज टु निर्माण, दिल्ली : वाइकिंग, 2004; हाडर ऐंड स्टोग्टन, एल; (कोरियन), मुनिडंग पब्लिंग कम्पनी कोरिया, 2004 और Presses du Chatelet, Paris, फ्रांस, 2004
- अमित कुमार शर्मा, (सं.) रिलीजन इन कल्चर इन इण्डिया : एसेज इन आनर आफ प्रो. सीएन वेणुगोपाल (प्रकाशन हेतु पाण्डुलिपि तैयार)

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र

- कुणाल चक्रवर्ती, स्मृति, पुराण, हिन्दूइज्म, द वेद्स, हिन्दुइज्म, हिन्दुत्व (सह लेखक : कुमकुम राय और तनिका सरकार) अबोंग अलाप, कोलकाता, 2005
- कुमकुम राय, इनवोकिंग ट्रेडिशन, ट्रेडिशंस इन मोशन, सम्पादक सतीश सबरवाल और सुप्रिया वर्मा, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, फरवरी 2005
- कुमकुम राय, इन सर्च आफ द वैदिक ऐज, द वेद्स, हिन्दुइज्म, हिन्दुत्व, (सह लेखक) कुणाल चक्रवर्ती और तनिका सरकार के साथ, अबोंग अलाप, (बंगाली में भी) मार्च 2005
- एच.पी. रे, फार–फ्लंग फेब्रिक्स – इण्डियन टेक्सटाइल्स इन एनशन्ट मैरीटाइम ट्रेड, टेक्सटाइल्स इन इण्डियन ओशन सोसाइटीज, (सं.) रथ बर्न्स, रूटलेज कर्जन, लन्दन, 17–73, 2005
- रजत दत्ता, द एट्टींथ सेंचुरी इन इण्डिया, इकोनामिक स्ट्रक्चर्स इन इण्डिया : इक्सपेंशन ऐंड ग्रोथ आफ द मिडिवल इकोनामी–2, (सं.) हरबंस मुखिया और आभा सिंह, इग्नू, नई दिल्ली, 2004
- एस.एन. हैदर, ए. होली राइट आफ 1714 : वर्शन्स फ्राम अहमदाबाद ऐंड दिल्ली, लिविंग टुगेदर सैप्रेटली : कल्चरल इण्डिया इन द हिस्ट्री ऐंड पालिटिक्स, (सं.) मुशिरूल हसन और आसिम राय, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2005
- एस.एन. हैदर, द मनिटरी इंटग्रेशन आफ इण्डिया अण्डर द मुगल एम्पायर, इण्डिया स्टडीज इन द हिस्ट्री आफ एन इण्डिया, (सं.) इरफान हबीब, मुंशीराम मनोहरलाल, 2004
- एस.एन. हैदर, मानिटरी सिस्टम ऐंड बिजनेस प्रेक्टिसिस, इकोनामिक स्ट्रक्चर्स इन इण्डिया, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 2005
- दिलबाग सिंह, स्टेट ऐंड सोसायटी इन मिडिवल राजस्थान, हिस्ट्री आफ साइंस, फिलास्फी ऐंड कल्चर इन इण्डियन सिविलाइजेशन, वाल्यूम VII पार्ट I द स्टेट ऐंड सोसायटी इन मिडिवल इण्डिया, (सं.) जे.एस. ग्रेवाल, ओ यू पी, पृ. 235–52, 2005
- तनिका सरकार, प्राब्लम्स आफ सोशल पावर ऐंड द डिस्कोर्सिस आफ द हिन्दू राइट, सोशल मूवमेंट इन इण्डिया : पावर्टी, पावर ऐंड पालिटिक्स, (सं.) आर. रे और एम.एफ. कतजेयुस्तेन, रोमन ऐंड लिटलफील्ड, न्यूयार्क, आई एस बी एन ओ – 7425–3843–5, आर पी 62–79, 2005

- तनिका सरकार, हीरोइक वुमन, मदर गोडनेस : एज्यूकेटिंग द चिल्ड्रन आफ द हिन्दू राष्ट्र, द जेन्डर प्रिडिकेमेन्ट आफ द हिन्दू राइट, द संघ परिवार : ए रीडर, क्रिस्टोफे जैफरेलोट, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, आई एस बी एन 069566929—0, 148—178, 178—94, 197—207, 2005
- एन. भट्टाचार्य, नोट्स टुवर्डस ए कंसेप्शन आफ द कलोनियल पब्लिक, सिविल सोसायटी ऐंड द पब्लिक स्फेयर इन इण्डिया, (सं.) राजीव भार्गव, सेज, 2005

vkfFkZd v/;;u vkSj fu;kstu dsUnz

- विकास रावल, बैंकिंग ऐंड क्रेडिट रिलेशंस इन रूरल वेस्ट बंगाल, फाइनेंशल लिबरलाइजेशन ऐंड रूरल क्रेडिट इन इण्डिया, (सं.) मधुर स्वामीनाथन और वी.के. रामचन्द्रन, तुलिका बुक्स, नई दिल्ली, 2005
- विकास रावल और केया मुखर्जी, रूरल क्रेडिट ऐंड लैण्डलैस मैन्यूअल वर्कर्स इन हरियाणा, फाइनेंशल लिबरलाइजेशन ऐंड रूरल क्रेडिट इन इण्डिया, (सं.) मधुर स्वामीनाथन और वी.के. रामचन्द्रन, तुलिका बुक्स, नई दिल्ली, 2005
- विकास रावल, रूरल इकोनोमिक स्ट्रक्चर फार ए टेक्स्टबुक आन रूरल सोसिओ—इकोनामिक स्ट्रक्चर (इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए ग्रामीण विकास में एम.ए. कार्यक्रम)
- उत्सा पटनायक, बिना पैसार भोज—ओपनिभेषिक साम्पदेर हस्तांतर ओ ब्रिटेनर शिल्पियां (बंगाली में) इण्डिया ऐंड इण्डोलाजी— प्रोफेसर सुकुमारी भट्टाचार्य फेलिसिटेशन वाल्यूम (सं.) बी मुखोपाध्याय, डी भट्टाचार्य, एम हसन, के राय और एस. भट्टाचार्य, नेशनल बुक एजेन्सी, कोलकाता, 2004
- उत्सा पटनायक, द न्यू कलोनियलिज्म इन ग्लोबलाइजेशन, (सं.) एम. भट्टाचार्य, तुलिका, नई दिल्ली, 2004
- सी.पी. चन्द्रशेखर, द पालिटिकल इकोनामी आफ द इकोनामिक रिफार्म स्ट्रेटिजी (प्रभात पटनायक और जयती घोष के साथ), क्लास कास्ट ऐंड जेंडर, रीडिंग इन इण्डियन गवर्नमेंट ऐंड पालिटिक्स, (सं.) मनोरंजन मोहन्ती, भाग 5, सेज, नई दिल्ली, 2004
- सी.पी. चन्द्रशेखर, फ्लुड फाइनेन्स, सिस्टम रिस्क ऐंड द आई एम एम'स एस डी आर एम प्रपोजल (जयती घोष और स्मिथ फ्रांसिस के साथ) आफ्टर द स्टोर्म : क्राइसिस, रिकवरी ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट इन फोर एशियन इकोनामिक्स, (सं.) के.एस. जोमो, सिंगापुर यूनिवर्सिटी प्रेस, सिंगापुर, 2004
- सी.पी. चन्द्रशेखर, फाइनेन्शल सैक्टर रिफार्म ऐंड द ट्रांस्फार्मेशन आफ बैंकिंग (सुजीत कुमार रे के साथ), फाइनेन्शल लिबरलाइजेशन ऐंड रूरल क्रेडिट इन इण्डिया, (सं.) वी के रामचन्द्रन और मधुर स्वामीनाथन, तुलिका बुक्स, नई दिल्ली, 2005
- जयती घोष, ग्लोबलाइजेशन, इकोनामिक रिस्ट्रक्चरिंग ऐंड द इंप्लिकेशंस फार डेमोक्रेसी, डिवलपिंग कंट्रीज इन डेमोक्रेसी ऐंड सिविल सोसायटी इन एशिया, वाल्यूम 1 : ग्लोबलाइजेशन, डेमोक्रेसी ऐंड सिविल सोसायटी इन एशिया, (सं.) फहिमुल कादिर और जयन्त लेले, पालग्रेव मैकमिलन, 2004
- जयती घोष, द इण्डियन इकोनामी 1970—2003, चैप्टर फार कैम्ब्रिज इकोनामिक हिस्ट्री आफ इण्डिया, भाग—II, (सं.) सब्यसाची भट्टाचार्य, ओरियन्ट लांगमैन, नई दिल्ली, 2004
- जयती घोष, (प्रभात पटनायक और सी.पी. चन्द्रशेखर के साथ) द पालिटिकल इकोनामी आफ द इण्डियन रिफार्म स्ट्रेटिजी : द रोल आफ इण्डियन कैपिटेलिस्ट क्लास', क्लास, कास्ट, जेन्डर, (सं.) मनोरंजन मोहन्ती, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004
- जयती घोष, इम्पेरिलिस्ट ग्लोबलाइजेशन ऐंड द पालिटिकल इकोनामी आफ साउथ एशिया, द पालिटिक्स आफ इम्पायर : ग्लोबलाइजेशन इन क्राइसिस, (सं.) आलम फ्रीमैन और बोरिस कागरलिटस्की), प्लूटो प्रेस, लन्दन, 2004
- जयती घोष, (सी.पी. चन्द्रशेखर और स्मिथ फ्रांसिस के साथ) फ्लुड फाइनेन्स, सिस्टेमिक रिस्क ऐंड द आइ एम एफ'स एस डी आर एम प्रपोजा, आफ्टर द स्टोर्म : क्राइसिस रिकवरी ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट, फोर एशियन इकोनामीज, (सं.) के एस जोमो, सिंगापुर यूनिवर्सिटी प्रेस, सिंगापुर, 2004
- अरूण कुमार, ग्लोबलाइजेशन ऐंड द इण्डियन इकोनामी 1 : द न्यू इकोनामिक रिफार्म्स, ग्लोबलाइजेशन ऐंड साउथ एशिया : मल्टिडिस्मेशंनल पर्सपेक्टिव्स, (सं.) ए वनाइक, मनोहर, नई दिल्ली, पृ. 18—30, आई एस बी एन — 81, 2004

- अरूण कुमार, द मैक्रोइकोनामिक सेनरियो : वीकनिंग इंटर–सैक्टरल लिंकेज्स ऐंड मार्जिनेलाइजेशन आफ द मैजोरिटी, अल्टरनेटिव इकोनामिक सर्वे 2003–04, रेनबो पब्लिशर्स लिमिटेड, नई दिल्ली, पृ. 22–27, आई एस बी एन नं. 81 – 86962–82–4, 2004
- अरूण कुमार, ग्लोबलाइजेशन ऐंड इण्डिया'स फूड सिक्यूरिटी : इश्यूज ऐंड चैलेंजिस, पावर्टी ऐंड फूड सिक्यूरिटी इन इण्डिया : प्राब्लम्स ऐंड पालिसीज, (सं.) एम एस भट्ट, आकार बुक्स, नई दिल्ली, पृ. 71–105, आई एस बी एन नं. 81 –87879–37–8, 2004
- अरूण कुमार, इश्यूज बिफोर यू.एस : द कंटेम्पोरॅरि चैलेंजिस फेसिंग इण्डियन यूनिवर्सिटीज, चैलेंजिस फेसिंग इण्डियन यूनिवर्सिटीज, (सं.) अरूण कुमार, जेएनयूटीए, नई दिल्ली, पृ. 18–27, 2004

tkfdj gqlu 'kf{kd v/;;u dsUn

- बिनोद खादरिया, द सब्सडीज क्वेश्चन इन हायर एज्यूकेशन, एज्यूकेशन, सोसायटी ऐंड डिवलपमेंट : नेशनल ऐंड इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव्स, कमिमोरेटिव पब्लिकेशन आफ द फोर्टीथ ईयर आफ नीपा, (सं.), जेबीजे तिलक, ए पी एच पब्लिशिंक कारपोरेशन, नई दिल्ली, 109–24, 2004
- बिनोद खादरिया, स्किल्ड लेबर माइग्रेशन फ्राम इण्डिया इन इंटरनेशनल लेबर माइग्रेशन फ्राम साउथ एशिया, (सं.) हिसाया ओडा, ए एस इ डी पी 70, इंस्टीट्यूट आफ डिवलपिंग इकोनामीज, जापान एक्सटर्नल ट्रेड आर्गेनाइजेशन, आई एस बी एन–4, 258–55070–1, सी 3033, पृ. 7–55, 2004
- बिनोद खादरिया, ग्लोबलाइजेशन ऐंड द इमर्जिंग ट्रेन्ड्स आफ इम्बाडीड ऐंड डिस्इम्बाडीड मोबिलिटी आफ नालेज फ्राम इण्डिया ऐंड आस्ट्रेलिया, इण्डिया ऐंड आस्ट्रेलिया : हिस्ट्री, कल्चर ऐंड सोसायटी, (सं.) एन.एन. बोहरा, शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ. 101–6, 2004
- दीपक कुमार, पर्सेप्शंस आफ पब्लिक हैल्थ : ए स्टडी आफ ब्रिटिश इण्डिया : ए मलाडाइज, प्रिवेंटिव्स ऐंड क्यूरेटिव्स : डिबेट्स आन पब्लिक हैल्थ इन इण्डिया, (सं.) ए.के. बागची और कृष्णा सोमा, तुलिका बुक्स, नई दिल्ली, पृ. 44–59, 2005
- एम. पण्डा, कल्चर ऐंड मैथमेटिक्स : ए केस स्टडी आफ सोराश, ट्रांस्फार्मेटिव लिंक्स बिटवीन हायर एज्यूकेशन ऐंड बेसिक एज्यूकेशन : मैपिंग द फील्ड, (सं.) करूणा चानना, सेज, नई दिल्ली, 2004
- ध्रुव रैना और इरफान एस हबीब, रिइवैंटिग ट्रडिशनल मेडिसिन : मेथड इंस्टीट्यूशनल चैंज, ऐंड द मैन्यूफैक्चर आफ ड्रग्स ऐंड मेडिकेशन इन लेट कलोनियल इण्डिया, एशियन मेडिसिन, नेशनलिज्म, ट्रांसनेशनलिज्म ऐंड द पालिटिक्स आफ कल्चर, (सं.) जोसेफ आल्टर, पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी प्रेस, 2004

jktuhfrd v/;;u dsUn

- सुधा पई, अण्डरस्टेंडिंग दलित आइडेंटिटी इन उत्तर प्रदेश : इमर्जेन्स, फार्म्स ऐंड इम्पैक्ट इन डिसेंट्रेलाइजेशन ऐंड लोकल गवर्नेंस, (सं.) एल.सी. जैन, ओरिएन्ट लांगमैन, नई दिल्ली, 2004
- सुधा पई, पाप्यूलेशन ऐंड इकोनामिक रिफार्म्स : द बीजेपी इक्सपेरिमेन्ट इन उत्तर प्रदेश इन पालिटिक्स आफ इकोनामिक रिफार्म्स इन इण्डिया, (सं.) जोस मोइज, सेज, 2005
- सुधा पई, ए क्वेस्ट फार आइडेंटिटी थ्रू पालिटिक्स : द शैड्यूल्ड कास्ट्स इन उत्तर प्रदेश इन इलैक्टोरल रिजर्वेशंस, पालिटिकल प्रिजर्वेशन ऐंड सोशल चेंज इन इण्डिया – ए कम्पैरिटव पर्सपेक्टिव, (सं.) स्टेफानिक टावा लामा रावल, मनोहर प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
- सुधा पई, न्यू इंस्टीट्यूशनल ऐंड लेजिस्लेटिव गवर्नेन्स इन द इण्डियन स्टेट्स : कम्पैरेटिव स्टडी आफ वेस्ट बंगाल ऐंड उत्तर प्रदेश (सह लेखक प्रदीप के शर्मा के साथ), विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र, वर्किंग पेपर सीरीज, सी एस एल जी / डब्ल्यू पी / 05–07 / मार्च 2005
- गुरप्रीत महाजन, रिकंसिलिंग इक्वैलिटी विद डाइवर्सिटी इन माइनार्टीज विदिन माइनार्टिज, (सं.) स्पिनर और इसनबर्ज, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, केम्ब्रिज, 2004

- वी रोड्रिग्स, बी आर अम्बेडकर ऐंड सिविल सोसायटी, द रेडिकल ह्युमेनिस्ट, भाग 68, अंक 6, नवम्बर 2004
- वी रोड्रिग्स, दलित – बहुजन डिस्कोर्स इन माडर्न इण्डिया, पालिटिकल थाट इन माडर्न इण्डिया, (सं.) वी आर मेहता और थामस पैन्थम, सेज, नई दिल्ली, अध्याय–4, 2005
- वी रोड्रिग्स, सिटिजनशिप ऐंड द इण्डियन कांस्टीट्यूशन, सिविल सोसायटी, पब्लिक स्फेयर ऐंड सिटिजनशिप, (सं.) राजीव भार्गव और हेल्मुट रेफील्ड, सेज, नई दिल्ली, 2005
- गोपाल गुरू, दलित्स फेस कल्चरल थ्रेट बोथ फ्राम विदिन ऐंड आउटसाइड, दलित्स ऐंड हिन्दुत्व, (सं.) आनन्द तेलतुम्बल, समय, कोलकाता, 2005
- गोपाल गुरू, हु आर द कन्ट्री'स पुअर ? सोशल मूवमेंट पालिटिक्स ऐंड दलित पुअर (अनुराधा चटर्जी के साथ), सोशल मूवमेंट इन इण्डिया, (सं.) राका रे और मैरी फैशन सोड कटजेस्तियन, रोमन ऐंड लिटिलफील्ड पब्लिकेशन, मार्च 2005
- राहुल मुखर्जी, मैनेजिंग कम्पटीशन : पालिटिक्स ऐंड द बिल्डिंग आफ इंडिपेंडेंट रेग्यूलेट्री इंस्टीट्यूशंस, इण्डिया रिव्यू (रूटलेज), भाग 3, अंक 4, पृ. 278–305, अक्टूबर 2004
- राहुल मुखर्जी, इकोनामिक सैंक्शंस ऐज ए फारेन पालिसी टूल, इंटरनेशनल रिलेशंस इन इण्डिया : ब्रिंगिंग थीअरि बैक होम, (सं.) कांति बाजपेई और एम सिद्धार्थ, ओरियन्ट लांगमैन, नई दिल्ली, पृ. 367–83, 2005

{k=h; fodkl v/;;u dsn

- अनुराधा बनर्जी और एन सी जेना, एनवायरनमेंटल आस्पेक्ट्स आफ वाटर क्वालिटी इन इण्डिया : इश्यूज इन सस्टेनेबिलिटी, वाटर सिक्यूरिटी ऐंड मैनेजमेंट आफ वाटर रिसोर्सिस, (सं.) जी एन साह, नेशनल एटलस ऐंड थिमेटिक मैपिंग आर्गेनाइजेशन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- बी एस बुटोला, ह्युमन डिवलपमेंट : हैल्थ एज्यूकेशन ऐंड सोशल सिक्यूरिटी इन इण्डिया : डेमोक्रेसी इन डिवलपमेंट, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 2004
- बी एस बुटोला, रिसोर्स एन्एक्जाइटीज ऐंड डिवलपमेंट आर्बिट्रेनियन : पैराडाक्सिस आफ माडर्निटी इन द नार्थ ईस्टर्न रीजन, स्ट्रक्चरल चेंजिस ऐंड स्ट्रेटिजीस आफ डिवलपमेंट रिसोर्स इंडस्ट्राइड लिंकेज्स इन नार्थ–ईस्ट इण्डिया, (सं.) गुरूदास दास, आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2005
- बी एस बुटोला, एनवायरनमेंट ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट, इण्डिया : डेमोक्रेसी ऐंड डिवलपमेंट, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 2004
- जी.एस. भल्ला, पावर्टी ऐंड रीजनल डिवलपमेंट : रीजनल पर्सपेक्टिव गवर्नेंस इन डिवलपमेंट इश्यूज, चैलेंजिस ऐंड स्ट्रेटजीस, इंस्टीट्यूट आफ रूरल मैनेजमेंट, आनन्द
- जी.एस. भल्ला, एग्रीकल्चरल डिवलपमेंट इन इण्डिया ऐंड चाइना–कम्पैरटिव इक्सपिरिअन्स ऐंड फ्यूचर कलोबरेशन, पंचशील ऐंड बियांड : कोआपरेशन इन डिवलपमेंट, सेंटर फार डिवलपिंग सोसायटी, नई दिल्ली
- जी.के. चड्ढा, रिसेंट सैटबैक्स टु इंप्लायमेंट ग्रोथ इन रूरल इण्डिया : सोलिसाइटिंग पालिसी आप्शंस, रिइवेटिंग रीजनल डिवलपमेंट, (सं.) सूर्य कान्त, रावत प्रकाशन जयपुर
- एन.सी. जेना, द लैण्ड : अल्टिमेंट असेट फार सस्टेन्स इन अर्थ केयर पालिसीज ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट (सं.) के.वी. सुन्दरम, नई दिल्ली, 2004
- एन.सी. जेना, एनवायरनमेंटल आस्पेक्ट्स आफ वाटर क्वालिटी इन इण्डिया : इश्यूज इन सस्टेनेबिलिटी वाटर सिक्यूरिटी ऐंड मैनेजमेंट आफ वाटर रिसोर्सिस, नैटमो विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, (अनुराधा बनर्जी के साथ), 2004
- एन.सी. जेना, इन ग्लोबलाइजेशन ए थ्रेट टु इण्डियन कल्चर ? भारत विद्या, भाग–III, बर्दवान (सुदेश नांगिया के साथ), 2004
- अतिया किदवई, अर्बेनाइजेशन प्रोसिस इन द अनडिवाइडिड पंजाब (कुसुम चौपड़ा और सुभाष मार्कस), फाइव थाउजैण्ड ईयर्स आफ अर्बेनाइजेशन : द पंजाब रीजन, (सं.) आर ग्रेवाल, मनोहर प्रकाशक, नई दिल्ली, 2005

- अमिताभ कुण्डु, (एस सारंगी और बी पी दास के साथ), इकोनामिक ग्रोथ, पावर्टी ऐंड नान–फार्म इंप्लायमेंट : एन एनालिसिस आफ रूरल–अर्बन इंटरलिंकेज्स, रूरल ट्रांस्फार्मेशन इन इण्डिया : रोल आफ नान–फार्म सैक्टर, (सं.) ए.एन. शर्मा और आर नैय्यर, मानव विकास संस्थान, नई दिल्ली, 2004
- अमिताभ कुण्डु, इंफ्रास्टक्चर फाइनेंसिंग ऐंड इमर्जिंग पैटर्न आफ अर्बेनाइजेशन : विजन 2020, इण्डिया विजन 2020, (सं.) एस.पी. गुप्ता, नई दिल्ली
- अमिताभ कुण्डु, पावर्टी ऐंड एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी इन एशियन सिटीज : इश्यूज, पालिसी पर्सपेक्टिव्स ऐंड न्यू इनिसिएटिव्स अर्बन एनवायरनमेंट मैनेजमेंट : लोकल गवर्नमेंट ऐंड कम्यूनिटी एक्शन, (सं.) ए घोष, कंसेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली
- अमिताभ कुण्डु, अर्बन पावर्टी इन इण्डिया : इश्यूज ऐंड पर्सपेक्टिव्स इन डिवलपमेंट, अर्बन पावर्टी इन इण्डिया, (सं.) एम.डी. अस्थाना और एस. अली, उप्पल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
- अमिताभ कुण्डु, इंस्टीट्यूशनल इनोवेशंस फार इंफ्रास्टक्चरल डिवलपमेंट इन इण्डिया ऐंड द इमर्जिंग अर्बन सेनारियो : चैलेंज आफ सस्टेनेबल डिवलपमेंट : द इण्डियन डायनेमिक्स, (सं.) आर सेनगुप्ता और ए.के. सिन्हा
- अमिताभ कुण्डु, मेजरिंग इनइक्वैलिटी इन एज्यूकेशन, एज्यूकेशन, सोसायटी ऐंड डिवलपमेंट : नेशनल ऐंड इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव्स, (सं.) जे बी जे तिलक, ए पी एच पब्लिशिंग कारपारेशन, नई दिल्ली
- अमिताभ कुण्डु, अर्बन लोकल गवर्नमेंट ऐंड प्राइवेट सैक्टर पार्टनरशिप इन गुजरात, पुअर ऐंड ग्रोथ ऐंड गवर्नेंस इन साउथ एशिया, (सं.) पूना विंग्नराज और सुशील श्रीवर्दन, सेज प्रकाशरन, नई दिल्ली
- पी.एम. कुलकर्णी, डू स्टेट इन द साउथर्न रीजन नीट टु फाम्युलेट स्टेट पाप्यूलेशन पालिसीज ?, पर्सपेक्टिव्स आन पाप्यूलेशन, जेंडर इंपावरमेंट ऐंड हैल्थ इन साउथ इण्डिया, (सं.) एन आदिनारायण, रिसर्च बुक सेंटर, मुम्बई
- पी.एम. कुलकर्णी, काजिज आफ फर्टिलिटी ट्रांजिशन इन तमिलनाडु (एस कृष्णामूर्ति और ए आदि नारायण), फर्टिलिटी ट्रांजिशन इन साउथ एशिया, (सं.) क्रिस्टोफ जेड जुइलमोटो और एस इरूदयरंजन, सेज, नई दिल्ली, पृ. 227—247, 2005
- पी.एम. कुलकर्णी, फर्टिलिटी इन तमिलनाडु : लेवल ऐंड ट्रेन्ड्स (पी एन रंजना और एन थेनमोझी), फर्टिलिटी ट्रांजिशन इन साउथ इण्डिया (सं.) क्रिस्टोफ जेड जुइलमोटो और एस. इरूदयरंजन, सेज, नई दिल्ली, पृ. 191—223, 2005
- असलम महमूद, पाप्यूलेशन डिवलपमेंट ऐंड फूड सिक्यूरिटी, रिसोर्स कंजर्वेशन ऐंड फूड सिक्यूरिटी, (सं.) टी.पी. सिंह, कंसेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, 2004
- सुदेश नांगिया, जेंडर इंपावरमेंट : पालिसीज ऐंड प्रोग्राम्स (तीस्ता बनर्जी के साथ), पर्सपेक्टिव्स आन पाप्यूलेशन, जेंडर इंपावरमेंट ऐंड हैल्थ इन साउथ इण्डिया, रिसर्च बुक सेंटर, नई दिल्ली
- सरस्वती राजू, जेंडर ऐंड जिओग्राफी इन इण्डिया : वाई द टू शैल मीट ?, स्पेसियलिटी आफ सोसायटी : ट्रेन्ड्स इन इण्डियन ह्युमन जिओग्राफी इन द ट्वेन्टीफर्स्ट सेंचुरी, (सं.) एस.जी. बनर्जी, रावत प्रकाशन, जयपुर 2004
- सरस्वती राजू, फारग्राउंडिंग वुमन मिसिंग जेंडर, पालिसी इंटरवेंशन क्रिएेट्स दस फार ऐंड नो फरदर' सर्पोटिव इंफ्लुअन्स : ए केस फ्राम इण्डिया, ए कम्पेनियन टु फेमिनिस्ट जिओग्राफी (सं.) लाइज नेल्शन और जानी सीगर, आक्सफोर्ड, ब्लैकवैल ऐंड ब्लैकवैल, यू.एस.
- सरस्वती राजू, जिओग्राफी ऐंड जेंडर रिकंसिडर्ड, इन वुमन ऐंड जिओग्राफी, स्टडी ग्रुप अफ रायल जिओग्राफिकल सोसायटी, इंस्टीट्यूट आफ ब्रिटिश जिओग्राफर्स, अगस्त 2004
- रवि श्रीवास्तव, रीजनल कंटूर्स आफ पावर्टी, इंपावरमेंट, मोबिलिटी अमंग रूरल लेबलर्स इन उत्तर प्रदेश, लेबर पावर्टी : स्टडीज आन उत्तर प्रदेश, (सं.) यू. कल्पगम, सिगमेंट बुक्स, नई दिल्ली, 2004
- एम.एच. कुरेशी, कंजरवेशन प्रेक्टेसीज ऐंड रिलिजस इडियम्स : ए केस स्टडी आफ बिश्नोईज इन इण्डिया, ए कल्चरल जिओग्राफी : फोरम ऐंड प्रोसिस, (सं.) नीलम ग्रोवर और काशी नाथ सिंह, कंसेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, (सुरेश कुमार के साथ)

- एम.डी. विमूरी, माइग्रेशन पैटर्न आफ उत्तर प्रदेश'स पाप्यूलेशन इन प्रिवेंशन आफ एचआईवी / ऐड्स इन उत्तर प्रदेश, (सं.) जी नारायणन, यू.पी. स्टेट ऐड्स कंट्रोल सोसायटी ऐंड फ्यूचर्स ग्रुप, नई दिल्ली (संगीता भट्टाचार्य के साथ)
- दीपक कुमार मिश्रा, ग्लोबलाइजेशन ऐंड रूरल डिवलपमेंट : द रोल आफ इंस्टीट्यूशंस इन ग्लोबलाइजेशन ऐंड रूरल डिवलपमेंट : अंडरस्टेंडिंग न्यू डिवलपमेंट पैराडिग्म्स, (सं.) एम सी बहेरा, कामनवैल्थ प्रकाशक, नई दिल्ली, 2005

foKku uhfr v/;;u dsUnz

- वी.वी. कृष्णा, एज्यूकेशन, ट्रेनिंग ऐंड स्किल्स फार्मेशन फ्राम डिसेंट वर्क इन द इनफार्मल सैक्टर : केस स्टडीज फ्राम नार्थ इण्डिया इन मीटिंग बेसिक लर्निंग नीड्स इन द इनफार्मल सैक्टर इंटग्रेटिंग एज्यूकेशन ऐंड ट्रेनिंग फार डिसेंट वर्क, इंपावरमेंट ऐंड सिटिजनशिप, (सं.) एम सिंह, यूनेस्को इंस्टीट्यूट फार एज्यूकेशन ऐंड स्प्रिंगर, बर्लिन ऐंड द नीदरलैण्ड, 2004
- वी.वी. कृष्णा, इंस्टीट्यूशनल सपोर्ट स्ट्रक्चर्स ऐंड माड्ल्स आफ स्किल्स ट्रांसमिशन, मीटिंग बेसिक लर्निंग नीड्स, द इनफार्मल सैक्टर – इंटग्रेटिंग एज्यूकेशन ऐंड ट्रेनिंग फार डिसेंट वर्क, इंपावरमेंट ऐंड सिटीजनशिप (सं.) एम. सिंह, यूनेस्को इंस्टीट्यूट फार एज्यूकेशन ऐंड स्प्रिंगर, बर्लिन ऐंड द नीदरलैण्ड 2004

lkekftd fpfdRlk'kkL= vkSj lkeqnkf;d LokLF; dsUnz

- इमराना कादिर और ए सागर, कम्यूनिटी हैल्थ ऐंड सैनिटेशन – ए विजन फार हंगर–फ्री इण्डिया, टुवर्डस हंगर–फ्री इण्डिया – फ्राम विजन टु एक्शन, ईस्ट–वेस्ट बुक्स, मद्रास, 2004
- इमराना कादिर और ए सागर, हैल्थ इन मैग्निफाइंग मैल डिवलपमेंट, अल्टरनेटिव इकोनामिक सर्वे, रेनबो प्रकाशक, दिल्ली और जेड बुक्स, लन्दन, 2004
- मोहन राव, ग्लोबलाइजेशन ऐंड हैल्थ, ग्लोबलाइजेशन ऐंड साउथ एशिया : मल्टिडाइमेंशनल पर्सपेक्टिव्स, (सं.) अचिन विनायक, मनोहर प्रकाशक, नई दिल्ली, 2004
- रामा वी. बारू, प्राइवेटाइजेशन आफ हैल्थ केयर : कंडीशंस आफ वर्कर्स इन प्राइवेट हास्पिटल्स इन ग्लोबलाइजेशन, (सं.) मालिनी भट्टाचार्य, नई दिल्ली, 2004
- रामा वी. बारू, जेंडर ऐंड सोशल करेक्ट्राइजिस्टिक्स आफ द लेबर फोर्स इन हैल्थ (सं.) शक्ति काक और बिवामोई पटेल, नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली
- अल्पना डी. सागर और इमराना कादिर, कम्यूनिटी हैल्थ ऐंड सैनिटेशन ए विजन फार हंगर फ्री इण्डिया, टुवर्डस हंगर फ्री इण्डिया – फ्राम विजन टु एक्शन, ईस्ट–वेस्ट वुक्स, मद्रास, 2004
- अल्पना डी. सागर और इमराना कादिर, हैल्थ इन मैग्निफाइंग मैल–डिवलपमेंट अल्टरनेटिव इकोनामिक सर्वे, रेनबो प्रकाशक, दिल्ली, और जेड बुक्स, लन्दन, 2004
- सुनीता रेड्डी, बिलीफ ऐंड प्रेक्टसीज रिलेटिड टु पार्टुरिशन अमंग कोंडा रेड्डी ट्राइब्स आफ आन्ध्र प्रदेश, इन कंटेम्पोरॅरि सोसायटीज ट्राइबल स्टडीज (सं.) दीपक बहेरा और जार्ज पीफर, कंसेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, पृ. 215–238

lkekftd i)fr v/;;u dsUnz

- योगेन्द्र सिंह, फिलास्फी, सिविलाइजेशन ऐंड कंसेप्चुअल कैटेगरीज इन सोसिओलाजी, फिलास्फिकल कांससनेस ऐंड साइंटिफिक नालेज : कंसेप्चुअल लिंकेज्स ऐंड सिविलाइजेशनल बैकग्राउन्ड, (सं.) डी पी चट्टोपाध्याय, सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, नई दिल्ली, 2004
- दीपांकर गुप्ता, द कापी आफ द टेररिस्ट : द एब्सेन्ट डिस्कोर्स आफ सोशल ह्युमिलिएशन, विल इण्डिया सरवाइव (सं.) एम. हसन, इम्प्रिन्ट गुड़गांव, 2004
- ऐहसानुल हक, रिलिजस डेमोग्राफी (अंडर कम्पलीशन) फार सी एन वेणु गोपाल वाल्यूम आन सोसिओलाजी, रावत, 2005

- आनन्द कुमार पालिटिकल सोसिओलाजिकल आफ पावर्टी इन इण्डिया, सीपीऐंड–सी आइ आइ पी ए वर्किंग पेपर्स 3, नई दिल्ली, 2004
- आनन्द कुमार, वैलफेयर स्टेट सिस्टम इन इण्डिया, वैलफेयर स्टेट्स ऐंड द फ्युचर, (सं.) बी विवेकानन्दन, एम मैकमिलन, लन्दन, 2005
- तिपलुत नोंगब्री, टिम्बर बैन इन नार्थ–ईस्ट इण्डिया : इफैक्ट्स आन लिविलहुड ऐंड जेंडर, ग्लोबलाइजेशन ऐंड इंडिजिन्स पीपल्स : चेंजिंग द ग्लोबल – लोकल इंटरफेस, (सं.) गोविन्द कल्कर, देव नाथन और पी वाल्टर, सेज, दिल्ली, 2004
- तिपलुत नोंगब्री, कल्चर ऐंड बायोडाइवर्सिटी : मिथ्स, लिजेन्ड्स ऐंड कंजर्वेशन आफ नेचर इन द हिल्स आफ नार्थ–ईस्ट इण्डिया, आर्डियल्स ऐंड वायस आफ द इंडिजिनस ऐंड ट्राइबल पीपल्स कंसल्टेशंस, गुवाहाटी, आई सी आई टी पी, 2005
- सुसन विश्वनाथन, द यूकेरिस्ट, रिलिजस आफ इण्डिया, (सं.) टी.एन. मदान, ओ यू पी, दिल्ली, 2004
- सुसन विश्वनाथन, वुमन ऐंड इण्डियन रिलिजन्स : क्रिस्चैनिटी, वुमन इन इण्डियन रिलिजन्स, (सं.) अरविन्द शर्मा, ओ यू पी, दिल्ली, 2004
- एस.एस. जोधका नेशन, एन्थ्रोपोलाजी ऐंड द विलेज, अण्डरस्टेंडिंग इण्डियन सोसायटी : द नान बृाहमेनिक पर्सपेक्टिव, (सं.) एस.एम. दहीवाले, रावत प्रकाशन, जयपुर, पृ. 59–85, 2005
- एस.एस. जोधका, डिसोसिएशन, डिस्टेंसिंग ऐंड आटोनामी : कास्ट ऐंड अनटचएबिलिटी इन रूरल पंजाब, दलित्स इन रीजनल कंटेक्स्ट, (सं.) हरीश के पुरी, रावत प्रकाशन, जयपुर, 2004
- एस.एस. जोधका, सिक्किम ऐंड द कास्ट क्वेश्चन : दलित्स ऐंड देअर पालिटिक्स इन कंटेम्पोरॅरि पंजाब इन कास्ट इन क्वेश्चन : आइडेंटिटी आर हिरारकी, (सं.) दीपांकर गुप्ता, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004
- एस.एस. जोधका एग्रेरियन स्ट्रक्चर्स ऐंड देयर ट्रास्फार्मेशंस, हैडबुक आफ इण्डियन सोसिओलाजी, (सं.) वीना दास, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, प्रेस, नई दिल्ली, 2004
- वी. सुजाता, वाइटर मेडिकल लोर ? इंडिजिनस मेडिसिएन्स ऐंड हैल्थ डिवलपमेंट इन इण्डिया, Panser le Monde Penser les Medecines : Traditions Medicales et Developpement Sanitaire (सं.) एल पोर्डी, कर्थला, पेरिश, 2005
- अमित कुमार शर्मा, कम्यूनिकेशन स्ट्रेटजीस ऐंड एम्पायर्स (उदय सहाय और पवन चौधरी के साथ), वाट मेक्स न्यूज ? (सं.) उदय सहाय, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली
- अमित कुमार शर्मा, इण्डोलाजी इन इण्डिया : ए सोसिओलाजिकल पर्सपेक्टिव, प्रो. एस.पी. नगेन्द्र, अभिनन्दन अंक, (आगामी), (सं.) प्रो. योगेंद्र सहाय और प्रो. रमेश चन्द्र तिवारी

efgyk v/;;u dk;Øe

- मेरी इ. जान, फेमिनिस्ट इंटरवेंशंस इन टाकिंग न्यू पालिटिक्स, सीरीज : आर अदर वर्ल्डस पासिबल ? (सं.) जयसेन और मौर्या सैनी, जुबान बुक्स, नई दिल्ली, 2005
- मेरी इ. जान, इण्डिया–कंट्री रिपोर्ट, वुमन'स जेन्डर स्टडीज इन एशिया ऐंड द पेस्फिक, यूनेस्को, बैंकाक, पृ. 17–48, 2004

ikk< f'k{kk leg

- एम.सी. पाल, स्मोकिंग आफ टुबैको अमंग यूथ ऐंड इट्स इंप्लिकेशंस', ड्रग्स ऐंड सब्सटेन्स एब्यूज प्राब्लम्स इन इण्डिया' (सं.) एम.सी. पाल, मित्तल प्रकाशन, नई दिल्ली

'kSf{kd fjdkMZ 'kks/k ;fuV

- चिन्ना राव यगाती, रिजर्वेशंस विदिन रिजर्वेशंस : एज्यूकेशनल डिवलपमेंट ऐंड रिसेंट सोशल मूवमेंटस इन आन्ध्र प्रदेश, रिसेंट ट्रेस इन हिस्टोरिकल स्टडीज, (सं.) ए सत्यनारायण और पी. चिन्ना रेड्डी, रिसर्च इण्डिया प्रेस, नई दिल्ली 2005

'kks/k vkys[k

,frgkfld v/;;u dsnz

- इंदिवर काम्तेकर, द ऐंड आफ द कलोनियल स्टेट इन इण्डिया, 1942–47
- एच.पी. रे, डिफाइनिंग द आर्किओलाजिकल लैण्डस्केप इन इण्डिया (1861–1948), आई सी एच आर परियोजना, 2002–04
- विजय रामास्वामी, हिस्टोरिकल डिक्शनरी आफ द तमिल्स, कमीशंड वर्क बाई स्केयरक्रो प्रेस, यूनिवर्सिटी आफ न्यूयार्क
- विजय रामास्वामी, तमिल वुमन फ्राम द अण्डरसाइड आफ हिस्ट्री, ओरिएन्ट लांगमैन, हैदराबाद, नई दिल्ली
- राधिका सिन्हा, डी एस ए ग्रान्ट इन समर 2005 फार आर्किवल वर्क इन द महाराष्ट्र स्टेट आर्किस, मुम्बई आन द हिस्ट्री आफ द कलोनियल पासपोर्ट
- राधिका सिन्हा, इतिहास पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू, 2005

vkfFkZd v/;;u vkSj fu;kstu dsnz

- जयती घोष, मुख्य शोधार्थी, आई डी पी ए डी/आई सी एस एस आर की 'क्रास–बार्डर डिफ्यूजन आफ आई सी टी ऐंड डिवलपमेंट : कम्पैरटिव इक्सपिरिअन्स आफ इण्डिया ऐंड द इ यू भागीदार संस्थान : डेल्फट यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलाजी, द नीदरलैण्ड्स, 2004–06

tkfdj gqlSu 'kSf{kd v/;;u dsUnz

- सुमन चट्टोपाध्याय, सिक्किम राज्य के विकास की रिपोर्ट नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक फाइनेन्स और पालिसी फार प्लानिंग कमीशन द्वारा तैयार की जा रही है। रिपोर्ट में प्रकाशित अध्याय 'फिसिकल मैनेजमेंट', 'इकोनामिक ग्रोथ ऐंड वर्कफोर्स पार्टिसिपेशन' और इंडस्ट्री ट्रेड ऐंड इंप्लायमेंट' शामिल हैं।
- दीपक कुमार, 'इंस्टीट्यूशनलाइजेशन आफ साइंस इन एग्रीकल्चर : ए स्टडी आफ मद्रास प्रेसिडेन्सी' विषयक इंसा की परियोजना, सितम्बर 2004 में पूरी हो गई।
- गीता बी. नाम्बिसन, प्रोग्राम बिल्डिंग फार द यूनिवर्सिटी स्कूल रिसोर्स नेटवर्क, सर रतन टाटा, ट्रस्ट, मुम्बई द्वारा प्रायोजित
- मिनाती पण्डा, छत्तीसगढ़ में प्राइमरी स्तर पर गणित के पाठ्यक्रम की संवीक्षा
- मिनाती पण्डा, (राब कलासेन, यूनिवर्सिटी आफ अल्बेरटा, कनाडा के साथ) 'टीचर इफिकेसी बिलीफस ऐंड जाब सैटिस्फैक्शन : ए कम्पैरिटिव स्टडी आफ इण्डियन टीचर्स इन कनाडा ऐंड इण्डिया, अल्बेरटा विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित

jktuhfrd v/;;u dsnz

- राहुल मुखर्जी, द इण्डियन स्टेट अण्डर ग्लोबलाइजेशन : ए रिसर्च एजेन्डा, वर्किंग पेपर नं.–1, ग्लोबलाइजेशन ऐंड द इण्डियन स्टेट' शोध परियोजना

{ks=h; fodkl v/;;u dsnz

- जी.के. चड्ढ़ा, लैण्ड रिसोर्सिस इन इण्डियन एग्रीकल्चर : पालिसी, यूज ऐंड फ्यूचर स्ट्रेटिजिक च्वाइसिस' (सुचरिता सेन और एच.आर. शर्मा के साथ संयुक्त रूप से), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार
- जी.के. चड्ढ़ा, एग्रो इंडस्ट्रिलाइजेशन इन इण्डिया (डा. ए.के. गुलाटी, आई एफ पी आर आई, वाशिंग्टन के साथ संयुक्त रूप से)
- दीपक के. मिश्रा 'एनवायरनमेंट, प्रापर्टी राइट्स ऐंड रूरल लिविलहुड स्ट्रेटिजीस : ए स्टडी आन अरूणाचल प्रदेश, आई सी एस एस आर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित (प्रो. अमित्व मित्रा के साथ)
- दीपक के. मिश्रा, सदस्य, टेक्नीकल कमेटी, अरूणाचल प्रदेश, ह्युमन डिवलपमेंट रिपोर्ट, अरूणाचल विश्वविद्यालय की परियोजना तथा यू एन डी पी, योजना आयोग और अरूणाचल प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित

- दीपक के. मिश्रा, ए सिचुएशनल एनालिसिस आफ वुमन इन अरूणाचल प्रदेश : विषयक रिपोर्ट पूरी हुई, नेशनल कमीशन फार वुमन, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित (डा. वन्दना उपाध्याय के साथ)
- दीपक के. मिश्रा 'रूरल नान–फार्म इंप्लायमेंट इन अरूणाचल प्रदेश : ग्रोथ कम्पोजिशन ऐंड डिटर्मिनेंट्स' वी वी गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा द्वारा प्रायोजित
- दीपक के. मिश्रा, 'ग्लोबलाइजेश ऐंड चाइल्ड लेबर : ए साउथ एशियन पर्सपेक्टिव' मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट आफ एशियन स्टडीज, कोलकाता द्वारा प्रायोजित (डा. वी उपाध्याय के साथ)
- सरस्वती राजू, आई एल ओ कंट्री रिपोर्ट फार इंटरनेशनल प्रोग्राम फार एलिमिनेशन आफ चाइल्ड लेबर (आई एल ओ – आई पी इ सी), अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, जिनेवा
- सरस्वती राजू, एक्सिस टु आर सी एच सर्विसिस बाई वल्नरेबल ग्रुप्स इन हरियाणा' स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण मंत्रालय, विश्व बैंक और डी एफ आई डी, नई दिल्ली द्वारा शुरू की गई 10वीं पंचवर्षीय योजना, नई दिल्ली के आर सी एच – चरण–2 के लिए।
- सरस्वती राजू, 'डिवलपमेंट एन जी ओ'स ऐंड द स्टेट अण्डर गुड गवर्नेंस क्रिटिकल वाइसिस आर कलोबरेटर्स इन निओलिबरलिज्म ? (प्रो. फातिमा अली खान, जानेट टाउनसेन्ड, एलिजाबेथ आर्डेफिओ – स्कैन्डोर्फ, डा पीटर केई, डा. इम्मा माडस्लि, डा. जिना पोर्टर, डी एफ आई डी, यू.के. के साथ)
- सरस्वती राजू, 'इनक्रीजिंग मैस्क्युलिनिटी इन इण्डिया इन सलैक्ट स्टेट्स' वुमन स्टडीज प्रोग्राम, जेएनयू और एन जी ओ एक्शन ऐड इण्डिया के सहयोग से
- सरस्वती राजू, 'जेन्डर पावर्टी लेबर मार्किट, स्पेस ऐंड प्लेस' सिडा–आई डी आर सी कार्लेटन यूनिवर्सिटी – यूनिवर्सिटी आफ ओटावा विजिटिंग फेलोशिप, 2004–05 का भाग
- रवि श्रीवास्तव (ए के कुण्डु के साथ), 'मीटिंग द फूड सिक्यूरिटी चैलेंज इन इण्डिया : मीडियम टर्म गोल्स ऐंड स्ट्रेटिजीस, खाद्य मंत्रालय, भारत सरकार हेतु तैयार (2004)
- रवि श्रीवास्तव 'बांडिड लेबर इन इण्डिया : इट्स इंसिडेंस ऐंड पैटर्न, एन अपडेट बेस्ड आन रिसेन्ट इविडेन्स' अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, जिनेवा हेतु तैयार, 2004
- रवि श्रीवास्तव, लैण्ड रिफार्म्स ऐंड द पुअर इन इण्डिया : ए रिव्यू आफ इश्यूज ऐंड रिसेन्ट इविडेन्स' नेचुरल रिसोर्स इंस्टीट्यूट, ग्रीनविच, लंदन, 2004
- रवि श्रीवास्तव, 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द रूरल पूअर : सस्टेनिंग रूरल लिविलहुड्स इन इण्डिया' शास्त्री एप्लाइड रिसर्च प्रोग्राम के तहत शास्त्री इण्डो–कनेडियन रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा प्रायोजित
- रवि श्रीवास्तव, डिवलपमेंट प्लान फार रायबरेली डिस्ट्रिक्ट, उत्तर प्रदेश, राष्ट्रीय सलाहकार परिषद् द्वारा प्रायोजित, राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा वित्तपोषित
- हरजीत सिंह, करिकुलम डिवलपमेंट विषयक इंटर जीआईएस परियोजना, पांच अन्य विश्वविद्यालयों के साथ एशिया लिंक प्रोग्राम की इ.सी. द्वारा प्रायोजित परियोजना, (हरजीत सिंह और अनुराधा बनर्जी के साथ), 2003–05
- हरजीत सिंह, 'डेजर्टिफिकेशन ऐंड सोसिओ–इकोनामिक प्रोफाइल आफ कीलांग वाटरशेड, लेह (साउथ), ऐंड कठुआ वाटरशेड;, स्पेस एप्लिकेशन सेंटर, इसरो, अहमदाबाद
- हरजीत सिंह, 'डेजर्टिफिकेशन मैपिंग आफ सुपु चु लाहौल ऐंड स्पीति' स्पेस एप्लिकेशन सेंटर, इसरो, अहमदाबाद, (मिलाप चन्द्र शर्मा के साथ)
- मिलाप शर्मा 'डेजर्टिफिकेशन स्टेट्स मैपिंग इन डेजर्ट (लाहौल ऐंड स्पीति) : एच पी स्पेस एप्लिकेशन सेंटर, इसरो, अहमदाबाद (हरजीत सिंह के साथ)
- मिलाप शर्मा, करिकुलम डिवलपमेंट विषयक इंटर जीआईएस परियोजना, पांच अन्य विश्वविद्यालयों के साथ एशिया लिंक प्रोग्राम की इ सी द्वारा प्रायोजित परियोजना, 2003–05 (हरजीत सिंह और अनुराधा बनर्जी के साथ)
- मिलाप शर्मा, (ए एस रामनाथन के साथ), 'पेलिओक्लाइमेट रिकंस्ट्रक्शन ऐंड ग्लेसियल क्रोनोलाजी आफ गंगोत्री ग्लेसियर', एन डब्ल्यू गढ़वाल हिमालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित परियोजना, 2003–06

- सुचरिता सेन, 'लैण्ड रिसोर्सिस इन इण्डियन एग्रीकल्चर पालिसी, यूज ऐंड फ्युचर स्ट्रेटिजिक च्वाइस' (जी के चड्ढा और एच आर शर्मा के साथ), खाद्य मंत्रालय, भारत सरकार, 2004
- अनुराधा बनर्जी, भूगोल विभाग, सेल्जबर्ग विश्वविद्यालय, आस्ट्रिया के सहयोग से इ यू द्वारा प्रायोजित, 'इंटरनेशनल करिकुलम डिवलपमेंट' विषयक इंटर जीआईएस प्रोग्राम (एम सी शर्मा और हरजीत सिंह के साथ)
- डी.एन. दास, प्रधान अन्वेषक, डिवलपमेंट प्लान फार रायबरेली डिस्ट्रिक्ट, उत्तर प्रदेश, राष्ट्रीय सलाहकार परिषद् द्वारा प्रायोजित राजीव गांधी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषित, (एस रवि और ए महमूद के साथ)
- अमिताभ कुण्डु, अर्बन गवर्नेन्स इन इण्डिया मेगा सिटीज' विषयक आईडीपीएडी की परियोजना, आईसीएसएसआर
- अतुल सूद, 'इम्पैक्ट आफ लिबरलाइजेशन ऐंड इंटरनेशनल ट्रेड रिजीम्स आन एक्सस टु मेडिसिन्स ऐंड हैल्थ सर्विसिज' शास्त्री एप्लाइड रिसर्च प्रोजेक्ट
- अतुल सूद, 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द पुअर : सस्टेनिंग रूरल लिविलहुड्स इन इण्डिया', शास्त्री एप्लाइड रिसर्च प्रोजेक्ट
- सुदेश नांगिया, 'इनवाल्वमेंट आफ इलैक्टिड रिप्रेजेंटेटिव्स फार एडवोकेसी आन पाप्यूलेशन रिप्रोडक्टिव हैल्थ, रिप्रोडक्टिव राइट्स ऐंड वुमन इंपावरमेंट', यूएनएफपीए – एमएचएफडब्ल्यु, पाप्यूलेशन ऐंड डिवलपमेंट' विषयक इण्डियन एसोसिएशन आफ पार्लियामेंटेरियन्स के सहयोग से।
- आर के शर्मा 'पाप्यूलेशन ग्रोथ ऐंड कामन प्रापर्टी रिसोर्सिस : इंप्लिकेशन फार वुमन ऐंड पुअर (ए केस स्टडी आफ हिमाचल प्रदेश); विश्वविद्यालय अनुदान आयोग।
- आर के शर्मा, रूरल लिवलिहुड डाइवर्सिफिकेशन इन ए हिल रीजन : ए केस स्टडी आफ गढ़वाल रीजन आफ उत्तरांचल, आइ सी एस एस आर
- अतिया किदवई, 'द नेटवर्क आफ कस्बा टाउन्स इन नार्थ इण्डिया', रुहेलखण्ड ऐंड अवध (1870–1947)

foKku uhfr v/;;u dsUnz

- वी.वी. कृष्णा, 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द चेंजिंग स्ट्रक्चर आफ लार्ज साइंटिफिक रिसर्च सिस्टम्स : द केस आफ सी एस आई आर ओ (आस्ट्रेलिया), एन आर सी (कनाडा), सी एन आर एस (फ्रांस), सी आर आई एस (न्यूजीलैण्ड) और ऐजिस, यूनिवर्सिटी आफ वेस्टर्न सिडनी, सी एस आई आर ओ, केनब्रा और एम एस एच, पेरिस, फ्रांस द्वारा आंशिक रूप से प्रायोजित

lkekftd fpfdRlk 'kkL= vkSj lkeqnkf;d LokLF; dsUnz

- के आर नायर, शैक्षिक सह–समन्वयक, मानिटरिंग हैल्थ सैक्टर पालिसीज इन साउथ एशिया' विषयक परियोजना यूरोपीय आयोग ब्रूसेल्स द्वारा वित्तपोषित
- रामा वी बारू कामर्सिलाइजेशन आफ हैल्थ : ग्लोबल रिएल्टीज ऐंड लोकल डायनेमिक्स, विषयक पूरी हो चुकी परियोजना, यू एन आर आई एस डी
- रामा वी बारू, लेसन्स इमर्जिंग फ्राम स्टेट ह्युमन डिवलपमेंट रिपोर्टर्स' हैल्थ, यू एन डी पी, नई दिल्ली द्वारा शुरू की गई परियोजना, अक्टूबर–दिसम्बर 2004
- रितु प्रिया मेहरोत्रा, ए स्टडी आन कम्यूनिटी रिस्पांसिस टु लांग टर्म इलनेस ऐंड डैथ अमंग एडल्ट्स (15–49 ईयर्स) : वुमन'स इक्सपिरिअन्सिस ऐंड पर्सेप्शंस इन टु लो कास्ट ग्रुप्स इन इण्डिया, कम्यूनिटी रिस्पांसिस टु एच आई वी/एड्स आफ द यूनाइटिड नेशंस रिसर्च इंस्टीट्यूट फार सोशल डिवलपमेंट, जिनेवा, विषयक कार्यक्रम का भाग।
- रितु प्रिया मेहरोत्रा 'रिविजिटिंग टोंक : द चेंजिंग हैल्थ सेनारियो मानिटरिंग शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर इन साउथ एशिया के भाग के रूप में, यूरोपीय आयोग द्वारा वित्तपोषित
- राजीब दासगुप्ता, मानिटरिंग शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर इन साउथ एशिया, यूरोपीय आयोग द्वारा वित्तपोषित
- राजीब दासगुप्ता, इवैल्यूएशन आफ ए एफ पी सर्विलेन्स ऐंड यूनिवर्सल इम्यूनिजेशन प्रोग्राम इन इण्डिया, इण्डिया क्लीन प्रोग्राम इवैल्यूएशन नेटवर्क, क्लिनकल इपिडेमिओलाजी यूनिट आल इण्डिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसिस, नई दिल्ली

lkekftd i)fr v/;;u dsn

- नन्दू राम, एन इनोवेटिव स्कूल – होम रिलेशनशिप ऐज पैडागोगिक साल्यूशन फार इंटग्रेशन आफ आर्टिसन्स ऐंड अदर मार्जिनेलाइज्ड ग्रुप्स, आई डी पी ए डी, आई सी एस एस आर, नई दिल्ली
- तिपलुत नोंगब्री, सिचुएशनल एनालिसिस आफ वुमन इन द स्टेट आफ मेघालय, राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली (पूरी हो चुकी परियोजना)
- सुसन विश्वनाथन, स्टडींग द राइटिंग्स आफ डिवोटीज आफ रमन महर्षि (चल रही परियोजना)
- रेणुका सिंह, 'क्रास कल्चरल मैरिज्स (चल रही परियोजना)
- अमित कुमार शर्मा, 'कल्चरल डायमेंशंस आफ सम्प्रदायज इन इण्डिया', डी एन ए, सी एस एस एस, ए एस एच आई एस एस, सी एस एस एस, स्वतः वित्तपोषित (चल रही परियोजना)
- नीलिका मेहरोत्रा, 'निगोसिएटिंग जेंडर ऐंड डिस्एबिलिटी इन रूरल इण्डिया' विषयक पाण्डुलिपि पर कार्य कर रही हैं।
- हरीश नारायण दास, 'इम्यूनिजेशन अंडर कंडीशंस आफ सिविल स्ट्राइफ : द केस आफ श्रीलंका, (चल रही परियोजना)
- हरीश नारायण दास, 'आयुर्वेद इन मद्रास सिटी' (चल रही परियोजना)

jk"Vh;@vUrjk"Vh; lEeyuk@cBdk@dk;'kkykvk e ifrHkkfxrk

,frgkfld v/;;u dUn

- माजीद सिद्दीकी ने फरवरी 2005 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित इतिहासकारों की 'प्रास्पेक्ट्स आफ रिसर्च' इण्डो–पाकिस्तान की परिचर्चा में भाग लिया।
- कुणाल चक्रवर्ती ने मार्च 2005 में विशेष सहायता विभाग, ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में (सुश्री आर महालक्ष्मी के साथ), आस्पेक्ट्स आफ हिस्ट्री आफ रिलिजन्स इन अर्ली इण्डिया' विषयक कार्यशाला आयोजित की।
- इंदिवर काम्तेकर ने 2 अप्रैल 2004 को मिचीगन विश्वविद्यालय में, 8 अप्रैल 2004 को यूनिवर्सिटी आफ इलिनोइस, अर्बाना–कैम्पेन में, 19 अप्रैल 2004 को येल विश्वविद्यालय में, 8 सितम्बर 2004 को इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में; 8 अक्टूबर 2004 को समाजशास्त्र विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में और 20 अक्टूबर 2004 को ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू में, 'लुकिंग बियांड फ्लैग्स : द 1940स इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- इंदिवर काम्तेकर ने 6 अप्रैल 2004 को ओबेरलिन कालेज में; 8 अप्रैल 2004 को इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना–कैम्पेन मे; 12 अप्रैल 2004 को कार्नेल विश्वविद्यालय में; 13 अप्रैल 2004 को इण्डियाना विश्वविद्यालय, ब्लूमिंग्टन में और 16 अप्रैल 2004 को शिकागो विश्वविद्यालय में, 'इण्डिया इन द सेकण्ड वर्ल्ड वार' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- इंदिवर काम्तेकर ने 21 अप्रैल 2004 को स्कूल आफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज, वाशिंग्टन में आयोजित 'वार मोबिलाइजेशन ऐंड स्टेट पावर इन इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- इंदिवर काम्तेकर ने 7 फरवरी 2005 को सुसान्त स्कूल आफ आर्ट ऐंड आर्किटेक्चर, गुड़गांव में आयोजित 'राइटिंग इण्डियन हिस्ट्री' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- हीरामन तिवारी ने 5 से 6 नवम्बर 2004 तक दर्शनशास्त्र केंद्र, सामाजिक विज्ञान विभाग, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'लैंग्यूवेज, मीनिंग ऐंड द टेक्स्ट' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- कुमकुम राय ने नवम्बर 2004 में सेंटर फार आर्कियोलाजिकल स्टडीज ऐंड ट्रेनिंग, ईस्ट इण्डिया, कोलकाता में आयोजित, आर्कियोलाजी आफ अर्ली हिस्टोरिक साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- कुमकुम राय ने 'द सैक्रिफिसियल पिट : प्राब्लम्स ऐंड पासिबिलिटीज आफ एन आर्किओलाजी आफ ए रिचुअल टेक्स्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एच.पी. रे ने 25 से 27 अक्टूबर 2004 तक आई आई ए एस, शिमला में आयोजित 'इण्डिया ऐंड एशिया : ऐस्थेटिक डिस्कोर्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'डिफाइनिंग द बुद्धिष्ट सैक्रेड लैण्डस्केप : आर्किओलाजी आफ रिलिजस आर्किटेक्चर इन एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.पी. रे ने 12 से 14 अगस्त 2004 तक एशिया रिसर्च इंस्टीट्यूट, सिंगापुर में आयोजित 'एक्सप्लोरिंग थेराव्द स्टडीज : इंटेलेक्चुअल ट्रेन्ड्स इन फ्युचर आफ ए फील्ड आफ स्टडी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'अलेक्जेंडर कनिंघम (1814–93) ऐंड द आर्किओलाजी आफ बुद्धिस्ट साइट्स इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.पी. रे ने 15 से 17 सितम्बर 2004 तक वरसेस्टर कालेज, आक्सफोर्ड में आयोजित 'रिसेंट एडवांसिस इन रिकंस्ट्रक्टिंग द पास्ट' विषयक 16वीं आक्सफोर्ड न्यूमिस्मेटिक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द लिगेसी आफ अलेक्जेन्डर'स कैम्पेन : आर्किओलाजी आफ नार्थवेस्ट इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.पी. रे ने 20 से 21 जनवरी 2005 तक विशेष सहायता विभाग, ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में (प्रो. भगवान जोश और डा. नजफ हैदर के साथ) 'पावर ऐंड कम्यूनिकेशन : काइन्स ऐज पालिटिकल ऐंड कल्चरल डाक्यूमेंट्स; विषयक कार्यशाला आयोजित की।
- रणबीर चक्रबर्ती ने मई 2004 में जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में 'हिस्ट्री आफ ट्रेडिशनल साइंस ऐंड टेक्नोलाजी इन इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा, 'लुकिंग फार अर्ली इण्डियन शिप्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रणबीर चक्रबर्ती ने जून 2004 में Ernst-Moritz Arndt Universitat Greifswald, जर्मनी में आयोजित 'वाटर ऐंड स्टेट यूरोप ऐंड एशिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इंटरएक्टिंग विद हाइड्रोलिक इंडोक्मेंट्स : अर्ली इण्डियन इक्सपिरिअन्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रणबीर चक्रबर्ती ने जुलाई 2004 में ससेक्स विश्वविद्यालय में 'प्रेक्टिशनर्स आफ सतयानरिता : ऐटिट्यूड्स टु मर्चेन्ट्स इन अर्ली इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- रणबीर चक्रबर्ती ने अगस्त 2004 में इंस्टीट्यूट फार डिवलपमेंट स्टडीज, कोलकाता में आयोजित 'टीचिंग इकोनामिक हिस्ट्री ' विषयक 2 व्याख्यान दिए।
- रणबीर चक्रबर्ती ने सितम्बर 2004 में सेंटर फार द स्टडी आफ सिविलाइजेशन और डिपार्टमेंट आफ हिस्ट्री, कलकत्ता यूनिवर्सिटी, कोलकाता द्वारा आयोजित 'राइटिंग अल्टरनेटिव हिस्ट्री' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'अर्ली इण्डियन हिस्ट्री थ्रू द एपिग्राफिक लेन्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रणबीर चक्रबर्ती ने जनवरी 2005 में तमलुक कालेज, तमलुक (पश्चिम बंगाल) में आयोजित पश्चिम बंगाल इतिहास समसाद के 22वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'हिस्ट्री ऐंड आर्किओलाजी आफ ताम्रलिप्ती' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस एन हैदर ने 2005 में सेंटर फार एडवांस्ड स्टडी इन हिस्ट्री, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में आयोजित 'फिलास्फी आफ रिअलिज्म इन अबुल फजल'स मनीटरी थाट : विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- एस एन हैदर ने 2005 में भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में आयोजित 'द हिस्टोरिग्राफी आफ मनी ऐंड ट्रेड इन मिडिवल इण्डिया ऐंड सेंट्रल एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- एस एन हैदर ने 2005 में ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'मोनार्क ऐज द मिलिएनिएल मैन : ए न्यू इंटरप्रिटेशन आफ द आल्फ काइन्स आफ अकबर' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- एस एन हैदर ने 2004 में उतरेख्त में आयोजित 'प्राइसिस ऐंड वेज्स इन इण्डिया : 1200–1700' सोर्स मैटेरियल, हिस्टोरिग्राफी ऐंड न्यू डाइरेक्शंस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- एस एन हैदर ने 29–30 मार्च 2005 तक भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद और खुदा बख्श ओरिएन्टल पब्लिक लाइब्रेरी, नई दिल्ली में आयोजित 'मिडिवल हिस्टोरिग्राफी इन इण्डिया ऐंड सेंट्रल एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- एस एन हैदर ने 19 से 21 अगस्त 2004 तक उतरेख्त में आयोजित 'हिस्टोरिकल वेज्स ऐंड प्राइसिस' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- एस एन हैदर ने 20 से 21 जनवरी 2005 तक ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'पावर ऐंड कम्यूनिकेशन : काइन्स ऐज पालिटिकल ऐंड कल्चरल डाक्यूमेंट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- योगेश शर्मा ने 'पुर्तगीज प्रजेन्स इन इण्डिया इन द 16टींथ ऐंड 17टींथ सेंचुरीज' विषयक कार्यशाला आयोजित की। इसमें अन्य विश्वविद्यालयों के अधिकारी, शोध छात्र और जेएनयू के संकाय सदस्य शामिल थे।
- भगवान जोश ने 28 फरवरी से 2 मार्च 2005 तक स्टेटमैन ऐंड आस्ट्रेलियन मल्टि–कल्चरल फाउन्डेशन द्वारा आयोजित 'कामनवेल्थ ऐंड मल्टि–कल्चरलिज्म' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'डायलाग ऐंड डेमोक्रेसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- भगवान जोश ने 17 से 19 मार्च 2005 तक 37वीं पंजाब हिस्टोरिकल कांफ्रेन्स में भाग लिया।
- भगवान जोश ने 23 से 24 मार्च 2005 तक राजनीतिक अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय में आयोजित 'लोकल्टी रीजन ऐंड नेशन : आइडेंटिटीज इन ए ग्लोबल पर्सपेक्टिव' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- भगवान जोश ने 29 मार्च 2005 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित 'सिक्ख आइडेंटिटी इन माडर्न इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'सिक्ख आइडेंटिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- महाजन, महाजन ने 21 से 23 मार्च 2005 तक ससेक्स विश्वविद्यालय, ब्रिघटन, ब्रिटेन द्वारा आयोजित 'आदिवासी आइडेंटिटी इन साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कम्यूनेलाइजिंग द ट्राइबल इन द नेम आफ मेनस्ट्रीमिंग द मार्जिनल : आदिवासी इन हिन्दू राष्ट्र, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ज्योति अटवाल ने 18 से 19 नवम्बर 2004 तक अपीजय सरस्वती पी जी कालेज, चरखी दादरी, हरियाणा द्वारा आयोजित 'लैंग्यूवेज, सोसायटी, हिस्ट्री' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'विडोहुड : द हिन्दू पब्लिक स्फेयर, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मृदुला मुखर्जी ने 29 जुलाई 2004 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, जनआन्दोलन, सिटीजन'स इनिसिएटिव ऐंड अनहद द्वारा आयोजित 'रिपब्लिक जस्टिस ऐंड होप इन गुजरात : द अजेन्डा अहेड' विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता की।
- मृदुला मुखर्जी ने 29 सितम्बर 2004 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर और अनहद, आई आई सी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 'टुवर्डस ऐन अजेन्डा फार सेक्यूलर एज्यूकेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- मृदुला मुखर्जी ने 8 अक्टूबर 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में आयोजित 'नेशनलिस्ट आइकोन्स ऐंड हिस्ट्री राइटिंग' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'नेशनलिस्ट लीडर्स ऐंड देयर अप्रोच टु हिन्दुइज्म ऐंड हिन्दुत्व' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मृदुला मुखर्जी ने 2 से 5 नवम्बर 2004 तक हैदराबाद में आयोजित 'मूवमेंट्स आन चाइल्ड लेबर' विषयक सत्र में तथा 'आउट आफ वर्क ऐंड इंटू स्कूल चिल्ड्रन'स राइट टु एज्यूकेशन ऐज ए नान–निगोसिएबल' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'लेसन्स फ्राम द नेशनल मूवमेंट फार द मूवमेंट फार एबोलिशन आफ चाइल्ड लेबर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मृदुला मुखर्जी ने 19 से 21 नवम्बर 2004 तक विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित 'इण्डिया : द नेक्स्ट डिकेड' विषयक 9वें इन्दिरा गांधी सम्मेलन में भाग लिया तथा 'चेंजिंग वैल्यूज इन कंटेम्पोरेरि इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मृदुला मुखर्जी ने 7 से 9 दिसम्बर 2004 तक सेंटर फार जवाहरलाल नेहरू स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'द नेहरूवियन अजेंडा रिविजिटिड' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'नेहरू ऐंड कम्यूनिलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मृदुला मुखर्जी ने 29 जनवरी 2005 को लोरेटो कालेज और विक्टोरिया स्मारक, कोलकाता में आयोजित, 'पार्टिशन ऐंड स्वदेशी : सेंटिनरी रिफ्लेक्शंस' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'स्वदेशी मूवमेंट इन पंजाब' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- मृदुला मुखर्जी ने 12 मार्च 2005 को कार्पस शोध संस्थान, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित 'बंगाल इन द स्वदेशी ईरा' विषयक राष्ट्रीय संगोठी में भाग लिया तथा 'स्वदेशी मूवमेंट ऐज ए नेशनल मूवमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. मुखर्जी ने 2 से 5 नवम्बर 2004 तक हैदराबाद में आयोजित 'आउट आफ वर्क ऐंड इनटू स्कूल चिल्ड्रन'स राइट टु एज्यूकेशन ऐज ए नान–निगोसिएबल' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में भाग लिया तथा 'एम वी एफ–ए मूवमेंट फार एबोलिशन आफ चाइल्ड लेबर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. मुखर्जी ने 7 से 9 दिसम्बर 2004 तक सेंटर फार जवाहरलाल नेहरू स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'द नेहरूवियन एजेन्डा रिविजिटिड' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इमर्जेन्स आफ द नेहरूवियन इकोनामिक कांसेंसस ऐंड इट्स डिनोयूमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. मुखर्जी ने 29 जनवरी 2005 को लोरेटो कालेज और विक्टोरिया स्मारक, कोलकाता में आयोजित 'पार्टिशन ऐंड स्वदेशी : सेंटिनरी रिफ्लेक्शंस' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कंटेम्पोरॅरि रिलेवेंस आफ द स्वदेशी मूवमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. मुखर्जी ने 12 मार्च 2005 को कार्पस शोध संस्थान, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित 'बंगाल इन स्वदेशी ईरा' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा, 'The Big Bourgeoisie' स्वदेशी आर कम्प्रेडोर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राधिका सिन्हा ने एन एम एम आई, दिल्ली द्वारा आयोजित 'कंविक्ट्स ऐंड एबआरिजिन्स टेकिंग लेबर फ्राम इण्डिया फार द वार इन इराक, 1916–192', कंटेम्पोरॅरि हिस्ट्री' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- राधिका सिन्हा ने इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'इन्ड्यूरेन्स ऐंड डिवोशन : द इण्डियन लेबर कार्पस इन मेसोपोटामिया ऐंड फ्रांस ड्यूरिंग वर्ल्ड वार 1' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- आर. महालक्ष्मी ने 18 मार्च 2005 को (प्रो. कुणाल चक्रवर्ती के साथ), रिसेंट रिसर्च आन आस्पेक्ट्स आफ रिलीजन ऐंड सोसायटी इन अर्ली इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- आर. महालक्ष्मी ने सितम्बर 2004 और फरवरी 2005 में (एन हैदर और एम मुखर्जी के साथ, अलग–अलग) अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में इतिहास में 2 पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को समन्वित किया।
- तनिका सरकार ने 10 दिसम्बर 2004 को हिडलबर्ग विश्वविद्यालय में 'विडोहुड इश्यूज : द क्लोनियल पुश्डस्फेयार' विषयक व्याख्यान दिया।
- तनिका सरकार ने 15 से 20 दिसम्बर 2004 तक बर्कले विश्वविद्यालय में 'डेयर्स ऐंड स्टेनफोर्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- हीरामन तिवारी ने सितम्बर 2004 और फरवरी 2005 में अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में इतिहास के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'मेमोरी टेक्स्ट्स ऐंड मीन्स आफ नालेज इन एनशन्ट इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

vkfFkd v/;;u vkj fu;ktu dn

- प्रवीण झा ने 1 से 3 दिसम्बर 2004 तक बानडुंग इंस्टीट्यूट आफ गवर्नेन्स स्टडीज, इण्डोनेशिया और सेंटर आन बजट पालिसी प्राइआर्टीज, वाशिंगटन, यू.एस.ए. द्वारा आयोजित, 'मानिटरिंग आफ पब्लिक बजट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 17 से 19 दिसम्बर 2004 तक आइडियाज ऐंड इथोपियन इकोनामिक एसोसिएशन, आदिस अबाबा द्वारा आयोजित 'द एग्रेरियन कंस्ट्रेन्ट ऐंड पावर्टी रिडक्शन : मैक्रोइकोनामिक लेसन्स फार अफ्रीका' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 5 मई 2004 को जे.पी. नायक सेंटर फार एज्यूकेशन ऐंड डिवलपमेंट, पुणे द्वारा आयोजित 'बजट ऐंड एडवोकेसी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 10 से 11 अगस्त 2004 तक लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी द्वारा आयोजित, 'लैण्ड मार्किट्स ऐंड रूरल पावर्टी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

- प्रवीण झा ने 3 दिसम्बर 2004 को दिल्ली में आयोजित आई आई पी ए की स्वर्ण जयन्ती कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 9 सितम्बर 2004 को रायल नार्वे इम्बेसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इनफार्मल सैक्टर ऐंड द प्रापर्टी राइट्स आफ द पुअर' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 13 से 14 सितम्बर 2004 तक नेशनल कंसल्टेशन बाई द नेशनल कैम्पेन कमेटी, आई आई सी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'अंडरस्टेंडिंग द कम्पलेक्सिटीज आफ फारेस्ट ऐंड लैण्ड इन ए पीपल्स राइट्स फ्रेमवर्क' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 12 से 14 दिसम्बर 2004 तक आई एच डी और आई जी आई डी आर द्वारा मुम्बई में आयोजित 'वेज्स ऐंड अर्निंग्स इन इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 24 जनवरी 2005 को आक्सफोर्ड और कामनवेल्थ एज्यूकेशन फण्ड, लखनऊ द्वारा आयोजित 'राइट टु एज्यूकेशन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 25 से 27 फरवरी 2005 तक आई सी एच आर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एग्रीकल्चर इन साउथ एशिया'स हिस्ट्री' इश्यूज ऐंड पैराडिग्म्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 10 से 11 मार्च 2005 तक राजनीतिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'उत्तर प्रदेश इन द 1990'स क्रिटिकल पर्सपेक्टिव्स आन सोसायटी, पालिटी ऐंड इकोनामी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 19 से 20 मार्च 2005 तक सेव द चिल्ड्रन, यू.के. द्वारा हैदराबाद में आयोजित 'प्रोग्रेस आन एज्यूकेशन : आन्ध्रा ऐंड उडीसा, विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 22 से 23 मार्च 2005 तक पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा आयोजित, 'पालिसी रिफार्म्स इन इण्डिया : सम इकोनामिक, सोशल ऐंड पालिटिकल इश्यूज, विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 23 से 24 मार्च 2005 तक विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'डेमोक्रेसी ऐंड डिवलपमेंट इन कम्पैरेटिव एशियन पर्सपेक्टिव : एन इण्डो–जेपनीज डायलाग' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- उत्सा पटनायक ने 1 से 12 अक्टूबर 2004 तक ड्यूक विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा आयोजित 'द क्वेश्चन आफ एशिया इन द न्यू ग्लोबल आर्डर' विषयक बैठक में भाग लिया तथा 'इकोनामिक रिफार्म्स इन चाइना ऐंड इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- उत्सा पटनायक ने 19 से 20 अक्टूबर 2004 तक डिपार्टमेंट आफ एग्रीकल्चर, फेडरल रिपब्लिक आफ जर्मनी द्वारा आयोजित 'पालिसीज अगेंस्ट हंगर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ट्रेड लिबरलाइजेशन ऐंड फूड सिक्यूरिटी इन डिवलपिंग कंट्रीज' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- उत्सा पटनायक ने 1 से 2 मार्च 2005 तक आस्ट्रेलियन ब्यूरो आफ एग्रीकल्चरल ऐंड रिसोर्स इकोनामिक्स, केनब्रा द्वारा आयोजित 'आउटलुक 2005 – पाथस टु ग्रोथ ऐंड प्रास्पैरिटी, विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ट्रेड लिबरलाइजेशन ऐंड द एग्रेरियन मार्किट कंस्ट्रेन्ट इन इण्डिया' शीर्षक अध्यक्षीय आलेख प्रस्तुत किया।
- उत्सा पटनायक ने 21 से 22 मार्च 2005 तक कृषि मंत्रालय, विदेश और विकास मंत्रालय, लक्जम्बर्ग प्रेसिडेन्सी द्वारा आयोजित, 'ट्रेड ऐंड फूड सिक्यूरिटी – ए चैलेंज फार पालिसी कोहरन्स, विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ट्रेड लिबरलाइजेशन, इम्प्लायमेंट ऐंड फूड सिक्यूरिटी – द इण्डियन इक्सपिरिअन्स, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- उत्सा पटनायक ने 27 से 29 दिसम्बर 2004 तक इण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस, रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली द्वारा आयोजित, 'लेबर सर्विट्यूड इन हिस्ट्री' विषयक पैनल में भाग लिया तथा 'कंसेप्चुअलाइजिंग स्लेवरी ऐंड अनफ्री लेबर अंडर कैपटेलिज्म ऐंड कलोनिआलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- उत्सा पटनायक ने 20 से 22 जनवरी 2005 तक महिला विकास केंद्र, दिल्ली द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द वुमन्स मूवमेंट इन इण्डिया' विषयक रजत जयन्ती सम्मेलन में भाग लिया तथा 'डिफ्लेशनरी इकोनामिक रिफार्म्स ऐंड द फूड सिक्यूरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- उत्सा पटनायक ने 28 से 29 जनवरी 2005 तक समाजशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा आयोजित 'पंजाब पीजेन्ट्री इन टरमोइल, विषयक बैठक में भाग लिया तथा 'निओ–लिबरल रिफार्म्स ऐंड द पंजाब फारमर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- उत्सा पटनायक ने 25 से 26 फरवरी 2005 तक विकास अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित 'द लिटरेरी लिगेसी आफ मानिक बन्धोपाध्याय, विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'एग्रेरियन क्राइसिस ऐंड द बंगाल फेमिन आफ 1943–44, द बैकड्राप टु मानिक बन्धोपाध्याय' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 7 से 8 अक्टूबर 2004 तक इ सी एल ए सी और फ्लास्को द्वारा आयोजित 'कंस्ट्रेन्ट्स टु डिवलपमेंट ऐंड स्ट्रेटिजिक अल्टरनेटिव्स इन द करंट कंजक्चर : द इक्सपिरिअन्स फ्राम सलेक्टिड कंट्रीज, विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इकोनामिक रिफार्म : इज इण्डिया ए सक्सेस केस ? शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 24 से 25 फरवरी 2005 तक फ्लोरेन्स विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'मैक्रोइकोनामिक पालिसी फार पावर्टी रिडक्शन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'मैक्रोइकोनामिक पालिसी, इनइक्वैलिटी ऐंड पावर्टी रिडक्शन इन इण्डिया ऐंड चाइना (जयती घोष के साथ) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 16 दिसम्बर 2004 और 28 फरवरी 2005 को अर्थशास्त्र विभाग फ्लोरेन्स विभाग, द्वारा सिंघुवा विश्वविद्यालय, बीजिंग में आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द मार्किट दैट फेल्ट : निओ–लिबरल इकोनामिक रिफार्म इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 29 से 31 मार्च 2005 तक न्यू रूल्स फार ग्लोबल फाइनेन्स, नैरोबी, केन्या द्वारा आयोजित 'यू एन फाइनेन्सिग फार डिवलपमेंट कंसल्टेशंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'एक्टिव पालिसीज टु फाइनेन्स द प्रोडक्टिव इकोनामी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 2 से 3 अक्टूबर 2004 तक अर्थशास्त्र विभाग, सैन्ट थामस कालेज, त्रिचुर, केरला द्वारा आयोजित 'प्लानिंग इंस्टीट्यूटयूशंस, मार्किट ऐंड डिवलपमेंट : ए कंफ्रेन्स इन आनर आफ के एन राज' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इण्डिया'स इंडस्ट्रियल परफार्मेन्स : रिविजिटिंग ए डिबेट, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 29 से 30 नवम्बर 2004 तक मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, चेन्नई द्वारा आयोजित 'इकोनामिक डायमेंशंस आफ सिक्यूरिटी इन पेनिनसुलर इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इकोनामिक सिक्यूरिटी इन द एशिया रीजन, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 9 से 11 फररवरी 2005 तक विकास अध्ययन संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित 'ग्लोबल फाइनेन्स ऐंड इंटिग्रेशन आफ डिवलपिंग कंट्रीज' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'फाइनेन्शल लिबरलाइजेशन, फ्रेजिलिटी ऐंड द सोसिलाइजेशन आफ रिस्क : कैन कैपिटल कंट्रोल्स वर्क ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 28 से 30 मई 2004 तक फिनोम पेन्ह में आयोजित 'मैक्रोइकोनामिक्स आफ पावर्टी रिडक्शन', विषयक यू एन डी पी की कार्यशाला में भाग लिया तथा 'ट्रेड लिबरलाइजेशन ऐंड द मैक्रोइकोनामिक्स आफ पावर्टी रिडक्शन', शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 5 से 7 जुलाई 2004 तक बैंकाक में आयोजित 'ट्रेड ऐंड ह्युमन डिवलपमेंट इन एशिया, विषयक यू एन डी पी की कार्यशाला में भाग लिया तथा 'शार्ट टर्म इकोनामिक माइग्रेशन ऐंड ह्युमन डिवलपमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 7 से 9 सितम्बर 2004 तक बैंकाक द्वारा आयोजित 'यू एन –इस्केप हाई लेवल इंटरगवर्मेंटल मीटिंग टु रिव्यू द बीजिंग प्लेटफार्म' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द इकोनामिक कंडीशंस आफ वुमन इन एशिया' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- जयती घोष ने 11 से 19 जून 2004 तक आदिस अबाबा, इथोपिया द्वारा आयोजित 'एग्रेरियन चेंज ऐंड मैक्रो–इकोनामिक पालिसीज' विषयक कार्यशाला आयोजित की।
- जयती घोष ने 24 से 25 फरवरी 2005 तक फ्लोरेन्स विश्वविद्यालय, इटली द्वारा आयोजित 'मैक्रोइकोनामिक पालिसीज फार पावर्टी रिडक्शन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'मैक्रोइकोनामिक पालिसी, इनइक्वैलिटी ऐंड पावर्टी रिडक्शन इन इण्डिया ऐंड चाइना (सी.पी. चंद्रशेखर के साथ) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 26 फरवरी 2005 को फ्लोरेन्स विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'द मार्किट दैट फेल्ड : निओलिबरल इकोनामिक रिफार्म इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- जयती घोष ने 9 से 11 मार्च 2005 तक न्यूयार्क द्वारा आयोजित यू एन कमेटी फार स्टेट्स आफ वुमन हेतु गोलमेज में भाग लिया तथा 'जेंडर ऐंड मैक्रोइकोनामिक पालिसीज, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 14 से 15 मार्च 2005 तक यूनाइटिड नेशंस डेसा डिवलपमेंट द्वारा आयोजित 'मिलेनियम डिवलपमेंट गोल्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'द सोशल ऐंड इकोनामिक इफैक्ट्स आफ फाइनेन्शल लिबरलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 1 से 3 अप्रैल 2004 तक अंकटाड – जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'डिवलपमेंट इन ओपन इकोनामीज' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'वाट फार्गिवनेस ? ट्रेड पालिसीज इन डिवलपिंग कंट्रीज इन द करंट कंटेक्स्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 20 से 22 जनवरी 2005 तक महिला विकास अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड वुमन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड वुमन इन इण्डिया : सम मैक्रो कंसिड्रेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 20 जुलाई 2004 को पश्चिम बंगाल सरकार, कोलकाता द्वारा आयोजित फालो–अप टु ह्यूमन डिवलपमेंट रिपोर्ट' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'वे फारवर्ड फार ह्युमन डिवलपमेंट इन वेस्ट बंगाल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 4 से 6 जनवरी 2005 तक जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित 'बिक्रम नन्दा की स्मृति में 'कंटिन्यूटी ऐंड चेंज इन इण्डियन डिवलपमेंट' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'चेंजिंग इकोनामिक कंडीशंस आफ वुमन वर्कर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 9 से 11 फरवरी, 2005 तक विकास अध्ययन संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित 'ग्लोबल फाइनेन्स ऐड इंटिग्रेशन आफ डिवलपिंग इकोनामिक्स विद स्पेशल रिफ्रेन्स टु इण्डिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'सेन्ट्रल बैंक आटोनामी इन द ऐज आफ फाइनेन्स : द इंप्लिकेशंस फार डिवलपिंग कंट्रीज', शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 17 से 19 मार्च 2005 तक अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'लिट्रेचर एक्रास मीडिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द पालिटिक्स आफ म्यूजिक इन 18टींथ सेंचुरी यूरोप' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 23 से 26 मार्च 2005 तक फाउन्डेशन फार एग्रेरियन स्टडीज, बंगलौर द्वारा आयोजित 'करंट इश्यूज' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'इंप्लायमेंट ट्रेन्ड्स इन रूरल इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मौसमी दास ने 19 से 21 मई 2004 तक कार्नेल विश्वविद्यालय, इथाका, न्यूयार्क द्वारा आयोजित '75 ईयर्स आफ डिवलपमेंट रिसर्च' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'मोर्टेलिटी, ह्युमन कैपिटल ऐंड पेसिस्टेन्ड इनइक्वैलिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रभात पटनायक ने 2 से 4 अक्टूबर 2004 तक त्रिचूर, केरल में आयोजित के.एन. राज की अभिनन्दन संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'लैण्ड प्रिफेरेन्स ऐंड प्रोडक्टिव इनवेस्टमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रभात पटनायक ने 28 से 29 दिसम्बर 2004 तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, बरेली में आयोजित 'द इण्डियन स्टेट इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रभात पटनायक ने 9 से 11 फरवरी 2005 तक विकास अध्ययन संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल फाइनेन्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द इल्यूजनिज्म आफ फाइनेन्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रभात पटनायक ने 27 फरवरी 2005 तक जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित 'जवाहरलाल नेहरू'स लिगेसी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'जवाहरलाल नेहरू ऐंड द फार्मेशन आफ द इण्डियन नेशन स्टेट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने 7 जनवरी 2005 को कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता द्वारा आयोजित 'मैक्रोइकोनामिक ऐंड पालिटिकल इकोनामी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'मैक्रोइकोनामिक आपेक्ट्स आफ सस्टेनेबल डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।

- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने 4 से 5 फरवरी 2005 तक द जर्नल स्टील सेनारियो द्वारा आयोजित 'स्टील इंडस्ट्री आफ इण्डिया ऐंड चाइना' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने 24 से 25 फरवरी, 2005 तक तिरूअनन्तपुरम, केरल द्वारा आयोजित 'एनवायरनमेंटल फ्रेंडली ट्रांस्पोर्टेशन' विषयक ग्लोबल इफो पृथ्वी की बैठक में भाग लिया तथा 'एनवारयनमेंट ऐंड सोशल सस्टेनेबिलिटी आफ ट्रांसपोर्ट डिवलपमेंट इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने 17 मार्च 2005 को डिपार्टमेंट आफ बिजनेस मैनेजमेंट द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कंसेप्ट आफ सस्टेनेबल डिवलपमेंट : एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी ऐंड ह्युमन डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- विकास रावल ने लाल बहादुर शास्त्री प्रशासनिक अकादमी, मसूरी द्वारा आयोजित 'लैण्ड मार्किट ऐंड रूरल प्रापर्टी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'लैण्ड रिफार्म्स ऐंड लैण्ड मार्किट्स : द वेस्ट बंगाल स्टोरी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विकास रावल ने फरवरी 2005 में भारतीय सांख्यकीय संस्थान कोलकाता द्वारा उमियम (मेघालय) में आयोजित 'इकोनामिक रिफार्म्स ऐंड इण्डियन एग्रीकल्चर विद स्पेशल रिफ्रेन्स टु नार्थईस्ट इण्डिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'कैपिटल फार्मेशन इन इण्डियन एग्रीकल्चर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विकास रावल ने मार्च 2005 में फाउन्डेशन फार एग्रेरियन स्टडीज, बंगलौर द्वारा आयोजित 'करंट एग्रेरियन इश्यूज' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'क्राप डाइवर्सिफिकेशन इन इण्डिया, 1991–92 टु 2002–03' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विकास रावल ने 7 मई 2004 को भारतीय सांख्यकीय संस्थान द्वारा आयोजित 'क्रेडिट रिलेशंस इन रूरल वेस्ट बंगाल' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- विकास रावल ने अगस्त में अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में आयोजित 'अर्थशास्त्र में 31वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए 'एग्रीकल्चर इन इण्डिया' विषयक 2 व्याख्यान दिए।
- प्रदीप्त चौधरी ने 16 से 20 जनवरी 2005 तक गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, गांधीग्राम तमिलनाडु में आयोजित 28वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया तथा 'पालिटिकल इकोनामी आफ कास्ट–बेस्ड पब्लिक पालिसी इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रदीप्त चौधरी ने 22 से 23 मार्च 2005 तक अम्बेडकर अध्ययन केंद्र, कला संकाय, जादवपुर विश्वविद्याल, कोलकाता द्वारा आयोजित 'ह्युमन राइट्स ऐंड द मार्जिनलाइज्ड' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'पालिटिकल इकोनामी आफ कास्ट इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी.एन. राव ने 11 मार्च 2005 को इंटिग्रेटिड रिसर्च ऐंड एक्शन फार डिवलपमेंट, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इम्पैक्ट आफ फ्यूल स्केरसिटी ऐंड पाल्यूशन आन रूरल पुअर – ए कम्पैरिटिव एनालिसिस आफ वल्नरेबल ग्रुप्स इन हिमाचल प्रदेश, (हैल्थ ऐंड जेंडर विषयक पैनल में आलेख प्रस्तुत किया।) विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- डी.एन. राव ने 17 से 19 मार्च 2005 तक अर्थशास्त्र विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'डिसेन्ट्रेलाइज्ड गवर्नमेंट ऐंड डिवलपमेंट प्रोमीसिस, परफार्मेन्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एस.के. जैन ने 18 से 20 नवम्बर 2005 तक समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'यूरोपीयन यूनियन ऐंड द प्राब्लम आफ डेमोक्रेटिक डेफिसिट', विन्डो आन यूरोप' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- एस.के. जैन ने 8 से 10 दिसम्बर 2004 तक भारतीय सांख्यकीय संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित 'माडल्स ऐंड मेथड्स इन इकोनामिक्स' विषयक चौथे वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा (राजेन्द्र पी कुण्डु द्वारा प्रस्तुत आलेख) 'इकोनामिक इफिसिएन्सी डिस्ट्रीब्यूटिव जस्टिस ऐंड लायबिलिटी रूल्स, (सह लेखक राजेन्द्र पी कुण्डु के साथ) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एस.के. जैन ने 16से 20 जनवरी 2005 तक गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, गांधीग्राम द्वारा आयोजित 'कल्चर, मार्किट ऐंड द कंटेम्पोरॅरि क्राइसिस' विषयक 28वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया।
- एस.के. जैन ने 31 मार्च से 1 अप्रैल 2005 तक विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'ला इकोनामिक्स ऐंड डिवलपमेंट' विषयक सम्मेलन में भाग लिय तथा 'इफिसिएन्सी एनालिसिस फार लीगल रूल्स : ए मेथडोलाजिकल डिफिसिएन्सी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अंजन मुखर्जी ने 23 नवम्बर 2004 को जयपुर में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन : द चैलेंजिस फार इण्डिया इन द इकोनामिक सैक्टर' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- अंजन मुखर्जी ने 4 दिसम्बर 2004 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'द रोल आफ साइंस ऐंड रिलिजन इन डिवलपमेंट' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'गुड गवर्नेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अंजन मुखर्जी ने 8 से 10 दिसम्बर 2004 तक भारतीय सांख्यकीय संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित 'द फोर्थ मेथड्स ऐंड माडल्स इन इकोनामिक्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'द पासिबिलिटी आफ साइक्लिकल बिहेवियर इन ए क्लास आफ डायनेमिक इकोनामिक माडल्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अंजन मुखर्जी ने 31 मार्च 2005 को विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित 'ला इकोनामिक्स ऐंड डिवलपमेंट' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'डिवलपमेंट इकोनामिक्स ऐंड गवर्नेंस : ए थिओरेटिकल पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 14 अगस्त 2004 को इण्डियन सोशल साइंस अकादमी, जिओग्राफी डिपार्टमेंट' इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, इलाहाबाद द्वारा आयोजित इण्डियन सोशल साइंस अकादमी के 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'फ्राम जाबलैस ग्रोथ टु जाब–ओरिएन्टिड ग्रोथ' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'ग्रोइंग अनइंप्लायमेंट इन इण्डिया ऐंड द नीड फार ए चेन्ज इन पैराडिग्म' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 14 सितम्बर 2004 को आई पी आर एफ, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन, इंप्लायमेंट, एज्यूकेशन ऐंड एग्रीकल्चर इन इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ग्रोइंग क्राइसिस इंप्लायमेंट ऐंड एज्यूकेशन इन इण्डिया अण्डर वन – वे ग्लोबलाइजेशन' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 2 अक्टूबर 2004 को जनूटा, जेएनयू द्वारा आयोजित 'चैलेंजिस बिफोर इण्डियन यूनिवर्सिटीज' विषयक बैठक में भाग लिया तथा 'हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया : द कंटेम्पोरेरि चैलेंजिज फेसिंग इट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 5 से 6 अक्टूबर 2004 तक सेंटर फार बायोटेक्नोलाजी, जेएनयू, केवीआईसी, एनएचबी और एनएमपीबी, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'द रोल आफ मैडिसिनल ऐंड ऐरोमेटिक प्लांट्स ऐंड ट्रेडिशनल सिस्टम आफ मेडिसिन इन इफैक्टिव इंटग्रेटिड रूरल डिवलपमेंट बाई यूटिलाइजिंग बायोटेक्नोलाजिकल टूल्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट ऐंड इंप्लायमेंट जेनरेशन इन रूरल सैक्टर : हाऊ मेडिसिनल ऐंड ऐरोमेटिक प्लांट एग्रीकल्चर कैन कंट्रीब्यूट ?' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 8 नवम्बर 2004 को सेंटर फार एज्यूकेशन ऐंड कम्यूनिकेशन ऐंड टाक्सिक लिंक्स' आई.आई.सी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'वर्कर्स प्लाइट ऐंड स्टेटस आफ वाइट ऐस्बेस्टोस ट्रेड' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा रिकमनडेशंस, विषयक चौथे सत्र की अध्यक्षता की।
- अरूण कुमार ने 8 दिसम्बर 2004 को कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इण्डियन सोशल साइंस अकादमी की प्रि–कांग्रेस संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'आस्पेक्ट्स आफ चैलेंजिस बिफोर माडर्न सिविलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 10 दिसम्बर 2004 को एच यू आर टी आई इ आर, एस.आईएस., जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ह्युमन राइट्स ऐंड सोशल जस्टिस इन इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'रिजर्वेशन ऐंड अफरमेटिव एक्शन इन द प्राइवेट सैक्टर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- अरूण कुमार ने 16 से 19 जनवरी 2005 तक 28वीं इण्डियन सोशल साइंस कांग्रेस में भाग लिया तथा :
  - (क) 16 जनवरी 2005 को, 'जाबलैस ग्रोथ टु जाब ओरिएन्टिड ग्रोथ' विषयक संगोष्ठी में 'फैक्टर्स अण्डरलाइंग जाबलैस ग्रेथ इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
  - (ख) 17 जनवरी 2005 को 'चैलेंजिस फेसिंग माडर्न सिविलाइजेशन' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया तथा 'कंसेप्ट ऐंड थीअरि आफ क्राइसिस आफ माडर्न सिविलाइजेशन' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
  - (ग) 17 जनवरी 2005 को 'इकोनामिक्स ऐंड पालिटिकल इकोनामी' विषयक समानान्तर सत्र की अध्यक्षता की।
  - (घ) 18 जनवरी 2005 को 'पालिटिकल इकोनामी आफ क्राइसिस आफ माडर्न सिविलाइजेशन' विषयक दूसरे सत्र की परिचर्चा में भाग लिया।
  - (ङ) 18 जनवरी 2005 को 'क्राइसिस इन साइंस रिफ्लेक्टिंग क्राइसिस आफ माडर्न सिविलाइजेशन' विषयक तीसरे सत्र की परिचर्चा में भाग लिया।
  - (च) 'थीअरि ऐंड मेथड आफ बिल्डिंग न्यू ऐंड बैटर सिविलाइजेशन' विषयक चौथे सत्र में भाग लिया तथा 'अल्टरनेटिव इन द फ्रेमवर्क आफ मार्क्स ऐंड गांधी' विषयक व्याख्यान दिया।
  - (छ) 'स्ट्रेटिजी फार एज्यूकेशन, रिसर्च ऐंड ट्रेनिंग फार बिल्डिंग ए न्यू सिविलाइजेशन' विषयक 7वें सम्मेलन में भाग लिया तथा 'नीड टु स्ट्रक्चर हायर एज्यूकेशन टु बिल्ड नान–हेगमोनिक नालेज स्ट्रक्चर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 5 से 7 फरवरी 2005 तक आई एस आई और इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'अनहियर्ड वाइसिस आफ द मैजोरिटी : साइड इवेंट आफ द हेल्सिंकी प्रोसिस विषयक बैठक में भाग लिया।
- अरूण कुमार ने 6 फरवरी 2005 को क्रिटिक आफ द ट्रेक रिपोर्ट्स ऐंड सजेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 'डेमोक्रेटाइजिंग ग्लोबली' विषयक परिचर्चा में भाग लिया तथा 'द मार्जिनेलाइज्ड, ग्लोबल इकोनामी ऐड गवर्नेन्स इन द हेलसिन्की प्रोसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 2 से 4 मार्च 2005 तक जेएनयू द्वारा आयोजित कुलपतियों के सम्मेलन में 'लिबरलाइजेशन ऐंड हायर एज्यूकेशन विषयक सत्र को समन्वित किया।
- अरूण कुमार ने 17 से 19 मार्च 2005 तक अर्थशास्त्र विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित 'डिसेंट्रेलाइज्ड गवर्नेन्स ऐंड डिवलपमेंट–प्रोमिसिस, परफार्मेन्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक बैठक में भाग लिया तथा 'माइक्रो, रीजनल ऐंड सोशल पर्सपेक्टिव्स' विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- अरूण कुमार ने 29 से 30 मार्च 2005 तक सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन, सोसिओ–इकोनामिक चेन्जस ऐंड इंपावरमेंट आफ द मार्जिनेलाइज्ड : इश्यूज, स्ट्रेटिजीस ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इंपावरमेंट आफ मार्जिनेलाइज्ड कम्यूनिटीज : पालिसीज ऐंड प्रोग्राम्स सिन्स द 1990स' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।

tkfdj glu 'kf{kd v/;;u dn

- के. चानना ने 13 से 14 मई 2004 तक यूनेस्को पेरिश और यू.एन.यू. यूनिवर्सिटी, टोकियो, जापान द्वारा आयोजित 'हायर एज्यूकेशन, नालेज ऐंड रिसर्च' विषयक फोरम में भाग लिया तथा 'चेंजिंग रिसर्च पालिसी इन द हायर एज्यूकेशन सिस्टम्स आफ द एशिया पेस्फिक रीजन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. चानना ने 7 से 8 अक्टूबर 2004 तक काउंसिल फार सोशल डिवलपमेंट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'टुवर्डस क्वालिटी एज्यूकेशन टु आल – इश्यूज ऐंड चैलेंजिस बियांड 86थ अमेंडमेंट'विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा – एज्यूकेट गर्ल्स, पिपेयर दैम फार लाइफ' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. चानना ने 1 से 3 दिसम्बर 2004 तक यूनेस्को, पेरिश द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन, हायर एज्यूकेशन ऐंड नालेज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'जेंडर ऐंड डिसिप्लिनरी च्वाइसिस : वुमन इन हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- के. चानना ने 19–21 जून 2004 तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में आयोजित 'वुमन'स स्टडीज इन इण्डियन यूनिवर्सिटीज : इम्पैक्ट ऐंड फ्युचर डाइरेक्शंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'रिसर्च इन वुमन'स स्टडीज' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- के. चानना ने 24 अप्रैल 2004 को इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसिस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'टैन ईयर्स आफ वुमन'स पालिटिकल इम्पावरमेंट : द जर्नी अहेड' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा एज्यूकेशन ऐंड वुमन'स इम्पावरमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- के. चानना ने 26 से 28 मई 2004 तक केयर, इण्डिया द्वारा आयोजित 'चेंजिस ऐंड प्रोग्रामिंग फार गर्ल्स एज्यूकेशन' विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- के. चानना ने 12 अगस्त 2004 को जीएसकैश, जेएनयू द्वारा आयोजित 'सेक्सचुअल हेरासमेंट' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'डिफाइनिंग सेक्सचुअल हेरासमेंट' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- के. चानना ने 26 से 27 अगस्त 2004 तक हायर एज्यूकेशन यूनिट, नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनलाइजेशन आफ हायर एज्यूकेशन : इश्यूज ऐंड कंसर्न्स' सत्र की परिचर्चा की।
- के. चानना ने 22 नवम्बर 2004 को द इनडिपेंडेंट कमीशन फार पीपल'स राइट्स ऐंड डिवलपमेंट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इनहेंसिंग वुमन'स लीडरशिप कैपेसिटीज थ्रू जेंडर ट्रेनिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'इश्यूज ऐंड कंस्ट्रेन्ट्स कंफरमिंग वुमन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- के. चानना ने 25 से 27 अक्टूबर 2004 तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कैपेसिटी बिल्डिंग आफ वुमन मैनेजर्स इन हायर एज्यूकेशन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- के. चानना ने 17 नवम्बर 2004 को नीपा और अमेरिकन इनफार्मेशन रिसोर्स सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एज्यूकेशनल लीडरशिप : पालिसी डायमेंशंस इन द टवेन्टीफर्स्ट सेंचुरी' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- के. चानना ने 16 फरवरी 2005 को नीपा नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'अफ्रीका–एशिया यूनिवर्सिटी डायलाग फार बेसिक एज्यूकेशन डिवलपमेंट' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया तथा 'यूनिवर्सिटीज ऐंड बेसिक एज्यूकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- के. चानना ने 18 दिसम्बर 2004 से 12 मार्च 2005 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित (बंगलौर, कोयम्बटूर, भोपाल, मुम्बई, गुवाहाटी, जम्मू, कोलकाता विश्वविद्यालय में), 'कैपेसिटी बिल्डिंग फार वुमन मैनेजर्स इन हायर एज्यूकेशन' विषयक 8 क्षेत्रीय कार्यशालाओं में महिला और अनुसंधान विषय पर विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- सुमन चट्टोपाध्याय ने 16 से 20 जनवरी 2005 को गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, गांधीग्राम, तमिलनाडु द्वारा आयोजित, 'क्रिमिनेलाइजेशन : ए थ्रेट टु अवर सोसायटी' विषयक 27वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया।
- बी. खादरिया ने 2004 में समाजशास्त्र विभाग, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा आयोजित 'चैलेंजिस इन हायर एज्यूकेशन टुडे : प्राब्लम्स ऐंड प्रास्पेक्टिव्स इन इण्डिया ऐंड कनाडा' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन आफ इमबाडीड ऐंड डिसइम्बाडीड एज्यूकेशन इमर्जिंग चेंजिस ऐंड इंप्लिकेशंस फार हायर एज्यूकेशन पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बी. खादरिया ने 2004 में वी.वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा द्वारा आयोजित 'लेबर मूवमेंट : द हिस्ट्री आफ लेबर मोबिलिटी' विषयक एसोसिएशन आफ इण्डियन लेबर हिस्टोरियन्स के चौथे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सत्र की अध्यक्षता की।
- बी. खादरिया ने 2004 में साउथ एशियन स्टडीज प्रोग्राम, नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर (एनयूएस) और जापान एक्सर्टनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जेट्रो)– इंस्टीट्यूट आफ डिवलपिंग इकोनामीज (आईडीइ) द्वारा संयुक्त रूप से एन यू एस, सिंगापुर में आयोजित 'इंटरनेशनल लेबर माइग्रेशन फ्राम साउथ एशियन कंट्रीज – न्यू ट्रेन्ड्स ऐंड इश्यूज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'स्किल्ड लेबर माइग्रेशन फ्राम इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बी. खादरिया ने 2004 में यू एन एच सी आर के सहयोग से कोर ग्रुप फार स्टडीज आफ नेशनल सिक्यूरिटी, जेएनयू द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित, 'माइग्रेशन, रिफ्यूजीस ऐंड सिक्यूरिटी इन साउथ एशिया : रिफ्लेक्शंस ऐंड रेमिफिकेशंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- बी. खादरिया ने 13 मई 2004 को एक्सपर्ट ग्रुप आन डिवलपमेंट इश्यूज, मिनिस्ट्री आफ फारेन अफेयर्स, स्वीडन, स्टाकहोम द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल माइग्रेशन रिजीम्स ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- बी. खादरिया ने 24 से 25 जून 2004 तक Faculte de Sciences Economiques, Universite de Montpellier, Laboratoire de Sciences Economiques de Richter, and IRDI's लेबर ऐंड ग्लोबलाइजेशन' रिसर्च यूनिट, मोंटपेल्लियर फ्रांस द्वारा आयोजित 'एज्यूकेशन ऐंड ट्रेनिंग ऐंड द डायनेमिक्स आफ कंटेम्पोरॅरि कैपटेलिज्म' विषयक सम्मेलन में वैज्ञानिक समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया।
- बी. खादरिया ने 9 से 11 जून, 2004 तक डब्ल्यू एच ओ और सेंटर्स फार डिसीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन (सी डी सी) जिनेवा द्वारा आयोजित 'हैल्थ ऐंड माइग्रेशन' विषयक आई ओ एम की संगोष्ठी में भाग लिया।
- बी. खादरिया ने 2 से 5 सितम्बर 2004 को बर्सिलोना, स्पेन द्वारा आयोजित 'ह्युमन मूवमेंट्स ऐंड इमिग्रेशन' विषयक वर्ल्ड कांग्रेस में भाग लिया तथा 'एशिया–पेस्फिक रीजनल सेशन में आलेख प्रस्तुत किया।
- बी. खादरिया ने 6 से 8 सितम्बर 2004 तक केप टाउन द्वारा आयोजित 'डब्ल्यू एच ओ'स ह्यूमन रिसोर्सिस इन हैल्थ वर्कशाप' में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- बी. खादरिया ने 13 से 14 अक्टूबर 2004 तक ढाका, बंगलादेश द्वारा आयोजित 'जेंडर ऐंड ह्यूमन रिसोर्सिस इन हैल्थ' विषयक 2दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बी. खादरिया ने 20 दिसम्बर 2004 को मिनिस्ट्री आफ ओवरसीज इण्डियन अफेयर्स, गवर्नमेंट आफ इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'इण्डियन डाइसपोरा : इश्यूज ऐंड पर्सपेक्टिव्स' विषयक गोलमेज में भाग लिया तथा 'द एक्सपेक्टेशंस ऐंड रिसिप्रोसिटी बिटवीन ओवरसीज इण्डियन्स ऐंड द इण्डियन स्टेट मैपिंग ऐंड मानिटरिंग द कंट्र्स इन नार्थ अमेरिका' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बी. खादरिया ने 18 से 19 जनवरी 2005 तक फाइव न्यूयार्क एरिया यूनिवर्सिटीज द्वारा प्रायोजित कोलम्बिया यूनिवर्सिटी में आयोजित यू एन सैक्रेटरी जनरल'स फर्स्ट ग्लोबल कलोक्यूइम आफ यूनिवर्सिटी प्रेसिडेन्ट्स में 'इंटरनेशनल माइग्रेशन' विषयक सम्मेलन में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया तथा 'इंटरनेशनल माइग्रेशन फ्राम इण्डिया : द अनचार्टिड कंट्र्स आफ कास्ट्स ऐंड बैनिफिट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बी. खादरिया ने 2 से 4 फरवरी 2005 तक ए पी एम आर एन और आई जी यू'स कमीशन फार पाप्यूलेशन ऐंड वल्नरेबिलिटी, सिंगापुर द्वारा संयुक्त रूप से मेटा सेंटर फार पाप्यूलेशन ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट, नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर द्वारा आयोजित 'एशियन इंटरनेशनल फैमिलीज' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- बी. खादरिया ने 7 से 8 मार्च 2005 तक ढाका विश्वविद्यालय, ढाका द्वारा आयोजित 'रिटर्न आफ प्रोफेशनल ऐंड स्किल्ड माइग्रेन्ट्स, रिफ्यूजी ऐंड माइग्रेटरी मूवमेंट्स रिसर्च यूनिट, विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा आलेख प्रस्तुत किया।
- बी. खादरिया ने 2 से 4 मार्च 2005 तक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित वाइस चांसलर्स आफ साउथ एशियन यूनिवर्सिटीज : चैलेंजिस ऐंड प्रॉस्पेक्ट्स आफ हायर एज्यूकेशन इन द कंटेक्स्ट आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- डी. कुमार ने 20 से 24 सितम्बर 2004 तक हेल में आयोजित जर्मन ओरिएन्टल कांग्रेस में भाग लिया।
- डी. कुमार ने 6 से 10 दिसम्बर 2004 तक अकादमिया सिनिका, ताइपेई द्वारा आयोजित XVIIIवे इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हिस्टोरियन्स आफ एशिया कांफ्रेन्स में भाग लिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 9 से 18 अप्रैल 2004 तक संस्कृत विभाग, दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'सैन्टेन्स मीनिंग' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'साइकोलिंग्विस्टिक स्टडीज आफ सैन्टेन्सिस इन इण्डियन लैंग्यूवेजिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. मोहन्ती ने 29 से 30 जनवरी 2005 तक गुवाहाटी विश्वविद्यालय, कोकराजाहर कैम्पस द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड कल्चर' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन, लैंग्यूवेज ऐंड पावर इन इण्डियन मल्टि लिंग्विलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ए.के. मोहन्ती ने 16 से 18 दिसम्बर 2004 तक सेंटर फार बिहेवियरल ऐंड कोग्निटिव साइंसिस, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'काग्निटिव साइंसिस' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'डिवलपमेंट आफ सोशल पर्सेप्शन : क्रास कल्चरल स्टडीज, विषयक संगोंष्ठी में परिचर्चा की।
- ए.के. मोहन्ती ने 4 से 6 मार्च 2005 तक के.एस. साकेत, पी.जी कालेज, फैजाबाद द्वारा आयोजित नेशनल अकादमी आफ साइकलोजी के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'आउटग्रोइंग द इनर्सिया : एन अजेन्डा फार साइकोलाजी' विषयक गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया।
- ए.के. मोहन्ती ने 2 से 4 मार्च 2005 तक वाइस चांसलर्स आफ साउथ एशियन यूनिवर्सिटीज : चैलेंजिस ऐंड प्रास्पेक्ट्स आफ हायर एज्यूकेशन इन द कंटेक्स्ट आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्टिंग की।
- ए.के. मोहन्ती ने 13 से 15 जुलाई 2004 तक साउथ अफ्रीकन एप्लाइड लिंग्विस्टिक एसोसिएशन, यूनिवर्सिटी आफ नार्थ पिट्सबर्ग, साउथ अफ्रीका द्वारा आयोजित 'मल्टिलिंग्विलिज्म' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'मल्टिलिंग्विलिज्म आफ द अनइक्वल्स : द किलर लैंग्यूवेज ऐंड एन्टी प्रिडेट्री स्ट्रेटिजीस आफ माइनार्टी मदर टंग्स' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 2 से 6 अगस्त 2004 तक जियान, चीन द्वारा आयोजित क्रास कल्चरल साइकोलाजी की 17वीं इंटरनेशल कांग्रेस में भाग लिया तथा बाइलिंग्वलिज्म ऐंड इंटरग्रुप रिलेशनशिप इन ट्राइबल ऐंड नान–ट्राइबल कांटेक्ट सिचुएशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. मोहन्ती ने 8 से 13 अगस्त 2004 तक इंटरनेशनल कांग्रेस आफ साइकोलाजी, बीजिंग, चीन द्वारा आयोजित 'साइकोलाजी इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इण्डियन रिसर्च आन कोग्निटिव ऐंड डिवलपमेंट साइकोलाजी : इमर्जिंग इंडिजिनस पर्सपेक्टिव्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. मोहन्ती ने 8 से 13 अगस्त, 2004 तक बीजिंग, चीन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कांग्रेस आफ साइकोलाजी के सम्मेलन में भाग लिया तथा 'मल्टिलिंग्विलिज्म इन इण्डिया : साइकोलाजिकल इंप्लिकेशंस ऐंड द रोल आफ माइनार्टी लैंग्यूवेज्स इन एज्यूकेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. मोहन्ती ने 14 से 16 अगस्त 2004 तक बीजिंग लैंग्यूवेज ऐंड कल्चर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित नेशनल कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप, पोस्ट – आई सी पी वर्कशाप, नेशनल अकादमी आफ साइकोलाजी, इण्डिया' में भाग लिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 30 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2004 तक टीचर्स कालेज, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, यू.एस.ए. द्वारा आयोजित लैंग्यूवेज ऐंड एज्यूकेशन : इमेजिंग मल्टिलिंग्वल स्कूल्स के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'मल्टिलिंग्विलिज्म आफ द अनइक्वल्स ऐंड प्रिडिकेमेंट्स आफ एज्यूकेशन इन इण्डिया : मदर टंग आर अदर टंग ? शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. मोहन्ती ने 27 सितम्बर 2004 को कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, लांगबीच, यू.एस.ए. द्वारा आयोजित हिरारकिकल मल्टिलिंग्वलिज्म ऐंड मार्जिनेलाइजेशन आफ माइनार्टी मदर टंग्स, विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 4 अक्टूबर 2004 को अंग्रेजी संस्थान, मिचीगन विश्वविद्यालय, मिचिगन, अमेरिका द्वारा आयोजित 'मल्टिलिंग्वलिज्म इन इण्डिया : इज इंग्लिश ए किलर लैंग्यूवेज आर ए हीलर लैंग्यूवेज ? विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने (एम पण्डा के साथ) ने 29 मार्च से 2 अप्रैल 2005 तक केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर द्वारा प्रायोजित 'लैंग्यूवेज ऐंड माइन्ड' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'लैंग्यूवेज ऐंड माइन्ड : सोसिओ–कल्चरल अप्रोच' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गीता बी. नाम्बिसन ने 7 से 8 अक्टूबर 2004 तक कांउसिल फार सोशल डिवलपमेंट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 'टुवर्डस क्वालिटी एज्यूकेशन फार आल : इश्यूज ऐंड चैलेंजिज बियांड 86थ अमेंडमेंट, विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'टर्म्स आफ इनक्लुजन : दलित्स ऐंड द राइट टु एज्यूकेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गीता बी. नाम्बिसन ने 24 से 25 नवम्बर 2004 तक निरन्तर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'जेन्डर ऐंड एज्यूकेशन कंसल्टेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'एज्यूकेशन आफ द आदिवासी गर्ल चाइल्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- गीता बी. नाम्बिसन ने 25 से 27 नवम्बर 2004 तक केयर, इण्डिया द्वारा आयोजित 'स्ट्रेटिजीस ऐंड डायनेमिक्स आफ चेन्ज इन इण्डियन एज्यूकेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इक्विटी' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- एम. पण्डा ने 2 से 6 अगस्त 2004 तक जियान, चीन द्वारा आयोजित 17वें इंटरनेशनल कांग्रेस आफ क्रास कल्चरल साइकोलाजी में भाग लिया तथा 'साओरा कल्चर ऐंड एज–इफ डिस्कोर्स इन मैथमेटिक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पण्डा ने 8 से 13 अगस्त 2004 तक बीजिंग, चीन द्वारा आयोजित 28वीं अन्तर्राष्ट्रीय साइकोलाजी कांग्रेस में भाग लिया तथा 'ब्रिंगिग साओरा'स ट्राइव्स पर्सपेक्टिव टु मैथमेटिक टीचिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पण्डा ने 10 से 13 दिसम्बर 2004 तक इंटरनेशनल एज्यूकेशन सेंटर, पाण्डिचेरी द्वारा आयोजित 'इण्डियन साइकोलाजी : योग ऐंड कांससनेस' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कल्चरल कंस्ट्रक्शन आफ क्रिएटिविटी : डयूलिज्म ऐंड बियान्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पण्डा ने 16 से 18 दिसम्बर 2004 तक सेंटर फार बिहेवियरल ऐंड कोग्निटिव साइंसिस, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, इलाहाबाद द्वारा आयोजित, 'कोग्निटिव साइंसिस' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'वाई डोंट सौरास मास प्रोड्यूस एग्रीकल्चरल टूल्स : कल्चरल सिचुएटिडनेस आफ फिजिको – मैथमेटिकल कंसेप्ट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पण्डा ने फरवरी 2004 में आई आई टी, खड़गपुर द्वारा आयोजित नेशनल अकादमी आफ साइकोलाजी के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा, 'आइडेंटिटी ऐंड पर्सेप्शंस आफ इक्विटी अमंग ट्राइबल ऐंड नान–ट्राइबल कालेज स्टूडेन्ट्स आफ उड़ीसा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 28 मई 2004 को पेरिस द्वारा आयोजित यूरोपीयन ट्रांस्कल्ट्रा आब्जरवेट्री की संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'प्रोलेगोमेनन टु द स्टडी आफ नालेज ऐज ए कीवर्ड इन द इण्डियन ट्रेडिशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 1 से 2 अक्टूबर 2004 तक मेरजिग, सारे द्वारा आयोजित Transculture : 'Le Droit et la Paix' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द सोशल इपिस्टेमोलाजी आफ 'नालेज' ऐज ए कीवर्ड इन द इण्डियन ट्रेडिशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 4 से 8 अक्टूबर 2004 तक म्युनिक द्वारा आयोजित जर्मन सोसिओलाजिकल एसोसिएशन की 32वीं कांग्रेस में भाग लिया तथा 'पोस्टकलोनियल नैरेटिव्स आफ माडर्न साइंस इन द मेकिंग : द एक्सचेंज आफ साइंटिफिक नालेज बिटवीन इण्डिया ऐंड यूरोप (1700–1950)' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 3 अक्टूबर 2004 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इमेज्स, इमेजरी ऐंड इमेजिनेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'मैथमेटिक्स ऐंड द हिस्टोरिकल इमेजिनेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 18 से 20 नवम्बर 2004 को समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'विन्डो आन यूरोप' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'जेस्यूट प्रिजेन्स इन द इंसाइक्लोपीडिया आफ डी' अलम्बर्ट ऐंड डिडराट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 27 दिसम्बर 2004 को चेन्नई द्वारा आयोजित 'को–इवोल्युशन आफ साइंस ऐंड सोसायटी' विषयक इंसा की संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'लुकिंग बियांड द अकेडमिक कोल्ड वार : वाट द सोशल स्टडीज आफ साइंस हैज टु आफर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 6 से 7 मार्च 2005 तक तेल अबीब विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कल्चरल रिलेटिविटी ऐंड द साइंटिफिक इंटरप्राइजिस : कंटेक्स्ट ऐंड कंटिंजेंसी इन द डिवलपमेंट आफ साइंस' विषयक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'रिविजिटिंग द नान–इमर्जेन्स आफ माडर्न साइंस इन अली माडर्न साउथ एशिया : रिफ्लेक्शंस आन हिस्टोरिग्राफी ऐंड सम एपिसोड्स इन द हिस्ट्री आफ साइंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने मार्च 2005 में कलकत्ता में आयोजित 'साइंस ऐंड टेक्नोलाजी इन माडर्न इण्डिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'फाइंडिंग ए होम फार द हिस्ट्री आफ साइंस इन पोस्ट कलोनियल इण्डिया : द इंफ्लुएन्स आफ नीडहम ऐंड द रोल आफ यूनेस्को (1950–60)' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एस श्रीनिवास राव ने 2 से 4 मार्च 2005 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित साउथ एशियन यूनिवर्सिटीज के कुलपतियों के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- एस श्रीनिवास राव ने 5 से 6 फरवरी 2005 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान (बंगलौर) नई दिल्ली में आयोजित एज्यूकेशनल स्टडीज इन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को विकसित करने हेतु पाठ्यक्रम की परिचर्चा संबंधी कार्यशाला में भाग लिया।
- एस श्रीनिवास राव ने 26 से 27 अक्टूबर 2004 तक सामाजिक विज्ञान संस्थान, इग्नू द्वारा आयोजित 'रिसर्च मेथडोलाजीस ऐंड मेथड्स इन सोशल साइंसिस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'सर्वे मेथड इन सोशल साइंसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस श्रीनिवास राव ने 31 जुलाई से 2 अगस्त 2004 तक मिसेज हेलना कौशिक वुमन'स कालेज, मलसिसर, झुंझुनूं जिला, राजस्थान द्वारा आयोजित 'वुमन'स एज्यूकेशन ऐंड डिवलपमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'निग्लेक्टिड टेरीन इन द क्वैस्ट फार वुमन'स इक्वैलिटी : वुमन इन इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नोलाजी एज्यूकेशन इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस श्रीनिवास राव ने 2 मई 2004 को आल इण्डिया बैकवर्ड क्लासिस (एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी.) ऐंड माइनार्टी कम्यूनिटीज इंप्लायज फेडरेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्राइवेटाइजेशन आफ हायर एज्यूकेशन' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

jktuhfrd v/;;u dsUnz

- सुधा पई ने 24 से 25 मई 2004 तक इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ दलित स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सिविल सोसायटी ऐंड अप्रोचिस टु दलित इंपावरमेंट' विषयक बैठक में भाग लिया तथा 'रिजर्वेशन ऐज पालिटिकल इंपावरमेंट : सम हिस्टोरिकल ऐंड थिओरेटिकल डिबेट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुधा पई ने 3 से 5 नवम्बर 2004 तक सेंटर फार पब्लिक पालिसी ऐंड गवर्नेन्स, इंस्टीट्यूट आफ एप्लाइड मैनपावर रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कोपिंग विद ग्लोबलाइजेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन, एग्रीकल्चर पालिसी ऐंड फारमर्स स्यूसाइड्स : ए केस स्टडी आफ आन्ध्र प्रदेश' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुधा पई ने 20 नवम्बर 2004 को मानव विकास संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'दलित डिवलपमेंट रिपोर्ट' विषयक कार्यशाला की परिचर्चा में भाग लिया।
- सुधा पई ने 30 नवम्बर 2004 को विधि और अभिशासन केंद्र द्वारा आयोजित (सह लेखक प्रदीप शर्मा के साथ) 'इंस्टीट्यूट ऐंड गवर्नेन्स : लेजिस्लेचर्स इन इण्डिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'न्यू इंस्टीट्यूशनलिज्म ऐंड लेजिस्लेटिव इंस्टीट्यूशंस इन द इण्डियन स्टेट्स : ए कम्पैरटिव स्टडी आफ उत्तर प्रदेश ऐंड वेस्ट बंगाल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुधा पई ने 16 से 17 दिसम्बर 2004 तक डी सी आर सी, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली और एल एस इ द्वारा आयोजित 'स्टेट पालिटिक्स ऐज ए पार्ट आफ द क्राइसिस स्टेट्स प्रोग्राम्स' विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'न्यू पैटर्स आफ पालिटिकल मोबिलाइजेशन इन द इण्डियन स्टेट्स इन द 1990स : केस आफ यू.पी.' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुधा पई ने 17 से 18 जनवरी 2005 तक उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा चित्रकूट में आयोजित दो दिवसीय युवा शिविर संगोष्ठी में विद्वान के रूप में भाग लिया तथा 'ग्रोथ आफ द बी एस पी इन उत्तर प्रदेश' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुधा पई ने 28 मार्च 2005 को मानव विकास संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'फ्रेमवर्क आफ दलित डिवलपमेंट रिपोर्ट' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 18 से 19 मार्च 2005 तक इंटरनेशनल आई डी इ ए, स्वीडन के सहयोग से विस्काम्प, दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिकंसिलेशन इन साउथ एशिया : इक्सप्लोरिंग द टेरीन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रिकंसिलेशन ऐंड को–इक्जिस्टेन्स : द मल्टि–कल्चरल माडल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- गुरप्रीत महाजन ने 15 मार्च 2005 को राजनीति विज्ञान विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित 'रिसर्च मेथड्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'हर्मेन्यूटिक्स ऐज ए मेथड फार सोशल साइंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरप्रीत महाजन ने 17 फरवरी 2005 को राजनीति विज्ञान विभाग, जाकिर हुसैन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'मल्टिकल्चरलिज्म ऐंड डेमोक्रेसी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 28 जनवरी 2005 तक राजनीति विज्ञान विभाग, वेंकटेश्वर कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'मल्टिकल्चरलिज्म' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 25 जनवरी 2005 को राष्ट्रीय रक्षा कालेज में 'सेक्यूलरिज्म इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 20 नवम्बर 2004 को 'रिकंसिलेशन आफ्टर वायलेन्ट कंफ्लिक्ट' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 22 सितम्बर 2004 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित 'कंफ्लिक्ट रिजोल्युशन द मल्टिकल्चरल पर्सपेक्टिव' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 13 सितम्बर 2004 को सेंटर फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट रिजोल्युशन' जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित 'प्लूरलिज्म ऐंड द नेशन–स्टेट' विषयक कार्यक्रम आयोजित किया।
- गुरप्रीत महाजन ने 27 अगस्त 2004 को ब्रिटिश कांउसिल / पेंगुइन इण्डिया द्वारा आयोजित 'अमित्व कुमार'स बुक लांच' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- वी रोड्रिग्स ने 4 से 8 अक्टूबर 2004 तक जर्मन सोसिओलाजिकल कांग्रेस द्वारा आयोजित 'सोशल इनइक्वैलिटी ऐंड डेमोक्रेसी विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- वी रोड्रिग्स ने 8 से 10 अक्टूबर 2004 तक रिकंस्ट्रिंग डेमोक्रेटिक कंसर्न्स इन माडर्न इण्डिया' विषयक बैठक में भाग लिया तथा 'इनवेटिंग ए ट्रेडिशन आफ डेमोक्रेसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वी रोड्रिग्स ने 1 से 4 नवम्बर 2004 तक कोलम्बिया विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित नई दिल्ली 'ह्युमन राइट्स ऐंड वर्ल्ड कम्यूनिटी' विषयक बैठक में भाग लिया तथा 'प्लूरलिज्म ऐंड राइट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वी रोड्रिग्स ने 27 नवम्बर से 3 दिसम्बर 2004 तक कैनारा कैथोलिक जागातिक सम्मेलन, मंगलौर द्वारा आयोजित 'पालिटिकल कल्चर ऐंड लीडरशिप अमंग कैनरा कैथोलिक्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- वी रोड्रिग्स ने 11 से 13 फरवरी 2005 तक कर्नाटक स्टेट पालिटिकल साइंस टीचर्स एसोसिएशन, गुलबर्ग यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'अम्बेडकर, जस्टिस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- वी रोड्रिग्स ने 25 से 27 फरवरी 2005 तक दलित इंटेलेक्चुअल कलेक्टिव और डा. अम्बेडकर सेंटर फार इकोनामिक स्टडीज' यूनिवर्सिटी आफ मद्रास द्वारा आयोजित 'दलित ऐंड लेबर मूवमेंट इन कर्नाटक' विषयक बैठक में भाग लिया।
- गोपाल गुरू ने 8 जनवरी 2005 को स्ट्रेटिजिक ऐंड डिफेंस रिसोर्स सेंटर (कोलम्बो) द्वारा काठमाण्डु, नेपाल में आयोजित 'ह्यूमन सिक्यूरिटी इन साउथ एशिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'अंडरस्टेंडिंग सोशल इंश्योरेन्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गोपाल गुरू ने 9 से 10 जनवरी 2005 तक सी एस डी एस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'माडर्न इण्डियन पालिटिकल थाट' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'सेल्फ रिस्पेक्ट : द दलित बहुजन पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गोपाल गुरू ने 7 मार्च 2005 को राजनीति विज्ञान विभाग, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा आयोजित 'सोशल सिक्यूरिटी इन इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'अंडरस्टेंडिंग द कंसेप्ट आफ सोशल सिक्यूरिटी' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- गोपाल गुरू ने 17 मार्च 2005 को विस्काम्प, आई आई सी नई दिल्ली द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'अंडरस्टेंडिंग रिकंसिलेशन : सबालर्टन पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- गोपाल गुरू ने 23 मार्च 2005 को राजनीति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित 'डेमोक्रेसी, आइडेंटिटी ऐंड ग्लोबलाइजेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'मार्जिनेलाइजेशन आफ कल्चरल आइडेंटिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गोपाल गुरू ने 28 मार्च 2005 को अम्बेडकर स्टडी सेंटर और डिपार्टमेंट आफ सोशल वैलफेयर, यूनियन टेरिटरी आफ चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित 'अम्बेडकरिज्म ऐंड दलित लिबरेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा रिलेवेन्स आफ अम्बेडकर'स फिलास्फी' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- प्रलय कानूनगो ने मार्च 2005 में राजनीति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड डाइस्पोरिक आइडेंटिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रलय कानूनगो ने 28 अगस्त 2004 को ह्युमन राइट्स ला नेटवर्क ऐंड अनहद, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित 'कम्यूनेलिज्म इन उड़ीसा' विषयक कार्यशाला आयोजित की।
- विधु वर्मा ने 27 से 30 जनवरी 2005 तक साउथ ऐंड साउथईट एशियन : एसोसिएशन फार द स्टडी आफ रिलिजन, आई आई सी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कल्चरल ऐंड रिलिजियस मोजाइक आफ साउथ ऐंड साउथईस्ट एशियान : कंफ्लिक्ट ऐंड कांसस थ्रू द ऐज्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रिलिजन, ह्युमन राइट्स ऐंड द ला' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विधु वर्मा ने 15 से 17 दिसम्बर 2004 तक इंस्टीट्यूट आफ रूरल मैनेजमेंट, आनन्द, गुजरात द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन, गवर्नेन्स,रिफार्म्स ऐंड डिवलपमेंट' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'पालिटिकल आस्पेक्ट्स आफ ग्लोबलाइजेशन ऐंड गवर्नेन्स रिफार्म्स विद ए फोकस आन नेशन–स्टेट इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विधु वर्मा ने 15 जुलाई 2004 को 'सिविल सोसायटी'स इनिसिएटिव आन रेमिडीज अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन ऐंड रिजर्वेशन पालिसी फार प्राइवेट सैक्टर इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'मलेशियन इक्सपिरिअन्सिस आफ अफरमेटिव एक्शन पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राहुल मुखर्जी ने 12 मार्च, 2005 को यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया द्वारा आयोजित इंस्टीट्यूट फार द एडवांस्ड स्टडी आफ इण्डिया, नई दिल्ली में 'इंटरनेशनल रिलेशंस थीअरि ऐंड साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'एक्सप्लेनिंग सब रीजनल इकोनामिक कोआपरेशन इन साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राहुल मुखर्जी ने 3 मार्च 2005 को बिजोय कृष्णा गर्ल्स कालेज, हाबड़ा द्वारा आयोजित 'द मेकिंग ऐंड अनमेकिंग आफ द इण्डियन नेशन स्टेट' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द इण्डियन स्टेट ऐंड ग्लोबलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राहुल मुखर्जी ने 29 जून 2004 को केरी, पेरिश द्वारा आयोजित नेटवर्क आफ द साउथ एशियन पालिटिक्स ऐंड पालिटिकल इकोनामी की तीसरी बैठक में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द पालिटिक्स आफ इंटरनेशनल कार्पोरेट टैक्सेशन : ए व्यू फ्राम इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राहुल मुखर्जी ने 14 जून 2004 को सेंटर फार द एडवांस्ड स्टडी आफ इण्डिया, यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया, फिलोडेल्फिया द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'प्रमोटिंग कम्पीटिशन थ्रू इंस्टीट्यूशनल चेंज : टेलकाम रेग्यूलेशन इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राहुल मुखर्जी ने 17 मई 2004 को स्कूल आफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज, जान हाफ्किन्स यूनिवर्सिटी, वाशिंगटन डी.सी. द्वारा आयोजित साउथ एशिया की संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'मैनेजिंग कम्पीटीशन : बिल्डिंग रेग्यूलेट्री इंस्टीट्यूशंस इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शेफाली झा ने 8 से 10 अक्टूबर 2004 तक सी.एस.डी.एस. द्वारा आयोजित 'रिकंस्ट्रेक्टिंग डेमोक्रेटिक कंसर्न्स इन मार्डन इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

n'ku'kkL= dUn

- एस.पी. गौतम ने 10 से 12 मार्च 2005 तक पंडित जे.एल.एन.एम. कालेज, फरीदाबाद द्वारा आयोजित, 'ह्यूमन वैल्यूज ऐंड ह्यूमन राइट्स' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।

- एस.पी. गौतम ने 17 से 18 मार्च 2005 तक जर्मन अध्ययन केन्द्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सिल्लर'स ऐस्थेटिक एज्यूकेशन आफ मैन' विषयक संगोष्ठी के एक सत्र की अध्यक्षता की।
- एस.पी. गौतम ने 23 मार्च 2005 को दर्शनशास्त्र ग्रुप, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'फिलास्फी आफ डिकंस्ट्रक्शन आफ डेरिडा' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'फ्युचर आफ डिकंस्ट्रक्शन' विषयक व्याख्यान दिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- एस.पी. गौतम ने आई सी पी आर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 'राइटिंग आफ कम्प्रिहेंसिव हिस्ट्री आफ इण्डियन फिलास्फी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ओइनम भगत ने 26 सितम्बर, 2004 को सेंटर फार नार्थ–ईस्ट स्टडीज ऐंड पालिसी रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कंफ्लिक्ट्स इन द नार्थ–ईस्ट : एनालिसिस ऐंड डायलाग' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'अंडरस्टेंडिंग द बेसिस आफ कंफ्लिक्ट्स इन नार्थ–ईस्ट इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ओइनम भगत ने 27 से 28 सितम्बर 2004 तक जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'माइन्ड कांससनेस ऐंड द वर्ल्ड' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा कंस्ट्रेक्टिंग आइडेंटिटीज : कांससनेस इंटरप्लेड, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ओइनम भगत ने 14 से 15 मार्च 2005 तक सी–नेस और आई सी एस एस आर (नई दिल्ली), नेशनल ला स्कूल आफ इण्डिया यूनिवर्सिटी, बंगलौर द्वारा आयोजित, 'इश्यूज ऐंड चैलेंजिस बिफोर नार्थ–ईस्ट इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कंफ्लिक्ट ऐंड आइडेंटिटी फार्मेशन इन नार्थ–ईस्ट इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ओइनम भगत ने 21 से 23 मार्च 2005 तक नार्थ–ईस्ट इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट इन द टवेन्टीथ सेंचुरी नार्थ–ईस्ट इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'क्लोनियलिज्म ऐंड सोशल चेंज इन मणिपुर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मनीदीपा सेन ने 11 से 13 सितम्बर 2004 तक काउलिंग मोनास्ट्री, बीर, हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित यूरोप, नार्थ अफ्रीका ऐंड इण्डिया' के दार्शनिकों की संगोष्ठी में भाग लिया।
- मनीदीपा सेन ने 5 से 6 नवम्बर, 2004 तक जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लैंग्यूवेज मीनिंग ऐंड टेक्स्ट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'विटजेनस्टेन आन लिंग्विस्टिक इक्सप्रेसिविज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मनीदीपा सेन ने 19–21 जनवरी 2005 तक नार्थ बंगाल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'लैंग्यूवेज, थाट ऐंड रिएलिटी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'सिंग्यूलर थाट ऐंड कम्यूनिकेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

{k=h; fodkl v/;;u dUn

- अनुराधा बनर्जी ने 22 से 29 सितम्बर 2004 तक सेल्जबर्ग विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित 'फैकल्टी डिवलपमेंट इन जीआई साइंस, (आलेख – डिजिटल टेरीन माडलिंग) विषयक ग्रीष्मकालीन अन्तर स्कूल कार्यशाला में भाग लिया।
- अनुराधा बनर्जी ने 30 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2004 तक एम्सटर्डम द्वारा आयोजित 'लैण्ड यूज माडलिंग' विषयक ग्रीष्मकालीन अन्तर स्कूल कार्यशाला में भाग लिया।
- अनुराधा बनर्जी ने 16 अप्रैल 2004 को क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित 'एथिक्स आफ फ्रेशवाटर यूज' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग – सी.ए.एस. की संगोष्ठी में भाग लिया।
- अनुराधा बनर्जी ने 6 जुलाई 2004 को आर्क जीआईएस 9 रोल आउट संगोष्ठी में भाग लिया।
- अनुराधा बनर्जी ने 29 से 31 अक्टूबर 2004 तक गोवा विश्वविद्यालय, गोवा द्वारा आयोजित 'जीआईएस साइंस फार कोस्टल जोन मैनेजमेंट' विषयक अंतर जीआईएस ग्रीष्मकालीन स्कूल–3 संगोष्ठी में भाग लिया।
- अनुराधा बनर्जी ने 2 से 3 दिसम्बर 2004 तक नई दिल्ली द्वारा आयोजित सातवीं वार्षिक इएसआरइआई इण्डिया यूजर्स के सम्मेलन में भाग लिया।

- अमिताभ कुण्डु ने 10 अप्रैल 2004 को यूनिवर्सिटी आफ एम्सटर्डम, फैकल्टी आफ सोशल साइंस द्वारा आयोजित 'पावर्टी वल्नरेबिलिटी ऐंड ह्यूमन राइट' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- सरस्वती राजू ने सितम्बर 2004 में चीन द्वारा आयोजित 'स्किल फार्मेशन ऐंड वोकेशनल ट्रेनिंग, जेंडर ग्लोबलाइजिंग कंटेक्स्ट' : न्यू दिल्ली ऐज ए केस स्टडी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- सरस्वती राजू ने 7 जून 2004 को अबुरी, एक्रा, घाना द्वारा आयोजित 'एनजीओ–गवर्नमेंट पार्टनरशिप ऐंड गुड गवर्नेंस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा भारत की ओर से रिपोर्ट प्रस्तुत की।
- सरस्वती राजू ने 17 से 16 मई 2004 तक एशियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, बैंकाक, थाईलैण्ड द्वारा आयोजित 'जेंडर डिवलपमेंट ऐंड पब्लिक पालिसी इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'लिमिटेड आप्शंस : रिथिंकिंग वुमन'स इम्पावरमेंट : 'प्रोजेक्ट' इन डिवलपमेंट डिस्कोर्सस – ए केस फ्राम रूरल इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सरस्वती राजू ने 25 से 28 अप्रैल, 2004 तक वेलेजली सेंटर फार वुमन, बोस्टन, यू.एस.ए. द्वारा आयोजित 'इनोवेशंस इन अंडरस्टेंडिंग वायलेन्स अगेंस्ट वुमन' विषयक 2004 इंटरनेशनल रिसर्च ऐंड एक्शन सम्मेलन में भाग लिया तथा 'मैस्कुलिन इण्डिया कंटिन्यूज टु किल डाटर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सरस्वती राजू ने नवम्बर 2004 में आई डी एस, रायपुर में आयोजित 'राइट टु इंप्लायमेंट' विषयक राष्ट्रीय सलाहकार कार्यशाला में भाग लिया तथा 'राइट टु इंप्लायमेंट : फीजिबल स्ट्रेटिजीस ऐंड रिसोर्स इंप्लिकेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.सी. शर्मा ने यूनिवर्सिटी आफ सेल्जबर्ग, आस्ट्रेलिया और व्रिज यूनिवर्सिटी, एम्सटर्डम, नीदरलैण्ड्स द्वारा आयोजित इंटर जीआईएस समर स्कूल्स की संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. शर्मा ने गोवा विश्वविद्यालय, गोवा में इंटर जीआईएस समर स्कूल की संगोष्ठी में भाग लिया।
- अतुल सूद ने 24 से 27 अक्टूबर 2004 तक ओटावा, कनाडा द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल हैल्थ' विषयक 11वें कनेडियन सम्मेलन में भाग लिया तथा (रि) थिंकिंग हैल्थ पालिसी इन इण्डिया : सम पालिसी लेसंस फ्राम ट्रेन्ड्स इन पब्लिक इक्सपेंडिचर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रवि श्रीवास्तव ने अप्रैल 2004 में पाकिस्तान एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कालेज और डीएफआईडी, लाहौर द्वारा आयोजित 'इंटरनल माइग्रेशन इन पाकिस्तान' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- रवि श्रीवास्तव ने दिसम्बर 2004 में आईजीआईडीआर, मुम्बई और इंस्टीट्यूट आफ ह्यूमन डिवलपमेंट द्वारा आयोजित 'इनकम ऐंड वेज्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया (रिचा सिंह के साथ)
- रवि श्रीवास्तव ने नवम्बर 2004 में आईडीएस, जयपुर द्वारा आयोजित 'राइट टु इंप्लायमेंट' विषयक राष्ट्रीय सलाहकार कार्यशाला में भाग लिया तथा 'राइट टु इंप्लायमेंट : फीजिबल स्ट्रेटिजीस ऐंड रिसोर्स इंप्लिकेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रवि श्रीवास्तव ने 19 अगस्त 2004 को राष्ट्रीय श्रम संस्थान द्वारा आयोजित 'डिसेंट वर्क' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रवि श्रीवास्तव ने 7 से 9 अक्टूबर 2004 तक वर्ल्ड फूड प्रोग्राम और वर्ल्ड बैंक इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सोशल सेफ्टी नेट्स इन इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- रवि श्रीवास्तव ने 7 अक्टूबर 2004 को स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'रूरल हैल्थ मिशन' विषयक संगोष्ठी में सलाहकार के रूप में भाग लिया।
- रवि श्रीवास्तव ने 18 से 19 नवम्बर 2004 तक राष्ट्रीय कृषक आयोग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'मिशन 2007 इनिसिएटिव्स फार हंगर फ्री इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में क्षेत्रीय सलाहकार के रूप में भाग लिया।
- रवि श्रीवास्तव ने 28 से 29 अक्टूबर 2004 तक जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद द्वारा आयोजित 'इश्यूज इन ह्युमन डिवलपमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- रवि श्रीवास्तव ने नवम्बर 2004 में विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित 'इंप्लायमेंट गारंटी' विषयक सम्मेलन में राष्ट्रीय सलाहकार के रूप में भाग लिया।

- बी.एस. बुटोला ने 26 से 29 नवम्बर 2004 तक जम्मू में आयोजित 'कश्मीर फाउन्डेशन फार पीस ऐंड डिवलपमेंट' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- बी.एस. बुटोला ने सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा आयोजित ऐथनिक नेशनलिज्म इन नार्थ ईस्टर्न रीजन आफ इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- बी.एस. बुटोला ने 17 से 18 दिसम्बर 2004 तक किरोड़ीमल कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिथिंकिंग रिसोर्स मैनेजमेंट : ए जिओ–स्पैशल पर्सपेक्टिव' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- जी.के. चड्ढा ने 5 जून 2004 को राजीव गांधी फाउन्डेशन द्वारा आयोजित 'इंटिग्रेटिंग द पुअर फार्मर्स इन टु द मार्किट' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- जी.के. चड्ढा ने 7 जून 2004 को वर्ल्ड बैंक, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'वर्ल्ड डिवलपमेंट रिपोर्ट 2005 में सलाहकार के रूप में भाग लिया।
- जी.के. चड्ढा ने 22 जून 2004 को नई दिल्ली में आयोजिहत 'एग्रेरियन क्राइसिस इन द इण्डियन इकोनामी' विषयक ओ आर एफ की संगोष्ठी में भाग लिया।
- जी.के. चड्ढा ने 16 जुलाई 2004 को यू एन डी पी, नई दिल्ली में आयोजित 'यू एन डी पी रिपोर्ट 2004 में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- जी.के. चड्ढा ने 17 अगस्त 2004 को आब्जर्वर रिसर्च फाउन्डेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंप्लायमेंट ऐंड इकोनामिक ग्रोथ' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- जी.के. चड्ढा ने 12 से 13 दिसम्बर 2004 को आई जी आई डी आर, मुम्बई द्वारा आयोजित 'वेज्स ऐंड इंप्लायमेंट इन इण्डिया' विषयक आई एस एल इ की संगोष्ठी में भाग लिया।
- जी.के. चड्ढा ने 17 दिसम्बर 2004 को राजीव गांधी फाउन्डेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लुकिंग क्रिटिकली ऐट एग्रीकल्चरल सब्सिडीज इन इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- डी.एन. दास ने 10 जुलाई 2004 को ओ आर जी आई, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'डाटा डिसिमिनेशन आफ 2001 सेंसस रिजल्ट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- डी.एन. दास ने 2 से 3 दिसम्बर 2004 को नई दिल्ली में आयोजित 'जीआईएस, इएसआरआई इण्डिया' विषयक 7वें वार्षिक इएसआरआई यूजर्स' सम्मेलन में भाग लिया।
- डी.एन. दास ने इएसआरआई–इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंट्रोडक्शन टु आर्क जीआईएस 9' विषयक 5दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- एन.सी. जेना ने 16 अप्रैल 2004 को क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, जेएनयू के सहयोग से आयोजित 'ऐथिक्स आफ फ्रेशवाटर यूज' विषयक यूजीसी–सीएएस की संगोष्ठी की परिचर्चा में भाग लिया।
- एन.सी. जेना ने 10 से 11 जनवरी 2005 तक जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'न्यू फार्म्स आफ गवर्नेन्स इन इण्डियन मेगा सिटीज : डिसेंट्रेलाइजेशन, फाइनेन्सल मैनेजमेंट ऐंड पार्टनर्शिप इन अर्बन एनवायरनमेंटल सर्विसिस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- एन.सी. जेना ने 30 से 31 मार्च 2005 तक क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित 'एनवायरनमेंटल ऐंड रिसोर्स मानिटरिंग : एप्लिकेशन रिमोट सेंसिंग ऐंड जीआईएस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- असलम महमूद ने नवम्बर 2004 में आईसीएसएसआर – आईडीपीएडी द्वारा आयोजित 'न्यू फार्म्स आफ अर्बन गवर्नेन्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- दीपक के. मिश्रा ने 10 से 11 सितम्बर 2004 तक सेंटर फार नार्थ–ईस्ट इण्डिया, साउथ ऐंड साउथ–ईस्ट एशिया स्टडीज, ओकेडी इंस्टीट्यूट आफ सोशल चेंज ऐंड डिवलपमेंट' गुवाहाटी द्वारा आयोजित 'टुवर्डस ए न्यू एशिया : ट्रासनेशनलिज्म ऐंड नार्थ–ईस्ट इण्डिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- दीपक के. मिश्रा ने 26 से 28 नवम्बर 2004 तक डिपार्टमेंट आफ इकोनामिक्स, अरूणाचल यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट आफ ह्यूमन डिवलपमेंट, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से ईटानगर में आयोजित 'ट्रांसफार्मिंग द हिल इकोनामिक्स आफ नार्थ ईस्ट–इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- दीपक के. मिश्रा ने 16 से 18 दिसम्बर 2004 तक विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स के 46वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।
- सुदेश नांगिया ने 1 से 2 अप्रैल 2004 तक सोसायटी फार सोशल इंपावरमेंट और स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज, जेएनयू द्वारा आयोजित 'पाप्यूलेशन ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इश्यूज इन पाप्यूलेशन प्लानिंग सटेनेबल डिवलपमेंट ऐंड एनवायरनमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुदेश नांगिया ने 2 से 4 दिसम्बर 2004 तक सेंटर फार आपरेशंस रिसर्च ऐंड ट्रेनिंग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (कोअर्सिव सैक्स अमंग यंग पीपल), 'यंग पीपल'स सेक्सुअल ऐंड रिप्रोडक्टिव हैल्थ नीड्स इन एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- सुदेश नांगिया ने 8 से 9 दिसम्बर 2004 तक इंस्टीट्यूट फार डिवलपमेंट अल्टरनेटिव्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एनवायरनमेंट ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट स्ट्रेटिजीस फार साउथ एशिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- सुदेश नांगिया ने नई दिल्ली में आयेजित इंट्रोडक्शन टु ArcGis 9' विषयक इएसआरआई इण्डिया की 5 दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लिया।
- पद्मिनी पाणि ने 21 से 22 दिसम्बर 2004 तक डिपार्टमेंट आफ जिओग्राफी, गवर्नमेंट एस एल पी कालेज, मोरार, ग्वालियर द्वारा आयोजित 'द फोकल थीम एनवायरनमेंट ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट आफ इण्डिया' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित भूगोल में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'जी आई एस – बेस्ड माडलिंग फार ए सलेक्शन आफ ऐस्थेटिक इको–टूरिज्म साइट्स आफ ए हिली रीजन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पद्मिनी पाणि ने 21 से 22 दिसम्बर 2004 तक डिपार्टमेंट आफ जिओग्राफी, गवर्नमेंट एस एल पी कालेज, मोरार, ग्वालियर द्वारा आयोजित 'द फोकल थीम एनवायरनमेंट ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट आफ इण्डिया' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित भूगोल में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'सिंगरौली फ्राम स्पेस : ए जिओएनवायरनमेंटल अप्रेजल आफ सरफेस वाटर पाल्यूशन ऐंड ऐयर पाल्यूशन स्टडीज थ्रू रिमोट सेंसिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पद्मिनी पाणि ने मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास द्वारा आयोजित 'जीआईएस 2004' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'अंडरस्टेंडिंग द टूरिज्म इनफ्लुएंसिंग फैक्टर्स इन हिल स्टेशंस थ्रू जी आई एस माडलिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पद्मिनी पाणि ने 2 से 3 दिसम्बर 2004 तक नोएडा में आयोजित 'इ एस आर आई इण्डिया' सम्मेलन में भाग लिया।
- पद्मिनी पाणि ने नई दिल्ली में आयोजित इंट्रोडक्शन टु आर्क जी आई एस 9' विषयक ए एस आर आई इण्डिया के सम्मेलन में भाग लिया।
- सुचारिता सेन ने 15 से 17 दिसम्बर 2004 तक तमिलनाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, कोयम्बटूर में आयोजित इण्डियन सोसायटी आफ एग्रीकल्चर इकोनामिक्स के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ए फ्रेमवर्क फार प्राइआरिटाइजिंग वाटरशेड डिवलपमेंट प्रोग्राम्स : ए मैक्रो ऐंड माइक्रो व्यू' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुचारिता सेन ने 3 से 4 दिसम्बर 2004 तक नोएडा, उत्तर प्रदेश में आयोजित इ एस आर आई यूजर सम्मेलन में भाग लिया तथा 'एप्लिकेशन आफ जिओग्राफिकल इनफारमेशन सिस्टम्स इन सेम्पल सलेक्शन फार सोशल साइंस रिसर्च' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुचारिता सेन ने नई दिल्ली में 'इंट्रोडक्शन टु आर्क जी आई एस 9' विषयक इ एस आर आई इण्डिया के 5दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लिया।
- सुचारिता सेन ने 30 से 31 मार्च 2005 तक क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, जेएनयू में आयोजित 'एनवायरनमेंटल रिसोर्स मानिटरिंग ऐंड असेसमेंट : एप्लिकेशन आफ जीआईएस ऐंड रिमोट सेंसिंग' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'यूजिंग जीआईएस फार सैम्पलिंग इन सोशल साइंस रिसर्च' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सुचारिता सेन ने 23 से 26 मार्च 2005 तक हैदराबाद में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन आफ एग्रीकल्चर इन साउथ एशिया : हैज इट मेड ए डिफ्रेन्स टु रूरल लिविलहुड्स' विषयक क्षेत्रीय कार्यशाला में ग्लोबलाइजेशन ऐंड एक्सपेंडिंग मार्किट फार कट फ्लावर : हू बेनीफिट ? शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुचारिता सेन ने 24 से 26 फरवरी 2005 तक आनन्द गुजरात में आयोजित 'वाटर : टुवर्डस टरब्युलेन्ट फ्युचर' विषयक आरब्ल्युएमआई – टाटा एनुअल पार्टनर की चौथी बैठक में भाग लिया।
- सुचारिता सेन ने 10 से 11 फरवरी 2005 तक भूगोल विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में आयोजित 'इण्डियन एग्रीकल्चर ऐट क्रास रोड्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'हाई–वैल्यू डाइवर्सिफिकेशन इन इण्डियन एग्रीकल्चर : ए केस आफ फ्लोरिकल्चर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- हरजीत सिंह ने 17 से 18 दिसम्बर 2004 तक किरो़ड़ीमल कालेज, दिल्ली में आयोजित 'रिथिंकिंग रिसोर्स मैनेजमेंट : ए जिओ–स्पेशल पर्सपेक्टिव' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- आर.के. शर्मा ने 12 से 14 दिसम्बर 2004 तक आईजीआईडीआर, मुम्बई द्वारा आयोजित 'वेज्स ऐंड इनकम्स इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आर.के. शर्मा ने (अभिनाशदास के साथ) 16 से 18 दिसम्बर 2004 तक जयुपुर में आयोजित 46वीं इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स' में भाग लिया तथा 'लेबर प्रोडक्टिविटी इन स्माल–स्केल इंडस्ट्री इन इण्डिया : ए स्टेट वाइज एनालिसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.एच. कुरेशी ने 15 अक्टूबर 2004 तक जिओग्राफी एसोसिएशन डिपार्टमेंट आफ जिओग्राफी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'जिओग्राफी, रिसोर्सिस ऐंड सोसायटी' विषयक उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- एम.डी. विमुरी ने 16 अप्रैल 2004 को क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'एथिक्स आफ फ्रेशवाटर यूज' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- एम.डी. विमुरी ने 10 जुलाई 2004 को महापंजीयक और जनगणना आयुक्त का कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सेंसस डाटा डिसिमिनेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.डी. विमुरी ने 30 सितम्बर 2004 को जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय में आयोजित 'इमर्जिंग इश्यूज इन हैल्थकेयर डिलिवरी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'इमर्जिंग एरियाज इन पब्लिक हैल्थ मैनेजमेंट : इंप्लिकेशंस फार हैल्थ मैनेजमेंट ट्रेनिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.डी. विमुरी ने 30 जुलाई 2004 को पाप्यूलेशन फाउन्डेशन आफ इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (श्री लक्ष्मीध ार द्वारा प्रस्तुत), इलिमिनेशन आफ चाइल्ड लेबर नेशनल पालिसी विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

foKku uhfr v/;;u dsUnz

- पी.एन. देसाई ने 8 से 10 नवम्बर 2004 तक नेपाइर यूनिवर्सिटी, इडनबर्ग, स्काटलैण्ड द्वारा आयोजित, 'ग्लोबल पार्टनरशिप फार सस्टेनेबल डिवलपमेंट : द रोल आफ अकादमिक इंस्टीट्यूशंस ऐंड सोसायटीज इन अचीविंग द मिलेनियम डिवलपमेंट गोल्स विषयक डब्ल्यू आर एस टी एस डी द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'चैलेंजिस आफ एग्रो–बायोटेक्नोलाजीस, इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स ऐंड ग्लोबलाइजेशन : रोल आफ अकादमिक इंस्टीट्यूशंस इन अचीविंग द मिलेनियम डिवलपमेंट गोल्स, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वी.वी. कृष्णा ने जून 2004 में 'यूनिवर्सिटी आफ वेस्टर्न सिडनी द्वारा आयोजित 'साइंस ऐंड टेक्नोलाजी इन द डिवलपिंग वर्ल्ड : द फोकस आन एशिया ऐंड अफ्रीका, विषयक एजिस कार्यशाला में भाग लिया तथा 'साइंस ऐंड टेक्नोलाजी इन द डिवलपिंग वर्ल्ड, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नासिर तैयबजी ने 8 से 9 सितम्बर 2004 तक नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल कांससनेस ऐंड कल्चर इन कलोनियल ऐंड पोस्ट – क्लोनियल इण्डिया : न्यू अप्रोचिस फार द प्रोजेक्टिड वाल्यूम इन इनटाइटिल्ड : प्रोजेक्ट आफ हिस्ट्री आफ इण्डियन साइंस, फिलास्फी ऐंड कल्चर' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा टेक्नोलाजी ऐंड द कलोनियल सोसिओ–इकोनामिक कंटेक्स्ट : थिओरेटिकल ऐंड हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव्स, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- नासिर तैयबजी ने 7 से 9 दिसम्बर 2004 तक जवाहरलाल अध्ययन केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'द नेहरूवियन अजेंडा रिविजिटिड, विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'जवाहरलाल नेहरू ऐंड साइंस ऐंड टेक्नोलाजी, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रोहन डिसूजा ने 7 से 8 मार्च 205 तक इतिहास विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'साइंस ऐंड हिस्ट्री इन इण्डिया, विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'सीइंग लाइक ए रीवर : द बंगाल प्रेसिडेंसी'स हाइड्रोलिक ट्रांजिशन, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रोहन डिसूजा ने 14 जुलाई 2004 को सेंटर फार वर्ल्ड एनवायरनमेंटल हिस्ट्री, यूनिवर्सिटी आफ ससेक्स द्वारा आयोजित 'पार्चेड थ्रोट्स ऐंड ड्राउन्ड लैण्ड्स : इण्डिया'स क्वेस्ट फार ए न्यू हाइड्रोलिक पैराडिग्म' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

lkekftd fpfdRlk'kkL= vkj lkeqnkf;d LokLF; dsUnz

- इमराना कादिर ने 5 से 7 फरवरी 2005 तक लाहौर में आयोजित एम डी जी'स इन फार मैटर्नल मोर्टेलिटी' विषयक 'सोसायटी फार इंटरनेशनल डिवलपमेंट रोम' की बैठक में भाग लिया।
- इमराना कादिर ने जनवरी 2005 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित 'नेहरू' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'हैल्थ प्लानिंग इन इंडिपेंडेंट इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- इमराना कादिर ने 29 नवम्बर 2004 को महिला अध्ययन संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कास्ट, क्लास ऐंड जेंडर : वुमन'स हैल्थ इन द ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- इमराना कादिर ने 6 से 7 अगस्त, 2004 तक नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, दिल्ली में आयोजित 'न्यू पैराडिग्म आफ डिवलपमेंट ऐंड सैक्स सलेक्शन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- इमराना कादिर ने 27 सितम्बर 2004 को न्यूट्रिशन फाउन्डेशन फार इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एनालिसिस आफ फूड एक्सपेंडिचर्स : इंप्लिकेशंस फार हैल्थ' विषयक व्याख्यान दिया।
- इमराना कादिर ने 30 सितम्बर 2004 को जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में आयोजित 'इमर्जिंग इश्यूज इन हैल्थ ऐंड हास्पिटल मैनेजमेंट' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- इमराना कादिर ने 14 से 17 सितम्बर 2004 तक पुणे में आयोजित 'इंडिजिनस नालेज एप्लिकेशंस फार लिविलस्टाक केयर' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- इमराना कादिर ने 6 से 7 अगस्त 2004 तक नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली में आयोजित 'द न्यू पैराडिग्म आफ डिवलपमेंट ऐंड सैक्स सलेक्शन डिक्लाइनिंग चाइल्ड सैक्स रेशियो इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- इमराना कादिर ने 28 से 30 जुलाई 2004 तक ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'नेटवर्क फार चेंज : इण्डो–ब्रिटिश पार्टनरशिप्स इन जेंडर इक्वैलिटी : ए कलोबरेटिव इनिसिएटिव आफ वुमन स्टडीज नेटवर्क, विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- के.आर. नायर ने 5 नवम्बर 2004 को इंस्टीट्यूट आफ एप्लाइड मैनपावर रिसर्च द्वारा आयोजित 'कोपिंग विद ग्लोबलाइजेशन, 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड हैल्थ' विषयक तकनीकी सत्र विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'डिसेंट्रेलाइजेशन ऐंड हैल्थ : सम फील्ड इक्सपिरिअंसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मोहन राव ने 4 से 6 अगस्त 2004 तक यू एन एफ पी ए और आई पी पी एफ, द्वारा काठमाण्डु में आयोजित साउथ ऐंड वेस्ट एशिया, काइरो प्लस टेन, विषयक क्षेत्रीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- मोहन राव ने 10 से 12 सितम्बर 2004 तक मैकमास्टर यूनिवर्सिटी, कनाडा द्वारा आयोजित 'द राइज ऐंड फाल (?) आफ द अमेरिकन इंफ्लुएन्स आन सोशल पालिसी, विषयक 7वें सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ग्लोबल सोशल पालिसी, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मोहन राव ने 1 से 2 दिसम्बर 2004 तक सामा, नई दिल्ली में आयोजित 'असिस्टिड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलाजीस, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- मोहन राव ने 14 से 16 दिसम्बर 2004 तक आई आर एम ए, आनन्द में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन, गवर्नेन्स रिफार्म्स ऐंड डिवलपमेंट इन इण्डिया, विषयक रजत जयन्ती संगोष्ठी में भाग लिया।
- मोहन राव ने 20 से 22 जनवरी 2005 तक सी डब्ल्यु डी एस, नई दिल्ली में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द वुमन'स मूवमेंट्स इन इण्डिया, विषयक रजत जयन्ती राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- मोहन राव ने 15 से 17 फरवरी 2005 तक आई.पी.आर.टी. भुवनेश्वर में आयोजित 'द चैलेंजिस आफ पाप्यूलेशन ऐंड हैल्थ इन उड़ीसा, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- रितु प्रिया मेहरोत्रा ने 16 से 20 नवम्बर 2004 तक मैक्सिको सिटी में आयोजित 'ग्लोबल हैल्थ रिसर्च फोरम 8, विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'हैल्थ सिस्टम्स ऐंड पालिसी पर्सपेक्टिव : इनफार्मिंग द एच आई वी ऐंड ऐड्स रिसर्च अजेंडा, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रितु प्रिया मेहरोत्रा ने 26 से 28 नवम्बर 2004 तक मंजेरी, केरल में आयोजित 'कम्यूनिटी पार्टिसिपेशन इन पालिएटिव केयर, विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'एच आई वी ऐंड ऐड्स इन इण्डिया : द प्रिजेंट–सोसिओ–पालिटिकल सिचुएशन, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रितु प्रिया मेहरोत्रा ने 30 से 31 अगस्त 2004 तक आई सी एस एस आर और सेंटर डे साइंसिस ह्युमैनीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'हैल्थ सैक्टर रिफार्म्स : ए ग्रास–स्टेट कम्पेरिजन आफ पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप ऐंड कम्यूनिटी इनिसिएटिव्स, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में परिचर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।
- रितु प्रिया मेहरोत्रा ने 26 सितम्बर 2004 तक नार्दन रीजनल हियरिंग आफ द नेशनल ह्युमन राइट्स कमीशन, लखनऊ, जन स्वास्थ्य अभियान दिल्ली हैल्थ सर्विस रिपोर्ट फार जे एस ए – दिल्ली (डा. आर. दासगुप्ता और ए डी सागर के साथ सह–लेखक) तथा पब्लिक हैल्थ हियरिंग आफ द नेशनल ह्युमन राइट्स कमीशन आन राइट टु हैल्थ केयर, नई दिल्ली में अर्बन हैल्थ विषयक सत्र को समन्वित किया।
- रितु प्रिया मेहरोत्रा ने 21 से 23 जनवरी 2005 तक मेडिको फ्रेंड सरकल, मुम्बई में 'द राइट टु हैल्थ केयर : थीअरि ऐंड प्रासिक्स, विषयक वार्षिक बैठक में भाग लिया।
- रामा वी बारू ने 30 सितम्बर 2004 तक जामिया हमदर्द में आयोजित 'इमर्जिंग इश्यूज इन हैल्थ ऐंड हास्पिटल मैनेजमेंट, विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रामा वी बारू ने 15 से 16 अक्टूबर 2004 तक उदयपुर, राजस्थान में आयोजित सेवा मन्दिर की कार्यशाला में भाग लिया।
- रामा वी बारू ने 9 से 10 नवम्बर 2004 तक स्वास्थ्य मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'हैल्थ सैक्टर रिफार्म, विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रामा वी बारू ने 30 से 31 अगस्त, 2004 तक आई सी एस एस आर और सेंटर डे साइंसिस ह्युमैनिस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'हैल्थ सैक्टर रिफार्म्स : ए ग्रास स्टेट–कम्पेरिजन आफ पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप ऐंड कम्यूनिटी इनिसिएटिव्स, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- संघमित्रा एस. आचार्य ने 1 से 5 जुलाई 2004 तक एशियन स्कालरशिप फाउन्डेशन, बैंकाक, थाइलैण्ड के अनुशीलन पाठ्यक्रम में भाग लिया तथा 'एडोलसेंट हैल्थ इन द फिलिपीन्स – सम रिफ्लेक्शंस, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संघमित्रा एस. आचार्य ने 25 से 29 अक्टूबर 2005 तक टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसिस, मुम्बई द्वारा आयोजित मेथड्स ऐंड मैटेरियल्स इन सोशल ऐंड बिहेवियरल साइंसिस इन इण्डिया, विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा एडोलसेंट हैल्थ इन उत्तरांचल – सम इश्यूज ऐंड कंसर्न्स, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संघमित्रा एस. आचार्य ने 11 से 14 नवम्बर 2004 तक सेंटर फार हैल्थी ऐजिंग ऐंड फैमिली स्टडीज, पीकिंग यूनिवर्सिटी, बीजिंग, चीन द्वारा आयोजित पर्सनल इन द फील्ड आफ हैल्थ ऐंड फैमिली के प्रशिक्षण में भाग लिया तथा 'हैल्थ ऐंड डिवलपमेंट इश्यूज इन साउथ एशिया, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संघमित्रा एस. आचार्य (राजीब दासगुप्ता के साथ) ने 11 से 14 दिसम्बर 2004 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ एन्थ्रोपोलाजिस्ट्स के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'एच आई

वी/ऐड्स ऐंड एडोलसेंट्स सम इश्यूज ऐंड कंसर्न्स फ्राम इण्डिया (द्वितीय लेखक द्वारा प्रस्तुत आलेख) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- अल्पना डी. सागर ने 15 से 17 सितम्बर 2004 तक नई दिल्ली में आयोजित 'मैटर्नल ऐंड चाइल्ड न्यूट्रिशन इन एशियन कंट्रीज, विषयक क्षेत्रीय सलाहकार बैठक में भाग लिया।
- अल्पना डी. सागर ने 24 अप्रैल 2004 को सामाजिक विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 'हैल्थ ऐंड वुमन'स पालिटिकल इंपावरमेंट, विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- अल्पना डी. सागर ने 10 से 11 दिसम्बर 2004 तक महिला अध्ययन केन्द्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में आयोजित 'वुमन इन डिवलपमेंट, विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'जेंडर इंप्लायमेंट ऐंड हैल्थ इम्पैक्ट आफ इंप्लायमेंट आन द प्रिग्नेंट वुमन इन ए स्लम आफ दिल्ली, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजीब दासगुप्ता ने 18 से 20 जून 2004 तक क्लिनिकल इपिडेमिओलाजी यूनिट, आल इण्डिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसिस, नई दिल्ली में आयोजित 'इवैल्यूएशन आफ एवीएफ सर्विलेन्स ऐंड यूनिवर्सल इम्यूनिजेशन प्रोग्राम इन इण्डिया, इण्डिया क्लीन प्रोग्राम इवैल्युएशन नेटवर्क, विषयक नेशनल प्रोटोकोल फाइनेलिजेशन कार्यशाला में भाग लिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 26 सितम्बर 2004 को नार्दन रीजनल हियरिंग आफ द नेशनल ह्युमन राइट्स कमीशन, लखनऊ द्वारा आयोजित (रितु प्रिया और ए सागर के साथ), 'दिल्ली : कंडीशंस आफ हैल्थ ऐंड हैल्थ सर्विसिस, विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 19 से 20 नवम्बर 2004 तक एन्थ्रोपोलाजी इन द न्यू मिलेनियम, एमिटी इंस्टीट्यूट आफ बिहेवियरल (हैल्थ) ऐंड एलाइड साइंसिस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिलेवेंस आफ बिहेविरल फैक्टर्स फार प्रिवेंशन आफ डायरियल डिसीज इन इंफ्रास्ट्रक्चरली डिसएडवांटेज्ड हाउसहोल्ड : ए केस स्टडी इन दिल्ली, विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- राजीब दासगुप्ता ने दिसम्बर 2004 में जन स्वास्थ्य अभियान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'राइट टु हैल्थकेयर, विषयक कार्यशाला में पैनेलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 14 दिसम्बर 2004 को वुमन ऐंड ऐड्स, इण्डियन एन्थ्रोपोलाजिकल एसोसिएशन और इंटरनेशनल यूनियन आफ एन्थ्रोपोलाजिकल ऐंड एन्थ्रोलाजिकल साइंसिस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लिविंग विद एच आई वी/ऐड्स : कन्सर्स फार यंग एडल्ट्स, विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 16 से 17 दिसम्बर 2004 तक नेशनल हियरिंग आफ द ह्युमन राइट्स कमीशन आफ इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिकमंडेशंस फार अर्बन हैल्थ सर्विसिस इन इण्डिया, विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 6 जनवरी 2005 को एच आई वी/ऐड्स यूनिट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'अर्बन हैल्थ सर्विसिस ऐंड एच आई वी/ऐड्स, लायर्स कलक्टिव, विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 25 से 26 अक्टूबर 2004 तक इंटरनेशनल लाइफ साइंसिस इंस्टीट्यूट, इण्डियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च और नेशनल इंस्टीट्यूट आफ न्यूट्रिशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इम्पोर्टेन्स आफ जिंक इन ह्युमन हैल्थ, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 12 फरवरी 2005 को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और विश्व स्वास्थ्य संगठन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'नेशनल कंसेसस फार एक्सपेंडिंग एक्सिस टु इमर्जेन्सी कंट्रासेप्शन, डब्ल्यू एच ओ सी सी आर इन ह्युमन रिप्रोडक्शन, विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- सुनीता रेड्डी ने 19 से 20 नवम्बर 2004 तक एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एन्थ्रोपोलाजी इन द न्यू मिलेनियम, विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'मेडिकल एन्थ्रोपोलजी ऐंड ऐड्स पेंडमिक : थिओरेटिकल ऐंड मेथडोलाजिकल रिफ्लेक्शंस, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुनीता रेड्डी ने 12 से 15 दिसम्बर 2004 तक इंटरनेशनल यूनियन आफ एन्थ्रोपोलाजिकल ऐंड एथनोलाजिकल साइंसिस और इण्डियन एन्थ्रोपोलाजिकल एसोसिएशन द्वारा आयोजित कलकत्ता यूनिवर्सिटी में 'वुमन ऐंड एच आई

वी/ऐड्स, विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कंसेप्चुअल, थिओरेटिकल ऐंड मेथडोलाजिकल कंट्रब्यूशंस आफ मेडिकल एन्थ्रोपोलाजिकल इन द स्टडी आफ ऐड्स पेंडमिक, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सुनीता रेड्डी ने 10 से 12 फरवरी 2005 तक इण्डियन एसोसिएशन आफ स्टडी आफ पाप्यूलेशन द्वारा आयोजित चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय में 'पावर्टी, रिप्रोडक्टिव ऐंड चाइल्ड हैल्थ ऐंड पाप्यूलेशन स्टेबिलाइजेशन, विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'सेफ मदरहुड ऐंड रिप्रोडक्टिव हैल्थ : ए केस फार कम्यूनिटी बेस्ड स्टडी आन वुमन'स इक्सपिरिअन्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

lkekftd i)fr v/;;u dsUn

- योगेन्द्र सिंह ने 4 से 6 दिसम्बर 2004 तक महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड पावर्टी, विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा अध्यक्षीय भाषण दिया।
- एम.एन. पाणिनी ने 29 से 30 मार्च 2004 तक अम्बेडकर चेयर सोसिओलाजी, सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन, सोसिओ–इकोनामिक चेंजिस ऐंड इंपावरमेंट आफ द मार्जिनेलाइज्ड कम्यूनिटीज : इश्यूज, स्ट्रेटिजीस ऐंड प्रोस्पेक्ट्स विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- एम.एन. पाणिनी ने 4 से 7 मार्च 2005 तक कोडवा नेशनल काउंसिल, मेडिकन, कोडवा लैण्ड द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द कोडवा कोंड्रम : फ्राम एस्पिरेशन टु अचीवमेंट, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.एन. पाणिनी ने 9 से 11 जनवरी 2005 तक अल्बर्ट लुडबिग्स विश्वविद्यालय, फ्रीबर्ग, जर्मनी द्वारा आयोजित, फर्स्ट जी एस पी फैकल्टी कांफ्रेन्स और अक्वाइन जी एस पी पीर रिव्यू इवैल्यूएशन सत्र में भाग लिया।
- एम.एन. पाणिनी ने 7 जनवरी 2005 को साउथ एशिया इंस्टीट्यूट, हिडलबर्ग, जर्मनी द्वारा आयोजित संगोष में भाग लिया तथा 'पालिटिक्स ऐंड पोस्टमाडर्निटी इन इण्डिया, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.एन. पाणिनी ने 9 जुलाई 2004 को माडर्न साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ लुण्ड, स्वीडन द्वारा आयोजित 18वें यूरोपीय सम्मेलन में भाग लिया तथा साउथ एशिया : चेंजिंग सोशल स्ट्रक्चरल बेस्ड ऐंड द डोमेनेन्स आफ राइट विंग आइडोलाजीस, शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की और 'हिन्दुत्व डिस्कोर्स ऐंड संस्कृताइजेशन सिन्ड्रोम : अंडरस्टेंडिंग द इंप्लिकेशंस आफ ग्लोबलाइजेशन इन इण्डिया, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा 6 से 9 जुलाई 2004 तक 'बायोटेक्नोलाजी ऐंड द डिस्कोर्स आफ एग्रीकल्चर इन कर्नाटक' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.एन. पाणिनी ने 23 सितम्बर 2004 को आयोजित 'बेसिस ऐंड माडेलिटीज आफ रिजर्वेशन, इनक्लुडिंग अफरमेटिव एक्शन इन प्राइवेट सैक्टर' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया तथा 'अफरमेटिव एक्शन ऐंड रिजर्वेशंस इन द प्राइवेट सैक्टर, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.एन. पाणिनी ने 16 से 18 नवम्बर 2004 तक आयोजित 'प्रोफेसर एम.एन. श्रीनिवास : द मैन ऐंड हिज वर्क्स, विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की तथा 'फ्राम संस्कृताइजेशन टु दि हिन्दुत्व : स्ट्रक्चरल इंप्लिकेशंस आफ चेंज, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.एन. पाणिनी ने 19 से 20 नवम्बर 2004 तक सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'डायनेमिक्स आफ इण्डियन सोसायटी : स्ट्रेटिफिकेशन ऐंड चेंज, विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- एम.एन. पाणिनी ने 4 से 6 दिसम्बर 2004 तक महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड पावर्टी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- दीपांकर गुप्ता ने मद्रास इंस्टीट्यूट फार डिवलपमेंट स्टडीज, चेन्नई द्वारा आयोजित 'विदर द इण्डियन विलेज : कल्चर आर एग्रीकल्चर इन रूरल इण्डिया, मेल्काम अदेसेसिया अवार्ड, 2004
- दीपांकर गुप्ता ने 2004 में यूरोपीयन एसोसिएशन फार साउथ एशियन स्टीज, लुंड, स्वीडन द्वारा आयोजित 'अफरमेटिव एक्शन आर पालिटिकल कल्चर, विषयक यूरोपीयन एसोसिएशन आफ साउथ एशियन स्टडीज में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।

- नन्दु राम ने 23 सितम्बर 2004 को डा. अम्बेडकर चेयर, सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान में आयोजित 'बेसिस ऐंड माडेलिटीज आफ रिजर्वेशन' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- नन्दु राम ने 27 दिसम्बर 2004 को समाजशास्त्र विभाग, डी डी यू गोरखपुर, उ.प्र. में आयोजित 30वें आल इण्डिया सोसिओलाजिकल सम्मेलन में भाग लिया तथा 'नेशनल सोशल साइंस पालिसी : द इंटरनेशनल डाइमेंशन, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नन्दु राम ने 16 मार्च 2005 को सेंटर फार दलित्स ऐंड माइनार्टीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'दलित्स ऐंड ग्लोबलाइजेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा अध्यक्षता की।
- नन्दु राम ने 29 से 30 मार्च 2005 तक सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द मार्जिनेलाइज्ड, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन, सोसिओ–इकोनामिक चेन्ज्स ऐंड इंपावरमेंट आफ द मार्जिनेलाइज्ड, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ऐहसानुल हक ने 24 से 25 फरवरी 2005 तक राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'एन्टि–डिसिक्रिमिनेशन ऐंड अफरमेटिव एक्शन : ए कम्पैरटिव पर्सपेक्टिव, विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ऐहसानुल हक ने 10 से 11 मार्च 2005 तक राजनीतिक अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित 'यू पी इन द 1990स : क्रिटिकल पर्सपेक्टिव्स आन सोसायटी, पालिटी ऐंड इकोनोमी', विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ऐहसानुल हक ने 29 से 30 मार्च 2005 तक डा. अम्बेडकर चेयर, सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन सोसिओ–इकोनामिक चेंज्स ऐंड इम्पावरमेंट आफ द मार्जिनेलाइज्ड इश्यूज, स्ट्रेटिजीस ऐंड प्रास्पेक्ट्स, विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ऐहसानुल हक ने फरवरी–मार्च, 2005 में सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'ट्रेन्ड्स इन सोसिओलाजिकल रिसर्च, विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इश्यूज इन डिवलपमेंट ऐंड पीपल्स पार्टिसिपेशन, शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- आनन्द कुमार ने 22 मई 2004 को सोसायटी आफ यंग सोशल साइंटिस्ट्स में 'पावर्टी ऐंड ग्लोबलाइजेशन' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने 25 अगस्त 2004 को हैल्पेज इंटरनेशनल द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'इंटर–जेनरेशनल इंटिग्रेशन इन इण्डिया' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने 4 से 5 सितम्बर 2004 तक इण्डियन फिल्म ऐंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट, पुणे द्वारा आयोजित, 'फिल्म ऐंड सोसायटी इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में पैनेलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- आनन्द कुमार ने 25 सितम्बर 2004 को अम्बेडकर बिहार यूनिवर्सिटी, मुजफ्फरपुर द्वारा आयोजित 'पालिटिकल सोसिओलाजी आफ कोलिशन पालिटिक्स इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने 1 से 3 अक्टूबर 2004 तक कल्चरल रिसर्च ब्यूरो, तेहरान, ईरान (आई सी सी आर और कल्चरल रिसर्च ब्यूरो, तेहरान द्वारा आयोजित महात्मा ऐट तेहरान' विषयक संगोष्ठी का एक भाग) द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'रिलेवेंस आफ नान–वायलेन्स इन द प्रिजेन्ट डे वर्ल्ड' विषयक गांधी स्मारक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने 13 अक्टूबर 2004 को हिन्दू कालेज में कम्यूनलिज्म इन इण्डिया सिन्स वायलेन्स इन गुजरात' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने 14 से 16 दिसम्बर 2004 तक आई आर एम ए आनन्द में आयोजित 'हू आर अनहैपी विद ग्लोबलाइजेशन ? ग्लोबलाइजेशन, गवर्नेन्स, रिफार्म्स ऐंड डिवलपमेंट इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने 4 से 6 फरवरी 2005 तक काशी विद्यापीठ, वाराणसी में 'पावर्टी ऐंड ग्लोबलाइजेशन इन इण्डिया' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने 5 से 6 मार्च 2006 तक हैदराबाद में 'सोशल चेंज ऐंड वैल्यूज' विषयक व्याख्यान की अध्यक्षता की।

- आनन्द कुमार ने 22 मार्च 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, समाजशास्त्र विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 'चैलेंजिस बिफोर इण्डियन सोसायटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने विद्यासागर कालेज, कलकत्ता में 'कलकत्ता इन इण्डिया सिन्स 1990स' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने 29 से 30 मार्च 2005 तक डा. अम्बेडकर चेयर, सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इंपावरमेंट आफ द मार्जिनेलाइज्ड' विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- तिपलुत नोंगब्री ने 23 से 24 सितम्बर, 2004 तक लिबर्टी ऐंड सोसायटी, सेंटर फार सिविल सोसायटी और नेहू, शिलांग में 'फारेस्ट्री इन एन ई इण्डिया : लेसंस फार इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- तिपलुत नोंगब्री ने नवम्बर 2004 में वुमन पावर कनेक्ट द्वारा आयोजित 'द इंपावरमेंट आफ वुमन इन द कंटेक्स्ट आफ मेघालय' विषयक व्याख्यान दिया।
- तिपलुत नोंगब्री ने 27 से 28 नवम्बर 2004 तक सीनोड कालेज, शिलांग में 'कोलिशन पालिटिक्स ऐंड डिवलपमेंट, कोलिशन पालिटिक्स ऐंड द क्राइसिस आफ गवर्नमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- तिपलुत नोंगब्री ने 7 से 8 फरवरी 2005 तक बहाई हाउस, नई दिल्ली में आयोजित 'बिजाय + 10, इण्डिया वुमन'स वाच' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इंडिजिनस कंसर्न्स ऐंड द वुमन'स मुवमेंट इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- तिपलुत नोंगब्री ने 25 फरवरी 2005 को समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में रिथिंकिंग द फैमिली डिपार्टमेंट एनुअल डे पर 'रिथिंकिंग द फैमिली' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजित पाठक ने 8 दिसम्बर 2004 को काउंसिल फार सोशल डिवलपमेंट, नई दिल्ली में 'साइंस क्वेश्चन इन सोशल साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम. चौधरी ने 9 दिसम्बर 2004 को फुलब्राइट न्यू सेंचुरी स्कालर प्रोग्राम, यू एस इ एफ आई, नई दिल्ली में 'क्वेश्चन फार डिफ्रेन्स : इश्यूज इन द वुमन'स मूवमेंट इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम. चौधरी ने 27 दिसम्बर 2004 को गोरखपुर में इण्डियन सोसिओलाजिकल एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में 'द इंस्टीट्यूशनल डाइमेंशंस आफ द एक्सिलेन्स इन सोसिओलाजिकल रिसर्च' में भाग लिया।
- सुसन विश्वनाथन ने 26 मई 2004 को वारविक यूनिवर्सिटी सोसिओलाजी ऐंड वुमन'स स्टडीज डिपार्टमेंट, यू.के. में 'सिमोन वेल ऐंड द रेसिस्टेन्स टु वार' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुसन विश्वनाथन ने 1 दिसम्बर 2004 को अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'आन वार ऐंड द डिविजन आफ लेबर, इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज : इंग्लिश ऐंड कामर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुसन विश्वनाथन ने 7 मार्च 2005 को फ्रेंच इनफार्मेशन सेंटर दिल्ली में 'एक्टिविज्म ऐंड डिटेचमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुसन विश्वनाथन ने 29 मार्च 2005 को भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, दिल्ली में 'इण्डियन इंग्लिश ऐंड वर्नाकुलर इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- रेणुका सिंह ने 4 से 11 सितम्बर 2004 तक इ टी एच, जुरिख, स्विटजरलैण्ड, कोर्टिना में 'फेमिनिस्ट मेथडोलाजी, माइन्ड मैटर्स' विषयक 2 कार्यशालाएं आयोजित कीं।
- रेणुका सिंह ने 4 से 5 फरवरी 2005 तक साहित्य अकादमी, दिल्ली में 'फेमिनिज्म ऐंड पंजाबी लिट्रेचर' विषयक संगोष्ठी में अध्यक्ष के रूप में भाग दिया।
- रेणुका सिंह ने 28 फरवरी 2005 को अमरीकी दूतावास, दिल्ली में 'इकोनामिक इंपावरमेंट आफ वुमन' विषयक में भाग लिया।
- सुरेन्दर एस जोधका ने 28 मई 2004 को काउंसिल फार सोशल डिवलपमेंट, नई दिल्ली में 'एग्रेरियन ट्रांसफार्मेशन ऐंड कास्ट कंफ्लिक्ट इन रूरल पंजाब' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- सुरेन्दर एस जोधका ने 26 जून 2004 को टोकियो यूनिवर्सिटी आफ फारेन स्टडीज, टोकियो, जापान द्वारा आयोजित 'सोशल ट्रास्फार्मेशन इन नार्दन साउथ एशिया' विषयक अन्तरीष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'डिसोसिएशन, डिस्टेंसिंग ऐंड आटोनामी : सोशल ट्रांस्फार्मेशन ऐंड कास्ट कंफ्लिक्ट इन रूरल पंजाब' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सुरेन्दर एस जोधका ने 30 नवम्बर 2004 को सेंटर फार नेपालीज ऐंड एशियन स्टडीज, काठमाण्डु द्वारा आयोजित 'लोकल डेमोक्रेसी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'चेंजिंग कास्ट ऐंड लोकल डेमोक्रेसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुरेन्दर एस जोधका ने 15 दिसम्बर 2004 को आई आर एम ए, आनन्द, गुजरात में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड गवर्नेंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड एग्रीकल्चर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुरेन्दर एस जोधका ने 27 जनवरी 2005 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में आयोजित 'पंजाबी पीजेन्ट्री इन टर्माइल' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'डिस्कोर्स आन द क्राइसिस आफ एग्रीकल्चर : रिथिंकिंग कंटेम्पोरॅरि पंजाब' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुरेन्दर एस जोधका ने 24 फरवरी 2005 को ए.एन.यू., गुन्टूर में आयोजित 'एग्रेरियन डिस्ट्रेस ऐंड फार्मर्स स्यूसाइड्स इन इण्डिया, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'बियांड क्राइसिस : रिथिंकिंग कंटेम्पोरॅरि पंजाब एग्रीकल्चर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वी सुजाता ने 29 से 30 मार्च 2005 तक डा. अम्बेडकर चेयर, सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन, सोसिओ–इकोनामिक चेंजिस ऐंड इंपावरमेंट आफ द मार्जिनेलाइज्ड कम्यूनिटीज : इश्यूज, स्ट्रेटिजीस ऐंड प्रोजेक्ट्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ग्लोबल मार्किट ऐंड द लोकल नालेज : अरूंदाथिआर्स एक्जांदथिर इन तमिलनाडु' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित कुमार शर्मा ने 8 मई 2004 को कौटिल्य इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट स्टडीज में, कल्चर डायमेंशंस आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'आर्गेनिक फार्मिंग, नैचुरोपैथी ऐंड पैगेनिज्म इन द कंटेम्पोरॅरी सोसायटीज' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- अमित कुमार शर्मा ने 14 से 16 जून 2004 तक सास्वत भारती, बृन्दावन में 'सम्प्रदायस ऐंड सनातन धर्म : सम आब्जेरवेशंस' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- अमित कुमार शर्मा ने 21 जून से 3 जुलाई 2004 तक सीता, पटना में 'हिन्द स्वराज आफ एम के गांधी' विषयक 12 व्याख्यान दिए।
- अमित कुमार शर्मा ने 23 सितम्बर 2004 को स्टडी सर्कल, जेएनयू में 'कंस्ट्रक्शन ऐंड डिकंस्ट्रक्शन इन सोशल साइंसिस : ए पब्लिक लैक्चर इन आनर आफ प्रो. जे. देरिडा, फिलास्फी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमित कुमार शर्मा ने 5 से 6 फरवरी 2005 को आध्यात्म साधना केन्द्र, छतरपुर और कौटिल्य संस्थान में 'रोल आफ टेम्पल्स इन द सनातन धर्म, रिथिंकिंग द स्ट्रेन्थस ऐंड वीकनेस आफ इण्डिया ऐज ए सिविलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमित कुमार शर्मा ने 4 मार्च 2005 को शस्मत भारती, दिल्ली में आयोजित 'स्टेट ऐंड सिविल सोसायटी इन द इमर्जिंग ग्लोबल विलेज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'स्टेट ऐंड सोसायटी इन इण्डियन ट्रेडिशन : ए सोसिओलाजिकल व्यूपाइंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमित कुमार शर्मा ने 5 से 6 मार्च 2005 तक शस्मत भारती, दिल्ली में आयोजित 'सिनेमा ऐंड सोसायटी इन द इमर्जिंग ग्लोबल विलेज' विषयक संगोठी में भाग लिया तथा 'हिन्दी सिनेमा ऐंड इण्डियन कल्चर : ए सोसिओलाजिकल पर्सपेक्टिव आन देवदास, चित्रलेखा ऐंड ब्लैक, विषयक व्याख्यान दिया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने अक्टूबर 2004 में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित 'रिसर्च मेथड्स इन सोशल साइंसिस' विषयक 2 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'फील्ड रिसर्च' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 19 से 20 नवम्बर 2004 तक सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान में आयोजित प्रो. के.एल. शर्मा के अभिनन्दन समारोह में आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'निगोसिएटिंग जेंडर ऐंड डिसएबिलिटी इन रूरल हरियाणा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 14 दिसम्बर 2004 को आई यू ए इ एस और इण्डियन एन्थ्रोपोलाजिकल एसोसिएशन, यूनिवर्सिटी आफ कलकत्ता द्वारा आयोजित 'वुमन ऐड्स ऐंड ह्यूमन राइट्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- नीलिका मेहरोत्रा ने 29 से 30 मार्च 2005 तक सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, जेएनयू में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द इंपावरमेंट आफ द मार्जिनेलाइज्ड' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 9 से 10 अप्रैल 2004 को बी आर अम्बेडकर बिहार यूनिवर्सिटी और देशकाल सोसायटी, नई दिल्ली, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'हिस्ट्री करिकुला ऐंड दलित स्टडीज' विषयक कार्यशाला में पैनेलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 24 से 25 अप्रैल 2004 तक जेएनयू सिटी सेंटर, नई दिल्ली में दलित लेखक संघ के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड दलित्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 30 जुलाई 2004 को इण्डियन सोशल इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'स्टेट्स आफ दलित्स चाइल्ड ऐंड नीड फार इलिमिनेशन ऐंड रिहैबिलिटेशन आफ चाइल्ड लेबर' विषयक कार्यशाला में परिचर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 24 अगस्त 2004 को सामजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'अफरमेटिव एक्शन, इंक्लुडिंग रिजर्वेशन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 23 सितम्बर 2004 को डा. अम्बेडकर चेयर सोसिओलाजी, सामाजिक पद्धति और अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'बेसिस ऐंड मोडेलिटीज आफ रिजर्वेशन, इन्क्लुडिंग अफरमेटिव एक्शन इन प्राइवेट सैक्टर' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 19–20 नवम्बर 2004 तक सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'डायनेमिक्स आफ इण्डियन सोसायटी : स्ट्रक्चर ऐंड चेंज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'दलित पालिटिक्स वर्सस दलित्स इन इण्डियन पालिटिक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 15 से 17 दिसम्बर 2004 तक ग्रामीण प्रबन्धन संस्थान, आनंद, गुजरात द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन, गवर्नेंस रिफार्म ऐंड डिवलपमेंट इन इंडिया' विषयक कार्यशाल में 'गवर्नेंस ऐंड डिवलपमेंट इन द इरा आफ ग्लोबलाइजेशन : अंडरस्टेंडिंग द एक्सक्लुजन ऐंड असरशन आफ दलित इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 20 दिसम्बर 2004 को विदेशी भारतीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित 'इंडियन डायस्पोरा : इश्यूज ऐंड पर्सपेक्टिव' विषयक गोलमेज परिचर्चा में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 19 फरवरी 2005 को स्नातकोत्तर विभाग (राजनीति विज्ञान), कमला नेहरू महिला महाविद्यालय, फगवाड़ा, पंजाब में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन : प्रास्पेक्ट्स ऐंड चैलेंजिज फार इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड एक्सक्लुजन आफ द मार्जिनाइज्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 23 से 25 फरवरी 2005 तक सूरजकुंड में इंटरनेशनल सोसियोलाजी एसोसिएशन, इंडियन सोसियोलाजीकल सोसायटी, पुणे सोसियोलाजी डिपार्टमेंट और कोलम्बो सोसियोलाजी डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित 'साउथ एशियन सोसियोलाजीकल कार्यशाला में 'सिचुएटिंग दलित्स इन इंडियन सोसियोलाजी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 10–11 मार्च 2005 को राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, सा.वि.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित 'उत्तर प्रदेश इन द 1990'ज : क्रिटिकल पर्सपेक्टिव आन सोसाइटी, पालिटी ऐंड इकोनामी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बहुजन समाज पार्टी : सम इश्यूज इन डेमोक्रेसी ऐंड गवर्नेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 23–24 मार्च 2005 को समाजशास्त्र विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई द्वारा आयोजित 'रिजर्वेशन आर अफरमेटिव एक्शन पालिसी इन प्राइवेट सेक्टर : इश्यूज ऐंड कंसर्न्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रिजर्वेशन ए मीन्स आफ नेशन बिल्डिंग वर्सेज पालिटिक्स आफ रिजर्वेशन : ए पर्सपेक्टिव फ्राम बिलो' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 29–30 मार्च 2005 को अम्बेडकर चेयर (समाजशास्त्र), सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन, सोसियो–इकोनोमिक चेंजिज ऐंड इम्पावरमेंट आफ द मार्जिनलाइज्ड कम्यूनिटीज : इश्यूज, स्ट्रेटिजीज ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एज्यूकेशन ऐंड इम्पावरमेंट आफ दलित्स इन द इरा आफ ग्लोबलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- हरीश नारायणदास ने अक्टूबर 2004 में सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, सा.वि.सं., जेएनयू में आयोजित शोध संगोष्ठी में 'इविडेंस ऐंड एफिकेसी इन मेडिसिन ऐंड द अदर मेडिसिन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- हरीश नारायणदास ने 19–20 नवम्बर 2004 को जेएनयू में प्रो. के.एल. शर्मा के अभिनंदन समारोह में 'लोवा सिटी : द सिटी आफ सिन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- हरीश नारायणदास ने 9 से 11 जनवरी 2005 तक अल्बर्ट लुडविग यूनिवर्सिटी, फ्रीबर्ग, जर्मनी में आयोजित वैश्विक अध्ययन कार्यक्रम कार्यशाला में भाग लिया।

efgyk v/;;u dk;Øe

- मेरी ई. जॉन ने 17 से 19 मार्च 2005 तक विसकांप और इंटरनेशनल आई डी ई ए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिकंसीलिएशन इन साउथ एशिया : एक्सप्लोरिंग द टेरेन' विषयक संगोष्ठी में 'फेमिनिस्ट पर्सपेक्टिव्स आन रिकंसीलिएशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मेरी ई. जॉन ने 1 मार्च 2005 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में आयोजित 'जेंडर इक्विलिटी ऐंड वुमन्स इम्पावरमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कंसेप्ट्स इन वुमंस स्टडीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मेरी ई. जॉन ने 25–26 फरवरी 2005 को इवा वुमन्स यूनिवर्सिटी, सियोल, कोरिया में आयोजित 'थीअराइजिंग वुमन्स एक्सपिरियंसिज, नालेज प्रोडक्शन ऐंड एशियन वुमन्स स्टडीज' विषयक संगोष्ठी में 'वुमन्स स्टडीज इन इंडिया ऐंड द क्वेश्चन आफ एशिया : सम रिफ्लेक्शंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मेरी ई. जॉन ने 6–7 नवम्बर 2004 को मुम्बई में आयोजित 'सेक्सुअलिटी ऐंड जेंडर प्लुरलिटी' विषयक लारजिश अन्तर्राष्ट्रीय समारोह में 'मैरिज, फेमिली ऐंड कम्युनिटी : फेमिनिस्ट क्रिटिक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मेरी ई. जॉन ने 3 से 5 नवम्बर 2004 तक वुमन्स एज्यूकेशन ऐंड रिसर्च सेंटर, कोलम्बो, श्रीलंका में आयोजित 'श्रींकिंग स्पेसीज : ए फेमिनिस्ट रिएप्रेजल' विषयक दक्षिण एशियाई सम्मेलन में 'डिलिवरिंग फेमिनिज्म इन ए पोस्ट – फेमिनिस्ट कनजंक्चर : सम एक्सपिरिएंसिज फ्राम इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मेरी ई. जॉन ने 21 से 24 अक्टूबर 2004 को मोबाइल क्रेच, नई दिल्ली में 'वुमन्स मूवमेंट इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक संगोष्ठी में 'इंस्टीट्यूशंस ऐंड पालिटिक्स : रिएक्जामिंग द वुमन्स मूवमेंट, वुमंस स्टडीज ऐंड द स्टेट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मेरी ई. जॉन ने 29 सितम्बर 2004 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, सा.वि.सं., जेएनयू में आयोजित संगोष्ठी में 'रिप्रोडक्टिव राइट्स ऐंड रोंग रिविजिटेड' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- मेरी ई. जॉन ने 21 से 24 सितम्बर 2004 तक सेंटर फार जेंडर स्टडीज, दलियान यूनिवर्सिटी, दलियान और कारतिनी नेटवर्क, चीन द्वारा आयोजित 'वुमंस/जेंडर स्टडीज ऐंड एज्यूकेशनल प्रेक्टिसेज इन एशिया इन द न्यू मिलेनियम' विषयक संगोष्ठी में 'ए मोमेंट आफ अराइवल ? द इंस्टीट्यूशनलाइजेशन आफ वुमन्स स्टडीज इन एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

'kf{kd fjdkM 'kks/k ;fuV

- जोसफ बारा ने 9 दिसम्बर 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू, नई दिल्ली में समाजशास्त्र में 26वें पुनश्चर्या कोर्स में 'हिस्टीरियोग्राफी आन द कंस्ट्रक्शन आफ 'ट्राइब' इन कलोनियल इंडिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- जोसफ बारा ने 18 फरवरी 2005 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली में आयोजित 'प्रमोशन आफ हेरिटेज इन द नार्थ–ईस्ट रीजन ऐंड डाइवर्स कम्युनिटी इन इंडिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- चिन्ना राव यगाती ने 8–9 दिसम्बर 2004 को नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल कांससनेस ऐंड कल्चर इन कलोनियल ऐंड पोस्ट–कलोनियल इंडिया : न्यू एप्रोचिज' विषयक संगोष्ठी में 'राइज ऐंड ग्रोथ आफ दलित कांससनेस इन साउथ इंडिया : ए केस स्टडी आफ आन्ध्रा ऐंड हैदराबाद' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- चिन्ना राव यगाती ने 9 से 11 दिसम्बर 2004 तक मद्रास इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट स्टडीज, चेन्नई में आयोजित दक्षिण भारतीय इतिहास कार्यशाला में 'सब सबाल्टर्न पास्ट्स ऐंड मिशनरी सॉर्सिज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

ik< f'k{kk leg

- एम.सी. पाल ने 1 अप्रैल 2004 को नई दिल्ली में एक्शन इंडिया, वर्ल्ड वाइड डाक्यूमेंट्रीज और आश्रय, न्यूयार्क (यू.एस.ए.) द्वारा आयोजित 'ए क्लोजर वॉक' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 2 अप्रैल 2004 को आई आई एफ डब्ल्यू पी (इंडिया), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'क्वेस्ट फार नालेज फाउंडेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 3 अप्रैल 2004 को पेशावर विश्वविद्यालय (पाकिस्तान) से आए शिक्षकों के साथ जेएनयू में आयोजित वार्तालाप सत्र में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 4–5 अप्रैल 2004 को एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली में आयोजित 'एज्यूकेशन आफ माइनोरिटीज; प्राब्लम्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 16 अप्रैल 2004 को पीपॅल फर्स्ट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्राइमिनिस्टर ऐंड द ब्यूरोक्रेट' विषयक गोलमेज में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 18 अप्रैल 2004 को आई आई एफ डब्ल्यू पी (इंडिया), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंटर रिलिजस रिकंसीलिएशन : ए प्रीरिक्वीजिट फार वर्ल्ड पीस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 31 अगस्त 2004 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'स्ट्रीमलाइनिंग आफ ओपियम रजिस्ट्रेशन सिस्टम इन इंडिया' विषयक राष्ट्रीय स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 11 सितम्बर 2004 को बी. विवेकानंदन अभिनंदन समिति, जेएनयू द्वारा आयोजित 'डेमोक्रेटिक सोशलिज्म ऐंड इंडिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 16 सितम्बर 2004 को सामाजिक विज्ञान संस्थान में दर्शनशास्त्र केंद्र द्वारा आयोजित 'रिलिजस टॉलरेंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 27–28 सितम्बर 2004 को सामाजिक विज्ञान संस्थान में दर्शनशास्त्र केन्द्र द्वारा आयोजित 'माइंड, कांससनेस ऐंड द वर्ल्ड' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 29 सितम्बर 2004 को आई आई सी, नई दिल्ली में अनहद के सहयोग से आई आई सी द्वारा आयोजित 'टुवर्डस एन एजेंडा फार सेक्यूलर एज्यूकेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 19–20 नवम्बर 2004 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र द्वारा प्रो. के.एल. शर्मा के सम्मान में आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 24 नवम्बर 2004 को जेएनयू में प्रो. जी.एस. भल्ला द्वारा दिए गए 'ट्रेड यूनियन मूवमेंट इन द इरा आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक तीसरे एच.एल. परवाना स्मारक व्याख्यान में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 15 से 17 दिसम्बर 2004 को दिल्ली विश्वविद्यालय में एन आई एस डी और डी ए सी ई द्वारा आयोजित 'सब्सटांस एब्यूज' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 10 जनवरी 2005 को क्षे.वि.अ.के., जेएनयू द्वारा आयोजित 'न्यू फोरम्स आफ अर्बन गवर्नेंस इन इंडिया मेगा सिटीज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 23 जनवरी 2005 को वी.के. कृष्णा मेनन, मेनन हाल में भारत परिषद द्वारा आयोजित नेताजी जयंती समारोह में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 25 जनवरी 2005 को जीएस कैश, जेएनयू द्वारा आयोजित 'फ्रेमिंग जेंडर : फेमिनिज्म ऐंड एंटी फेमिनिज्म' विषयक व्याख्यान में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 1–2 फरवरी 2005 को सेंट स्टीफंस कालेज, दिल्ली में आयोजित 'भारत वर्ष : अर्ली आइडियाज आफ ए कंट्री' विषयक 11वें आई एच कुरेशी स्मारक व्याख्यान में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 4–5 फरवरी 2005 को साउथ एशिया पालिटिक्स और कामरेड–एडेनानेर फाउंडेशन (जर्मनी), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिलिवेंस आफ हिंदुइज्म टु अंडरस्टेंडिंग इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा आलेख प्रस्तुत किया।

- एम.सी. पाल ने 9 फरवरी 2005 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित 'कंटीन्युइंग एज्यूकेशन : ग्लोबल पर्सपेक्टिव' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ओ.पी. स्वामी ने 14 फरवरी 2005 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में डा. लक्ष्मीधर मिश्र (पूर्व सचिव, श्रम) भारत सरकार और पूर्व वरिष्ठ सलाहकार, अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, आर ओ ए पी, बैंकाक द्वारा दिए गए 'एडल्ट एज्यूकेशन फार सस्टेनेबल डिवलपमेंट इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक प्रोफेसर जेम्स ए. ड्रेपर स्मारक व्याख्यान में भाग लिया।
- ओ.पी. स्वामी ने 29–30 मार्च, 2005 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'बिल्डिंग आन अडल्ट लर्निंग डाक्यूमेंटेशन ऐंड इंफार्मेशन नेटवर्क' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

f'k{kdk d 0;k[;ku ¼fo'ofo|ky; ls ckgj½

- एच.पी. रे ने 24 मार्च 2005 को सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र, कोलकाता में 'क्लोनिअल नालेज, आर्कियोलाजिकल रिकंस्ट्रक्शन : द डिसकवरी आफ द हिंदू टेम्पल इन पेनिनसुलर इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एच.पी. रे ने 24 अप्रैल 2004 को सी.ए.एस.टी.ई.आई., कोलाकाता में अधीर चक्रवर्ती स्मारक व्याख्यान दिया।
- सैयद नजफ हैदर ने दिसम्बर 2004 में चीनी अध्ययन संस्थान, विकासशील समाज अध्ययन केन्द्र में 'एशियन पर्सपेक्टिव्स आन सिविलाइजेशन डायलाग' विषयक व्याख्यान दिया।
- मृदुला मुखर्जी ने 11 सितम्बर 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 'इण्डियन नेशनल मूवमेंट ऐंड द कम्युनल क्वेश्चन' तथा 'गांधीजी'स मैथड आफ मास मोबिलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- मृदुला मुखर्जी ने 24 सितम्बर 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'कम्युनलिज्म ऐंड हिस्ट्री राइटिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- मृदुला मुखर्जी ने 22 नवम्बर 2004 को दिल्ली पीस समिति और इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर द्वारा आयोजित 'पाथवेज टु पीस : ट्रेन्सेंडिंग रिलिजस बाउंड्रीज' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रोल आफ यूथ इन प्रमोटिंग पीस' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- ए. मुखर्जी ने 11 जून 2004 को डिप्टी स्पीकर हाल, नई दिल्ली में विड्राल आफ सेफ्रोनाइज्ड एन.सी.ई.आर.टी. टेक्स्टबुक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. मुखर्जी ने 7 सितम्बर 2004 को राष्ट्रीय वित्तीय प्रबन्धन संस्थान, फरीदाबाद, हरियाणा में 'डिवलपमेंट प्लानिंग इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. मुखर्जी ने 11 सितम्बर 2004 को उच्च अध्ययन केंद्र, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में इतिहास के पुनश्चर्या कोर्स में 'नेहरू ऐंड इण्डिया'ज डिवलपमेंट एफर्ट 1947 टु 2000' और 'इण्डियन बिजिनेस ऐंड द नेशनल मूवमेंट' विषयक व्याख्यान दिए।
- ए. मुखर्जी ने 11 सितम्बर 2004 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 'सेफरोनाइजेशन आफ एज्यूकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. मुखर्जी ने 21 सितम्बर 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'वाज द इण्डियन नेशनल मूवमेंट बुरजवा ?' विषयक व्याख्यान दिया।

vkfFkd v/;;u vkj fu;ktu dn

- प्रभात पटनायक ने 28 मई 2004 को Group de Recherhe pour une Strategie Economique Alternativ ब्रुसेल्स द्वारा आयोजित 'डिवलपमेंट प्रोस्पेक्ट्स ऐंड ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रभात पटनायक ने जुलाई 2004 में बार्सिलोना फोरम में 'वर्कर्स' राइट्स इन कन्टेम्पोरेरि वर्ल्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रभात पटनायक ने 29 सितम्बर 2004 को नेशनल असेसमेंट ऐंड एक्रीडिटेशन काउंसिल, काटन कालेज, गुवाहाटी की दसवीं वर्षगांठ पर 'हायर एज्यूकेशन ऐंड ससटेनेबल डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।

- प्रवीण झा ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों और दिल्ली में और इसके आस–पास के शिक्षा संस्थानों में लगभग 15 व्याख्यान दिए।
- सुगातो दास गुप्ता ने 20 जून 2004 को इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट रिसर्च, मुम्बई में 'इनफोर्मेशन एग्रीग्रेशन इन ए प्रिंसिपल – एजेंट माडल आफ इलेक्शंस विद नोविस इंकम्बेंट्स : सम एक्सपेरिमेंटल इविडेंस' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- उत्सा पटनायक ने 11 अगस्त 2004 को एशियाटिक सोसायटी, कलकत्ता द्वारा आयोजित 'द नेचर आफ फेलासिस इन इकोनामिक थीअरि' विषयक सत्येंद्रनाथ सेन स्मारक व्याख्यान 2004 दिया।
- उत्सा पटनायक ने 15 दिसम्बर 2004 को इथोपियन इकोनामिक्स एसोसिएशन ऐंड इंटरनेशनल डिवलपमेंट इकोनामिक्स एसोसिएट्स, अदिस अबाबा द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'पालिटिकल इकोनोमी आफ एग्रीकल्चर' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- उत्सा पटनायक ने 28 जनवरी से 4 फरवरी 2005 तक उच्च अध्ययन केंद्र, अर्थशास्त्र विभाग, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की योजना के अन्तर्गत विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में 'पालिटिकल इकोनामी' विषयक 5 व्याख्यान दिए।
- उत्सा पटनायक ने 21 फरवरी 2005 को जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'रिसेंट ट्रेंड्स इन एम्प्लायमेंट ऐंड पावर्टी' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- उत्सा पटनायक ने 3 मार्च 2005 को मोनाश एशिया इंस्टीट्यूट, मोनाश यूनिवर्सिटी, मेलबोर्न, में 'इफेक्ट्स आफ ट्रेड लिबरलाइजेशन इन द कंनटेक्स्ट आफ डीफ्लेशनरी रिफार्म्स द इण्डियन एक्सपिरियंस' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- प्रदीप्त चौधरी ने 8 दिसम्बर 2004 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता में 'पालिटिक्स आफ कास्ट : ए मेक्रो एनालिसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी. एन. राव ने 30 जनवरी 2005 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित डब्ल्यू.आई.पी.ओ. अध्ययन द्वारा आयोजित ट्रेड इन एज्यूकेशन सर्विसिस अंडर गेट्स अंडर द डब्ल्यू.टी.ओ. रिजीम' विषयक 2दिवसीय संगोष्ठी में 'ट्रेड इन एज्यूकेशन सर्विसिस स्कोप ऐंड इंप्लिकेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी. एन. राव ने 21 फरवरी 2005 को अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित अर्थशास्त्र विषयक पुनश्चर्या कोर्स में 'इश्युज इन ट्रेड इन एज्यूकेशन सर्विसिस अंडर गेट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी. एन. राव ने 21 फरवरी 2005 को अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित अर्थशास्त्र विषयक पुनश्चर्या कोर्स में 'रिसेंट डिवलपमेंट्स इन इकोनामिक्स आफ हैल्थ ऐंड एनवायरनमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी. एन. राव ने 3 मार्च 2005 को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक फाइनेंस ऐंड पालिसी, नई दिल्ली में 'सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. जैन ने 31 अक्टूबर 2004 को साउथ एशियन फोरम फार ह्यूमन राइट्स, काठमाण्डु, नेपाल में 'ग्लोबलाइजेशन, पालिटिक्स आफ टेक्नोलाजी ऐंड एनवायरनमेंटल जस्टिस' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस.के. जैन ने 5 नवम्बर 2004 को साउथ एशियन फोरम फार ह्यूमन राइट्स, काठमाण्डु, नेपाल में 'द डिसिपिलीन आफ ला ऐंड इकोनामिक्स ऐंड इट्स इंप्लिकेशंस विदिन द इमर्जेंट वर्ल्ड आर्डर' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. जैन ने मार्च 2005 में हिंदू कालेज में 'मार्किट ऐंड वेल्युज : एन अनार्थोडेक्स वियु' विषयक ओ.पी. कौशिक स्मारक व्याख्यान दिया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 15 सितम्बर 2004 को मुम्बई विश्वविद्यालय में 'ग्लोबलाइजेशन, द कामन मिनिमम प्रोग्राम' विषयक सुधीर यार्डी स्मारक व्याख्यान दिया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 17 दिसम्बर 2004 को फारेन सर्विसिस इंस्टीट्यूट में फिलिस्तीनी राजनयकों के लिए आयोजित विशेष कार्यक्रम में 'इण्डिया ऐंड द वर्ल्ड इकोनोमी' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- जयती घोष ने 16 जून 2004 को न्यू इकोनोमिक्स फाउंडेशन, लंदन में 'वुमेन ऐट वर्क ऐंड ए वार – न्यू रिएलिटीज आफ द ग्लोबल इकोनोमी' विषयक अल्टरनेट मैंशन हाउस व्याख्यान दिया।

- जयती घोष ने 12 अप्रैल 2004 को प्रेसिडेंसी कालेज, कोलकाता यूनिवर्सिटी में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द इण्डियन इकोनोमी' विषयक व्याख्यान दिया।
- जयती घोष ने 15 अक्टूबर 2004 को हैदराबाद विश्वविद्यालय में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द इण्डियन एग्रीकल्चर' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 24 सितम्बर 2004 को इकोनोमिक सोसायटी, श्री गुरू तेग बहादुर खालसा कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'असपेक्ट्स आफ द ब्लैक इकोनोमी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 28 सितम्बर को दिल्ली में आयोजित आई.एफ.एम. – एस.ई.आई., एशियन रीजन मीटिंग में 'फैक्टर्स अंडरलाइंग जाबलेस ग्रोथ इन इण्डिया ऐंड द नीड फार ए न्यू डिवलपमेंट पैराडिग्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 7 नवम्बर 2004 को अलवर, राजस्थान में 'इण्डिया आफ द टवंटिअथ सेंचुरी ऐंड द पासिबिलिटीज आफ ए सोशलिस्ट आल्टरनेटिव' विषयक कामरेड गुप्ता स्मारक वार्षिक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 19 नवम्बर 2004 को विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली में 'करेक्ट्राइजेशन आफ इण्डियन इकोनोमी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 21 नवम्बर 2004 को भारत ज्ञान–विज्ञान जत्था, लुधियाना, पंजाब, में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इंडिया'ज डिवलपमेंट' विषयक परिचर्चा की।
- अरूण कुमार ने 18 जनवरी 2005 को फैकल्टी आफ अमरीकन कालेज, मदुरई में 'चैलेंज फेसिंग इण्डियन यूनिवर्सिटीज' विषयक परिचर्चा की।
- अरूण कुमार ने 20 जनवरी 2005 को अर्थशास्त्र विभाग, अमरीकन कालेज, मदुरई में 'द ब्लैक इकोनोमी इन इण्डिया' विषयक परिचर्चा की।
- अरूण कुमार ने 21 फरवरी 2005 को भारतीय आर्थिक सेवा के प्रशिक्षु बैच 26 के लिए आर्थिक वृद्धि संस्थान में 'मिसिंग लिंक्स इन मेक्रोइकोनोमिक आफ मैनेजमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 11 मार्च 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, दौलत राम कालेज में 'द ब्लैक इकोनोमी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 12 मार्च 2005 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में जसल, रंगनाथन ऐंड एसोसिएट्स, चार्टेड अकाउंटेंट्स द्वारा आयोजित 'द यूनियन बजट 2005–06' विषयक परिचर्चा की।
- अरूण कुमार ने 16 मार्च 2005 को कालेज आफ बिजनेस स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित 'द मेक्रो आस्पेक्ट्स आफ द यूनियन बजट 2005–06' विषयक परिचर्चा की।

tkfdj glu 'kf{kd v/;;u dn

- के. चानना ने 28 अप्रैल 2004 को महिला अध्ययन शोध केंद्र, कुरूक्षेत्र, हरियाणा में 'सोशलाइजेशन ऐंड डिसिप्लनरी चायसिस आफ वुमैन ऐंड मैन इन हायर एज्यूकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- के. चानना ने 15 सितम्बर 2004 को शिशु विकास केन्द्र, लेडी इरविन कालेज, नई दिल्ली में ट्रासफार्मेटिव लिंक्स आफ हायर एज्यूकेशन विद बेसिक एज्यूकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- के. चानना ने 30 सितम्बर – 1 अक्टूबर 2004 तक महिला अध्ययन शोध केंद्र, एम.एस. बड़ौदा विश्वविद्यालय, बड़ौदा में 'जैंडर ऐंड एज्यूकेशन : हिस्टोरिकल ऐंड कंटेम्पोरेरि पर्सपेक्टिव्स' विषयक व्याख्यान दिए।
- सुमन चट्टोपाध्याय ने राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली में आई.ए.ए.एस. अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'थीअरि आफ पब्लिक एक्सपेंडिचर' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 26–31 मई 2004 को सी.आई.आई.एल. की 'नार्थ ईस्ट लैंग्यूवेज डिवलपमेंट' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 27–28 सितम्बर 2004 को कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, लांगबीच, यू.एस.ए., में 'इण्डियन मल्टीलिंग्युअलीज्म' विषयक व्याख्यान दिया।

- ए.के. मोहन्ती ने 5 अक्टूबर 2004 को यूनिवर्सिटी आफ मिश्गिन के अंग्रेजी भाषा शिक्षण संस्थान में 'इज इंग्लिश ए किलर लैंग्युवेज और हीलर लैंग्यूवेज' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 15 मार्च 2005 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स में 'मल्टीलिंग्यूअलिज्म आफ द अनइक्वेल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- गीता बी. नाम्बिसन ने 17 सितम्बर 2004 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'इक्विटी इन इण्डिया एज्यूकेशन सिच्युऐशन आफ दलित्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने 26 अगस्त 2004 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 'डोमेस्टिकेटिंग मार्डन साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने अक्टूबर 2004 में यूनिवर्सिटी आफ बिलेफील्ड में 'रिथिंकिंग द स्टेण्डर्ड टेल आफ साइंस ऐंड मार्डर्निटी : रिफ्लक्शंस आन सम हिस्टोरियोग्राफी ऐंड सम एपिसोड इन द हिस्ट्री आफ साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने 13–15 जनवरी 2005 को कैम्ब्रिज, यू.के. में 'साइंसिस इन एशिया रिप्रेजेंटेशंस ऐंड हिस्टोरियोग्राफी' विषयक अन्वेषण कार्यशाला में 'द नीधाम क्वेश्चन थ्रू द प्रिज्म आफ पोस्ट क्लोनियल हिस्टोरियोग्राफी' विषयक व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने 17–19 मार्च 2005 तक इंसा कार्यशाला में 'जीसूट कलेक्शंस आफ इण्डियन साइंटिफिक मैन्युस्क्रिप्ट : आइडिओलाजिस ऐंड मोटिवेंशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने 16 मार्च 2005 को इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'क्लेशिंग इमेजिस आफ साइंस ऐंड हिस्ट्री : यूनेस्को, नीधाम ऐंड द पोस्टपोंड प्रोजेक्ट आन साइंस ऐंड सिविलाइजेशन इन नेहरूवियन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. श्रीनिवास राव ने 9 से 11, 2004 तक आई.ई.डी.सी. इम्पेक्ट असेसमेंट परियोजना, भारतीय पुनर्वास परिषद की 'डाटा क्लेक्शन मैथडोलाजी' विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला में 'प्राब्लम्स ऐंड इश्यूज इन एग्जिक्यूटिंग सर्वे रिसर्च' विषयक व्याख्यान दिया।

jktuhfrd v/;;u dsUnz

- सुधा पई ने ओमिओ कुमार दास सामाजिक परिवर्तन एवं विकास संस्थान द्वारा आयोजित 15 दिवसीय (15 जनवरी से 1 फरवरी 2005 तक) मैथडोलाजी कोर्स में 'विशेषज्ञ के रूप में 'सोशल केपिटल इन द डिवलपमेंट आफ द नार्थ ईस्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- वलेरियन रोड्रीग्स ने 4 अगस्त 2004 को कुवेम्पु यूनिवर्सिटी, शिमागो में 'ज्योतिराव फुले ऐंड बाबासाहेब अम्बेडकर' विषयक डा. अम्बेडकर स्मारक व्याख्यान दिया।
- वलेरियन रोड्रीग्स ने 1 से 10 अक्टूबर 2004 तक रीजनल सेंटर फार स्ट्रेटिजिक स्टडीज (कोलम्बो) द्वारा काठमाण्डु, नेपाल में आयोजित सोर्सिस आफ कनफ्लिक्ट इन साउथ एशिया : टेररीज्म, ह्यूमन सिक्युरिटी इश्युज, गवर्नेंस, जेंडर सिक्युरिटी ऐंड माइग्रेशन' विषयक कार्यशाला में 'सोशल मूवमेंट्स, ओल्ड ऐंड न्यू' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- वलेरियन रोड्रीग्स ने 3–4 दिसम्बर 2004 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, डा. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी, औरंगाबाद में 'डेमोक्रेसी ऐंड राइट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- वलेरियन रोड्रीग्स ने 6–7 दिसम्बर 2004 को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी में 'थीअरीस आफ एक्टिविटी ऐंड फंक्शनिंग आफ पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- विधु वर्मा ने 28 सितम्बर 2004 को सी.पी.डी.एच.ई., दिल्ली विश्वविद्यालय के 'सोशल इंक्वेरी' विषयक फाउंडेशन कोर्स में 'साइंस ऐंड सोशल साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रलय कानूनगो ने मार्च 2005 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय में विजिटिंग फेलो रहे।
- प्रलय कानूनगो ने मार्च 2005 में राजनीतिक विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड डायस्पोरिक आइडेंटिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रलय कानूनगो ने 28 अगस्त 2004 को ह्यूमन राइट ला नेटवर्क और अनहद, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित 'कम्युनिअलीज्म इन ओरीसा' विषयक कार्यशाला का संचालन किया।

n'ku'kkL= dsUn

- पी. सत्य गौतम ने राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा प्रकाशित की जाने वाली 'एम्स आफ एज्यूकेशन' विषयक नेशनल फोकल ग्रुप की रिपोर्ट का ड्राफ्ट तैयार करने में सक्रिय भाग लिया।
- पी. सत्य गौतम ने राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा प्रकाशित की जाने वाली 'टीचिंग आफ सोशल साइंस' विषयक नेशनल फोकल ग्रुप की रिपोर्ट का ड्राफ्ट तैयार कराने में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- पी. सत्य गौतम ने मार्च 2005 में गुरूनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए आयोजित अनुशीलन कोर्स में समापन व्याख्यान दिया।
- ओइनाम भगत ने 6 अक्टूबर 2004 को सी.पी.डी.एच.ई., दिल्ली विश्वविद्यालय में 'ह्यूमन राइट्स, जेंडर ऐंड एनवायरनमेंट' विषयक पुनश्चर्या कोर्स में 'इंडिविजुअल ऐंड क्लेक्टिव राइट्स' विषयक व्याख्यान दिया।

{ks=h; fodkl v/;;u dsUn

- अनुराधा बनर्जी ने 14 मई 2004 को डिविजन आफ एग्रीकल्चरल फिजिक्स, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 'रिमोट सेंसिंग, विद स्पेशल इंफेसिस आन एग्रो–इकोसिस्टम मैनेजमेंट आन मेप प्रोजेक्शंस इन रिमोट सेंसिंग ऐंड जी.आई.एस.' विषयक 12वें विंटर स्कूल में 'एग्रीकल्चर बायो–डाईवर्सिटी ऐंड एग्रो–इकोसिस्टम्स : इंटरएक्शंस, फंक्शनल लिंकेजिस ऐंड पालिसी इमपेरिटिव्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- जी.के. चड्ढा ने 16 अप्रैल 2004 को यूनिवर्सिटी आफ बर्गन, नार्वे में 'चैलेंजिस आफ हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी.के. चड्ढा ने 21 अप्रैल 2004 को अल्बर्ट लुदविग यूनिवर्सिटी, फ्रीबर्ग, जर्मनी में 'एक्सेस टु एज्यूकेशन इन द डिवलपिंग वर्ल्ड : द कास्ट आफ इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी.के. चड्ढा ने 13 अक्टूबर 2004 को आई.एफ.पी.आर.आई., वाशिंग्टन, में 'परफार्मेंस आफ एग्रो इंडस्ट्री इन इण्डिया : इमर्जिंग इश्युज ऐंड ग्रोथ प्रोस्पेक्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी.के. चड्ढा ने 15 अक्टूबर 2004 को यूनिवर्सिटी आफ लेथब्रिज, लेथब्रिज, कनाडा में 'एज्यूकेशनल स्ट्राईड्स इन द इण्डियन सोसायटी : लर्निंग फ्राम विदिन' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी.के. चड्ढा ने 2 जुलाई 2004 को सेना इंजीनियरी कालेज, महू में 'स्ट्रोंग ऐंड वीक प्वाइंटस आफ इण्डियन एज्यूकेशनल सिस्टम' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी.के. चड्ढा ने 21 अगस्त 2004 को एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा में 'इण्डियन इकोनामी आन द इव आफ द मिलेनियम : इमर्जिंग चैलेंजिस ऐंड अपरच्युनिटीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी.के. चड्ढा ने 6 नवम्बर 2004 को एम.डी. विश्वविद्यालय, रोहतक में 'रीजनल डिसपेरिटी इन इण्डिया : पालिसी इंटरवेंशन ऐंड पब्लिक पार्टिसिपेशन' विषयक मूनीस रजा स्मारक व्याख्यान दिया।
- जी.के. चड्ढा ने 7 दिसम्बर 2004 को वी.वी. गिरी लेबर इंस्टीट्यूट, नोएडा में 'रिसर्च मैथड्स इन लेबर इकोनोमिक स्टडीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी.एन. दास ने जून 2004 में एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली प्रशासन द्वारा आयोजित 'जी.आई.एस.' विषयक पी.जी.टी. कार्यशाला में 'जिओग्राफिकल इनफार्मेशन सिस्टम' विषयक व्याख्यान दिया।
- एन.सी. जेना ने 1 जून 2004 को एस.सी.आई.टी., दिल्ली प्रशासन द्वारा आयोजित पी.जी.टी. कार्यशाला में 'वाटर क्वालिटी इश्युज' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- अतिया किदवाई ने अगस्त 2004 में वास्तुकला संरक्षण विभाग, योजना एवं वास्तुकला संस्थान, नई दिल्ली में 'आइडेंटिफाइंग कल्चरल रीजंस इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अतिया किदवाई ने अगस्त 2004 में वास्तुकला संरक्षण विभाग, योजना एवं वास्तुकला संस्थान, नई दिल्ली में 'माइक्रोलेवल डवलपमेंट प्लानिंग फार हेरिटेज रीजन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- अतिया किदवाई ने अगस्त 2004 में वास्तुकला संरक्षण विभाग, योजना एवं वास्तुकला संस्थान, नई दिल्ली में 'डाटा बेस फार माइक्रो–लेवल रीजनल प्लानिंग' विषयक व्याख्यान दिया।

- असलम महमूद ने भारतीय अनुप्रयुक्त मानवशक्ति संरक्षण संस्थान, नई दिल्ली में प्रशिक्षण कोर्स के प्रतिभागियों के लिए व्याख्यान दिए।
- असलम महमूद ने नेशनल अकादमी फार ट्रेनिंग ऐंड रिसर्च इन सोशल सिक्युरिटी में प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण कोर्स के प्रतिभागियों के लिए व्याख्यान दिए।
- असलम महमूद ने अकादमिक स्टाफ कालेज जामिया मिल्लिया इस्लामिया में प्रशिक्षण कोर्स के प्रतिभागियों के लिए व्याख्यान दिए।
- असलम महमूद ने नवम्बर 2004 में अर्थशास्त्र विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'रिसर्च मैथड्स' विषयक व्याख्यान दिए।
- असलम महमूद ने 17 दिसम्बर 2004 को सामाजिक विकास परिषद में 'मैथेडोलाजी' पर प्रशिक्षण कोर्स में 'मैथेड्स आफ सोशल रिसर्च' विषयक व्याख्यान दिया।
- मिलाप चंद शर्मा ने 29 जून 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में 'ग्लेशियर्स ऐंड क्लाइमेट चैंज' विषयक व्याख्यान दिया।
- मिलाप चंद शर्मा ने 6 दिसम्बर 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में 'रिमोट सेंसिंग ऐंड जी.आई.एस. इन जिओग्राफिकल एनालिसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- मिलाप चंद शर्मा ने 1 अक्टूबर 2004 को गोवा विश्वविद्यालय, गोवा में 'माइक्रो वाटरशेड डिवलपमेंट प्लानिंग : ए केस स्टडी आफ अल्मोड़ा डिस्ट्रिक्ट' उत्तरांचल' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुदेश नांगिया ने 25 अगस्त 2004 को पार्लियामेंटेरियन ऐंड स्टेट लेजिस्लेटर्स, विधान सभा, भुवनेश्वर में 'वुमन एम्पावरमेंट ऐंड जेंडर इक्विटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुदेश नांगिया ने 15 दिसम्बर 2004 को बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार में पुनश्चर्या कोर्स में 'जेंडर एनवायरनमेंट ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुदेश नांगिया ने 15 दिसम्बर 2004 को बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार में पुनश्चर्या कोर्स में 'फ्यूचर आफ जिओग्राफी' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुदेश नांगिया ने 21 दिसम्बर 2004 को सांसदों को 'पाप्युलेशन ग्रोथ, सस्टेनेबल डिवलपमेंट ऐंड वूमन एम्पावरमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- सरस्वती राजू ने 18 नवम्बर 2004 को द पालीन जवेट इंस्टीट्यूट आफ वुमन स्टडीज, कार्लेटन यूनिवर्सिटी, ओटावा में 'ए सर्च फार एप्रोप्रिऐट मैथडोलाजी इन इवेल्यूऐटिंग जेंडर एम्पावरमेंट प्रोजेक्ट्स आन द ग्राउंड : ए केस फ्राम इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- सरस्वती राजू ने 19 अक्टूबर 2004 को यार्क यूनिवर्सिटी, टोरोंटो में 'एनकाउंट्रिंग एंड्रोसेंट्रीज्म इन द प्रोडक्शन आफ नालेज : जेंडर्ड जिओग्राफिज ऐंड फेमिनिज्म इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुचित्रा सेन ने 11 जनवरी 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में भूगोलशास्त्र पुनश्चर्या कोर्स में 'एप्लिकेशन आफ जिओ–स्पेशियल टूल्स इन वाटरशेड मैनेजमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरजीत सिंह ने 8 जून 2004 को एस.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली में 'ह्यूमन इकोलाजी ऐंड इट्स रेलिवेंस इन जिओग्राफी' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरजीत सिंह ने 15 जून 2004 को एस.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली में 'कंजवेशन आफ एनवायरनमेंट–ग्लोबल सिनारियो' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरजीत सिंह ने 17 जून 2004 को एस.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली में 'पाप्यूलेशन ऐंड इकोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरजीत सिंह ने 18 जून 2004 को एस.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली में 'सिस्टेमेटिक ऐंड रीजनल अप्रोचिस इन जिओग्राफी' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरजीत सिंह ने 23 सितम्बर 2004 को भूगोलशास्त्र विभाग, दिल्ली में 'लद्दाख एनवायरनमेंट ऐंड सोसायटी' विषयक व्याख्यान दिया।

- के.एस. सिवासामी ने दिसम्बर 2004 को रीवर बेसिन स्टडीज, केंद्रीय जल आयोग में अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कोर्स चलाया।
- के.एस. सिवासामी ने दिसम्बर 2004 में अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'टेरेन एनालिसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- रवि श्रीवास्तव ने गोरखपुर विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र में पुनश्चर्या कोर्स में व्याख्यान दिया।
- रवि श्रीवास्तव ने अकादमिक स्टाफ कालेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अनुशीलन पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया।
- रवि श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय श्रम संस्थान में आयोजित 'रिसर्च मेथडोलाजी' विषयक कार्यशाला में 'एग्रेरियन रिलेशंस' पर व्याख्यान दिया।
- रवि श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय श्रम संस्थान, दिल्ली में आयोजित 'रिसर्च मैथडालाजी' विषयक कार्यशाला में 'सोशल सिक्युरिटी' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 16 मई 2004 को वरिष्ठ नागरिक फोरम में 'इंटर फेथ डायलाग ऐंड कम्युनल हार्मोनी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 22 दिसम्बर 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 'रिर्सोसिस, एनवायरनमेंट ऐंड कंजरवेशन : इश्यूज ऐंड कंसर्नस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.डी. विमूरी ने सामाजिक विकास परिषद में आयोजित 'रिसर्च मेथडोलाजी' विषयक प्रशिक्षण कोर्स में 'पाप्यूलेशन स्टडीज' शीर्षक व्याख्यान दिया।

lkekftd fpfdRlk'kkL= vkSj lkeqnkf;d LokLF; dsUnz

- इमराना कादिर ने 1 सितम्बर 2004 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान के मास्टर्स ट्रेनर्स ट्रेनिंग कोर्स फार मैनस्ट्रीमिंग जेंडर इश्युज इन हैल्थ ऐंड फेमिली वेलफेयर ट्रेनिंग कार्यक्रम में 'हैल्थ इंप्लिकेशंस आफ इकोनोमिक डिस्क्रिमिनेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- मोहन राव ने 13 जुलाई 2004 को आकाशवाणी के राष्ट्रीय कार्यक्रम परिचर्चा में 'पाप्यूलेशन पालिसिज' विषयक परिचर्चा की।
- मोहन राव ने 3 नवम्बर 2004 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'द एंगजाइटी अबाउट नम्बर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- मोहन राव ने 17 दिसम्बर 2004 को महिला अध्ययन संसाधन केन्द्र, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा में 'गुजरात'स टु चाइल्ड नार्म : द एंगजाइटी अबाउट नम्बर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- रामा वी. बारू ने 23 नवम्बर 2004 को सेंटर फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट रिजोल्युशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'पर्सपेक्टिव्स फ्राम पब्लिक हैल्थ' विषयक व्याख्यान दिया।
- रितु प्रिया ने 4 मई 2004 को इण्डिया'स लायर्स कलेक्टिव, नई दिल्ली में 'एच.आई.वी. वेक्सिन ट्रायल' विषयक परिचर्चा में 'द एपिडेमियोलाजी आफ एड्स इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 31 दिसम्बर 2004 को हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान में एच.सी.एम.सी. क्लास II मेडिकल आफिसरों के लिए आयोजित 'प्रिंसिपल्स ऐंड प्रेक्टिस आफ पब्लिक हैल्थ ऐंड रिलेटिड एडमिनिस्ट्रेटिव इश्युज' विषयक इंडक्शन कोर्स के लिए 'गर्ल चाइल्ड ऐंड एडोलसेंट हैल्थ इश्युज विद इम्फेसिस आन जेंडर ऐंड डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 19 जनवरी 2005 को हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान में एच.सी.एम.सी. क्लास II मेडिकल अफसरों के लिए आयोजित 'प्रिंसिपल्स ऐंड प्रेक्टिस आफ पब्लिक हैल्थ ऐंड रिलेटिड एडमिनिस्ट्रेटिव इश्युज' विषयक इंडक्शन कोर्स के लिए 'एडोलसेंट हैल्थ ऐंड गर्ल्स – सम रिलेटिड इश्युज ऐंड कंसर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 16 फरवरी 2005 को हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान में एच.सी.एम.सी. क्लास II मेडिकल अफसरों के लिए आयोजित 'प्रिंसिपल्स ऐंड प्रेक्टिस आफ पब्लिक हैल्थ ऐंड रिलेटिड एडमिनिस्ट्रेटिव इश्युज' विषयक इंडक्शन कोर्स में सोशलाइजेशन आफ गर्ल्स सम जेंडर ऐंड डिवलपमेंट लिंकेजिस' शीर्षक व्याख्यान दिया।

- अल्पना डी. सागर ने 9 फरवरी 2005 को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 'स्टेट–सिविल सोसायटी इंटरफेस फार इम्प्रूव्ड पालिसी परफार्मेंस' विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला में 'स्टेट, सिविल सोसायटी ऐंड पब्लिक हैल्थ विषयक व्याख्यान दिया।
- राजीव दासगुप्ता ने 27 दिसम्बर 2004 को गुडागांव, हरियाणा में 'प्रिंसिपल्स ऐंड प्रेक्टिस आफ पब्लिक हैल्थ ऐंड रिलेटिड एडमिनिस्ट्रेटिव इश्युज' विषयक इंडक्शन कोर्स में 'प्रिंसिपल्स ऐंड कम्पोनेंट्स आफ अर्बन हैल्थ मैनेजमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- राजीव दासगुप्ता ने 6–8 अगस्त 2004 तक एम.आर. मेडिकल कालेज, गुलबर्ग, कर्नाटक में आयोजित 'इवेल्युएशन आफ ए.एफ.पी. सर्विलेंस ऐंड यूनिवर्सल इम्युनाइजेशन प्रोग्राम इन इण्डिया' विषयक क्षेत्रीय कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

lkekftd i)fr v/;;u dUnz

- दीपांकर गुप्ता ने 2004 में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बंगलौर में 'द क्राइसिस आफ इण्डियन एग्रीकल्चर' विषयक रतन टाटा ट्रस्ट व्याख्यान दिया।
- आनंद कुमार ने 23 मई 2004 को फ्रंच सोशल साइंस सेंटर, नई दिल्ली में 'अंडरस्टेंडिंग इण्डिया टुडे' विषयक व्याख्यान दिया।
- आनंद कुमार ने 30 जुलाई 2004 को डा. बी.आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान संस्थान, महू में 'स्टडींग पावर्टी इन द इरा आफ लिबरलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आनंद कुमार ने 16 अक्टूबर 2004 को एम.के.पी. कालेज, देहरादून में रेलिवेंस आफ सोशिओलाजी टुडे' विषयक व्याख्यान दिया।
- आनंद कुमार ने 28–30 अक्टूबर 2004 को समाजशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय में 'लिमिट्स आफ कल्चरल ग्लोबलाइजेशन : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ इण्डिया, जर्मनी ऐंड फ्रांस' विषयक व्याख्यान दिया।
- आनंद कुमार ने 30 जनवरी 2005 को गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली में 'गांधी जी रिडिस्कवर्ड' विषयक गांधी स्मारक व्याख्यान दिया।
- आनंद कुमार ने 30 जनवरी 2005 को जीसस ऐंड मेरी कालेज, दिल्ली में 'रेलिवेंस आफ सोशिओलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- आनंद कुमार ने 3 मार्च 2005 में म्यूनिख में 'चैलेंज आफ इंटर–कचरल स्टडीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- आनंद कुमार ने 20 मार्च 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुनश्चर्या कोर्स में व्याख्यान दिया।
- आनंद कुमार ने 25 मार्च 2005 को फ्रीबर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी में 'पालिटिकल सोसिओलाजी आफ पावर्टी इन इण्डिया : डायलाग विटवीन यूरोप ऐंड एशिया इन द इरा आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- तिलपुत नोंगब्री ने 22 नवम्बर 2004 को रूसी विभाग, नेहू, शिलांग में पुनश्चर्या कोर्स में 'एन इकोलाजिकल रीडिंग आफ मिथस्' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजीत पाठक ने 28 जून 2004 को वी.वी. गिरी नेशनल इंस्टीट्यूट आफ लेबर, नोएडा में 'ट्रेंडस इन सोशियोलाजिकल थीअरि' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजीत पाठक ने 21 सितम्बर 2004 को रामलाल आनंद कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में मैथडोलाजिकल इश्युज इन सोशल साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रयी चौधरी ने 9 जुलाई 2004 को वी.वी. गिरी नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट में चलाए जा रहे 'सोशिओलाजिकल अप्रोचिस टु लेबर स्टडीज' विषयक कोर्स के लिए 'ए जेंडर पर्सपेक्टिव आन लेबर स्टडीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रयी चौधरी ने 28 जुलाई 2004 को सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली में 'अंडरस्टेंडिंग इण्डिया : एन एनशिएंट सिविलाइजेशन, ए माडर्न नेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रयी चौधरी ने 18 अगस्त 2004 को कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय (दक्षिण परिसर) में महिला अध्ययन पर पुनश्चर्या कोर्स के लिए 'ए हिस्टोरिकल वियु आफ द इण्डियन वुमैन'स मूवमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।

- मैत्रयी चौधरी ने 3 फरवरी 2005 को लक्ष्मीबाई कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'अंडरस्टेंडिंग मीडिया रिप्रजेंटेशंस इन कनटेम्पोरेरी इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुसान विश्वनाथन ने 18 जून 2004 को एम.एस.एच., पेरिश, फ्रांस में 'सिमोन वेल ऐंड हेनरी ले साक्स : आन मिस्टिसीज्म' विषयक अतिथि व्याख्यान दिया।
- सुसान विश्वनाथन ने 25 सितम्बर 2004 को हिंदू कालेज, दिल्ली में साहित्य विषयक संगोष्ठी में 'सोशियोलाजी ऐंड राइटिंग फिक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.एस. जोदका ने 9 सितम्बर 2004 को बर्गेन विश्वविद्यालय, बर्गेन, नार्वे में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.एस. जोदका ने 25 सितम्बर 2004 को भारतीय दलित अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली में 'चैंजिंग कास्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमित कुमार शर्मा ने 4 अक्टूबर 2004 को कोटिल्य विकास अध्ययन संस्थान में 'कम्युनिकेशन स्ट्रेटिजीस' ट्रेडिशनल ऐंड सिविलाइजेशंस ऐंड एम्पायर्स, कल्चर ऐंड कम्युनिकेशन स्ट्रेटिजीस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमित कुमार शर्मा ने 14–16 मार्च 2005 को राँची विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन पर पुनश्चर्या कोर्स के लिए 'रेलिवेंस आफ फेमिनिस्ट सोशल साइंस' 'कनसेप्ट आफ वुमन ऐंड जेंडर इन फेमिनिस्ट एनालिसिस' तथा 'शिफ्टिंग इश्युज इन वुमन'स मूवमेंट इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिए।
- विवेक कुमार ने 8 सितम्बर 2004 को विश्व युवक केंद्र द्वारा आयोजित 'यूथ ऐंड वायलेंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'काजिज आफ रिसेंट स्पर्ट आफ वायलेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 17 नवम्बर 2004 को विश्व युवक केंद्र द्वारा आयोजित 'सर्टिफिकेट कोर्स इन यूथ वर्क' के लिए 'सोसायटी : स्ट्रक्चर ऐंड फंक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सर्टिफिकेट कोर्स इन यूथ वर्क' के लिए 18 नवम्बर 2004 को 'कास्ट ऐंड रिलिजन : इट्स रेलिवेंस टु प्रजेंट डे सिच्युऐशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने विश्व युवक केंद्र द्वारा आयोजित 'सर्टिफिकेट कोर्स इन यूथ वर्क' के लिए 23 नवम्बर 2004 को 'सोशल चैंज : कनसेप्ट ऐंड प्रोसेस' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने विश्व युवक केंद्र द्वारा आयोजित 'सर्टिफिकेट कोर्स इन यूथ वर्क' के लिए 11 दिसम्बर 2004 को 'कंसेप्ट ऐंड काजिज आफ वायलेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने विश्व युवक केंद्र द्वारा आयोजित 'सर्टिफिकेट कोर्स इन यूथ वर्क' के लिए 11 दिसम्बर 2004 को 'इम्पेक्ट आफ वायलेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 3 फरवरी 2005 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, रामलाल आनंद कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'सोशल ऐंड पालिटिकल थाट आफ डा. बी.आर. अम्बेडकर' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 9 मार्च 2005 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'कन्टेम्परेरी इण्डिया' विषयक पुनश्चर्या कोर्स में 'रिजर्वेशन पालिसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 31 मार्च 2005 को विश्व युवक केंद्र द्वारा आयोजित 'मैनेजमेंट आफ एन.जी.ओ'स विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'हिस्ट्री आफ वालेंटियर मूवमेंट बिफोर ऐंड आफ्टर इंडिपेंडेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 31 मार्च 2005 को विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'मैनेजमेंट आफ एन.जी.ओ'स' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'ग्लोबलाइजेशन आफ एन.जी.ओ'स इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

efgyk v/;;u dk;Øe

- मेरी ई. जोन ने 10 जनवरी 2005 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर में 'वुमन'स स्टडीज, वुमन कल्चर ऐंड डिवलपमेंट' विषयक पुनश्चर्या कोर्स में 'बेसिक कनसेप्ट्स इन वुमन'स स्टडीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- मेरी ई. जोन ने 9 दिसम्बर 2004 को न्यू इंटरनेशनल स्कालर्स रिसर्च प्रोग्राम, फुलब्राइट फाउंडेशन ऐंड यूनाइटिड स्टेट्स एज्यूकेशन फाउंडेशन इन इण्डिया, नई दिल्ली में 'जेंडर, कल्चर ऐंड सिटीजनशिप' विषयक व्याख्यान दिया।

- मेरी ई. जोन ने 4 अक्टूबर 2004 को दिल्ली विश्वविद्यालय में 'ह्यूमन राइट ऐंड द एनवायरनमेंट' विषयक पुनश्चर्या कोर्स में 'कास्ट ऐंड जेंडर' विषयक व्याख्यान दिया।
- मेरी ई. जोन ने 20 अगस्त 2004 को सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र में आयोजित संगोष्ठी में 'जेंडर कास्ट ऐंड लोकल अर्बन गवर्नेंस' विषयक व्याख्यान दिया।

ik< f'k{kk x|i

- एम.सी. पाल ने प्रौढ शिक्षा प्रशिक्षकों के लिए 'आन स्कोप आफ ड्रग एब्युज रिसर्च इन सोशल साइंस' विषयक परिचर्चा की।
- एम.सी. पाल ने दिल्ली विश्वविद्यालय प्रौढ शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 'ड्रग एब्युज इन साउथ एशिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन व्याख्यान दिया।

i|jLdkj@lEeku@v/;rkofr;k

,frgkfld v/;;u dn

- इंदिवर कामतेकर, ग्लोबल क्रास रोड्स गेस्ट इन रेजिडेंस, 7–10 अप्रैल 2004 यूनिवर्सिटी आफ इलिनायस, उर्बाना कैम्पेन
- तनिका सरकार को मई 2004 में बंगला अकादमी, पश्चिम बंगाल द्वारा रवीन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया।
- तनिका सरकार को वाशिंगटन विश्वविद्यालय, यू.एस. द्वारा अक्टूबर–दिसम्बर 2004 के लिए राकफेलर फेलोशिप प्रदान की गई।

vkfFkd v/;;u vkj fu;kstu dn

- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम के अन्तर्गत पर्यावरण प्रबन्धन, वाणिज्य प्रबन्धन विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय में 11 से 21 मार्च 2005 तक विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में दौरा किया।

tkfdj gqlu 'kf{kd v/;;u dn

- विनोद खदरिया, आमंत्रित विजिटिंग प्रोफेसर, स्कूल आफ इकोनामिक्स, क्वान सेई गाकुइन यूनिवर्सिटी, जापान, जून–जुलाई, 2004
- दीपक कुमार, निर्वाचित उपाध्यक्ष, इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हिस्टोरियन्स आफ एशिया 2004–06, 18थ आई. ए.एच.ए. कांफ्रेंस, तेईपेई, दिसम्बर 2004
- दीपक कुमार ने 4 से 6 मार्च तक इतिहास विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एनवायरनमेंटल हिस्ट्री ऐंड इट्स हिस्टोरियोग्राफी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में समापन व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 8–9 मार्च 2005 को इतिहास विभाग, कलकता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'साइंस ऐंड सोसायटी' विषयक संगोष्ठी में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 10–11 मार्च 2005 को इतिहास विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित 'हैल्थ, मेडिसन ऐंड सोसायटी' विषयक संगोष्ठी में अध्यक्षीय भाषण दिया।
- अजित कुमार मोहन्ती, 13–15 जुलाई 2004 को साउथ अफ्रीकन एप्लाईड लिंग्विस्टिक्स एसोसिएशन, यूनिवर्सिटी आफ द नार्थ पीट्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 'मल्टिलिंग्युअलीज्म' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता थे।
- अजित कुमार मोहन्ती, 30 सितम्बर – 2 अक्टूबर 2004 को टीचर्स कालेज, कोलम्बिया विश्वविद्यालय, न्यूयार्क में आयोजित 'लेंग्यूवेज ऐंड एज्यूकेशन : इमेजिंग मल्टीलिंग्युअल स्कूल्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेष वक्ता थे।
- अजित कुमार मोहन्ती ने 8–13 अगस्त 2004 को बीजिंग, चीन में आयोजित 28वीं इंटरनेशनल कांग्रेस आफ साइकोलाजी के 'कल्चरल साइकोलाजी' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।

foKku uhfr v/;;u dsUnz

- पी.एन. देसाई, सम्पादक, साउथ एशिया वर्ल्ड रिव्यु आफ साइंस, टेक्नालाजी ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट (इंदर साइंस पब्लिशर्स)
- के.के. कृष्णा, विजिटिंग प्रोफेसर, ए.ई.जी.आई.एस., सिडनी विश्वविद्यालय, सिडनी, (4 मई 2004 से जुलाई 2005)
- एस. भादुरी, पोस्ट डाक्टरल फेलो, इवोल्युशनरी इकोनामिक्स यूनिट, मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट (एम.पी.आई.), जेना, जर्मनी, जनवरी 2005

lkekftd i)fr v/;;u dsUnz

- दीपांकर गुप्ता को मेलकम अदेसेशियाह पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- दीपांकर गुप्ता को अवार्ड फार स्टडीज इन डिवलपमेंट, 2004 प्राप्त हुआ।
- ऐहसानुल हक ने जनवरी 2005 में अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'इश्युज इन इण्डियन सोसायटी शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- आनंद कुमार, अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में 22 नवम्बर 2004 से 17 दिसम्बर 2004 तक आयोजित समाजशास्त्र में पुनश्चर्या कोर्स के समन्वयक (हरीश नारायणदास के साथ) रहे।
- सुसन विश्वनाथन, विजिटिंग प्रोफेसर, एम.एस.एच., पेरिश, जून 2004
- रेणुका सिंह ने गौतम घोष द्वारा निर्मित 'इम्परमनेंस' (वृत्तचित्र) फिल्म के लिए शोध किया और इटली में आयोजित वेनिस फिल्म समारोह के वर्ल्ड प्रीमियर में भाग लिया, सितम्बर 2004
- नीलिका मेहरोत्रा, सह–सम्पादक, इण्डियन एंथ्रोपोलेजिस्ट
- हरीश नारायणदास ने 22 नवम्बर से 17 दिसम्बर 2004 तक अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में आयोजित समाजशास्त्र में पुनश्चर्या कोर्स में आनंद कुमार के साथ मिलकर समन्वय किया।
- हरीश नारायणदास ने 22 दिसम्बर 2004 से 5 जनवरी 2005 तक 'इम्युनाइजेशन प्रेक्टिसिस अंडर कंडीशन आफ सिविल वार ऐंड इट्स आफ्टरमैथ' विषयक अध्ययन करने के लिए श्रीलंका का दौरा किया।
- हरीश नारायणदास ने अपने चल रहे अध्ययन के भाग के रूप में मद्रास में आयुर्वेदिक डाक्टरों के साथ साक्षात्कार किए।

ikB f'k{kk xzqi

- एम.सी. पाल को अप्रैल 2004 में वर्ल्ड पीस समिति, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली में इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ एज्यूकेशन फार वर्ल्ड पीस (यू.एस.ए.) द्वारा इंटरनेशनल अवार्ड 2004 हायर एज्यूकेशन ऐंड डिवलपमेंट अवार्ड' प्रदान किया गया।
- एम.सी. पाल को नवम्बर 2004 में इंटर–रिलिजस ऐंड इंटरनेशनल फेडरेशन फार वर्ल्ड पीस (दक्षिण एशिया के लिए) द्वारा 'अम्बेडकर फार पीस' पुरस्कार प्रदान किया गया।

e.Myksa@lfefr;ksa dh lnL;rk ¼fo'ofo|ky; ls ckgj½

,sfrgkfld v/;;u dsUnz

- माजिद सिद्दिकी, सदस्य अध्ययन मण्डल, इतिहास, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, 2005
- कुमकुम राय, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, इण्डियन जर्नल आफ जैंडर स्टडीज, महिला विकास अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली, शासकीय निकाय, एकलव्य प्रतिष्ठान
- सैयद नजफ हैदर, सदस्य, ग्रुप वर्किंग आन इंटरनेशनल प्रोजेक्ट आन 'ग्लोबल प्राइजिस ऐंड इनकम्स 1200–1950' इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ सोशल हिस्ट्री, अमस्टर्डम
- मृदुला मुखर्जी, सदस्य, कार्य परिषद, रा.शै.अ. एवं प्र.प., इण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस की कार्य परिषद के लिए चुनी गईं।
- तनिका सरकार, सदस्य सम्पादकीय मण्डल, जर्नल आफ वुमन स्टडीज, जान होपलैण्ड यूनिवर्सिटी, बलीमोर, यू.एस.ए.

vkfFkd v/;;u vkj fu;kstu dn

- सी.पी. चन्द्रशेखर, सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार बोर्ड, सर्वेक्षण टेक्नीकल जर्नल, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार, सदस्य औद्योगिकी सांख्यिकी पर स्थायी समिति, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, सांख्यिकी कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, अध्यक्ष, सेवा उत्पादन का एक इंडेक्स तैयार करने के लिए गठित तकनीकी सलाहकार समिति, केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय; सदस्य, शासी निकाय, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, सोशल सांइटिस्ट, मासिक पत्रिका।
- जयती घोष, सदस्य, शासी निकाय, मोतीलाल नेहरू कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय; मानद, कार्यपालक सचिव, इंटरनेशनल डिवलपमेंट इकोनामिक्स एसोसिएट्स; (मानद) अध्यक्ष, किसान कल्याण पर आयोग, आन्ध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद, अक्टूबर–दिसम्बर 2004 (रिपोर्ट 11 दिसम्बर 2004 को जमा की), सदस्य, टास्क फोर्स आन एग्रीकल्चरल टेक्नोलाजी, योजना आयोग, भारत सरकार, नवम्बर 2004 – फरवरी 2005 (रिपोर्ट मार्च 2005 में जमा की); सदस्य, शासी निकाय, फोकस आन ग्लोबल साउथ, बैंकाक; सदस्य, शोध सलाहकार मण्डल, सामाजिक विकास परिसर, नई दिल्ली; सदस्य, सेंटर फार बजट ऐंड गवर्नेंस अकाउंटेबिलिटी, नई दिल्ली
- अरूण कुमार, सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, भारतीय सामाजिक चिंतन; उपाध्यक्ष, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी; बाह्य सदस्य, डी.एस.ए. प्रोग्राम आफ इकोनामिक्स डिपार्टमेंट, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर; बाह्य सदस्य, डी.एस.ए. प्रोग्राम आफ इकोनामिक्स डिपार्टमेंट, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- रामप्रसाद सेनगुप्ता, सदस्य, सलाहकार समिति, सब ग्रुप आन ट्रांसपोर्ट आफ एशियन डिवलपमेंट बैंक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत 'पालिसी रिसर्च नेटवर्किंग टु स्ट्रेंथन पालिसी रिफार्म' विषयक प्रायोजित टेक्नीकल असिस्टेंट प्रोजेक्ट; सदस्य, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता के सामाजिक विज्ञान प्रभाग के लिए तकनीकी सलाहकार समिति; सदस्य, नीति अनुसंधान प्रस्तावों के मूल्यांकन हेतु मूल्यांकन समिति, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार

tkfdj gqlu 'kf{kd v/;;u dn

- करूणा चानना, सदस्य, क्षेत्रीय वैज्ञानिक समिति, एशिया एवं प्रशांत महासागर, यूनेस्को फोरम आन हायर एज्यूकेशन रिसर्च ऐंड नालेज, यूनेस्को, पेरिश, 2003–2006; सदस्य, रिव्यु कमेटी, नेशनल असेसमेंट ऐंड एक्रीडिटेशन काउंसिल, अक्टूबर 2004; सदस्य, शसी निकाय, लेडी इरविन कालेज आफ होम साइंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, मई 2003–2004; अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान पाठ्य पुस्ताकों की तुरन्त समीक्षा, रा.शै.अ. एवं प्र.प., अक्टूबर 2004; सदस्य, फोकस ग्रुप आन जैंडर इश्युज इन एज्यूकेशन, नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, रा.शै.अ. एवं प्र.प., जन–फरवरी 2005; विशेषज्ञ, गुवाहाटी, बंगलोर, कोयम्बटूर, भोपाल, जम्मू, मुम्बई, कलकत्ता में उच्च शिक्षा में महिला प्रबंधकों के लिए दक्षता विकास हेतु (दिसम्बर 2004–मार्च 2005); सदस्य, राष्ट्रीय आयोजन समिति, महिला अध्ययन वि.अ.आ.; बच्चे और महिला मामलों पर शैक्षिक कार्यक्रम के लिए जूरी के सदस्य, कनसोर्टियम फार एज्यूकेशनल कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रोनिक मिडिया पर वि.अ.आ. का एक अन्तर विश्वविद्यालय केंद्र; सदस्य, सलाहकार समिति, महिला अध्ययन केंद्र, लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, नई दिल्ली; सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार समिति, राजगिरी जर्नल आफ सोशल डिवलपमेंट, राजगिरी सामाजिक विज्ञान कालेज, कोचि, केरल; सदस्य, एन.सी.ई.आर.टी. फोकस ग्रुप, एन.सी.ई.आर.टी. शार्ट रिव्यु आफ सोशल साइंस बुक्स।
- बिनोद खादरिया, उपाध्यक्ष (दक्षिण एशिया), एशिया–पेसिफिक माइग्रेशन रिसर्च नेटवर्क, यूनेस्को–मोस्ट कार्यक्रम के अन्तर्गत, सेक्रेट्रिएट, यूनिवर्सिटी आफ वोलोंगांग, आस्ट्रेलिया; रीजनल (कंट्री) कोआर्डिनेटर फार इण्डिया, एशिया–पेसिफिक माइग्रेशन रिसर्च नेटवर्क; सदस्य, ब्रेन–ड्रेन' डोजियर के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सलाहकार पैनल, अन्तर्राष्ट्रीय शासी बोर्ड, www.scidev.net>, दो पत्रिकाओं की वेब साइट : नेचर ऐंड साइंस, ऐंड द थर्ड वर्ल्ड अकादमी आफ साइंसिस; सदस्य, इंटरनेशनल ग्रुप आफ एक्सपर्ट्स आन क्लेक्टिव एक्सपर्टाइज रिव्यु आफ साइंटिफिक डायसपोरास, इंस्टीट्यूट आफ रिसर्च फार डिवलपमेंट, पेरिश, फ्रांस; सदस्य, विषय–निर्वाचन समिति, जिओग्राफिकल

यूनियन'स कमीशन फार पाप्युलेशन ऐंड वलनरेबिलिटी; इकोनोमिक्स आफ एज्यूकेशन नेटवर्क इन द यूरोपीयन एज्यूकेशन रिसर्च एसोसिएशन, फ्रेंकफुर्ट; ब्रिटिश एसोसिएशन फार इंटरनेशनल ऐंड कम्परेटिव एज्यूकेशन, लंदन; इंटरनेशनल एल्युमनि एसोसिएशन आफ ईस्ट–वेस्ट सेंटर, होनोलुलु; इण्डियन एसोसिएशन आफ एज्यूकेशनल प्लानिंग ऐंड एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली; सदस्य, असेसमेंट ऐंड एक्रीडिटेशन कमेटी, भारतीय पुनर्वास परिषद (सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत एक सांविधिक निकाय), 2001–03; 2004; सदस्य, शासी निकाय, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, 2001–2004; सदस्य, एक्सपर्ट एडवाइजरी ग्रुप आफ ग्लोबल कमिशन फार इंटरनेशनल माइग्रेशन ऐंड लेबर मार्किट, 2004–2205; सदस्य, नेशनल सलेक्शन कमेटी आफ फुलब्राइट सीनियर ग्रांट्स, 2005–06

- दीपक कुमार, सदस्य, अध्ययन मण्डल, इतिहास विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, 2004–06
- अजीत कुमार मोहन्ती, सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, मनोविज्ञान का 5वां सर्वेक्षण, आई.सी.एस.एस.आर.; आमंत्रित सदस्य, ई.आर.आई.सी., एन.पी.ई.आर.टी.; मनोविज्ञान में अध्ययन मण्डल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय; वि.अ.आ. विशेषज्ञ सदस्य, सलाहकार समिति, डी.आर.एस. प्रोग्राम, मनोविज्ञान विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय; परियोजना समीक्षा समिति, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान, डी.आर.डी.ओ., नई दिल्ली, नोराद फेलोशिप सलेक्शन कमेटी, मा.सं.वि.मं., भारत सरकार
- गीता बी. नाम्बिसन, सदस्य, कमेटी फार क्विक रिव्यु आफ ई.वी.एस. टेक्स्ट बुक (III-V), रा.शै.अ.प्र.प., अक्टूबर 2004; सदस्य, नेशनल इवेल्युऐशन फार महिला समाख्या प्रोग्राम, शिक्षा मंत्रालय, दिसम्बर 2004; सदस्य, नेशनल फोकस ग्रुप आन प्राब्लम्स आफ शेड्यूल्ड कास्ट ऐंड शेडयूल्ड ट्राइब चिल्ड्रन अंडर द नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क रिव्यु, रा.शै.अ.प्र.प., 2005; सदस्य, कमेटी फार करिकुलम एनालिसिस फार नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क रिव्यु, रा.शै.अ.प्र.प., 2005; सदस्य, कार्यपरिषद, अंकुर सोसायटी फार अल्टरनेटिव्स इन एज्यूकेशन, नई दिल्ली; सदस्य, परियोजना सलाहकार समिति जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मोती बाग, (राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली के अधीन); सदस्य, एडिटोरियल क्लेक्टिव आफ द जर्नल कंटेम्पोरेरी एज्यूकेशन डायलाग, बंगलौर; सदस्य, वर्किंग ग्रुप, राष्ट्रीय उच्च अध्ययन संस्थान, बंगलौर समन्वित शिक्षा में स्नातकोत्तर कार्यक्रम; सदस्य, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 2004 में गठित और फरवरी 2005 में पुनर्गठित सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत अनुसंधान हेतु शोध सलाहकार समिति, प्रारम्भिक शिक्षा विभाग, भारत सरकार
- मिनाती पांडा, सदस्य, सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत विभिन्न राज्यों में संयुक्त मूल्यांकन मिशन, 2005; सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ क्रास कल्चरल साइकोलाजी; सदस्य, नेशनल अकादमी आफ साइकोलाजी (इंडिया)
- एस. श्रीनिवास राव, सदस्य, कार्यकारी परिषद, समन्वित विकास हेतु गठित समिति; एक ऐसा ग्रुप जो समिति विकास और आधार स्तर पर कार्यवाही करने में गैर–सरकारी संगठनों/सी.बी.ओ'स का सहयोग करता है, चेन्नई और पाण्डिचेरी

jktuhfrd v/;;u dsn

- गुरप्रीत महाजन, मानद सलाहकार, परियोजना – महिलाओं के विरूद्ध घरेलू हिंसा, सामाजिक अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली; सलाहकार, फेलोशिप प्रोग्राम, 'विसकम्प' दिल्ली
- गोपाल गुरू, सदस्य, शिक्षा पर केन्द्रीय सलाहकार मण्डल, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार; सह अध्यक्ष, उप समिति रेग्यूलेट्री मैकेनिज्म आन टेक्स्ट बुक्स; सदस्य, उप समिति, सी.ए.बी.ई, आटोनोमी इन हायर एज्यूकेशन; सदस्य, नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली; अध्यक्ष, नेशनल फोकस ग्रुप आन टीचिंग सोशल साइंस, रा.शै.अ.प्र.प.

n'kZu'kkL= dsn

- सत्य पी. गौतम, वि.अ.आ. द्वारा नामित विशेषज्ञ सदस्य, सलाहकार समिति, दर्शनशास्त्र में विशेष सहायता विभाग, दर्शनशास्त्र विभाग, पुणे विश्वविद्यालय; नामित सदस्य, 'एम्स आफ एज्यूकेशन' पर नेशनल फोकल ग्रुप, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली; विशेष आमंत्रित सदस्य, 'टीचिंग आफ सोशल साइंस' पर राष्ट्रीय फोकल ग्रुप, रा.शै.अ.प्र.प.,

नई दिल्ली; बाहय विशेषज्ञ, मानविकी और शिक्षा का संस्थान मण्डल, नार्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग; सदस्य, सलाहकार समिति, अकादमिक स्टाफ कालेज, गुरूनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर; सदस्य, पीअर ग्रुप, एन.ए.ए.सी., बंगलौर

{k=h; fodkl v/;;u dsn

- अनुराधा बनर्जी, आजीवन सदस्य, द जिओग्राफिकल सोसायटी आफ इण्डिया कोलकाता; आजीवन सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन फार स्टडी आफ पाप्युलेशन; आजीवन सदस्य, इण्डियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन
- जी.एस. भल्ला, सदस्य, विभिन्न विशेषज्ञ समितियां, योजना आयोग, कृषि मंत्रालय; श्रम मंत्रालय; वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय; भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग; शासी निकाय, आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय; शासी निकाय, विकास और संचार संस्थान, चण्डीगढ़; शासी निकाय, पंजाब अध्ययन संस्थान, चण्डीगढ़
- जी.के. चड्ढा, सदस्य, भारतीय अर्थशास्त्र संघ; सदस्य, भारतीय श्रम अर्थशास्त्र सोसायटी; सदस्य, भारतीय इकोनोमिक्स एसोसिएशन; सदस्य, इण्डियन सोसायटी; सदस्य, भारतीय जनसंख्या अध्ययन सोसायटी; सदस्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान संघ; सदस्य, विद्या परिषद, योजना और वास्तुकला संस्थान, नई दिल्ली; सदस्य, प्रतिष्ठित प्रकाशक को पुरस्कार हेतु नामित करने के लिए गठित उच्च–स्तरीय समिति, द फेड्रेशन आफ इण्डियन पब्लिशर्स; सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार, 'द डिवलपिंग इकोनोमीज' इंस्टीट्यूट आफ डिवलपिंग इकोनोमीज, जापान; सदस्य, बोर्ड आफ गवर्नर्स, इंस्टीट्यूट फार स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डिवलपमेंट, नई दिल्ली; सदस्य, मूल्यांकन सलाहकार समिति, योजना आयोग, नई दिल्ली; सदस्य, बोर्ड आफ गवर्नर्स, मानव विकास संस्थान, नई दिल्ली; सदस्य शासी परिषद, मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, चैन्नई; सदस्य, शासी निकाय, सोसायटी फार इण्डियन ओशन स्टडीज, नई दिल्ली; सदस्य, वि.अ.आ. – अकादमिक स्टाफ कालेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद; सदस्य, कार्य परिषद, भारतीय सामाजिक विज्ञान संघ, नई दिल्ली।
- डी.एन. दास, आजीवन सदस्य, भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ; आजीवन सदस्य, इण्डियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन
- एन.सी. जेना, आजीवन सदस्य, इण्डियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, कलकत्ता; आजीवन सदस्य, जिओग्राफिकल सोसायटी आफ इण्डिया, कलकत्ता; आजीवन सदस्य, इंस्टीट्यूट आफ लैण्डस्केप, इकोलाजी ऐंड एकिस्टिक, कलकत्ता; आजीवन सदस्य, क्षेत्रीय विज्ञान संघ, कलकत्ता; आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जिओग्राफर्स, दिल्ली' आजीवन सदस्य, इण्डियन कांउसिल आफ जिआग्राफर्स, भुवनेश्वर; आजीवन सदस्य, इण्डियन इंस्टीट्युट आफ जिओमार्फोलाजिस्ट्स, इलाहाबाद; आजीवन सदस्य, इंस्टीट्यूट आफ इण्डियन जिओग्राफर्स, पुणे; आजीवन सदस्य, इण्डियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन, हैदराबाद; आजीवन सदस्य, एशियाई पर्यावरण परिषद, जयपुर; आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय भूविद्या ओ परिवेश समिति, शान्तिनिकेतन; आजीवन सदस्य, भार विद्या चर्चा केन्द्र, वर्धवान; आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ रिमोट सेंसिंग, देहरादून; एसोसिएट सदस्य, भूविज्ञान विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली; सदस्य, वर्ल्ड वाइड फंड फार नेचर इण्डिया, नई दिल्ली; प्रकाशन समिति के सदस्य, द रिसर्च जर्नल आफ सोशल साइंसिस, जलगांव (एम.एस.) महाराष्ट्र।
- अतिया किदवई, सदस्य, नेशनल कमेटी फार प्रमोशन आफ सोशल ऐंड इकोनामिक वेलफेयर, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार; एसोसिएट फेलो – इंस्टीट्यूट आफ टाउन प्लानर्स – इण्डिया; कार्यकारी सदस्य, अर्बन हिस्ट्री एसोसिएशन आफ इण्डिया; परियोजना सलाहकार समिति, इग्नू, वर्ल्ड बैंक, रिहेबिलिटेशन ऐंड रिसेटलमेंट प्रोजेक्ट; सदस्य, कमेटी फार डाक्टरल प्रोग्राम्स, स्कूल आफ प्लानिंग ऐंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली; सदस्य, कमेटी फार स्लेबाई ऐंड इग्जामिनेशन, काउंसिल आफ आर्किटेक्चर, इण्डिया।
- पी. एम. मुखर्जी, जनसंख्या के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संघ, भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ; इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ सर्वे स्टेटिस्टिशियन्स; इण्डियन एसोसिएशन फार द स्टडी आफ पाप्यूलेशन; इण्डियन सोसायटी फार मेडिकल स्टेटिस्टिक्स; विद्या परिषद, अन्तर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, मुम्बई; सम्पादकीय मण्डल, डेमोग्राफी इण्डिया; विशेषज्ञ समिति, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, भारत सरकार

- असलम महमूद, आजीवन सदस्य, आई.ए.एस.पी.; आजीवन सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन आफ रीजनल साइंसिस, सदस्य, सलाहकार समिति, अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया।
- दीपक कुमार मिश्र, सदस्य, कार्यकारी परिषद और आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ एग्रीकल्चरल इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी फार इकोलाजिकल इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य, नार्थ–ईस्ट इण्डिया इकोनोमिक एसोसिएशन, अरूणाचल यूनिवर्सिटी रिसर्च जर्नल
- सुदेश नांगिया, अध्यक्ष राष्ट्रीय भूगोलवेता संघ, भारत; सदस्य, अध्ययन मण्डल (भूगोलशास्त्र में), महाराज शैयाजी राव बड़ौदा विश्वविद्यालय, वदोदरा, (2002–2005); सदस्य, अध्ययन मण्डल (स्नातक व स्नातकोत्तर), भूगोलशास्त्र में, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय (2003–2005), सदस्य, अध्ययन मण्डल, भूगोलशास्त्र में, एम.एस. यूनिवर्सिटी, बड़ौदा, 2003–2005; अध्यक्ष, भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ; सदस्य टास्क फोर्स सामाजिक और व्यावहारिक अनुसंधान, आई.सी.एम.आर.; सदस्य, विद्या परिषद, अन्तर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, मुम्बई; सदस्य, (वि.अ.आ. नामिती), कार्य–परिषद, बनस्थली विद्यापीठ राजस्थान; अध्यक्ष मूल्यांकन और पदोन्नति समिति, भारतीय वन्य जीवन संस्थान, देहरादून; सदस्य, शासी निकाय, राष्ट्रीय शिक्षा योजनाकार एवं प्रशासक संस्थान, विजिटर के नामिती, द कोर्ट, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद; आजीवन सदस्य, भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ, आई.ई.जी., दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; आजीवन सदस्य, राष्ट्रीय भूगोलवेत्ता संघ, आई एस आई, नई दिल्ली; आजीवन सदस्य, राष्ट्रीय भूगोलशास्त्र अध्ययन संघ, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; आजीवन सदस्य, द जिओग्राफिकल सोसायटी, नेहू, शिलांग; आजीवन सदस्य; द इण्डियन जिओग्राफिकल सोसायटी, मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास; आजीवन सदस्य, सोसायटी फार एप्लाइड रिसर्च इन ह्यूमेनिटीज, नई दिल्ली; आजीवन सदस्य, लैण्ड यूज मैनेजमेंट सोसायटी, हैदराबाद, आजीवन सदस्य, इण्डियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन, हैदराबाद; आजीवन सदस्य, भूविज्ञान विकास फाउंडेशन, नागपुर, सदस्य, इंटरनेशनल यूनियन फार द साइंटिफिक स्टडी आफ पाप्यूलेशन, रू देस अगस्ताइन्स, बेल्जियम; सदस्य, अन्तर्राष्ट्रीय कमीशन आन पाप्यूलेशन ऐंड एनवायरनमेंट आफ द आई.जी.यू. (2000–2004); एसोसिएट सदस्य, इंटरनेशनल जिओग्राफिकल यूनियन; सदस्य, इंटरनेशनल कार्टोग्राफिकल एसोसिएशन; सदस्य, पाप्यूलेशन एनवायरनमेंट रिसर्च नेटवर्क, इंटरनेशनल एडवाइजर्स बोर्ड फार पाप्यूलेशन ऐंड एनवायरनमेंट आफ द आई.यू.एस.एस.पी., आस्ट्रिया।
- पदमिनी पाणी, आजीवन सदस्य, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ जिओमार्फोलोजिस्ट्स
- रवि श्रीवास्तव, सदस्य, कोर ग्रुप 'राइट टु फुड; राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग; सदस्य, ग्रामीण विकास पर सलाहकार ग्रुप, दसवीं पंच–वर्षीय मध्यावधि मूल्यांकन, योजना आयोग, नई दिल्ली; सदस्य, इंटर–मिनिस्ट्रियल टास्क फोर्स आन रीजनल डिसपेरिटीज, योजना आयोग, नई दिल्ली; सदस्य, विद्या समिति, मानव विकास संस्थान; सदस्य, विद्या समिति, एग्रो–इकोनामिक रिसर्च सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय; सदस्य, फेकल्टी बोर्ड आफ इकोनामिक्स ऐंड मैनेजमेंट स्टडीज, नार्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी; सदस्य नीति सलाहकार प्रकोष्ठ, योजना आयोग, उत्तर प्रदेश सरकार; सदस्य, नेशनल स्टियरिंग कमेटी आन पार्टिसिपेट्री पावर्टी असेसमेंट्स, एशियन डिवलपमेंट बैंक – भारत सरकार; सदस्य, विषय–निर्वाचन समिति – रूरल पावर्टी, वाटरशेड्स, डिसेंट्रलाइजेशन ऐंड रूरल डिवलपमेंट, 10वीं पंचवर्षीय योजना (योजना आयोग); सदस्य, वर्किंग ग्रुप आन एग्रीकल्चर, डिमाण्ड ऐंड सप्लाई प्रोजेक्शंस, 10वीं पंचवर्षीय योजना (योजना आयोग); सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, जर्नल आफ एग्रेरियन चैंज; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स।
- एम.एच. कुरेशी, सदस्य, विद्या परिषद, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मण्डल, सामाजिक विज्ञान संस्थान, हैदराबाद विश्वविद्यालय (आंध्र प्रदेश); सदस्य, अध्ययन मण्डल, भूगोलशास्त्र विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़; सदस्य, रिसर्च डिग्री कमेटी, विज्ञान संकाय, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू; सदस्य नर्मदा कंट्रोल अथोरिटी; रिहेबिलिटेशन ऐंड रीसेटलमेंट सबग्रुप, भारत सरकार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय।

- सरस्वती राजू, सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, एंटीपोड, यू.के.; सदस्य, सम्पादकीय मंडल, एनल्स आफ एसोसिएशन आफ अमेरिकन जिओग्राफर्स, यू.एस.ए.; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, जिओफोरम, इंग्लैण्ड।
- सुचरिता सेन, आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ एग्रीकल्चरल इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य इण्डियन सोसायटी आफ रिमोट सेंसिंग।
- मिलाप चन्द शर्मा, सदस्य, इंटरनेशनल क्वाटरनरी एसोसिएशन 'इन्क्वा' टास्क टीम आन द माउंटेन ग्लेशियर्स; टाइमिंग ऐंड क्रोनोलाजी; सदस्य कार्य परिषद, हिमालयी पर्यावरण, अनुसंधान एवं शिक्षा संस्थान
- आर.के. शर्मा, सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स; सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन फार द स्टडी आफ पाप्युलेशन; सदस्य, रीजनल साइंस एसोसिएशन आफ इण्डिया
- हरजीत सिंह, आजीवन सदस्य, राष्ट्रीय भूगोलवेत्ता संघ, भारत; सदस्य, पर्मानेंट कमेटी आफ इंटरनेशनल सोसायटी फार लद्दाख स्टडीज ब्रिस्टल, यू.के.; सदस्य, एसोसिएशन आफ हिल जिओग्राफर्स; फेलो, इण्डियन सोसायटी फार ह्यूमन इकोलाजी; सदस्य, बोर्ड आफ पोस्ट ग्रेज्युऐट स्टडीज, सोशल साइंसिस, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू; सदस्य, पी–एच.डी. कमेटी, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला; सदस्य अध्ययन मंडल, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
- सचिदानंद सिन्हा, आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स; सदस्य, सलाहकार बोर्ड – लैण्ड ऐंड पीपल सीरीज, एन.बी.टी., नई दिल्ली; सदस्य, कमेटी टु स्टडी द प्राब्लम्स आफ सिल्टिंग इन इण्डियन रीवर्स, भारत सरकार, केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली
- के.एस. सिवासामी, आजीवन सदस्य, इण्डिया मिटिओरोलाजिकल सोसायटी; आजीवन सदस्य, राष्ट्रीय भूगोलवेता संघ, भारत
- एम.डी. विमुरी, सदस्य, भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ; सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनोमिक्स; सदस्य, सोसायटी फार एप्लाइड रिसर्च इन ह्यूमेनिटीज; सदस्य, सम्पादकीय बोर्ड, डेमोग्राफी इण्डिया

foKku uhfr v/;;u dsUnz

- वी.वी. कृष्णा, सम्पादक, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं समाज (सेज प्रकाशन); सदस्य, टास्क फोर्स आन क्लस्टर्स, यू.एन. आई.डी.ओ, नई दिल्ली
- इमराना कादिर, सदस्य, विद्या परिषद, जामिया हमदर्द; सदस्य राष्ट्रीय सलाहकार समिति, महिला स्वास्थ्य पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2005; सदस्य, जनसंख्या आयोग, भारत सरकार
- के.आर. नायर, सदस्य, टास्क फोर्स आन बिहेवियरल ऐंड सोशल साइंस रिसर्च
- मोहन राव, सदस्य, राष्ट्रीय विषय–निर्वाचन समिति, इण्डो–डच प्रोजेक्ट इन आल्टर्नेटिव्स इन डिवलपमेंट, 2004
- रामा वी. वारू, सदस्य, राष्ट्रीय संसाधन ग्रुप, महिला समाख्या प्रोग्राम, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली; सदस्य, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान, पर कार्यदल, आई.सी.एम.आर., नई दिल्ली; सदस्य, कार्य परिषद, आन्ध्र प्रदेश महिला समथ सोसायटी, आन्ध्र प्रदेश; अध्यक्ष, फोकस ग्रुप आन 'हैल्थ ऐंड फिजिकल एज्यूकेशन', नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क रिव्यु के भाग के रूप में, रा.शै.अ.प्र.प.नई दिल्ली
- रितु प्रिया महरोत्रा, सदस्य, रिसर्च एडवाइजरी ग्रुप, सेंटर फार लेबर ऐंड हैल्थ, वी.वी.जी., नेशनल लेबर इंस्टीट्युट; सदस्य, शासी निकाय, एक्शन इण्डिया, नई दिल्ली; सदस्य, कार्य परिषद, मेडिको फ्रेंड सर्कल

lkekftd foKku v/;;u dsUnz

- सुसन विश्वनाथन, विजिटिंग प्रोफेसर, एम.एस.एच., पेरिस, जून 2004

lelkef;d Hkkjrh; bfrgkl ij vfHkys[kkxkj

समसामयिक भारतीय इतिहास पर अभिलेखागार की स्थापना जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी समिति के निर्णय के अनुसार 1 दिसम्बर 1970 को सामाजिक विज्ञान संस्थान के एक भाग के रूप में हुई थी। यह अभिलेखागार भारत में हुए वामपंथी एवं राष्ट्रीय आंदोलन तथा अन्य महत्वपूर्ण आंदोलनों से संबंधित सामग्री का एक भण्डार है। स्वर्गीय पी.सी. जोशी के व्यक्तिगत संग्रहों से शुरू किए गए इस अभिलेखागार में विभिन्न स्रोतों से अब तक पर्याप्त मात्रा में सामग्री एकत्रित की गई है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान ज.ने.वि. और ज.ने.वि के बाहर से लगभग 133 शोधार्थियों ने 'इंटलेक्चुअल ऐंड पॉलिटीकल एनकाउंटर बिटवीन जर्मन'स ऐंड इंडियंस–1890–1945'; 'वुमन्स पार्टिसिपेशन इज लेफ्ट पॉलिटीकल एक्टीविटीज–1950ज टु 1970'; 'एज्यूकेशन पॉलिसी ऑफ लेफ्ट गवर्नमेंट'; 'अम्बेडकर, कॉस्ट ऑन लेबर मूवमेंट ऐंड इमर्जेंस ऑफ नियो–बुद्धिज्म'; प्रिंट, पॉलिटिक्स ऐंड लिट्रेचर इन बिहार 1920–1960'; हिस्ट्री, जेनेसिस ऑफ नेशनलिज्म इन केरला'; 'पेरेस्त्रोइका ऐंड रशिया'ज न्यू फोरेन रिलेशंस 1985–2003'; 'लेफ्ट एक्टिविटीज ऐंड टी यू मूवमेंट इन यू. पी. '1947–1957'; 'कॉमीन्टर्न ऐंड अर्ली इंडिया कम्युनिज्म–1921–1928' विषयक शोध शीर्षकों पर अभिलेखागार में उपलब्ध सामग्री का उपयोग किया। कुछ शोधार्थियों ने अभिलेखागार में उपलब्ध माइक्रोफिल्म रीडर प्रिंटर का भी उपयोग किया।

t!o&ik|kfxdh dsUnz

डॉ. के.जे. मुखर्जी ने 'मैथमेटिक्स फॉर बायोलॉजीस्ट्स' विषयक 2 क्रेडिट का नियमित कोर्स शुरू किया और बाद में इसमें 'स्टेटिस्टिक्स' विषयक एक अनुभाग जोड़कर इसे 3 क्रेडिट का कोर्स बना दिया गया।

प्रोफेसर संतोष कार ने 4–5 अक्टूबर 2004 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'मेडिसिनल ऐंड एरोमेटिक प्लांट्स' विषयक वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कई विज्ञानी/शिल्प विज्ञानी केन्द्र में आए और निम्नलिखित व्याख्यान दिए :

- डॉ. अजीत आनंद, विज्ञानी, प्लांट बायोलॉजी डिविजन, द सैम्युअल राबर्टस नोबल फाउंडेशन, आर्डमोर, यू.एस.ए., ने 7 सितम्बर, 2004 को 'आइडेंटीफिकेशन ऑफ प्लांट जींस इनवाल्ड इन एग्रोबेक्टेरियम – मेडिएटिड प्लांट ट्रांसफार्मेशन थ्रू वी.आई.जी.एस. बेस्ड फंक्शनल जीनोमिक्स अनालिसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- श्री एन.के. शर्मा, प्रबंध निदेशक, नेशनल रिसर्च डिवलपमेंट कार्पोरेशन, नई दिल्ली, ने 15 सितम्बर 2004 को 'इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी ऐंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. निधी आहूजा, यूनिवर्सिटी ऑफ केलिफोर्निया, सेन फ्रांसिस्को, यू.एस.ए., ने 10 जनवरी 2005 को 'माइटोकांड्रियल टार्गेटिंग ऑफ एस.आई.आर.टी.4' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रवीण कुमार, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, सेन फ्रांसिस्को, यू.एस.ए., ने 11 जनवरी 2005 को 'सेल साइकिल ऑफ ट्राइपैनोसोमा ब्रुसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. सरत के. दलाई, डिविजन ऑफ इम्युनोलॉजी, डिपार्टमेंट ऑफ पैथोलॉजी, जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, स्कूल ऑफ मेडिसिन, बाल्टीमोर, यू.एस.ए., ने 3 फरवरी 2005 को 'एंटीजन प्रिजेंटिंग सेल्स इन इंडक्शन ऑफ एनर्जी इन मेमोरी सीडी$^{4+}$ टी सेल्स', विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. कृष्णानंद चट्टोपाध्याय, वाशिंग्टन यूनिवर्सिटी, सेंट लुइस, यू.एस.ए., ने 7 फरवरी 2005 को 'द अनफोल्डेड स्टेट ऑफ ए प्रोटीन स्टडीड बाइ फ्लोरसेंस कोरिलेशन स्पेक्ट्रोस्कॉपी विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. भानु पी. जेना, जॉर्ज ई. पैलाडे यूनिवर्सिटी, वेन स्टेट यूनिवर्सिटी, स्कूल ऑफ मेडिसिन, डेट्राइट, यू.एस.ए., ने 10 फरवरी 2005 को 'डिस्कवरी ऑफ ए न्यू सेल्युलर स्ट्रक्चर द पोरोसम : इल्युसीडेशन ऑफ द मोलक्यूलर मैकेनिज्म ऑफ सेल सेक्रेशन' विषयक विषयक व्याख्यान दिया।

Nk=k dh miyfC/k;k

केन्द्र के पाँच छात्र अपनी पी–एच.डी. उपाधि पूरी करने के लिए अमरीका, इंग्लैण्ड और जर्मनी गए।

Hkfo"; dh ;kstuk,

तीन नए शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया चल रही है तथा शीघ्र ही शिक्षकों की संख्या वर्तमान 8 की जगह 11 हो जाएगी।

izdk'ku

if=dkvksa esa izdkf'kr vkys[k

- उत्तम पति, आर. चौहान, आर. हांडा और टीपी. दास, ओवर–एक्सप्रेशन ऑफ टी.ए.टी.ए. बाइंडिंग प्रोटीन (टीबीपी) ऐंड पी^{53} ऐंड आटोएंटीबॉडीज टु दीज एंटीजंस आर फीचर्स ऑफ सिस्टेमिक स्क्लेरोसिस, सिस्टेमिक ल्युपस एरीथिमेटोसस ऐंड ओवरलैप सिंड्रोम्स, क्लिन एक्स. इम्युनोलॉजी, 136 : 574 : 584, 2004.

↳ उत्तम पति, सरिता नेगी, सौरभ कुमार सिंह, निरूपमा पति, विकास हांडा और रुचि चौहान, ए प्रॉक्सीमल टिश्यु–स्पेसिफिक मॉड्यूल ऐंड ए डिस्टल निगेटिव रेग्यूलेटरी मॉड्यूल कंट्रोल एपोलिपोप्रोटीन (ए) जीन ट्रांसक्रिप्शन, बायोकेमे. जन. 379 : 151–159, 2004.

↳ आर. भटनागर, एस. सिंह, ए. सिंह, एम.ए. अजीज, एस.एम. वहीद और आर. भट्ट, थर्मल इनएक्टिवेशन ऑफ प्रोटेक्टिव एंटीजन ऑफ बी. एंथ्रासिस ऐंड इट्स प्रिवेंशन बाई पॉलिआस्मोलाइट्स, बायोकेमे. बायोफिजि. रिस. कम्यु. 322, 1029–1037, 2004.

↳ आर. भटनागर, एन. आहुजा और पी. कुमार, एडेनीलेट साइक्लेज टॉक्सिंस, क्रिटि. रिव. माइक्रोबायो. 30(3), 187–196, 2004.

↳ अपर्णा दीक्षित, सुजाता ओहरी और दीपाली शर्मा, इंटरएक्शन ऑफ ए – 40 के.डी.ए. प्रोटीन फ्रॉम रिजनरेटिं रैट लिवर विद द – 148 टु ' 124 रिजन ऑफ सी–जुन कमप्लेक्स विद द आर.एल.जुन.आर.पी. कोइनसाइड्स विद इनहांस्ड सी–जुन एक्सप्रेशन इन प्रॉलीफ़िरेटिंग रैट लिवर. यूरो. ज. बायोकेमे. 271, 4892–4902, 2004.

↳ आर. भट्ट, आर. मिश्रा और आर. सेकलर, एफिशिएंट रिफोल्डिंग ऑफ एग्रीमेशन प्रोन साइट्रेट सिंथेज बाइ पॉलिओल आस्मोलाइट्स : हाउ वेल आर फोल्डिंग ऐंड स्टेबिलिटी आस्पेक्ट्स कपल्ड ? ज. बायोल. केमे., 280, 15553–15560, 2005.

↳ आर. भट्ट, ई. वेलकर, के. मेकी, एम.सी.आर. शास्त्री, डी. जुमीनागा, एच.ए. शेरागा और एच. रोडर, अल्ट्रा रैपिड मिक्सिंग एक्सपेरीमेंट्स शेड न्यू लाइट ऑन द करैक्ट्राइस्टिक्स ऑफ द इनिशियल कनफोरमेशनल इनसेम्बल ड्यूरिंग द फोल्डिंग ऑफ राइबोन्युक्लीज ए, प्रोसि. नेश. एकेड.सां. (यू.एस.ए.), 101, 17681–17686, 2004.

↳ आर. भट्ट, डी. प्रसन्ना कुमार और ए. तिवारी, इफेक्ट ऑफ पीएच. आन द स्टेबिलिटी ऐंड स्ट्रक्चर ऑफ यीस्ट हेक्सोकाइनेज ए : एसिडिक अमिनो एसिड रेसिड्यूज इन द क्लेफ्ट रीजन आर क्रिटिकल फोर द ओपनिंग ऐंड द क्लोजिंग ऑफ द स्ट्रक्चर, ज. बायो. केमे. 279, 32093–32099, 2004.

↳ आर. भट्ट, एस. सिंह, ए. सिंह, एम.ए. अजीज, एस.ए. वहीद और आर. भटनागर, थर्मल इनएक्टिवेशन ऑफ प्रोटेक्टिव एंटीजन ऑफ बेसीलुस एन्थ्रासिसी ऐंड इट्स प्रिवेंशन बाइ पॉलियोल आस्मोलाइट्स, बायोकेमे. बायोफिजि. रिस. कम्यु., 322, 1029–1037, 2004.

↳ के.जे. मुखर्जी, अमरदीप खुशू, योगेन्द्र पाल और बैरबनाथ सिंह, एक्स्ट्रासेल्युलर एक्सप्रेशन ऐंड सिंगल स्टेप प्यूरीफिकेशन ऑफ रिकंबीनेंट एशरीकिया कोली एल–एसपैराजाइनेस–2, प्रोटीन एक्सप्रेशन ऐंड प्यूरीफिकेशन 38, 29–36, 2004.

↳ डी. चौधरी, जे. बोकार्ट, जे. बर्गलुंड, एम. शगेम्ब्री, ई.डे. जेनस्ट, एल.कूल्स, सी.एस. हंग, जे. पिंकनेर, आर. स्लेटगार्ड, ए. जेवियालोव, एस. लैंगरमैन, एस.जे. हल्टग्रेन, एल. विन्स, पी. क्लेम, एस. ओस्कार्सन, एस.डी. नाइट, एच.डी. ग्रेव : रिसेप्टर बाइंडिंग स्टडीज डिस्क्लोज ए नॉवल क्लास ऑफ हाईएफिनिटी इनहिबीटर्स ऑफ द एशरीकिया कोली फिम एच. एडेशन, मोल. माइक्रोबायो. 55 (2) : 441–55, जनवरी 2005.

↳ डी. चौधरी, के.वी. सिंधु, वी. रानी, एम.के. गुप्ता, एस. घासकादबी और एस.के. गोस्वामी : आइसोलेशन ऑफ ए लाइब्रेरी ऑफ टार्गेट–साइट्स फार सिक्वेंस स्पेसिफिक डी.एन.ए. बाइंडिंग प्रोटींस फ्राम चिक एम्ब्रायोनिक हर्ट : ए पोटेंशल टूल फार आइडेंटीफाइंग नावल ट्रांसक्रिप्शनल रेग्युलेटर्स इनवाल्वड इन एम्ब्रायोनिक डिवलपमेंट, बायोकेमे. बायोफिजि. रिस. कम्यु. 22:323(3) 912–9, अक्टूबर 2004.

↳ डी. चौधरी, पी. खण्डेलवाल, ए. बिराह, एम.के. रेड्डी, जी.पी. गुप्ता और एन. बनर्जी : इनसेक्टीसाइडल पिलिन सबयुनिट फ्रॉफ द इनसेक्ट पैथोजन जीनोरहैबडस निमेटोफिला, ज. बैक्टेरियोला. 186(19) : 6465–76, अक्टूबर 2004.

- डी. चौधरी, आर. सुधा, एल. अनंतरामन, एम.वी. शिवराम, एन. मिरसामदी, एन.के. लोहिया, आर.बी. गुप्ता और आर.पी. राय, लिकेंज ऑफ इंटरएक्शंस इन सिकल हीमोग्लोबिन फाइबर असेम्बली : इनहीबिटरी इफेक्ट इमानेटिंग फ्राम म्यूटेशंस इन द ए बी. रीजन आफ द अल्फा–चैन इज एन्युल्ड बाइ ए म्यूटेशन एट इट्स ई. एफ. कार्नर, ज. बायो. केमे. 8; 279(19) : 20018–27, मई 2004.

i|Lrdk e: i:dkf'kr v/;k;

- के.जे. मुखर्जी और पी. भट्टाचार्य 'बायोप्रोसस टेक्नोलॉजी', बायोटेक्टनोलॉजी की पाठ्यपुस्तक, विली ड्रीमटेक पब्लिशर्स, 2004.

'kks/k ifj;kstuk,¡

- उत्तम पति, एंटी–पोल–2 ऐंड एंटी–टी.बी.टी. एंटीबॉडीज एज मार्कर्स फार स्कलेरोडेमा ऐंड मिक्स्ड कनेक्टिव टिश्यू डिजीज, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्.
- उत्तम पति, द रोल ऑफ पेंटान्युक्लियोटाइड रिपीट (पी.एन.आर.) ऐंड क्रिंगले–4 पॉलीमॉर्फिज्म इन एथेरोसाइरोसिस, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, 2002–2005.
- उत्तम पति, बोवाइन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस : आइसोलेशन, मोलक्यूलर करेक्ट्राइजेशन, ऐंड डिवलपमेंट ऑफ डायग्नोस्टिक्स (2001–2005)
- उत्तम पति, 'कोरिलेशन ऑफ पी^{53} लेवल्स ऐंड इट्स फंक्शनल डोमैंस टुएपोप्टोटिक ऑफ ओरल कार्सीनोमा सेल्स' (2002–)
- उत्तम पति, आर.एन.ए. मेडियाटिड जीन साइलेंसिंग ऑफ ओरल ट्यूमर स्पेसिफिक पी^{53} म्यूटेंट्स.
- उत्तम पति, मोलक्यूलर चेपोसम्स ऐंड जीन रेग्यूलेशन.
- एस.के. कार, करेक्ट्राइजेशन ऑफ सेक्रेटिड एंटीजंस ऑफ इनफेक्टिव लार्वा ऐंड अडल्ट ब्रुजिया मालायी पैरासाइट्स विच इनड्यूस स्ट्रांग टीएच–1 रिस्पांस इन ट्रुली इनफकेक्शन फ्री इनडिविजुअल्स रिजाइडिंग इन ए बैनक्राफटियन फाइलेरियासिस एंडेमिक एरिया, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (2002–2005).
- एस.के. कार, आइडेंटीफिकेशन ऑफ एंटीजंस फ्राम क्लिनीकल आइसोलेट्स ऑफ माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस विच इनड्युसिज स्ट्रांग टीएच–1 रिस्पांस इन हेल्थी कांटेक्ट्स ऑफ ट्यूबरक्लोसिस पेशंट्स, सर दोराबजी टाटा सेंटर फार रिसर्च इन ट्रापीकल डिजीज्स (2002–2005).
- आर. भटनागर, थर्मोस्टेबलाइजेशन ऑफ रिकंबीनेंट प्रोटेक्टिव एंटीजन ऑफ बेसिल्स एंथ्रासिस (डॉ. राजीव भट्ट के साथ सहयोगात्मक परियोजना), एन.ए.टी.पी. विश्व बैंक.
- आर. भटनागर, जेनरेशन ऑफ नॉन–टाक्सिक लेथाल फैक्टर ऐंड एडेमा फैक्टर फॉर द डिवलपमेंट ऑफ इंप्रूव्ड वेक्सिन अंगेस्ट एंथ्रेकस, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार।
- आर. भटनागर, सर्च फॉर नॉवल बायो इनसेक्टीसाइड्स फ्राम जीनोरहैबडस नीमेटीफाइलस न्यू स्ट्रेटिजीज टु कंट्रोल एंथ्रेक्स लेथाल फैक्टर बाइंडिंग डोमैन ऑफ प्रोटेक्टिव एंटीजन ऑफ एंथ्रेक्स टाक्सिन, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार।
- आर. भटनागर, न्यू स्टेटिजीज टु कंट्रोल एंथ्रेक्स लेथाल फैक्टर बाइंडिंग डोमैन ऑफ प्रोटेक्टिव एंटीजन ऑफ एंथ्रेक्स टॉक्सिन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग।
- आर. भटनागर, क्लोनिंग एक्सप्रेशन, प्यूरीफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ बेसिलस एंथ्रासिसी डी.एन.ए. जीरेस.
- आर. भटनागर, डी.एन.ए. वेक्सिन अंगेस्ट एंथ्रेक्स.

- आर. भटनागर, एडिबल वेक्सिन अंगेस्ट एंथ्रेक्स.
- आर. भटनागर, डिवलपमेंट ऑफ माइको बेक्टेरियल एंटीजन डिलिवरी सिस्टम यूजिंग एंथ्रेक्स टॉक्सिन कंपोनेंट्स.
- आर. भटनागर, असेसिंग द रोल ऑफ इम्युनोजेनिक पेप्टाइड ऑफ पी.ए. डोमैन–4 ऑफ बेसिलस एंथ्रासिस फोर द डिवलपमेंट ऑफ वेक्सिन अंगेस्ट एंथ्रेक्स.
- आर. भटनागर, क्लोनिंग, एक्सप्रेशन, प्यूरीफिकेशन ऑफ एन ओपरान फ्रॅम बेसिलस एंथ्रासिस ऐंड इट्स रोल इन प्रोग्राम्ड सेल डेथ।
- ए. दीक्षित, क्लोनिंग ऐंड एक्सप्रेशन ऑफ एयरोमोनास स्प. आउटर मेम्ब्रान पोरिन फार द डिवलपमेंट ऑफ रिकंबीनेंट वेक्सिन, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार.
- ए. दीक्षित, इनवेस्टीगेशंस इन टु बोटेनीकल बेस्ड प्रोडक्ट्स ऐंड देयर स्टडीज एट मोलक्यूलर लेवल्स इन आइडेंटीफाइड थेराप्यूटिक एरियाज, डाबर.
- ए. दीक्षित, क्लोनिंग, करेक्ट्राइजेशन ऐंड एक्सप्रेशन ऑफ द सी.डी.एन.ए. इनकोडिंग द हाइयोग्लाइसेमिक पेप्टाइड ऑफ मोमोरडिका कैरनशिया ऐंड एसेसमेंट ऑफ द बायोलॉजीकर एक्टिविटी ऑफ द एक्सप्रेस्ड प्रोडक्ट, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार।
- ए. दीक्षित, डिफरेनसिएशन इनड्यूसिंग एबिलिटी ऑफ एम. कैरेनशिया.
- ए. दीक्षित, टु अंडरस्टेंड द रेग्यूलेशन ऑफ सी–जुन जीन एक्सप्रेशन इन नॉर्मल ऐंड प्रालीफ्रेटिंग लिवर सेल्स। प्यूरीफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर (स) इनवाल्वड इन रेग्यूलेटिंग द एक्सप्रेशन ऑफ सी–जुन जीन इन रिजनरेटिंग रैट लीवर ऐंड क्लोनिंग ऑफ देयर जीन्स.
- ए. दीक्षित, क्लोनिंग, करेक्ट्राइजेशन ऐंड एक्सप्रेशन ऑफ नेपिन जीन फ्रॅम एम. कैरेनशिया।
- ए. दीक्षित, क्लोनिंग, करेक्ट्राइजेशन ऐंड एक्सप्रेशन ऑफ यू.डी.पी. – गैलेक्टॉज 4–एपीमिरेज जीन ऑफ एयरोमोनास हाइड्रोफिला।
- आर. भट्ट, इनहांसिंग फोल्डिंग ऐंड स्टेबिलिटी ऑफ ग्लुकोज आक्सीडेज बाइ साल्वेंट इंजीनियरिंग, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्।
- आर. भट्ट, थर्मोस्टेबलाइजेशन ऑफ रिकंबीनेंट प्रोटेक्टिव एंटीजन ऑफ बेसिलॅस एंथ्रासिस बाइ साल्वेंट एडिटिव्स (प्रो. आर. भटनागर के साथ संयुक्त रूप से), एन.ए.टी.पी. / विश्व बैंक।
- आर. भट्ट, फोल्डिंग, स्टेबिलिटी, इनरजेटिक्स, ऐंड बायोमोलक्यूलर इंटरएक्शंस इन प्रोटींस, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग।
- आर. भट्ट, स्टेबिलिटी, फोल्डिंग ऐंड एग्रेशन स्टडीज ऑफ ह्यूमन गामा–डी क्रिस्टेलीन ऐंड द इफेक्ट ऑफ आर्गेनिक साल्यूट्स इन प्रिवेंटिंग इट्स एग्रीगेशन।
- आर. भट्ट, प्रिवेंशन ऑफ एमीलॉयड फाइब्रिल फार्मेशन इन प्रोटींस बाई यूजिंग स्ट्रक्चर स्टेबलाइजिंग कंपाउंडस यूजिंग लाइजोजाइम एज ए मॉडल प्रोटीन।
- के.जे. मुखजी, लार्ज स्केल प्रोडक्शन ऑफ एंटीबॉडी फ्रेगमेंट्स इन ई. कोली ऐंड मिथाइलोट्रापिक यीस्ट, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग।
- के.जे. मुखजी, बायोकेमिकल ऐंड मोलक्यूलर करेक्ट्राइजेशन ऑफ एन अल्कालाइन, थर्मोस्टेबल लाइपेज फ्रॅम बरखोलडेरिया स्प., डॉ. पूजा राठी की युवा विज्ञानी फास्ट ट्रेक परियोजना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग।
- के.जे. मुखजी, डिवलपमेंट ऑफ एन इंटीग्रेटिड बायोप्रोसस स्ट्रेटिजी फॉर द प्रोडक्शन ऑफ इंटरफेरान बी–1बी, डी.एस.आई.आर. कार्यक्रम के तहत परियोजना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग।

- डी. चौधरी, कंप्यूटेशनल एप्रोचिज टुवर्डस एक्टिव साइट, डिजाइन ऐंड फंक्शनल रिइंजीनियरिंग ऑफ प्रोटींस, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग।
- एस.एस. मैत्रा, केओटिक डायनेमिक्स इन फर्मेंटेशन सिस्टम्स, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग।

jk"Vªh;@vUrjk"Vªh; lEeyuk@cBdk@dk;'kkykvk e ifrHkkfxrk

- आर. भटनागर ने 17 से 19 जून 2004 तक लुबजाना, स्लोवेनिया में आयोजित 'कॉमर्शियल पोटेंशल ऑफ टॉक्सिंस, डिवलपिंग टॉक्सिंस फार एप्लिकेशंस इन ड्रग डिस्कवरी ऐंड डायग्नोस्टिग्स' विषयक कार्यशाला में यूरोपीय अनुभाग में 'टॉक्सिकोलॉजी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सोसाइटी की बैठक के दौरान 'रिकंबीनेंट वेक्सिन अगेंस्ट एंथ्रेक्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- आर. भटनागर ने 19 से 22 जून 2004 तक लुबजाना, स्लोवेनिया में आयोजित 'एनिमल, प्लांट ऐंड माइक्रोबायल टांक्सिंस (यूरोटाक्स) विषयक 15वीं यूरोपीय संगोष्ठी में 'रिकंबीनेंट वेक्सिन अगेंस्ट एंथ्रेक्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- आर. भटनागर ने 6 से 11 दिसम्बर 2004 तक सिंगापुर में आयोजित 'प्रोटेक्शन अगेंस्ट टॉक्सिक सब्सटांसिज' विषयक चौथी सिंगापुर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जेनेटीकली इंजीनियर्ड वेक्सिन अगेंस्ट एंथ्रेक्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- आर. भटनागर ने 14 अगस्त 2004 को सेन डियागो, यू.एस.ए. में आयोजित प्रोटीन सोसाइटी की 18वीं संगोष्ठी में 'साल्वेंट एनवायरनमेंट प्लेज ए क्रिटिकल रोल इन द स्टेबिलिटी ऑफ प्रोटीन स्ट्रक्चर ऐंड फंक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. दीक्षित ने 13–14 अक्टूबर 2004 को नई दिल्ली में आयोजित बायोटेक्नोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया की वार्षिक संगोष्ठी में क्लोनिंग, करेक्ट्राइजेशन ऐंड एक्सप्रेशन ऑफ एयरोमोनास हाइड्रोफिला आउटर मेम्ब्रान पोरिन, लैम्ब जीन, बायोटेक 2004' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. दीक्षित ने 25 से 29 अक्टूबर 2004 तक नई दिल्ली में आयोजित 'मेडिसिनल ऐंड एरोमेटिक प्लांट्स' विषयक द्वितीय वैश्विक सम्मेलन में भाग लिया।
- ए. दीक्षित ने 20–21 सितम्बर 2004 को राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 'एडजुवेंटस, डिलिवरी सिस्टम्स ऐंड कंबीनेशन वेक्सिंस' (इण्डो–यू.एस. वेक्सिन एकशन प्रोग्राम के तहत) विषयक इण्डो–यू.एस. संयुक्त कार्यशाला में भाग लिया।
- ए. दीक्षित ने 15 सितम्बर 2004 को जीवन विज्ञान संस्थान, ज.ने.वि. में इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी ऐंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर फार इनिशिएटिव के सौजन्य से आयोजित 'इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी ऐंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

f'k{kdk d 0;k[;ku ¼fo'ofo|ky; l ckgj½

- आर. भटनागर ने 29 जून 2004 को आई.एन.एम.ए.एस. में आयोजित 'बायोटेक्नोलॉजी इन मेडिसिन' विषयक भारत–ट्यूनीशिया कार्यशाला में 'रिकंबीनेंट वैक्सिन अगेंस्ट एंथ्रेक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. भटनागर ने 27 सितम्बर 2004 को एवियन जेनेटिक्स ऐंड ब्रीडिंग डिविजन, सेंट्रल एवियन रिसर्च इंस्टीट्यूट, इज्जतनगर (उ.प्र.) में 'मोलक्यूलर ऐंड इम्युनोलॉजीकल टेक्नीक्स इन पॉलट्री प्रोडक्शन ऐंड प्रोटेक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. भट्ट ने 14 सितम्बर 2004 को जैव–चिकित्सा विज्ञान विभाग, आचार्य नरेन्द्र देव कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर में 'करंट एडवांस इन प्रोटीन फोल्डिंग ऐंड स्टेबिलिटी' विषयक व्याख्यान दिया।

- आर. भट्ट ने 3 जुलाई 2004 को सुपरकंप्यूटिंग फेसिलिटी फॉर बायोइंफार्मेटिक्स ऐंड कंप्यूटेशनल बायोलॉजी, आई.आई.टी., नई दिल्ली में 'बायोमोलक्यूलर इंटरएक्शंस ऐंड प्रोटीन फोल्डिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- के.जे. मुखर्जी ने वर्ष 2004 में जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित 'प्रॉब्लम्स ऑफ रिकंबीनेंट प्रोटीन ओवरएक्सप्रेशन' विषयक संगोष्ठी में 'इमर्जिंग चैलेंजिज इन बायोटेक्नोलॉजी' शीर्षक व्याख्यान दिया।

ijLdkj@lEeku@v/;srkofÙk;k

- आर. भटनागर का 7 दिसम्बर 2004 को 'ए बैक्टेरिया ऐंड ए नीमाटॉड : नेचुरल बोर्न पेस्ट किलर्स' विषयक आलेख अमेरिकन सोसाइटी फॉर सेल बायोलॉजी (ए.एस.सी.बी.), वाशिंग्टन, डी.सी. में प्रस्तुत करने के लिए चुना गया।

e.Myk@lfefr;k dh lnL;rk ¼fo'ofo|ky; l ckgj½

- आर. भटनागर, संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी; सदस्य, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सेल बायोलॉजी; सदस्य, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी; आजीवन सदस्य, इंडियन इम्युनोलॉजीकल सोसाइटी; आजीवन सदस्य; बायोटेक्नोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया; कार्यकारी सदस्य, आल इंडिया बायोटेक एसोसिएशन, नई दिल्ली; सदस्य, सलाहकार समिति, भा.प्रौ.सं., रुड़की; सदस्य, विद्या परिषद्, केन्द्रीय मछली उद्योग शिक्षा संस्थान, मुम्बई; सदस्य, सलाहकार समिति, काश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर; सदस्य, शोध सलाहकार समिति, नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसॉर्सिज, लखनऊ; सदस्य, सलाहकार समिति, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेसवाटर एक्वाकल्चर, कौसल्यागंगा, भुवनेश्वर; सदस्य, सलाहकार समिति, सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रेकिंसवाटर एक्वाकल्चर, चेन्नई।
- ए. दीक्षित, सदस्य, सोसाइटी ऑफ बायोलॉजीकल कैमिस्ट्स, इंडिया; सदस्य, इंडियन वुमन साइंटिस्ट्स एसोसिएशन; सदस्य, सोसाइटी ऑफ सेल बायोलॉजी, इंडिया; सदस्य, बायोटेक्नोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया; रेफरी, यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोकेमेस्ट्री; रेफरी, इंडियन जर्नल ऑफ एक्सपेरीमेंटल बायोलॉजी; सदस्य, जैव–स्रोत, जैव–विविधता और सतत विकास पर छात्रों की जागरूकता बढ़ाने के लिए कॉलेज विश्वविद्यालय व्याख्याताओं की क्षमता बढ़ाने के लिए गठित समिति, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय; सदस्य, उच्च माध्यमिक शिक्षकों के लिए जीवन विज्ञान (जैव प्रौद्योगिकी घटक) में स्रोत सामग्री के विकास के लिए गठित समिति, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद; विशेष आमंत्रित, 'कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप ऑन बायोरिसार्स, बायोडाइवर्सिटी ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट' विषयक बहु सांस्थानिक परियोजना का मूल्यांकन करने के लिए गठित समिति; सदस्य, आयोजन समिति, नई दिल्ली में आयोजित 'रोल ऑफ मेडिसिनल, एरोमेटिक प्लांट्स ऐंड ट्रेडिशनल सिस्टम ऑफ मेडिसिन इन इफेक्टिव इंटीग्रल रूरल डिवलपमेंट बाई यूटिलाइजिंग बायोटेक्नोलॉजीकल टूल्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी और सदस्य, प्रोजेक्ट स्क्रीनिंग कमिटी, मोलक्यूलर बायोलॉजी इन फिशरीज, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली।

विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में विधि और अभिशासन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण मामलों पर अन्तरविषयक अध्ययन के लिए विश्वविद्यालय में विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई। अभिशासन मामलों में संस्थानों और संरचनाओं का सुधार, उच्च दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही की ओर अग्रसर करने वाली प्रक्रिया और नियमों का सृजन तथा स्थापना; और लोकतंत्र तथा सिविल सोसाइटी को मजबूत बनाते हुए शासन को और अधिक समाविष्ट और सहभागी बनाने की प्रक्रिया के संदर्भ में नीति संबंधी उलझने भी शामिल होती हैं।

इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य एक ऐसी शोध संस्था विकसित करना है जो शैक्षिक जगत में चल रही बहस और विभिन्न मुद्दों पर अपना सहयोग करे। केंद्र ऐसा व्याहारिक अनुशीलन वातावरण विकसित करना चाहता है ताकि वह बदलाव के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर सके। नीति विषयक क्षेत्र में विभिन्न कर्ताओं की भूमिका स्पष्ट करते हुए केंद्र शिक्षाविदों और कर्ताओं – प्रशासकों, नीति–योजना के निर्माताओं, बाजार और सामाजिक कर्ताओं के बीच की दूरी को समाप्त करने का प्रयास करता है। केन्द्र शिक्षा–जगत, सरकार, सिविल सोसायटी और स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर गैर–सरकारी संगठनों के बीच संवाद के लिए एक मंच के रूप में कार्य करने का प्रयास करता है।

वर्ष 2004–05 के दौरान विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र ने अपनी एम.फिल. ⁄ पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू किया। यह दो–वर्षीय अध्ययन पाठ्यक्रम है। इसमें तीन अनिवार्य कोर्स, तीन ऐच्छिक कोर्स तथा एक शोध प्रबन्ध शामिल है। प्रत्येक कोर्स तीन क्रेडिट का है, तथा कोर्स कार्य प्रथम दो–सत्रों में पूरा करना आवश्यक है। लघु शोध प्रबन्ध 10 क्रेडिट का है और इसे चौथे सत्र के अन्त तक पूरा किया जाना आवश्यक है।

कोर्स की सूची :

अनिवार्य : एल जी 601 रिसर्च मेथडोलॉजी; एल जी 602; गवर्नेंस–I : थीअरिज ऐंड कंसेप्ट्स; और एल जी 603; गवर्नेंस–II : द लीगल डाइमेंशन.

ऐच्छिक : एल जी 621 ला, कांस्टीट्यूशनलिज्म ऐंड पॉलिटीकल थीअरि; एल जी 622 सोसियोलॉजी ऐंड पॉलिटिक्स ऑफ ला; एल जी 623 ला ऐंड इकोनामिक्स; एल जी 624 एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स ऐंड न्यू पब्लिक मैनेजमेंट; एल जी 625 कनटेम्पोरेरि इश्यूज इन डिवलपमेंट; एल जी 626 पॉलिटिक्स ऑफ डिवलपमेंट; एल जी 627 डिवलपमेंट एथिक्स; एल जी 628 एनवायरनमेंटल गवर्नेंस; एल जी 629 अर्बन गवर्नेंस–I : डेफिनिशंस ऐंड कंसेप्ट्स; एल जी 630 अर्बन गवर्नेंस–II : यूजिंग ए प्रकटीकल लेंस; एल जी 631 थिंकिंग अबाउट इंस्टीट्यूशंस; एल जी 632 इंस्टीट्यूशनल इकोनामिक्स; एल जी 633 रेग्यूलेशन; एल जी 634 इकोनामिक्स ऐंड एथिक्स; एल जी 635 ग्लोबल गवर्नेंस; एल जी 636 इंटरनेशनल इकोनामिक इंस्टीट्यूशंस; एल जी 637 हिस्ट्री, पॉलिटिक्स, ऐंड एथिक्स ऑफ रिपेयरेशन, रेस्टीट्यूशंस ऐंड रिकंसीलिएशन; और एल जी 638 लोकल गवर्नेंस।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र द्वारा आयोजित सम्मेलन/व्याख्यान/संगोष्ठियां :

- जेनिफर जलाल ने 17–18 जनवरी 2005 को 'इंस्टीट्यूशनलाइजिंग ऑफ इनोवेशंस इन गवर्नमेंट' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।
- अमिता सिंह ने 14 फरवरी 2005 को 'ई–गवर्नेंस : सिमेंटिंग कम्युनिटीज, डिसपर्सिंग सर्विसेज' विषयक कार्यशाला आयोजित की।
- अमिता सिंह और नोरियो कोंडो ने 23–24 मार्च 2005 को 'डेमोक्रेसी ऐंड डिवलपमेंट इन कम्पेरेटिव एशियन पर्सपेक्टिव' विषयक भारत–जापानी अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

- जयवीर सिंह और रामसिंह ने 31 मार्च और 1 अप्रैल 2005 को 'ला, इकोनामिक्स ऐंड डिवलपमेंट' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
- डॉ. अश्विनी देशपांडे ने 2 अप्रैल 2004 को 'आइडेंटिटी ऐंड एक्सक्लुजन लिबरलाइजेशन ऐंड कास्ट डिस्पेयरिटी इन इंडिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री हर्ष मंदार ने 20 अगस्त 2004 को केन्द्र में विजिटिंग फेलो के रूप में 'नियो–लिबरल पर्सपेक्टिव ऐंड द पुअर' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. विदेह उपाध्याय ने 24 अगस्त, 2004 को 'पंचायत'स, यूजर ग्रुप्स ऐंड नेचुरल रिसॉर्सिज' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. शेखर सिंह, सेंटर फॉर इक्विटी स्टडीज, ने 27 अगस्त 2004 को 'कम्युनिटी पार्टिसिपेशन इन बायोडाइवर्सिटी कंजरवेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- श्री वसंत सबरवाल, फोर्ड फाउंडेशन, ने 3 सितम्बर 2004 को 'रिवर टेमिंग मंत्रास' विषयक फिल्म शो का आयोजन किया और इसी विषय पर चर्चा की।
- डॉ. सुमन सहाय ने 10 सितम्बर 2004 को 'पंचायत'स, फार्मर्स राइट्स ऐंड डब्लयू.ओ.' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. प्रणव बनर्जी, आई.आई.पी.ए., ने 17 सितम्बर 2004 को 'इंस्टीट्यूशनल इकोनामिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. जयकुमार, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग, ने 24 सितम्बर 2004 को 'सर्विस डिलिवरी ऐंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्म्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. अलेक्जेंडर फिशर, लॉयर, यूनिवर्सिटी ऑफ हीडलबर्ग, ने 1 अक्टूबर 2004 को 'लिबरलाइजेशन, प्रोपर्टी राइस ऐंड द इंडियन कांस्टीट्यूशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. विलियम लोकार्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो, ने 8 अक्टूबर 2004 को 'एनवायरनमेंट इम्पैक्ट एसेस्मेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. विजय लक्ष्मी, अमरीकी अध्ययन केन्द्र, अ.अ.सं., ज.ने.वि. ने 15 अक्टूबर 2004 को 'कैम्पेन फाइनेंसिंग इन यू.एस. इलेक्शंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. नोरियो कोंडी, इंस्टीट्यूट ऑफ डिवलपिंग इकोनॉमीज, जापान, ने 5 नवम्बर 2004 को 'फील्ड डिवलपमेंट ब्यूरोक्रेसी ऐंड विलेज पॉलिटिक्स इन उत्तर प्रदेश : स्टेगनेशन ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रतीक्षा बख्शी ने 28 जनवरी 2005 को 'जस्टिस इज ए सिक्रेट : कम्प्रोमाइज इन रेप ट्रेल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- अनन्या वाजपेयी ने 11 फरवरी 2005 को 'वायलेंट स्पेस, वायोलेटिड पर्सन : द कैम्प, द रिफ्यूजी ऐंड द स्टेट ऑफ एक्सेप्शन इन साउथ एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अवधेन्द्र शरण ने 18 फरवरी 2005 को 'फैशनिंग एन अर्बन एनवायरनमेंट थ्रू साइंस ऐंड ला' विषयक व्याख्यान दिया।
- राबर्ट ए. सेरासॉली ने 28 फरवरी 2005 को 'रोल ऑफ गवर्नमेंट पॉलिसीज इन फाइटिंग करप्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविनाश गोविन्द जी ने 29 मार्च 2005 को 'द कांस्टीट्यूशनल राइट टु सोशल असिस्टेंस एज फ्रेमवर्क फॉर सोशल पॉलिसी इन साउथ अफ्रीका : लेशंस फ्राम इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. सुनील खिलनानी, डायरेक्टर, साउथ एशिया स्टडीज प्रोग्राम, द पाल एच. नीत्जे स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज, जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी, वाशिंग्टन, डी.सी., ने 23 नवम्बर 2004 को तीसरा वार्षिक विशिष्ट व्याख्यान दिया। प्रो. खिलनानी के व्याख्यान का शीर्षक 'नेहरू'ज जजमेंट' था। दिल्ली विश्वविद्यालय की राजनीति विज्ञान की प्रोफेसर प्रो. नीरा चंडोक ने इसकी अध्यक्षता की।

leh{kk/khu vof/k d nkjku dUæ e vk, fo}ku

- 23 फरवरी 2005 को गैर सरकारी और स्वैच्छिक क्षेत्र के साथ भारत के अनुभवों पर चर्चा करने के लिए एक 12–सदस्यीय चीनी प्रतिनिधि मंडल केन्द्र में आया।
- प्रो. बॉब जेसप, डायरेक्टर, इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडीज इन मैनेजमेंट ऐंड सोशल साइंसेज, लेनकास्टर यूनिवर्सिटी, लेनकास्टर, यू.के. ने 11 फरवरी 2005 को 'गवर्नेंस फेलर, मेटा–गवर्नेंस ऐंड द नीड फॉर रोमांटिक पब्लिक आयरनी' विषयक व्याख्यान दिया।

Nk=k dh miyfC/k;k

- सुश्री अनिंदिता पुजारी, शोध छात्रा, रियोची सासाकावा यंग लीडर्स फेलोशिप के लिए चुनी गईं।

vU; lpuk

- केन्द्र ने प्रशासनिक सुधार, लोक शिकायत और पेंशन विभाग, भारत सरकार तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, उड़ीसा सरकार के साथ मिलकर 3 से 5 फरवरी, 2005 तक भुवनेश्वर में 'नेशनल ई–गवर्नेंस' विषयक सम्मेलन आयोजित किया।
- केन्द्र के पास फोर्ड फाउंडेशन अनुदान द्वारा वित्तपोषित विजिटिंग फेलोशिप प्रोग्राम है। इसके तहत समीक्षाधीन अवधि के दौरान चार फेलो चुने गए :

  क) अलेक्जेंडर क्रिस्टॉफ फिशर, लेक्चरर, साउथ एशिया इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी ऑफ हीडलबर्ग, जर्मनी तथा डॉड फेलो, को 'चेंजिंग इंडिया'ज कांस्टीट्यूशन : अमेंडमेंट पैटर्नस ऐंड करेक्ट्राइस्टिक्स ऑफ द अमेंडमेंट प्रोसस इन इंडिया सिंस इनडिपेंडेंस' विषय पर मार्च 2004 से मार्च 2005 तक की अवधि के लिए शोध करने के लिए चुना गया।

  ख) हर्ष मंदार, पूर्व सिविल सेवक और कम्पनी निदेशक, एक्शन एड, को 1 अप्रैल से 31 दिसम्बर, 2004 तक की अवधि के लिए 'गवर्नेंस ऐंड सोशल एक्सक्लुजन' विषय पर शोध कार्य करने के लिए चुना गया।

  ग) अनन्या वाजपेयी स्कालर इन रेजीडेंस, वाग सोसाइटी फॉर ओल्ड ऐंड न्यू मीडिया, एम्सटर्डम, नीदरलैण्ड, को 1 जनवरी से 31 सितम्बर 2005 तक की अवधि के लिए 'लॉ, स्टेट ऐंड डिसप्लेसमेंट' विषय पर शोध कार्य करने के लिए चुना गया।

  घ) अनीता इंदर सिंह, विजिटिंग प्रोफेसर, सेंटर फॉर पीस ऐंड कंफलिक्ट रिजोल्यूशन; जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, को 'डिसेंट्रालाइजेशन, सोशल सर्विसेज डिलिवरी ऐंड ह्यूमन डिवलपमेंट केरला' विषय पर शोध कार्य करने के लिए चुना गया।

idk'ku

if=dkvk e idkf'kr vky[k

- नीरजा गोपाल जयाल, ए मेलवोलेंट इम्ब्रेस ? द बीजेपी ऐंड द मुस्लिम्स इन द पार्लियामेंट्री इलेक्शन ऑफ 2004, द इंडिया रिव्यू (फ्रेंक कैस, यू.के.) भाग–3, अंक–3, अगस्त 2004.
- अमिता सिंह, हु गेट्स वाट ? वेन ? ऐंड हाउ ?, नाटुन पथ एइ समय, (सं.) आशिष चटर्जी, अंक–26, कोलकाता, अक्टूबर 2004.
- अमिता सिंह, राजीव गाँधी : ए सेंसिटिव एनवायरनमेंटलिस्ट, द ग्रासरूट्स गवर्नेंस जर्नल, भाग–2, अंक–2, तिरुपति, पृ. 239–243, दिसम्बर 2004.

- अमिता सिंह, इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव थीअरि : कांटेक्स्ट ऐंड एपिस्टेमोलॉजी, एडमिनिस्ट्रेटिव थीअरि ऐंड पेराक्सिस, पीएटी–नेट जर्नल, यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का, मार्च, 2005.
- राम सिंह, फुल कम्पेनसेशन क्राइटेरिया : एन इनक्वायरी इन टु रिलेटिव मेरिट्स, यूरोपियन जर्नल ऑफ लॉ ऐंड इकोनामिक्स, भाग–18, पृ. 223–237, 2004.
- राम सिंह, इकोनामिक्स ऑफ ज्युडीशियल डिसिजन मेकिंग इन इंडियन टॉर्ट ला : मोटर एक्सिडेंट केसिज इकोनॉमिक ऐंड पॉलिटीकल वीकली, भा : 39, अंक–25, पृ. 2613–2616, 2004.

iLrd

- नीरजा गोपाल जयाल, इंटेरेगेटिंग सोशल कैपिटल : द इंडियन एक्सपिरियंस, सेज : नई दिल्ली, 2004.
- अमित प्रकाश, पॉलिटिक्स ऐंड इंटरनल सिक्योरिटी, पाप्यूलर प्रकाशन : मुम्बई, 2004.

iLrdk e iqdkf'kr v/;k;

- नीरजा गोपाल जयाल, पॉलिटिक्स : द बीजेपी फाल्स फ्राम पावर इन इंडिया ब्रिफिंग : टेकऑफ एट लास्ट ? (सं.) अलिसा आयरिस और फिलिप ओल्डनवर्ग (एम.ई. शार्प, एशिया सोसायटी के सहयोग से), न्यूयार्क, 2005.
- नीरजा गोपाल जयाल, द राइट टु वोट ऐंड डेमोक्रेसी, द एसेनश्यल्स ऑफ ह्यूमन राइटस (सं.) रोना के.एम. स्मिथ और क्रिश्चियन वान डेन अंकर, होडर आर्नोल्ड : लंदन, 2005
- नीरजा गोपाल जयाल, बिष्णु एन. महापात्रा और सुधा पई (सं.), डेमोक्रेसी ऐंड सोशल कैपिटल इन द सेन्ट्रल हिमालयाज : ए तेल ऑफ टु विलेजिज, डी. भट्टाचार्य, इंटेरोगेटिंग सोशल कैपिटल : द इंडियन एक्सपिरियंस, सेज प्रकाशन, 2004.
- अमित प्रकाश, वुमन डिवलपमेंट ऐंड लोकल गवर्नेंस इन कंटेम्पोरेरि उत्तर प्रदेश (सं.) शक्ति काक और बी. पति, नेहरू मेमोरियल म्यूजीयम ऐंड लाइब्रेरी : नई दिल्ली, एक्सप्लोरिंग जेंडर इक्वेशंस : कॉलोनियल ऐंड पोस्ट कॉलोनियल इंडिया, 2005.
- अमिता सिंह, इंस्टीट्यूशनल कांस्ट्रेट्ंस टु एनिमल केयर इन इंडिया इन एथिक्स, एनिमल एक्सपेरीमेंटेशन राउंड टेबल कांफ्रेंस नं. 13, रैनबेक्सी प्रकाशन, नई दिल्ली, साइंस फाउंडेशन, पृ. 63–76, 2005.
- कौशिक बासु, (सं.) (आने वाली) लेबर लॉज इन द आक्सफोर्ड कंपेनियन टु इकोनामिक्स इन इंडिया, नई दिल्ली : आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी।
- प्रदीप एस. मेहता, सेन्ट्रल गवर्नमेंट पॉलिसीज : इंटरफेस विद कंपिटिशन पॉलिसी आब्जेक्टिव्स, टुवर्डस ए फंक्शनल कंपीटिशन पॉलिसी फॉर इंडिया, 'कटस' इंटरनेशनल : जयपुर.

'kk/k ifj;kstuk,

- नीरजा गोपाल जयाल, दिल्ली : इंस्टीट्यूशंस ऐंड गवर्नेंस, दिल्ली मानव विकास रिपोर्ट के लिए (यूएनडीपी / योजना आयोग / राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार)
- नीरजा गोपाल जयाल (निदेशक) : डायलॉक ऑन प्लुरलिज्म ऐंड डेमोक्रेसी इन साउथ एशिया (फेज–II), फोर्ड फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित, विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. में स्थित (जनवरी 2003–दिसम्बर 2005)
- अमित प्रकाश, मैपिंग इंडीकेटर्स ऑफ गवर्नेंस इन इंडिया, फोर्ड फाउंडेशन, 2003–2006.
- अमित प्रकाश, ग्रुप डिस्क्रिमीनेशन ऐंड इलेक्शंस इन इंडिया, 2002–2004.
- अमित प्रकाश, गुड गवर्नेंस ऐंड डिवलपमेंट पॉलिसी : ए कंपेरेटिव स्टडी ऑफ उत्तर प्रदेश ऐंड महाराष्ट्र (चल रही है।)

- अमिता सिंह, ई–गवर्नेंस प्रोजेक्ट्स ऐंड द डिजिटल रिपोजिटरी, प्रशासनिक सुधार, लोक शिकायत और पेंशन विभाग, भारत सरकार, 2003–2004.
- राम सिंह, रिलेशनशिप बिटवीन लायबिलिटी : रेजिम्स ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट।

jk"Vh;@vUrjk"Vh; lEeyuk@cBdk@dk;'kkykvk e ifrHkkfxrk

- नीरजा गोपाल जयाल ने 23 मार्च 2005 को विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. द्वारा आयोजित 'डेमोक्रेसी ऐंड डिवलपमेंट इन ए कंपेरेटिव एशियन पर्सपेक्टिव : इन इण्डो–जापान डायलॉक' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 16–17 दिसम्बर 2004 को डिवलपिंग कंट्रीज रिसर्च सेन्टर, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली और द लन्दन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स द्वारा दिल्ली में आयोजित 'स्टेट पॉलिटिक्स इन इंडिया इन द 1990ज : पॉलिटीकल मॉबीलाइजेशन ऐंड पॉलिटीकल कंपीटिशन' विषयक सम्मेलन में 'फेडरल एनजाइटीज, डेमोक्रेटिक डिजायर्स : द पॉलिटिक्स ऑफ गवर्नेंस रिफार्म इन टु इंडियन स्टेट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 14 दिसम्बर 2004 को ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनंद की रजत जयंती संगोष्ठी के भाग के रूप में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन, गवर्नेंस रिफार्म्स ऐंड डिवलपमेंट' विषयक कार्यशाला में 'ए डेमोक्रेटिक डेफिसिट : सिटीजनशिंप ऐंड गवर्नेंस इन द टाइम ऑफ ग्लोबलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 8 अक्टूबर 2004 को कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित 'इंडिया इन द ट्वेंटियथ सेंचुरी' विषयक संगोष्ठी में 'इमेज्स ऑफ डेमोक्रेटिक गवर्नेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 11 अक्टूबर 2004 को अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'जेंडर, एनवायरनमेंट ऐंड ह्यूमन राइट्स' विषयक पुनश्चर्या कोर्स में 'वुमन्स रिप्रिजेंटेशन ऐंड पॉलिटीकल पार्टीसिपेशन' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 30 सितम्बर 2004 को अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'सोशल इनक्वायरी' विषयक पुनश्चर्या कोर्स में 'एनवायरनमेंटल पॉलिटिक्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 21 सितम्बर 2004 को दिल्ली पॉलिसी ग्रुप द्वारा आयोजित 'एनवायरनमेंट ऐंड सिक्योरिटी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'बायोडाइवर्सिटी ऐंड बायोलॉजीकल सिक्योरिटी' शीर्षक आलेख पर परिचर्चा की।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 13 अगस्त 2004 को नेशनल सेंटर फॉर एडवोकेसी स्टडीज और द सेंटर फॉर बजट ऐंड गवर्नेंस अकाउंटेबिलिटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'द मेम्बर्स ऑफ पार्लियामेंट लोकल एरिया डिवलपमेंट स्कीम' विषयक कार्यशाला में 'कांस्टीट्यूशनलिज्म ऐंड डेमोक्रेसी : सम कनसर्न अबाउट द एम.पी.एल.ए.डी. स्कीम' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीरजा गोपाल जयाल 10 अगस्त 2004 को अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'एनवायरनमेंटल मूवमेंटस इन इंडिया' विषयक परिचर्चा में पेनेलिस्ट थीं।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 6 अगस्त 2004 को दिल्ली विश्वविद्यालय, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डिवलपिंग सोसाइटीज और आई.ए.डब्ल्यू.जी.–डिसेंट्रेलाइजेशन (यू.एन.डी.पी.) द्वारा आयोजित 'डिसेंट्रेलाइजेशन : इंस्टीट्यूशंस ऐंड पॉलिटिक्स इन रूरल इंडिया' विषयक संगोष्ठी में 'डिवलपमेंट आर इम्पावरमेंट ? वुमन्स पार्टीसिपेशन इन पीआरआई'ज शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 27 जुलाई 2004 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज, हैदराबाद विश्वविद्यालय में 'द कंसेप्ट ऑफ गवर्नेंस' विषयक व्याख्यान और 'इमर्जिंग रिसर्च कंसर्न्स इन गवर्नेंस स्टडीज' शीर्षक समापन भाषण दिया।

- नीरजा गोपाल जयाल ने 5 से 7 जुलाई 2004 तक द सेन्टर फॉर द फ्यूचर स्टेट, इंस्टीट्यूट ऑफ डिव्लपमेंट स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स, यू.के. की वार्षिक बैठक में केन्द्र के सलाहकार समीक्षा ग्रुप के सदस्य (सीएआरजी) के रूप में भाग लिया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 2–3 जुलाई 2004 को हम्बोल्ट यूनिवर्सिटी, बर्लिन में आयोजित 'स्टिल शाइनिंग ? इंडिया आफ्टर द 2004 इलेक्शंस' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द एंड ऑफ आइडियोलॉजी ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 28 से 30 जून 2004 तक सी.ई.आर.आई., पेरिश में आयोजित तीसरी वार्षिक बैठक और सम्मेलन में 'नेटवर्क ऑन साउथ एशियन पॉलिटिक्स ऐंड पॉलिटीकल इकोनॉमी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 19 अप्रैल 2004 को पुणे में आयोजित द सिम्बायोसिस सेंटर फार मैनेजमेंट ऐंड ह्यूमन रिसॉर्स डिवलपमेंट की राष्ट्रीय दीक्षान्त संगोष्ठी में 'रिइनवेंटिंग सिटीजनशिप' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 7 अप्रैल 2004 को राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'डिसेंट्रेलाइजेशन : इंस्टीट्यूशंस, इनोवेशंस ऐंड पॉलिटिक्स इन रूरल इंडिया' विषयक संगोष्ठी में 'द इंपावरमेंट ऑफ वुमन थ्रू पंचायतीराज इंस्टीट्यूशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीरजा गोपाल जयाल 6 अप्रैल 2004 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'पब्लिक पॉलिसी ऐंड द पुअर इन इंडिया' विषयक परिचर्चा में पेनेलिस्ट थीं।
- अमित प्रकाश ने 15–16 अक्टूबर 2004 को नई दिल्ली में आयोजित 'फेडरलिज्म ऐंड डिसेंट्रेलाइज्ड गवर्नेंस इन द यूनियन ऑफ इंडिया : पर्सपेक्टिव्स आन झारखण्ड, छत्तीसगढ़ ऐंड आन्ध्रप्रदेश' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इलेक्टोरल पॉलिटिक्स, डिवलपमेंट, आइडेंटिटी इन झारखण्ड : 1951–2004' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित प्रकाश ने 14–15 जनवरी 2005 को लंदन, यू.के. में आयोजित 'इंप्रूविंग इंस्टीट्यूशंस फॉर प्रो–पुअर ग्रोथ' विषयक रिसर्च प्रोजेकट कनसोर्टियम की बैठक में भाग लिया।
- अमित प्रकाश ने 18 मार्च 2005 को कोपेनहेगन, डेनमार्क में आयोजित 'झारखण्ड' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिसकर्सिव बेसिज ऑफ झारखण्ड पॉलिटिक्स, आइडेंटिटी ऐंड स्टेट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित प्रकाश ने 21 से 23 मार्च 2005 तक आयोजित 'रिइंटरप्रिंटिंग आदिवासी मूवमेंट्स इन साउथ एशिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डिवलपमेंट ऐंड आइडेंटिटी इन झारखण्ड : 1951–2004' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमिता सिंह ने 6 से 8 दिसम्बर 2004 तक कुआलालम्पुर, मलेशिया में आयोजित 'डेलिब्रेट डेमोक्रेसी ऐंड इलेक्टोरल फैलेसी : द लॉजिक ऑफ कोएक्जिसटेंस इन स्ट्रेंथनिंग डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशंस', नेटवर्क ऑफ एशिया पेसिफिक स्कूल्स ऐंड इंस्टीट्यूट्स इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ऐंड गवर्नेंस' विषयक सम्मेलन में 'रोल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन इन एलिविएटिंग पावर्टी ऐंड इम्प्रूविंग गवर्नेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमिता सिंह सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, उड़ीसा सरकार और प्रशासन सुधार विभाग, भारत सरकार के साथ मिलकर 3 से 5 फरवरी 2005 तक आयोजित 'ई–गवर्नेंस' विषयक सम्मेलन की सह–प्रायोजक रहीं।
- अमिता सिंह ने जैव–सूचना विज्ञान केन्द्र और यूसिक, जेएनयू के साथ मिलकर 'सिमेंटिंग कम्यूनिटीज : डिसपर्सिंग सर्विसेज' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- अमिता सिंह ने 19–20 सितम्बर 2004 को इको आश्रम, देहरादून में आयोजित 'सार्क कंट्रीज यंग लायर्स' वर्कशॉप में भाग लिया।
- जयवीर सिंह ने 31 मार्च और 1 अप्रैल 2005 को विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. में आयोजित 'ला, इकोनामिक्स ऐंड डिवलपमेंट' विषयक सम्मेलन में 'ज्यूडीशियल अपोरशनिंग ऑफ वर्कर राइट्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- जयवीर सिंह ने 18 मार्च 2005 को जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ और 'कटस' इंटरनेशनल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'कंपीटिशन : द मार्केट रिएलिटी' विषयक संगोष्ठी में 'कंपीटिशन ऐंड द कांस्टीट्यूशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयवीर सिंह ने 17–18 सितम्बर 2004 को द कनाडियन ला ऐंड इकोनामिक्स–एसोसिएशन, फैकल्टी ऑफ लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटों में 'स्ट्रकचरिंग रेग्यूलेशन : द कांस्टीट्यूशनल ऐंड लीगल फ्रेम इन इंडिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- जे. जलाल ने 16–17 दिसम्बर 2004 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बंगलौर में आयोजित 'रिफॉर्मिंग गवर्नेंस : पर्सपेक्टिव ऐंड एक्सपिरियंस' विषयक सम्मेलन में 'सिटीजन'स वॉयस ऐंड स्टेट्स, रिस्पांस, एक्सप्लोरिंग इश्यूज ऑफ अर्बन गवर्नेंस इन कोलकाता' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जे. जलाल ने 17–18 जनवरी 2005 को विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. में आयोजित 'इंस्टीट्यूशन लाइजिंग इनोवेशंस इन गवर्नमेंट' विषयक सम्मेलन में 'इनोवेशंस इन गवर्नमेंट : इज इट रिएली एन आक्सीमोरोन ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राम सिंह ने 31 मार्च और 1 अप्रैल 2005 को केन्द्र द्वारा आयोजित 'ला, इकोनामिक्स ऐंड डिवलपमेंट' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।

f'k{kdk d 0;k[;ku ¼fo'ofo|ky; l ckgj½

- अमिता सिंह ने 30 जून 2004 को हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, गुड़गाँव में 'ई–गवर्नेंस ऐंड सर्विस डिलिवरी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने 28 जुलाई 2004 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, दिल्ली में 'न्यू पब्लिक मैनेजमेंट रिफार्म्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, गुड़गाँव में हरियाणा में स्थानीय प्रशासन के राजपत्रित अधिकारियों के लिए आयोजित कार्यशाला में 'लोकल गवर्नेंस ऐंड पब्लिक सर्विस डिलिवरी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने 19 सितम्बर 2004 को देहरादून में सार्क देशों के वकीलों के लिए आयोजित फोर्ड फाउंडेशन कार्यशाला में 'बायोडाइवर्सिटी कंजरवेशन ऐंड इश्यूज ऑफ गवर्नेंस इन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने 20 सितम्बर 2004 को देहरादून में सार्क देशों के वकीलों के लिए आयोजित फोर्ड फाउंडेशन कार्यशाला में 'स्टेट ऑफ पाल्यूशन कंट्रोल : इंस्टीट्यूशनल ऐंड लीगल डाइमेंशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने 29 सितम्बर 2004 को राजनीति विज्ञान विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में 'न्यू चैलेंजिज टु द स्टडी ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने इंडियन काउंसिल फॉर एनवायरो–लीगल स्टडीज, एम.सी. मेहता फाउंडेशन, दिल्ली में अखिल भारतीय गैर–सरकारी संगठनों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'फोरेस्ट्स ऐंड बायोडाइवर्सिटी इश्यूज' विषयक व्याख्यान दिया।

e.Myk@lfefr;k dh lnL;rk ¼fo'ofo|ky; l ckgj½

- नीरजा गोपाल जयाल, सदस्य, सेंटर एडवाइजरी रिव्यू ग्रुप, द सेंटर फोर द फ्यूचर स्टेट, इंस्टीट्यूट ऑफ डिवलपमेंट स्टडीज, ससेक्स, यू.के. (2002 से); सदस्य, संपादकीय मंडल, द ग्लोबल रिव्यू ऑफ एथनोपॉलिटिक्स सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, द इंडिया रिव्यू (यू.के.); बाह्य सदस्य, सलाहकार समिति, डिवलपिंग कंट्रीज रिसर्च सेंटर (डीसीआरसी), यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली (2005–)

५ अमिता सिंह ने सी.पी.सी.एस.ई.ए. सदस्य, एथिक्स कमिटी, 'इनमास', भारत सरकार; सी.पी.सी.एस.ई.ए. सदस्य, एथिक्स कमिटी, आई.सी.जी.ई.बी.; सदस्य, ई–गवर्नेंस पर राष्ट्रकुल ग्रुप, दिल्ली; अवैतनिक कोषाध्यक्ष, गुड़गाँव शाखा, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान; सदस्य, अध्ययन ग्रुप, सतत विकास, इग्नू, दिल्ली; सदस्य, तकनीकी मूल्यांकन दल, राष्ट्रीय पुरस्कार, इनोवेशंस इन ई–गवर्नेंस ऐंड री इंजीनियरिंग रिफार्म्स इन सर्विस डिलिवरी, अकाउंटेबिलिटी ऐंड ट्रांसपरेंसी, 2004, प्रशासनिक सुधार विभाग, लोक शिकायत और पेंशन विभाग, भारत सरकार; कार्यकारी सदस्य, फोरम, नीति–शास्त्र विज्ञान, एन.जी.ओ., बायोएथिक्स, दिल्ली; सदस्य, कोर्स निर्माण समिति, राजनीति विज्ञान विभाग, इग्नू।

lLÑr v/;;u dæ

संस्कृत अध्ययन केंद्र की स्थापना संस्कृत अध्ययन की आवश्यकता को महसूस करते हुए वर्ष 2001 में की गई। प्रथम शैक्षिक पाठ्यक्रम – सीधे पी–एच.डी. – की शुरूआत वर्ष 2002 में हुई। इसके पहले बैच में 9 छात्रों को प्रवेश दिया गया। एम.ए. पाठ्यक्रम की शुरूआत वर्ष 2003 में हुई। इसके पहले बैच में 19 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित नए एम.फिल. कोर्स शुरू किए गए : रिसर्च मेथेडोलॉजी, वेटिक स्टडीज, इंटरप्रिटेशन ऑफ शास्त्र : अर्थ–निर्धारणा ऐंड वेदा परम्परा, इंडियन थीअरीज ऑफ नॉलेज ऐंड कंप्यूटेशनल अनालिसिस, वेदा एज वर्ड : सेमिनार कोर्स, सोशल थॉट इन संस्कृत, कंपेरेटिव पोइटिक्स, कंपेरेटिव फिलोस्फी, ट्रांसलेटिंग संस्कृत टेक्स्ट्स : हिस्ट्री, थीअरि (ग्रामर) प्रेक्टिस ऐंड संस्कृत ऐंड इंडियन लैंग्वेज।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित सम्मेलन आयोजित किए गए :

- डॉ. एस.पी. कुमार ने 'संस्कृत सप्ताह व्याख्यान माला' आयोजित की।
- डॉ. एस.पी. कुमार ने 11 से 13 फरवरी 2005 तक आई.सी.पी.आर. के सहयोग से 'वेदा एज वर्ड' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

leh{kk/khu vof/k ds nkSjku fuEufyf[kr ifrf"Br fo}ku dsUæ esa vk, vkSj O;k[;ku fn, %

1 प्रोफेसर जॉर्ज कारडोना, ख्यातिप्राप्त संस्कृत विद्वान, यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवानिया, यू.एस.ए. केन्द्र में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में 3 माह (सितम्बर–नवम्बर 2004) तक रहे। उन्होंने 'संस्कृंत ग्रामर' विषयक एक कोर्स पढ़ाया और कई व्याख्यान दिए।

2 प्रोफेसर किरीत जोशी, अध्यक्ष, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली.

3 प्रोफेसर पुष्पेन्द्र कुमार (सेवा निवृत्त), संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

4 प्रोफेसर संघशेन सिंह (सेवा निवृत्त), बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

5 प्रोफेसर नामवर सिंह (सेवा निवृत्त), प्रोफेसर इमेरीटस, भारतीय भाषा केन्द्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, ज.ने.वि.

6 प्रोफेसर एस.आर. भट्ट (पूर्व अध्यक्ष) दर्शन–शास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (वर्तमान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग इमेरीटस फेलो, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय)

7 प्रोफेसर बी.बी. चौबे (पूर्व निदेशक), विश्वैश्वरानंद वैदिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, होशियारपुर।

8 प्रोफेसर लक्ष्मीश्वर झा, अध्यक्ष, वेद विभाग, श्री लाल बहादुर राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली.

9 प्रोफेसर कृष्णलाल, (पूर्व अध्यक्ष), संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय.

10 प्रोफेसर एस.आर. व्यास, सदस्य सचिव, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली.

11 प्रोफेसर आर.पी. गोल्डमैन, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले, यूएसए.

12 प्रोफेसर जोनारदन गनेरी, यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल, यू.के.

13 प्रोफेसर बीना गुप्ता, दर्शनशास्त्र विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ मिशोरी, यू.एस.ए.

14 प्रोफेसर रामनाथ शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ हवाई, यूएसए.

15 प्रोफेसर विक्टोरिया लिजेन्को, महात्मा गाँधी चेयर, रशियन एकेडमी ऑफ साइंसेज, मास्को.

idk'ku

if=dkvk e idkf'kr vky[k

- कपिल कपूर, उत्तरी गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन में आयोजित 'इंडियन डायसपोरा' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिया गया मुख्य भाषण, इंडियन डायसपोरा, (सं.) डॉ. आदेश पाल और डॉ. कविता शर्मा, क्रिएटिव पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2004 में छपा.
- गिरीश नाथ झा, आइडेंटीफाइंग वर्ब इनफलेक्शंस इन संस्कृत मॉर्फोलॉजी (सुधीर मिश्र के साथ सह–लेखक), एस. आई.एम.पी.एल.ई.' 05 की कार्यवाही, (सं.) अनुपम बासु और यू.एन. सिंह, खड़गपुर, श्यामा प्रिंटिंग वर्क्स, पृ. 79–81, भा.प्रौ.सं., खड़गपुर, 2005.
- गिरीश नाथ झा, अष्टाध्यायी आनलाइन (जी.वी. सिंह के साथ सह–लेखक), 'स्पीच ऐंड लैंगवेज टेक्नोलॉजी' विषयक अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, (सं.) आर.एम.के. सिन्हा और वी.एन. शुक्ला, टाटा मैक्ग्रा हिल पब्लिशिंग कम्पनी लिमि. : नई दिल्ली, भाग–1, पृ. 187–190, नई दिल्ली, नवम्बर 2004.
- गिरीश नाथ झा, ए काराका एनालाइजर फॉर संस्कृत (सुधीर मिश्र के साथ सह–लेखक), स्पीच ऐंड लैंग्वेज टेक्नोलॉजी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (सं.) आर.एम.के. सिन्हा और वी.एन. शुक्ल, टाटा मैक्ग्राहिल पब्लिशिंग कम्पनी लिमि. : नई दिल्ली, भाग, पृ. 224–225, 2004.
- एस.के. शुक्ल, रामचरित करुणा रस, शोध प्रभा, लाल बहादुर राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, 2005.
- एस.के. शुक्ल, ऋग्वेद–परिचय, समकालीन अभिव्यक्ति, दिल्ली, सितम्बर 2004.
- एस.के. शुक्ल, आत्म–शोधन, समकालीन अभिव्यक्ति, दिल्ली, मार्च 2005.

iLrd

- शशिप्रभा कुमार, सेल्फ सोसाइटी ऐंड वैल्यू : रिफलेक्शंस ऑन इंडियन फिलोस्फीकल थॉट, विद्यानिधि प्रकाशन : दिल्ली, आई.एस.बी.एन.–81–86700–54–4.

iLrdk e idkf'kr v/;k;

- शशिप्रभा कुमार, वेदिक व्यू ऑफ सेल्फ, सेल्फ, सोसाइटी ऐंड साइंस : थीअरिटीकल ऐंड हिस्टोरीकल पर्सपेक्टिव्स, (सं.) डी.पी. चट्टोपाध्याय, सेंटर फॉर स्टडीज इन सिविलाइजेशंस, आई.एस.बी.एन. 81–87586–20–6, पृ. 167–176, नई दिल्ली, 2005.
- शशिप्रभा कुमार, 'प्रोफेसर हाजिम नाकामुरा'ज कंट्रीब्यूशन टु संस्कृत स्टडीज', बुद्धिस्ट थॉट ऐंड कलचर (सं.) एस.आर. भट्ट, आरिजीनल्स, आई.एस.बी.एन. 81–88629–30–8, पृ. 329–336, दिल्ली : 2005.
- शशिप्रभा कुमार, 'शब्द एज प्रमाण इन वैशेषिका', शब्द : टेक्स्ट ऐंड इंटरप्रिटेशन इन इंडियन थॉट (सं.) एस.के. सरीन और मकरंद प्रांजपे, मंत्र बुक्स : आई.एस.बी.एन. 81–902304–1–7, पृ. 98–106, नई दिल्ली, 2004.
- शशिप्रभा कुमार, 'फिलोस्फी ऑफ लाइफ ऐंड सोसाइटी : ए वेदिक व्यू', सोशलिज्म इन वेदिक लिट्रेचर (सं.) पुष्पेन्द्र कुमार, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, पृ. 19–28, नई दिल्ली, 2004.
- शशिप्रभा कुमार, 'माता भूमि पुत्रो –हम पृथिव्याः' अग्निहोत्रा : स्टडीज इन इंडिक ट्रेडिशंस, (सं.) के.के. चतुर्वेदी, आर.के. शर्मा और गौतम पटेल, शारदा पब्लिशिंग हाउस : पृ. 271–284, नई दिल्ली.
- शशिप्रभा कुमार, 'रूट्स ऑफ चाइनीज बुद्धिस्टिक वैल्यूज इन इंडियन थॉट', इनसाइक्लोपीडिया ऑफ इंडियन विजडम (प्रो. सत्यव्रत शास्त्री फेस्टक्रिफ्ट), (सं.) रामकरण शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, पृ. 211–219, 2004.

- रामनाथ झा, शोध पत्र 'गायत्री मंत्र एवं इसकी सार्वभौमिकता (गायत्री मंत्र ऐंड इट्स यूनिवर्सलिटी)', द तन्त्रस ऐंड देयर इम्पैक्ट ऑन इंडियन लाइफ (सं.) प्रो. पुष्पेन्द्र कुमार, विद्यानिधि प्रकाशन पृ. 211–219, दिल्ली, 2004.
- रजनीश कुमार मिश्र, 'निर्वासना एज सिग्निफिकेशन : आचार्य अभिनव गुप्त'स एक्सपॉजीशन ऑफ अनुत्तर', शब्द : टेक्स्ट्स ऐंड इंटरप्रिटेशन इन इंडियन थॉट (सं.) एस.के. सरीन, आर. संतोष और मकरंद प्रांजपे, मंत्र बुक्स : आई.एस.बी.एन. 81–902304–1, दिल्ली अगस्त 2004.
- रजनीश कुमार मिश्र, की एंट्रीज फॉर इनसाइक्लोपीडिया ऑफ इंडियन पोइटिक्स (सं.) प्रो. कपिल कपूर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली (चल रही है।)
- एस.के. शुक्ल, भारतीय ज्ञान परम्परा : धर्मशास्त्र (चैप्टर–16), इंडियन नॉलेज सिस्टम्स (सं.) कपिल कपूर और ए.के. सिंह, डी.के. प्रिंट वर्ल्ड (प्रा.) लिमि. दिल्ली, 2005.

'kks/k ifj;kstuk,ा

- गिरीश नाथ झा, आनलाइन मल्टिलिंगुअल अमरकोश.
- रजनीश कुमार मिश्र, इंडियन एस्थेटिक्स : द क्लासिक रीडिंग्स (अप्रायोजित)
- एस.के. शुक्ल, मीमांसा लेक्सिकन.
- एस.के. शुक्ल, पाद ऐंड पद इंडेक्स ऑफ श्लोकावर्तिकम.
- रामनाथ झा, टु प्रियेयर ए रीडर इन इंडियन फिलोस्फी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की मुख्य शोध परियोजना।

jk"Vªh;@vUrjk"Vªh; lEesyuksa@cBdksa@dk;Z'kkykvksa esa ifrHkkfxrk

- शशिप्रभा कुमार ने 22 से 24 फरवरी 2005 तक आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित भारत और जर्मनी के बीच वार्ता के दौरान 'शोपनहावर ऑन संस्कृत लिट्रेचर' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिप्रभा कुमार ने 9 से 13 अगस्त 2004 तक 'व्यास', बंगलौर में आयोजित वैदिक साइंस की वर्ल्ड कांग्रेस में 'पर्सोना ऑफ वुमन इन द वेदा'ज' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिप्रभा कुमार ने 22–23 अप्रैल 2004 को वार्सा विश्वविद्यालय, पोलैण्ड द्वारा आयोजित पोलैण्ड इंडोलाजिस्ट के सम्मेलन में आई.सी.सी.आर., भारत सरकार के प्रायोजित प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया तथा 'द नेचर ऑफ ह्यूमन एक्जिसटेंस : 'इंडियन पर्सपेक्टिव' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिप्रभा कुमार ने 11 से 13 मार्च 2005 तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग उच्च शिक्षा विभाग, हरियाणा सरकार, फरीदाबाद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ह्यूमन वैल्यूज एज आब्लीगेशंस टु अदर्स इन इंडियन फिलोस्फी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिप्रभा कुमार ने 4–5 मई 2004 को दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संस्कृत एज ए सोर्स ऑफ इंडियाज कल्चरल कंटीन्युटी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिप्रभा कुमार ने 9–10 अप्रैल 2004 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'वाक्यार्थ विषयक अन्तर विषयक संगोष्टी में 'मीमांसा दर्शन में वाक्यार्थ विचार' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिप्रभा कुमार ने 3–4 अप्रैल 2004 को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली में राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वेदों खिलो धर्मामुलम' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिप्रभा कुमार ने 23 जुलाई 2004 को भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान में 'द कंसेप्ट ऑफ भक्ति इन द भागवत गीता' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- शशिप्रभा कुमार ने 16 फरवरी 2005 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'इकोलॉजीकल रिफलैक्शंस इन अर्ली बुद्धिस्ट लिट्रेचर' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- शशिप्रभा कुमार ने 15 जुलाई 2004 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में संस्कृत इंफॉर्मल लर्निंग सेंटर के उद्घाटन के अवसर पर 'द रिग्निफिकेंस ऑफ संस्कृत' विषयक मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 2 जुलाई 2004 को गुरू पुर्णिमा समारोह आई.जी.एन.सी.ए., नई दिल्ली में 'द सिग्निफिकेंस ऑफ गुरू इन इंडियन थॉट' विषयक मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 17 जून 2004 को केन्द्रीय विद्यालय के संस्कृत शिक्षकों के सेवा प्रशिक्षण शिविर, नई दिल्ली में 'संस्कृत टीचिंग' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- रामनाथ झा ने 12 से 14 अक्टूबर 2004 तक एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा पाठ्यपुस्तकों (कक्षा–10 और 11) की तुरंत समीक्षा हेतु आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- रामनाथ झा ने 11 से 13 फरवरी 2005 तक संस्कृत अध्ययन केन्द्र और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद द्वारा संस्कृत अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. में आयोजित 'वेदा एज वर्ल्ड' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वर्बल टेस्टीमॅनी इन अद्वैत वेदान्त बेस्ड आन प्रस्थानात्रयोसंकराभाष्य' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रामनाथ झा ने 18 से 21 अक्टूबर 2004 तक एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्रिपेयरेशन ऑफ ए सॉर्स बुक ऑफ साइंटीफिक थॉटस इन संस्कृत लिट्रेचर (एनवायरनमेंटल साइंस इन संस्कृत)' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रामनाथ झा ने 13 से 17 दिसम्बर 2005 तक एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा संस्कृत शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण सामग्री तैयार करने हेतु आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- रामनाथ झा ने 10 से 14 जनवरी 2005 तक एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्रिपेयरेशन ऑफ विद्यार्थी संस्कृत साहित्य सन्दर्भ कोश (संस्कृत डिक्शनरी) विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रामनाथ झा ने 14 से 16 फरवरी, 2005 तक एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'टीचिंग ऑफ संस्कृत थ्रू संस्कृत' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- रामनाथ झा ने 21 से 24 मार्च 2005 तक एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्रिपेयरेशन ऑफ ए सॉर्स बुक ऑफ साइंटीफिक थॉट्स इन संस्कृत लिट्रेचर (आर्कीटेक्चरल साइंस इन संस्कृत)' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रामनाथ झा ने 31 मार्च से 4 अप्रैल 2005 तक एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्रिपेयरेशन ऑफ विद्यार्थी संस्कृत साहित्य संदर्भ कोश' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- गिरीशनाथ झा ने 31 मार्च और 1 अप्रैल 2005 को ज.ने.वि. नई दिल्ली में आयोजित 'हिंदी सपोर्ट ऐंड कंपेटीबिलिटी फॉर कंप्यूटर्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'देवनागरी आन कंप्यूटर : प्राब्लम्स ऐंड करंट स्टेटस', शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरीशनाथ झा, 8–9 मार्च 2005 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित 'रशियन लैंग्वेज, लिट्रेचर ऐंड कलचर टुडे ऐंड टुमारों' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एनुरा असामीदिनोवा द्वारा प्रस्तुत 'प्राब्लम्स ऑफ रशियन–इंग्लिश मशीन ट्रांसलेशन डाइवर्जेंसीज : प्रपोज्ड साल्यूशन' विषयक आलेख के सह–लेखक थे।
- गिरीशनाथ झा (सुधीर मिश्र के साथ) का 19 से 21 नवम्बर, 2004 तक स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क में आयोजित 'XXIVवें साउथ एशियन लैंग्वेज अनालिसिस' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में 'काराका अनालाइजर फॉर संस्कृत' विषयक आलेख प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया गया।

- गिरीशनाथ झा ने फरवरी 2005 में भा.प्रौ.सं., खड़गपुर में आयोजित 'इंडियन लैंग्वेजिज मार्फोलॉजी, फोनोलॉजी ऐंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आइडेंटीफाइंग वर्ब इनफ्लेक्शंस इन संस्कृत मॉर्फोलॉजी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरीशनाथ झा ने नवम्बर 2004 में नई दिल्ली में आयोजित 'स्पीच ऐंड लैग्वेज टेकनोलॉजी' विषयक अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन में 'अष्टाध्यायी आनलाइन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरीशनाथ झा ने नवम्बर 2004 में नई दिल्ली में आयोजित 'स्पीच ऐंड लैंग्वेज टेक्नोलॉजी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ए काराका अनालाइजर फॉर संस्कृत' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रजनीश कुमार मिश्र, प्रो. कपिल कपूर, (ज.ने.वि.) और प्रो. ए.के. सिंह (सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात) के साथ मिलकर भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित 'इंडियन नॉलेज सिस्टम' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही का 'इंडियन नॉलेज सिस्टम' नाम से संपादन कर रहे हैं।
- रजनीश कुमार मिश्र ने 24–25 मार्च 2005 को सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट द्वारा स्नातकोत्तर कोर्स (अंग्रेजी) की सामग्री तैयार करने हेतु आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्र ने 23 मार्च, 2005 को ज.ने.वि., नई दिल्ली में आई.सी.पी.आर. द्वारा प्रायोजित 'डिकंसट्रक्शन आइकोन प्रोफेसर जैक्स डेरिडा' विषयक संगोष्ठी में 'फेसेट्स ऑफ डिफरेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.आर. मिश्र ने साउथ ऐंड साउथ–ईस्ट एशियन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ रिलिजन और आई.ए.एच.आर. द्वारा यूनेस्को के तहत आयोजित 'कल्चरल ऐंड रिलिजस मोजैक ऑफ साउथ ऐंड साउथ–ईस्ट एशिया : कंफलिक्ट ऐंड कन्सेन्सस थ्रू द एजिज' विषयक क्षेत्रीय सम्मेलन में 'शील, समाधि और प्रज्ञा इन बुद्धिस्ट थाट : देयर सिग्निफिकेंस एट मॉडर्न थॉट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.आर. मिश्र ने 18–19 मार्च 2005 को बौद्ध अध्ययन केन्द्र, पाली और बौद्ध अध्ययन विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित 'नो सोल इन बुद्धिज्म' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आरंभिक बुद्ध विचारों में आत्मा की समस्या' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.आर. मिश्र ने 26 से 28 फरवरी 2005 तक बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'पाली लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रिलेशनशिप बिटवीन संस्कृत ऐंड पाली लैंग्वेजिज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. शुक्ल ने 27 नवम्बर 2004 को श्री मिराम्बा इंटीग्रल एज्यूकेशन सेंटर, चिड़ावा, राजस्थान में आयोजित वैदिक सम्मेलन में भाग लिया।
- एस.के. शुक्ल ने 26–27 फरवरी, 2005 को द संस्कृत सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में आयोजित 'पूर्व मीमांसा' विषयक अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन में भाग लिया।
- एस.के. शुक्ल ने 30 मार्च 2005 को दिल्ली संस्कृत अकादमी में आयोजित संस्कृत सम्मेलन में भाग लिया।
- एस.के. शुक्ल ने 30 मार्च 2005 को संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'काव्य शास्त्र' विषयक अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन में भाग लिया।

f'k{kdk d 0;k[;ku ¼fo'ofo|ky; l cgj½

- कपिल कपूर ने 4 मई 2004 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा प्रायोजित 'साउथ एशिया' विषयक संगोष्ठी में 'साउथ एशियन एस्थेटिक्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कपिल कपूर ने 9 मई 2004 को माँ अमृता आनंदमयी विश्वविद्यापीठ, कोयम्बटूर द्वारा आयोजित 'कल्चरल एज्यूकेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चार्टर ऑफ कल्चरल एज्यूकेशन' शीर्षक व्याख्यान दिया।

- कपिल कपूर ने 29 दिसम्बर 2004 को अंग्रेजी विभाग, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, आनंद में आयोजित 'कल्चरल, आइडेंटिटी ऐंड आइडियोलॉजी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लिटरेरी रिप्रिजेंटेशन' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कपिल कपूर ने 10 जनवरी 2005 को शिक्षण संचालित शिक्षक संस्थान, वाडा, थाणे, मुम्बई में 'नेशनल, आइडेंटिटी, इथनोग्राफी ऐंड लिटरेरी रिप्रिजेंटेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- कपिल कपूर ने 29 जनवरी 2005 को रायबरेली, उ.प्र. में अखिल भारतीय अंग्रेजी शिक्षक सम्मेलन में 'इंग्लिश स्टडीज इन इंडिया पास्ट, प्रिजेंट ऐंड फ्यूचर' विषयक व्याख्यान दिया।
- कपिल कपूर ने 29 मार्च 2005 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'कनटेम्पोरेरि लिंग्विस्टिक थीअरि' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडियन मॉडल ऑफ लैंग्वेज डिस्क्रिप्शन' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 18 मार्च 2005 को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली में शोधार्थियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'रिसर्च मेथडोलॉजी इन संस्कृत' विषयक दो विशेष व्याख्यान दिए।
- शशिप्रभा कुमार ने 16 मार्च 2005 को संस्कृत और भारत–विद्या संस्थान, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र में 'वैशेषिका इन 20 सेंचुरी' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- गिरीशनाथ झा ने फरवरी 2005 में एन.आर.एल.सी., पटियाला में सी.आई.आई.एल., मैसूर द्वारा आयोजित 'आई. जी.टी.' विषयक चौथे कोर्स में 'कंप्यूटेशनल आस्पेक्ट्स ऑफ इंडियन ग्रामेटिकल ट्रेडिशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- रजनीश कुमार मिश्र ने 18 से 20 फरवरी 2005 तक एन.आर.एल.सी., पटियाला में आयोजित 'आई.जी.टी.' विषयक चौथे कोर्स में व्याख्यान दिया।
- एस.के. शुक्ल ने 3 जुलाई 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, हिमाचल 2004 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में 'धर्मशास्त्र परमपरा' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. शुक्ल ने 14 जुलाई 2004 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में 'पूर्व मीमांसा दर्शनम' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. शुक्ल ने 22 जुलाई 2004 को सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, लखनऊ में 'संस्कृत लैंग्वेज टीचिंग टेक्नीक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. शुक्ल ने 25 अगस्त 2004 को चिन्मय मिशन, नई दिल्ली में 'गीता कर्मयोग' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. शुक्ल ने 15–16 नवम्बर 2004 को श्री मिराम्बा इंटीग्रल एज्यूकेशन सेंटर चिढ़ावा, राजस्थान में 'संस्कृत टीचिंग मेथेडोलॉजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. शुक्ल ने 23 दिसम्बर 2004 को प्रेसीडेंसी कॉलेज, चेन्नई में 'मीमांसा शास्त्र परिचय' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. शुक्ल ने 24 दिसम्बर 2004 को माम्बलम संस्कृत विद्यालय, चेन्नई में 'संस्कृत विद्या' विषयक व्याख्यान दिया।

eMyk@lfefr;k dh lnL;rk ¼fo'ofo|ky; ls ckgj½

- एस.के. शुक्ल, संपादक, समकालीन अभिव्यक्ति, दिल्ली; विशेषज्ञ सदस्य (संस्कृत), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली.

vk.kfod fpfdRlk'kkL= fo'k"k dsna

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में स्थापित आणविक चिकित्साशास्त्र का विशेष केंद्र भारत में इस तरह का पहला केंद्र है। मानव रोगों की समझ, रोकथाम और निवारण के लिए जैव–चिकित्साशास्त्र विज्ञान के क्षेत्र में 'आणविक चिकित्साशास्त्र' एक उभरता हुआ नया क्षेत्र है।

इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य आणविक और कौशिकीय जीव विज्ञान के उच्च उपकरणों का अनुप्रयोग करते हुए मानव रोग के अध्ययन क्षेत्र में शिक्षण एवं शोध कार्य को प्रोत्साहन देना है। केंद्र के प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा विशेषकर दो प्रकार के विज्ञानी तैयार करने के लिए बनाई गई है, जो चिकित्साशास्त्र के क्षेत्र में हो रही प्रगति में अपना योगदान कर सकें। पहले तरह के विज्ञानियों में ऐसे चिकित्सक होने चाहिए, जिसके पास आधारभूत नैदानिक उपाधि हो और उन्हें चिकित्साशास्त्र में आणविक स्तर पर प्रयुक्त आधुनिक जीव–विज्ञान की जानकारी हो। दूसरे ग्रुप के विज्ञानियों में आधुनिक जीव–विज्ञानी है, जिन्हें उत्पादों हेतु चिकित्सा संबंधी समस्याओं के निवारण के लिए चिकित्साशास्त्र की पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए ताकि वे अपने उत्पाद और प्रक्रिया को समाज को प्रस्तुत कर सकें।

आयुर्विज्ञान स्नातकों और आधारभूत विज्ञानों के छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र ने आणविक चिकित्सशास्त्र के क्षेत्र में प्री–पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू किए हैं और निम्नलिखित थ्रस्ट एरिया में शिक्षण एवं शोध गतिविधियां चला रहा है।

- मेटाबोलिक डिसार्डर्स (डायबिटीज टाइप–2, कार्डियोवस्कुलर डिसीज, रिप्रोडक्टिव डिसार्डर्स, न्यूक्लियर हारमोन रिसेप्टर्स इन हेल्थ ऐंड डिजीज, पर्किंसंस डिसीज)
- इनफेक्शियस डिसीज (मलेरिया, हेपटाइटिस सी, लीशमैनियासिस, हेलिकोबैक्टर पैथोजेनेसिस, कैंडियासिस)
- डायग्नोस्टिक्स (जैनेटिक प्रोफाइलिंग आफ पैथोजनिक फंगस ऐंड डिवलपमेंट आफ जेनेटक टुल्स टु आइडेंटीफाई पैथोजेनिक आर्गेनिज्म्स)

समीक्षाधीन अवधि के दौरान डॉ. सी.के. मुखोपाध्याय को वेलकम ट्रस्ट, लन्दन द्वारा प्रतिष्ठित सीनियर रिसर्च फलोशिप प्रदान की गई। शोध अनुदान के रूप में उन्हें लगभग 35 मिलियन की अनुदान राशि प्राप्त हुई। पिछले समीक्षाधीन वर्ष में एक अन्य शिक्षक को भी यह पुरस्कार प्राप्त हुआ था। समीक्षाधीन अवधि के दौरान प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 9 मौलिक शोध आलेख प्रकाशित हुए। हमारी चल रही लोकप्रिय व्याख्यानमाला के भाग के रूप में प्रो. हसन मुख्तार, डिपार्टमेंट ऑफ डर्मेटोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कांसिन, यू.एस.ए. ने 23 मार्च, 2005 को 'खाना खजाना एट युअर डिस्पोजल टु रिड्यूस आर इनहांस कैंसर रिस्क' विषयक विज्ञान संबंधी व्याख्यान दिया।

dUæ e: vk, e[; vfrfFk

1. डॉ. निरूपम राय चौधरी, आई.सी.जी.ई.बी., नई दिल्ली, 3 जुलाई 2004 को केन्द्र में आए।
2. डॉ. संदीप सक्सेना, डिपार्टमेंट ऑफ बायोकेमेस्ट्री, यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जीनिया, कार्लोटिसविले, यू.एस.ए., 5 अगस्त 2004 को केन्द्र में आए।
3. प्रो. एस.ए. खान, डायरेक्टर, एन.सी.आई. ट्रेनिंग प्रोग्राम इन कैंसर, डिपार्टमेंट ऑफ सेल बायोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ सिंसीनती कॉलेज ऑफ मेडिसिन, सिंसीनती, ओहियो, यू.एस.ए., 25 अक्टूबर 2004 को केन्द्र में आए।
4. डॉ. मालिनी सेन, डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिन, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, सैन डियागो, यू.एस.ए., 3 दिसम्बर, 2004 को केन्द्र में आए।

Nk=k dh miyfC/k;k

1. वन्दना कुमारी सिंह ने 25 से 28 अक्टूबर 2004 तक आई.सी.ई.बी., ट्रीस्टे, इटली द्वारा आयोजित 'मोलक्यूलर बायोलॉजी ऑफ लीशमैनिया' विषयक एक सैद्धांतिक और प्रायोगिक कोर्स में भाग लिया।

2. डॉ. अपर्णा चन्द्रा, सीधे पी–एच.डी. छात्र, ने अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, ज.ने.वि. में 'एन.आई. फोर एन.आई. ऐंड ए टूथ फोर ए टूथ : रैपिड प्रोटाइपिंग ऐंड थ्री डाइमेंशनल प्रिंटिंग ऑफ आर्गंस फोर ट्रांसप्लांट' विषयक व्याख्यान दिया।

3. सुबोध कुमार ने 25 से 27 नवम्बर 2004 तक आर.जी.सी.बी., त्रिवेन्द्रम में आयोजित 'स्टेरॉयड हॉरमोन रिसेप्टर सुपरफेमिली ऐंड मोलक्यूलर सिग्नलिंग' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंट्रासेल्यूलर ट्रांसपोर्ट ऑफ स्टेरॉयड हारमोन रिसेप्टर्स' शीर्षक पोस्टर प्रस्तुत किया।

4. एन.के. चतुर्वेदी ने 1 से 3 दिसम्बर 2004 तक आयोजित 'जीनोम बायोलॉजी' विषयक 28वें अखिल भारतीय सेल बायोलॉजी सम्मेलन और संगोष्ठी में 'शटलिंग कंपोनेंट्स ऑफ न्यूक्लियर इम्पोर्ट मशीनरी एक्जिट न्यूक्लस वाया एक्सपोर्टिन/सी.आर.एम.–1 इनडिपेंडेंट पाथ वे' शीर्षक पोस्टर प्रस्तुत किया।

5. दिव्येन्दु बनर्जी ने जीवन विज्ञान संस्थान, ज.ने.वि., नई दिल्ली में आयोजित तीसरी 'बायोस्पार्क–2005' में पोस्टर प्रस्तुत किया।

6. जगन्नाथ पाल ने 24–25 फरवरी 2005 को जीवन विज्ञान संस्थान, ज.ने.वि., नई दिल्ली में आयोजित तीसरी 'बायोस्पार्क–2005' में 'डिजाइनिंग ऑफ सेफ रिट्रोवाइरल मेडियाटिड जीन डिलिवरी सिस्टम ब्लनटिंग इट्स ट्यूमेरोजेनिक पोटेंसी', विषयक व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान के लिए उन्हें लगातार दूसरे वर्ष प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

Hkkoh ;kstuk,

अगले पांच वर्षों में केन्द्र का उद्देश्य आयुर्विज्ञान और आधारभूत विज्ञानों के छात्रों को आधुनिक जीव विज्ञान में गहन शोध हेतु प्रशिक्षित करने के लिए आकर्षित करना है। स्ट्रक्चर बेस्ड ड्रग डिजाइन/मोलक्यूलर थेराप्यूटिक्स/जेनेटिक डिसआर्डर्स/आंकोलॉजी/वायरोलॉजी जैसे मोलक्यूलर मेडिसिन के क्षेत्रों पर अधिक शोध कार्य किया जाएगा।

izdk'ku

if=dkvk esa izdkf'kr vkys[k

- जी. कृष्णमूर्ति, आर. विक्रम, एस.बी. सिंह, एन. पटेल, एस. अग्रवाल, th- e[kksik/;k;] एस.के. बासु और ए. मुखोपाध्याय, हिमोग्लोबिन रिसेप्शन इन लीशमैनिया इज ए हेक्सोकाइनेस लोकेटिड इन द फ्लेजेलर पॉकेट, ज. बायोला. कैमे., 3 दिसम्बर, 2004.
- एन. गुप्ता, ए. हक, आर.पी. नारायण, th- e[kksik/;k;] और आर. प्रसाद, इपिडीमियोलॉजी ऐंड मोलक्यूलर टाइपिंग ऑफ कैंडिडा आइसोलेट्स फ्राम बर्न पेशंट्स, माइकोपैथोलाजिया : नवम्बर : 2004, 158 (4) : 397–405.
- डी. बनर्जी, बी. पिल्लई, एन. करणानी, th- e[kksik/;k; और आर. प्रसाद, जीनोम–वाइड एक्सप्रेशन प्रोफाइल ऑफ स्टेरॉयड रिसपांस इन सैक्रोमाइसिज सेरेविसिए, बायोकेम बायोफिजि. रिस. कम्यू. 30 अप्रैल : 2004; 317(2) : 406–13.
- ए.ए. लतीफ, यू. बनर्जी, आर. प्रसाद, ए. बिश्वास, एन. विग, एन. शर्मा, ए. हक, एन. गुप्ता, एन.जैड. बाकर और th- e[kksik/;k;] ससेप्टीबिलिटी पैटर्न ऐंड मोलक्यूलर टाइप ऑफ स्पेसीज–स्पेसिफिक कैंडिडा इनओर्फारिनजील लेशंस ऑफ इंडियन ह्यूमन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस पोजेटिव पेशंट्स. ज. क्लिन. माइक्रोबायो; मार्च 2004, 42(3) : 1260–2

- ए. सेनगुप्ता, बी. बनर्जी, vkj-d- R;kxh और के. दत्ता, गोल्गी लोकेलाइजेशन ऐंड डायनेमिक्स ऑफ हाइएलुरोनान बाइंडिंग प्रोटीन–1 (एच.ए.पी.–1/पी32/सी 1 क्यू.बी.पी.) ड्यूरिंग द सेल साइकिल. सेल रिसर्च 15 : 183–186 (2005)
- एस. कुमार, एन.के. चतुर्वेदी, एम. बिष्ट, एम. कवाता और vkj-d- R;kxh, शटलिंग कंपोनेंट्स ऑफ न्यूक्लियर इम्पोर्ट मशीनरी इनवाल्वड इन न्यूक्लियर ट्रांसलोकेशन ऑफ स्टेरॉयड रिसेप्टर्स, एक्जिट न्यूक्लियस वाया एक्सपोर्टिन–1/सी.आर.एम.–1 इनडिपेंडेंट पाथवे. बायोकिमिका एट बायोफिजिका एक्टा–मोलक्यूलर सेल रिसर्च 1691 : 73–77.
- ए. सेनगुप्ता, के. दत्ता और vkj-d- R;kxh, ट्रनकेटिड वेरिएंट्स ऑफ हाइएलुरोनान बाइंडिंग प्रोटीन–1 (एच. ए.बी.पी.–1) बाइंड हाइएलुरोनान ऐंड इनड्यूस आइडेंटीकल मॉर्फोलॉजीकल अबेरेशंस इन सी.ओ.एस.–1 सेल्स. बायोकेमिकल जर्नन 380 : 837–844.
- , l-d- /kj*, एस. सक्सेना*, डी. युआन*, टी. सेनगा, डी. ताकेदा, एच. राबिंसन, एस. कोर्नब्लथ, के. स्वामीनाथन और ए. दत्ता, ए डिमेराइज्ड कॉइल्ड–कोयल डोमेन ऐंड एन एडज्वाइनिंग पार्ट ऑफ जेमिनिन इंटरएक्ट विद टु साइट्स ऑन सी.डी.टी.–1 फार रेप्लिकेशन इनहिबीशन. मोल. सेल. 15(2) : 245–58 (* सह–प्रथम लेखक) 2004.
- एफ. मार्टिन, टी. लिंडेन, डी.एम. कातशिनस्की, एफ. ओहमे, आई. फ्लेम, lh-d- e[kksik/;k;, के. एकार्ट, जे. ट्रोगर, एस. बार्थ, जी. केमेनिस्ख और आर.एच. वेंगर, कोपर डिपेंडेंट एक्टिवेशन ऑफ हाइपोक्सिया इनड्यूसीबल फैक्टर (एच.आई.एफ.)–1 : इंप्लिकेशंस फॉर सेरुलोप्लाजमिन रेग्यूलेशन, ब्लड, 2005 (प्रेस में)

iLrdk e i dkf'kr v/;k;

- lh-d e[kksik/;k; और एस. बिश्वास, आयरन ऐंड नान एल्कोलिक फैटी लिवर डिसीज (सं.) एस.के. सरीन और ओ.पी. सूद 2004, रैनबेक्शी साइंस फाउंडेशन.

'kks/k ifj;kstuk,

- th-d e[kksik/;k;] बायोकेमिकल अनालिसिस ऑफ द टाइप–4 प्रोटीन सेक्रेशन सिस्टम ऑफ हेलिकोबैक्टर पायलोरी, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, 2003–2006.
- th-d e[kksik/;k;] राजेन्द्र प्रसाद और आशिष दत्ता, मोलक्यूलर आस्पेक्ट्स ऑफ केंडिडासिस, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2004–2007.
- lh-d e[kksik/;k;] ए. स्टडी आन द मोलक्यूलर मैकेनिज्म ऑफ इंसुलिन–इनड्यूस्ट एक्टिवेशन ऑफ हाइपोजिया–इनड्यूसीबल फैक्टर–1, द मास्टर रेग्यूलेटर ऑफ आस्किजन होमियोस्टेसिस, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2003–2006.
- lh-d e[kksik/;k;] ए स्टडी आन द प्लासीबल मोलक्यूलर मैकेनिज्म (सं.) आन हेपेटिक आयरन ओवरलोड इन हाइपरइंसुलिनेमिया, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, 2004–2007.
- vkj-d- R;kxh] रोल ऑफ प्रेगनेनी एक्स रिसेप्टर (पी.एक्स.आर.) इन लंग कैंसर, बंगलौर साइंस फाउंडेशन, 2004–2006.
- vkj-d- R;kxh] इनवेस्टीगेशन इन टु एंड्रोजन–इनडिपेंडेंट एक्टिवेशन ऑफ एंड्रोजन रिसेप्टर इन प्रौस्टेट कैंसर, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, 2003–2004.
- vkj-d- R;kxh] मैकेनिज्म्स ऑफ इनहिबीशन ऑफ ट्रांसक्रिप्शनल एक्टिविटी ऑफ एंड्रोजन रिसेप्टर बाई एंटागोनिस्ट्स/एंडोक्रिन डिस्रपटर्स, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, 2003–2006.

- , l-d- /kj] फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन ऑफ रेप्लिकेशन प्रोटींस ऐंड रेप्लिकेशन आरिजन (ऑरिक) ऑफ हेलिकोबैक्टर पायलोरी, पोटेंशल टारगेट्स फॉर थेरेपि, यूनिवर्सिटी पोटेंशन फार एक्सीलेंस स्कीम, यू.पी.ओ.ई.–जेएनयू 2002–2007.
- , l-d- /kj] फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन ऑफ रेप्लिकेशन आरिजिन (आरिक) ऐंड रेप्लिकेशन प्रोटींस ऑफ हेलिकोबैक्टर पायलोरी, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, 2002–2005.
- , l-d- /kj] फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन ऑफ रेप्लिकेशन इनिशिएशन प्रोटींस ऐंड क्रोमोसोमल डी.एन.ए. रेप्लिकेशन आरिजिन (सं.) ऑफ प्लाजमोडियम फाल्सीपेरम, वेलकम ट्रस्ट, यू.के. 2004–2009.

jk"Vªh;@vUrjk"Vªh; lEesyuksa@cSBdksa@dk;Z'kkykvksa esa izfrHkkfxrk

- , l-d- /kj ने 5 से 8 जून 2004 तक बोस्टन, यू.एस.ए. में आयोजित एफ.ए.एस.ई.बी. की बैठक में भाग लिया।
- lh-d- e[kksik/;k; ने 2004 में द वेलकम ट्रस्ट, लन्दन, यू.के. द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।

f'k{kdksa dk O;k[;ku ¼fo'ofo|ky; ls ckgj½

- lh-d- e[kksik/;k; ने 2004 में द वेलकम ट्रस्ट, लन्दन, यू.के. में; 2004 में ट्रांसक्रिप्शनल असेम्बली इन एन.सी.सी.एस., पुणे में और नेशनल सेंटर फॉर प्लांट जीनोम रिसर्च, नई दिल्ली में व्याख्यान दिए।
- vkj-d- R;kxh ने 25 से 27 नवम्बर 2004 तक आर.जी.सी.बी., त्रिवेन्द्रम में 'स्टेरॉयड हॉरमोन रिसेप्टर सुपरफेमिली ऐंड मोलक्यूलर सिग्नलिंग' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- , l-d- /kj ने 15 जुलाई 2004 को हारवर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, बोस्टन, यू.एस.ए. में 'कंजर्वड रेप्लिकेशन इनिशिएटर प्रोटींस' विषयक व्याख्यान दिया।

iqjLdkj@lEeku@v/;srkofÙk;k

- lh-d- e[kksik/;k; को द वेलकम ट्रस्ट, लन्दन, यू.के. से इंटरनेशनल सीनियर रिसर्च फेलोशिप प्राप्त हुई।
- , l-d- ljhu] अध्यक्ष, गेस्ट्रोएन्ट्रोलॉजी विभाग, जी.बी. पंत हॉस्पीटल, जो केन्द्र के अनुबद्ध शिक्षक भी हैं, को मेडिकल साइंस के लिए थर्ड वल्र्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

eMyksa@lfefr;ksa dh lnL;rk ¼fo'ofo|ky; ls ckgj½

- vkj-d- R;kxh] सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ सेल बायोलॉजी (रजि.); सदस्य, तकनीकी समिति, एन.सी.पी.जी.आर., नई दिल्ली, 2004–2005.
- , l-d- /kj] सदस्य, शोध सलाहकार समिति, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; सदस्य, इंटरनेशनल रिव्युवर्स बोर्ड : मेडिकल साइंस मॉनीटर (इंटरनेशनल पीअर रिव्यूड जर्नल)

vdknfed LVkQ dkyst

अकादमिक स्टाफ कालेज की स्थापना वर्ष 1989 में हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय और कॉलेज–शिक्षकों को उनके सम्पूर्ण बौद्धिक विकास के अतिरिक्त विषयात्मक वाद–विवाद और भाषण की कला से परिचित कराना है। इससे उन्हें विषयात्मक बिंदुओं तथा समसामयिक समस्याओं पर विचार करने और उनको प्रतिबिम्बित करने की क्षमता अर्जित करने की प्रेरणा भी मिलती है।

कॉलेज विभिन्न विषयों में पुनश्चर्या कोर्स और अनुशीलन कोर्स आयोजित करता है। इन कोर्सों का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को उन सामाजिक और ऐतिहासिक संदर्भों वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी देना है, जिनका आज की भारतीय उच्च शिक्षा सामना कर रही है। प्रतिभागियों को अच्छे शिक्षक बनाने हेतु उनकी दक्षता को बढ़ाया जाता है। बहु–विषयक दृष्टिकोण तथा शिक्षा शास्त्रियों और भारतीय समाज के बीच के संबंधों को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया जाता है।

पुनश्चर्या कोर्सों का आयोजन उन शिक्षकों के लिए होता है, जिन्होंने कम से कम 2 वर्ष का शिक्षण अनुभव प्राप्त कर लिया है अथवा जो अनुशीलन कोर्स कर चुके हैं और अच्छे शिक्षण तथा शोध हेतु अपने ज्ञान को अद्यतन करना चाहते हैं। कॉलेज निम्नलिखित विषयों में पुनश्चर्या कोर्स आयोजित करता है : राजनीति विज्ञान, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, अर्थशास्त्र, इतिहास, कंप्यूटर विज्ञान, समाजशास्त्र, जीवन–विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, भौतिक विज्ञान और जैव–प्रौद्योगिकी।

सभी कोर्सों के प्रतिभागियों को कंप्यूटर और इंटरनेट के प्रयोग के बारे में जानकारी दी जाती है।

कॉलेज ने 2004–2005 के दौरान 9 पुनश्चर्या कोर्सों और 3 अनुशीलन कोर्सों का आयोजन किया तथा इसमें भाग लेने के लिए प्रतिभागी देश भर के सभी स्थानों से बुलाए गए। कोर्सों का विवरण निम्न प्रकार से है :

vuq'khyu dkslZ

Ø-l-	dkslZ dk uke o fnukad	dqy izfrHkkxh	iq#"k	efgyk	v-tk-@v-t-tk-@v-fi-o-
1.	48वां अनुशीलन कोर्स (सूचना प्रौद्योगिकी) 19 जुलाई–13 अगस्त 2004	50	27	23	2/22/6
2.	49वां अनुशीलन कोर्स (सामान्य) 18 अक्टूबर – 11 नवम्बर 2004	64	34	30	3/28/8
3.	50वाँ अनुशीलन कोर्स (सूचना प्रौद्योगिकी) 22 नवम्बर – 17 दिसम्बर 2004	47	26	21	1/27/5

पुनश्चर्या कोर्स

क्र.सं.	कोर्स का नाम व दिनांक	कुल प्रतिभागी	पुरुष	महिला	अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व.
1.	31वाँ पुनश्चर्या कोर्स (अर्थशास्त्र) 16 अगस्त – 10 सितम्बर 2004	37	27	10	2/1/4
2.	20वाँ पुनश्चर्या कोर्स (इतिहास) 20 सितम्बर – 15 अक्टूबर 2004	42	30	12	3/3/9
3.	31वाँ पुनश्चर्या कोर्स (राजनीति विज्ञान) 18 अक्टूबर – 11 नवम्बर, 2004	40	28	12	3/5/6
4.	26वाँ पुनश्चर्या कोर्स (समाजशास्त्र) 22 नवम्बर – 17 दिसम्बर, 2004	44	30	14	6/3/6
5.	32वाँ पुनश्चर्या कोर्स (अर्थशास्त्र) 27 दिसम्बर – 21 जनवरी, 2005	28	20	8	5/1/8
6.	10वाँ पुनश्चर्या कोर्स (जीवन–विज्ञान) 27 दिसम्बर – 21 जनवरी, 2005	40	22	18	1/0/6
7.	23वाँ पुनश्चर्या कोर्स (इतिहास) 24 जनवरी – 18 फरवरी, 2005	41	24	17	3/6/7
8.	32वाँ पुनश्चर्या कोर्स (राजनीति विज्ञान) 21 फरवरी – 18 मार्च, 2005	51	38	13	0/8/5
9.	10वाँ पुनश्चर्या कोर्स (पर्यावरण विज्ञान) 21 फरवरी – 18 मार्च, 2005	40	20	20	1/9/1

अकादमिक स्टाफ कालेज द्वारा आयोजित कोर्सों के लिए वरिष्ठ शिक्षक कोर्स समन्वयक के रूप में कार्य करते हैं। कोर्सों में व्याख्यान देने वाले अधिकतर विशेषज्ञ जेएनयू से होते हैं, यद्यपि दिल्ली और दिल्ली के आस–पास के संस्थानों और संगठनों विशेष कर जेएनयू में स्थित संस्थानों, के विशेषज्ञों को भी कार्यक्रमों में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

विश्वविद्यालय अनुदान के नियमों के अनुसार कॉलेज की एक सलाहकार समिति है। विश्वविद्यालय के कुलपति इसके अध्यक्ष और कॉलेज के निदेशक इसके सदस्य सचिव हैं।

कालेज में एक वेब पेज भी बनाया गया है जो – http//members.tripod.com/ascjnu – है।

Nk= xfrfof/k;k

I- Nk=k dh l[;k

विश्वविद्यालय में वर्ष 2004–2005 के दौरान दाखिल और 1.9.2004 को पंजीकृत छात्रों की संख्या निम्न प्रकार से थी –

शैक्षिक वर्ष 2004–2005 के दौरान दाखिल छात्रों की संख्या का विवरण :

d- ,e-fQy-@ih&,p-Mh-] ,e-Vd-@ih&,p-Mh-] ,e-lh-,p-@lh/k ih&,p-Mh-

lLFkku@dUn	lkekU;	v-tk-	v-t-tk-	'kkjh- :i ls fod-	dy
अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	97	17	17	02	133
सामाजिक विज्ञान संस्थान	141	37	11	07	196
भाषा, साहित्य और संस्कृति					
अध्ययन संस्थान	97	11	04	02	114
जीवन विज्ञान संस्थान	12	03	02	01	18
कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	19	04	–	–	23
पर्यावरण विज्ञान संस्थान	11	03	–	01	15
भौतिक विज्ञान संस्थान	06	01	–	–	07
सूचना–प्रौद्योगिकी संस्थान	13	–	01	–	14
जैव–प्रौद्योगिकी केंद्र	02	01	–	–	03
आणविक चिकित्साशास्त्र केन्द्र	03	–	–	–	03
संस्कृत अध्ययन केन्द्र	07	02	–	–	09
विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र	13	03	03	01	20
dy	421	82	38	14	555

[k- ,e-,-@,e-,l&lh-@,e-lh-,-

lLFkku@dsUnz	lkekU;	v-tk-	v-t-tk-	'kkjh- :i ls fod-	dqy
अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	60	11	09	02	82
सामाजिक विज्ञान संस्थान	175	48	31	11	265
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	87	07	07	01	102
जीवन विज्ञान संस्थान	12	03	01	01	17
कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	21	05	01	01	28
पर्यावरण विज्ञान संस्थान	14	01	01	01	17
भौतिक विज्ञान संस्थान	07	02	01	01	11
कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान	12	05	02	–	19
संस्कृत अध्ययन केन्द्र	16	04	05	01	26
क|y	404	86	58	19	567

x- ch-,- ¼vkulZ½

lLFkku@dsUnz	lkekU;	v-tk-	v-t-tk-	'kkjh- :i ls fod-	dqy
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	186	43	16	06	251

?k- o"k 2004&2005 e i.kdkfyd v/;;u ikB;Øek e v/;;ujr fon'kh Nk=k dk n'k&okj fooj.k &

1	बंगला देश	02	14	फिलिस्तीन	01
2	भूटान	01	15	पुर्तगाल	01
3	चीन	05	16	स्लोवाकिया	01
4	जर्मनी	02	17	दक्षिण कोरिया	11
5	इंडोनेशिय	02	18	स्पेन	01
6	ईरान	07	19	श्रीलंका	09
7	जापान	06	20	थाई लैण्ड	05
8	जोर्डन	01	21	यू.एस.ए.	04
9	कजाकिस्तान	02	22	उजबेकिस्तान	04
10	मंगोलिया	01	23	वियतनाम	05
11	मोजाम्बिक	01	24	यमन	04
12	नेपाल	11	25	जाम्बिया	01
13	नाइजीरिया	01	dqy	¾	89*

*	– एब्सेंशिया श्रेणी में	:	75
	– प्रवेश परीक्षा के माध्यम से	:	12
	– सीधे पी–एच.डी. (मौखिकी के माध्यम से)	:	02
			89

p- v'kdkfyd ikB;Øe ¼Hkk"kk] lkfgR; vkj lLÑfr v/;;u lLFkku½

ikB;Øe	lkekU;	v-tk-	v-t-tk-	'kkjh-:ils fod-	dqy
प्रवीणता प्रमाण–पत्र	165	19	01	03	188
प्रवीणता डिप्लोमा	39	03	02	–	44
उच्च प्रवीणता डिप्लोमा	31	01	–	–	32
dqy	235	23	03	03	264

?k- Nk=ksa dh dqy la[;k ,d utj esa ¼1-9-2004 dks vuqlkj½

v/;;u ikB~;Øe	lkekU;	v-t k-	v-t-t k-	'kkjh- :i ls fod-	dqy
,efQy-@ih&,pMh] ,eVsd-@ih&,pMh] ,e-lh-,p-@lh/ks ih&,p-Mh-@ih-th-	2146	362	178	158	2844
,e-,-@,e-,l&lh-@,e-lh-,-	1029	178	123	120	1450
ch-,-	453	76	36	31	596
va'kdkfyd ¼Hkk-lk-l-v-l-½	235	20	03	03	261
dqy	**3863**	**636**	**340**	**312**	**5151**

vkoklh; gky

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय के 13 छात्रावासों तथा एक विवाहित शोध छात्रावास में छात्रों की संख्या 4324 थी। इनमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, शारीरिक रूप से विकलांग और विदेशी छात्र भी शामिल हैं। छात्रावासों में रह रहे छात्र विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् द्वारा अनुमोदित छात्रावास नियमावली में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार छात्रावासों और मेसों के प्रबंधन कार्यों में भाग लेते रहे।

छात्रावास–वार छात्रों की संख्या और समीक्षाधीन अवधि के दौरान छात्रावास पाने वाले छात्रों की संख्या निम्न प्रकार से थी :

Nk=kokl dk uke	lhVksa dh la[;k	1-4-2004 ls 31-3-2005 dks nkSjku Nk=kokl ikus okys Nk=ksa dh la[;k
कावेरी	308	105
पेरियार	303	086
सतलज	294	084
झेलम	284	063
नर्मदा	202	086
गंगा	303	205
गोदावरी	320	127
साबरमती (छात्र)	126	024
साबरमती (छात्राएं)	138	054
ताप्ती (छात्राएं)	167	049
ताप्ती (छात्र)	200	062
ब्रह्मपुत्र	384	047
माही	170	039
मांडवी	170	047
यमुना*	191	122
लोहित	360	167
चन्द्रभागा (छात्र)	204	195
चन्द्रभागा (छात्राएं)	200	126
dqy ;ksx	4324	1688

* कामकाजी महिला छात्रावास

Nk= lgk;rk fuf/k

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान छात्र सहायता निधि में से जरूरतमंद छात्रों में 75,220/— रूपये की राशि वितरित की गई।

[kydn dk;ky;

,FkyfVd Dyc

एथलेटिक क्लब ने अपनी महत्वपूर्ण गतिविधियां दिसम्बर 2004 से शुरू कीं।

- एथलेटिक क्लब की संयोजक सुश्री कमला कुमारी के नेतृत्व में सूरजकुंड – बड़कल झील और तुगलकाबाद फोर्ट होकर गार्डन ऑफ फाइल सेंसिज की साइकिल यात्रा 5 दिसम्बर 2004 को आयोजित की गई। यह क्लब का पहला कार्यक्रम था। इस 54 किलोमीटर लम्बी यात्रा में 9 छात्राओं सहित 27 छात्रों के ग्रुप ने भाग लिया। ग्रुप में शामिल छात्र–छात्राएं वहां की प्राकृतिक सुन्दरता को देखकर चकित रह गए और जो उन्होंने देखा उस पर गर्व महसूस कर रहे थे। ग्रुप के अधिकतर लोग भविष्य में इस प्रकार की यात्राओं के पक्ष में थे।
- क्लब ने 18 जनवरी 2005 को डॉ. श्रीनाथ कैप्रिहान, खेल–कूद चिकित्सा विशेषज्ञ के 'फर्स्ट एड ऐंड मैनेजमेंट ऑफ स्पोर्ट्स इंजरीज' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया। विभिन्न खेलों से संबंधित लगभग 25 छात्रों ने इसमें भाग लिया।
- 19 जनवरी 2005 को परिसर में लघु दौड़ का आयोजन किया गया। इसमें 16 छात्रों ने भाग लिया।
- 2 फरवरी 2005 को एक साइकिल रेस आयोजित की गई। इसमें 25 छात्र प्रतिभागी थे।
- 5 दिसम्बर 2004 को आयोजित फोटो प्रतियोगिता का परिणाम 7 फरवरी 2005 को घोषित किया गया।
- 30 जनवरी 2005 को परिसर में 20 अनोखी प्राकृतिक गुफाओं को खोजने के लिए 'प्राकृतिक यात्रा' आयोजित की गई। 250 से अधिक प्रतिभागियों ने इन गुफाओं को देखा जिनके बारे में अभी तक इन्होंने केवल सुना था तथा इन्होंने इनसे भरपूर आनंद प्राप्त किया। यह कार्यक्रम लगभग 4–5 घंटे चला।
- 15 से 18 फरवरी 2005 तक आयोजित हुई 31वीं वार्षिक एथलेटिक मीट एक विशाल प्रतियोगिता थी। इसके लिए छात्रों को तैयार करने के लिए एक सप्ताह का एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिलाओं के लिए 8 और पुरुषों के लिए 13 प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त इस प्रतियोगिता में दो अन्तर–संस्थान टोली थी। यद्यपि, महिलाओं की प्रतिभागिता संभावना से कम थी। सभी पुरुष प्रतियोगिताओं में कड़ा मुकाबला था। प्रत्येक प्रतियोगिता में 25 से 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 5000 मीटर की दौड़ में, 34 में से 25 प्रतिभागियों ने 5000 मीटर की दौड़ पूरी की, जो कि वास्तव में प्रोत्साहित करने वाली थी। ज.ने.वि. पर्वतारोही क्लब की तरह एथलेटिक क्लब ने भी अपनी टी–शर्ट तैयार करवाई जोकि प्रतियोगिता के समय नाम मात्र की लागत पर बिक्री के लिए उपलब्ध थी।

cSMfeaVu Dyc

बैडमिंटन क्लब का नियमित अभ्यास वर्ष भर जारी रहा। इसमें लाइट की नई व्यवस्था काफी फायदेमंद साबित हुई। क्लब ने अन्तर–जोनल, अन्तर–छात्रावास, अन्तर–संस्थान प्रतियोगिताएं और ज.ने.वि. चैम्पियनशिप आयोजित कीं। ये प्रतियोगिताएं मानसून और शीतकालीन दोनों सत्रों में आयोजित हुई। क्लब ने सितम्बर–अक्टूबर 2004 में फैजाबाद में आयोजित उत्तरी क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय बैडमिंटन प्रतियोगिता में भी अपनी पुरुष और महिला टीमों को भेजा, जहाँ उनका कड़ा मुकाबला हुआ। फिर भी, यह उनके सीखने के लिए अच्छा अनुभव रहा। कामरान अहमद के संयोजकत्व में टीम ने कुछ स्थानीय प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया और आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा आयोजित 'स्पोर्टटेक' में रजत पदक तथा एल.एस.आर. कॉलेज द्वारा आयोजित खेल–कूद प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया।

fØdV Dyc

कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान के छात्र और क्लब के संयोजक रमेन्द्र कुमार ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान क्रिकेट गतिविधियाँ आयोजित करने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। उन्होंने मानसून सत्र में अन्तर–जोनल प्रतियोगिता से शुरुआत की। इसके बाद छात्र और छात्राओं की अन्तर–छात्रावास प्रतियोगिताएं तथा अन्तर संस्थान चैम्पियनशिप आयोजित की गई। विधि और अधिशासन अध्ययन केन्द्र के अलावा सभी संस्थानों और केन्द्रों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, केन्द्रों, छात्रावासों, संस्थानों और अन्य संस्थानों के बीच 35–40 से अधिक फ्रेंडली मैच खेले गए। शिक्षकों के लिए भी 26 जनवरी, 2005 को विज्ञान वर्सेज कला वार्षिक क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की गई।

QVcky Dyc

फुटबाद क्लब को 22 और 24 सितम्बर 2004 को राष्ट्रीय कप्तान श्री चाइचुंग भूटिया के नेतृत्व वाली टीम के लिए दो अभ्यास मैच आयोजित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इनमें खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। क्लब ने अन्तर–छात्रावास और अन्तर–संस्थान प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त कई अन्य फ्रेंडली मैचों का भी आयोजन किया। जलील और डेविड ने कुशलतापूर्वक क्लब की गतिविधियों का आयोजन किया।

Vfu l Dyc

जनवरी माह में कोर्ट के नवीकरण से क्लब ने अपनी गतिविधियां बढ़ाई। डेढ माह के कठिन अभ्यास के बाद मैच आयोजित किए गए। सीखने वालों को उत्साहित किया गया और सभी खिलाड़ियों को खेलने का मौका देने के लिए उन्हें उनकी दक्षता के आधार पर दो समूहों में बांटा गया। लीग पद्धति से प्रत्येक खिलाड़ी को अपनी दक्षता को जाँचने का मौका मिला। एन्ड्रू ने क्लब की गतिविधियों में गहरी रुचि ली और खिलाड़ियों को प्रेरित किया।

oV vkj ikojfyf¶Vx

क्लब योग्य प्रशिक्षक श्री आर.सी. जोशी के मार्गदर्शन में नए तथा पुराने छात्रों और स्टाफ सदस्यों को प्रशिक्षण देने में सक्रिय रहा। वेट लिफ्टिंग, पावर लिफ्टिंग, बेंच प्रेस और बॉडी ~~बिल्डिंग~~ की वार्षिक प्रतियोगिताएं फरवरी और मार्च में आयोजित हुईं। सभी श्रेणियों में प्रतिभागिता अच्छी रही। इस क्षेत्र में ~~अनुभवी~~ श्री जोशी को कुछ व्यक्तिगत सम्मान प्राप्त हुए। इन्होंने एशियन मास्टर्स बेंच प्रेस के साथ–साथ दिल्ली स्टेट पावर लिफ्टिंग में स्वर्ण पदक तथा मास्टर्स पॉवर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता। हाफिज खुर्रम समर्पित लिफ्टर होने के अतिरिक्त उन्होंने संयोजक की हैसियत से छात्रों को प्रेरित किया।

rkbdokaMk Dyc

क्लब के बहुत ही उत्साही संयोजक विमल कांत ने वर्ष के दौरान अपनी गतिविधियों को बढ़ाया। प्रशिक्षक दौलत सिंह बिस्ट (4 डान ब्लेक बेल्ट) के योग्य मार्ग–दर्शन में क्लब ने निम्नलिखित गतिविधिसयां आयोजित कीं :

- 17–18 मई 2004 को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित दिल्ली राज्य ताइकवांडो चैम्पियनशिप में 13 छात्रों के बैच को भेजा।
- इसने 20 जुलाई 2004 को छात्र गतिविधि केन्द्र में कलर बेल्ट टेस्ट का आयोजन किया। इसमें 28 छात्रों ने भाग लिया।
- इसने 10 अगस्त 2004 को छात्र गतिविधि केन्द्र में 'पूमसे प्रतियोगिता' आयोजित की। इसमें 18 छात्रों ने भाग लिया।
- इसने 9 अक्टूबर 2004 को हंगुल दिवस के अवसर पर कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान में एक प्रदर्शन का आयोजन किया। इसमें 12 छात्रों ने अपनी दक्षता का प्रदर्शन किया।

- 5 नवम्बर 2004 को एक अन्य कलर बेल्ट टेस्ट का आयोजन किया गया। इसमें 39 छात्रों ने भाग लिया। अगली बेल्ट टेस्ट परीक्षा 23 जनवरी 2005 को थी। इसमें 34 छात्रों ने भाग लिया।
- सामरिक कला से छात्रों को परिचित कराने के लिए इसने 5–6 फरवरी 2005 को एक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें 64 छात्रों ने भाग लिया।

io'rkjksg.k vkSj in;k=k Dyc

- 22 मई से 28 मई 2004 तक गढ़वाल, उत्तरांचल की ग्रीष्म पदयात्रा।
- 21 अगस्त 2004 को इंडिया गेट के लिए साइकिल यात्रा।
- 9 सितम्बर 2004 को फोटो प्रदर्शनी व विचार–विमर्श सत्र का आयोजन।
- माउंट एवरेस्ट बेस कैम्प/काला पठार, नेपाल की 25 दिवसीय शरतकालीन पदयात्रा।
- 27 नवम्बर 2004 और 24 मार्च 2005 को चाँदनी रात में पदयात्रा की। इसमें क्रमशः लगभग 250 और 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संजय वन औन पृथ्वीराज चौहान के मध्यकालीन किले से होकर कुतुबमीनार की द्वितीय पदयात्रा।
- 10 से 13 दिसम्बर 2004 तक धौज में आधारभूत पर्वतारोहण कोर्स।
- 23 से 31 जनवरी 2005 तक थार रेगिस्तान, राजस्थान की रेगिस्तान पदयात्रा।
- 4 से 7 मार्च 2005 तक शिवपुरी, ऋषिकेश में वाइट वाटर राफ्टिंग का आयोजन।
- 10 मार्च 2005 को दिल्ली फायर सर्विसेज और ज.ने.वि. सुरक्षा शाखा के सहयोग से 'फायर सेफ्टी ड्रिल' का आयोजन किया।

okyhcky Dyc

क्लब ने वर्ष भर अपनी गतिविधियां जारी रखीं। अन्तर–छात्रावास और अन्तर–संस्थान गतिविधियों के अतिरिक्त इसने अन्य संस्थानों के साथ कुछ फ्रेंडली मैचों का भी आयोजन किया।

;ksx Dyc

क्लब में 750 से अधिक सदस्य हैं। क्लब की सुबह और शाम की कक्षाएं बहुत लोकप्रिय रही हैं। सप्ताह में एक दिन शुद्धिकरण पद्धति और ध्यान नियमित योग कक्षाओं का एक भाग है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गईं :

- 26 से 28 अप्रैल 2004 तक 'प्राणायाम' पर एक तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 38 छात्रों ने भाग लिया।
- 15 मई से 30 जून 2004 तक योग शिक्षा में 5वें वार्षिक 6 सप्ताह के प्रमाण–पत्र कोर्स का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय में समन्वयक डॉ. एस. चन्द्रशेखरन द्वारा प्रमाण–पत्र वितरित किए गए।
- 21 अगस्त 2004 को वार्षिक योग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें पुरुष और महिला दोनों की चार श्रेणियों के अन्तर्गत 42 प्रतिभागी थे।
- 28 से 30 सितम्बर 2004 तक एक अन्य 'प्राणायाम शिविर' का आयोजन किया गया। इसमें 61 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 27 से 29 अक्टूबर 2004 तक 'ध्यान' पर एक तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- 29 नवम्बर से 1 दिसम्बर 2004 तक गर्दन और पीठ दर्द के निवारण के लिए एक तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 20 छात्रों ने भाग लिया।
- 24 जनवरी से 28 जनवरी 2005 तक कामकाजी महिलाओं के लिए एक 5 दिसवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 7 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 26–27 फरवरी 2005 को सौन्दर्यता (मुख्यतः चेहरे की मांस पेशियों और नाक–नक्शों की देखरेख) पर एक विशेष कैम्प का आयोजन किया गया। इसमें 38 सदस्यों ने भाग लिया।
- 22 से 24 मार्च 2005 तक एक तीन दिवसीय शिविर में 'विश्राम की योग कला' का अभ्यास कराया गया और इसके बारे में जानकारी दी गई। इसमें 49 छात्रों ने भाग लिया।

ikRlkgu vkj ijLdkj ;ktuk

यह योजना खेलों में सर्वोत्तम छात्रों के लिए पहले वर्ष 1989 में शुरू की गई थी। इस योजना को अब आकर्षक बनाया गया है। पर्वतारोहण और पदयात्रा जो मूलतः इस योजना के भाग नहीं थे, को अब इसमें शामिल किया गया है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान खेल–कूद कार्यालय ने छात्रावासों को अपनी जिम की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए अनुदान दिया।

fo'ofo|ky; LokLF; dUæ

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र अगस्त 2005 में अपनी समर्पित सेवा के 32 वर्ष पूरे करेगा। यद्यपि, इसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य परिसर में रहने वाले छात्रों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं मुहैया कराना था, लेकिन शीघ्र ही यह परिसर के अन्य छात्रों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को भी पूरा करने लगा।

स्वास्थ्य संबंधी देख–रेख के अतिरिक्त, स्वास्थ्य केन्द्र का मुख्य उद्देश्य बीमारियों की रोकथाम विशेषकर पानी से उत्पन्न बीमारियों की रोकथाम करना रहा है। स्वास्थ्य केन्द्र में विशेषज्ञ सलाहकारों द्वारा एच.आई.वी./एड्स और मानसिक रोगों के बारे में सलाह, सामान्य जानकारी तथा शिक्षा उपलब्ध कराई जाती है। स्वास्थ्य केन्द्र ने दिल्ली सरकार द्वारा चलाए गए पल्स पोलियो कार्यक्रम में भाग लिया, इसके तहत 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा की खुराक पिलाई गई।

स्वास्थ्य केन्द्र के बाह्य रोगी विभाग में चिकित्सा सेवाएं पूर्णकालिक और अंश–कालिक चिकित्सा अधिकारियों, पैरामेडिकल और अन्य सहयोगी स्टाफ द्वारा प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध कराई जाती है। अंश–कालिक चिकित्सा अधिकारी, पैरामेडिकल और एक परिचर द्वारा शाम 4.00 बजे से 9.00 बजे तक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। स्वास्थ्य सेवाएं राजपत्रित अवकाशों में भी सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध कराई जाती हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र में 43,383 रोगी आए।

विश्वविद्यालय के छात्रों को अधिकतर दवाइयाँ एलोपैथिक और होमियोपैथिक फार्मेसी द्वारा उपलब्ध कराई गईं।

मलेरिया विभाग मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशन में कार्य करता है। यह समय–समय पर लारवा नियन्त्रण के उपाय, तालाबों, ओवरहेड टैंकों आदि की सफाई का कार्य करता है तथा कीटनाशी दवाओं का छिड़काव करता है। इसके अतिरिक्त, मच्छरों से उत्पन्न होने वाली बीमारियों से लोगों को जागरूक करने के लिए परिसर में पेम्फलेट वितरित किए जाते हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान 98 सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने चिकित्सा सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु अपना पंजीकरण करवाया। वर्ष 1994 से 446 सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने स्वास्थ्य केन्द्र में अपना पंजीकरण कराया है। छात्रों को सभी चिकित्सा संबंधी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। छात्र रोगियों के अलावा अन्य रोगियों को भी परामर्श निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है।

स्वास्थ्य केन्द्र में 'एस.पी.वाई.एम. कार्य कर रहा है। इसने 117 रोगियों को 'एड्स' के बारे में जानकारी दीं सार्थक ने मानसिक रोग से ग्रस्त 276 लोगों को सामान्य परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराईं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र ने 1,70,650/– रु. की राशि प्राप्त की।

lkLÑfrd xfrfof/k;k

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सांस्कृतिक गतिविधि समिति ने कई गतिविधियां आयोजित कीं :

- यू.डी.एस.एफ. ने 11 से 14 अप्रैल 2004 तक परिसर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया।
- जुलाई 2004 में जर्मन छात्रों द्वारा प्रो. मधु साहनी के मार्गदर्शन में एक नाटक के मंचन के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई।
- बहरूप आर्ट ग्रुप द्वारा 4 सितम्बर 2004 को 'भोपाल क्यों' विषयक नाटक का आयोजन किया गया।
- बहरूप आर्ट ग्रुप द्वारा मार्च 2005 में एक अन्य नाटक का आयोजन किया गया।
- मलयालम समिति ने 4 सितम्बर 2004 को 'ओणम त्योहार' का आयोजन किया।
- एस.एफ.एच. द्वारा 25 सितम्बर 2004 को 'मधुरिमा' विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- श्री पी.के. रे, संयोजक, फिल्म क्लब ने सितम्बर 2004 में सत्यजीत रे, राज कपूर, गुरु दत्ता और चार्ली चैपलीन की फिल्मों की दो दिवसीय स्क्रिनिंग आयोजित की।
- श्री संजय कुमार, संयोजक, नाट्य क्लब ने अक्टूबर 2004 में राष्ट्रीय नाट्य संस्थान द्वारा एक नाटक का आयोजन करवाया।
- अक्टूबर 2004 में ज.ने.वि. 'इप्टा' ग्रुप द्वारा भी एक नाटक का आयोजन किया गया।
- एस.एफ.एच. द्वारा नवम्बर 2004 में 'अन्तर्राष्ट्रीय खाद्य समारोह' का आयोजन किया गया।
- दिसम्बर 2004 में 'एल.यू.एम.बी.' के छात्र भारत में आए। वाद–विवाद क्लब के संयोजक मनीजाह इमाम को इनका परिचय कराया गया।
- भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के छात्रों द्वारा 'कलोल 2004' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- डॉ. एच.एस. प्रभाकर, समन्वयक, रा.से.यो. के साथ ज.ने.वि. के छात्र 'एन.आई.सी.', 'एन.एस.एस.' में भाग लेने के लिए लखनऊ गए।
- 'एस.एफ.एच.' ने जनवरी 2005 में लोकनृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया।
- ड्रामा क्लब के संयोजक द्वारा फरवरी 2005 में नुक्कड़ नाट्य समारोह का आयोजन किया गया।
- ललित कला क्लब द्वारा फरवरी 2005 में एक केलीग्राफी और पोस्टर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 7 मार्च 2005 को तमिल सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- छात्र संघ और अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के छात्रों द्वारा मार्च 2005 में 'सम्मिट 2005' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- मार्च 2005 में 'फोटोग्राफी' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

jk"Vªh; lsok ;kstuk

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने वर्ष के दौरान कई गतिविधियाँ आयोजित कीं :

- राष्ट्रीय सेवा योजना, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 19 जुलाई 2004 को 'कार्य योजना और वित्तीय आवश्यकताएं' विषय पर रा.रा.क्षे. दिल्ली के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के समन्वयकों की राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय केन्द्र के साथ बैठक आयोजित की।
- राजीव गांधी युवा विकास संस्थान द्वारा 19 अगस्त 2004 को 'राजीव गाँधी विजंस फॉर यूथ' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा 9 सितम्बर 2004 को 'एच.आई.वी./एड्स पर कार्य योजना' विषय पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ की बैठक आयोजित की गई।
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा 9 से 11 सितम्बर 2004 तक कार्यक्रम अधिकारियों के लिए एच.आई.वी./एड्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली द्वारा 11 से 14 सितम्बर 2004 तक 'डिवलपिंग वॉलंटियर्स फॉर डिसास्टर प्रिपेयर्डनेस' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- मैत्रेयी महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'एच.आई.वी./एड्स पीअर एड्यूकेटर्स' विषयक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
- राष्ट्रीय सेवा योजना, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा 14 से 20 अक्टूबर 2004 तक लखनऊ राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया गया।
- विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा 28 अक्टूबर 2004 को एन.एस.एस./एन.आई.सी. प्रमाण–पत्र वितरण बैठक का आयोजन किया गया।
- एच.आई.वी./एड्स पर संसदीय फोरम द्वारा 5 से 8 नवम्बर 2004 तक एच.आई.वी./एड्स पर राष्ट्रीय युवा संसदीय फोरम के विशेष सत्र का आयोजन किया गया।
- 18–19 नवम्बर 2004 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय वार्षिक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक और कार्यक्रम अधिकारी के अलावा 20 स्वयं सेवकों ने भाग लिया।

detkj oxk dfy, dY;k.kdkjh ;ktuk,

भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी मार्गदर्शी सिद्धांतों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय ने अ.जा./अ.ज.जा. प्रकोष्ठ' नाम से एक विशेष प्रकोष्ठ की स्थापना की है। इस प्रकोष्ठ की स्थापना मार्च, 1984 में हुई थी। यह मार्गदर्शी सिद्धांतों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए निगरानी रखता है, मूल्यांकन करता है और इसके अतिरिक्त, भारत सरकार द्वारा जारी उद्देश्यों और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उपाय सुझाता है।

विश्वविद्यालय में अ.जा./अ.ज.जा. के लिए ग्रुप–'सी' और 'डी' पदों पर भर्ती में आरक्षण की शुरूआत 1975 में और ग्रुप–'ए' और 'बी' पदों में 1978 में हुई थी। विश्वविद्यालय ने अ.पि.जा. के लिए भी गैर–शैक्षणिक पदों में आरक्षण नीति का कार्यान्वयन शुरू किया है। ग्रुप–'सी' और 'डी' पदों में आरक्षण की शुरूआत 8 सितम्बर 1993 और ग्रुप–'ए' और 'बी' पदों में 2 जुलाई 1997 से हुई थी। शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक पदों में शारीरिक रूप से विकलांग लोगों के लिए आरक्षण की शुरुआत वर्ष 1996 में हुई थी, संयोगवश शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति अधिनियम की शुरुआत भी इसी वर्ष हुई।

प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु 22.5% सीट आरक्षित हैं। इनमें 15% सीट अ.जा. के लिए और 7.5% सीट अ.ज.जा. के उम्मीद्वारों के लिए आरक्षित हैं। अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीद्वार अर्हक परीक्षा में प्राप्त अंकों की प्रतिशतता को ध्यान में रखे बिना ही विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा में बैठने के पात्र हैं। चालू शैक्षणिक सत्र–2004–2005 में विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में 23.73% अ.जा./अ.ज.जा. के छात्रों ने प्रवेश लिया।

छात्रावासों में भी 15% सीट अ.जा. और 7.5% सीट अ.ज.जा. के छात्रों के लिए आरक्षित हैं। यदि किसी एक वर्ग में उम्मीद्वार उपलब्ध नहीं होते हैं तो अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीद्वारों में दूसरे वर्ग के उपलब्ध उम्मीदवारों को वह सीट दे दी जाती है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के केन्द्रीय प्रायोजित कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय ने 100–100 कमरों के छात्रावास अ.जा. की छात्राओं और अ.जा. के छात्रों के लिए बनाए हैं। इसके अतिरिक्त, जनजातीय कार्य मंत्रालय योजना आयोग द्वारा प्रायोजित अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 2 छात्रावास भी बनाए गए हैं।

भारत सरकार की नीति के अनुसार अ.जा./अ.ज.जा. के लिए मकानों के आबंटन में भी आरक्षण का प्रावधान है। टाइप–I और II के मकानों में 10% मकान अ.जा./अ.ज.जा. के लिए आरक्षित हैं तथा टाइप–III और IV में 5% मकान। टाइप–V और VI के मकानों में अ.जा./अ.ज.जा. को कोई आरक्षण उपलब्ध नहीं है।

विश्वविद्यालय ने प्रत्येक संस्थान/केन्द्र में अ.जा./अ.ज.जा. सहित समाज के कमजोर वर्गों से आने वाले छात्रों की प्रारंभिक स्कूली शिक्षा की कमी को पूरा करने के लिए अंग्रेजी और कोर कोर्सों में विशेष उपचारात्मक कोर्स चलाना जारी रखा है। प्रत्येक संस्थान/केन्द्र के समन्वयक इस प्रकार के छात्रों का पता लगाते हैं, जिन्हें विशेष उपचारात्मक सहायता की जरूरत होती है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय ने जेएनयू के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रवेश–परीक्षा में बैठने वाले अ.जा./अ.ज.जा. और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों के लिए प्रवेश–परीक्षा की तैयारी में सहायता करने हेतु एक विशेष योजना शुरू की है। इस योजना के अन्तर्गत अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीद्वारों को जेएनयू की प्रवेश परीक्षा हेतु वित्तीय सहायता सहित मार्गदर्शन, सूचना और सहायता उपलब्ध कराने हेतु एक केन्द्र की स्थापना की गई है। इसके लिए एक शिक्षक सलाहकार भी नियुक्त किया गया है। इस दिशा में, विश्वविद्यालय ने अपने निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप कमजोर वर्गों के छात्रों को प्रवेश देने संबंधी अपनी वचनबद्धता लगभग पूरी की है।

विश्वविद्यालय ने जनवरी 2005 में अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.जा. के लिए आरक्षण नीति के कार्यान्वयन पर केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ विश्वविद्यालय प्रशासकों की एक कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नवीनतम सोच और इस दिशा में उठाए गए व्यावहारिक कदमों का प्रचार–प्रसार करना था।

leku volj dk;kZy;

विश्वविद्यालय ने 'समान अवसर कार्यालय' नामक एक कार्यालय की स्थापना की है। इस प्रकार का कार्यालय भारतीय विश्वविद्यालयों में शायद पहला है। इस कार्यालय के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- अ.जा./अ.ज.जा./शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल./पी–एच.डी. स्तर पर उनके शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए उपचारात्मक कोर्सों सहित उपयुक्त कार्यक्रम/योजनाएं तैयार करना और इन कार्यक्रमों/योजनाओं के कार्यान्वयन पर निगरानी रखना;
- विश्वविद्यालय में दलित छात्रों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय और अन्य शैक्षणिक सामग्री हेतु सरकार और अन्य वित्तीय एजेंसियों के साथ सम्पर्क स्थापित करना;
- शैक्षणिक, वित्तीय और अन्य मामलों में जानकारी प्रदान करना और एक सलाह केन्द्र के रूप में कार्य करना;
- विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमियों से आने वाले छात्रों के बीच स्वस्थ और अन्तर्वैयक्तिक संबंध बढ़ाने हेतु अनुकूल सामाजिक वातावरण तैयार करना;
- शैक्षणिक क्रियाकलापों हेतु शिक्षकों और दलित छात्रों के बीच सहायक अर्न्वैयक्तिक संबंध विकसित करने में सहायता करना;
- यदि कोई भेदभाव की समस्या आती है तो उसको देखना और दलित छात्रों की सहायता करना।

mipkjkRed f'k{k.k% उपचारात्मक शिक्षण योजना के अंतर्गत अंग्रेजी और कोर विषयों में अलग–अलग शिक्षण दिया जा रहा है। कार्यालय ने प्रत्येक केन्द्र के अध्यक्ष और संस्थान के डीन से उपचारात्मक योजना के लिए एक समन्वयक नामित करने का अनुरोध किया है। समन्वयक इस प्रकार के छात्रों की पहचान करेंगे, जिन्हें उपचारात्मक सहायता की आवश्यकता है और उनके लिए व्यक्तिगत उपचारात्मक सहायता के माध्यम से अतिरिक्त शैक्षणिक सहायता की व्यवस्था करेंगे। इसके अतिरिक्त, भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र अंग्रेजी में एक उपचारात्मक कोर्स चला रहा है।

इस कार्यालय ने 'जरूरतमंद व्यक्तियों (विकलांग) के लिए उच्च शिक्षा विषयक वि.अ.आ. द्वारा प्रायोजित परियोजना का कार्य भी अपने हाथ में लिया है। इस परियोजना के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- उच्च शिक्षा से जुड़े अधिकारियों को विकलांग लोगों की विशेष शैक्षणिक जरूरतों के बारे में अवगत कराना;
- विकलांग व्यक्तियों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए संस्थान में सुविधाएं विकसित करना,
- विकलांग लोगों की उच्च शिक्षा में सततता बनाए रखने में सहायता करना;
- विकलांग स्नातकों के लिए उपयुक्त नौकरियों की तलाश करना।

विश्वविद्यालय परिसर में विकलांग लोग आसानी से आ–जा सकें इसके लिए विश्वविद्यालय ने अपने भवनों में 20 ढलानदार रास्तों का निर्माण किया है। यह कुछ और ढलानदार रास्ते बनाने की योजना बना रहा है ताकि विकलांग लोग परिसर में कहीं भी आसानी से आ–जा सकें।

'k{kf.kd ink e v-tk-@v-t-tk- dk ifrfuf/kRo

	dqy in	v-tk-	v-t-tk-
प्रोफेसर	182	03	03
एसोसिएट प्रोफेसर	131	02	—
सहायक प्रोफेसर	094	08	02

xj&'k{kf.kd ink e v-tk-@v-t-tk-@v-fi-o- vkj 'kkjhfjd :i l fodykxk dk ifrfuf/kRo

xi	dqy in	v-tk-	v-t-tk-	'kk-fo-	v- fi-o-
ए	60	12	01	01	01
बी	188	20	05	02	01
सी	432	95	15	03	05
डी (सफाई कर्मचारियों सहित)	679	264	11	03	28

fo'ofo|ky; iz'kklu

fo'ofo|ky; dh lokZPp ikf/kdj.k t-,u-;w- dksVZ dh cSBd 7 tuojh] 2005 dks dqyk/kifr Mk- dj.k flag dh v/;{krk esa gqbZA blesa fo'ofo|ky; dh xfrfof/k;ksa ij fjiksVZ vkSj fo'ofo|ky; dk o"kZ 2004&2005 dk ys[kk&ijhf{kr ikfflr ,oa O;; dk fooj.k rFkk rqyu&i= izLrqr fd;k x;kA fo'ofo|ky; dk ;kstuksÙkj vuqj{k.k ctV Hkh izLrqr fd;k x;kA

leh{kk/khu vof/k ds nkSjku fo'ofo|ky; dh dk;Z ifj"kn dh rhu cSBdsa gqbZA ;s cSBdsa 11 ebZ 2004] 11 uoEcj 2004 vkSj 16 Qjojh 2005 dks gqbZA bu cSBdksa esa dk;Zlwph dh vuqlwph enksa ij fopkj&foe'kZ fd;k x;k vkSj iz'kklfud ekeyksa ij egRoiw.kZ fu.kZ; fy, x,A

foÙk lfefr dh cSBd 1 vizSy] 2004(2 uoEcj] 2004 vkSj 31 ekpZ 2005 dks gqbZA buesa dk;Z ifj"kn ds le{k i'k dh tkus okyh enksa lfgr vU; egRoiw.kZ fu.kZ; fy, x,A foÙk lfefr dh 8 uoEcj] 2004 dks cSBd gqbZA blesa o"kZ 2004&2005 ds la'kksf/kr vuqekuksa vkSj o"kZ 2005&2006 ds fo'ofo|ky; ds ctV vuqekuksa dks vuqeksfnr fd;k x;k vkSj dqN egRoiw.kZ foÙkh; ekeyksa ij fu.kZ; fy, x,A

leh{kk/khu vof/k ds nkSjku f'k{k.k vkSj xSj&f'k{k.k LVkQ dh fu;qfDr;ksa ds fy, p;u lfefr;ksa dh dbZ cSBdsa vk;ksftr gqbZA bl vof/k ds nkSjku 46 f'k{kd fu;qDr fd, x,A buesa 06 izksQslj] 23 ,lksfl,V izksQslj vkSj 17 lgk;d izksQslj 'kkfey gSaA buds vfrfjDr fofHkUu dSMjksa esa 120 xSj&f'k{k.k LVkQ dh fu;qfDr;k¡ Hkh dh xbZA

30 f'k{kdksa dks vkof/kd@vlk/kkj.k vodk'k@v/;;u vodk'k esa tkus fd, x, ;k mudss vodk'k esa of) dh xbZA mUgksaus viuk 'kks/k dk;Z ijk dju@vU; laLFkkuksa esa fu;qfDr;ka@v/;;rkofÙk;ka ikus djus] vkfn ds fy, vodk'k fy;k FkkA leh{kk/khu vof/k ds nkSjku 07 f'k{kdksa dks iqu% fu;qDr fd;k x;k ;k mudh iqu% fu;qfDr dh vof/k esa foLrkj fd;k x;kA bl vof/k ds nkSjku] dqy 26 f'k{kd fo'ofo|ky; dh lsok ls lsok&fuo`Ùk gq,A

lEink 'kk[kk

leh{kk/khu vof/k ds nkSjku edku vkcaVu lfefr dh 05 vkSj ifjlj fodkl lfefr dh 06 cSBdsa gqbZA u, edku ugha cuk, x, rFkk edku vkcaVu lfefr }kjk [kkyh iM+s dbZ edku f'k{kdksa vkSj vU; LVkQ lnL;ksa dks vkcafVr fd, x,A nqdku u, vkonudksa dks vkcafVr dh xbZA ;s nqdkusa Nk=kokl ksa vkSj 'kkfiax dkWEIysDl esa FkhaA leh{kk/khu vof/k ds nkSjku lEink 'kk[kk }kjk fuEufyf[kr Hkouksa dk dCtk fy;k x;k%

1- pUæHkkxk Nk=kokl
3- ykfgr Nk=kokl
3- ekgh] ekMoh Nk=kokl ds ikl 'kkfiax dkWEIysDl

Quhpj dh dbZ enksa dh [kjhn ds vfrfjDr] fo'ofo|ky; ds f'k{kdksa] laLFkkuksa@dsUæksa vkSj vU; foHkkxksa ds mi;ksx ds fy, 250 u, dEI;wVj [kjhns x,A lEink&'kk[kk us fo'ofo|ky; esa lHkh dEI;wVjksa ds fy, fgUnh lkW¶Vos;j [kjhnus dh izfØ;k Hkh 'kq: dhA

ifjlj fodkl

समीक्षाधीन अवधि के दौरान नवीं योजना विनिधान और अन्य शीर्षों के अन्तर्गत निर्माण कार्य (लोहित और चन्द्रभागा छात्रावास, लोड प्रथक्करण और वैकल्पिक पावर केन्द्र) पूरे किए गए। पाँच नए भवनों (भौतिक विज्ञान संस्थान, ज.ने.वि. अभिलेखागार, संस्कृत केन्द्र में अतिरिक्त मंज़िल, भाषा प्रयोगशाला कॉम्पलेक्स और जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र का विस्तार) का निर्माण कार्य वित्तीय वर्ष 2005–06 में शुरू हो जाने की संभावना है।

दसवीं योजना विनिधान के अन्तर्गत विश्वविद्यालय ने 'परिसर सुविधाएं' शीर्ष के तहत निम्नलिखित कार्य शुरू किए हैं :

क) वर्षा का पानी एकत्र करने के लिए परिसर में विभिन्न जगहों पर चेक डेम का निर्माण।

ख) सुरक्षा के लिए परिसर के सभी ओर चहारदीवारी को ऊपर उठाना।

ग) स्वास्थ्य केन्द्र के पुराने ब्लाक का नवीकरण।

घ) विश्वविद्यालय के पूर्वी ओर के मुख्य द्वार को पुनः लगाना

च) प्रस्तावित मुख्य प्रवेश द्वार के पास नई सड़क के साथ–साथ भू–दृश्य निर्माण।

छ) नेहरू जी की प्रतिमा की स्थापना।

यू.पी.ओ.ई. योजना के अन्तर्गत शैक्षिक कॉम्पलेक्स में इमरजेंसी पॉवर बैकअप सप्लाई और प्राणी–गृह के विस्तार के कार्य हेतु विश्वविद्यालय ने के.लो.नि.वि. को पहले ही निधि प्रदान कर दी है। विश्वविद्यालय के विभिन्न भवनों में वर्ष 2004–2005 के दौरान शुरू किए गए विशेष मरम्मत कार्य के लिए वि.अ.आ. ने 3.73 करोड़ रुपये दिए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान वार्षिक अनुरक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत अनुरक्षण और परिसर विकास से संबंधित कई मुख्य कार्य किए गए :

क) परिसर में मुख्य रिंग रोड़ का निर्माण।

ख) ताप्ती छात्रावास के निकट पार्किंग और सामान्य सुविधाओं सहित एक नया शॉपिंग कॉम्पलेक्स।

ग) एच.पी.एस.एन. योजना के तहत विभिन्न भवनों में शारीरिक रूप से विकलांग लोगों के लिए ढलानदार रास्तों का निर्माण।

घ) शैक्षिक परिसर में रोशनी व्यवस्था में सुधार।

च) खेल–कूद सुविधाओं (जिम, बैडमिंटन, बास्केट और टेनिस कोर्ट) को अद्यतन बनाना।

छ) परिसर में अर्थिंग में सुधार

ज) कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान में आंतरिक परिवर्तन।

tu&lEidZ dk;kZy;

fo'ofo|ky; dk tu&lEidZ dk;kZy; us fofHkUu xfrfof/k;ksa ls lacaf/kr vusd izsl foKfIr;ka tkjh dhA lekpkjksa esa t-,u-;w- ls lacaf/kr izdkf'kr fjiksVZ vkSj f'kdk;rksa ls lacaf/kr izsl drjuksa ij 'kklu dh tkudkjh gsrq Hkstha rFkk vko';drkuqlkj mfpr Li"Vhdj.k@mÙkj&izR;qÙkj tkjh fd,A tu&lEidZ dk;kZy; us tu&lk/kkj.k dks 'kSf{kd rFkk iz'kklfud ekeyksa ls lacaf/kr tkudkjh miyC/k djk;h rFkk fo'ofo|ky; esa vk, egRoiw.kZ vfrfFk;ksa rFkk f'k"Ve.Myksa dk Lokxr fd;kA fo'ofo|ky; dh dk;Z iz.kkyh ls lacaf/kr fofHkUu izdkj dh tkudkjh ds fy, fyf[kr :i ls iNrkN djus okyksa dks Hkh mÙkj Hkstk A

tu&lEidZ vf/kdkjh us fo'ofo|ky; dh f}ekfl'kd if=dk ^t-,u-;w- U;wt* dk izdk'ku Hkh tkjh j[kkA blds ekè;e ls lEiknu vkSj izdk'ku fo'ofo|ky; dh vkSj ls fd;kA ;g if=dk lapukvksa dh dM+h dk iwjk djrh gS rFkk fo'ofo|ky; ds fofHkUu ?kVdksa ,oa 'kS"k 'kSf{kd fo'o leqnk; ds eè; lh/kk laokn LFkkfir djrh gSA tu&lEidZ vf/kdkjh dk;kZy; }kjk fo'ofo|ky; dh okf"kZd fjiksVZ dks Hkh fgUnh vkSj vaxzsth esa rS;kj djds izdkf'kr fd;k x;kA

lehf{kk/khu vof/k ds nkSjku tu&lEidZ vf/kdkjh dk;kZy; us fo'ofo|ky; dh uoEcj 2004 esa blds okf"kZd fnol vk;ksftr djus esa lgk;rk dhA blus tuojh 2005 esa egkefge Mk- ,-ih-ts- vCnqy dyke vktkn vkSj ekpZ 2005 esa ouLifr ,yk ds jk"Vªifr ds fo'ofo|ky; ds nkSjs ds le; Hkh lgk;rk dhA

vfrfFk x'g

t-,u-;- d rhu vfrfFk xgk & vjkoyh] vjkoyh bVju'kuy vkj xkerh e lehf{kk/khu o"k d nkjku 2700 l vf/kd vfrfFk;k dk dej miyC/k djk, x,A bu vfrfFk;k e 'kk/k lkexh ;k vU; 'kf{kd mnns';k d fy, n'k&fon'k d fofHkUu fo'ofo|ky;k@f'k{kk lLFkkuk l fnYyh vk, f'k{kd rFkk 'kk/k Nk= 'kkfey gA fo'ofo|ky; d ljdkjh vfrfFk;k] f'k{kdk rFkk LVkQ d vfrfFk;k] Nk=k d ekrk&firkvk vkj fo'ofo|ky; vunku vk;kx d vfrfFk;k dk Hkh vYidkfyd vof/k d fy, vkokl h; lfo/kk, miyC/k djkbZ xbA

fgUnh ,dd

समीक्षाधीन अवधि के दौरान हिंदी एकक ने विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें 9 स्टाफ सदस्यों और 5 अधिकारियों ने भाग लिया।

,dd u lehf{kk/khu vof/k d nkjku] okf"kd fjikV] okf"kd y[k] y[kk&ijh{kk fjikV] io'k lpukvk] Hkrh d fy, foKkiuk] vf/klpukvk@ifji=k] i=l foKfIr;k vkfn l lcf/kr vuokn dk dk;Z Hkh fd;kA

e[; dyku'kkld dk;ky;

fo'ofo|ky; e e[; dyku'kkld dk;ky; dh LFkkiuk o"k 1986 e gbZ FkhA bl le; ,d e[; dyku'kkld vkj nk dyku'kkld ¼bue l ,d efgyk dyku'kkld g½ gA e[; dyku'kkld dk dk;ky; fo'ofo|ky; d Nk=k e vu'kklu cuk, j[ku d fy, mÙkjnk;h gA ;g dk;ky; ifjlj e 'kkfr vkj lkgkæ cuk, j[ku dk dk;Z djrk g rFkk ;g n.MkRed mik;k dh ctk; l/kkjkRed mik;k e vf/kd fo'okl j[krk gA fQj Hkh] vu'kklukRed fu;ek dk mYy?ku dju okys Nk=k d fo#) mfpr vu'kklfud dkjokbZ dh tkrh gA

lqj{kk dk;ky;

lehf{kk/khu vof/k d nkjku lqj{kk 'kk[kk }kjk fuEufyf[kr egRoiw.kZ dne mBk, x, ¼

- mÙkjh }kj ij byDVkfud cfj;j] ptu lfgr ih-oh-lh- dkye vkj lkbu ckMZ dh LFkkiuk
- सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आजीवन परिचय–पत्र जारी करना।
- विश्वविद्यालय के नए मार्गदर्शी सिद्धांत जारी करना और एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराना।
- विश्वविद्यालय में भारत के राष्ट्रपति और वेनेजुएला के राष्ट्रपति के दौरे के दौरान सुरक्षा का सुव्यवस्थित प्रबंध।
- दिल्ली फायर सर्विस और ज.ने.वि. पर्वतारोही क्लब के सहयोग से अग्निरोधी प्रदर्शन।
- सुनसान समय में छात्राओं को प्रयोगशाला से छात्रावास तक सुरक्षा उपलब्ध कराना।

fo'ofo|ky; foÙk

I- y[kk vkj y[kk&ijh{kk i)fr

विश्वविद्यालय के लेखे पांच भागों में रखे जाते हैं :

1. अनुरक्षण (योजनेतर) खाता : यह खाता विश्वविद्यालय के राजस्व, प्राप्तियों और अनुरक्षण खर्च से सम्बन्धित है।

2. विकास (योजना) खाता : इस खाते में विश्वविद्यालय के विकास से संबंधित लेन–देन का खाता रखा जाता है, जिसकी पूर्ति पंच–वर्षीय योजना के आबंटन से की जाती है।

3. उद्दिष्ट (विशेष) निधि खाता : इस खाते में विभिन्न केन्द्रीय सरकार के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी., सी. एस.आई.आर. और आई.सी.एस.एस.आर., आदि द्वारा वित्त–पोषित विशेष शोध परियोजनाओं,, सम्मेलनों और अन्य प्रयोजनों आदि से संबंधित लेखा–जोखा रखा जाता है।

4. ऋण, जमा आदि खाता : इस खाते में भविष्य निधि और अन्य जमाओं से संबंधित प्राप्तियों और अदायगियों का हिसाब रखा जाता है।

5. अध्येतावृत्ति खाता : इस खाते में "एट एनी वन गिविन टाइम बेसिस" योजना के अन्तर्गत शोध अध्येतावृत्तियों से संबंधित प्राप्तियों और अदायगियों का लेखा–जोखा रखा जाता है।

विश्वविद्यालय का वित्तीय वर्ष भारत सरकार के अनुरूप यानी 1 अप्रैल से अगले वर्ष की 31 मार्च तक होता है। विश्वविद्यालय के लेखों की वार्षिक लेखा–परीक्षा भारत के नियन्त्रक और महालेखा–परीक्षक की ओर से लेखा–परीक्षा निदेशक, केन्द्रीय राजस्व द्वारा की जाती है। भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय के परीक्षित लेखे अगले वर्ष की 31 दिसम्बर तक सदन के पटल पर रखे जाने अपेक्षित होते हैं। विश्वविद्यालय के वर्ष 2002–2003 के परीक्षित लेखे (हिन्दी और अंग्रेजी में) लोकसभा और राज्यसभा के पटल पर रखे गए।

विश्वविद्यालय के वर्ष 2003–2004 के वार्षिक लेखे (हिंदी और अंग्रेजी में) संसद के पटल पर रखने के लिए पहले ही 5 मई 2005 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय में भेज दिए हैं।

II- ctV

विश्वविद्यालय के वर्ष 2005–2006 के बजट आकलन और 2004–2005 के संशोधित आकलन 8 नवम्बर, 2004 को वित्त समिति द्वारा अनुमोदित किए गए थे।

1. वर्ष 2004–2005 के संक्षिप्त बजट आकलन, संशोधित आकलन और प्राप्ति तथा व्यय के वास्तविक आंकड़े तालिका–1 और 2 में दिए गए हैं :

rkfydk&1

(ikfIr ;k½

लेखा शीर्ष	बजट आकलन 2004–2005	संशोधित आकलन 2004–2005	वास्तविक 2004–2005
		¼: i; ykk[kks e½	
1. अनुरक्षण (योजनेतर) खाता	7625.68	7316.60	5827.13 *
2. विकास (योजना) खाता	575.16	1259.63	1929.46
3. उद्दिष्ट (विशेष) निधि खाता	1196.05	1489.60	1970.73
4. ऋण, जमा आदि खाता	2446.70	3025.72	3797.59
5. अध्येतावृत्ति खाता	782.06	576.90	329.89

* 1881.45 लाख रूपये का अथ शेष जमा।

rkfydk&2

¼O; ;½

लेखा शीर्ष	बजट आकलन 2004–2005	संशोधित आकलन 2004–2005	वास्तविक 2004–2005
		¼: i; ykk[kks e½	
1. अनुरक्षण (योजनेतर) खाता	7625.68	7316.60	7116.90
2. विकास (योजना) खाता	575.16	1259.63	1804.91
3. उद्दिष्ट (विशेष) निधि खाता	1007.58	1098.96	1443.01
4. ऋण, जमा आदि खाता	3129.64	3209.64	3512.00
5. अध्येतावृत्ति खाता	782.06	576.90	365.94

II- Hkkx&I & vuqj{k.k ¼;kstukrj½ 0;;@ctV@l'kksf/kr vkdyu@okLrfod

o"kZ 2004&2005 ds fy, vuqj{k.k] 0;; vkSj ctV dk laf{kIr fooj.k %

okLrfod 2003&2004	ys[kk 'kh"kZ	ctV vkdyu 2004&2005	la'kksf/kr vkdyu 2004&2005	okLrfod 2004&2005
		¼:i;s yk[kksa esa½		
544.62	प्रशासन	624.40	623.95	600.53
850.11	सामान्य सेवाएं और सामान्य प्रभार	1249.50	1181.55	1244.59
1906.99	शैक्षिक कार्यक्रम	2614.87	2241.59	2128.33
18.76	परीक्षाएं	21.75	27.75	23.31
352.81	पुस्तकालय	469.24	446.97	391.42
109.19	छात्र सुविधाएं	111.03	127.56	124.82
29.93	छात्रवृत्तियाँ	32.00	31.00	32.07
252.07	छात्रों के छात्रावास	271.61	276.56	330.09
9.91	प्रकाशन	18.95	18.96	8.69
723.96	अन्य विभाग	965.83	1132.91	960.33
421.73	विविध	444.50	469.30	425.64
695.40	भविष्य निधि और पेंशन	702.00	678.50	847.08
141.07	गैर शिक्षण स्टाफ को पांचवे वेतन आयोग के एरियर का भुगतान	–	–	–
@	मंहगाई भत्ते की घोषणा	100.00	60.00	@
6056-55	dqy	7625-68	7316-60	7116-90

@ o"kZ 2003&2004 vkSj 2004&2005 ds okLrfod lEcfU/kr ys[kk&'kh"kZ esa 'kkfey gSaA

III- fodkl ¼;kstuk½ 0;;

o"kZ 2004&2005 ds fodkl [kpZ dh eq[; ensa uhps nh xbZ gSa %

¼:i;s yk[kksa esa½

¼d½ jktLo ¼vkorhZ 0;;½ — 427.18

¼[k½ fo'ofo|ky; dSEil dk fuekZ.k &

1)	संस्थान भवन	461.28	
2)	आवासीय भवन	124.40	
3)	विविध भवन	100.00	
4)	बाह्य सेवाएँ	6.77	
5)	परिसर विकास	13.82	706.27

¼x½ vU; iwathxr 0;; &

1)	उपकरण	572.16	
2)	पुस्तकालय पुस्तकें और पत्रिकाएं	97.67	
3)	फर्नीचर	1.63	671.46
	dqy 0;;		1804-91

ifj;kstuk,a

fofHkUu Hkkjrh; vkj fon'kh ,tfl;k }kjk foÙkiksf"kr ifj;kstukvks dk lEcU/k e ikfIr;k vkj vnk;fx;k ¼2004&2005½

Ø-l-	foÙk&iks"kd ,tsalh dk uke	ifj;kstukvks dh la[;k	ikfIr;k	O;;
1	oKkfud vkj vkS|kfxd vuqla/kku ifj"kn	21	2036834-00	3719558-00
2	tSo&iks|kfxdh foHkkx	26	7377634-00	13348797-00
3	i;kZoj.k vkj ou ea=ky;	7	309293-00	2454928-00
4	foKku vkj iks|kfxdh foHkkx	70	27251080-00	21774531-00
5	Hkkjrh; lkekftd foKku vuqla/kku ifj"kn	11	1129463-00	1697254-00
6	fu th foÙk iks"k.k	3	525589-00	508513-00
7	Hkkjrh; fpfdRlk vuqla/kku ifj"kn	13	4966880-00	4936306-00
8	Hkkjr ljdkj	43	3699786-00	4899440-00
9	fon'kh fudk;	53	32534792-04	29532914-26
10	fo'ofo|ky; vuqnku vk;kx	19	3468003-00	5570109-00
	dqy	**266**	**83299354-04**	**88442350-34**

ikB~;sÙkj xfrfof/k;k¡

;kSu mRihM+u ds fo:) tsaMj laosnu'khyu lfefr

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की 16 अप्रैल 1999 की अधिसूचना के अनुसार यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति की स्थापना की गई। समिति के नियमों एवं कार्यप्रणाली को सिद्धान्त रूप से सितम्बर 2001 में स्वीकृति प्रदान की गई। फरवरी 2002 में डॉ. रूप मंजरी घोष की अध्यक्षता में गठित समिति ने विश्वविद्यालय के वकीलों से विचार–विमर्श करके 'जीएसकैश' के नियमों एवं कार्यप्रणाली से सम्बन्धित एक ड्राफ्ट रिपोर्ट विश्वविद्यालय को प्रस्तुत की। प्रो. अशोक माथुर की अध्यक्षता में एक 2–सदस्यीय समिति ने 'जीएसकैश' के नियमों एवं कार्यप्रणाली को अन्तिम रूप देने के बाद इन्हें 30 मई 2003 को विश्वविद्यालय की कार्य–परिषद को प्रस्तुत कर दिया। कार्य–परिषद् ने कुछ उपयुक्त संसोधनों के साथ इसे स्वीकार कर लिया।

vi`y 2004 ls ekpZ 2005 ds nkSjku lfefr dh xfrfof/k;k

- जुलाई–अगस्त 2004 के दौरान यौन उत्पीड़न के बारे में नए छात्रों को सचेत और संवेदन बनाने के लिए ब्रोचर बांटे गए।
- कई व्याख्यान और कार्यशालाएं आयोजित की गईं।
- जनवरी 2005 में सुश्री कुमकुम संगारी द्वारा एक व्याख्यान और 'अनलिमिटेड गर्ल्स' विषयक एक फिल्म दिखाई गई।
- महिला दिवस के अवसर पर छात्रों की मार्च का आयोजन किया गया था। 'दहन' और 'बॉइज डांट क्राई' विषयक फिल्में दिखाई गईं।

iwoZ Nk=ksa dh xfrfof/k;k

fo'ofo|ky; ds iwoZ Nk=ksa ds lkFk lEidZ % fo'ofo|ky; us dqyifr dh v/;{krk esa fo'ofo|ky; ds iwoZ Nk=ksa ds lkFk lEidZ vkSj vUrjkZ"Vªh; lac/kksa ds fy, LFkk;h lfefr dk xBu fd;k gSA bl le; ik¡p o"kZ ukekadu] iwoZ Nk= vkSj fu;ksftu dh eq[; lykgdkj gSa rFkk :ie tSu ?kks"k vkSj iwoh.kk >k f'k{kd lykgdkj gSaA

lfefr dk eq[; mn~ns'; fo'ofo|ky; vkSj fo'ofo|ky; ds iwoZ Nk=ksa rFkk vU; laLFkkvksa ds lkFk ?kfu"B lac/k LFkkfir djuk gSA tsa,u;w viuh iwoZ Nk=ksa dk egRoiw.kZ LVkWdgksYMj ds :i esa ekU;rk nsrk gS rkfd tsa,u;w yxkrkj vPNh f'k{kk inku dj ldsA ;g viuh iwoZ Nk=ksa] tks fd fofHkUu {ks=ksa ds fo'ks"kK gSa] ls 21oha 'krkCnh dh 'kS{kf.kd vkSj vuqla/kku pqukSfr;ksa dk lkeuk djus ds fy, lgk;rk izkIr dj ldrh gS] bl ls tsa,u;w dk cgqr ykHk fey ldrk gSA

tsa,u;w ds iwoZ Nk= lkeqnkf;d lsok ds fy, volj inku dj ldrs gSa vkSj blds fy, xzkeh.k ,oa lsoj ds :i esa dk;Z iHkko'kkyh lHkk"kh ds :i esa lsok] lykg vkSj lgk;rk] 'kks/k ds lkekU; {ks=ksa ij l>ko] dfj;j lykg vkSj foÙkh; lgk;rk Hkh miyC/k djk ldrs gSaA 'kks/k vkSj ifj;kstukvksa esa 'kSf{kd vkSj rduhdh lg;ksx Hkh fd;k tk ldrk gSA

lfefr dk e[; mnn'; io Nk=k dk 'kkfey dju d lkFk&lkFk mudh miyfC/k;k vkj ;kxnkuk dk lEeku dju dh lLÑfr dk fuekZ.k vkj fodkl dju e egRoi.kZ Hkfedk fuHkkuk gA ;g lfefr lkFkd fopkj fofue; d fy, t,u;w d ijkuu Nk=k l lEidZ djd mUg bl dk;Z e 'kkfey dju d fy, fo'ofo|ky; dk;ky; rFkk dUæh; urRo lxBu d :i e dk;Z djxhA ;g lfefr n'k&fon'k e dk;jr ijkuu Nk=k l lEidZ LFkkfir dju e lgk;d fl) gkxhA

ijkuu Nk=k l lEidZ LFkkfir dju d fy, ,d dk;Z ;ktuk rS;kj dh xbZ gS ftl lfefr }kjk 'kh?k gh ykxw fd;k tk,xkA

tokgjyky ug: mPp v/;;u lLFkku

t,u;w d 'kf{kd dk;Z e 'kk/k ,d vko';d vx cu x;k gA t,u;w dk ge'kk bl {k= e lxr vkj mPp Lrjh; 'kk/k dk;Z dju dk i;kl jgk gA fo'ofo|ky; u viu 'kk/kkfFk;k dk 'kk/k dk;Z dju d fy, vko';d vk/kkjHkr lfo/kk,¡ ¼iLrdky; vkj i;kx'kkyk vkfn tlh½ eqg;k djku dk i;kl fd;k gA blh rjg t,u;w u ijs fo'o l vku okys f'k{kdk o 'kk/kkfFk;k d fy, lh-,l-vkbZ-vkj- d lg;kx l lh-,l-vkbZ-vkj-@t,u;w lkbZl lVj uke l vkokl lfo/kk miyC/k djk;h g] ftl dk uke ckn e tokgjyky ug: mPp v/;;u lLFkku j[kk x;kA lLFkku uohure 'kk/k dk;Z d fy, ;ktuk cuk jgk ;k 'kk/k dk;Z dj jg 'kk/kkfFk;k d fy, vudy okrkoj.k miyC/k djkrk gA

lLFkku dh ,d iz/k lfefr gA bl e dqynf'kd ik- jktho Ñ".k lDluk v/;{k g vkj ik- uhj tk xkiky t;ky fun'kd gA

vUrjk"Vh; lg;kx

fo'ofo|ky; dk fon'kh fo'ofo|ky;k@lLFkkuk l 'kf{kd lc/k LFkkfir dju] fofue; dk;Øek] f}i{kh; le>krk d lkFk&lkFk lg;kxkRed dk;k e 'kkfey gku d fy, iLrko&i= ikIr gk jg gA t,u;w Hkh lifIr fl) fon'kh fo'ofo|ky;k@lLFkkuk] d lkFk 'kf{kd lg;kx d fy, yxkrkj i;kl dj jgk gA dbZ fon'kh fo'ofo|ky;k@lLFkkuk d lkFk 'kf{kd lg;kx dk iLrko fopkjk/khu g vkj vfre pj.k e gA le>krk nk idkj d gA lLFkku Lrj ij lg;kx dk le>krk vkj fo'ofo|ky; Lrj ij le>krk Kkiu ¼tgk ,d l vf/kd lLFkku 'kkfey g½A vc rd] 28 n'kk d fofHkUu fo'ofo|ky;k@lLFkkuk d 64 le>krk Kkiuk vkj 4 lg;kx le>krk ij gLrk{kj fd, x, gA leh{kk/khu vof/k d nkjku 11 le>krk Kkiuk vkj ,d lg;kx le>kr ij gLrk{kj fd, x,A

le>krk Kkiu ¼,e-vk-;w-½ d rgr lg;kx d {k= lkekU;r% fuEufyf[kr g vkj ;s fuf/k dh miyC/krk ij fuHkj g% ¼d½ f'k{kdk dk vknku&inku] ¼[k½ Nk=k dk vknku&inku] ¼x½ l;Dr 'kk/k xfrfof/k;k] ¼?k½ lxkf"B;k vkj 'kf{kd cBdk e ifrHkkfxrk] ¼p½ 'kf{kd lkexh vkj vU; lpukvk dk vknku&inku] ¼N½ fo'k"k vYidkfyd 'kf{kd dk;Øe] ¼t½ i'kklfud ic/kd@leUo;dk dk vknku&inku] ¼>½ l;Dr lkLÑfrd dk;ØeA

,e-vk-;w- dh 'krk d v/khu iR;d dk;Øe@xfrfof/k d fy, lg;kx vkj ctV dh 'krk ij vkil e ppk gkbZ rFkk dk;Øe xfrfof/k dh 'k: vkr dju l igy fyf[kr e lgefr gk xbZ gA

dqynf'kd dh v/;{krk e LFkk;h lfefr fofHkUu dUæk@lLFkkuk l le;≤ ij fo'ofo|ky; dk ikIr fo'k"k lg;kxkRed iLrkoka ij fopkj djrh gA

dUnh; lfo/kk,

1- fo'ofo|ky; iLrdky;

जेएनयू पुस्तकालय एक अति आधुनिक और सुसज्जित विश्वविद्यालय पुस्तकालय है। यह 9 मंजिला टावरनुमा भवन विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिसर के बीचों बीच स्थित है तथा विश्वविद्यालय की सभी शैक्षिक गतिविधियों का केन्द्र है। पुस्तकालय के अधिकतर कार्यों का कंप्यूटरीकरण हो गया है तथा बचे हुए कार्यों का कंप्यूटरीकरण हो रहा है। पुस्तकालय वर्ष भर प्रातः 9.00 बजे से शाम 8.00 बजे तक खुला रहता है तथा परीक्षा के दिनों में यह प्रत्येक सत्र में 45 दिन के लिए मध्य रात्रि तक खुला रहता है। तथापि, पठन कक्ष की सुविधाएं वर्ष भर मध्य रात्रि तक उपलब्ध रहती हैं। इसके सभी पठन कक्ष वातानुकूलित हैं।

विश्वविद्यालय के नेत्रहीन छात्रों की विशेष जरूरतों को देखते हुए पुस्तकालय के प्रवेशद्वार के निकट एक विशेष इकाई (हेलन केलर के नाम पर) स्थापित की गई है। पुस्तकालय के भू–तल में ओपेक और इंटरनेट पर पढ़ने हेतु छात्रों के प्रयोग के लिए आठ कंप्यूटर लगाए गए हैं।

ikBdk d fy, lok,

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कुल मिलाकर 8,948 छात्र, संकाय सदस्य और देश–विदेश के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के विद्वानों ने पुस्तकालय सुविधाओं का लाभ उठाया।

lkr lkexh dk vknku&inku

हमारा पुस्तकालय 'डेलनेट', 'इनफिलिबनेट' और इसी तरह के अन्य नेटवर्क का सदस्य बन गया है, ताकि सदस्य अन्य पुस्तकालयों की स्रोत सामग्री का आसानी से उपयोग कर सकें। पुस्तकालय अपने सदस्यों को अन्तर विश्वविद्यालय उधार सेवाएं भी उपलब्ध कराता है। पुस्तकालय ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पुस्तकालय, नई दिल्ली के साथ एक सहयोगात्मक प्रबन्ध किया है। इसके अन्तर्गत दोनों संस्थानों के पुस्तकालय एक दूसरे की पुस्तकों/पत्रिकाओं आदि का लाभ उठा सकेंगे।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पुस्तकालय ने लगभग 6762 पुस्तकें प्राप्त कीं। इनमें से 2173 पुस्तकें सुप्रसिद्ध विद्वानों और संगठनों से उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं। समीक्षाधीन वर्ष के अन्त में पुस्तकालय में कुल संग्रह 5,21,306 था। पुस्तकों की खरीद पर रू. 55,58,314.89 की राशि खर्च हुई और पत्रिकाओं पर रू. 20,80,989.80 खर्च किए गए।

पुस्तकालय ने 858 पत्रिकाएं मंगाई और 145 पत्रिकाएं उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं।

जैसाकि पहले उल्लेख किया गया है, पुस्तकालय ने नेत्रहीन छात्रों के लिए हेलन केलर नाम से एक अलग इकाई स्थापित की है। इस इकाई में कुर्जवेल, जॉज, एम.एस. होम पेज रीडर और डक्सबरी ब्रेल ट्रांसलेटर आदि जैसे विशेष साफ्टवेयर प्रयोग में लाए जा रहे हैं। इस इकाई को स्पीच साफ्टवेयर, इंटरनेट, स्केनर और ओपेक सुविधाओं सहित चार कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं। पुस्तकालय ने नेत्रहीन छात्रों के उपयोग हेतु टेप रिकार्डर और खाली कैसेट भी उपलब्ध कराना जारी रखा।

,fDte cd & t-u-fo- dk vFk'kkL= iLrdky;

ज.ने.वि. के अर्थशास्त्र पुस्तकालय – एक्जिम बैंक – की स्थापना जुलाई, 2000 में ज.ने.वि. पुस्तकालय के भाग के रूप में हुई थी। यह पुस्तकालय लघु शैक्षिक परिसर में प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच स्थित है। इस पुस्तकालय में सामाजिक

विज्ञान संस्थान और अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के शोध छात्रों और शिक्षकों के उपयोग के लिए 7500 से अधिक पुस्तकें और 56 पत्रिकाओं के 1500 पुराने भाग उपलब्ध हैं।

fo'ofo|ky; foKku ;=hdj.k dUn

विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक उपकरणों और उपस्करों की डिजाइन, विकास और मरम्मत कार्यों के लिए एक विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केंद्र है। इस केंद्र ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान वैज्ञानिक उपकरणों और उपस्करों की डिजाइन/विकास/निर्माण और मरम्मत से संबंधित 312 कार्य किए। केन्द्र ने जेएनयू से बाहर के कार्य करके राशि भी अर्जित की।

fo'ofo|ky; jktxkj lpuk vkj ekxn'ku C;jk

विश्वविद्यालय रोजगार सूचना और मार्गदर्शन ब्यूरो, जेएनयू का गठन विश्वविद्यालय रोजगार ब्यूरो हेतु राष्ट्रीय सेवा के वर्किंग ग्रुप की सिफारिशों के आधार पर किया गया है। इन सिफारिशों का अनुमोदन श्रम मंत्रालय द्वारा वर्ष 1962 में किया गया था। ब्यूरो वर्ष 1976 से दिल्ली प्रशासन के सहयोग से अपना कामकाज कर रहा है।

वर्ष 2004–2005 के लिए दिल्ली सरकार द्वारा 7 लाख रुपए के बजट की व्यवस्था की गई। विश्वविद्यालय का एक वरिष्ठ शिक्षक प्रोफेसर–इन्चार्ज होता है और वह ब्यूरो के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है। विश्वविद्यालय ब्यूरो को आधारभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराता है। ब्यूरो जेएनयू छात्रों के लिए रोजगार पंजीकरण, व्यक्तिगत सलाह और जरूरतमंद छात्रों का मार्गदर्शन भी करता है।

d- fo'ofo|ky; dkVZ dh lnL;

(1.4.2004 से 31.3.2005 तक)

1 डॉ. कर्ण सिंह, कुलाधिपति और अध्यक्ष
2 प्रो. गोपाल कृष्ण चड्ढा, कुलपति
3 प्रो. बलवीर अरोड़ा, कुलदेशिक–I
4 प्रो. राजीव कृष्ण सक्सेना, कुलदेशिक–II
5 प्रो. जी मेहता
6 डॉ. एस.के. जोशी
7 श्री जे.सी. पन्त
8 प्रो. पी. रामाराव
9 प्रो. सुषमा जैन
10 प्रो. पुष्पेश पन्त 19.6.2004 से
11 डॉ. एस.के. गोस्वामी
12 डॉ. मिलाप चन्द शर्मा 18.6.2004 तक
13 डॉ. संघमित्र शील आचार्य 19.6.2004 से
14 प्रो. राजेन्द्र डेंगले
15 प्रो. आर.के. काले
16 श्री रमेश कुमार, कुलसचिव और सदस्य–सचिव
17 श्री एस. नन्दक्योलयार, वित्त अधिकारी
18 डॉ. एस.एस. जोधका
19 श्री एस.के. खुल्लर, कार्यकारी पुस्तकालयाध्यक्ष 2.1.2005 तक
20 डॉ. मुत्तैया एम. कोगनूरमथ, पुस्तकालयाध्यक्ष 3.1.2005 से
21 प्रो. आलोक भट्टाचार्य 31.7.2004 तक और पुनः 1.11.2004 से
22 प्रो. आर.एन.के. बामजई 1.8.2004 से
23 प्रो. आर.आर. शर्मा
24 प्रो. मनमोहन अग्रवाल 1.2.2005 से
25 प्रो. एम.के. पलाट 31.8.2004 तक
26 प्रो. आर.पी. सेनगुप्ता 1.9.2004 से
27 प्रो. एच.सी. पाण्डे 31.1.2005 तक
28 प्रो. ए.के. बासु
29 प्रो. कस्तूरी दत्ता 2.7.2004 तक
30 प्रो. जे. बिहारी 3.7.2004 से
31 प्रो. कर्मेषु
32 प्रो. एच.बी. बोहिदार
33 प्रो. ज्योतिंद्र जैन
34 प्रो. जे. सुब्बा राव 31.10.2004 तक
35 प्रो. अब्दुल नफे 8.11.2004 तक
36 प्रो. सी.एस. राज 9.11.2004 से
37 प्रो. मनोज पंत
38 डॉ. एच.एस. प्रभाकर
39 प्रो. सी.एस.आर. मूर्ती
40 प्रो. अनुराधा मित्र चिनॉय 8.1.2005 तक
41 प्रो. ए.के. पटनायक 9.1.2005 से
42 प्रो. उमा सिंह
43 प्रो. ए.के. पाशा
44 प्रो. अरुण कुमार 9.8.2004 तक
45 प्रो. जयती घोष 10.8.2004 से
46 प्रो. मृदुला मुखर्जी
47 प्रो. ज़ोया हसन 29.8.2004 तक
48 प्रो. सुधा पई 30.8.2004 से
49 प्रो. वी.वी. कृष्णा 12.5.2004 तक
50 डॉ. पी.एन. देसाई 13.5.2004 से
51 डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा
52 प्रो. आनन्द कुमार
53 प्रो. बी.के. खादरिया
54 प्रो. असलम महमूद 6.1.2005 तक
55 प्रो. एम.डी. विमूरी 7.1.2005 से
56 प्रो. गुरुप्रीत महाजन 9.1.2005 तक
57 प्रो. सत्य पी. गौतम 10.1.2005 से
58 प्रो. मो. असलम इस्लाही 30.6.2004 तक
59. प्रो. एस.ए. रहमान 1.7.2004 से
60 प्रो. एस.ए. हसन
61 प्रो. अनिल भट्टी 1.9.2004 तक
62 प्रो. रेखा वैद्यराजन 2.9.2004 तक
63 प्रो. आर. कुमार 26.12.2004 तक
64 प्रो. शंकर बासु 27.12.2004 से
65 प्रो. वसन्त जी. गद्रे
66 प्रो. एस.पी. गांगुली 1.2.2005 से
67 प्रो. के. मादवन
68 प्रो. एन.ए. खान 22.3.2005 तक
69 प्रो. मोहम्मद शाहिद हुसैन 23.3.2005 से
70 प्रो. एस.के. सरीन
71 प्रो. पी.के मोटवानी 31.10.2004 तक
72 डॉ. माणिक लाल भट्टाचार्य 31.8.2004 तक
73 डॉ. सबरी मित्रा 1.9.2004 से

74 प्रो. नीरजा गोपाल जयाल
75 डॉ. अमित प्रकाश 14.9.2004 से
76 प्रो. सन्तोष के. कार
77 डॉ. जी. मुखोपाध्याय
78 डॉ. शशि प्रभा कुमार
79 प्रो. आई.एन. मुखर्जी 31.1.2005 तक
80 प्रो. प्रभात पटनायक
81 प्रो. सुधा एम. कौशिक 31.7.2004 तक
82 प्रो. राजेन्द्र प्रसाद 1.8.2004 से
83 प्रो. जी.पी. मलिक 31.10.2004 तक
84 प्रो. वी.के. जैन 1.11.2004 से
85 प्रो. सी.पी. कट्टी 24.1.2005 तक
86 प्रो. एन. परिमाला 25.1.2005 से
87 प्रो. ए.के. रस्तोगी
88 प्रो. राकेश भटनागर
89 डॉ. तुलसी राम 15.1.2005 तक
90 डॉ. गंगनाथ झा 16.1.2005 से
91 प्रो. पी.के. चौधरी 11.11.2004 तक
92 सच्चिदानन्द सिन्हा 12.11.2004 से
93 डॉ. चरनजीत सिंह 6.10.2004 तक
94 डॉ. ए. चट्टोपाध्याय 7.10.2004 से
95 डॉ. के. नटराजन
96 डॉ. ए.एल. रामनाथन
97 डॉ. आर.सी. फोहा 15.8.2004 तक
98 डॉ. सोनाझरिया मिंज 16.8.2004 से
99 डॉ. प्रसनजीत सेन 14.9.2004 तक
100 डॉ. एस.पी. दास 15.9.2004 से 23.3.2005 तक
101 डॉ. सुभाशिष घोष
102 डॉ. बिष्णुप्रिया दत्त
103 डॉ. के.जे. मुखर्जी 3.1.2005 तक
104 डॉ. डी. चौधुरी 9.1.2005 से
105 डॉ. अमिता सिंह
106 डॉ. सी.के. मुखोपाध्याय
107 डॉ. फूलबदन
108 डॉ. सुचरिता सेन
109 सुश्री मीनू बक्शी
110 डॉ. एस.एस. कामथ
111 डॉ. डी.के. लोबियाल 17.8.2004 तक
112 डॉ. टी.वी. विजय कुमार 19.8.2004 से
113 डॉ. अनुश्री मलिक 30.11.2004 तक
114 डॉ. इलोरा घोष 23.2.2005 से
115 डॉ. सत्यब्रत पटनायक
116 डॉ. हिमांशु अग्रवाल 13.7.2004 तक
117 डॉ. ए.एम. लिन 15.7.2004 से
118 श्री एस.एस. मैत्रा
119 डॉ. एस.के. धर
120 डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ल
121 डॉ. राम सिंह 31.1.2005 तक
122 डॉ. जयवीर सिंह 1.2.2005 से
123 कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे.
124 कमांडर, सेना कैडेट महाविद्यालय, देहरादून
125 निदेशक, विकास अध्ययन केन्द्र, तिरूवनन्तपुरम
126 निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुम्बई
127 कमांडेंट, सेना इलैक्ट्रानिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरी महाविद्यालय, सिकन्दराबाद
128 कमांडेंट, सेना दूरसंचार इंजीनियरी महाविद्याविद्यालय, महू
129 निदेशक, कोशिकीय और अणु जीव–विज्ञान केन्द्र, हैदराबाद
130 कमांडेंट, सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, पुणे
131 निदेशक, नेशनल सेन्टर फार प्लांट जीनोमिक रिसर्च, नई दिल्ली
132 प्राचार्य, नौसेना इंजीनियरी महाविद्यालय, लोनवाला
133 निदेशक, सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ़.
134 निदेशक, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
135 निदेशक, सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ मेडिसिनल ऐंड एरोमेटिक प्लान्ट्स, लखनऊ.
136 निदेशक, रमण अनुसंधान संस्थान, बंगलौर
137 निदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय आनुवंशिक इंजीनियरी और जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र, नई दिल्ली,
138 निदेशक, नाभिकीय विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली.
139 निदेशक, केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ
140 श्री अलोक कुमार मेहता, संसद सदस्य, 24.9.2004 से
141 श्री बासुदेब बर्मन, संसद सदस्य, 24.9.2004 से
142 सुश्री अर्चना नायक, संसद सदस्य, 24.9.2004 से
143 श्री अजय माकन, संसद सदस्य 24.9.2004 से
144 श्री धर्मेन्द्र प्रधान, संसद सदस्य 24.9.2004 से
145 श्री सी.के. चन्द्रप्पन, संसद सदस्य 21.12.2004 से
146 श्री बी.जे. पण्डा,, संसद सदस्य
147 श्री बी.पी. आप्टे, संसद सदस्य
148 डॉ. वी. मैत्रेयन, संसद सदस्य 28.8.2004 तक
149 श्री जयराम रमेश, संसद सदस्य 29.8.2004 से
150 डॉ. ए.आर. किदवई 30.4.2004 तक
151 श्री एन.आर. गोविंदराजर, संसद सदस्य, 29.8.2004 से
152 प्रो. जे. महाराणा
153 प्रो. भुवन चन्देल

[k- dk;l ifj"kn d lnL;

(1.4.2004 से 31.3.2005 तक)

1	प्रो. जी.के. चड्ढा, कुलपति	अध्यक्ष
2	प्रो. बलवीर अरोड़ा, कुलदेशिक	
3	प्रो. राजेन्द्र डेंगले	
4	प्रो. एच.सी. पाण्डे	31.1.2005 तक
5	प्रो. आर.पी. सेनगुप्ता	1.2.2005 से
6	प्रो. आर.आर. शर्मा	31.1.2005 तक
7	प्रो. ज्योतिन्द्र जैन	1.2.2005 से
8	पो. कर्मेषु	
9	प्रो. कस्तूरी दत्ता	2.7.2004 तक
10	प्रो. एम.के. पलाट	3.7.2004 से 31.8.2004 तक
11	प्रो. जे. बिहारी	1.9.2004 से
12	प्रो. आलोक भट्टाचार्य	31.7.2004 तक
13	प्रो. एच.बी. बोहिदार	1.8.2004 से
14	प्रो. पी. रामाराव	
15	प्रो. जी. मेहता	
16	श्री जे.सी. पन्त	
17	डॉ. एस.के. जोशी	
18	प्रो. सुषमा जैन	18.6.2004 तक
19	डॉ. एस.के. गोस्वामी	
20	डॉ. मिलाप चन्द शर्मा	18.6.2004 तक
21	प्रो. पुष्पेष पंत	19.6.2004 से
22	डॉ. संघमित्रा शील आचार्य	19.6.2004 से
23	प्राचार्य, नौसेना इंजीनियरी महाविद्यालय, लोनवाला	
24	निदेशक, केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	

....

x- fo|k ifj"kn d: lnL;

(1.4.2004 से 31.3.2005 तक)

1	प्रो. जी.के. चड्ढा, कुलपति	– अध्यक्ष
2	प्रो. बलवीर अरोड़ा, कुलदेशिक	
3	प्रो. राजीव कृष्ण सक्सेना, कुलदेशिक	
4	प्रो. आलोक भट्टाचार्य	31.7.2004 तक और पुनः 1.11.2004 से
5	प्रो. आर.एन.के. बामजई	1.8.2004 से
6	प्रो. आर.आर. शर्मा	
7	प्रो. मनमोहन अग्रवाल	1.2.2005 से
8	प्रो. एम.के. पलाट	31.8.2004 तक
9	प्रो. आर.पी. सेनगुप्ता	1.9.2004 से
10	प्रो. एच.सी. पाण्डे	31.1.2005 तक
11	ए.के. बासु	
12	प्रो. कस्तूरी दत्ता	2.7.2004 तक
13	प्रो. जे. बिहारी	3.7.2004 से
14	प्रो. कर्मेषु	
15	प्रो. एच.बी. बोहिदार	
16	प्रो. ज्योतिन्द्र जैन	
17	प्रो. जे. सुब्बा राव	31.10.2004 तक
18	प्रो. राजेन्द्र डेंगले	
19	प्रो. आर.के. काले	
20	प्रो. सुषमा जैन	
21	प्रो. वरुण कुमार साहनी	12.11.2004 से
22	श्री एस.के. खुल्लर (कार्यकारी पुस्तकालयाध्यक्ष)	2.1.2005 तक
23	डॉ. मुत्तैया एम. कोगनूरमथ (पुस्तकालयाध्यक्ष)	3.1.2005 से
24	प्रो. अब्दुल नफे	8.11.2004 तक
25	प्रो. सी.एस. राज	9.11.2004 से
26	प्रो. मनोज पंत	
27	डॉ. एच.एस. प्रभाकर	
28	प्रो. सी.एस.आर. मूर्ती	
29	प्रो. अनुराधा मित्र चिनॉय	8.1.2005 तक
30	प्रो. ए.के. पटनायक	9.1.2005 से
31	प्रो. उमा सिंह	
32	डॉ. ए.के. पाशा	
33	प्रो. अरुण कुमार	9.8.2004 तक
34	प्रो. जयति घोष	10.8.2004 से
35	प्रो. मृदुला मुखर्जी	
36	प्रो. जोया हसन	29.8.2004 तक
37	प्रो. सुधा पई	30.8.2004 से
38	प्रो. वी.वी. कृष्णा	12.5.2004 तक
39	डॉ. पी.एन. देसाई	13.5.2004 से
40	डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा	
41	प्रो. आनन्द कुमार	
42	प्रो. बी.के. खादरिया	
43	प्रो. असलम महमूद	6.1.2005 तक
44	प्रो. एम.डी. विमूरी	7.1.2005 से
45	प्रो. गुरप्रीत महाजन	9.1.2005 तक
46	प्रो. सत्य पी. गौतम	10.1.2005 से
47	प्रो. मो. असलम इस्लाही	30.6.2004 तक
48	प्रो. एस.ए. रहमान	1.7.2004 से
49	प्रो. एस.ए. हसन	
50	प्रो. अनिल भट्टी	1.9.2004 तक
51	प्रो. रेखा वैद्याराजन	2.9.2004 से
52	प्रो. आर. कुमार	26.12.2004 तक
53	प्रो. शंकर बासु	27.12.2004 से
54	प्रो. वसन्त जी. गद्रे	
55	प्रो. एस.पी. गांगुली	1.2.2005 से
56	प्रो. के. मादवन	
57	प्रो. एन.ए. खान	22.3.2005 तक
58	प्रो. मो. शाहिद हुसैन	23.3.2005 से
59	प्रो. एस.के. सरीन	
60	प्रो. पी.के. मोटवानी	31.10.2004 तक
61	डॉ. माणिक लाल भट्टाचार्य	31.8.2004 तक
62	डॉ. सबरी मित्रा	1.9.2004 से
63	प्रो. नीरजा गोपाल जयाल	
64	डॉ. अमित प्रकाश	14.9.2004 से
65	प्रो. सन्तोष के. कार	
66	डॉ. जी. मुखोपाध्याय	
67	डॉ. शशि प्रभा कुमार	
68	प्रो. आई.एन. मुखर्जी	31.1.2005 तक
69	प्रो. प्रभात पटनायक	
70	प्रो. सुधा एम. कौशिक	31.7.2004 तक
71	प्रो. राजेन्द्र प्रसाद	1.8.2004 से
72	प्रो. जी.पी. मलिक	31.10.2004 तक
73	प्रो. वी.के. जैन	1.11.2004 से
74	प्रो. सी.पी. कट्टी	24.1.2005 तक

75	प्रो. एन. परिमाला	25.1.2005 से
76	प्रो. ए.के. रस्तोगी	
77	प्रो. राकेश भटनागर	
78	डॉ. तुलसी राम	15.1.2005 तक
79	प्रो. गंगनाथ झा	16.1.2005 से
80	डॉ. पी.के. चौधरी	11.11.2004 तक
81	डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा	12.11.2004 से
82	डॉ. चरणजीत सिंह	6.10.2004 तक
83	डॉ. ए. चट्टोपाध्याय	7.10.2004 से
84	डॉ. के. नटराजन	
85	डॉ. ए.एल. रामनाथन	
86	डॉ. आर.सी. फोहा	15.8.2004 तक
87	डॉ. सोनाझरिया मिंज	16.8.2004 से
88	डॉ. प्रसनजीत सेन	14.9.2004 तक
89	डॉ. एस.पी. दास	15.9.2004 से 23.3.2005 तक
90	डॉ. सुभाशिष घोष	24.3.2005 से
91	डॉ. बिष्णुप्रिया दत्त	
92	डॉ. के.जे. मुखर्जी	3.1.2005 तक
93	डॉ. डी. चौधुरी	9.1.2005 से
94	डॉ. अमिता सिंह	
95	डॉ. सी.के. मुखोपाध्याय	
96	डॉ. फूल बदन	
97	डॉ. सुचरिता सेन	
98	सुश्री मीनू बक्शी	
99	डॉ. एस.एस. कामथ	
100	डॉ. डी.के. लोबियाल	17.8.2004 तक
101	डॉ. टी.वी. विजय कुमार	19.8.2004 से
102	डॉ. अनुश्री मलिक	31.11.2004 तक
103	डॉ. इलोरा घोष	23.2.2005 से
104	डॉ. सत्यब्रत पटनायक	
105	डॉ. हिमांशु अग्रवाल	13.7.2004 तक
106	डॉ. ए.एम. लिन	15.7.2004 से
107	श्री एस.एस. मैत्रा	
108	डॉ. एस.के. धर	
109	डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ल	
110	डॉ. राम सिंह	31.1.2005 तक
111	डॉ. जयवीर सिंह	1.2.2005 से
112	डॉ. नवीन खन्ना	10.9.2004 तक
113	डॉ. वी. शिव रेड्डी	2.11.2004 से
114	प्रो. तपन चक्रबर्ती	10.9.2004 तक
115	डॉ. आर.एस. जोली	2.11.2004 से
116	डॉ. एस.सी. जोशी	7.1.2005 तक और पुनः 31.3.2005 से
117	ले. कर्नल एस.के. शर्मा	
118	डॉ. अचिन चक्रबर्ती	29.7.2004 तक
119	प्रो. के.पी. कानन	30.7.2004 से 26.12.2004 तक
120	प्रो. के. नारायणन नायर	27.12.2004 से
121	डॉ. जे.वी. जख़्मी	
122	डॉ. देबाशिष मोहन्ती	10.9.2004 तक
123	डॉ. अमिताभ मुखोपाध्याय	2.11.2004 से
124	प्रो. सी.एम. राव	12.3.2005 तक
125	ब्रिगेडियर इवान डेविड	10.9.2004 तक
126	ब्रिगेडियर आर. संगम	2.11.2004 से
127	ब्रिगेडियर जोसफ मैथ्यू	1.11.2004 तक
128	कर्नल एच. कृष्णन	2.11.2004 से
129	डॉ. वी.पी. सिंह	28.2.2005 तक
130	प्रो. डी.वी.बी. स्वामी	31.3.2005 से
131	डॉ. सी.एम. गुप्ता	7.1.2005 तक
132	डॉ. दिनेश के. दीक्षित	31.3.2005 से
133	ब्रिगेडियर एन.एल. पाण्डेय	2.11.2004 से 28.1.2005 तक
134	ब्रिगेडियर ए.एस. देशपाण्डे	31.3.2005 से
135	मेजर जनरल एस.के. कपूर	1.11.2004 तक
136	प्रो. के.ए. सुरेश	10.9.2004 तक
137	प्रो. एन.वी. मधुसूदन	2.11.2004 से
138	डॉ. एस.पी.एस. खनूजा	10.9.2004 तक और पुनः 2.11.2004 से
139	डॉ. सुदीप चट्टोपाध्याय	18.6.2004 से
140	डॉ. अरुणा सितेश	10.9.2004 तक
141	प्रो. के. सच्चिदानन्दन	2.11.2004 से
142	प्रो. सुब्रत सिन्हा	10.9.2004 तक
143	प्रो. एस.के. जैन	2.11.2004 से
144	प्रो. सुमित सरकार	10.9.2004 तक
145	डॉ. अमरेश बागची	2.11.2004 से
146	एयर कमाडोर जसजीत सिंह	
147	प्रो. सांतनु चौधरी	10.9.2004 तक
148	डॉ. बी.एल.एस. प्रकाश राव	2.11.2004 से
149	डॉ. सुनीता नारायण	10.9.2004 तक
150	प्रो. सी.आर. बाबू	2.11.2004 से
151	प्रो. एस. राय चौधरी	
152	श्री एम. मोनी	2.11.2004 से
153	प्रो. सोमनाथ बिश्वास	10.9.2004 तक
154	प्रो. बी.एन. गोस्वामी	10.9.2004 तक और पुनः 2.11.2004 से

?k- foÙk lfefr dk lnL;
(1.4.2004 से 31.3.2005 तक)

1 प्रो. गोपाल कृष्ण चड्ढा — अध्यक्ष
कुलपति

2 श्री पवन अग्रवाल, आई.ए.एस.
वित्त सलाहकार
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

3 श्री एस.के. रे, आई.ए.एस.
वित्त सलाहकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

4 श्री सुनील कुमार, आई.ए.एस.
संयुक्त सचिव (उच्च शिक्षा)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार

5 प्रो. एम. गोविन्द राव
निदेशक
राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान

6 डॉ. आर.के. नायक
संसद सदस्य (राज्य सभा)

7 श्री टी.एन. ठाकुर, आई.ए. ऐण्ड ए.एस.
अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक
ऊर्जा व्यापार निगम

8 श्री एस. नन्दक्योलयार
वित्त अधिकारी, जे.एन.यू.

....

f'k{kd

d- fo'ofo|ky; d f'k{kd ¼31-3-2005 d vuqlkj½

1- dEI;wVj vkSj i)fr foKku laLFkku

iksQslj	,lksfl,V iksQslj	lgk;d iksQslj
1. आर.जी. गुप्ता	1. आर.सी. फोहा	1. टी.वी. विजय कुमार
2. कर्मेषु	2. सुश्री सोनाझरिया मिंज	2. सुशील कुमार
3. के.के. भारद्वाज	3. डी.के. लोबियाल	3. ज़ाहिद रजा
4. जी.वी. सिंह	4. देव प्रकाश विद्यार्थी	4. अदिति शरण
5. पी.सी. सक्सेना	5. रमेश कुमार अग्रवाल	
6. सी.पी. कट्टी		
7. एस बालासुन्दरम		
8. सुश्री एन. परिमाला		

2- i;kZoj.k foKku laLFkku

iksQslj	,lksfl,V iksQslj	lgk;d iksQslj
1. वी. सुब्रमणियन	1. सुश्री जे.डी. शर्मा	1. इलोरा घोष
2. वी. राजमणि	2. एस. मुखर्जी	2. पॉलराज
3. जे. सुब्बा राव	3. ए.एल. रामानाथन	3. कृष्ण कुमार
4. सुश्री कस्तूरी दत्ता	4. इन्दु शेखर ठाकुर	
5. डी.के. बैनर्जी	5. पंडित सुदन खिलारे	
6. जितेन्द्र बिहारी		
7. जी.पी. मलिक		
8. वी.के. जैन		
9. ए.के. भट्टाचार्य		
10. बृज गोपाल		
11. एस.आई. हसनैन		
12. कृष्ण गोपाल सक्सेना		
13. सुश्री सुधा भट्टाचार्य		
14. अरुण के. अत्री		

3- varjkZ"Vªh; v/;;u laLFkku

vejhdh vkSj if'pehj ;wjksih; v/;;u dsUnz

1. सी.एस. राज	1. चिन्तामणि महापात्रा
2. आर.के. जैन	2. सुश्री के.पी. विजय लक्ष्मी
3. अब्दुल नफे	3. सुश्री उम्मू सलमा बावा
4. आर.एल. चावला	

ikQlj	,lkfl,V ikQlj	lgk;d ikQlj

jktu;] vrjk"Vh; fof/k vkj vFk'kkL= v/;;u dUn

1. एस.के. दास	1. गुरबचन सिंह	1. मनीष सीताराम दाबड़े
2. मनमोहन अग्रवाल	2. सुश्री संगीता बंसल	
3. पी.के. पन्त	3. वेंकटाचल जी. हेग	
4. वाई के. त्यागी	4. मीता केसवानी	
5. बी.एस. चिमनी		
6. मनोज पन्त		
7. आलोकेश बरुआ		
8. अमित एस. रे		
9. वी.एस. मणि		
10. भरत देसाई		

ioh ,f'k;kb v/;;u dUn

1. सुश्री लालिमा वर्मा	1. एच.एस. प्रभाकर	1. डी.वी. शेखर
	2. सुश्री मधु भल्ला	
	3. सुश्री अलका आचार्य	

vrjk"Vh; jktuhfr] lxBu vkj fujL=hdj.k dUn

1. अमिताभ मट्टू	1. एस.एस. देवड़ा	1. सिद्धार्थ मल्लवारपू
2. वरुण साहनी	2. एस.एस. जायसवाल	2. सुश्री अर्चना नेगी
3. सी.एस.आर. मूर्ति	3. राजेश राजगोपालन	3. कृष्णेन्द्र मीणा
	4. सुश्री येशी चोयदन	

:lh] e/; ,f'k;kb vkj ioh ;jkih; v/;;u dUn

1. आर.आर. शर्मा	1. तुलसी राम	1. फूल बदन
2. ए.के. पटनायक	2. गुलशन सचदेवा	2. सुश्री भास्वती सरकार
3. शशिकांत झा	3. ताहिर असगर	3. सुश्री प्रीति डी. दास
4. सुश्री अनुराधा मित्र चिनॉय	4. संजय कुमार पाण्डेय	

nf{k.k] e/;] nf{k.k&iot ,f'k;kb vkj nf{k.k&if'pe egklkxjh; v/;;u dUn

1. आई.एन. मुखर्जी	1. गंगनाथ झा	1. अम्बरीश ढाका
2. एस.डी. मुनि	2. पी. सहदेवन	2. संजय कुमार भारद्वाज
3. के. वारिकू	3. सुश्री मनमोहिनी कौल	
4. दावा टी. नोरबू	4. सुश्री सविता पाण्डेय	
5. सुश्री उमा सिंह	5. सुश्री शंकरी सुन्दररमण	
6. एम.पी. लामा		
7. सी. राजा मोहन		

ikQlj	,lkfl,V ikQlj	lgk;d ikQlj

if'peh ,f'k;kbl vkj vÝhdh v/;;u dUn

1. सुश्री गुलशन डायटल	1. एस.एन. मालाकार	1. ए.के. महापात्रा
2. जी.सी. पन्त	2. पी.आर. कुमारस्वामी	
3. अजय कुमार दुबे	3. पी.सी. जैन	
4. ए.के. पाशा	4. अनवार आलम	

vUrjk"Vh; lcU/k e: ,e-,- ikB;Øe

1. ओ.पी. बख्शी
2. कमल मित्र चिनॉय

4- Hkk"kk] lkfgR; vkj lLÑfr v/;;u lLFkku

vjch vkj vÝhdh v/;;u dUn

1. एस.ए. रहमान	1. ए. बशीर अहमद	1. रिज़वानुर रहमान
2. मोहम्मद असलम इस्लाही		2. मुजीबुर रहमान
3. फैजुल्लाह फारुकी		

Qkjlh vkj e/; ,f'k;kbl v/;;u dUn

1. सुश्री एस.जे. हवेवाला	1. अख़्तर मेंहदी	1. एस.ए. हुसैन
2. सैय्यद ऐनुल हसन		2. ए.ए. अंसारी
3. सुश्री जेड.एस. काजमी		

tkiku vkj mÙkj iohl ,f'k;kbl v/;;u dUn

1. पी.के. मोटवानी	1. सुश्री अनीता खन्ना	1. सुश्री नीरा कोंगरी
2. आर. तोमर	2. सुश्री मंजुश्री चौहान	2. डी.के. तिवारी
3. सुश्री सुषमा जैन	3. पी.ए. जॉर्ज	3. सुश्री वी. राघवन
		4. रविकेश
		5. सुश्री एम.वी. लक्ष्मी
		6. सुश्री जनश्रुति चन्द्र सेठ

phuh vkj nf{k.k iohl ,f'k;kbl v/;;u dUn

	1. प्रियदर्शी मुखर्जी	1. देवेन्द्र रावत
	2. माणिक लाल भट्टाचार्य	2. सुश्री दयावंती
	3. सुश्री सबरी मित्रा	
	4. हेमन्त के. अदलखा	
	5. बी.आर. दीपक	

ikQslj	,lkfl,V ikQslj	lgk;d ikQslj
Hkk"kk foKku vkj vxth dUn		
1. कपिल कपूर	1. जी.वी. प्रसाद	1. सुश्री ए. किदवई
2. एच.सी. नारंग	2. फ्रेंसन डी. मंजली	2. सुश्री नवनीत सेठी
3. सुश्री अन्विता अब्बी	3. सोगाता भादुरी	
4. सुश्री वैश्ना नारंग		
5. एस.के. सरीन		
6. एम.आर. प्रांजपे		
7. पी.के. पाण्डेय		
Ýp vkj ÝdkQku v/;;u dUn		
1. के. मादवन	1. सुश्री एन. कमला	1. सुश्री एस. शोभा
2. जी.डी. शिवम	2. सुश्री विजयलक्ष्मी राव	2. आशिष अग्निहोत्री
3. सुश्री शान्ता रामाकृष्णा	3. अभिजीत कारकून	3. अजीत कन्ना
4. सुश्री किरन चौधुरी		
teu v/;;u dUn		
1. प्रमोद तलगेरि	1. आर.सी. गुप्ता	1. सुश्री चित्रा हर्षवर्धन
2. अनिल भट्टी	2. सुश्री मधु साहनी	2. सुश्री एस. नैथानी
3. सुश्री रेखा वैद्याराजन	3. सुश्री विभा सुराना	
4. एस.बी. ससालती		
5. राजेन्द्र डेंगले		
Hkkjrh; Hkk"kk dUn		
1. मैनेजर पाण्डेय	1. वीर भारत तलवार	1. मज़हर हुसैन
2. नसीर अहमद खान	2. सैय्यद मोहम्मद ए. आलम	2. डी.के. चौबे
3. मोहम्मद शाहिद हुसैन	3. गोविन्द प्रसाद	3. के.एम. इकरामुद्दीन
4. पुरुषोत्तम अग्रवाल	4. रंजीत कुमार साहा	4. आर.पी. सिन्हा
: lh v/;;u dUn		
1. एच.सी. पाण्डे	1. चरणजीत सिंह	1. किरण सिंह वर्मा
2. ए.के. बासु	2. सुश्री मनु मित्तल	2. अजय कुमार करनाती
3. वरयाम सिंह	3. नासर शकील रूमी	
4. रामाधिकारी कुमार	4. सुश्री रितु मालती जैरथ	
5. शंकर बासु	5. सुश्री मीता नारायण	
6. आर.एन. मेनन		

ikQlj	,lkfl,V ikQlj	lgk;d ikQlj

bLiuh] iqrxkyh] brkoyh vkj yfVu vejhdh v/;;u dUn

1. वसंत जी. गद्रे	1. अपराजित चट्टोपाध्याय	1. सुश्री मीनू बक्शी
2. एस.पी. गांगुली	2. ए.के. धींगरा	2. एस.के. सन्याल
	3. सुश्री इंद्रानी मुखर्जी	3. राजीव सक्सेना

n'ku'kkL= xqi

1. आर.पी. सिंह

5- thou foKku lLFkku

1. आशिष दत्ता	1. एस.के. गोस्वामी	1. दीपक शर्मा
2. राजेन्द्र प्रसाद	2. के. नटराजन	2. अश्वनी पारीक
3. सुश्री नजमा ज़हीर बाक़र	3. पी.सी. रथ	3. सुश्री एस.एस. कामथ
4. के.सी. उपाध्याय	4. अशीष कुमार नंदी	4. सुश्री नीलिमा मण्डल
5. राजीव के. सक्सेना	5. सुप्रिया चक्रवर्ती	5. एस. गौरीनाथ
6. आलोक भट्टाचार्य	6. अजय कुमार सक्सेना	6. सुश्री रोहिनी मुथुस्वामी
7. सुश्री सुधा महाजन कौशिक		7. अतुल कुमार जोहरी
8. आर.एन.के. बामजेई		
9. आर.के. काले		
10. सुश्री आर. मधुबाला		
11. पी.के. यादव		
12. सुश्री नीरा बी. सरीन		
13. बी.एन. मलिक		
14. बी.सी. त्रिपाठी		

6- vk.kfod fpfdRlk&'kkL= fo'k"k dUn

	1. जी. मुखोपाध्याय	1. आर.के. त्यागी
	2. सी.के. मुखोपाध्याय	2. एस.के. धर

7- Hkkfrd foKku lLFkku

1. दीपक कुमार	1. सुबीर कुमार सरकार	1. एस. पटनायक
2. आर. रामास्वामी	2. एस.एस.एन. मूर्ति	
3. अखिलेश पाण्डेय	3. प्रसनजीत सेन	
4. ए.के. रस्तोगी	4. सुभाशीष घोष	
5. एच.बी. बोहिदार		
6. संजय पुरी		
7. सुश्री रूपमंजरी घोष		
8. शंकर प्रसाद दास		

ikQlj	,lkfl,V ikQlj	lgk;d ikQlj

8- lkekftd foKku lLFkku

vkfFkd v/;;u vkj fu;ktu dUn

1. अंजन मुखर्जी	1. सुगातो दासगुप्ता	1. सुश्री अर्चना अग्रवाल
2. सुश्री उत्सा पटनायक	2. पी.के. झा	2. विकास रावल
3. प्रभात पटनायक	3. अरिजीत सेन	3. सुब्रत गुहा
4. रामप्रसाद सेन गुप्ता	4. राम सिंह	4. सुश्री मौसमी दास
5. दीपक नैय्यर		5. अशोक
6. एस.के. जैन		
7. अभिजीत सेन		
8. डी.एन. राव		
9. सी.पी. चन्द्रशेखर		
10. अरुण कुमार		
11. सुश्री जयती घोष		
12. के.जी. दस्तीदार		
13. पी.के. चौधरी		

,frgkfld v/;;u dUn

1. नीलाद्री भट्टाचार्य	1. योगेश शर्मा	1. सुश्री जोय एल.के. पचाऊ
2. सुश्री तनिका सरकार	2. सुश्री एच.पी. रे	2. सुश्री आर. महालक्ष्मी
3. दिलबाग सिंह	3. सुश्री कुम कुम राय	3. हीरामन तिवारी
4. एम.एच. सिद्दीकी	4. इंदीवर काम्तेकर	4. सुश्री ज्योति अटवाल
5. सुश्री मृदुला मुखर्जी	5. सुश्री विजय रामास्वामी	
6. आदित्य मुखर्जी	6. सुश्री राधिका सिंह	
7. रजत दत्ता	7. सैयद नजफ हैदर	
8. कुणाल चक्रवर्ती	8. सुचेता महाजन	
9. भगवान सिंह जोश		
10. रणबीर चक्रवर्ती		

{k=h; fodkl v/;;u dUn

1. सुश्री ए.एच. किदवई	1. सच्चिदानन्द सिन्हा	1. सुश्री ए. बन्धोपाध्याय
2. सुश्री एस.के. नांगिया	2. बी.एस. बुटोला	2. डी.एन. दास
3. एम.एच. कुरेशी	3. अतुल सूद	3. पदमिनी पनि
4. हरजीत सिंह	4. मिलाप चन्द शर्मा	
5. एस.के. थोरट	5. सुश्री सुचरिता सेन	
6. असलम महमूद	6. दीपक कुमार मिश्रा	
7. आर.एस. श्रीवास्तव	7. एस. श्रीकेश	
8. ए. कुन्डू		
9. सुश्री सरस्वती राजू		
10. आर.के. शर्मा		
11. एम.डी. विमूरी		
12. पी.एम. कुलकर्णी		

ikQlj	,lksf,V ikQlj	lgk;d ikQlj

jktuhfrd v/;;u dUnz

1. बलबीर अरोड़ा	1. बी.एन. महापात्रा	1. ए. गजेन्द्रन
2. सुश्री सुधा पई	2. सुश्री विधू वर्मा	2. टी.जी. सुरेश
3. राजीव भार्गव	3. पी.आर. कानूनगो	3. सुश्री आशा सारंगी
4. सुश्री जोया हसन	4. सुश्री शेफाली झा	4. राहुल मुखर्जी
5. आर.के. गुप्ता		
6. सुश्री गुरप्रीत महाजन		
7. वी. रोड्रीग्स		
8. गोपाल नारायण गुरु		

foKku uhfr v/;;u dUnz

1. ए. पार्थासारथी	1. पी.एन. देसाई	1. सरदिंदु भादुरी
2. वी.वी. कृष्णा		2. रोहन डी'सूज़ा
		3. माधव गोविंद

lkekftd fpfdRlk&'kkL= vkSj lkeqnkf;d LokLF; dUnz

1. सुश्री इमराना क़ादिर	1. मोहन राव	1. सुश्री अल्पना दया सागर
2. के.आर. नायर	2. सुश्री रामा वी. बारू	2. राजीब दासगुप्ता
	3. सुश्री रितु प्रिया मेहरोत्रा	3. सुश्री सुनीता रेड्डी
	4. सुश्री संघमित्रा शील आचार्य	

lkekftd i)fr v/;;u dUnz

1. एम.एन. पाणिनी	1. सुश्री मैत्रेय चौधरी	1. अमित के. शर्मा
2. दीपांकर गुप्ता	2. सुश्री एस. विश्वनाथन	2. सुश्री नीलिका मेहरोत्रा
3. नन्दू राम	3. अविजित पाठक	3. विवेक कुमार
4. ऐहसानुल हक	4. सुश्री रेणुका सिंह	4. हरीश नारायणदास
5. आनन्द कुमार	5. एस.एस. जोधका	
6. सुश्री तिपलुत नोंगब्री	6. वी. सुजाथा	

tkfdj gqlSu 'kSf{kd v/;;u dUnz

1. सुश्री करुणा चानना	1. सुश्री गीता बी. नाम्बिसन	1. एस.एस. राव
2. बी.के. खादरिया	2. ध्रुव रैना	2. सुश्री मिनाती पण्डा
3. दीपक कुमार	3. सोमन चट्टोपाध्याय	
4. ए.के. मोहन्ती		

ikQlj	,lksf,V ikQlj	lgk;d ikQlj
n'kZu'kkL= dsUæ		
1. एस.पी. गौतम	1. भगत ओयनम	1. सुश्री मोनीदीपा सेन
efgyk v/;;u dk;Øe		
	1. सुश्री मेरी ई. जॉन	
8- tSo&izkS|ksfxdh dsUæ		
1. राकेश भटनागर	1. के.जे. मुखर्जी	1. एस.एस. मैत्रा
2. संतोष कार	2. डी. चौधरी	
3. उत्तम के. पति		
4. सुश्री अपर्णा दीक्षित		
5. राजीव भट्ट		
9- fo'ofo|ky; foKku ;a=hdj.k dsUnz		
1. एस.के. शर्मा		
10- izkS< f'k{kk xqi		
1. एस.वाई. शाह	1. एम.सी. पॉल	
11- fof/k vkSj vfHk'kklu v/;;u dsUæ		
1. सुश्री नीरजा गोपाल जयाल	1. अमित प्रकाश	1. जयवीर सिंह
	2. सुश्री अमिता सिंह	2. सुश्री जेनिफर जलाल
12- laxf.kd izkS|ksfxdh laLFkku		
		1. ए.एम. लिन
13- laLÑr v/;;u dsUæ		
	1. सुश्री शशि प्रभा कुमार	1. रजनीश कुमार मिश्र
		2. सन्तोष कुमार शुक्ल
		3. हरी राम मिश्र
		4. राम नाथ झा
		5. गिरीश नाथ झा

ikQlj	,lksfl,V ikQlj	lgk;d ikQlj

14- dyk vkSj lkSan;Z'kkL= laLFkku

1. ज्योतिन्द्र जैन	1. सुश्री कविता सिंह 2. सुश्री बिष्णुप्रिया दत्त 3. सुश्री शुक्ला सावंत 4. एच.एस. शिव प्रकाश	

[k- vkujsjh@beSfjVl ikQslj
(31.3.2005 के अनुसार)

beSfjVl ikQslj

I- vUrjk"Vªh; v/;;u laLFkku

1. प्रोफेसर एम.एस. राजन
2. प्रोफेसर आर.पी. आनन्द
3. प्रोफेसर एम.एस. वेंकटरमानी

II- Hkk"kk] lkfgR; vkSj laLÑfr v/;;u laLFkku

1. प्रोफेसर नामवर सिंह
2. प्रोफेसर मोहम्मद हसन
3. प्रोफेसर एस. डे
4. प्रोफेसर एस.बी. वर्मा
5. प्रोफेसर एच.एस. गिल
6. प्रोफेसर के.एन. सिंह

III- thou foKku laLFkku

1. प्रोफेसर पी.एन. श्रीवास्तव

IV- lkekftd foKku laLFkku

1. प्रोफेसर रोमिला थापर
2. प्रोफेसर बिपिन चन्द्रा
3. प्रोफेसर जी.एस. भल्ला
4. प्रोफेसर तापस मजूमदार
5. प्रोफेसर योगेन्द्र सिंह
6. प्रोफेसर डी. बनर्जी

V- HkkSfrd foKku laLFkku

1. प्रोफेसर आर. राजारमन

vkujjh ikQlj

Ø-l-	uke	dUæ@lLFkku
1.	महामहिम डॉ. के.आर. नारायणन	सा.वि.सं.
2.	प्रो. मनमोहन सिंह	क्षे.वि.अ.कें./सा.वि.सं.
3.	प्रो. वाई.के. अलघ	क्षे.वि.अ.कें./सा.वि.सं.
4.	प्रो. एस.के. खन्ना	क्षे.वि.अ.कें./सा.वि.सं.
5.	प्रो. जे.एन. कपूर	कं.प.वि.सं.

x- 1-4-2004 l 31-3-2005 d nkjku fu;Dr f'k{kdk dh lph

ikQlj

Ø-l-	uke o inuke	dUæ@lLFkku
1	प्रो. (सुश्री) किरण चौधुरी	भा.सा. और सं.अ.सं.
2	प्रो. भरत देसाई	अ.अ.सं.
3	प्रो. गोपाल नारायण गुरू	सा.वि.सं.
4	प्रो. एस.पी. गौतम	दर्शनशास्त्र केन्द्र
5	प्रो. (सुश्री) तिपलुत नोंगब्री	सा.वि.सं.
6	प्रो. शंकर प्रसाद दास	भौ.वि.सं.

,lkfl,V ikQlj

Ø-l-	uke o inuke	dUæ@lLFkku
1	डॉ. सोमन चट्टोपाध्याय	सा.वि.सं.
2	डॉ. (सुश्री) येशी चोयदन	अ.अ.सं.
3	डॉ. उम्मू सलमा बावा	अ.अ.सं.
4	डॉ. (सुश्री) संगीता बंसल	अ.अ.सं.
5	डॉ. भगत ओयनाम	दर्शनशास्त्र केन्द्र
6	डॉ. सैयद नजफ़ हैदर	सा.वि.सं.
7	डॉ. रणजीत कुमार साहा	भा.सा. और सं.अ.सं.
8	डॉ. (सुश्री) विभा सुराना	भा.सा. और सं.अ.सं.
9	डॉ. डी.के. लोबियाल	कं. और प.वि.सं.
10	डॉ. वेंकटाचल जी. हेग	अ.अ.सं.
11	डॉ. मीता केसवानी	अ.अ.सं.
12	डॉ. संजय कुमार पाण्डेय	अ.अ.सं.
13	डॉ. देव प्रकाश विद्यार्थी	कं. और प.वि.सं.
14	डॉ. दीपक कुमार मिश्र	सा.वि.सं.
15	डॉ. आशिष कुमार नन्दी	जी.वि.सं.

Ø-l-	uke o inuke	dUæ@lLFkku
16	डॉ. सुप्रिया चक्रवर्ती	जी.वि.सं.
17	डॉ. वी. सुजाथा	सा.वि.सं.
18	डॉ. राम सिंह	सा.वि.सं.
19	डॉ. एस. श्रीकेश	सा.वि.सं.
20	डॉ. रमेश कुमार अग्रवाल	कं. और प.वि.सं.
21	डॉ. सुचेता महाजन	सा.वि.सं.
22	डॉ. अजय कुमार सक्सेना	जी.वि.सं.
23	डॉ. (सुश्री) मीता नारायण	भा.सा. और सं.अ.सं.

lgk;d ikQslj

Ø-l-	uke o inuke	dUæ@lLFkku
1	डॉ. (सुश्री) अर्चना नेगी	अ.अ.सं.
2	डॉ. (सुश्री) प्रीति डी. दास	अ.अ.सं.
3	डॉ. किरण सिंह वर्मा	भा.सा. और सं.अ.सं.
4	डॉ. अजय कुमार करनाती	भा.सा. और सं.अ.सं.
5	डॉ. अतुल कुमार जौहरी	जी.वि.सं.
6	डॉ. हरीश नारायणदास	सा.वि.सं.
7	श्री अशोक	सा.वि.सं.
8	डॉ. टी.वी. विजय कुमार	कं. और प.वि.सं.
9	श्री सुशील कुमार	कं. और प.वि.सं.
10	श्री जाहिद राज़ा	कं. और प.वि.सं.
11	डॉ. पदमिनी पनि	सा.वि.सं.
12	डॉ. आदिती शरण	कं. और प.वि.सं.
13	श्री कृष्णेन्द्र मीणा	सा.वि.सं.
14	डॉ. इलोरा घोष	प.वि.सं.
15	डॉ. पॉलराज	प.वि.सं.
16	डॉ. कृष्ण कुमार	प.वि.सं.
17	डॉ. माधव गोविन्द	सा.वि.सं.

?k- 1-4-2004 l 31-3-2005 d nkjku iufu;fDr dh vof/k lekIr gku ij vfre :i l lokfuoÙk f'k{kdk dh lph

Ø-l-	uke o inuke	dUæ@lLFkku
1	प्रो. बी. विवेकानन्दन	अं.अ.सं.
2	प्रो. जी.पी. विमल	भा.सा. और सं.अ.सं.
3	प्रो. आर.एस. बग्गा	भा.सा. और सं.अ.सं.
4	प्रो. सी.के. वार्ष्णेय	प.वि.सं.
5	प्रो. समस–उद्–दीन	अं.अ.सं.

Ø-l-	f'k{kd dk uke	dUæ@lLFkku
6	प्रो. ज़हरूल बारी आज़मी	भा.सा. और सं.अ.सं.
7	प्रो. (सुश्री) किरन सक्सेना	भा.सा. और सं.अ.सं.
8	प्रो. आर.एस. गुप्ता	भा.सा. और सं.अ.सं.
9	प्रो. ए.के. वर्मा	जी.वि.सं.
10	प्रो. के.एस. धींगरा	भा.सा. और सं.अ.सं.
11	प्रो. (सुश्री) निर्मला मार्तंड जोशी	अं.अ.सं.
12	प्रो. एम. आलम	भा.सा. और सं.अ.सं.
13	प्रो. के.एस. सिवासामी	सा.वि.सं.
14	प्रो. एस.सी. मित्तल	भा.सा. और सं.अ.सं.
15	प्रो. सी. कृष्णा मूर्ति	भा.सा. और सं.अ.सं.
16	प्रो. आर.आर. कृष्णन्	अं.अ.सं.
17	प्रो. प्रमोद तलगेरि	भा.सा. और सं.अ.सं.

p- 1-4-2004 l 31-3-2005 d nkjku lokfuoÙk f'k{kdk dh lph

Ø-l-	uke o inuke	dUæ@lLFkku
1	डॉ. जेड.बी. आजमी	भा.सा. और सं.अ.सं.
2	प्रो. वी. सुब्रामणियन	प.वि.सं.
3	प्रो. जी.पी. मलिक	प.वि.सं.
4	प्रो. एम.एच. कुरेशी	सा.वि.सं.
5	प्रो. एस.सी. मित्तल	भा.सा. और सं.अ.सं.
6	प्रो. के.के. त्रिवेदी	सा.वि.सं.
7	प्रो. बालादास घोशाल	अं.अ.सं.
8	डॉ. बी.जी. चक्रवर्ती	भा.सा. और सं.अ.सं.
9	प्रो. एस.के. दास	अं.अ.सं.
10	प्रो. आर.एल. चावला	अं.अ.सं.
11	प्रो. एच.सी. नारंग	भा.सा. और सं.अ.सं.
12	प्रो. कस्तूरी दत्ता	प.वि.सं.

N- 1-4-2004 l 31-3-2005 d nkjku R;kx&i= nu oky f'k{kd

Ø-l-	f'k{kd dk uke	dUæ@lLFkku
1.	डॉ. अनुश्री मलिक	प.वि.सं.
2	श्री आमीर अली	सा.वि.सं.
3	डॉ. शालिनी सक्सेना	सा.वि.सं.
4	डॉ. प्रदीप बन्धोपाध्याय	सू.प्रौ.सं.
5	डॉ. नन्दनी सुन्दर	वि. और अ.अ.के.
6	डॉ. प्रदीप कुमार सिंह पौरुष	प.वि.सं.

t- 1-4-2004 l 31-3-2005 d nkjku iqufu;Dr f'k{kd

Ø-l-	f'k{kd dk uke	dUæ@lLFkku	iqufu;fDr dh vof/k
1	प्रो. प्रमोद तलगेरि	भा.सा. और सं.अ.सं.	01.04.2004 से 31.03.2005
2	प्रो. (सुश्री) सुदेश कुमारी नांगिया	सा.वि.सं.	01.04.2004 से 13.03.2007
3	प्रो. वी. सुब्रामणियन	प.वि.सं.	01.06.2004 से 10.05.2007
4	प्रो. एम.एच. कुरेशी	सा.वि.सं.	01.07.2004 से 30.06.2007
5	प्रो. जी.पी. मलिक	प.वि.सं.	01.07.2004 से 30.06.2005
6	प्रो. एस.सी. मित्तल	भा.सा. और सं.अ.सं.	01.09.2004 से 31.12.2004
7	प्रो. एस.के. दास	अं.अ.सं.	01.11.2004 से 31.12.2005

>- 1-4-2004 l 31-3-2005 d nkjku LFkk;h g, f'k{kd

Ø-l-	f'k{kd dk uke	inuke	dUæ@lLFkku
1	प्रो. सी.एस.आर. मूर्ति	प्रोफेसर	अं.अ.सं.
2	प्रो. वरुण साहनी	प्रोफेसर	अं.अ.सं.
3	प्रो. एस. ऐनुल हसन	प्रोफेसर	भा.सा. और सं.अ.सं.
4	प्रो. अजीत कुमार मोहन्ती	प्रोफेसर	सा.वि.सं.
5	प्रो. वेलरियन रोड्रिग्स	प्रोफेसर	सा.वि.सं.
6	प्रो. के.जी. दस्तीदार	प्रोफेसर	सा.वि.सं.
7	प्रो. किरन चौधरी	प्रोफेसर	भा.सा. और सं.अ.सं.
8	प्रो. के.आर. नायर	प्रोफेसर	सा.वि.सं.
9	डॉ. विधू वर्मा	एसोसिएट प्रोफेसर	सा.वि.सं.
10	डॉ. मिलाप चन्द शर्मा	एसोसिएट प्रोफेसर	सा.वि.सं.
11	डॉ. उम्मू सलमा बावा	एसोसिएट प्रोफेसर	अं.अ.सं.
12	डॉ. येशी चोयदन	एसोसिएट प्रोफेसर	अं.अ.सं.
13	डॉ. राजेश राजगोपालन	एसोसिएट प्रोफेसर	अं.अ.सं.
14	डॉ. आशा सारंगी	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.
15	डॉ. राहुल मुखर्जी	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.
16	डॉ. टी.जी. सुरेश	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.
17	डॉ. स्नेह सुधा कामथ	सहायक प्रोफेसर	जी.वि.सं.
18	डॉ. अश्वनी पारिक	सहायक प्रोफेसर	जी.वि.सं.
19	डॉ. जयवीर सिंह	सहायक प्रोफेसर	वि. और अ.अ.के.
20	डॉ. सरादिन्दु भादुरी	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.
21	डॉ. मनीष सीताराम दाभडे	सहायक प्रोफेसर	अं.अ.सं.
22	डॉ. रोहन डिसूजा	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.
23	डॉ. शंकरी सुन्दररमण	सहायक प्रोफेसर	अं.अ.सं.
24	डॉ. संजय कुमार भारद्वाज	सहायक प्रोफेसर	अं.अ.सं.
25	डॉ. अम्बरीश ढाका	सहायक प्रोफेसर	अं.अ.सं.
26	सुश्री दयावन्ती	सहायक प्रोफेसर	भा.सा. और सं.अ.सं.
27	डॉ. समूद्राला गौरीनाथ	सहायक प्रोफेसर	जी.वि.सं.
28	डॉ. अर्चना नेगी	सहायक प्रोफेसर	अं.अ.सं.
29	डॉ. सुनीता रेड्डी	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.

Ø-l-	f'k{kd dk uke	inuke	dUæ@ lLFkku
30	डॉ. प्रीति डी. दास	सहायक प्रोफेसर	अं.अ.सं.
31	डॉ. सिद्धार्थ मल्लावारपू	सहायक प्रोफेसर	अं.अ.सं.
32	डॉ. रोहिनी मुथूस्वामी	सहायक प्रोफेसर	जी.वि.सं.
33	डॉ. नीलिमा मंडल	सहायक प्रोफेसर	जी.वि.सं.
34	श्री अजय कुमार करनाती	सहायक प्रोफेसर	भा.सा. और सं.अ.सं.
35	डॉ. राजीब दासगुप्ता	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.

V- 1-4-2004 l 31-3-2005 d nkjku LofPNd :i l lokfuoÙk g, f'k{kd

Ø-l-	f'k{kd dk uke	dUæ@ lLFkku
1	प्रो. मुजफ्फर आलम	सा.वि.सं.
2	प्रो. एम.के. पलाट	सा.वि.सं.
3	डॉ. नसरीन चक्रवर्ती	भा.सा. और. सं.अ.सं.

'kks/k Nk=ksa dks inku dh xbZ mikf/k;k¡
¼1-4-2005 ls 31-3-2006 rd½

ih&,p-Mh-

dEI;wVj vkSj i)fr foKku laLFkku

1. श्री खालिद अहमद अबूद ओमेर, "लोकेशन डाटाबेस अपडेट स्कीम्स इन मोबाइल अड हॉक नेटवर्क्स", डॉ. डी.के. लोबियाल, 29.0402005
2. श्री फदल मुताहर मुहसेन बा–अलवी,"डिसकवरी ऑफ हीरारकीकल प्रोडक्शन रूल विद एक्सेप्शंस", प्रोफेसर के. के. भारद्वाज, 29.04.2005
3. श्री देबाश्री गोश्वामी,"स्टडी ऑफ ट्रेन्सिअन्ट बिहेवियर इन इन्नोवेशन डिफ्यूजिअन अन्डर पेरामेट्रिक अनसरटेनिटी : माडलिंग सिम्सूलेशन ऐंड इम्पीरीकल वेलीडेशन", प्रोफेसर कर्मेषु, 28.04.2005
4. श्री राजीव अग्रवाल,"माडलिंग ऑफ वायरलेस कम्यूनिकेशन चेनल्स : फेडिंग – शेडोविंग आस्पेक्ट्स", प्रोफेसर कर्मेषु, 08.07.2005
5. श्री आनन्द प्रकाश रुहिल,"पोजीशन बेस्ड लोकलाइज्ड रुटिंग इन मोबाइल एड–हाक नेटवर्क", डॉ डी.के.लोबियाल, 15.09.2005
6. श्रह सतीश चन्द, "माडलिंग ऑफ बफर स्टोरेज फॉर वीडियो डाटा विद स्पेशल रेफ्रेंस टू जिटर डिले",डॉ. डी. के. लोबियाल, 30.09.2005
7. सुश्री रजनी जैन, "रफ सेट बेस्ड डिसीजन ट्री इन्डक्शन फॉर डाटा माइनिंग",डॉ. सोनाझरिया मिंज, 02.12.2005

thou foKku laLFkku

8. सुश्री अन्जू प्रीत, "रिवर्सल, मैनेजमेंट ऑफ डायबेटिक कम्पेटीकेशंस बाई वेनेडियम ऐंड प्लांट प्रोडक्ट्स", प्रोफेसर एन. जेड. बाक़र और प्रोफेसर पी.के. यादव (सह निर्देशक), 08.04.2005
9. सुश्री पूनम तिवारी, "रोल ऑफ इम्यूनोस्टीम्यूलेट्री ओलगोडेआक्सीन्यूक्लिओटाइड्स ऐंड लीशमानिअल एन्टिजीन्स इन कंफरिंग प्रोटेक्टिव इम्यूनिटी इन माइस इनफेक्टिड विद लीशमानिआ डानोवानी", प्रोफेसर आर. मधुबाला, 12.05.2005
10. सुश्री दिव्या वत्स, " मालक्यूलर ऐंड बायोकेमीकल करेक्ट्राइजेशन ऑफ जीपीआई–ऐंकर्स इन एंटामोइबा हिस्टोलिटिका", प्रोफेसर आलोक भट्टाचार्य, 07.06.2005
11. श्री मुकेश सक्सेना, "माड्यूलेशन ऑफ एक्सप्रेशन ऑफ ग्लाइऑक्सेलेस I ऐंड ग्लाइऑक्सेलेस II इन ट्रांसजेनिक ब्रैसिका जन्सिया", प्रोफेसर नीरा भल्ला सरीन और प्रोफेसर एस.के. सपोरी (सह निर्देशक),24.06.2005
12. सुश्री इन्दु राजामोहन चन्द्रशेखर, "स्ट्रकचरल करेक्ट्राइजेशन ऑफ न्यूरोकिनिन–2 रिसेप्टर सलेक्टिव पेप्टाइड एगोनिस्ट्स : ए मालक्यूलर माडलिंग ऐंडउ स्पेक्ट्रोस्कोपिक इनवेस्टीगेशन", प्रोफेसर सुधा एम. कौशिक,20.07.2007
13. श्री नीलाकांतन टी.वी., "रोल ऑफ एपी–1 ऐंड इट्स एसोसिएटिड प्रोटींस इन कार्डिअक मसल जीन एक्सप्रेशन", डॉ. एस.के. गोस्वामी, 11.08.2005
14. सुश्री ईस्टर मेंडिज, "केमोमोड्यूलेशन ऑफ एमसीए–इन्ड्यूस्ड सरवाइकल कारसिनोजेनिसिस इन मुरिन मॉडल सिस्टम", प्रोफेसर आर.के. काले और प्रोफेसर ए.आर. राव (सेवा–निवृत्त)(सह निर्देशक), 16.03.2005
15. सुश्री विभति गुप्ता, "जेनेटिक सस्सेप्टीबिलिटी टू हेपटीटाइज बी : रोल ऑफ फंगशनल पोलीमोरफिज्म्स इन रेग्युलेटरी रीजंस ऑफ एफएएस, टीजीएस–बीइटीएआई, आईएल–6 ऐंड टीएनएफ–अल्फा", प्रोफेसर आर.एन.के. बामजेई, 22.09.2005

16. सुश्री विभा मदान, "बायोकेमीकल आइडेंटीफिकेशन ऐंड फिजिओलाजीकल माड्यूलेशन ऑफ ए सीरम प्रोटीन दैट डिक्रीजिज आफ्टर रेपिड आई मोवमेंट (रेम) स्लीप डेप्रीवेशन इन रैट्स", प्रोफेसर बी.एन. मलिक,29.09.2005

17. श्री अली अब्दुल लतीफ अली, "करेक्ट्राइजेशन ऑफ केनडिडा स्पेसीज आइसोलेटिड फ्राम किलीनिकल सैम्पल्स विद स्पेशल रिफ्रेंस टू केनडिडा अलबीकेंस", प्रोफेसर आर. प्रसाद, प्रोफेसर एन.जैड. बाकर और डॉ. उमा बैनर्जी (एआइआइएमएस) (सह निर्देशक), 18.10.2005

18. विभा रानी, "आइसोलेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ नॉवल ट्रांसक्रिप्शन फेक्टर टारगेट साइट्स ऐंड देयर कोगनेट फेक्टर्स फ्राम चिक एम्ब्रयोनिक हर्ट", डॉ. एस. के. गोस्वामी, 10.10.2005

19. श्री धीरज मलहोत्र, "जिनेटिक प्रिडिसपोजीशन टू लिप्रोसी : ए स्टडी ऑफ फंगशनल पोलीमोरफिज्म्स इन केंडिडेट जींस इनवाल्व्ड इन इननेट ऐंड एडेप्टिव इम्यूनिटी इन लिप्रोसी", प्रोफेसर आर.एन.के.बामजेई, 07.11.2005

20. नासेर जेबर यूसिफ शोली,"रिजेनरेशन ऐंड ट्रांसफारमेशन ऑफ बनाना (मुसा स्प.)", प्रोफेसर नीरा भल्ला सरीन,07. 12.2005

21. सुश्री किरन बाला, "इफेक्ट ऑफ गारलिक ऐंड टरमेरिक एक्सट्रेक्ट्स ऐंड देयर फंगशनल कम्पोनेंट डाइएलिलसलफाइड ऐंड करक्यूमिन रेकपेक्टिवली ऑन अगैन रैट ब्रेन", डॉ. दीपक शर्मा और प्रोफेसर बी.सी. त्रिपाठी (सह निर्देशक), 05.01.2.2006

22. श्री अनिल कुमार मनथा, "द रोल ऑफ न्यूरोकिनिन बी (एनकेबी) ऐंड एमीलोइड बेटा प्रोटीन फ्रेगमेंट (25–35) इन मालक्यूलर ऐंड बायोकेमिकल कोरिलेट्स इन एजिंग ब्रैन फंगशंस", प्रोफेसर सुधा एम. कौशिक और प्रोफेसर नजमा जैड. बाकर (सह निर्देशक), 25.01.2006 ()

23. सुश्री रश्मी सिंह, "रौल ऑफ अपस्ट्रीम सीक्वेंस एलीमेंट इन द एक्सप्रेशन ऑफ एटकाएम5 (केलमाड्यूलिन)जीन ऑफ अराबिडोपसिस", प्रोफेसर के.सी. उपाध्याय, 03.02.2006

24. सुश्री तुहिना गुप्ता, "लोकलाइज्ड इम्यून रिसपोन्सिस इन लंग्स ऑफ माइस इन्ट्राट्रेचिअली इनइफेक्टिड विद बीसीजी (बेसिलस केल्मेट–गेरैन) : माड्यूलेशन बाइ एयर बोर्न फाइन पार्टिकुलेट मैटर", प्रोफेसर राजीव के. सक्सेना, 10.02.2006

25. सुश्री अलका मेहरा, "स्टडी ऑफ सेल सरफेस माल्क्यूल्स ऑफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका", प्रोफेसर आलोक भट्टाचार्य, 23.02.2006

26. सुश्री पूर्णिमा जैसवाल, "ट्रांसक्रिप्ट प्रोफाइलिंग ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ जीन्स चिकपिआ–ऐस्कोकाइटा इन्टरएक्श", प्रोफेसर के.सी. उपाध्याय और डॉ. पी.के. वर्मा (सह निर्देशक), 14.03.2006

27. श्री प्रभात कुमार मंडल, "करेक्ट्राइजेशन ऑफ रिट्रोट्रांसपोशंस इन एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका", प्रोफेसर आलोक भट्टाचार्य, 31.03.2006

i;kZoj.k foKku lLFkku

28. श्री विश्वनाथ बिशोई, "ए स्टडी ऑन एयर क्वालिटी इंडेक्स ऐंड इट्स रिलेशनशिफ विद मिटीऑरोलॉजीकल पैरामीटर्स इन दिल्ली", प्रोफेसर वी.के. जैन, 11.05.2005

29. श्री बीर अभिमन्यु कुमार, "रिमोट सेंसिंग ऐंड जिओग्राफिक इन्फारमेशन सिस्टम (जीआइएस) बेस्ड इंटीग्रेटिड स्टडी इन ए पार्ट ऑफ कोस्टल वेस्ट बैंगाल फॉर नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट", डॉ. सौमित्रा मुखर्जी, 21.04.2005

30. सुश्री सुदर्शना चन्द्रायन, "लैंड डिस्पोसल ऑफ इन्डस्ट्रियल वेस्ट ऑफ वजीरपुर, दिल्ली : अवेलेबिलिटी ऐंड अपटेक ऑफ फास्फोरस ऐंड सम सलेक्टिड हैवी मैटल बाई वीट ऐंड पी प्लांट्स", प्रोफेसर ए.के. भट्टाचार्य, 26.05.2005

31. सुश्री सुतापा बोस, "लैंड डिस्पोसल ऑफ इन्डस्ट्रियल वेस्ट ऑफ वजीरपुर, दिल्ली : अवेलेबिलिटी ऐंड अपटेक नाइट्रोजन ऐंड सम सलेक्टिड हैवी मैटल बाई वीट ऐंड पी प्लांट्स", प्रोफेसर ए.के. भट्टाचार्य, 26.05.2005

32. सुश्री जोयस वांजीरु नजेंगा, "द जिओकेमिस्ट्री ऑफ द सेडीमेंट्स ऑफ थ्री ट्रापीकल लेक्स : नकुरु, नैवाशा (कीनिया) ऐंड कोलेरु (इंडिया)", प्रोफेसर वी. सुब्रमणियन, 08.08.2005

33. श्री अभय प्रताप सिंह, "वीओसीज (वोलेटाइन आर्गेनिक कंपाउंड्स) एमीशन फ्राम ट्रापीकल ट्री स्पेसीज", प्रोफेसर सी. के. वार्ष्णेय, 19.09.2005
34. श्री बाल कृष्ण प्रसाद, "न्यूट्रिएंट डाइनेमिक्स इन द पिचावारम मेन्ग्राव्स, साउथ ईस्ट कोस्ट ऑफ इंडिया", डॉ. ए. एल. रामनाथन, 05.12.2005
35. सुश्री श्वेता श्रीवास्तव, "आइडेंटिफिकेशन ऑफ स्ट्रैन्स ऑफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका ऐंड एन्टामोइबा डिस्पर फ्राम नेचुरल आइसोलेट्स", प्रोफेसर सुधा भट्टाचार्य, 13.01.2006
36. श्री अभिजीत अनिल बाके, "कम्पेरेटिव ऐंड फंगशनल एनालिसिस ऑफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका जिनोम", प्रोफेसर सुधा भट्टाचार्य, 30.01.2006
37. श्री श्रेष्ठ तयाल, "डाइ ट्रेसर इन्वेस्टीगेशन ऑफ ग्लेसियर हाइड्रोलाजिकल सिस्टम्स", प्रोफेसर एस.आई. हसनैन और डॉ. ए.एल. रामनाथन (सह निर्देशक), 31.01.2006

Hkkfrd foKku lLFkku

38. श्री बिश्वरंजन मलिक, "इन्डो–यूएस रिलेशंस : अपॉर्च्यूनिटीज ऐंड चेलैंजिज इन ए चेजिंग इन्टरनेशनल ऑर्डर सिंस 1991", डॉ. राहुल मुखर्जी, 30.05.2005
39. श्री मोहम्मद शाहिन टी.एच., "क्रिटिकल स्टडी ऑफ प्राइमरी ऐंड सेकंडरी रिलेक्सशेसन प्रोसेसिस इन रिलेक्सशेसन प्रोसेस्ड इन वैरियस 'ग्लास' फॉरमिंग सिस्टम्स", डॉ. एस.एस.एन. मूर्ति, 13.0602005
40. श्री नवेन्दु गोस्वामी, "ग्रोथ ऑफ जिंक सलफाइड ऐंड केडिमियम सलफाइड नेनोपार्टिकल्स, नॉवल सिंथेसिस ऐंड करेक्ट्राइजेशन", डॉ. प्रसनजीत सेन, 01.02.2006
41. श्री शोभा कान्त लेमीछन, "एमइएमएस : रिसपोन्स ऑफ ए स्ट्रैन्ड सिलीकॉन सेमीकंडक्टर स्ट्रक्चर", डॉ. प्रसनजीत सेन, 23.02.2006
42. श्री हाफिज ए खुर्रम, "स्टडी ऑफ सम कोहिरेंट प्रोसेसिस इन्वाल्विंग नॉनलीनियर इन्टरएक्शन ऑफ लाइट विद मैटर", प्रोफेसर आर. घोष, 30.03.2006

to&ik|kfxdh dUn

43. श्री राजवीर सिंह, "स्टडी ऑफ द इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रापर्टीज ऑफ एक्सट्रेक्ट्स ऑफ ट्रिडेक्स प्रोकम्बेंस लीव्स", प्रोफेसर एस.के. कार, 08.08.2005
44. श्री अमरदीप खुशू, "स्टडीज ऑन ओवर एक्सप्रेशन ऑफ रिकम्बीनेंट असपैरागिनेस इन इ–कोली", डॉ. के.जे. मुखर्जी, 30.09.2005
45. सुश्री अली मुरुगेसन, "एन्टी–डाइबिटिक प्रिंसीपल(स) फ्राम मोमोरडिका (बिटर गॉर्ड) : आइसोलेशन, प्यूरिफिकेशन, करेक्ट्राइजेशन ऐंड मैकेनिज्म ऑफ एक्शन", प्रोफेसर अपर्णा दीक्षित, 09.01.2006
46. सुश्री पूनम श्रीवास्तव, "डिवलपमेंट ऑफ बायोप्रोसेस स्ट्रेटिजीज फॉर द प्रोडक्शन ऑफ रिकम्बीनेंट ह्यूमन इन्टरफेरोन अल्फा–2", डॉ. के.जे. मुखर्जी, 09.01.2006
47. सुश्री सुमन तप्रयाल, "क्लोनिंग ऐंड एक्सप्रेशन ऑफ सिंगल चैन एन्टीबॉडी (एससीएफवी) टू आरएचजीएम–सीएसएफ इन ई–कोली", डॉ. के.जे. मुखर्जी, 14.02.2006
48. सुश्री तनूजा उपाध्याय, "क्लोनिंग, करेक्ट्राइजेशन ऐंड एक्सप्रेशन ऑफ ऐरोमोनास हाइड्रोफिला आउटर मेम्ब्रेंस पोरिन जीन फॉर द डिवलपमेंट ऑफ रिकम्बीनेंट वैक्सिन", प्रोफेसर अपर्णा दीक्षित, 24.02.2006

49. श्री अरिंदम बन्दोपाध्याय, “क्वालिटी, रिपुलेशन ऐंड एक्सपोर्ट परफॉरमेंस : ए स्टडी ऑफ इंडियन कॉरपोरेट सेक्टर”, प्रोफेसर एस.के. दास, 07.04.2005
50. श्री वीरेश राज, “रश्यिन पॉलिसी टुवार्ड्स इंडिया पाकिस्तान सिंस 1991 : ए कम्पैरेटिव स्टडी”, डॉ. तुलसी राम, 05.04.2005
51. श्री पी.पी.के. रामाचरयुलु, “कमैटी सिस्टम ऑफ इंडियन पार्लियामेंट ऐंड यू.एस. कॉग्रेस : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ कमैटीज ऑन हैल्थ ऐंड एज्यूकेशन”, प्रोफेसर सी.एस. राज, 15.04.2005
52. श्री इलिआस एम.एच., “जिऑग्राफी ऐंड मेमोरी : टेरिटोरिअलाइजेशन ऑफ ज्यूइश नेशनल आइडेंटिटी इन इजराइल”, डॉ. पी.आर. कुमारस्वामी, 13.04.2005
53. श्री समीर रंजन प्रधान, “कोऑपरेशन बिटवीन इंडियन ऐंड गल्फ कोऑपरेशन कॉउंसिल (जीसीसी) कंट्रीज इन द ग्लोबल ऑयल ऐंड गैस रिजीम”, प्रोफेसर गिरिजेश पंत, 25.04.2005
54. श्री देबीदत्ता अरबिन्दा महापात्रा, “रश्यिा ऐंड द कश्मीर इश्यू सिंस 1991 : पर्सेप्शन एटीट्यूड ऐंड पॉलिसी”, प्रोफेसर शशिकान्त झा, 26.04.2005
55. श्री जोशी एम. पॉल, “फॉरन डाइरेक्ट इनवेस्टमेंट इन जापान'स फॉरन पॉलिसी : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ इंडिया ऐंड इन्डोनेसिया”, प्रोफेसर वरुण साहनी, 19.05.2005
56. श्री सिद्धार्थ शंकर, “इस्लामिक मिलीटैंसी इन रश्यिा”, डॉ. तुलसी राम, 11.05.2005
57. सुश्री गीता कोछर, “चाइनीज सिटीज ऐंड लेबर माइग्रेशन : इफेक्ट ऑफ इकोनोमिक रिफॉर्म ऐंड अरबनाइजेशन (1984–2001)”, डॉ. मधु भल्ला, 31.05.2005
58. श्री अनुराग प्रियदर्शी, “ससटैनेबल डिवलपमेंट ऐंड इनवायरमेंटल मैनेजमेंट इन रश्यिा ऐंड इंडिया (1991–2001) : ए कम्पैरेटिव स्टडी”, प्रोफेसर ए.के. पटनायक, 31.05.2005
59. श्री नरेन्द्र कुमार, “रश्यिन फॉरन पॉलिसी इन द नीयर अबरॉड : द फर्स्ट डिकेड”, प्रोफेसर अनुराधा एम. चिनॉय, 13.06.2005
60. श्री शिव कुमार वर्मा, “जिऑपालिटिक्स ऑफ इनर्जी डिपेंडेंस : इंडिया ऐंड द पर्सियन गल्फ”, डॉ. एस.एस. देवड़ा, 21.06.2005
61. सुश्री शालिनी यादव, “ जेनोसाइड इन अरमीनिआ : एन एनालिसिस ऑफ अरमीनिआ ऐंड तुर्किश रिसपोसिस”,डॉ. तुलसी राम, 22.06.2005
63. श्री मनोज कुमार मिश्रा, “एथनिक माइनॉरटीज इन पोस्ट–सोवियत सेंट्रल एशिया–प्रोबलम्स ऐंड प्रॉसपेक्ट्स”, प्रोफेसर के. वारिकू, 08.07.2005
64. श्री किशोर कुमार वानखेडे, “वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट इन ए सेमी–ऐरिड रीजन : ए केस ऑफ अरल सी बेसिन”, डॉ. ताहिर असगर, 28.07.2005
65. श्री कानन के., “पालिटिक्स ऑफ यूएस सैंगशंस पॉलिसी : ए केस स्टडी ऑफ पोखरन–1 ऐंड पोखरन–2 न्यूक्लीअर टेस्ट्स”, प्रोफेसर क्रिस्टोफर एस. राज, 07.09.2005
66. श्री रंजन कुमार, “कंफ्लिक्ट रिजोल्यूशन : ए केस स्टडी ऑफ चेचन्या”, प्रोफेसर अनुराधा एम. चिनॉय, 02.09.2005
67. श्री मुकेश बगोरिया, “इंडियन डायसपोरा इन अमेरिकन पालिटिक्स इन द 1990'ज”, डॉ. के.पी. विजयलक्ष्मी, 14.09.2005
68. श्री बलविन्दर नॉनग्रुम, “इन्डो–जर्मन ट्रेड ऐंड इनवेस्टमेंट आफ्टर जर्मन यूनिफिकेशन विद स्पेशल फोकस ऑन इनवायरमेंटल पॉलिसीज”, प्रोफेसर क्रिस्टोफर एस. राज, 21.09.2005
69. श्री इकरामुर राशिद, “गल्फ माइग्रेशन ऐंड इट्स सोसिया–इकोनोमिक इम्पैक्ट : ए केस स्टडी ऑफ आजमगढ़ डिस्ट्रिक्ट इन उत्तर प्रदेश”, डॉ. पी.सी. जैन, 20.10.2005
70. श्री गुरप्रीत सिंह गिल, “इनवायरमेंटल रिकंस्ट्रक्शन इन सेंट्रल ऐंड ईस्टर्न यूरोप”, डॉ. ताहिर असगर, 20.10.2005

71. सुश्री रश्मिनी येंगखोम, "कनफ्लिक्ट इन असेह ऐंड वेस्ट पपुआ–ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ एथनिक डाइमेंशन", प्रोफेसर गंगनाथ झा, 28.10.2005
72. श्री रिजवान कैसर, "मौलाना अबुल कलाम आजाद : ए स्टडी ऑफ हिज रोल इन इंडियन नेशनलिस्ट मुवमेंट, 1919–47", प्रोफेसर उमा सिंह, 10.11.2005
73. श्री अरविन्द कुमार यादव, "द स्ट्रेटिजिक ऐंड इकोनोमिक इम्पोरटेंस ऑफ द इंडियन ओसियन फॉर इंडिया ऐंड साउथ अफ्रीका 1968–1999", प्रोफेसर ए.के. दुबे, 29.10.2005
74. श्री सोमेश के. माथुर, "पर्सपेक्टिव ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ इन सलेक्टिड साउथ एशिया ऐंड ईस्ट एशिया कंट्रीज", प्रोफेसर संदीप कुमार दास, 28.12.2005
75. सुश्री झरना मित्तल, "इम्पैक्ट ऑफ इन्टरनेशनल इनवायरमेंटल लॉ ऑब्लीगेशंस ऑन डिवलपिंग कंट्रीज : ए कंसेपचुअल इन्क्वारी", प्रोफेसर वाई.के. त्यागी, 28.12.2005
76. श्री खतीबुलाह, "द रोल ऑफ जिऑग्राफिक इनफॉरमेशन सिस्टम इन अरबन प्लानिंग ऐंड इनफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट इन कुवैत ऐंड कतार", डॉ. प्रकाश सी. जैन, 28.12.2005
77. सुश्री हिरोको अराकावा, "द इम्पोरटैंस ऑफ बाइलेटरल रिलेशंस इन जापान'स ग्लोबल रोल : द केस ऑफ पोजिशनिंग इंडिया–जापान रिलेशंस", डॉ. एच.एस. प्रभाकर, 30.01.2006
78. श्री विधान पाठक, "इंडिया'ज रिलेशंस विद फ्रंकाफोन वेस्ट अफ्रीका (1975–2000) विद स्पेशल रिफ्रेंस टू सेनेगल, इवोरी कोस्ट ऐंड बुरकिना फासो", प्रोफेसर अजय दुबे, 07.02.2006
79. श्री डेनियल जोसेफ कूबा, "द पॉलिटीकल डिबेट ऑन एन्टी–टेररिस्ट लेजिस्लेशन : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ इंडिया ऐंड द यूनाइटेड किंगडम", डॉ. स्वर्ण सिंह, 16.02.2006
80. श्री हरकन नीदन टोपो, "चेंजिंग पर्सेप्शन ऑफ रशिया टुवार्ड्स नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑरगेनाइजेशन",प्रोफेसर निरमला जोशी और डॉ. तुलसी राम (सह निर्देशक), 21.02.2006
81. श्री होमेन थंगजाम, "डेमोक्रेटाइजेशन ऑफ द रशियन पालिटिकल सिस्टम : 1991–2001", प्रोफेसर अनुराधा एम. चिनॉय, 21.02.2006
82. श्री सोनम जोल्डन, "लद्दाख'स ट्रेडीशनल टाईज विद बुद्धिष्ट तिब्बत", प्रोफेसर महेन्द्र पी. लामा, 21.02.2006
83. सुश्री इनुमुलु जया भारती, "अबॉरिजिनल राइट्स ऐंड एजूकेशनल पॉलिसीज : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ मल्टीकल्चरलिज्म इन आस्ट्रेलिया ऐंड कनाडा", डॉ. मन मोहिनी कौल, 24.02.2006
84. श्री संजय कुमार प्रधान, "पीपुल ऑफ इंडियन आॅरिजन (पीआइओ) इन साउथ अफ्रीका : प्रॉबलम्स ऑफ इंटीग्रेशन इन पोस्ट–अपारथाइड इरा", प्रोफेसर अजय कुमार दुबे, 06.03.2006
85. श्री वेल्लैथम्बी अमीरदीन, "श्री लंका मुस्लिम कांग्रेस : आरिजिन ऐंड ग्रोथ ऑफ ए माइनॉरिटी एथनिक पार्टी, 1981–2001", डॉ. पी. सहदेवन, 17.03.2006
86. श्री के. सरवेश्वरन, "द तमिल यूनाइटिड लिबरेशन फ्रंट : राइज ऐंड डिक्लाइन ऑफ ए मॉडरेट एथनिक पार्टी इन श्री लंका (1976–2000)", डॉ. पी. सहदेवन, 20.03.2006
87. श्री विभानशु शेखर, "इंटरनल थ्रैट्स टू नेशनल सिक्योरिटी इन प्लूरल सोसायटीज : ए स्टडी ऑफ इंडोनेशिया (1991–2000)", डॉ. मन मोहिनी कौल, 17.03.2006
88. श्री सौम्यजीत रे, "एन आफिसियल लैंग्वेज फॉर अमेरिका : द रिपब्लिक पार्टी ऐंड द इंगलिश ऑनली मूवमेंट इन द युनाइटेड स्टेट्स सिंस 1981", प्रोफेसर क्रिस्टोफर एस. राज, 10.03.2006

Hkk"kk] lkfgR; vkSj laLÑfr v/;;u laLFkku

89. श्री वैभव, "भारतेन्दु युग के प्रमुख लेखकों सव ऐतिहासिक रचनाएं और उनकी इतिहास दृष्टि", डॉ. वीर भारत तलवार, 26.04.2005

90. श्री मंजर आलम, "लिटरेरी इन्नोवेशंस, रिलीजियस ऐंड एज्यूकेशनल रिफॉर्म ऑफ मुहम्मद अब्दुश ऐंड सय्यद अहमद खान : ए कम्पैरेटिव स्टडी", डॉ. जैड. बी. आजमी, 26.04.2005

91. श्री रामेश्वर दयाल, "Les Problemes Terminologiques De La Traduction Des Textes Techniques Francais En Hindi", प्रोफेसर शान्ता रामाकृष्णन, 26.04.2005

Prof. Shantha

92. सुश्री थेसो क्रोपी, मोहन राकेश सव कहानियों में युग –बोध", डॉ. (श्रीमती) ज्योतिसर शर्मा, 26.04.2005

93. श्री राम दर्शन, "इलाचन्द्र जोशी के उपन्यासों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन", डॉ. ओमप्रकाश सिंह, 26.04.2005

94. श्री आसिफ इकबाल, "एक्सपेरीमेंट्स ऑफ फ्रॉम ऐंड टेकनिक इन उर्दू शॉर्ट स्टोरीज (फ्राम 1960 टू 2000) उर्दू अफसाने में हअये और टेकनिक के तजरबे (1960 से 2000)", डॉ. मोहम्मद शाहिद हुसैन, 13.05.2005

95. श्री अबु शहीम खान, "इंगलिश ट्रांसलेशंस ऑफ द पोइट्री ऑफ फैज : ए कम्पैरेटिव स्टडी", डॉ. मजहर हुसैन, 13.06.2005

96. प्रदीप कुमार दास, "ग्रामैटिकल एग्रीमेंट इन हिंदी–उर्दू ऐंड इट्स मेजर वैराइटीज", प्रोफेसर अनविता अब्बी,13.06.2005

97. सुश्री सुमन प्रीत, "कम्पाइलिंग ए थिसारस ऑफ पंजाबी वर्ड्स ऐंड फ्रेजिज (विद स्पेसिफिक रिफ्रेंस टू लाइट)", प्रोफेसर कपिल कपूर, 07.06.2005

98. श्री अनिल के. धींगरा, "La Interpretacion De Conferencias Como Disciplina Academica En El Contexto De La India : Estudio Del Caso Del Espanol", प्रोफेसर वसन्त जी. गद्रे, 06.06.2005

99. श्री मोहम्मद सरवारुल होडा, "उर्दू में शायरी की तनकीद हाली के बाद" (क्रिटिसिज्म ऑफ पोइट्री इन उर्दू आफ्टर हाली)", डॉ. मजहर हुसैन, 30.06.2005

100. श्री सैयद मोसाना हसन रिजवी, "उर्दू में रेदिआई असनाफ का आग़ाज–ओ–इरतिका (ऑरिजिन ऐंड डिवलपमेंट ऑफ रेडियो जेनरेस इन उर्दू)", प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद हुसैन, 17.08.2005

101. श्री जय प्रकाश यादव, "शिव प्रसाद सिंह के उपन्यासों में सामाजिक सांस्कृतिक चेतना", डॉ. ओमप्रकाश सिंह, 17.08.2005

103. श्री लल्लन जी गोपाल, "वृन्दावन लाल वर्मा सत ऐतिहासिक उपन्यासों में इतिहास और आख्यान",डॉ. पुरुषोत्तम अग्रवाल, 22.08.2005

104. श्री परवेज अहमद खान, "कंटैम्पोरेरी सोसायटी इन फिक्शन ऑफ अली अब्बास हुसैनी" (अली अब्बास हुसैनी के अफसानों में हमअसर मोआशरा)", डॉ. एस.एम. अनवार आलम, 13.09.2005

105. सुश्री स्वाती पाल,"लुक बैक ऐट एंगर : अजित प्रोप थिएटर इन ब्रिटैन (1960 टू 1990) : ए रिअसेसमेंट ऐंड ए रिडेफीनेशन", डॉ. जी.जे.वी. प्रसाद, 13.09.2005

106. श्री अनिल कुमार त्रिपाठी, "नई कविता आन्दोलन और विजय देव नारायण साही की काव्य दृष्टि", प्रोफेसर केदार नाथ सिंह, 13.09.2005

107. श्री निशांत कुमार रंजन, "ऑन द मेंटल रिप्रिजेंटेशन ऑफ इनफ्लेक्शनल मॉरफोलॉजी : ए न्यूरोलिंग्वस्टिक स्टडी ऑफ हिंदी स्पीकिंग एफेजिक्स", प्रोफेसर अनविता अब्बी और प्रोफेसर रवि नेहरु (सह निर्देशक), 13.09.2005

108. श्री मोहम्मद सलीम, "अब्दुल्लाह अल–नादिम ऐंड अकबर अलाहाबादी : ए कम्पैरेटिव स्टडी", डॉ. जैड.बी.आजमी, 22.09.2005

109. सुश्री सेसेलिआ कारमेलीन अमीथाली सिवाओप्लान, "इपिक प्रोटागोनिस्ट(स) : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ पैराडाइस लॉस्ट ऐंड महाभारत", प्रोफेसर कपिल कपूर, 10.10.2005

110. सुश्री कुमारी सुनीता वी.,"ए क्रिटिकल ऐंड कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ हीडेगेरियन ऐंड सरट्रियन व्यू ऑफ मैन, वर्ल्ड ऐंड सोसायटी", प्रोफेसर आर.पी. सिंह, 25.10.2005

111. श्री अजय कुमार, "नागार्जुन के काव्य में अभिव्यक्त समाज, समय एवं सौन्दर्य", डॉ. गोबिन्द प्रसाद, 10.10.2005
112. श्री रमेश यादव, "मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में मध्यम वर्गीय समाज", डॉ. गोबिन्द प्रसाद, 10.10.2005
113. मोहम्मद तालिब खान, "पर्सियन सोर्सिज फॉर द स्टडी ऑफ सोसिया–कल्चरल लाइफ इन शाहजहां'स इरा : एन इवेल्युएटिव स्टडी", प्रोफेसर जैड. एस. काजमी, 10.10.2005
114. श्री अतानु भट्टाचार्य, "द मिथोटेम्पोरल डिसजंक्शन : ए स्टडी इन द स्ट्रक्चर ऑफ इंडियन मिथ्स", प्रोफेसर कपिल कपूर, 20.10.2005
115. श्री स्वरनेन्दु बख्शी, "Language Dans La Triologie figaro de Beaumarchais : Caracteristiques Du Style et Certains Aspects Du Discours", डॉ. प्रताप सेनगुप्ता, 10.10.2005
116. श्री सूरज बहादुर थापा, "आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एवं मैथ्यू अरनोल्ड की आलोचना दृष्टि : एक तुलनात्मक अध्ययन", डॉ. वीर भारत तलवार, 10.11.2005
117. श्री जिआउर रहमान, "सोसिअल, पॉलिटीकल ऐंड रिलीजियस कांसेप्ट्स ऑफ शाह वलीउल्लाह देहलवी इन हिज बुक "हुजातुल्लाह अल–बालीग़ा", प्रोफेसर एफ. यू. फारुकी, 10.11.2005
118. श्री जॉग मिन किम, "पर्सुएसिव मॉड्स ऑफ द माइनर प्रोफेट्स : ए स्टडी ऑफ रेटरिक", प्रोफेसर कपिल कपूरा, 05.12.2005
119. श्री पंकज पाराशर, "रघुवीर सहाय के साहित्य में सत्तामूलक विमर्श का आलोचनात्मक अध्ययन", डॉ. गोबिन्द प्रसाद, 15.12.2005
120. श्री सत्य ब्रत दास, "एक्स्टनि, डैथ ऐंड डिसआस्टर : ऐस्थेटिक्स ऐंड एथिक्स एट द लिमिट ऑफ फिलॉसफी",डॉ. फ्रेंसन डी. मंजली, 16.12.2005
121. श्री जुलफिकार अली अनसारी, "पर्सियन तजकिराह राइटिंग इन इंडिया ड्यूरिंग 18थ ऐंड 19थ सेंचुअरीज विद स्पेशल रिफ्रेंस टू आजाद बिलग्रामी", प्रोफेसर एस. ए. हसन, 15.12.2005
122. श्री संजय कुमार, La Folie Dans Les Oeuvres De Blaise Cendrars", प्रोफेसर के. माधवन, 17.01.2006
123. श्री अहतेशाम अहमद खान, "अली सरदार जाफरी सव शेरी जमालिआत", डॉ. मजहर हुसैन, 17.01.2006
124. सुश्री लीला पी. पई, "ए पैसेज थ्रू द महाभारत रिटेलिंग्स : स्टडी ऑफ सम कन्टैम्पोरेरी नॉवल्स", प्रोफेसर कपिल कपूर, 17.01.2006
125. श्री अजय कुमार नौरिया, "कहानीकार कमलेश्वर की कथा दृष्टि और यथार्थ चेतना", प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 30.01.2006
126. श्री अरविन्द कुमार अवस्थी, "आलोचना का समाजशास्त्र और मुक्तिबोध सव आलोचना–दृष्टि", प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 30.01.2006
127. श्री अब्दुलहाफिद सैफ मोदिश, "टीचिंग इंगलिश राइटिंग स्किल टू द स्पीकर्स ऑफ अरैबिक पर्सूइंग ए बैचलर्स डिग्री इन एज्यूकेशन : ए स्टडी इन इएफएल, प्रोफेसर वैश्ना नारंग, 10.02.2006
128. श्री मिरजा निहाल अहमद बेग, "ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ द शॉर्ट स्टोरीज ऑफ खलील गिबरान ऐंड रबिन्द्रनाथ टैगोर टू प्लेनेट्स ऑफ रिअलिटी", प्रोफेसर एस. ए. रहमान, 28.02.2006
129. श्री आगा मोहम्मद जफर हसनैन, "पाकिस्तान की मुजाहमती उर्दू शायरी : तस तजजियाती मुताला" (रेसिस्टेंस उर्दू पोइट्री ऑफ पाकिस्तान : एन एनालिटिकल स्टडी) डॉ. एस.एम. अनवार आलम, 27.02.2006
130. श्री शकील अहमद खान, "उर्दू और हिंदी ख्वातीन अफसाना निगारों के यहां 'औरत' का तस्ववुर : एक तकाबुली मोताला", डॉ. एस.एम. अनवार आलम, 27.02.2006
131. श्री मोइनुद्दीन खान, "असरे हाजिर के उर्दू कारीन का अदब के तेईं रवैय्या" (एटीट्यूड्स ऑफ कन्टैम्पोरेरी उर्दू रीडर्स टुवर्ड्स लिट्रेचर)," डॉ. एस.एम. अनवार आलम, 28.02.2006

132. श्री आदिल रशीद, "उर्दू फिक्शन इन द लास्ट क्वार्टर ऑफ द 20थ सैंचुरी : ए पोस्टमॉडर्न स्टडी" (उर्दू फिक्शन बीसवीं सदी के रुबा आखिर में : एक माबाद जदीद मोताला)", डॉ. मजहर हुसैन, 17.03.2006
133. श्री हामद रिजवी, "हिस्टोरीकल ऐंड लिटरेरी इम्पोरटेंस ऑफ ताजकिरात–उल–वाकिआत ", डॉ. अख्लाक अहमद अनसारी, 14.03.2006
134. श्री अतुल कुमार तिवारी, "हिंदी की प्रगतिशील आलोचना और भक्तिकाव्य", प्रोफेसर पुरुषोत्तम अग्रवाल, 14.03.2006
135. मोहम्मद मखमूर सादरी, "उर्दू में तरक्की पसंद तनकीद तस तजजियाती मोताला" (प्रोग्रेसिव क्रिटिसिज्म इन उर्दू क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ इट्स मैन रिफ्रेंसिज पॉइन्ट)", प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद हुसैन, 14.03.2006
136. सुश्री तोमोको किकूची, "महादेवी वर्मा की विश्व दृष्टि", प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 16.03.2006
137. मोहम्मद बाबर मक़सूद, "बच्चों के उर्दू ड्रामों का नफसियाती ताजजिया" (साइको–एनालिटिकल स्टडी ऑफ चिल्ड्रन'स ड्रामा ऑफ उर्दू), प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद हुसैन, 16.03.2006
138. सुश्री गरिमा मणि त्रिपाठी, "क्रिटिकल थियोरी ऑफ जरगन हेबरमास : ए क्रिटिक ऑफ इनलाइटेनमेंट रेशनलिटी ऑफ इम्मानुएल कान्त", प्रोफेसर आर.पी. सिंह, 16.03.2006
139. श्री सुरेश पी.,"एरर एनालिसिस : ए स्टडी ऑफ एरर्स ऑफ तमिल स्पीकर्स लर्निंग इंगलिश एट द अंडरग्रेजुएट लेवल इन सलेम", प्रोफेसर वैश्ना नारंग, 27.03.2006
140. श्री अनसार अहमद 3507, "रिफलेक्शंस ऑफ इस्लामिक थॉट इन मॉडर्न इजिप्तियन पोइट्री (1900–1950)", प्रोफेसर एस.ए. रहमान, 30.03.2006
141. श्री शान्तनु घोष, "कॉगनीशन, कंसेप्ट फॉरमेशन ऐंड लैग्वेज लर्निंग : ए प्रोपोज्ड इंटीग्रेटिड मॉडल फॉर टीइएसएल करीकुलम डिजाइन इन द इंडियन कंटेक्स्ट", डॉ. जी.जे.वी. प्रसाद, 31.03.2006

I kekf t d foKku I LFkku

142. श्री लेख नाथ भट्टाराय, "पावर्टी इनवायरमेंट लिंकेजिज : ए स्टडी ऑफ यूज ऐंड मैनेजमेंट ऑफ फॉरेस्ट रिसोर्सिज इन महाभारत ट्रेक्ट, वेस्ट नेपाल," प्रोफेसर अमिताभ कुंडू, 07.04.2005
143. सुश्री सी.एल. कविता, "प्रोफेशनल्स ऐंड एन्टरप्रेनेअर्स : सोशल मोबिलिटी ऐंड स्ट्रेटिफिकेशन अमंग सॉफ्टवेयर स्पेशलिस्ट्स ऑफ हैदराबाद", प्रोफेसर दीपांकर गुप्ता, 07.04.2005
144. श्री ओमबुकी चार्लस, "द इम्पैक्ट ऑफ इकोनोमिक पॉलिसी ऑन एग्रीकल्चरल डिवलपमेंट इन कीनया (1980–2000)", डॉ. प्रवीण झा, 08.04.2005
145. श्री ए.एस. चन्द्रबोस, "लेबर इन द टी इंडस्ट्री : ए कम्पैरेटिव रीजनल एनालिसिस ऑफ इंडिया ऐंड श्री लंका", प्रोफेसर अतिया हबीब किदवई, 29.04.2005
146. श्री दीपक कुमार, "इंटरनेट ऐंड द डिजिटल डिवाइड इन इंडिया : ए केस स्टडी ऑफ धार", प्रोफेसर आनन्द कुमार, 15.04.2005
147. सुश्री शर्मिला मजूमदार, "रोल ऑ फ ट्रेडिशनल बर्थ अटैंडेंट्स इन मैंटिरनिटी केयर : ए स्टडी ऑफ ए दिल्ली स्लम", प्रोफेसर इमराना कादिर और डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 28.04.2005
148. श्री सेमुएल वी.एल.थ्लांगा, "सम आस्पैक्ट्स ऑफ द हिस्ट्री ऑफ मिजोरम सिंस 1974", प्रोफेसर भगवान सिंह जोश, 16.05.2005
149. सुश्री अपर्णा सनवेरिया वैदिक, "कॉलोनियल एनकाउंटर ऐंड आसलेंड हिस्टरीज : अन्डमान आइसलेंड्स (1858–1921)", प्रोफेसर नीलाद्री भट्टाचार्य, 16.05.2005
150. श्री एस. कौशिक, "मैनेजमेंट ऑफ द रिप्रोडक्टिव ऐंड चाइल्ड हैल्थ प्रोग्राम इन ए डिवलप्ड ऐंड लैस डिवलप्ड डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिल नाडु", प्रोफेसर मुरली धर विमुरी, 16.05.2005

151. सुश्री मकीकू किमुरा, "द इमरजेंस ऑफ एथनिक मूवमेंट इन आसाम : इश्यू ऑफ लैंग्वेज माइग्रेशन ऐंड आइडेंटिटी", डॉ. तिपलुत नोंगब्री, 16.05.2005

152. श्री वत्ती समबासिवा, "चाइल्ड लेबर इन द रोडसाइड धाबाज, ए स्टडी ऑफ सलेक्टिड धाबाज ऑन द नेशनल हाई वे फ्राम सिकंदराबाद टू बैंगलूर", प्रोफेसर आनन्द कुमार, 04.05.2005

153. श्री जय प्रकाश प्रधान, "लिबरलाइजशन, आउटवार्ड फॉरन डाइरेक्ट इनवेस्टमेंट ऐंड कम्पीटीटिवनेस : द केस ऑफ इंडियन इकोनोमी", प्रोफेसर अशोक माथुर और डॉ. अतुल सूद, 02.05.2005

154. सुश्री लानुसांगला तजुदिर, "फ्राम हैडहंटिंग टू क्रिश्चियनिटी क्वेश्चंस ऑफ कल्चरल आइडेंटिटी इन एओ लैंड", प्रोफेसर एन. भट्टाचार्य, 02.05.2005

155. सुश्री अभिलाशा शर्मा, "रिप्रोडक्टिव ऐंड चाइल्ड हैल्थ सर्विसिज ऐंड देयर यूटिलाइजेशन बाई एडोलेसेंट वुमन इन रुरल मध्य प्रदेश", प्रोफेसर मुरली धर विमूरी, 02.05.2005

156. सुश्री संगीता भट्टाचार्य, "फीमेल माइग्रेशन इन इंडिया : ए केस स्टडी ऑफ माइग्रेंट वर्कर्स टू दिल्ली", प्रोफेसर असलम महमूद, 16.05.2005

157. श्री उंगशुंग्मी ए. शिमरे, "इकोलॉजिकल सेटिंग ऐंड इकोनॉमिक सिस्टम्स ऑफ द नागाज : ए केस स्टडी ऑफ द तांगखुल नागाज ऑफ मणिपुर", प्रोपफेसर मुरली धर विमूरी, 02.05.2005

158. श्री के. विनोद चन्द्रन, "द काउंटर नैरेटिव्स ऑफ पॉवर ऐंड आइडेंटिटी इन कलोनियल केरलम – ए रीडिंग ऑफ सी. वी. रमन पिल्लइ'स हिस्टोरीकल नॉवेल्स", प्रोफेसर मृदुला मुखर्जी और प्रोफेसर के.एन.पणिकर (सह निर्देशक) 02.05.2005

159. श्री के.जी. राधाकृष्णन, "ग्रोथ ऐंड स्ट्रक्चरल ट्रांसफॉरमेशन ऑफ द इंडियन कंप्यूटर सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री", प्रोफेसर अशोक माथुर और प्रोफेसर आर. के. शर्मा, 31.05.2005

160. श्री अतानु सरकार, "सोशल इपिडेमिऑलॉजी ऑफ अरसेनिक पॉइजनिंग इन मुर्शीदाबाद डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बैंगाल", डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 03.06.2005

161. श्री सौमित्रा रॉय, "डिसआस्टर मैनेजमेंट ऐंड हैल्थ : ए केस स्टडी ऑफ मुर्शीदाबाद डिस्ट्रिक्ट इन वेस्ट बैंगाल", प्रोफेसर के. आर. नायर, 13.06.2005

162. सुश्री गीतिका डे, "फैक्शनल वॉयलेंस इन द रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश, 1956–2000", डॉ. सुसन विश्वनाथन, 21.07.2005

163. सुश्री सूर्यसिखा पाठक, "ट्राइबल आइडेंटिटी पॉलिटिक्स इन कलोनियल आसाम : प्लैन्स ट्राइब्स ऑफ द ब्रहमपुत्र वैली, 1860–1947", प्रोफेसर एस. भट्टाचार्य, 15.07.2005

164. श्री रोड्डुर डे, "द रिप्रिजेंटेशन ऑफ मैसक्युलिनिटी इन पॉप्युलर सिनेमा : ए स्टडी ऑफ सलेक्टिड हिंदी फिल्म्स", प्रोफेसर अविजीत पाठक, 21.07.2005

165. श्री नामीरक्पम सोमोरेन्द्रो सिंह, "इंटिग्रेशन, डिवलपमेंट ऐंड द हायर सिविल सर्विस इन मणिपुर : ए स्टडी ऑफ पॉलिसीज ऐंड पॉलिसी मेकर्स (1978–1995)", प्रोफेसर बलवीर अरोड़ा, 05.08.2005

166. सुश्री लैसम चानु शीलेइमा, "वुमन ऐंड पालिटिकल पार्टिसिपेशन : ए स्टडी ऑफ मीतेई वुमन रिप्रिजेंटेटिव्स इन द पंचायत्स ऑफ मणिपुर", प्रोफेसर गुरप्रीत महाजन, 05.08.2005

167. सुश्री भावना गुलाटी,"हैल्थ ऐंड वेल–बींग ऑफ वुमन एम्ब्रोइड्री वर्कर्स इन द चिकन इंडस्ट्री ऑफ लखनऊ", प्रोफेसर के. आर. नायर, 08.08.2005

168. श्री भुपेन्द्र यादव, "कम्यूनल पालिटिक्स इन कानपुर 1919–1947", प्रोफेसर बिपन चन्द्रा और प्रोफेसर एम. मुखर्जी, 11.08.2005

169. सुश्री राजश्री ढाली, "पाप्युलर रिलीजन इन राजस्थान : ए स्टडी ऑफ फोर डीइटीज ऐंड देयर वर्शिप इन नाइनटींथ ऐंड टवेंटीएथ सेंचुअरी", प्रोफेसर के. एन. पणिकर और डॉ. आई. कामतेकर, 11.08.2005
170. श्री सब्यसाची दासगुप्ता, "इन डिफेंस ऑफ ऑनर ऐंड जस्टिस : सिपॉय रिबेलियंस इन द नाइनटींथ सेंचुअरी", प्रोफेसर नीलाद्री भट्टाचार्य, 11.08.2005
171. सुश्री नमरिता शर्मा, "पॉलिटिकल स्ट्रक्चर ऐंड इकोनॉमी ऑफ बुंदेलखण्ड, 1550–1740 ए.डी.", प्रोफेसर के.के. त्रिवेदी, 12.08.2005
172. श्री मनोज कुमार, "द कंटेंडिंग हिगेमनि : गांधी, खादी ऐंड ग्रोथ ऑफ कंजूमर कल्चर 1915–1945", प्रोफेसर भगवान सिंह जोश, 19.08.2005
173. मोहम्मद संजीर आलम, "एज्यूकेशनल डिसपैरिटीज अमंग मेजर रिलिजियस ग्रुप्स इन रुरल बिहार", प्रोफेसर सरस्वती राजू, 19.09.2005
174. श्री वी. पी. खरबन्दा, "फॉरमेशन, ग्रोथ ऐंड चेंजिंग स्ट्रक्चर ऑफ नेशनल साइंटिफिक कम्यूनिटीज इन इंडिया ऐंड चाइना", प्रोफेसर वी. वी. कृष्णा, 04.10.2005
175. श्री गोबिन्द चन्द्र सेठी, "इमरजेंस ऑफ टेररिज्म इन कश्मीर : ए सोसिया–पॉलिटिकल एनालिसिस", डॉ. आशा सारंगी, 06.10.2005
176. श्री सय्यद मोहम्मद मोहम्मदी, "इस्लाम ऐंड द अनफिनिस्ड प्रोजेक्ट्स ऑफ मॉडर्निटी : ए स्टडी ऑफ द डिबेट्स ओवर सेक्युलरिज्म ऐंड सेक्युलराइजेशन इन ईरान", प्रोफेसर राजीव भार्गव, 06.10.2005
177. सुश्री दीपा आहलुवालिया, "रुरल–अरबन इंटरएक्शन : ए केस स्टडी ऑफ हरिद्वार डिवलपमेंट रीजन", प्रोफेसर सुदेश नागिया, 06.10.2005
178. श्री श्रीचरण बेहेरा, "इंडिजिनस नॉलेज सिस्टम्स ऐंड लाइवलीहुड : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ सलेक्टिड विलेजिस ऑफ रायगदा डिस्ट्रिक्ट ऑफ उड़िसा", डॉ. एस.एस. जोधका और प्रोफेसर के.एल. शर्मा (सह निर्देशक), 06.10.2005
179. सुश्री गोमती बोडरा, "ट्राइबल वुमन इन एन अरबल सेटिंग : जेंडर ऐंड स्ट्रेटिफिकेशन इन रांची टाउन", प्रोफेसर आनन्द कुमार और प्रोफेसर के.एल. शर्मा (सह निर्देशक), 06.10.2005
180. सुश्री आरती श्रीवास्तव, "कॉस्ट हैक्टर्स इन द लेबर मार्किट : ए स्टडी ऑफ आईआईटी ऐंड एचबीटीआई ग्रेजुएट्स फ्रॉम कानपुर एट द एन्ट्री लेवल", प्रोफेसर बिनाद खदरिया, 10.10.2005
181. सुश्री नारायणी राजाश्रे कानूनगो, "वुमन'स इंगेजमेंट विद मास मीडिया : ए सोसियोलॉजिकल स्टडी ऑफ द मीडिया कल्चर इन दिल्ली", प्रोफेसर अविजीत पाठक, 18.10.2005
182. श्री जीतप्रपात सैसोपा, "नेशनल डिवलपमेंट ऐंड सिविल सर्विस इन द कंटेक्स्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन : ए कम्पैरेटिव पर्सपेक्टिव ऑन द रोल ऑफ सिविल सर्विस इन इंडिया ऐंड थाइलैण्ड", प्रोफेसर राकेश गुप्ता, 24.11.2005
183. श्री राजेश सेठ, "टू लिबरलिज्म्स इन इंडियन कंस्टीट्यूशन", प्रोफेसर राजीव भार्गव, 18.11.2005
184. श्री पार्था प्रतीम साहू, "टेक्नोलॉजिकल कंस्ट्रेंट्स ऑफ स्माल स्केल इंडस्ट्री इन इंडिया : ए स्टडी ऑफ रुरल–अरबन कंट्रास्ट्स", प्रोफेसर जी.के. चड्ढ़ा, 22.11.2005
185. सुश्री किरण मैथ्यू, "सोसियो–इकोनोमिक एडप्टेशन ऑफ इंडियंस इन कतार विद स्पेशल रिफ्रेंस टू द नॉन–लेबर डायसपोरा", प्रोफेसर आनन्द कुमार, 18.11.2005
186. सुश्री काबेरी नन्दी, "सेनिटेशन, डिसीज ऐंड डैथ इन कलोनियल सिटीज : ए केस स्टडी ऑफ कलकत्ता (1860–1947)", प्रोफेसर अतिया हबीब किदवई, 14.12.2005
187. श्री जी. महेश, "एचआईवी/एड्स ऐंड द वर्किंग पाप्युलेशन इन इंडिया : ए स्टडी ऑफ इक्सप्रियंसिज ऑफ पीपल लिविंग विद एचआईवी/एड्स इन तिरुचिरापल्ली डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिल नाडु", डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 14.12.2005
188. श्री राजेन्द्र प्रसाद कुंडु, "लायबिलिटी रुल्स ऐंड इकोनोमिक इफिसिऐंसी", प्रोफेसर सतीश के. जैन, 14.12.2005

189. श्री रति कान्त साहू, "ह्यूमन राइट ऐंड चाइल्ड लेबर : ए केस स्टडी ऑफ अंगुल ऐंड कोरापुट डिस्ट्रिक्ट्स इन उडिसा", प्रोफेसर किरण सक्सेना, 23.12.2005
190. श्री उमाकांत मिश्रा, "बुद्धिज्म ऐंड मेरीटाइम नेटवर्क्स इन अर्ली मिडिवल कोस्टल उड़िसा (5थ सेंचुअरी ए.डी.–12थ सेंचुअरी ए.डी.)", डॉ. हिमान्शु पी. रे, 04.01.2006
101. श्री जी. सेंथिल कुमार,"नॉन–गवर्नमेंटल ऑर्गेनाइशंस ऐंड इम्पावरमेंट ऑफ द रुरल पूअर इन इंडिया : इस्टीट्यूशंस, स्ट्रेटिजीज ऐंड प्रोसेसिस", प्रोफेसर नीरजा गोपाल जयाल, 04.01.2006
192. श्री संजय के. गुप्ता, "एथनिक कनफ्लिक्ट ऐंड नीड फॉर कंस्टीट्यूशनल रिफॉर्म : ए स्टडी ऑफ बोडो ऐंड मिजो एकोर्ड्स", प्रोफेसर सुधा पई, 10.01.2006
193. सुश्री श्रीमती नायक, "ट्राइबल डिवलपमेंट इन उड़िसा : एन एनालिसिस ऑफ हैल्थ ऐंड एज्यूकेशनल पॉलिसीज फॉर ट्राइबल वुमन", प्रोफेसर अश्विनी के. रे. और प्रोफेसर गुरप्रीत महाजन, 11.01.2006
194. मोहम्मद ताहिर अहमदी शाओमेहरी, "एग्रीचल्चरल प्राइस पॉलिसी इन ईरान ऐंड इंडिया (1970.2000) : ए कम्पैरेटिव स्टडी", डॉ. प्रवीण झा, 06.02.2006
195. श्री मनाश भट्टाचारजी, "टू आइडियाज ऑफ नेशनलिज्म इन द राइटिंग्स ऑफ नेहरु ऐंड गांधी", प्रोफेसर राजीव भार्गव, 02.02.2006
196. श्री विनोज अब्राहम, "लेबर प्रोडक्टिविटी ऐंड एम्प्लॉयमेंट इन द इंडियन इनफॉरमेशन ऐंड कम्यूनिकेशन टेकनोलॉजी सैक्टर", प्रोफेसर आर.के. शर्मा, 15.02.2006
197. श्री के. इल्यूमलाई, "इंडिया'ज ट्रेड पॉलिसीज ऐंड प्रोटेक्शन इन डेरी इन्डस्ट्री", प्रोफेसर आर.के. शर्मा, 06.03.2006
198. सुश्री विनीता यादव, "इन्स्टीट्यूशनल स्ट्रक्चर फॉर अरबन गवर्नेंस इन अहमदाबाद और हैदराबाद", प्रोफेसर सरस्वती राजू, 09.03.2006
199. श्री अथीखो कैसी, "इमर्जिंग जैनरेशन : ए सोसियोलॉजिकल स्टडी ऑफ यूथ अमंग द शिपफोमारमथ नागाज", प्रोफेसर तिपलुत नोंगब्री, 09.03.2006
200. श्री एल. लाम खान पिआंग, "किनशिप, टेरिटोरी ऐंड पालिटिक्स : द स्टडी ऑफ आइडेंटिटी फॉरमेशन अमंग्स्ट द जू", प्रोफेसर सुसान विश्वनाथन, 09.03.2006
201. सुश्री रीमा घोष, "डिटरमिनेन्ट्स ऑफ अनइनटेंडिड फर्टिलिटी अमंग करंटली मैरिड वुमन : ए स्टडी ऑफ रुरल वेस्ट बेंगाल", प्रोफेसर मुरली धर विमूरी, 06.03.2006
202. श्री बिक्रम केशरी मिश्रा, "वुमन ऐंड वर्क : ए सोसियोलॉजिकल स्टडी ऑफ सलेक्ट फिमेल प्रोफेशनल्स इन उड़िसा", प्रोफेसर अविजीत पाठक, 06.03.2006
203. श्री ललतेन्दु साहू, "पुलिस कल्चर ऐंड ह्यूमन राइट : ए कम्पैरेटिपव स्टडी ऑफ टू डिस्ट्रिक्ट्स इन उड़िसा", डॉ. रेनुका सिंह, 17.03.2006
204. सुश्री कंवर सोनाली जौली वाधवा, "वुमन राइटिंग वुमन'स वर्ल्ड्स : वुमन'स जैंडर्ड एक्सप्रियंसिज ऐंड आइडेंटिटीज इन इंडियन वुमन'क फिक्शन, सी. 1950–सी.2000", प्रोफेसर मृदुला मुखर्जी, 27.03.2006
205. सुश्री सुदेशना रॉय, "पुलिस ऐंड वुमन'स राइट्स : ए सोसियोलॉजिकल इन्क्वारी विद स्पेशल रिफ्रेंस टू सलेक्ट डिस्ट्रिक्ट्स इन कर्नाटका", प्रोफेसर अविजीत पाठक, 27.03.2006
206. सुश्री दीपा गर्ग, "सेल्फ–हेल्प ग्रुप्स सपोर्टिड बाई कम्युनिटी बेस्ड फाइनैंसियल इन्स्टीट्यूशंस ऐंड देयर रोल इन वुमन'स एम्पावरमेंट ऐंड हैल्थ : ए केस स्टडी ऑफ श्रमिक भारती", प्रोफेसर के. आर. नायर, 27.03.2006

vUrjk"Vh; vkuqokf'kdh bthfu;jh rFkk tSo&iks|kfxdh dUn] ubl fnYyh

207. सुश्री अपर्णा इस्लाम, “रोल ऑफ ए स्माल सिस्टीन–रिच एन्टीफंगल प्रोटीन आइसोलेटिड फ्राम चिकपिआ इन होस्ट डिफेंस मेकेनिज्म”, डॉ. वी. एस. रेड्डी, 25.05.2005

208. श्री आनन्दराव रावुलपल्ली, “नॉवल रिकम्बीनेंट डेंगू मल्टी–इपिटोप प्रोटींस ऐंड देयर इवैल्युएशन ऐज डाइग्नोस्टिक इन्टरमीडिएट्स”, डॉ. नवीन खन्ना, 31.08.2005

209. सुश्री रुविनी थारंगा अरियदासा, “टेग्गिंग ऐंड मेपिंग ऑफ ए राइस गाल मिज रेसिसटेंस जीन, जीएम8, ऐंड डिवलपमेंट ऑफ एससीएआरस फॉर यूज इन मार्कर–एडिड सलेक्शन ऐंड जीन पाइरामाइडिंग”, डॉ. मदन मोहन, 31.08.2005

210. श्री बासवाराज बागेवाडी, “फंगशनल एनालिसिस ऑफ इडियन मुंगबीन येलो मोसाइक वायरस रिप्लीकेशन प्रोटीन इंटरएक्शन विद प्रोलिफिरेटिंग सेल न्यूक्लीयर एन्टीजन”, डॉ. निरुपम रॉय चौधरी, 05.09.2005

211. सुश्री शिल्पी महाजन, “आइसोलेशन ऐंड फंगशनल करेक्ट्राइजेशन ऑफ केल्सीनियूरिन बी–लाइक प्रोटीन (सीबीएल) ऐंड सीबीएल–इंटरेक्टिंग प्रोटीन काइनेज (सीआइपीके) फ्राम पी”, डॉ. नरेन्द्र के. तुतेजा, 13.09.2005

212. श्री अजय अमर वशिष्ट, “मॉलक्यूलर क्लोनिंग ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ स्ट्रेस रेग्युलेटिड पी रेलीकेज”, डॉ. नरेन्द्र के. तुतेजा, 15.09.2005

213. सुश्री दिव्या राजगोपालन, “करेक्ट्राइजेशन ऐंड रेग्युलेशन ऑफ वेक्युअलर एनए+/एच+ एन्टीपोर्ट फ्राम पेन्नीसेटुम ग्लाकुम”, डॉ. एस. के. सपोरी, 07.09.2005

214. श्री तरान कुआंग नगोक, “मॉलक्यूलर क्लोनिंग ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ मिनिक्रोमोसोम मेंटीनेंस प्रोटींस फ्राम पी”, डॉ. नरेन्द्र तुतेजा, 03.10.2005

215. सुश्री नीतू कालरा, “स्टडीज ऑन फंगशनल इंटरएक्शन बिटवीन हेपाटाइटिस बी वाइरस x प्रोटीन ऐंड सी–माइस”, डॉ. विजय कुमार, 18.10.2005 x

216. सुश्री अनुजा ए. जॉर्ज, “रेग्युलेशन ऑफ सीडी80 इक्सप्रेशन ऑन बी लिम्फोसाइट्स”, डॉ. कनुरी वी.एस. राव, 31.10.2005

217. सुश्री स्मीता जायसवाल, “स्टडी ऑफ डेंगू वायरल जीन प्रोडक्ट्स यूजिंग एंडिनोवायरस बेस्ड इक्सप्रेशन सिस्टम”, डॉ. एस. स्वामीनाथन, 16.11.2005

218. श्री मिलन सुरजीत, “करेक्ट्राइजेशन ऑफ द ओआरएफ2 प्रोटीन ऑफ हेपाटाइटिस ई वायरस”, डॉ. सुनील के लाल, 18.11.2005

219. श्री दिनेश कुमार सिंह, “कंट्रोल ऑफ बी–सेल रिसेप्टर मिडिएटिड सिंगलिंग”, डॉ. कनुरी वी.एस. राव, 12.12.2005

220. मोहम्मद नुरुल इस्लाम, “कंस्ट्रक्शन ऑफ ए एमवाइएमआइवी–बेस्ड जीन–साइलेंसिंग वेक्टर ऐंड इट्स यूज”, डॉ. सुनील कुमार मुखर्जी, 29.12.2005

221. श्री संदीप के. बसु, “माड्यूलेशन ऑफ होस्ट सेल सिंगलिंग बाई ए माइकोबेक्ट्रियल सिक्रेटरी एन्टींजन (एमटीएसए–10)” डॉ. पवन शर्मा, 16.03.2006

jk"Vh; ikni thuke vuqla/kku dsUn] ubl fnYyh

222. सुश्री वन्दना यादव, “लाइट रेग्युलेटिड मॉड्यूलेशन ऑफ जैड–बॉक्स कंटैनिंग प्रमोटर्स ड्यूरिंग अर्ली सीडलिंग डिवलपमेंट इन अराबिडोपसिस थालिऑना”, डॉ. सुदीप चट्टोपाध्याय, 19.04.2005

dsUnzh; vkS"k/k vuqla/kku laLFkku] y[kuÅ

223. सुश्री दिव्या सिंह, "एनालिसिस ऑफ रिप्लीकेशन ऐंड ट्रांस्क्रिप्शन ऑफ द 36केबी एपीकोप्लास्ट जिनोम ऑफ प्लाजमोडिअम फेलसीपरम", डॉ. समन हबीब, 10.05.2005
224. सुश्री कविता अरोड़ा, "ग्लुटामेट सिस्टीन लिगेस ऐंड ग्लुटाथाइओन रिडक्टेज इन फिलारिअल वॉर्म्स ऐंड मलेरिया पैरासाइट्स इन रिलेशन टू देयर केमोथैरेपी", डॉ. अरविन्द के. श्रीवास्तव, 10.05.2005
225. श्री आमोघ अनंत सहसराबुधे, "करेक्ट्राइजेशन ऑफ एक्टिन नेटवर्क इन लीशमानिया पैरासाइट्स", डॉ. सी.एम. गुप्ता, 22.08.2005
226. श्री सबरीनाथ एस., "फारमाकोकाइनेटिक स्टडीज ऑफ –,एबी– आरटीथर, ए हाइली इफेक्टिव एन्टीमलेरिया ड्रग", डॉ. आर.सी. गुप्ता, 16.08.2005
227. सुश्री हीतिका, "सिंथेसिस ऑफ पोटेंसियल एन्टीमलेरिया एजेंट्स", डॉ. चंदन सिंह, 13.10.2005
228. श्री संदीप कुमार श्रीवास्तव, "स्ट्रक्चरल स्टडीज ऑन एनएडी+डिपेंडेंट डीएनए लाइगेज (आरवी3014सी) फ्राम माइकोबेक्टेरियम ट्यूबरक्युलोसिस एच37आरवी", डॉ. आर. रविशंकर, 09.12.2005
229. सुश्री सरिता चतुर्वेदी, "स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन ऑफ सीरिन हाइड्रोक्सीमेथिलट्रांसफिरेज फ्राम माइकोबेक्टेरियम एसपी", डॉ. विनोद भकुनी, 03.02.2006
230. श्री बशीर अहमद भट, "सिंथेसिस ऑफ नॉवल एन्टीडाइबेटिक ऐंड हाइपोलीपाइडेमिक एजेंट्स", डॉ. डी.पी. साहू, 08.03.2006

dksf'kdh; vkSj v.kq tho&foKku dsUnz] gSnjkckn

231. श्री आर. राजेश, "ग्रोथ हॉरमोन्स जीन मैनीप्युलेशन इन फिश", डॉ. के. मजूमदार, 19.04.2005
232. श्री थोमस जे. पुकदयिल, "माड्युलेशन ऑफ द सेरोटोनिन–1ए रिसेप्टर फंक्शन ऐंड ऑर्गेनाइजेशन थ्रू लिपिड–प्रोटीन इंटरएक्शंस", डॉ. अमिताभ चट्टोपाध्याय, 18.04.2005
233. सुश्री सुषमा शिवास्वामी, "रोल ऑफ ट्रांस्क्रिप्शन फेक्टर आइआइआइसी (टीएफआइआइआइसी) इन क्रोमेटिन ट्रांस्क्रिप्शन बाई आरएनए पॉलिमरेज आइआइआइ", डॉ. पूर्णिमा भार्गव, 10.05.2005
234. अमृता सुरेश, "मॉलक्युलर करेक्ट्राजेशन ऐंड प्रोमोटर एनालिसिस ऑफ ए हाइली कंजर्व्ड जीन, डब्ल्यूडीआर 13, प्रिडोमीनेंटली इक्सप्रेस्ड इन द टेस्टिस ऑफ माउस ऐंड मैन", डॉ. लालजी सिंह, 07.07.2005
235. सुश्री पल्लवी क्षेत्रपाल, "आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ माड्यूलेटर्स ऑफ द होमिऑटिक जीन अलट्राबिथारेक्स इन ड्रासोफिला मेलानोगास्टर", डॉ. एल. एस. शशिधरन, 09.09.2005
236. सुश्री भट्टाराम पल्लवी, "कंसीक्युऐंसिस ऑफ कोवालेंट मॉडिफिकेशंस ऑफ पेप्टाइड्स ऐंड प्रोटींस विद फेट्टी एसिड : रिलीवेंस टू मेम्ब्रेन टारग्रेटिंग इन सेल्स", डॉ. आर. नागराज. 03.12.2005
237. सुश्री शान्ति कलिपात्नापु, "इंटरएक्शन ऑफ द सेरोटोनिन टाइप आइए रिसेप्टर विद इट्स मेम्ब्रेन इनवायरमेंट", डॉ. अमिताभ चट्टोपाध्याय, 07.12.2005
238. सुश्री देवकी अरविन्द केलकर, "लिपिड–प्रोटीन इंटरएक्शंस : ऑर्गेनाइजेशन ऐंड डाइनेमिक्स ऑफ द लोन चैनल ग्रामिसिडिन इन मेम्ब्रेन ऐंड मेम्ब्रेन–मिमेटिक सिस्टम्स", डॉ. अमिताभ चट्टोपाध्याय, 09.12.2005
239. श्री सुरेश कुमार चिन्तालापति, "एन्टारक्टिक साइनोबेक्टेरिया : कोल्ड अडप्टेशन", डॉ. एस. शिवाजी, 20.12.2005
240. सुश्री रोशनी मित्रा चिन्तालापति, "एके–5–इनड्यूस्ड मॉड्यूलेशन ऑफ होस्ट मोनासाइट फंक्शन", डॉ. अशोक कुमार, 20.12.2005
241. श्री सुभाशिनी सदाशिवम, "रेग्युलेशन ऑफ कैसपेस–1 फंक्शन बाई द पी53 फेमिली ऑफ ट्रांस्क्रिप्शन फेक्टर्स", डॉ. घनश्याम स्वरुप, 02.01.2006

242. सुश्री वी. कृष्णा कुमारी, “स्ट्रक्चर–फंक्शन रिलेशनशिप्स इन होस्ट–डिफेंस एन्टीबैक्टेरियल पेप्टाइड्स”, डॉ. आर. नाराज, 20.01.2006

243. मोहम्मद वसीम अख्तर, “स्टडीज ऑन द ऑक्सीडेटिव एक्टीवेशन ऑफ ए हीट शॉक प्रोटीन”, डॉ. सीएच मोहन राव, 22.03.2006

jk"Vh; ifrj{kk&foKku lLFkku] ub fnYyh

244. सुश्री ओमिता ए. त्रिवेदी, “बायोकेमीकल क्रॉसटॉक बिटवीन फैटी एसिड सिंथेसिस ऐंड पोलिकेटाइड सिंथेसिस इन माइकोबैक्टेरिया”, डॉ. राजेश एस. गोखले, 13.06.2005

245. सुश्री अनुराधा मेहता, “सिंथेसिस ऑफ स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल मिमिक्स ऑफ ग्लाइकोसिल–फास्फेटाइडिल–इनोसिटोल (जीपीआइ) एंकर फॉर एप्लीकेशन इन मेम्ब्रेन स्टडीज ऐंड बायोसिंथेटिक इनहिबिशन”, डॉ. आर.ए.विश्वकर्मा, 12.09.2005

246. श्री गौरव साहनी, “रिसेप्टर रिकॉग्नीशन ऑफ बायोएक्टिव पेप्टाइड्स : ए कम्प्यूटेशनल स्टडी इनवॉलविंग जीएनआरएच ऐंड अदर बायोएक्टिव पेप्टाइड्स”, डॉ. दिनकर एम. सालुंके, 11.11.2005

247. श्री ध्रुव काम सेठी, “अंडरस्टेंडिंग द स्ट्रक्चरल बेसिस फॉर डिजेनरेट स्पेसिफिसिटी इन मॉलक्युलर रिकॉग्नीशन”, डॉ. दिनकर एम. सालुंके, 28.11.2005

248. सुश्री गीतांजली यादव, “कंप्यूटेशनल एप्रोच फॉर अंडरस्टेंडिंग सबस्ट्रेट स्पेसिफिसिटी ऑफ पॉलिकेटाइड सिंथेसिस”, डॉ. देबाशीष मोहंती, 28.11.2005

249. सुश्री कंचन सारदा, “एन्ड्रोजिन ऐंड एफएसएच मिडिएटिड सिंगनल ट्रांसडक्शन इन इम्मेच्युर ऐंड मेच्युर सेरटोली सेल्स : ए स्टडी यूजिंग रैट्स ऐंड मंकीज”, डॉ. सुबीर एस. मजूमदार, 26.12.2005

250. श्री योगेश कुमार कातरे, “इफेक्ट ऑफ फॉरम्युलेशन वैरिएबल्स ऑन इम्युनोजेनिसिटी ऑफ एन्टीजेन लोडिड बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर पार्टिकल्स”, डॉ. अमूल्य के. पांडा, 19.01.2006

vk.kfod fpfdRlk'kkL= fo'k"k dn

251. सुश्री निवेदिता गुप्ता, “मॉलक्युलर टाइपिंग ऐंड ड्रग रेसिसटेंस प्रोफाइलिंग ऑफ कैंडिडिअल इनफेक्शंस इन बर्न पेसेंट्स”, प्रोफेसर राजेन्द्र प्रसाद और डॉ. जी. मुखोपाध्याय, 05.04.2005

252. सुश्री मनवीन कौर गुप्ता, “बायोकेमिकल ऐंड मॉलक्युलर एनालिसिस ऑफ नॉर–एपिनेफ्रीन मिडिऐटिड एपोप्टोसिस इन एच9सी2 कार्डिअक मायोबिआस्ट्स”, डॉ. श्यामल के. गोस्वामी और डॉ. चिनमय के. मुखोपाध्याय, 11.08.2005

253. श्री राजेश कुमार सोनी, “फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन ऑफ रिप्लीकेशन प्रोटीन डीएनएबी हेलीकेस ऑफ हेलीकोबैक्टर पाइलोरी”, डॉ. सुमन के. धर और डॉ. जी. मुखोपाध्याय, 07.03.2006

je.k vul/kku lLFkku] cxykj

254. श्री उदय कुमार खान, “सम इनवेस्टीगेशंस ऑफ लास्टर कूल्ड अटॉम्स”, डॉ. हेमा रामचन्द्रन, 17.01.2006

255. सुश्री सुपर्णा रायचौधरी, “इनर्जी डिपोजिशन इनटू द इंटरगेलेक्टिक मीडियम”, डॉ. बीमन नाथ, 10.01.2006

l{e tfod ik|kfxdh lLFkku] p.Mhx<

256. श्री बीजू इस्सा, “प्रिडिक्शन ऑफ जीन्स ऐंड रिपीटीटिव एलीमेंट्स इन यूकारयोटिक जिनोम्स यूजिंग आर्टिपिफसियल इंटेलीजेंस टेक्नीक्स”, डॉ. जी.पी.एस. राघव, 13.05.2005

257. श्री सी. वी. श्रीकान्त, “स्टडीज ऑन द ग्लुटाथिओन ट्रांसपोर्टर्स ऑफ द यीस्ट एस. सेरेविसिआए”, डॉ. आनन्द के. बचावत, 05.07.2005

258. श्री अरविन्द कुमार सिंग्ला, "आइसोलेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ बायोएक्टिव कम्पाउंड्स फ्राम एक्टिनोमाइसेट्स", डॉ. राकेश एम. वोहरा और डॉ. आर. एस. जौली (सह निर्देशक), 24.08.2005

259. श्री जगप्रीत सिंह, "मैकेनिस्टिक स्टडीज ऑन प्लाजमिनोजेन एक्टिवेशन बाई स्ट्रेप्टो काईनेज", डॉ. गिरीश साहनी, 24.10.2005

260. श्री लक्ष्मीपति खानडरिका, "करेक्ट्राइजेशन ऑफ द इंटीग्रेस जीन ऑफ द फेज पीआइएस136 ऐंड इट्स पॉसीबल यूज ऐज ए मॉलक्यूलर टूल", डॉ. पुष्पा अग्रवाल, 10.10.2005

261. श्री सुमित, स्टडीज ऑन द मैकेनिज्म ऑफ डीएनए रिप्लीकेशन ऐंड आरएनएआइ मशीनरी इन हिटरोक्रोमेटिन एसेम्बली इन फिशॅन यीस्ट", डॉ. जगमोहन सिंह, 28.10.2005

262. सुश्री अमिता कौंडल, "स्टडीज ऑन द लार्ज प्लैज्मिड इन नॉन–01, नॉन–0139 स्ट्रेन्स ऑफ वी. कॉलेरी", डॉ. अमित घोष, 14.11.2005

263. सुश्री रेखा पुरिआ, "स्टडीज ऑन जीन्स इनवाल्व्ड इन स्ट्रेस टॉलरेंस ऑफ यीस्ट ड्यूरिंग एथानोलिक फरमेंटेशन", डॉ. के.. गणेशन, 29.11.2005

264. श्री चित्रांशु कुमार, "स्टडीज ऑन द रोल ऑफ वाइ–ग्लुटामाइल ट्रांसपेप्टीडेस इन ग्लुटाथिओन होमिओस्टेसिस इन यीस्ट", डॉ. अरविन्द बछावत, 13.12.2005

265. सुश्री शरनजोत सैनी, "इंटरएक्शन ऑफ डीएनए पॉलीमरेज ऐंड आरएचपी6 विद हिटरोक्रोमेटिन कम्पोनेंट्स इन स्किजोसैकैरोमाइसीज पोम्बे", डॉ. जगमोहन सिंह, 18.02.2006

fodkl v/;;u dUn] fr:ouUrije

266. श्री सैकत सिन्हा रॉय, "फेक्टर्स इन द डिटरमिनेशन ऑफ इंडिया'स एक्सपोर्ट्स", डॉ. पी. बालाकृष्णन और डॉ. के. पुष्पांगदन, 22.09.2005

267. श्री बाबू पी. रमेश,"डायनेमिक्स ऑफ रुरल लेबर इन केरला : ए केस स्टडी ऑफ रबर टेपर्स इन स्माल होलडिंग्स", डॉ. के. नारायणन नायर और डॉ. जी. ओंकारनाथ, 15.12.2005

eklVj vkQ fQykLQh ¼,e-fQy-½

i;koj.k foKku lLFkku

1. सुश्री एस. चुबामेन्ला जमीर, "इफेक्ट ऑफ इंटरएक्शन बिटवीन ओजोन एक्सपोजर ऐंड एथिलीन डाइउरिआ (इडीयू) ट्रीटमेंट ऑन द परफॉरमेंस ऑफ हरबेसियस प्लांट्स", प्रोफेसर सी. के. वार्ष्णेय, 21.04.2005
2. सुश्री अंजली सिंघल, "इफेक्ट ऑफ आजोन ऑन सम मेडिसिनल प्लांट्स", प्राफेसर सी. के. वार्ष्णेय, 16.08.2005
3. श्री कपरोसांग जाउट, "नॉइज इमिसन स्पेक्ट्रा ऑफ सीएनजी ड्राइवन वेहिकल्स", प्रोफेसर वी. के. जैन, 26.10.2005
4. श्री जे. एस. चन्द्रशेखर, "इम्पेक्ट ऑफ लैंड यूज–लैंड कवर ऑन सलेक्टिड सॉयल आर्गेनिज्म्स इन ए विलेज लैंडस्केप ऑफ गढ़वाल हिमालय", प्रोफेसर के. जी. सक्सेना, 13.12.2005
5. श्री विनय कुमार उपाध्याय, "स्पेशॅल ऐंड टेम्पोरल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ पॉलिसाइक्लिक आरोमेटिक हाइड्रोकारबंस इन रिसपिरेबल ससपेंडिड पार्टिकुलेट मैटर ऑफ दिल्ली", डॉ. पी. एस. खिलारे, 02.01.2006
6. सुश्री जया तिवारी, "न्यूट्रीएंट ट्रांसपोर्ट इन गौमती रिवर", प्रोफेसर वी. सुब्रमणियन, 09.01.2006
7. श्री रवि रंजन, "प्रिलिमिनरी स्टडी ऑन द इनवायरमेंटल जिओकेमिस्ट्री ऑफ द कुशेश्वर–स्थान ऐंड काबर–ताल वेटलैंड्स ऑफ दरभंगा ऐंड बेगूसराय डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ बिहार", डॉ. ए. एल. रामनाथन, 09.01.2006
8. श्री संजय कुमार शर्मा, "केमिस्ट्री ऑफ वाटर ऐंड सस्पेंडिड सेडीमेंट इन नर्मदा ऐंड ताप्ती रिवर्स", प्रोफेसर वी. सुब्रमणियन, 30.01.2006

vUrjk"Vªh; v/;;u lLFkku

9. श्री कचमथै फाइगा गंगमेई, "रोल ऑफ द ग्रीन पार्टी इन जर्मन पॉलिटिक्स 1990–2002", प्रोफेसर राजेन्द्र के. जैन, 06.05.2005
10. सुश्री सी. सौंदर्य, "इम्पेक्ट ऑफ डेमोक्रेसी ऑन इकोनॉमिक लिब्रलाइजेशन", प्रोफेसर वरुण साहनी, 06.05.2005
11. सुश्री शक्ति प्रद्यानी जेना, "द रशियन स्टेट डीयूएमए : ए स्टडी इन आर्गेनाइजेशन, पावर्स ऐंड फंक्शंस 1993–1999", प्रोफेसर शशिकान्त झा, 19.05.2005
12. श्री मसूद इमानी कलेहसर, "रिसर्जेंस ऑफ इस्लाम इन सेंट्रल एशिया ऐंड इट्स इम्पेक्ट ऑन द सोसायटी", प्रोफेसर अजय कुमार पटनायक, 31.05.2005
13. सुश्री टीना कुरियाकोस, "रोल ऑफ द वैटिकन इन इंटरनेशनल लॉ", प्रोफेसर योगेश के. त्यागी, 06.07.2005
14. श्री सी. प्रशनाथ, "डब्ल्यूटीओ ऐंड सबसीडाइज इन एग्रीकल्चरल सेक्टर : इंडिया'स पोजिशन", प्रोफेसर महेन्द्र पी. लामा, 27.06.2005
15. श्री डी. श्रीधर पटनायक, "द एप्लीकेशन ऑफ इंटरनेशनल लॉ फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ पर्संस फ्राम इनफोर्स्ड डिसएप्पिअरेंसिज इन इंडिया", प्रोफेसर वाई. के. त्यागी, 06.07.2005 llls
16. श्री राजीव सेठी, "द कंसेप्ट ऑफ 'प्रिवेंटिव स्ट्राइक' इन कंटेम्पोरेरी डिप्लोमेसी", प्रोफेसर पुष्पेश पंत, 06.07.2005
17. श्री डेविड बुहरिल, "इनवायरमेंटलिज्म ऐंड द राइज ऑफ न्यू सोसियल मूवमेंट्स इन साउथ एशिया : ए केस स्टडी ऑफ नर्मदा बचाओ आन्दोलन (इंडिया) ऐंड एन्टी–अरुण III मूवमेंट (नेपाल)", प्रोफेसर उमा सिंह, 26.07.2005
18. सुश्री अनु शर्मा, "कॉग्रेस ऐंड द प्रेसीडेंसी ऐंड कन्ट्रोवर्सी ओवर वार पावर्स : ए स्टडी ऑफ हैती ऐंड अफगानिस्तान", डॉ. के. पी. विजयलक्ष्मी, 25.08.2005

19. श्री आकाश चन्द्र साहू, "अर्जेंटीना इन मरकोसर ड्यूरिंग 1990'स", प्रोफेसर आर. एल. चावला, 14.09.2005
20. सुश्री ह्युन सुन को, "एम्पावरमेंट ऑफ वुमन ऐंड द रोल ऑफ कल्चर : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ इंडिया ऐंड पाकिस्तान", प्रोफेसर उमा सिंह, 29.10.2005
21. श्री आशिहरु दिखो, "इम्पेक्ट ऑफ वार ऑन इनवायरमेंट : द केस ऑफ कुवैत इन द गल्फ वार 1991", प्रोफेसर गुलशन डायटल, 29.10.2004
22. श्री प्रमोद कुमार, "डेमोक्रेटिक प्रोसिस ऐंड मल्टी पार्टी सिस्टम इन उजबेकिस्तान", डॉ. फूल बदन, 22.11.2005
23. सुश्री गीतिका श्रीवास्तव, "इनवेस्टर्स' साइकोलॉजी ऐंड प्राइस वोलटिलिटी इन स्टॉक मार्किट", डॉ. गुरबचन सिंह, 27.10.2005
24. श्री जसबंत पान, "सिविल वार इन सादर्न सूडान (1956–2001)", प्रोफेसर अजय कुमार दुबे, 10.11.2005
25. श्री प्रदीप कुमार जेना, "सोसियो–कल्चरल इम्प्लीकेशंस ऑफ ग्लोबलाइजेशन इन सेंट्रल एशिया", प्रोफेसर अजय पटनायक, 21.11.2005
26. श्री गतिक्रुशना महंता, "सोवियत इकोनॉमिक पॉलिसी इन सेंट्रल एशिया, 1917–1985", प्रोफेसर के. वारिकू, 21.11.2005
27. श्री शमशद अहमद खान, "जापान'स कंस्टीट्यूशन : रिलीवेंस ऑफ पेसिफिज्म इन द पोस्ट कोल्ड वार पीरियड", डॉ. एच. एस. प्रभाकर, 24.11.2005
28. सुश्री निधि शुक्ला, "द यू. एस. प्रेजेंस इन सेंट्रल एशिया : इम्प्लीकेशंस फॉर द सीक्योरिटी ऑफ द रीजन", प्रोफेसर एस. के. झा, 24.11.2005
29. श्री प्रवीण कुमार यादव, "इंडिया'ज तिब्बत पॉलिसी (1950–1988)", प्रोफेसर के. वारिकू, 24.11.2005
30. सुश्री कंचन यादव, "इंडिया–पाकिस्तान निगोसिएशंस ऑन कश्मीर सिंह शिमला एग्रीमेंट (1972)", प्रोफेसर उमा सिंह, 24.11.2005
31. सुश्री राधिका मोहन, "चाइना इंडिया रिलेशंस : फ्राम सीक्योरिटी डाइलेमा टू को–आपरेटिव सीक्योरिटी", डॉ. सविता पान्डे और प्रोफेसर सी. राजा मोहन (सह निर्देशक), 24.11.2005
32. श्री अक्षय कुमार सिंह, "द कंसेप्ट ऑफ ह्यूमन सीक्योरिटी : साउथ एशियन क्रिटिक", डॉ. सविता पान्डे, 24.11.2005
33. श्री हरिप्रसाद सी. जी., "द डिटरमिनेंट्स ऑफ ग्राउंड वाटर इक्सप्लोइटेशन इन इंडिया ऐंड ऑप्टिमल पॉलिसी ऑप्शंस – एन इंटरस्टेट एनालिसिस : : 1950–2000", प्रोफेसर आलोकेश बरुआ, 09.12.2005
34. श्री दीपक प्रकाश भट्ट, "द सोशॅल ऐंड प्रोफेशनल स्ट्रक्चर ऑफ रोयल नेपालीज आर्मी", प्रोफेसर एस.डी. मुनि, 09.12.2005
35. श्री अनुपम कुमार, "जियोपॉलिटिक्स ऑफ सेंट्रल एशिया : द इंडियन पर्सपेक्टिव", श्री अमब्रीश ढाका, 09.12.2005
36. श्री अरुण कुमार राव, "साउथ अफ्रीका'स इकोनॉमिक रिलशनशिप विद इंडिया ऐंड ब्राजील इन द कंटेक्सट ऑफ साउथ–साउथ को–ऑपरेशन (1994–2004)", डॉ. सुबोध नारायण मालाकर, 09.12.2005
37. श्री इडविन प्राबू ए., "ब्राजील : डिटरमिनेंट्स ऑफ फॉरिन डाइरेक्ट इनवेस्टमेंट ऐंड इट्स इम्पेक्ट ऑन ग्रोथ (1980–2000)", प्रोफेसर आर. एल. चावला, 09.12.2005
38. श्री रंजीत मुन्डु, "रोल ऑफ एक्सटरनल पावर्स इन द स्ट्रगल फॉर इंडिपेंडेंस इन ईस्ट टाइमर, 1974–2002", डॉ. मन मोहिनी कौल, 09.12.2005
39. श्री ए. विनोद कुमार, "ग्लोबलाइजेशन ऐंड द डिफेंस इन्डस्ट्री : स्टडिइंग पोस्ट कोल्ड वार ट्रेंड्स", डॉ. स्वर्ण सिंह, 10.12.2005
40. श्री वी. सुधाकर, "फ्राम कंटैनमेंट टू इंगेजमेंट : चेजिंग पैटर्न्स इन इंटर–कोरियन रिलेशंस, 1998–2004", डॉ. एच.एस. प्रभाकर, 15.12.2005

41. सुश्री श्रेष्ठा भट्टाचार्य, "पोस्ट किम II सुंग ईरा : नार्थ कोरिया'ज पैटर्न ऑफ इकोनॉमिक डिवलपमेंट", प्रोफेसर एच.एच. प्रभाकर, 15.12.2005
42. श्री राज यादव, प्राइवेटाइजेशन इन रश्िया – 1992–2002", प्रोफेसर गुलशन सचवेवा, 15.12.2005
43. श्री सत्य प्रकाश, "पालिटिकल डिवलपमेंट इन युक्रैन (1991–2000)", प्रोफेसर शशिकांत झा, 15.12.2005
44. सुश्री संगीता कुमारी, "क्रिएशन ऑफ द स्टेट ऑफ इजराइल : इट्स इम्पैक्ट ऑन प्लेस्तिनियन वुमन", प्रोफेसर गुलशन डायटल, 15.12.2005
45. श्री ए. अरुण प्रशांथ, "रीजनल को–आपरेशन इन साउदर्न अफ्रीका : अचीवमेंट्स ऐंड चेलेंजिस ऑफ साउदर्न अफ्रीका डिवलपमेंट कम्यूनिटी (एसएडीसी) 1994–2004", प्रोफेसर अजय कुमार दुबे, 15.12.2005
46. सुश्री नेल्ली भट्टाचारजी, "सिंगापुर इन द एज ऑफ ग्लाबलाइजेशन, 1991–2004", डॉ. गंगनाथ झा, 10.12.2005
47. सुश्री लोपामुद्रा पान्डा, "सोसियो–इकोनॉमिक डिवलपमेंट इन सोवियत सेंट्रल एशिया (1924–1985) : ए केस स्टडी ऑफ उजबेकिस्तान", प्रोफेसर के. वारिकू, 15.12.2005
48. श्री बालाकृष्ण एस., "ईरान'स पॉलिसी टुवार्ड्स द गल्फ वार (1990–91) : द डोमेस्टिक डिबेट", प्रोफेसर गुलशन डायटल, 15.12.2005
49. श्री शेली जॉनी, "द इस्लामिक रिवोल्युशनरी गॉर्ड्स कॉर्प्स ऐज एन एक्टर इन द ईरानियन पालिटिकल सिस्टम : द खोमेनी ईरा", प्रोफेसर गुलशन डायटल, 15.12.2005
50. सुश्री पूज्या जेनिफर पासकल, "इमर्जिंग रोल ऑफ प्राइवेट मिलिट्री कम्पनीज : ए केस स्टडी ऑफ द यूएस वार इन ईराक", डॉ. स्वर्ण सिंह, 27.12.2005
51. श्री अमरेश कुमार सिंह, "द राइज ऑफ द एथनिक ऐंड रीजनल मूवमेंट्स इन नेपाल : ए केस स्टडी ऑफ मधेशी मूवमेंट", प्रोफेसर एस.डी. मुनि, 27.12.2005
52. श्री एस. सेंथिल कुमार, "सम लीगल आस्पेक्ट्स ऑफ जिऑगर्फिकल इंडिकेशंस (जीआइएस) इन इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी लॉ ऐंड डिवलपिंग कंट्रीज", डॉ. वी. जी. हेगड़े, 27.12.2005
53. सुश्री रुबी चौधरी, "द इयुफ्रेट्स ऐंड टिग्रिस रिवर बेसिन डिस्प्यूट : ए क्रिटिकल जिऑपालिटिकल एनालिसिस", डॉ. एस. एस. देवड़ा, 27.12.2005
54. श्री गुरुकल्याण राउत, "लोकर सेल्फ गवर्नमेंट इन रश्िया ड्यूरिंग येलत्सिन पीरियड", डॉ. एस. के. पाण्डेय, 27.12.2005
55. श्री आशुतोष सिंह, "द रिलेशनशिप बिटवीन द एक्सीक्यूटिव ऐंड द लेजिसलेचर इन रश्िया, 1991–2000", डॉ. एस.के. पाण्डेय, 27.12.2005
56. श्री अशोक कुमार, "जिऑगर्फि, रिर्सोसिज ऐंड एथनिक पॉलिटिक्स : ए केस स्टडी ऑफ द सूडान", डॉ. एस.एस. देवड़ा, 28.12.2005
57. श्री कमल कान्त दाश, "मिलिट्री ऐंड पॉलिटिक्स इन पोस्ट–सुहारतो इंदोनेशिया", डॉ. शंकरी सुन्दररमण, 16.01.2006
58. श्री सुभाशीष बेरा, "मेजरमेंट ऑफ डिजिटल डिवाइड इन एशिया ऐंड इंडिया : ए फ्रेमवर्क फॉर क्रोस–कंट्री ऐंड इंटर–स्टेट एनालिसिस", प्रोफेसर अमित एस. रे, 16.01.2006
59. श्री पीटर की, "रोल ऑफ वेरिफिकेशन इन आर्म्स कंट्रोल : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ द बायोलॉजिकल ऐंड टॉक्सिन वीपन्स कंनवेंशन (बीटीडब्ल्यूसी) ऐंड द केमिकल वीपन्स कंनवेंशन (सीडब्ल्यूसी)", डॉ. स्वर्ण सिंह, 16.01.2006
60. सुश्री सुपोकाइमला, "द मारोनिट्स ऐंड द बिगिनिंग ऑफ द सिविल वार इन लेबनान (1975–1976)", प्रोफेसर गुलशन डायटल, 16.01.2006
61. श्री मनोज कुमार, "पॉलिटिकल इनस्टेबिलिटी इन चाड (1994–2002)", डॉ. एस. एन. मालाकर, 16.01.2006
62. सुश्री अनांग कोवित्सथिंचई, "थाइलैंड ऐंड एशियन रीजनल फॉरुम (एआरएफ) : ए स्टडी ऑफ चेलेंजिंग इश्यूज", डॉ. गंगनाथ झा, 16.01.2006

63. श्री मोंत्री विवासुख, "एफटीए बिटवीन इंडिया ऐंड थाइलैंड : ए स्टडी ऑफ स्ट्रेटिजीज ऑफ को–ऑपरेशन ऐंड कंप्टीशन", डॉ. शंकरी सुन्दररमन, 16.01.2006

64. श्री एल. चैतन्य किशोर रेड्डी, "इंडिया–ईरान रिलेशंस विद स्पेशॅल रिफ्रेंस टू अफगानिस्तान अंडर तालिबान", प्रोफेसर गुलशन डायटल, 16.01.2006

65. सुश्री शन्नु नारायण, "इंडिया ऐंड द बाइलेट्रल टेक्स ट्रीटीज : ए लीगल स्टडी", डॉ. वी. जी. हेगड़े, 19.01.2006

66. श्री आलोक ओझा, "इंटर एथनिक क्लीवेजिज ऐंड देयर इम्पेक्ट ऑन सीक्योरिटी इन सेंट्रल एशिया, 1991–2001", डॉ. संजय कुमार पाण्डेय, 19.01.2006

67. श्री उमाकांत दुबे, "स्ट्रेटिजिक को–ऑपरेशन बिटवीन रश्यिन ऐंड इंडिया 1991–2000", प्रोफेसर एस. के. झा, 19.01.2006

68. सुश्री स्तुति भटनागर, "द पॉलिसी ऑफ द इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान टुवर्ड्स इजरायल", डॉ. पी.आर. कुमारस्वामी, 19.01.2006

69. श्री शिव पूजन प्रसाद पाठक, "ग्लोबलाइजेशन ऐंड रिजीम टाइप : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ चाइना ऐंड इंडिया", डॉ. सिद्धार्थ मालावरपु, 19.01.2006

70. श्री दीपक यादव, "रश्यिा–चाइना रिलेशंस 1991–2001", डॉ. भास्वती सरकार, 19.01.2006

71. श्री आर. श्रीनिवास राघवन, "स्ट्रक्चरल एडजस्टमेंट प्रोग्राम ऐंड इट्स इम्पैक्ट ऑन फूड सीक्योरिटी इन घाना फ्राम 1983 टू 2004", डॉ. एस. एन. मालाकार, 19.01.2006

72. श्री डी. एस. मक्कालनबन, "वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन : ए स्टडी ऑफ इट्स स्ट्रक्वरल ऐंड फंक्शनल इवोल्युशन", डॉ. अर्चना नेगी, 20.01.2006

73. सुश्री जोयसी सबीना लोबो, "राइज ऑफ आलीगार्क्स इन रश्यिा : द येल्तसिन ईरा", प्रोफेसर अनुराधा एम. चिनॉय, 20.01.2006

74. श्री भारत रतनम, "थिअॅरि ऐंड प्रेक्टिस ऑफ फेडरेलिज्म इन पाकिस्तान (1989–1999)", डॉ. सविता पान्डे, 20.01.2006

75. श्री शेषदेव बेहेरा, "बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी ऐंड इस्लामिक एक्सट्रिमिज्म इन बंगलादेश : ड्यूरिंग 1991–1996", डॉ. संजय के. भारद्वाज, 20.01.2006

76. श्री राकेश कुमार रंजन, "इम्पैक्ट ऑफ यूएन सैंक्शन ऑन द सोसॅल सेक्टर इन ईराक, 1990–2003", डॉ. पी.सी. जैन, 20.01.2006

77. श्री साद बिन जिआ, "टर्किश फ्रीडम मूवमेंट, यंग टर्क्स ऐंड रोल ऑफ अल–हिलाल (1912–1914)", प्रोफेसर ए.के. पाशा, 20.01.2006

78. श्री विश्वजीत पेगू, "रीजनल को–ऑपरेशन इन द साउथ पेसिफिक इन द पोस्ट–कोल्ड वार ईरा : ए केस स्टडी ऑफ पेसिफिक आइसलेंड्स फॉरुम", डॉ. मन मोहिनी कौल, 25.01.2006

79. श्री कार्थिकेयन ए. वी., "यू एस पॉलिसी टुवर्ड्स ताइवान ड्यूरिंग द क्लिंटन एडमिनिस्ट्रेशन, 1993–2000", डॉ. चिन्तामणि महापात्रा, 20.01.2006

80. श्री अरुण कुमार नायक, "डिफोरिस्टेशन इन बंगलादेश (विद स्पेशॅल रिफ्रेंस टू चित्तागोंग हिल ट्रेक्ट्स)", प्रोफेसर आई. एन.मुखर्जी, 20.01.2006

81. श्री विजय कुमार बडेतिया, "स्ट्रक्चर ऑफ लोकल गवर्नमेंट इन साउथ अफ्रीका ऐंड इंडिया : ए कम्पैरेटिव स्टडी (1994–2004)", डॉ. एस. एन. मालाकार, 23.01.2006

82. सुश्री तशरिंग कोनजोम भुटिआ, "इश्यूज ऑफ सोवरनटी, एथनिसिटी ऐंड नेशनलिटी इन द पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना : द केस ऑफ तिब्बत", डॉ. मधु भल्ला, 25.01.2006

83. सुश्री अंगिरा सेन सर्मा, "यूनाइटिड स्टेट्स–सेंट्रल एशिया रिलेशंस, 1991–2001", प्रोफेसर के. वारिकू, 31.01.2006

84. श्री दिनोज कुमार उपाध्याय, "रशिया–यूरोपियन यूनियन रिलेशंस, 1994–2004", डॉ. गुलशन सचदेवा, 31.01.2006
85. सुश्री दीपिका फुलोरिया, "सीक्योरिटी इनवायरमेंट इन नार्थ–ईस्ट एशिया : चेंजिंग प्रोफाइल ऑफ जेपनीज सीक्योरिटी पॉलिसी सिंस 1990", डॉ. एच. एस. प्रभाकर, 31.01.2006
86. श्री रोबर्ट टी. चांगसन, "इंडो–अफ्रीकन रिलेशंस (1994–2004)", प्रोफेसर अजय कुमार दुबे, 07.02.2006
87. सुश्री मोनिका चड्ढा, "अमेरिकन मीडिया ऐंड कवरेज ऑफ द अफगानिस्तान ऐंड ईराक वार्स : कम्पैरीजन", डॉ. चिन्तामणि महापात्रा, 16.02.2006
88. श्री अरुप कुमार डेका, "माइग्रेशन ऐंड कलफलिक्ट : ए केस स्टडी ऑफ बंगलादेश माइग्रेंट्स इन आसाम फ्राम 1975–1985", प्रोफेसर महेन्द्र पी. लामा, 16.02.2006
89. सुश्री उमा पुरुषोत्तम, "यूएस–टर्की रिलेशंस ऐंड द ईराक वार", प्रोफेसर क्रिस्टोफर एस. राज, 21.02.2006
90. श्री शेलेन्द्र सिंह चौहान, "सिक्किम ऐज ए फेक्टर इन सिनो–इंडियन रिलेशंस (1975–2003)", प्रोफेसर महेन्द्र पी. लामा, 23.02.2006
91. श्री राजीव कुमार रंजन, "यूनाइटिड नेशंस डिवलपमेंट प्रोग्राम ऐंड ह्यूमन डिवलपमेंट : ए केस स्टडी ऑफ इंडिया", डॉ. येशी चोइदन, 16.02.2006
92. श्री अनुराग रंजन, "मीडिया ऐंड डेमोक्रेटाइजेशन इन हंगरी ऐंड रोमानिया : 1989–1999", डॉ. भास्वती सरकार, 23.02.2006
93. सुश्री नेहा कोहली, "द स्टेटस ऑफ शिआज इन साउदी अरेबिया", डॉ. पी. आर. कुमारस्वामी, 16.02.2006
94. श्री रितु रंजन कुमार, "पॉलिटिकल इम्पावरमेंट ऑफ वुमन इन सेंट्रल एशिया, 1991–2000", डॉ. फूल बदन, 06.03.2006
95. सुश्री दोरथी राय चौधरी, "फॉरन ट्रेड ऑफ द सेंट्रल एशिया रिपब्लिक्स 1992–2004", डॉ. ताहिर असगर, 06.03.2006
96. श्री दिब्यानंद साहू, "ग्लोबलाइजेशन ऐंड डेमोक्रेटाइजेशन इन पोस्ट–सोवियत सेंट्रल एशिया", डॉ. ताहिर असगर, 06.03.2006
97. सुश्री नीकेसानुओ सोरही, "वुमन इन कनफलिक्ट : ए केस स्टडी ऑफ माओइस्ट इनसरजेंसी इन नेपाल", प्रोफेसर उमा सिंह, 06.03.2006
98. श्री चो ओउन हो, "इनसरजेंस इन नार्थ–ईस्ट इंडिया : एक्सटरनल डाइमेंशंस सिंस द अर्ली 1980'ज", डॉ. पी. सहदेवन, 06.03.2006
99. सुश्री थारी सितकिल, "ऐसिमेट्रिक फेडरलिज्म : द केस ऑफ कनेडियन इनूइट ऐंड द मिजोज इन इंडिया", प्रोफेसर क्रिस्टोफर एस. राज, 06.03.2006
100. सुश्री रिचा चिंतन, "इम्पैक्ट ऑफ एग्रीकल्चरल ट्रेड लिबरलाइजेशन ऑन क्रोपिंग पैटर्न्स ऐंड फार्म इनकम", प्रोफेसर मनमोहन अग्रवाल, 14.03.2006
101. श्री अचंगर, "सिविल–मिलिट्री रिलेशंस अंडर द येलत्सिन पीरियड", प्रोफेसर अनुराधा चिनॉय, 14.03.2006
102. श्री प्रताप चन्द्र मोहन्ती, "इनवायरमेंटल कंसर्न्स ऐंड पावर्टी अलिविएशन इन डिवलपिंग कंट्रीज : रोल ऑफ नॉन–मार्किट इंस्टीट्यूशंस", प्रोफेसर एस. के. दास, 17.03.2006
103. सुश्री संयोगिता प्रमोद चुरी, "काउंटरिंग टेररोरिज्म थ्रू डिप्लोमेसी : इंडया'ज सर्च फॉर इंटरनेशनल सपोर्ट इन द पोस्ट 9/11 पीरियड", डॉ. पी. सहदेवन, 28.03.2006
104. श्री प्रमोद कुमार मंडल, "ट्रांसफर ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी फ्राम रशिया टू इंडिया 1991–2001", डॉ. भास्वती सरकार, 28.03.2006
105. श्री अनिल रजाक, "ए स्टडी ऑफ सेनेगल–इंडिया रिलेशंस (1994–2003)", डॉ. एस. एन. मालाकार, 29.03.2006

Hkk"kk lkfgR; vkSj laLÑfr v/;;u laLFkku

106. मोहम्मद सादिक हुसैन, "ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ सोसियो–पॉलिटिकल कंडीशन इन ईरान एज रिफलेक्टिड इन बहार'स कसीदाज", डॉ. अखलाक अहमद अनसारी, 26.04.2005
107. श्री राज शेखर, "अज्ञेय की कहानियों में स्त्री–पुरुष संबंधों की अभिव्यक्ति", डॉ. गोबिन्द प्रसाद, 26.04.2005
108. श्री ए.क्यू.एम.ए. रहमान भुयान, "फ्राम बॉम्बे टू बोस्टन : द लोकेशन ऑफ होमी के. भाभा", प्रोफेसर मकरंद प्रांजपे, 26.04.2005
109. सुश्री उमा शंकर, "Le Theme De L'insularite Dans Nour 1947 De Raharimanana", प्रोफेसर के. माधवन, 26.04.2005
110. सुश्री नीरजा यादव, "को–ऑर्डिनेशन इन खासी, सन्थाली ऐंड खारिया : ए टाइपोलॉजिकल स्टडी", प्रोफेसर अनविता अब्बी, 04.05.2005
111. मोहम्मद इरफान, "द इम्पैक्ट ऑफ इंडियन फिलॉसफीज ऑन द राइटिंग ऑफ सादेग़ हिदायत", प्रोफेसर एस. ए. हसन, 26.04.2005
112. मोहम्मद सलीम, "मेथड्स ऑफ अरेबिक लैंग्वेज स्टडी इन इंडियन मदरसाज बिटवीन टीचिंग ऐंड अचीवमेंट", प्रोफेसर एस. ए. रहमान, 26.04.2005
113. श्री अवाद मिलिंद एकनाथराव, "अन्नाभाउ साठे'ज लाइफ ऐंड वर्क : फ्राम मार्क्स टू अम्बेडकर", प्रोफेसर मकरंद प्रांजपे, 10.05.2005
114. सुश्री अनीता कोरीवाल, "El Tratamiento De La Identidad Circumstancialy Conceputal En Hombres De Malz De Miguel Angel Asturias", डॉ. इंदिरानी मुखर्जी और प्रोफेसर एस.पी.गांगुली, 16.05.2005
115. श्री वसी अहमद आजम अंसारी, "प्रेमचंद के नॉवेलों में दलित मसायल की अक्कासी मैदान–ए–अमल की रोशनी में", डॉ. मोहम्मद शाहिद हुसैन, 09.05.2005
116. सुश्री आरती कुमारी, "Die Rolle Des Mythos in Den Werken Von Heiner Muller", डॉ. मधु साहनी, 09.05.2005
117. सुश्री केथरीना लालह्लुएत्युआंजी सी., "क्रिश्चिअनिटी, कॉलोनिअलिज्म ऐंड कल्चर : ए स्टडी ऑफ द मिजो इस्प्रिचुअल्स", प्रोफेसर मकरंद प्रांजपे, 10.05.2005
118. सुश्री प्रीति पंत, "Tagore Y Marti : Dos Figuras Literarias Ante El Poder Ajeno",प्रोफेसर एस.पी. गांगुली, 01.06.2005
119. सुश्री चिनार दारा, "पैटर्न्स ऑफ प्रोसोडिक ब्रेकडाउन इन पंजाबी–स्पीकिंग एफेजिक्स", प्रोफेसर वैश्ना नारंग और प्रोफेसर माधुरी बिहारी (सह निर्देशक), 07.06.2005
120. मोहम्मद आफताब अहमद, "प्रॉबलम्स ऑफ लिट्रेरी ट्रांसलेशंस (अरेबिक–उर्दू)", प्रोफेसर एस. ए. रहमान, 08.06.2005
121. श्री जावेद कमर, "अल्लामा अहमद रिदा : हिज लाइफ ऐंड वर्क्स", प्रोफेसर एस.ए. रहमान, 09.06.2005
122. सुश्री कात्रे मधुवंती विजयकुमार, "asKants "Was Ist Aufklarung" Und "Zum Ewigen Frieden" Auf Marathi Kritik Einer Ubersetzung", प्रोफेसर राजेन्द्र डेंगले, 09.06.2005
123. सुश्री रिचा, "पजेसिव रिफलेक्सिव ऐंड प्रोनोमिनल्स इन हिंदी–उर्दू ऐंड इंडियन साइन लैंग्वुएज", डॉ. आयशा किदवई, 28.06.2005
124. श्री अब्दुल रहमान, "नइयर मसूद की अफसाना निगारी "तौस–ए–चमन की मैना के हवाले से", डॉ. के.एम. इकरामुद्दीन, 09.05.2005
125. श्री नमन अहमद, "जोश की शायरी में एहतिजाज : एक तजजियाती मोताला", प्रोफेसर नसीर अहमद खान, 07.07.2005

126. सुश्री भट्ट उज्ज्वल संजय, "Une Etude De l'identite Quebecoise A Travers Les Teletheatres De Marcel Dube", डॉ. अभिजीत कारकुन, 26.08.2005
127. श्री अश्फाक जफर, "सय्यीद अबुल हसन अली नदवी ऐंड हिज अरब हिस्ट्री राइटिंग (एन एनालिटिकल स्टडी)", डॉ. जोहुरुल बारी आजमी, 13.09.2005
128. श्री लियाकत अली अफाकी, "ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ अरेबिक मीडिया इन कतर ऐंड यू.ए.ई. सिंस 1971", प्रोफेसर एफ. यू. फारुखी, 13.09.2005
129. श्री राजेन्द्र परिहार, "(यूएन) ट्रांसलेटिड जीनियस : ए स्टडी ऑफ द 'इंग्लिश' प्रेमचंद", प्रोफेसर मकरंद प्रांजपे, 13.09.2005
130. श्री निशान्त कुमार यादव, "आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का गद्य संबंधी चिन्तन", प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 23.09.2005
131. श्री तनबीर अहमद, "उर्दू में साइंटिफिक तनकीद : एहतेशाम हुसैन के हवाले से" (साइंटिफिक क्रिटिसिज्म इन उर्दू विद स्पेशॅल रिफ्रेंस टू एहतेशाम हुसैन)", डॉ. एस. एम. अनवार आलम, 22.09.2005
132. श्री आशा राम भार्गव, "'कब तक पुकारुं' में अभिव्यक्त राजस्थानी जनजातीय जीवन" (राजस्थानी ट्राबल लाइफ ऐज डिपिक्टिड इन 'कब तक पुकारुं), प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 23.09.2005
133. श्री ज्योतिमय बाग, "स्वाधींता आन्दोलन के संदर्भ में 'पथ के दावेदार' और 'कर्मभूमि' का तुलनात्मक अध्ययन" (कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ 'पथ के दावेदार' और 'कर्मभूमि' इन द कंटेक्स्ट ऑफ फ्रीडम मूवमेंट), प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 14.11.2005
134. श्री राजीव रंजन गिरी, "खड़ी बोली पद्य का आन्दोलन और अयाध्या प्रसाद खत्री" (मूवमेंट ऑफ खड़ी बोली पोइट्री ऐंड अयोध्या प्रसाद खत्री), डॉ. वीर भरत तलवार, 10.11.2005
135. मोहम्मद अकरम, "ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ उमरा–ओ–जान अदा'ज फिल्म ऐंड नॉवेल" (उमरा–ओ–जान अदा बहैसियात नॉवेल और फिल्म : एक तकाबली मुतालिआ), प्रोफेसर नसीर अहमद खान, 05.12.2005
136. मोहम्मद इम्तियाज आलम, "उर्दू में परोदी की रिवायत एक तनकीदी मोताला" (ट्रेन्ड ऑफ परोदी इन उर्दू – ए क्रिटिकल स्टडी), डॉ. ख्वाजा मोहम्मद इकरामुद्दीन, 05.12.2005
137. श्री तजामुल हुसैन, "तरक्की पसंद अफसाना निगारों में गुलाम अब्बास का मुकाम", डॉ. मजहर हुसैन, 05.12.2005
138. सुश्री शरली वासन, "Romani Prestupleniye l Nakazanive F.M. Dostoevaskogo l "Otyets Gorio" Honore DeBalzaca : Khudozhestvenniye Osobennosti", प्रोफेसर अमर के. बासु, 05.12.2005
139. श्री अभिशेक, "राष्ट्रीय आत्मबोध और धार्मिक अस्मिता का अन्त–संबंध संदर्भ : भारतेन्दु कृत नीलदेवी (गीति रुपक)", डॉ. पुरुषोत्तम अग्रवाल, 15.12.2005
140. श्री गंगा सहाय मीणा, "'झूठन और तिरस्कार' में दलित चेतना का तुलनात्मक अध्ययन", डॉ. वीर भरत तलवार, 15.12.2005
141. सुश्री संगीता वर्मा, "वैश्य जीवन का मिथ और यथार्थ : संदर्भ सलाम आखिरी", डॉ. वीर भरत तलवार, 15.12.2005
142. श्री अब्दुल हक कमाल, "शहरयार की नज्म गोई : नई शायरी के तनाजुर में (शहरयार'स पोइट्री राइटिंग इन पर्सपेक्टिव ऑफ न्यू पोइट्री)", डॉ. मजहर हुसैन, 16.12.2005
143. श्री महमूद आलम, "जदीद उर्दू गजल में जफर इकबाल की इनफिरादियत", डॉ. ख्वाजा मोहम्मद इकरामुद्दीन, 15.12.2005
144. मोहम्मद इम्तियाज आलम, "सिराज औरंग आबादी की गजलों में इश्क के तसउवुर" (कंसेप्ट ऑफ लव इन सिराज औरंग आबादी'ज गजलियात), डॉ. ख्वाजा मोहम्मद इकरामुद्दीन, 15.12.2005
145. श्री मोहम्मद नौशाद आलम, "ऑटोबायोग्राफीज ऑफ उर्दू राइटर्स ऐंड पोइट्स आफ्टर 1980", डॉ. मजहर हुसैन, 15.12.2005

146. श्री मोसलेहउद्दीन तौसीफ," बाबा लोग में मुशारती जिंदगी की अक्कासी (रिफलेक्शन ऑफ सोशल लाइफ इन बाबा लोग)", डॉ. ख्वाजा मोहम्मद इकरामुद्दीन, 15.12.2005

147. श्री नौशाद आलम, "द कल्चर ऑफ दिल्ली ऐज रिफलेक्टिड इन द राइटिंग्स ऑफ मिरजा फरहतुल्लाह बेग", डॉ. मजहर हुसैन, 13.12.2005

148. सुश्री गीतिका गुप्ता, "मीनिंग जेनरेशन ऑफ द टेक्स्ट : द स्टोर्मी बाई ऑस्ट्रोवस्की इन फेमिनिस्ट क्रिटिसिज्म", प्रोफेसर अमर बसु, 15.12.2005

149. श्री अब्दुल वासेय, "ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ मनशियात–ए–कायम मकाम", प्रोफेसर एस.ए. हसन, 21.12.2005

150. सुश्री शास्वती साहा, "Mediation Culturelle Dans Les Traductions De Stanadayni De Mahasweta Devi", डॉ. एन. कमला, 17.01.2006

151. श्री इमामुद्दीन खान, "ख्वाब बाकी हैं (एक तजजियाती मुताला)" (ख्वाब बाकी हैं : एन अनालिटिकल स्टडी), डॉ. एस.एम. अनवार आलम, 17.01.2006

152. सुश्री साबरा शबनम सिद्दिकी, "इकबाल का तसवुर–ए–इसाक" (नुमाइंदा नजमों की रोशनी में)" कंसेप्ट ऑफ लव इन इकबाल'स पाइट्री (विद स्पेशल रिफ्रेंस टू रिप्रेजेंटेटिव पोइम्स), डॉ. एस.एम. अनवार आलम, 17.01.2006

153. श्री तंजील अथर, "उर्दू की अवामी रवायत (लोक गीतों के हवाले से)", प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद हुसैन, 17.01.2006

154. श्री जफरुल्लाह अनसारी, "मीर की मसनविओं में इश्क का तसव्वुर", डॉ. मजहर हुसैन, 17.01.2006

155. सुश्री तरीना लहिरी भट्टाचार्य, "द शॉर्ट स्टोरीज ऑफ चेखोव ऐंड बोनोफुल : आर्टिस्टिक पेक्युलिअर्टीज", प्रोफेसर अमर के बसु, 20.01.2006

156. श्री सयेदुज्जमा खान, "अनारकली और ध्रुवस्वामिनी–एक तुलनात्मक अध्ययन", डॉ. वीर भरत तलवार, 17.01.2006

157. मोहम्मद मुरतजा अली, "एन इवेल्युएटिव स्टडी ऑफ नुजहतुल–ख्वातिर–वा–बहातुल–मसामिआ–वा–अल–नवारिर लिस सैयद अब्दुल हई अल–हसनी", डॉ. मजीबुर रहमान, 24.01.2006

158. श्री नबील अहमद हाफिज मिरजा, "अल्लामा अब्दुल हई अल–हसनी ऐज ए लिट्रेरी हिस्टोरियन", प्रोफेसर मोहम्मद असलम इसलाही, 23.01.2006

159. सुश्री रश्मी गुरजर, "La Traduction Et L'Humour Dans Vyakti Ani Valli De P.L.Deshpande", प्रोफेसर किरण चौधरी, 24.01.2006

160. सुश्री घनेकर तेजश्री प्रभाकर, "Lectires Interactives De Salut Galarneau De Jacques Godbout", प्रोफेसर किरण चौधरी, 24.01.2006

161. मोहम्मद फैजुल्लाह खान, "L'Hybridite Culturelle Et La Traduction Dans Les Nouvelles De Bhishm Sahni", प्रोफेसर किरण चौधरी, 24.01.2006

162. श्री मुनव्वर अब्बास, "नई गजल में अहमद मुश्ताक का मुकाम", प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद हुसैन, 24.01.2006

163. श्री अमरेन्द्र कुमार सिंह, "कंसोनेंट क्लस्टर्स इन तिब्बतो–बर्मा लैंग्वेजिज : एन एप्टीमलिटी – थिऑरेटिक अप्रोच", प्रोफेसर पी.के.एस. पाण्डेय, 24.01.2006

164. श्री बिपिन कुमार शर्मा, "प्रेमचंद की कहानियों में स्वराज्य की अवधारणा", प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 27.01.2006

165. मोहम्मद राशिद हुसैन, "कंट्रीब्यूशंस ऑफ मीर सैयद अली हमदानी टू ट्रांसमीशन ऑफ पर्सियन लैंग्वेज,, लिट्रेचर ऐंड कल्चर टू द इंडियन सबकंटीनेंट", डॉ. सैयद अख्तर हुसैन, 06.02.2006

166. सुश्री इस्थर सुकृति नरजीनारी, "ट्रांसलेटिंग मार्जिंस : द ट्रांसलेशन ऑफ धरानी धर ओवारी'ज "एमडब्लूआइएचयूआर" प्रोफेसर हरीश नारंग, 06.02.2006

167. श्री आशुतोष आनन्द, "Opyt Issledovaniya conovo Tipa Afzii : Sluchat Odnovo Bol "NOVO" Poteryavshevo Sposobnost" Proizvodstva Rechi V Rezul' Tate Dorozhnoi Avarii", प्रोफेसर एच.सी.पांडे, 10.02.2006

168. सुश्री मीनाक्षी पाण्डेय, "द शॉर्ट स्टोरीज ऑफ ए.पी.चेकोव और आर.के. नारायण : ऑर्टिस्टिक पेक्युलिअरिटीज", प्रोफेसर ए.के.बसु, 10.02.2006

169. मोहम्मद राशिद, "द कंट्रीब्यूशन ऑफ यूनिवर्सिटी टीचर्स टू द अरेबिक स्टडीज इन इंडिया –1970–2004 : एन एनालिटिकल स्टडी", डॉ. मुजीबुर रहमान, 10.02.2006

170. श्री अब्दुल मलिक, "एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ अल्लामा फज्ल–ए–हक खैराबादी अरेबिक पोइट्री", प्रोफेसर मोहम्मद असलम इस्लाही, 10.02.2006

171. मोहम्मद जलिस अख्तर नासिरी, "डिवलपमेंट ऑफ अरेबिक मीडिया इन द यूनाइटिड किंग्डम आफट्र 1950 : ए सर्वे", डॉ. रिजवानुर रहमान, 27.02.2006

172. श्री उदय कुमार, "अवाम में सामाजिक यथार्थ", डॉ. देवेन्द्र कुमार चौबे, 27.02.2006

173. मोहम्मद अकरम नवाज, "मौलाना हुसैन अहमद अल–मदानी लाइफ ऐंड वर्क्स : एन एनालिटिकल स्टडी", डॉ. मुजीबुर रहमान, 28.02.2006

174. श्री शरन कुमार एस., "Essais Choisis De Soupramania Baradi Traduction Et Analyse Critique" प्रोफेसर (डॉ.) शान्ता रामाकृष्णन, 28.02.2006

175. श्री अवधेश कुमार त्रिपाठी, "गोरख पाण्डेय की काव्य दृष्टि और उनका रचना संसार", प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 28.02.2006

176. श्री उबेदउल गफ्फार, "इब्ने इनशा के सफर नामों का तजजियाती मुताला", प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद हुसैन, 28.02.2006

177. श्री यशवंत गेहलोत, "चन्द्रकांत बख्शी की श्रेष्ठ वार्ताओं का हिंदी अनुवाद", डॉ. रंजीत कुमार साहा और प्रोफेसर गंगा प्रसाद विमल (संयुक्त निर्देशक), 28.02.2006

178. श्री मिराज अहमद, "शेख अल–हिंद महमूद अल–हसन अल–देओबन्दी वा मोकिफुहु मिन अल–इस्ते'मर अल–बिरितानी मिन खिलाले अआ'मलिही दिरास तहिलिलियाह", प्रोफेसर एस.ए. रहमान, 28.02.2006

179. श्री आनन्द कुमार शुक्ला, "अनुवाद के निकाश पर 'बुद्ध चरित' का अध्ययन", डॉ. रनजीत कुमार साहा और प्रोफेसर गंगा प्रसाद विमल (सह निर्देशक), 14.03.2006

180. सुश्री अल मुहशीना मुज्जम्मिल, "गैदरिंग द फ्रेगमेंट्स टुगेदर : रिक्लैमिंग द पास्ट टू रिमेक द प्रेजेंट", डॉ. नवनीत सेठी और प्रोफेसर हरीश नारंग, 14.03.2006

181. सुश्री श्रुति जैन, "Also Wie Spricht Zarathustra Heute? (Zeitgenossische Uberloegungen Zur Kulturkritik Neitzsches)", प्रोफेसर राजेन्द्र डेंगले, 16.03.2006

182. श्री योगेश कुमार यादव, "काला पहाड़ और मेवात की सामासिक संस्कृति की चुनौतियां", प्रोफेसर पुरुषोत्तम अग्रवाल, 16.03.2006

183. मोहम्मद अफरोज आलम, "कंट्रीब्यूशन ऑफ मौलाना इसा फरताब टू पर्सियन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर", प्रोफेसर सैयद ऐनुल हसन, 27.03.2006

184. सुश्री सरिता सिन्हा, "सेंसिबिलिटी, मेमोरी ऐंड फॉर्म इन द नॉवेल कालीकथा : वाया बाईपास बाई अल्का सराओगी", प्रोफेसर पुरुषोत्तम अग्रवाल, 27.03.2006

185. श्री राकेश कुमार, "चेंजिंग वेल्यूज ऑफ द चाइनीज यूथ इन द 1990स : द रोल ऑफ द इंडिविज्युअल वर्सिज द कलेक्टिव", डॉ. सबरी मित्रा, 27.03.2006

186. सुश्री शालिनी श्रीवास्तव, "नमिता गोखले के उपन्यास द बुक ऑफ शेडोज का हिन्दी अनुवाद", डॉ. रंजीत कुमार साहा और प्रोफेसर गंगा प्रसाद विमल (संयुक्त निर्देशक), 27.03.2006

187. श्री जावैद रहमानी जावैद, "गालिब तनकीद", डॉ. मजहर हुसैन, 27.03.2006

188. श्री महमूद हाफिज अब्दुल रब मिरजा, "रिफार्मिस्ट मूवमेंट्स इन इंडिया ऐंड इट्स इम्पेक्ट ऑन स्ट्रगल अगेंस्ट ब्रिटिश इम्पीरिअलिज्म", प्रोफेसर एस.ए. रहमान, 28.03.2006

189. मोहम्मद बहारुल अली, "पर्सियन क्रोनिकल्स ऐज द सोर्स मैटिरियल्स इन द स्टडी ऑफ मिडिवल हिस्ट्री ऑफ आसाम", डॉ. सैयद अख्तर हुसैन, 30.03.2006

lkekftd foKku lLFkku

190. श्री अजय कुमार, "पैटर्न्स ऑफ रुरल डिवलपमेंट ऐंड पब्लिक एक्सपेंडीचर 1981–2001 : ए स्पेस्यिो – टेम्पोरल एनालिसिस", डॉ. सचिदानंद सिन्हा, 12.04.2005

191. श्री बिधान गोलय, "द नेपाली आइडेंटिटी ऐंड सब–एथनिक एस्सशन इन दार्जलिंग", प्रोफेसर राकेश गुप्ता, 20.04.2005

192. सुश्री देबार्चना घोष, "इफेक्ट ऑफ एक्सपोजर टू मास–मीडिया ऑन नॉलेज ऐंड यूज ऑफ अटेंनटल केयर सर्विसिज : ए कम्पैरेटिव एनालिसिस ऑफ हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश ऐंड कर्नाटका", प्रोफेसर मुरली धर विमूरी, 12.04.2005

193. सुश्री हिमांशी गोविल, "हिन्दुत्व ऐंड वुमन : ए केस स्टडी ऑन राष्ट्र सेविका समिति", प्रोफेसर किरन सक्सेना, 28.04.2005

194. सुश्री अणिमा बर्नवाल, "स्ट्रक्चर ऑफ हैल्थ केयर सर्विसिज इन राजस्थान : एन एलोकेशनल एनालिसिस", डॉ. सचिदानन्द सिन्हा, 28.04.2005

195. श्री हरीश कुमार मीणा, "पॉप्युलेशन ग्रोथ ऐंड अर्बन एनवायरमेंट : ए केस स्टडी ऑफ जयपुर सिटी", प्रोफेसर असलम महमूद, 28.04.2005

196. श्री विकास सहारन, "टेम्पोरल ऐंड स्पेशियल एनालिसिस ऑफ लिट्रेसी ऐंड एजूकेशन इन राजस्थान : ए केस स्टडी ऑफ जयपुर डिस्ट्रिक्ट", प्रोफेसर सुदेश नागिया, 28.04.2005

197. सुश्री रितु शर्मा, "द पॉलिटिक्स ऑफ कॉव स्लॉटर : कल्चरल सिग्नीफिकेंस ऑफ द कॉव इन इंडिया", प्रोफेसर दीपांकर गुप्ता, 28.04.2005

198. श्री विशाल चौहान, "प्रजा मंडल मूवमेंट इन राजस्थान विद स्पेसिअॅल रिफ्रेंस टू द शेखावाटी मूवमेंट", प्रोफेसर मृदुला मुखर्जी और प्रोफेसर दिलबाग सिंह (सह निर्देशक), 28.04.2005

199. सुश्री बी. राजेश्वरी, "पावर, नॉलेज ऐंड ग्लोबलाइजेशन : ए केस स्टडी ऑफ टीआरआईपीज", प्रोफेसर गुजप्रीत महाजन, 28.04.2005

200. श्री दीप्ती रंजन बेहरा, "कंटेंशंस ऑन सिविल सोसायटी : द इंडियन डिबेट", प्रोफेसर वलेरियन रोड्रिग्स, 28.04.2005

201. सुश्री कंवलजीत विर्दी, "फिजिकल अस्सेसिबिलिटी टू गवर्नमेंट हैल्थ फैसिलिटीज ऐंड हैल्थ आउटकम्स : ए केस स्टडी ऑफ सलेक्टिड स्टेट्स बेस्ड ऑन एनएफएचएस–2, 1998–99", प्रोफेसर असलम महमूद, 02.05.2005

202. श्री राकेश आर्य, "एनवायरमेंट ऐंड लैंडफॉर्म इवोल्यूशन इन दून वैली ऑफ उत्तरांचल", डॉ. मिलाप चन्द शर्मा, 02.05.2005

203. श्री रिगजिन संदूप, "टूरिज्म डिवलपमेंट इन लदाख : ए केस स्टडी ऑफ टूरिस्ट पैटर्न, इफ्रास्ट्रक्चर ऐंड इम्पेक्ट्स", प्रोफेसर एस.के. थोरट, 02.05.2005

204. श्री सुरेश आर., "इंडस्ट्रियल डिवलपमेंट इन इंडिया : रीजनल एनालिसिस", प्रोफेसर अतुल सूद और प्रोफेसर आर. के. शर्मा (सह निर्देशक), 02.05.2005

205. सुश्री अनुराधा बासुमात्री, "ट्रेड लिबरलाइजेशन ऐंड इंडिया'ज इम्पोर्ट्स इन द रिफॉर्म पीरियड (1990–91 टू 2000–01)", प्रोफेसर सी.पी. चन्द्रशेखर, 02.05.2005
206. श्री शाह नदीम, "ट्रेसिंग ए लॉस्ट ट्रेडीशन : द साबिरिज ऑफ कलियार", प्रोफेसर के.के. त्रिवेदी, 25.04.2005
207. सुश्री प्रेरणा चतुर्वेदी, "द आफ्टरमैथ ऑफ द नॉन–कॉ–आपरेशन मूवमेंट : मेपिंग नेशनलिस्ट ऐंड अदर फॉर्म्स ऑफ कंसिअसनेस", डॉ. इंदीवर काम्तेकर, 02.05.2005
208. श्री राकेश कुमार, "इकोनॉमिक रिफॉर्म्स ऐंड इट्स इम्पेक्ट ऑन स्माल स्केल इंडस्ट्री", डॉ. अतुल सूद, 02.05.2005
209. सुश्री सुरेखा धलेता, "द प्लेस ऑफ आयुर्वेद इन द हैल्थ सर्विस सिस्टम ऑफ हिमाचल प्रदेश", डॉ. रामा वी. बारु, 02.05.2005
210. सुश्री रेणु विनोद, "सारस्वत ब्राह्मिन्स ऑफ केरला : एन एथनोग्राफिक्स स्टडी", प्रोफेसर आन्नद कुमार, 02.05.2005
211. सुश्री एच. याओरिफी, "इंडस्ट्रियल डिवलपमेंट इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया", डॉ. अतुल सूद, 03.05.2005
212. श्री अनीश गुप्ता, "2002–03 ड्रॉट इन राजस्थान : ए फील्ड एनालिसिस", प्रोफेसर अविजीत सेन, 04.05.2005
213. सुश्री अल्का, "बंदागन–इ–सलातिन–इ–दिल्ली : द मम्लुक्स इन द थर्टीन्थ ऐंड फोर्टीथ सेंचुअरीज", प्रोफेसर के.के. त्रिवेदी, 03.05.2005
214. सुश्री गुंजन गोवर, "एन एक्सप्लोरेट्री एनालिसिस ऑफ नॉन–वरबल कम्युनिकेशन इन द क्लासरुम", प्रोफेसर ए.के. मोहंती, 04.05.2005
215. श्री मनोज तिर्की, "इंडियन सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री : इन्नोवेशन ऐंड ग्रोथ", प्रोफेसर ए. पार्थासार्थी, 04.05.2005
216. श्री ओस्माजैद रहमान, "द सोसियो–कल्चरल एनवायरमेंट ऑफ द मुस्लिम्स ऑफ कलकत्ता, 1876–1921", प्रोफेसर तनिका सरकार, 04.05.2005
217. सुश्री मोना दास, "कल्चरल फॉर्म्स इन पॉलिटिकल मोबिलाइजेशन : ए केस स्टडी ऑफ भोजपुरी फॉल्क सॉग्स इन द नक्सलाइट मूवमेंट", प्रोफेसर किरण सक्सेना, 04.05.2005
218. सुश्री पनपीमन नरकनवा, मीडिया ऐंड वार", डॉ. मैत्रेयी चौधरी, 02.05.2005
219. सुश्री बिआस भौमिक, "रेप ऐंड पावर इन इंडिया : ए सोसियोलॉजिकल स्टडी", डॉ. मैत्रेयी चौधरी, 13.05.2005
220. सुश्री शालिनी गुसाईं, "फेमिनिस्ट कंट्रीब्यूशंस टू इंडियन सोसियोलॉजी : ए स्टडी ऑफ सलेक्ट टेक्स्ट्स", डॉ. अविजीत पाठक, 16.05.2005
221. श्री सदानंद मित्रा, "रिप्रोडक्टिव मॉर्बिडिटी इन बंगलादेश : पैटर्न्स, डिटरमिनेंट्स ऐंड ट्रीटमेंट", प्रोफेसर सुदेश नागिया, 28.04.2005
222. श्री सम्बिट रथ, "डिफ्यूजन ऑफ इनफॉरमेशन ऐंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजीज (आईसीटी) ऐंड इनकम इनइक्युअलिटी : ए सर्वे", प्रोफेसर नासिर तयबजी और प्रोफेसर वी.वी. कृष्णा, 13.05.2005
223. श्री अरविंद आर., "द आइडिया ऑफ फ्रीडम इन द जर्मन ट्रेडीशन : ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ हेगेल'स फिलॉसफी ऑफ राइट", प्रोफेसर गुरप्रीत महाजन, 16.05.2005
224. श्री मनोरंजन मिश्रा, "जिओलॉजिकल स्ट्रक्चर ऐंड अर्थक्युएक व्यूलनेरबिलिटी इन मराठवाडा रीजन", प्रोफेसर एम.डी. विमूरी और डॉ. मिलाप चन्द शर्मा, 16.05.2005
225. सुश्री पूजा खरबन्दा, "द कल्चरल रिसेप्शन ऑफ साइकोएनालिसिस इन इंडिया : ए स्टडी ऑफ द इंस्टीट्युशनलाइजेशन ऑफ ए डिसीप्लिन (1900–1940)", डॉ. ध्रुव रैना, 16.05.2005
226. श्री मनोज कुमार जेना, "साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड सोसायटी इन इंडिया : ए सोसियोलॉजिकल स्टडी", डॉ. रेणुका सिंह, 16.05.2005
227. सुश्री अनामिका सिंह, "एनजीओ इंटरवेंशन इन पोस्ट रिओट गुजरात–2002", डॉ. जोया हसन, 13.05.2005

228. श्री संजीव कुमार, "द इफेक्ट ऑन लाइफ ऐंड हैल्थ ऑफ वेस्ट वाटर डिसचार्ज्ड फ्राम सीवेज ट्रीटमेंट प्लीन्ट्स : ए केस स्टडी ऑफ थ्री विलेजिज इन वाराणसी डिस्ट्रिक्ट ऑफ यू.पी.", डॉ. अल्पना डी. सागर, 13.05.2005
229. श्री कार्तिक पांडे, "सोशॅल हिस्ट्री फ्रॉम ए कम्पोजिट टेक्स्ट : सम एक्सप्लोरेशंस इन द सतपथा ब्राह्मण", डॉ. कुममुम रॉय, 13.05.2005
230. श्री सौरभ घोष, "ट्रेंड्स ऐंड पैटर्न ऑफ माइग्रेशन ऐंड इकोनोमिक डिवलपमेंट : एन इंटर–स्टेट एनालिसिस", प्रोफेसर अमिताभ कुंडू, 16.05.2005
231. सुश्री दीपिका वाधवा, "कम्पटीशन पॉलिसी इन द कंटेक्स्ट ऑफ लिबरलाइजेशन इन इंडिया", प्रोफेसर सी.पी. चन्द्रशेखर, 16.05.2005
232. सुश्री पोलोमी बनर्जी, "वाटरशेड मैनेजमेंट अप्रोच ऐंड इट्स असेसमेंट – ए केस स्टडी ऑफ नेशनल वाटरशेड डिवलपमेंट प्रोग्राम फॉर रैनफेड एरियाज (एनडब्लूडीपीआरए)", डॉ. सुचरिता सेन, 16.05.2005
233. श्री सत्य वेंकट सिद्धार्थ कुमार डी., "रीजनल पैटर्न ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन ऐंड डेमोग्राफिक करेक्टरिस्टिक्स ऑफ शिड्यूल्ड ट्राइब्स इन इंडिया", प्रोफेसर अनुराधा बनर्जी, 16.05.2005
234. सुश्री रुचि शुक्ला, "द बर्डन्ड चाइल्डहुड : ए स्टडी ऑफ एज्यूकेशनल लोड ऑन प्राइमरी स्कूल चिल्ड्रन इन दिल्ली", प्रोफेसर ए.के. मोहन्ती, 30.05.2005
235. सुश्री अनुलेखा भट्टाचार्य, "प्राइमरी एज्यूकेशन इन दिल्ली विद रिफ्रेंस टू करीकुलम : एन एन्थ्रोलॉजिकल पर्सपेक्टिव", प्रोफेसर सुदेश नागिया, 30.05.2005
236. श्री पार्था साहा, "इश्यूज इन लेबर रिफार्म इन द कंटेक्स्ट ऑफ इंडिया", प्रोफेसर सतीश के. जैन, 14.06.2005
237. सुश्री पुर्बा रुद्र, "यूज ऐंड इम्पेक्ट ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ऑन द ट्रेडिशनल ट्रेवल ऐंड टूरिज्म इंटरमिडिअरीज : ए केस स्टडी ऑफ दिल्ली", प्रोफेसर अतिया हबीब किदवई, 31.05.2005
238. सुश्री मीतू पाठक, "डब्लूटीओ, टीआरआइपीएस एग्रीमेंट ऐंड फारमेसियुटिकल्क : ए रिव्यू ऑफ रीसेंट डिबेट्स", डॉ. रामा वी. बारु, 13.06.2005
239. श्री अमन शर्मा, "पब्लिक हैल्थ पॉलिसी इन कॅलोनियल इंडिया – द नेशनलिस्ट पर्सपेक्टिव 1914–1947", प्रोफेसर मृदुला मुखर्जी, 30.05.2005
240. श्री अरिजीत कुमार चकबर्ती, "रुरल ग्रुप लीडिंग स्कीम्स विद जॉइंट लाइबिलिटी : रेशनल, स्ट्रक्चर ऐंड परफारमेंस", डॉ. अरिजीत सेन, 14.05.2005
241. सुश्री बीरा क्यूरी, "पंचायती राज इंस्टीट्यूशंस ऐंड पैरलल स्ट्रक्चर्स : ए केस स्टडी ऑफ आंध्र प्रदेश ऐंड मध्य प्रदेश", प्रोफेसर बलवीर अरोड़ा, 29.06.2005
242. श्री अशोक कुमार, कॉलिशंस ऐंड फेडरल गवर्नेंस : ए केस ऑफ उत्तर प्रदेश", प्रोफेसर बलवीर अरोड़ा, 29.06.2005
243. सुश्री समीधा सिंह, "स्टेट, जुडिसिअरी ऐंड द पॉलिटिक्स ऑफ कम्यूनल वॉयलेंस : ए स्टडी ऑफ गुजरात,2002", प्रोफेसर बलवीर अरोड़ा, 05.07.2005
244. सुश्री वसुन्धरा सिरनाते, "हिन्दू राइट विंग आर्गेनाइजेशंस ऐंड द कंस्ट्रक्शन ऑफ रिलीजियस मॉइनॉरिटी आइडेंटिटीज इन इंडिया", प्रोफेसर जोया हसन, 05.07.2005
245. मोहम्मद मुस्तुफा कमल, "सिविल सोसायटी इन बंगलादेश : एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी", डॉ. मैत्रेयी चौधरी, 05.07.2005
246. सुश्री कपिला मल्लाह, "परफारमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल सेक्टर इन राजस्थान : सम इश्यूज", डॉ. प्रवीण झा, 18.08.2005
247. श्री राम गति सिंह, "मिलटन फ्रिडमेन'स काउंटर–रिव्योल्यूशन इन मेक्रोइकोनॉमिक्स", प्रोफेसर प्रदीप्त चौधरी, 18.08.2005

248. श्री कुमार अभिशेख सिंह, "एनालिसिस ऑफ एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन इन मध्य प्रदेश – ए डिस्ट्रिक्ट लेवर स्टडी", डॉ. दीपक के. मिश्रा, 19.09.2005

249. सुश्री शर्मिष्ठा दास, "स्टेटस ऑफ वुमन ऐंड पैटर्न ऑफ फर्टिलिटी इन इंडिया : ए जिऑगर्फीकल एनालिसिस", डॉ. अनुराधा बनर्जी, 19.09.2005

250. सुश्री अपर्णा कपाडिया, "वॉट मेक्स द हैड टर्न ? थ्री नेरेटिव्स ऑफ लव ऐंड वार फ्राम मिडिवल वेस्टर्न इंडिया", प्रोफेसर कुनाल चक्रबर्ती, 18.10.2005

251. श्री संजय शर्मा, "स्ट्रक्चर ऑफ पॉलिटी अंडर द गुजरात–प्रतिहार्स ऑफ कन्नौज", प्रोफेसर रणबीर चक्रवर्ती, 18.10.2005

252. सुश्री अंचल खंडेलवाल, "डायनेमिक्स ऑफ लिट्रेसी इन राजस्थान : एन एक्सप्लोरेट्री एनालिसिस", प्रोफेसर सरस्वती राजू, 18.10.2005

253. श्री कथिरेसन एल., "चेंजिंग सोसिअल इंस्टीट्यूशंस ऐंड हैल्थ प्रेक्टिसिस : एन एथनोग्राफिक स्टडी ऑफ मलयालीज, येलगिरि हिल्स, तमिल नाडु", प्रोफेसर के. आर. नायर और डॉ. सुनीता रेड्डी, 18.10.2005

254. श्री समिक चौधरी, "कंस्ट्रक्शन ऑफ ह्यूमन डिवलपमेंट इंडेक्स : सम मेथोडोलॉजिकल इश्यूज", प्रोफेसर अमिताभ कुन्डू, 19.09.2005

255. श्री सरोज रंजन झा, "स्टेट, डेमोक्रेसी ऐंड राइट : लिबरल पॉलिटिकल थ्योरी ऐंड द प्ल्यूरलिस्ट क्रिटिक", प्रोफेसर माधवन के. पलाट, 18.11.2005

256. सुश्री नामीरकपम बिजेन मीतेई, "रिथिंकिंग मल्टीकल्चरलिज्म : एक्जामिनिंग इश्यूज ऑफ एथनिक डाइवर्सिटी विद स्पेशॅल रिफ्रेंस टू मणिपुर", प्रोफेसर गुरप्रीत महाजन, 18.11.2005

257. सुश्री नीतू सिंह, "डिसेंट्रलाइजेशन ऐंड हैल्थ : ए केस स्टडी ऑफ हुसेपुर पंचायत बिहार", प्रोफेसर मोहन राव और डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 18.11.2005

258. श्री सिगमणि पी., "द न्यू पब्लिक मैनेजमेंट (एनपीएम) : रिलीवेंस टू हैल्थ केयर सर्विसिज", प्रोफेसर के.आर. नायर और डॉ. राजीब दासगुप्ता, 18.11.2005

259. श्री अविनाश पाण्डेय, "सोसिअल प्रोडक्शन ऑफ डिसीज एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी ऑफ द कोल्स ऑफ शंकरगढ़ ब्लाक इन इलाहाबाद डिस्ट्रिक्ट", प्रोफेसर इमराना कादिर, 18.11.2005

260. सुश्री शिरिषा अमात्य, "ए स्टडी ऑफ जेंडर ऐंड एचआइवी/एड्स इन कंटेम्पोरेरी नेपाल", डॉ. नीलिका मेहरोत्रा, 18.11.2005

261. सुश्री सिल्पी मोहन्ती, "द सोसियोलॉजी ऑफ द बॉडी ऐंड डिजाइर इन इंडियन कल्चर : ए केस स्टडी ऑफ देवदास (2002)", डॉ. अमिल कुमार शर्मा, 18.11.2005

262. श्री रामानंद राम, "पॉवर्टी एस्टीमेट्स इन इंडिया : ए क्रिटिकल एप्राइजल", प्रोफेसर उत्सा पटनायक, 18.11.2005

263. सुश्री प्रेर्णा कुमार, "डोमेस्टिक वॉयलेंस अगेंस्ट मैरिड वुमन : ए कम्पेरेटिव एनालिसिस ऑफ नार्दर्न ऐंड साउदर्न स्टेट्स ऑफ इंडिया बेस्ड ऑन एनएफएचएस–2 डाटा", प्रोफेसर एम. डी. विमूरी, 15.12.2005

264. श्री अमित राहुल, "सोसिअल कंसीक्वेंसिस ऑफ इंटरनल माइग्रेशन इन इंडिया", प्रोफेसर एहसानुल हक, 15.12.2005

265. श्री मुकबिल अहमर, "पब्लिक अंडरस्टेंडिंग ऑफ साइंटिफिक कंट्रोवर्सीज : ए केस स्टडी ऑफ बोटल्ड वाटर कंट्रोवर्सी", डॉ. प्रणव एन. देसाई, 15.12.2005

266. श्री विकास सभरवाल, "कम्यूनलाइजेशन ऑफ एज्यूकेशन : द एनसीइआरटी टेक्स्टबुक कंट्रोवर्सी", डॉ. विधु वर्मा, 15.12.2005

267. सुश्री ब्रोतति बिश्वास, "बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट ऑफ इंडिया स्ट्रक्चरल कंटीन्यूटी ऐंड चेंज (1971–2001)", प्रोफेसर अतिया हबीब किदवई, 15.12.2005

268. सुश्री बेंदंगलीला, "द नाइंटींथ संचुअरी क्रिस्चियन मिसीनरीज ऐंड द डायनेमिक्स ऑफ द एक्सपेंसन ऑफ मार्डर्न एज्यूकेशन इन द नागा हिल्स", डॉ. ध्रुव रैना, 15.12.2005
269. श्री मनीश आनन्द, "टेक्नोलॉजिकल कैपेसिटी बिल्डिंग इन द फूड प्रोसेसिंग इन्डस्ट्री", डॉ. प्रणव एन. देसाई, 15.12.2005
270. सुश्री प्रनोति चिरमुलेय, "कंस्ट्रक्टिड अपील्स ऑफ हिंदुत्व : द कल्चरल नेशनलिज्म ऑफ द संघ परिवार", प्रोफेसर दीपांकर गुप्ता, 15.12.2005
271. सुश्री प्रार्थी शर्मा, "अबॉर्शन इन इंडिया – ए सोसियोलॉजिकल स्टडी", डॉ. नीलिका मेहरोत्रा, 15.12.2005
272. सुश्री जयंती कृष्णा के.ई., "ए कंसिस्टेंसी एनालिसिस ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट एग्रीमेंट्स ऐंड वायोडाइवर्सिटी कंवेंशंस", प्रोफेसर सतीश के. जैन, 15.12.2005
273. सुश्री किया मुखर्जी, "रुरल क्रेडिट ऐंड लैंडलैस मैन्युअल वर्कर्स हाउसहोल्ड्स इन हरियाणा", डॉ. विकास रावल, 19.12.2005
274. सुश्री रितु खन्ना, "इम्पेक्ट ऑफ इंसपेक्शंस ऑन पॉल्यूशन अबेटमेंट बाई फर्म्स : ए केस स्टडी ऑफ दिल्ली, इंडिया", प्रोफेसर डी.एन. राव, 15.12.2005
275. श्री सुब्रत दास, "रेग्युलेशन ऑफ इंश्यूरेंस इंडस्ट्री इन इंडिया", प्रोफेसर सी.पी. चंद्रशेखर, 15.12.2005
276. श्री मंदीप कदिअन, "इश्यूज रिलेटिंग टू इम्प्लॉयमेंट ऐंड सोशॅल सीक्योरिटी ऑफ लेबर इन कंटेम्पोरेरी इंडिया", डॉ. प्रवीण झा, 15.12.2005
277. श्री उमा शंकर प्रसाद, "इम्पेक्ट ऑफ न्यू इकोनॉमिक पॉलिसी ऑन सम इकोनॉमिक आस्पेक्ट ऑफ नेपालीज इकोनॉमी", प्रोफेसर अरुण कुमार, 19.12.2005
278. श्री देव नाथ पाठक, "मैथिली फॉकलोर ऐंड द आइडियाज ऑफ मदरहुड", डॉ. सुसान विश्वनाथन, 22.12.2005
279. श्री मनोज कुमार, "कल्चर फ्रिंडली एज्यूकेशन : ए स्टडी ऑफ ट्राइब्स ऑफ मध्य प्रदेश", प्रोफेसर एहसानुल हक, 22.12.2005
280. श्री अदनान फारुकी, "इंडियन इलेक्ट्रॉल सिस्टम ऐंड अंडर रिप्रेजेंटेशन ऑफ मुस्लिम्स", प्रोफेसर जोया हसन, 28.12.2005
281. श्री लालगौलिअन, "द डायनेमिक्स ऑफ एथनिक आइडेंटिटी फॉरमेशन इन मणिपुर : ए सोसिओलॉजिक्ल स्टडी", डॉ. नीलिका मेहरोत्रा, 22.12.2005
282. श्री रवि नन्दन सिंह, "द नोशन (स) ऑफ डैथ ऐंड द कम्यूनिटी : रिथिंकिंग द सोशॅल एन्थ्रोपॉलॉजी ऑफ डैथ", डॉ. सुसान विश्वनाथन, 22.12.2005
283. सुश्री मीनाक्षी रे, "अंडरस्टेंडिंग द रेल्म ऑफ राधा एन एक्सप्लोरेशन ऑफ टेक्सचुअल ट्रेडिशंस इन अर्ली मिडिवल ईस्टर्न इंडिया", डॉ. कुमकुम रॉय, 04.01.2006
284. सुश्री पूनम शीमर, "इमेजिंग वुमन इन मुगल इंडिया : हिस्टोरिकल नेरेटिव्स, पैंटिंग्स ऐंड मेडिकल टेक्स्ट्स", डॉ. सैयद नजफ हैदर, 04.01.2006
285. श्री श्रीजीत मुखर्जी, "हैल्थ कोस्ट ऑफ एम्बिएंट एयर पॉल्यूशन – ए केस स्टडी ऑफ वेस्ट बेंगाल ऐंड कोलकाता", डॉ. अर्चना अग्रवाल, 09.01.2006
286. श्री के. कविशेर, "एम्पावरमेंट ऑफ वुमन सेक्स वर्कर्स : एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी ऑन रोल ऑफ एनजीओज इन द कंटेक्स्ट ऑफ एचआइवी/एड्स कंट्रोल प्रोग्राम इन केरला", डॉ. अल्पना दया सागर और डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 11.01.2006
287. सुश्री मेरिया एल. सैलो, "द एसोसिएशनल लाइफ ऐंड द स्टेट इन मिजोरम", प्रोफेसर वेलेरियन रोड्रिग्स, 13.01.2006

288. श्री राकेश कुमार, "वेस्टर्न हिमालयाज : द पंजाब हिल स्टेट्स सेवेनटींथ टू मिड नाइनटींथ सेंचुअरी", डॉ. योगेश शर्मा, 09.01.2006

289. सुश्री अनांग कोविस्थिंचई, "थाइलैंड ऐंड एशियन रीजनल फॉर्यूम (एआरएफ) : ए स्टडी ऑफ चेलेंजिंग इश्यूज", डॉ. गंगनाथ झा, 16.01.2006

290. श्री मोंत्री विवासुख, "एफटीए बिटवीन इंडिया ऐंड थाइलैंड : ए स्टडी ऑफ स्ट्रेटिजीज ऑफ को–ऑपरेशन ऐंड कम्पटीशन", डॉ. शंकरी सुंदररमन, 16.01.2006

291. श्री एल. चैतन्य किशोर रेड्डी, "इंडिया–ईरान रिलेशंस विद सिपेशल रिफ्रेंस टू अफगानिस्तान अंडर तालिबान", प्रोफेसर गुलशन डायटल, 16.01.2006

292. सुश्री सरोबना भट्टाचार्य, "वॉयलेंस ऐंड मिलिटराइजेशन : ए स्टडी ऑफ द राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ", डॉ. प्रलय कानूनगो, 11.01.2006

293. श्री गुलाम मोहम्मद चौधरी, "द एथनो कल्चरल ऐंड पॉलिटिकल आइडेंटिटी ऑफ द पास्टोरल नोमाड्स : ए स्टडी ऑफ द गुज्जर्स ऐंड बैकवर्ड्स ऑफ जम्मू ऐंड कश्मीर", प्रोफेसर आनंद कुमार, 29.01.2006

294. श्री टी. काबिलन, "इनफारमेशन ऐंड कम्यूनिकेशन टैक्नोलॉजीज (आइसीटीज) फॉर पावर्टी अलिविएशन : ए सोसियोलॉजिकल एनालिसिस", प्रोफेसर आनंद कुमार, 29.01.2006

295. सुश्री निवेदिता कुकरेती, एनवायरमेंट ऐंड सोसायटी : एडेप्टेशन, एडजस्टमेंट ऐंड परसेप्शन इन मिडिवल राजस्थान, 1600–1800", प्रोफेसर दिलबाग सिंह, 30.01.2006

296. श्री विपुल त्रिपाठी, "रिलीजियस इंटरेक्शन इन अर्ली मिडिवल कश्मीर (सी. 600–1000 सी.ई.)", डॉ. कुमकुम रॉय, 30.01.2006

297. श्री बजरंग लाल, "एग्रो–बॉयोटेक्नोलॉजी, प्लांट वैरायटी प्रोटेक्शन एक्ट, फॉर्मर्स' राइट्स ऐंड इट्स इम्पेक्ट ऑन द इंडियन सीड सेक्टर", डॉ. प्रणव एन. देसाई, 30.01.2006

298. सुश्री संगीता वर्मा, "स्ट्रेस ऐंड कोपिंग अमंग 10थ क्लास गर्ल्स : ए स्टडी कंडक्टेड इन टू स्कूल्स ऑफ इलाहाबाद सिटी", डॉ. अल्पना डी. सागर और डॉ. सुनीता रेड्डी, 29.01.2006

299. सुश्री आदिती जमालपुरिया, "इम्पेक्ट ऑफ एनवायरमेंटल रेग्युलेशन ऑन द इंडियन मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्रीज : एन इंटर–स्टेट एनालिसिस", डॉ. कृष्णेन्दु घोष दस्तीदार, 02.02.2006

300. सुश्री पूजा रुस्तागी, "हैल्थ इनइक्वलिटी इन इंडिया : ए डिस्ट्रिक्ट लेवर एनालिसिस ऑफ सम सलेक्टिड स्टेट्स", प्रोफेसर डी. एन. राव, 02.02.2006

301. सुश्री रुचिका शर्मा, "द बीबी : ए स्टडी ऑफ द इंटरफेस बिटवीन नेटिव वुमन ऐंड यूरोपियन मेन इन बेंगाल इन द लेट एटींथ ऐंड अर्ली नांइनटींथ सेंचुअरीज", प्रोफेसर रजत दत्ता, 02.02.2006

302. श्री श्रीनिवास येर्राम्सेती, "रोल ऑफ इनफारमेशन ऐंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजीज फॉर रुरल डिवलपमेंट : ए केस स्टडी ऑफ द रुरल ई–सेवा प्रोजेक्ट इन वेस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट, आंध्र प्रदेश", डॉ. माधव गोविंद, 31.01.2006

303. श्री प्रवीण कुमार, "ए स्टडी ऑफ कलोनियल तेलुगु स्कूल टेक्स्टबुक्स (1877–1947)", डॉ. इंदीवर काम्तेकर, 02.02.2006

304. श्री सुबाष रंजन नायक, "अरबनाइजेशन ऐंड ग्लोबलाइजेशन : एन इंडियन एक्सपीरियंस", प्रोफेसर एम.एन. पाणिनी, 13.02.2006

305. सुश्री सुभा एस., "शिफ्ट्स इन रुरल वाटर सप्लाई पॉलिसीज इन केरला : एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी", डॉ. रामा वी. बारु और डॉ. राजीब दास गुप्ता, 29.01.2006

306. सुश्री अपर्णा मोहंती, "सोशल साइंस इश्यूज इन मलेरिया : ए रिव्यू", डॉ. रामा वी. बारु और डॉ. संघमित्रा एस. आचार्य, 07.02.2006
307. सुश्री लिपिका दासगुप्ता, "द चेंजिंग रोल ऑफ द सीड इंडस्ट्री इन इंडियन एग्रीकल्चर : ए कंसीडरेशन ऑफ पैड्डी ऐंड कॉटन", प्रोफेसर जयति घोष, 13.02.2006
308. श्री कनिहार कान्त, "ए सोसियोलॉजिकल एनालिसिस ऑफ पॉवर्टी इन बिहार सिंस इंडिपेंडेंस", प्रोफेसर आनंद कुमार, 13.02.2006
309. श्री फैसल के.पी., "ट्रेडीशन ऐंड मॉडर्निटी अमंग मेप्पिला मुस्लिम्स ऑफ केरला : ए सोसियोलॉजिकल स्टडी", डॉ. अमित कुमार शर्मा, 13.02.2006
310. सुश्री संगीता सिंह, "अंडरस्टेंडिंग रिसपोंसिवनेस ऑफ हैल्थ सर्विसिज थ्रू सोशॅल एक्सप्रियसिज ऑफ टूबरकुलोसिस : एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी", डॉ. रामा वी. बारु और डॉ. संघमित्रा एस. आचार्य, 15.02.2006
311. श्री सुदर्शन बार्डोलोई, "मेटर्नल हैल्थ ऐंड हैल्थ केयर इन इंडिया : सोसियो–इकोनोमिक ऐंड डेमोग्राफिक कोरिलेट्स", डॉ. अनुराधा बनर्जी, 15.02.2006
312. श्री विनोद कुमार, "पाप्यूलेशन ग्रोथ ऐंड इट्स इम्पेक्ट ऑन हाउसिंग ऐंड बेसिक हाउसिंग अमेनिटीज इन इंडिया : ए कम्पैरेटिव एनालिसिस ऑफ पंजाब ऐंड झारखंड : 1991–2001", डॉ. अनुराधा बनर्जी, 15.02.2006
313. श्री टाटा रामकृष्ण, "डिवलपमेंट डिसप्लेसमेंट ऐंड रिहेबिलिटेशन : इबेल्युएटिंग द गवर्नमेंट पॉलिसीज ऑन डेम्स इन ओडिसा", डॉ. प्रलय कानूनगो, 15.02.2006
314. श्री तेरुकी वातानबे, "द पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ सोशॅल एक्सक्ल्यूजन इन अर्बन इंडिया", प्रोफेसर एम.एन. पाणिनी, 15.02.2006
315. श्री सुरेश बाबू जी.एस., "प्राइवेटाइजेशन ऑफ हायर एज्यूकेशन ऐंड इट्स इम्पेक्ट ऑन दलित्स इन इंडिया : ए सोसियोलॉजिकल एनालिसिस", डॉ. विवेक कुमार, 15.02.2006
316. श्री बिक्रम डौली, "लैंड यूज चेंजिज ऐंड लैंड यूज प्लानिंग इन सिक्किम", डॉ. मिलाप चन्द शर्मा, 17.02.2006
317. सुश्री परमिता सरकार, "लिंक बिटवीन एज्यूकेशन ऐंड ऑक्यूपेशन स्ट्रक्चर : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ बिहार ऐंड वेस्ट बैंगाल", डॉ. सौमेन चट्टोपाध्याय, 20.02.2006
318. सुश्री शालिनी दीक्षित, "डिवलपमेंट ऑफ हिस्टोरिकल अंडरस्टेंडिंग इन 9 टू 14 ईयर ओल्ड चिल्ड्रन", प्रोफेसर अजीत कुमार मोहंती, 20.02.2006
319. श्री प्रकाश चन्द्र साहू, "सोसियो–इकोनॉमिक ऐंड लाइफ स्टाइल इम्पेक्ट ऑन जेरिएट्रिक हैल्थ इन इंडिया : एन एनालिसिस ऑन एनएसएसओ 52नड राउंड डाटा", प्रोफेसर मुरली धर विमूरी, 20.02.2006
320. श्री शरद कुमार द्विवेदी, "गवर्नेबिलिटी ऐंड वेल–बीइंग : ए स्टेट लेवल एनालिसिस ऑफ पालिटिक्स ऐंड स्पेस इन इंडिया", डॉ. बी. एस. बुटोला, 20.02.2006
321. श्री शशि कांत उपाध्याय, "स्पेशॅल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ रुरल सेटलमेंट्स इन उत्तर प्रदेश, इंडिया", प्रोफेसर सुदेश नांगिया, 20.02.2006
322. श्री शिबब्रत दास, "न्यूट्रीशनल स्टेटस ऑफ वुमन ऐंड चिल्ड्रन : ए कम्पैरेटिव व्यू ऑफ शैड्यूल्ड ट्राइब्स ऐंड अदर्स इन सिक्स लार्ज स्टेट्स ऑफ इंडिया", प्रोफेसर पी. एम. कुलकर्णी, 20.02.2006
323. सुश्री किरण यादव, "इंटरप्लेय ऑफ गवर्नमेंट ऐंड नॉन–गवर्नमेंटल आर्गेनाइजेशंस : ए केस स्टडी ऑफ सर्व शिक्षा अभियान इन हरियाणा", प्रोफेसर सुधा पई, 21.02.2006
324. श्री आशिश कुमार सिन्हा, "पब्लिक एक्सपेंडिचर ऐंड सोशॅल सेक्टर इन इंडिया : एन इंटरस्टेट एनालिसिस", डॉ. अतुल सूद, 17.02.2006

325. श्री सिद्धार्थ राय, "हिन्दूज, मुस्लिम्स ऐंड द रिवोल्ट ऑफ 1857", प्रोफेसर भगवान सिंह जोश, 15.02.2006
326. सुश्री हिमानी पासबोला, "फिजिको मैथमेटिकल कंसेप्ट्स इन एवरीडे एक्टिविटीज : ए स्टडी फ्राम कल्चरल–साइकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव", डॉ. मिनाती पण्डा, 20.02.2006
327. श्री सिबा प्रसाद पाण्डा, "न्यू सोशॅल मूवमेंट्स ऐंड डेमोक्रेसी : ए स्टडी ऑफ एनवायरमेंटल मूवमेंट्स इन उडिसा", प्रोफेसर वी. रोड्रिग्स, 21.02.2006
328. श्री अनिमेश नासकर, "इंटर–स्टेट डिसपेरिटी इन इंडियन मैन्युफेक्चरिंग : ग्रोथ, प्रोडक्टीविटी ऐंड इफिसिएंसी", डॉ. अतुल सूद, 23.02.2006
329. श्री इद्रवीर कुमार, "कोल्ड डेजर्ट : प्रोसिसेज ऐंड लैंड यूज मैनेजमेंट इन लाहुल ऐंड स्पिति, हिमाचल प्रदेश", डॉ. मिलाप चन्द शर्मा, 23.02.2006
330. श्री माधव मुकुन्द पाठक, "एनालिसिस ऑफ फीमेल ऐज एट मैरिज ऐंड कोहेबिटेशन इन केरला, आन्ध्र प्रदेश, पंजाब ऐंड मध्य प्रदेश बेस्ड ऑन एनएफएचएस–II डाटा", प्रोफेसर एम. डी. विमूरी, 23.02.2006
331. श्री पूरन मल गुर्जर, "अरबनाइजेशन ऐंड माइग्रेशन इन राजस्थान (1971–2001) : ए डिस्ट्रिक्टवाइज एनालिसिस", प्रोफेसर असलम महमूद, 23.02.2006
332. श्री राजेश कुमार, "फ्लड्स इन द लोअर राप्ती रिवर बेसिन : आक्रेंस, काजिज ऐंड मैनेजमेंट", डॉ. मिलाप चन्द शर्मा, 23.02.2006
333. सुश्री मधुलिका सिंह, "डाइनेमिक्स ऑफ टेक्नीकल एज्यूकेशन इन द यूनाइटिड प्रोविंसिज : ए केस स्टडी ऑफ हरकोर्ट बटर टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, कानपुर (1921–1971)", प्रोफेसर दीपक कुमार, 03.03.2006
334. श्री जगन्नाथ अम्बागुडिया, "प्रिफ्रेंसियल ट्रीटमेंट ऐंड इट्स लिमिटेशंस : ए केस स्टडी ऑफ शेड्यूल्ड ट्राइब्स इन उडिसा", प्रोफेसर सुधा पई, 06.03.2006
335. सुश्री नीरु शर्मा, "दलित आर्गेनाइजेशंस, फॉर्म्स ऑफ प्रोटेस्ट ऐंड पॉलिटिक्स ऑफ आइडेंटिटी इन तमिल नाडु", प्रोफेसर सुधा पई, 06.03.2006
336. श्री शक्ति गोल्डर, "ऑन सम इम्प्लीकेशंस ऑफ द फाइनैंसिंग ऑफ हैल्थ केयर", प्रोफेसर अंजन मुखर्जी, 06.03. 2006
337. श्री सुशील प्रसाद, "इवोल्युशन ऑफ सेंट्रल एडवाइजरी बोर्ड ऑफ एज्यूकेशन ऐंड इंडियन एज्यूकेशन : 1920–48", प्रोफेसर दीपक कुमार, 06.03.2006
338. सुश्री प्रिया श्रीवास्तव, "ग्लोबलाइजेशन ऑफ इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी ऐंड द एडवेंट ऑफ आउटसोर्सिंग : द केस ऑफ द इंडियन बीपीओ सर्विसिज ऐंड द डिमांड फॉर स्किल्ड वर्कर्स", प्रोफेसर बिनोद खादरिया, 06.03.2006
339. श्री कैलाश चन्द्र बिश्नोई, "ट्रेंड्स ऐंड डिटरमीनेंट्स ऑफ स्कूल एज्यूकेशन इन राजस्थान : ए स्पेशिओ टेम्पोरल एनालिसिस", डॉ. सचिदानंद सिन्हा, 07.03.2006
340. सुश्री भुपिन्दर कौर, "ग्रोथ ऐंड वैरिएबिलिटी इन पंजाब एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन (1961–2003) : ए केस फॉर डाइवरसिफिकेशन थ्रू कांट्रेक्ट फारमिंग", प्रोफेसर आर. के. शर्मा, 07.03.2006
341. श्री अनिमेश रॉय, "इररिगेशन सिस्टम्स ऐंड देयर इम्पेक्ट ऑन एग्रीकल्चरल सेक्टर इन वेस्ट बैंगाल : ए डिस्ट्रिक्ट लेवर एनालिसिस", डॉ. सुचरिता सेन, 07.03.2006
342. श्री रोशन कुमार, "एग्रीकल्चरल ग्रोथ इन उत्तर प्रदेश : ए स्पेशॅल–टेम्पोरल एनालिसिस", प्रोफेसर रवि एस. श्रीवास्तव, 07.03.2006
343. श्री संतोष कुमार मालुआ, "सेविनटींथ सैंचुअरी बिहार : सम आस्पेक्ट्स ऑफ द शेपिंग ऑफ ए रीजनल इकोनॉमी", प्रोफेसर रजत दत्ता, 08.03.2006

344. श्री राधा रमण, "एनवायरमेंटल डिग्रेडेशन ऐंड लैंड यूज/लैंड कवर चैंजिज इन द यमुना फ्लडप्लैन विद स्पेशॅल रिफ्रेंस टू नॉर्थ ऑफ दिल्ली", प्रोफेसर हरजीत सिंह, 07.03.2006
345. सुश्री सुमन नेगी, "प्राइमरी एज्यूकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर, इनरोलमेंट ऐंड रिटेंशन : ए रीजनल एनालिसिस", प्रोफेसर सुदेश नागिया, 07.03.2006
346. श्री विजेन्द्र कुमार पाण्डेय, "लैंडस्लाइड हजार्ड जोनेशन ऑफ द भिलंगाना रिवर बेसिन (उत्तरांचल हिमालया)", प्रोफेसर हरजीत सिंह और डॉ. मिलाप चन्द शर्मा, 09.03.2006
347. सुश्री अशमयी दास, "रिफ्यूजीज ऐंड रिसेटलमेंट : ए सर्वे ऑफ द इंडियन एक्सप्रियंस", डॉ. एस. एस. जोधका, 09.03.2006
348. सुश्री शुभ्रा सेठ, "कंस्ट्रक्शन ऑफ कम्यूनल वुमन इन हिन्दुत्व", डॉ. प्रलय कानूनगो, 09.03.2006
349. श्री शिबशंकर जेना, "डिकंस्ट्रक्टिंग प्लान्ड इंटरवेंशन : टुवर्ड्स ए पार्टिसिपेट्री अप्रोच टू रुरल डिवलपमेंट", प्रोफेसर एम. एन. पाणिनी, 09.03.2006
350. श्री अभिनंदन सैकिया, "इव्योल्यूशन ऑफ वेहिकुलर एमिसन नॉर्म्स इन इंडिया", डॉ. एस. भादुरी और डॉ. रोहन डिसूजा, 09.03.2006
351. सुश्री मनीशा मीना, "ट्रेंड्स इन एम्प्लॉयमेंट ड्यूरिंग 1990स", डॉ. प्रवीण झा, 17.03.2006
352. श्री संजीव कुमार चाहर, "अंडर यूटीलाइजेशन ऑफ एग्रीकल्चरल लैंड इन राजस्थान : ए डिस्ट्रिक्ट लेवल एनालिसिस", डॉ. सुचरिता सेन, 17.03.2006
353. सुश्री रिचा राज, "आस्पेक्ट्स ऑफ कम्यूनल आइडिऑलॉजी इन कलोनियल इंडिया : ए स्टडी ऑफ प्रोसक्राइब्ड कम्यूनल लिट्रेचर", प्रोफेसर मृदुला मुखर्जी, 17.03.2006
354. सुश्री स्मिता राज, "माइक्रो क्रेडिट सेल्फ हेल्प ग्रुप्स : सम इकोनॉमिक इश्यूज", डॉ. प्रवीण झा, 17.03.2006
355. श्री निकुंज कुमार दास, "लेवल्स ऑफ एज्यूकेशनल डिवलपमेंट ऑफ द शैड्यूल्ड ट्राइब्स ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया : ए जिऑग्राफिकल एनालिसिस", डॉ. सचिदानंद सिन्हा, 17.03.2006
356. सुश्री भावना सुमन, "नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन ऐंड द "रिमेकिंग ऑफ द ह्यूमन राइट्स अजेंडा इन इंडिया", डॉ. विधु वर्मा, 21.03.2006
357. श्री श्रीधर कुन्डू, "पॉवर्टी, इनइक्वलिटी ऐंड सोशॅल डिवलपमेंट : एन इंटर–स्टेट एनालिसिस ऑफ ट्रेंड्स ऐंड पैटर्न्स इन द पीरियड ऑफ ग्लोबलाइजेशन", प्रोफेसर अमिताभ कुन्डू, 21.03.2006
358. सुश्री चन्दन चौधरी, "सेक्युलरिज्म ऐंड हिन्दुत्व : ए ज्युडिसियल इंटरप्रिटेशन", प्रोफेसर जोया हसन, 24.03.2006
359. सुश्री के.बी. वन्दना, "सोसियोलॉजी ऑफ रिलीजन : ए केस स्टडी ऑफ बुद्धिज्म", प्रोफेसर आनंद कुमार, 27.03.2006
360. श्री विजयंत कुमार सिंह, "एनवायरमेंट, कॉमर्स ऐंड सोसायटी इन कोस्टल गुजरात ड्यूरिंग द सेवेनटींथ ऐंड एटींथ सेंच्युअरीज", डॉ. योगेश शर्मा, 27.03.2006
361. सुश्री अनिन्दता नन्दी, "रीजनल डिसपैरिटी इन इंडिया : रोल ऑफ इनफ्रास्ट्रक्चर", डॉ. अतुल सूद, 27.03.2006
362. सुश्री टी. सुगनया, "ग्रोथ–अप ऐज एडोलेसेंट्स एमिड्स्ट अकाडेमिक प्रेसर्स : ए सोसियोलॉजिकल इनक्वारी", प्रोफेसर अविजीत पाठक, 27.03.2006
363. श्री प्रीतिष कुमार साहू, "एम्प्लॉयमेंट ऐंड इनवेस्टमेंट इन आर्गेनाइज्ड मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर इन इंडिया : एन इंटर–स्टेट एनालिसिस", प्रोफेसर रवि एस. श्रीवास्तव, 27.03.2006
364. श्री विनसेंट लाकरा, "आर ऐंड डी इन एग्रीकल्चरल बॉयोटेक्नोलॉजी ऐंड फूड सिक्योरिटी इन इंडिया", डॉ. प्रणव एन. देसाई, 30.03.2006

365. श्री अब्बास अली बेग, "द ऑथेंटिक पालिटिसियंस : द इमर्जेंस ऐंड ग्रोथ ऑफ द नदवात–उल–उलमा, 1894–1912", प्रोफेसर माजिद हयाल सिद्दीकी, 30.03.2006

366. सुश्री शर्मिष्ठा बासु, "एन इनवेस्टीगेशन इनटू द चॉइस ऑफ फिमेल मेथॅड्स ऑफ कंट्रासेप्शन इन इंडिया", प्रोफेसर पी. एम. कुलकर्णी, 31.03.2006

367. श्री ओमबुकी चार्लस, "द इम्पेक्ट ऑफ इकोनॉमिक पॉलिसी ऑन एग्रीकल्चरल डिवलपमेंट इन केन्या (1980–2000)", डॉ. प्रवीण झा, 08.04.2005

368. श्री ए. एस. चन्द्रबोस, लेबर इन द टी इंडस्ट्री : ए कम्पैरेटिव रीजनल एनालिसिस ऑफ इंडिया ऐंड श्री लंका", प्रोफेसर अतिया हबीब किदवई, 29.04.2005

369. श्री दीपक कुमार, "इंटरनेट ऐंड द डिजिटल डिवाइड इन इंडिया : ए केस स्टडी ऑफ धार", प्रोफेसर आनंद कुमार, 15.04.2005

370. सुश्री शर्मिला मजूमदार, "रोल ऑफ ट्रेडिशनल बर्थ अटेंडेंट्स इन मेटरनिटी केयर : ए स्टडी ऑफ ए दिल्ली स्लम", प्रोफेसर इमराना कादिर और डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 28.04.2005

fodkl v/;;u dsUn] fr#ouUriqje

371. सुश्री एलिस सिबास्तियन, "एज्युकेटिड अनएम्प्लॉयमेंट ऐंड वुमन इन केरला", डॉ. के. ननवनीथम, 15.12.2005

372. श्री आशिश थॉमस जॉर्ज, "केटास्ट्रोफिक हैल्थ केयर एक्सपेंडीचर ऐंड इम्पोवरिशमेंट इन केरला : एन एनालिसिस बेस्ड ऑन एनएसएसओ 55थ राउंड, 1999–2000", डॉ. डी. नारायन और डॉ. यू. एस. मिश्रा, 15.12.2005

373. श्री जोसेफ जॉर्ज, "द जीएटीएस ऐंड इंडिया'ज ट्रेड इन बेंकिंग सर्विसिज", डॉ. के.एन. हरीलाल और डॉ. एन. शांता, 15.12.2005

374. श्री श्याम प्रसाद, "ए क्राइसिस इन मेकिंग" द पेंशन सिस्टम इन इंडिया विद स्पेशॅल रिफ्रेंस टू केरला", डॉ. एस. इरुदया राजन और डॉ. ई. टी. मैथ्यु, 15.12.2005

375. सुश्री रिमया प्रभा जी., "द लास्ट फोर डिकेड्स ऑफ अर्बन डिवलपमेंट इन केरला", डॉ. एस. इरुदया राजन ऑर डॉ. के. सी. जकरिया, 15.12.2005

376. सुश्री सेजुति झा, "फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स ऐंड रुल्स ऑफ आरिजिन : ए केस स्टडी ऑफ द इंडो–श्री लंका फ्री ट्रेड एग्रीमेंट", डॉ. के. एन. हरीलाल, 07.02.2006

मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम. टेक.)

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

1. श्री गुरदेव सिंह, "इश्यूज इन राउटिंग प्रोटोकोल्स फॉर "मानेट", प्रोफेसर जी. वी. सिंह और डॉ. डी. के. लोबियाल, 23.03.2005
2. श्री जशपाल सिंह, "डिजाइन ऑफ एन इंट्रानेट", प्रोफेसर जी. वी. सिंह और डॉ. डी. के. लोबियाल, 12.04.2005
3. मोहम्मद याहया हदी अल–शामरी, "मारकोव–बेस्ड मॉडलिंग ऑफ फेडिंग चेनल इन वायरलेस पाकेट नेटवर्क्स", प्रोफेसर कर्मेषु, 22.12.2005
4. श्री सौरभ भार्गव, "परफॉरमेंस इवेल्युएशन ऑफ ग्रिड लोकेशन सर्विस स्कीम", डॉ. डी. के. लोबियाल, 23.12.2005
5. श्री हरीश बसानी, "विजुअल क्युएरी जेनरेशन फॉर ऑबजेक्ट ऑरिएंटिड ऑन–लाइन एनालिटिकल प्रोसेसिंग", प्रोफेसर परिमाला एन., 29.12.2005
6. श्री कतुरी वेंक्टेश्वर राव, "ए वेब–बेस्ड सिम्पल सेंटेंस लेवल जीबी ट्रांसलेटर फ्राम हिंदी टू संस्कृत", प्रोफेसर जी. वी. सिंह, 29.12.2005
7. श्री राजीव कुमार सिंह, "सीक्यूर एम–कॉमर्स एप्लीकेशंस इन बैंकिंग इन्डस्ट्री", प्रोफेसर पी.सी. सक्सेना, 29.12.2005
8. श्री अमिताभ चन्द्र, "सीडीएमए ऑप्टीमाइजेशन यूजिंग न्यूरल नेटवर्क्स", प्रोफेसर पी. सी. सक्सेना, 20.01.2006
9. श्री विजय कुमार राजा इंजेती, "ए वेब–बेस्ड सिम्पल सेंटेंस लेवल जीबी ट्रांसलेटर फ्राम हिन्दी टू इंगलिश", प्रोफेसर जी. वी. सिंह, 20.01.2006
10. श्री अविजीत नन्दी, "स्लोटिड आलोहा सीडीएमए विद मल्टीएक्सेस इंटरफिरेंस–स्टेबिलिटी इश्यूज", प्रोफेसर कर्मेषु, 23.01.2006
11. श्री सतीश अद्दानकी, "ए वेब–बेस्ड सिम्पल सेंटेंस लेवल जीबी ट्रांसलेटर फ्राम संस्कृत टू हिंदी", प्रोफेसर जी.वी.सिंह, 23.01.2006
12. श्री पाओमिनलेन हाओकिप,"डिजाइन चेलेंजिज एंड कम्प्लेक्सिटीज ऑफ फ्यूचर मोबाइल फोन्स फ्राम इम्बेडिड सिस्टम्स पर्सपेक्टिव", प्रोफेसर सी. पी. कट्टी, 20.01.2006
13. सुश्री बोड़ु सुमा, "डॉक्यूमेंट समराइजेशन यूजिंग ऑटोमेटिकली एक्सट्राक्टिड कीफ्रासिस", प्रोफेसर के.के. भारद्वाज, 23.01.2006
14. श्री नागाराजू देवराकोंडा, "ए वेब–बेस्ड सिम्पल सेंटेंस लेवल जीबी ट्रांसलेटर फ्राम इंगलिश टू संस्कृत", प्रोफेसर जी. वी. सिंह, 23.01.2006
15. श्री निंगोमबम जॉन, "लीनिअर क्रिप्टएनालिसिस ऑफ डीईज साइफर", प्रोफेसर पी.सी. सक्सेना और प्रोफेसर सी.पी. कट्टी, 31.01.2006